905 टैम का

हर किताब पूरी

एक बुरे आदमी का नॉवेल... और एक कमज़ोर आदमी का... और उनका भयानक सौदा

ट्रेन में अजनबी

पेट्रीसिया हाईसमिथ

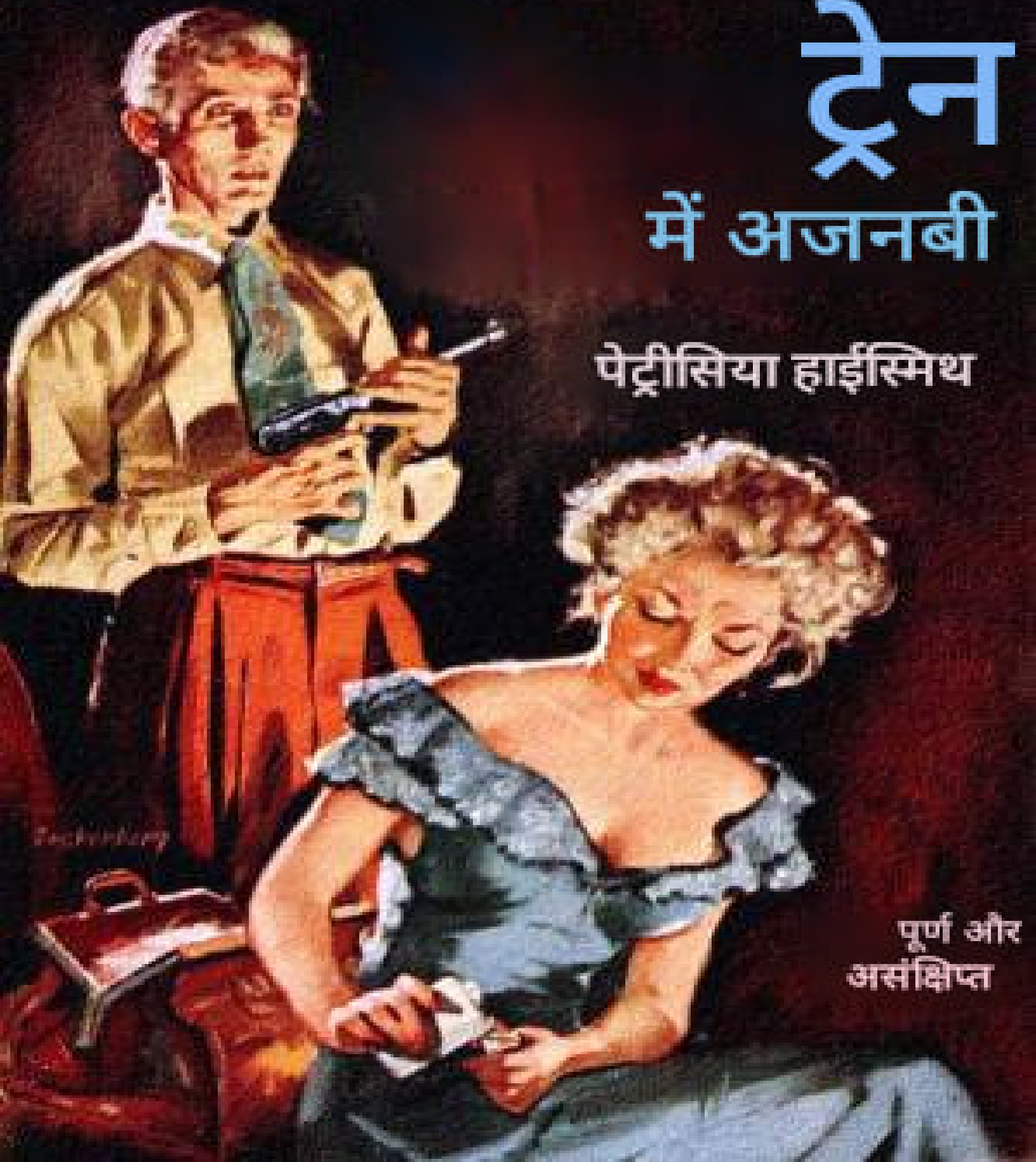

पूर्ण और असंक्षिप्त

Table of Contents

पैट्रीशिया हाईस्मिथ द्वारा भी लिखित।
शीर्षक पेज
अंतर्वस्तु
एक
दो
तीन
चार
पाँच
छह
सात
आठ
नौ
दस
ग्यारह
बारह
तेरह
चौदह
पंद्रह
सोलह
सत्रह
अठारह
उन्नीस
बीस
इक्कीस
बाईस

तेईस
चौबीस
पच्चीस
छब्बीस
सत्ताईस
अट्ठाईस
उनतीस
तीस
इकतीस
बत्तीस
तैंतीस
चौंतीस
पैंतीस
छत्तीस
सैंतीस
अड़तीस
उनतीस
चालीस
इकतालीस
बयालीस
तैंतालीस
चौवालीस
पैंतालीस
छियालीस
सैंतालीस
लेखक के बारे में
प्रशंसा
कॉपीराइट

पैट्रीसिया हाईस्मिथ की अतिरिक्त पुस्तकें
डब्ल्यू. डब्ल्यू. नॉर्टन द्वारा प्रकाशित
दया का निलंबन
गलती करने वाला
दरवाजे पर दस्तक देने वाले लोग
कांच की कोठरी
गहरा पानी
यह मीठी बीमारी
एक कुत्ते का फिरौती
छोटा जी: एक ग्रीष्मकालीन सुखद दृश्य
स्त्रीद्वेष की छोटी-छोटी कहानियाँ
जानवरों से प्यार करने वालों के लिए क्रूर हत्या की मार्गदर्शिका
धीरे-धीरे, हवा में
काला घर
गोल्फ कोर्स पर जलपरियां
प्रतिभाशाली श्री रिप्ले
रिप्ले अंडरग्राउंड
रिप्ले का खेल
वह लड़का जिसने रिप्ले का पीछा किया
रिप्ले पानी के नीचे
नमक की कीमत (क्लेयर मॉर्गन के रूप में)
आँखों से दिखाई न देने वाली बातें: पेट्रीसिया हाईस्मिथ की अप्रकाशित कहानियाँ

अन्य प्रकाशकों की अतिरिक्त पुस्तकें
मिरांडा द पांडा इज़ ऑन द वेरंडा (विद डोरिस सैंडर्स)
जीवितों के लिए एक खेल
उल्लू की चीख

जनवरी के दो चेहरे
सस्पेंस फिक्शन की रूपरेखा तैयार करना और लिखना
जो लोग चले जाते हैं
जालसाजी का कंपन
घोंघा-निरीक्षक और अन्य कहानियाँ
एडिथ की डायरी
सड़क पर मिला
प्राकृतिक और अप्राकृतिक आपदाओं की कहानियाँ

ट्रेन में अजनबी

पेट्रीसिया हाईस्मिथ

डब्ल्यू. डब्ल्यू. नॉर्टन एंड कंपनी, न्यूयॉर्क, लंदन
अंतर्वस्तु

पढ़ना शुरू करें

एक

ट्रेन गुस्से भरी, अनियमित लय में तेज़ी से आगे बढ़ रही थी। उसे छोटे-छोटे और बार-बार आने वाले स्टेशनों पर रुकना पड़ रहा था, जहाँ वह कुछ पल के लिए अधीरता से इंतज़ार करती, फिर मैदान में दौड़ पड़ती। लेकिन प्रगति न के बराबर थी। मैदान बस लहरों की तरह हिल रहा था, मानो एक विशाल, गुलाबी-भूरे रंग की चादर को लापरवाही से हिलाया जा रहा हो। ट्रेन जितनी तेज़ चलती, मैदान की लहरें उतनी ही ज़्यादा उछलती और चुनौती देती हुई लगतीं।

गाय ने खिड़की से अपनी नजरें हटाईं और खुद को वापस सीट के सहारे टिका लिया।

उसने सोचा कि मरियम ज़्यादा से ज़्यादा तलाक़ को टाल देगी। हो सकता है कि वह तलाक़ चाहती ही न हो, सिर्फ़ पैसा चाहती हो। क्या उससे कभी तलाक़ हो भी पाएगा?

उसे एहसास हुआ कि नफरत ने उसकी सोच को पंगु बना दिया था, न्यूयॉर्क में तर्क ने उसे जो रास्ते दिखाए थे, उन्हें उसने छोटी-छोटी बंद गलियों में बदल दिया था। वह अपने आगे मिरियम को महसूस कर सकता था, जो अब ज्यादा दूर नहीं थी, गुलाबी और हल्के भूरे रंग के धब्बों वाली, और खिड़की से दिख रहे मैदान की तरह एक अस्वस्थ गर्मी बिखेर रही थी। उदास और क्रूर।

अनायास ही उसने सिगरेट की ओर हाथ बढ़ाया, दसवीं बार याद आया कि पुलमैन कार में सिगरेट पीना मना है, फिर भी उसने एक सिगरेट उठा ली। उसने अपनी घड़ी पर दो बार सिगरेट को थपथपाया, समय देखा, 5:12, मानो आज इसका कोई महत्व हो, और माचिस जलाने से पहले सिगरेट को अपने मुंह के कोने में दबा लिया। सिगरेट ने उसके हाथ में माचिस की जगह ले ली, और वह धीरे-धीरे कश लेता रहा। बार-बार उसकी भूरी आँखें खिड़की के बाहर के अडिग, मनमोहक दृश्य पर टिकी हुई थीं। उसकी मुलायम कमीज़ का कॉलर ऊपर उठने लगा। खिड़की के शीशे में शाम के धुंधलके से बन रहे प्रतिबिंब में, उसके जबड़े के पास सफेद कॉलर का ऊपरी हिस्सा पिछली सदी की शैली का आभास दे रहा था, ठीक वैसे ही जैसे उसके काले बाल जो ऊपर से लंबे और खुले थे और पीछे से सटे हुए थे। बालों का उठाव और उसकी लंबी नाक की ढलान उसे एक दृढ़ संकल्प और किसी तरह आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रही थी, हालाँकि सामने से देखने पर, उसकी घनी, क्षैतिज भौहें और होंठ एक ठहराव और संयम का भाव प्रकट कर रहे थे। उसने फलालैन की पतलून पहनी हुई थी जिसे इस्त्री करने की जरूरत थी, एक गहरे रंग की जैकेट जो उसके दुबले-पतले शरीर पर ढीली पड़ गई थी और जहां रोशनी पड़ रही थी वहां हल्का बैंगनी रंग दिख रहा था, और एक टमाटर के रंग की ऊनी टाई, जिसे लापरवाही से बांधा गया था।

उसे नहीं लगता था कि मरियम तभी बच्चा पैदा करेगी जब वह खुद चाहेगी। इसका मतलब यह होना चाहिए कि उसका प्रेमी उससे शादी करना चाहता था। लेकिन उसने उसे क्यों बुलाया था? उसे तलाक के लिए उसकी ज़रूरत नहीं थी। और वह उसी उबाऊ बात को क्यों दोहरा रहा था जो उसने चार दिन पहले मरियम का पत्र मिलने पर दोहराई थी? मरियम की गोल-गोल लिखावट में पाँच-छह पंक्तियों में बस इतना लिखा था कि वह गर्भवती है और उससे मिलना चाहती है। उसने सोचा कि उसका गर्भवती होना तलाक की गारंटी देता है, तो फिर वह इतना घबराया हुआ क्यों था? उसे सबसे ज़्यादा इस बात का शक सता रहा था कि कहीं उसके मन में कहीं गहरे में जलन तो नहीं है क्योंकि वह किसी और आदमी का बच्चा जन्म देने वाली थी और उसने कभी उसका अपना गर्भपात करवाया था। नहीं, यह तो बस शर्म थी जो उसे परेशान कर रही थी, उसने खुद से कहा, शर्म कि उसने कभी मरियम जैसी इंसान से प्यार किया था। उसने अपनी सिगरेट हीटर के जालीदार कवर पर मसल दी। सिगरेट का टुकड़ा उसके पैरों के पास लुढ़क गया, और उसने उसे वापस हीटर के नीचे फेंक दिया।

अब आगे देखने के लिए बहुत कुछ था। उसका तलाक, फ्लोरिडा में काम—यह लगभग तय था कि बोर्ड उसके डिज़ाइन अस्वीकार कर देगा, और उसे इस सप्ताह पता चल जाएगा—और ऐनी। वह और ऐनी अब योजना बनाना शुरू कर सकते थे। एक साल से ज़्यादा समय से वह किसी चीज़ का इंतज़ार कर रहा था, बेचैन था—कि ऐसा हो जाए कि वह आज़ाद हो जाए। उसे अंदर से खुशी का एक सुखद एहसास हुआ, और वह मखमली कुर्सी के कोने में आराम से बैठ गया। असल में, पिछले तीन सालों से वह इसी के होने का इंतज़ार कर रहा था। वह तलाक खरीद सकता था, बेशक, लेकिन उसके पास कभी इतना पैसा जमा नहीं हुआ था। किसी फर्म में नौकरी के बिना आर्किटेक्ट के रूप में करियर शुरू करना आसान नहीं था और अभी भी नहीं है। मिरियम ने कभी आमदनी नहीं माँगी, लेकिन वह उसे दूसरे तरीकों से परेशान करती थी, मेटकाफ में उसके बारे में ऐसे बात करती थी जैसे उनके बीच अभी भी अच्छे संबंध हों, जैसे वह न्यूयॉर्क में सिर्फ़ खुद को स्थापित करने और अंततः उसे बुलाने के लिए गया हो। कभी-कभी वह उससे पैसे के लिए लिखती थी, छोटी लेकिन परेशान करने वाली रकम जो वह उसे दे देता था क्योंकि

उसके लिए मेटकाफ में उसके खिलाफ अभियान शुरू करना बहुत आसान, बहुत स्वाभाविक होता था, और उसकी माँ मेटकाफ में ही रहती थी।

जंग लगे भूरे रंग का सूट पहने एक लंबा, गोरा युवक गाय के सामने खाली सीट पर आकर बैठ गया और हल्की सी दोस्ताना मुस्कान के साथ कोने में खिसक गया। गाय ने उसके पीले, छोटे से चेहरे पर एक नज़र डाली। उसके माथे के ठीक बीचोंबीच एक बड़ा सा मुंहासा था। गाय ने फिर से खिड़की से बाहर देखा।

उसके सामने बैठा युवक दुविधा में था कि बातचीत शुरू करे या झपकी ले। उसकी कोहनी खिड़की की चौखट पर बार-बार फिसल रही थी, और जब भी उसकी छोटी पलकें खुलतीं, तो उसकी लाल-लाल भूरी आँखें उसे ही देखतीं और चेहरे पर हल्की मुस्कान लौट आती। शायद उसने थोड़ा नशा कर रखा था।

गाइ ने अपनी किताब खोली, लेकिन आधा पन्ना पढ़ते ही उसका ध्यान कहीं और भटक गया। कार की छत पर टिमटिमाती सफेद फ्लोरोसेंट बत्तियों की कतार देखकर उसकी नज़र ऊपर उठी, उसकी निगाहें एक सीट के पीछे दुबली-पतली हथेली में बंधी बिना जली सिगार पर पड़ीं, जो बातचीत के अंदाज़ में घूम रही थी, और उसके सामने बैठे युवक की टाई पर पतली सोने की चेन में कांपते हुए मोनोग्राम पर भी। मोनोग्राम CAB था, और टाई हरे रेशम की थी, जिस पर नारंगी रंग के ताड़ के पेड़ हाथ से उकेरे गए थे। उसका लंबा, जंग लगे भूरे रंग का शरीर अब बेबस होकर फैला हुआ था, सिर पीछे की ओर झुका हुआ था, जिससे माथे पर निकला बड़ा फुंसी या फोड़ा मानो फूट पड़ा हो। यह एक दिलचस्प चेहरा था, हालांकि गाइ को नहीं पता था क्यों। यह न तो जवान लग रहा था, न बूढ़ा, न बुद्धिमान, न पूरी तरह मूर्ख। संकरे उभरे हुए माथे और चौड़े जबड़े के बीच, यह विकृत रूप से गड्ढा बनाता गया, जहाँ मुँह एक पतली रेखा में स्थित था वहाँ गहरा, और पलकों के छोटे-छोटे उभारों वाले नीले गड्ढों में सबसे गहरा। त्वचा किसी लड़की की तरह चिकनी थी, मानो मोम जैसी निर्मल, मानो उसकी सारी अशुद्धियाँ निकलकर फुंसी के उभार को पोषण दे रही हों।

कुछ क्षणों के लिए गाय ने फिर से पढ़ा। शब्द उसे समझ में आने लगे और उसकी चिंता कुछ कम होने लगी। लेकिन प्लेटो मरियम के साथ तुम्हारा क्या भला करेगा? एक अंतर्मन की आवाज़ ने उससे पूछा। न्यूयॉर्क में भी उसने यही पूछा था,

लेकिन फिर भी वह किताब ले आया था, हाई स्कूल के दर्शनशास्त्र पाठ्यक्रम की एक पुरानी किताब, शायद मरियम से मिलने की यात्रा के बदले में। उसने खिड़की से बाहर देखा और अपनी छवि देखकर अपने मुड़े हुए कॉलर को सीधा किया। ऐनी हमेशा उसके लिए ऐसा करती थी। अचानक उसे उसके बिना असहाय महसूस हुआ। उसने अपनी स्थिति बदली, गलती से सो रहे युवक के फैले हुए पैर को छू लिया और मंत्रमुग्ध होकर पलकों को फड़फड़ाते और खुलते हुए देखा। ऐसा लग रहा था मानो पलकों के बीच से उसकी लाल आँखें लगातार उस पर ही टिकी हुई थीं।

“माफ़ करना,” गाय ने धीरे से कहा।

“कोई बात नहीं,” दूसरे ने कहा। वह उठ बैठा और उसने अपना सिर तेज़ी से हिलाया। “हम कहाँ हैं?”

टेक्सास में प्रवेश करना।

सुनहरे बालों वाले उस युवक ने अपनी जेब से एक सोने की बोतल निकाली, उसे खोला और सौहार्दपूर्वक आगे बढ़ाया।

“नहीं, धन्यवाद,” गाय ने कहा। गाय ने गौर किया कि सामने वाली सीट पर बैठी महिला, जिसने सेंट लुइस से बुनाई करते हुए अपनी नज़रें नहीं हटाई थीं, ने ठीक उसी समय उसकी ओर देखा जब बोतल धातु की छप-छप की आवाज़ के साथ उलट गई।

“तुम कहाँ जा रहे हो?” अब मुस्कान एक पतली, नम अर्धचंद्राकार आकृति जैसी लग रही थी।

“मेटकाफ,” गाय ने कहा।

“ओह। बढ़िया शहर है, मेटकाफ। क्या आप व्यापार के सिलसिले में बाहर गए हैं?” उसने अपनी सूजी हुई आँखों को विनम्रता से झपकाया।

"हाँ।"

"क्या काम?"

गाइ ने अनिच्छा से अपनी किताब से नज़रें उठाईं। "वास्तुकार।"

“ओह,” उदास जिज्ञासा के साथ। “घर और ऐसी ही चीजें बनाना?”

"हाँ।"

“मुझे नहीं लगता कि मैंने अपना परिचय दिया है।” वह आधा खड़ा हो गया। “ब्रूनो। चार्ल्स एंथोनी ब्रूनो।”

गाइ ने संक्षेप में हाथ मिलाया। "गाइ हेन्स।"

“आपसे मिलकर खुशी हुई। आप न्यूयॉर्क में रहते हैं?” कर्कश भारी आवाज बनावटी लग रही थी, मानो वह खुद को जगाने के लिए बोल रहा हो।

"हाँ।"

मैं लॉन्ग आइलैंड में रहता हूँ। थोड़ी छुट्टी मनाने सांता फ़े जा रहा हूँ। क्या आप कभी सांता फ़े गए हैं?

गाइ ने अपना सिर हिलाया।

“आराम करने के लिए बहुत बढ़िया शहर है।” उसने मुस्कुराते हुए अपने टूटे-फूटे दांत दिखाए। “मुझे लगता है कि वहाँ ज्यादातर भारतीय वास्तुकला है।”

एक कंडक्टर गलियारे में रुक गया और टिकटों को पलटने लगा। उसने ब्रूनो से पूछा, "क्या यह आपकी सीट है?"

ब्रूनो ने अपने कोने में अधिकार जताते हुए झुककर कहा, "ड्राइंग रूम बगल वाली कार में है।"

"नंबर तीन?"

“मुझे लगता है। हाँ।”

कंडक्टर ने बोलना जारी रखा।

“वो लोग!” ब्रूनो ने धीरे से कहा। वह आगे झुका और खिड़की से बाहर मजे से देखने लगा।

गाइ अपनी किताब में वापस लग गया, लेकिन दूसरे की असहनीय ऊब और इस एहसास ने कि वह किसी भी पल कुछ कहने वाला है, उसे ध्यान केंद्रित करने से रोक दिया। गाइ ने ढाबे पर जाने के बारे में सोचा, लेकिन किसी कारणवश बैठा रहा। ट्रेन फिर से धीमी हो रही थी। जब ब्रूनो बोलने के लिए तैयार हुआ, तो गाइ उठा, अगले डिब्बे में चला गया और ट्रेन के पूरी तरह रुकने से पहले ही सीढ़ियों से कूदकर कुरकुरी ज़मीन पर आ गया।

शाम ढलने से भरी हुई, अधिक प्राकृतिक हवा उसे घुटन भरे तकिये की तरह लगी। धूल भरी, धूप से गर्म बजरी, तेल और गर्म धातु की गंध थी। वह भूखा था और

ढाबे के पास ही रुका रहा, जेब में हाथ डाले धीरे-धीरे टहलता रहा, गहरी साँसें लेता रहा, हालाँकि उसे यह पसंद नहीं था। आकाश में लाल, हरे और सफेद रोशनी का एक समूह दक्षिण की ओर झिलमिलाता हुआ दिखाई दे रहा था। कल, ऐनी शायद इसी रास्ते से मेक्सिको जा रही होती, उसने सोचा। वह उसके साथ हो सकता था। वह चाहती थी कि वह मेटकाफ तक उसके साथ आए। अगर मरियम न होती, तो वह शायद उसे एक दिन रुकने और अपनी माँ से मिलने के लिए कहता। या मरियम की परवाह किए बिना भी, अगर वह अलग तरह का इंसान होता, अगर वह बस बेपरवाह हो सकता। उसने ऐनी को मरियम के बारे में, लगभग सब कुछ बता दिया था, लेकिन वह उनकी मुलाकात के बारे में सोच भी नहीं सकता था। वह सोचने के लिए ट्रेन में अकेले यात्रा करना चाहता था। और उसने अब तक क्या सोचा था? मिरियम के मामले में सोचने-समझने या तर्क करने का क्या फायदा था?

कंडक्टर की आवाज ने चेतावनी दी, लेकिन गाय आखिरी क्षण तक इधर-उधर घूमता रहा, फिर उसने खुद को भोजनालय के पीछे वाली गाड़ी में चढ़ा लिया।

वेटर ने अभी ऑर्डर लिया ही था कि तभी एक गोरा युवक कार के दरवाजे पर लड़खड़ाता हुआ, थोड़ा उग्र सा चेहरा लिए, मुँह में एक छोटी सिगरेट लिए हुए दिखाई दिया। गाय उसे पूरी तरह से भूल चुका था और अब उसकी लंबी, सांवली आकृति एक धुंधली सी अप्रिय याद जैसी लग रही थी। गाय ने उसे देखते ही मुस्कुराते हुए देखा।

“मुझे लगा था कि तुम्हारी ट्रेन छूट गई होगी,” ब्रूनो ने हंसते हुए कहा और एक कुर्सी खींच ली।

"अगर आपको कोई आपत्ति न हो, श्रीमान ब्रूनो, तो मुझे कुछ देर के लिए एकांत चाहिए। मुझे कुछ बातों पर विचार करना है।"

ब्रूनो ने जलती हुई उंगलियों से सिगरेट बुझाई और उसे खाली निगाहों से देखा। वह पहले से ज़्यादा नशे में था। उसका चेहरा धुंधला और किनारों से अस्पष्ट लग रहा था। "मेरे घर में हमें एकांत मिल सकता है। हम वहाँ रात का खाना खा सकते हैं। कैसा रहेगा?"

"धन्यवाद, मैं यहीं रहना पसंद करूंगा।"

“ओह, लेकिन मैं ज़ोर दे रहा हूँ। वेटर!” ब्रूनो ने ताली बजाई। “क्या आप इस सज्जन का ऑर्डर ड्राइंग रूम नंबर तीन में भेजकर मेरे लिए मीडियम रेयर स्टेक, फ्रेंच फ्राइज़ और एप्पल पाई लाएँगे? और दो स्कॉच और सोडा भी जितनी जल्दी हो सके, लाएँगे?” उसने गाय की तरफ देखा और मुस्कुराया, एक कोमल, उदास मुस्कान के साथ। “ठीक है?”

गाइ ने पहले तो बहस की, फिर उठकर उसके साथ चला गया। आख़िर इससे क्या फ़र्क पड़ता था? और क्या वह खुद से पूरी तरह तंग नहीं आ चुका था?

स्कॉच की कोई ज़रूरत नहीं थी, बस गिलास और बर्फ़ उपलब्ध कराने के लिए। मगरमच्छ की चमड़ी के सूटकेस पर सजी चार पीले लेबल वाली स्कॉच की बोतलें ही उस छोटे से कमरे की एकमात्र व्यवस्थित वस्तु थीं। सूटकेस और अलमारी के ट्रंकों ने फर्श के बीचोंबीच बने एक छोटे से भूलभुलैयानुमा हिस्से को छोड़कर हर जगह रास्ता रोक रखा था, और उनके ऊपर खेल के कपड़े और उपकरण, टेनिस रैकेट, गोल्फ क्लबों का एक थैला, कुछ कैमरे, फलों की एक टोकरी और गुलाबी कागज़ में लिपटी शराब बिखरी पड़ी थी। खिड़की के पास वाली सीट पर कई पत्रिकाएँ, कॉमिक किताबें और उपन्यास बिखरे पड़े थे। साथ ही, ढक्कन पर लाल रिबन बंधा एक कैंडी का डिब्बा भी था।

"लगता तो कुछ एथलेटिक सा है," ब्रूनो ने अचानक माफी मांगते हुए कहा।

“कोई बात नहीं।” गाय धीरे से मुस्कुराया। कमरा उसे अच्छा लगा और एकांत का सुखद एहसास दिलाया। मुस्कान के साथ ही उसकी गहरी भौहें तन गईं, जिससे उसके चेहरे का भाव बदल गया। अब उसकी नज़रें बाहर की ओर थीं। वह सूटकेसों के बीच बनी गलियों में फुर्ती से कदम रखते हुए, एक जिज्ञासु बिल्ली की तरह चीजों का निरीक्षण कर रहा था।

“एकदम नया। मैंने कभी गेंद को हाथ भी नहीं लगाया,” ब्रूनो ने उसे बताया और उसे छूने के लिए एक टेनिस रैकेट आगे बढ़ाया। “मेरी माँ मुझे ये सब चीज़ें साथ ले जाने के लिए मजबूर करती है, ताकि मैं शराबखानों में न जाऊँ। वैसे भी, अगर ये खत्म हो जाए तो इन्हें गिरवी रख दूँ। मुझे यात्रा के दौरान शराब पीना अच्छा लगता है। इससे माहौल और भी अच्छा हो जाता है, है ना?” हाईबॉल्स आ गए और ब्रूनो ने अपनी एक बोतल से उन्हें और गाढ़ा किया। “बैठ जाओ। अपना कोट उतार दो।”

लेकिन उनमें से कोई भी बैठा नहीं और न ही उसने अपना कोट उतारा। कुछ मिनटों तक दोनों के बीच अजीब सी खामोशी छाई रही, वे एक-दूसरे से कुछ भी नहीं कह पाए। गाय ने स्कॉच से भरी अपनी हाईबॉल का एक घूंट लिया और नीचे बिखरे हुए फर्श की ओर देखा। गाय ने गौर किया कि ब्रूनो के पैर कुछ अजीब थे, या शायद जूतों की वजह से। छोटे, हल्के भूरे रंग के जूते, जिनका लंबा और सादा आगे का हिस्सा ब्रूनो की गोल ठुड्डी जैसा था। किसी तरह पुराने ज़माने के पैर लग रहे थे। और ब्रूनो उतना दुबला-पतला नहीं था जितना उसने सोचा था। उसकी लंबी टांगें भारी थीं और शरीर गोल-मटोल था।

ब्रूनो ने सावधानी से कहा, "मुझे उम्मीद है कि जब मैं भोजनालय में आया तो आपको गुस्सा नहीं आया होगा।"

"अरे नहीं।"

मुझे अकेलापन महसूस हुआ। आप जानते हैं।

गाइ ने ड्राइंग रूम में अकेले यात्रा करने के अकेलेपन के बारे में कुछ कहा, फिर लगभग किसी चीज़ से टकराकर गिरते-गिरते बचा: रोलेफ्लेक्स कैमरे का पट्टा। उसके चमड़े के कवर के किनारे पर एक नया सफेद खरोंच था। उसे ब्रूनो की शर्मीली निगाहों का एहसास हुआ। ज़ाहिर है, वह ऊबने वाला था। आखिर आया क्यों था? अंतरात्मा की एक कशमकश ने उसे भोजनालय लौटने के लिए मजबूर कर दिया। तभी वेटर पीतल की ट्रे लेकर आया और झट से एक मेज पर बैठ गया। कोयले पर भुने मांस की खुशबू ने उसे खुश कर दिया। ब्रूनो ने बिल चुकाने के लिए इतनी ज़िद की कि गाइ को हार माननी पड़ी। ब्रूनो ने मशरूम से ढका एक बड़ा स्टेक लिया। गाइ ने हैमबर्गर लिया।

आप मेटकाफ में क्या बना रहे हैं?

“कुछ नहीं,” गाय ने कहा। “मेरी माँ वहाँ रहती है।”

“ओह,” ब्रूनो ने दिलचस्पी से कहा। “उससे मिलने जा रहे हो? क्या तुम वहीं से हो?”

“हां। मेरा जन्म वहीं हुआ था।”

“तुम तो बिल्कुल टेक्सासवासी जैसे नहीं लगते।” ब्रूनो ने अपने स्टेक और फ्रेंच फ्राइज़ पर केचप छिड़क दिया, फिर बड़े सलीके से अजमोद उठाया और उसे

लहराते हुए कहा, “कितने समय से तुम घर नहीं गए हो?”

लगभग दो साल।

“क्या तुम्हारे पिता भी वहाँ हैं?”

मेरे पिता की मृत्यु हो गई है।

"ओह। अपनी माँ के साथ अच्छे से रहना ठीक है?"

गाइ ने कहा कि उसने पिया था। गाइ को स्कॉच का स्वाद उतना पसंद नहीं था, फिर भी उसे अच्छा लगा क्योंकि इससे उसे ऐनी की याद आ गई। जब भी वह पीती थी, स्कॉच पीती थी। यह बिल्कुल ऐनी की तरह सुनहरा, प्रकाश से भरपूर और कलात्मक ढंग से बना हुआ था। "आप लॉन्ग आइलैंड में कहाँ रहते हैं?"

"शानदार गर्दन।"

ऐनी लॉन्ग आइलैंड पर काफी दूर रहती थी।

“एक घर जिसे मैं 'डॉगहाउस' कहता हूँ,” ब्रूनो ने आगे कहा। “उसके चारों ओर डॉगवुड के पेड़ हैं और उसमें रहने वाला हर कोई किसी न किसी तरह के 'डॉगहाउस' में है, यहाँ तक कि ड्राइवर भी।” वह अचानक सचमुच खुशी से हँस पड़ा और फिर से अपने खाने पर झुक गया।

अब उसे देखते हुए, गाय को केवल उसके पतले, कम बालों वाले सिर का ऊपरी हिस्सा और उभरा हुआ फुंसी ही दिखाई दे रहा था। सोते हुए देखने के बाद से उसे फुंसी का एहसास नहीं हुआ था, लेकिन अब जब उसने उसे फिर से देखा, तो वह उसे एक भयानक, चौंकाने वाली चीज़ लगी और उसे केवल वही देख पा रहा था। "क्यों?" गाय ने पूछा।

“मेरे पिता का वृत्तांत। कमीना। मेरी माँ से भी मेरे संबंध ठीक-ठाक हैं। मेरी माँ कुछ दिनों में सांता फ़े आ रही हैं।”

“यह अच्छा है।”

“हाँ,” ब्रूनो ने मानो उसका विरोध करते हुए कहा। “हम साथ में खूब मस्ती करते हैं—साथ में बैठते हैं, गोल्फ़ खेलते हैं। हम साथ में पार्टियों में भी जाते हैं।” वह हँसा, आधा शर्मिंदा, आधा गर्व से भरा हुआ, और अचानक अनिश्चित और युवा सा लग रहा था। “तुम्हें यह मज़ाकिया लगता है?”

“नहीं,” गाय ने कहा।

“काश मेरे पास खुद का पैसा होता। देखिए, मेरी आमदनी इसी साल से शुरू होनी थी, पर मेरे पिता मुझे वो पैसा नहीं लेने दे रहे। वो सारा पैसा अपने खजाने में डाल रहे हैं। शायद आपको यकीन न हो, लेकिन मेरे पास अब उतना ही पैसा है जितना स्कूल के दिनों में था, जब मेरी सारी फीस भरी जाती थी। मुझे कभी-कभी अपनी माँ से सौ डॉलर माँगने पड़ते हैं।” उसने हिम्मत से मुस्कुराते हुए कहा।

"काश तुमने मुझे बिल चुकाने दिया होता।"

“अरे नहीं!” ब्रूनो ने विरोध किया। “मेरा मतलब है, ये बहुत बुरा होता है, है ना, जब तुम्हारा अपना बाप तुम्हें लूट ले। ये तो उसका पैसा भी नहीं है, ये तो मेरी माँ के परिवार का पैसा है।” उसने गाय की प्रतिक्रिया का इंतज़ार किया।

क्या इस बारे में तुम्हारी मां की कोई राय नहीं है?

“जब मैं बच्चा था, तब मेरे पिता ने इस पर अपना नाम लिखवाया था!” ब्रूनो ने कर्कश आवाज में चिल्लाकर कहा।

“ओह।” गाय सोचने लगा कि ब्रूनो कितने लोगों से मिला होगा, उन्हें खाना खिलाया होगा और अपने पिता के बारे में यही कहानी सुनाई होगी। “उसने ऐसा क्यों किया?”

ब्रूनो ने निराशा से कंधे उचकाते हुए हाथ ऊपर उठाए और फिर जल्दी से उन्हें अपनी जेबों में छिपा लिया। “मैंने कहा था ना कि वो कमीना है? वो जिसे भी लूट सकता है, लूटता है। अब कहता है कि मुझे नहीं देगा क्योंकि मैं काम नहीं करूंगा, पर ये झूठ है। उसे लगता है कि मेरी माँ और मैं पहले से ही बहुत मज़े में हैं। वो हमेशा बीच में दखल देने के तरीके ढूंढता रहता है।”

गाय उसे और उसकी माँ को देख सकता था, जो लॉन्ग आइलैंड की एक युवा सामाजिक महिला थी, जो बहुत ज्यादा मस्कारा लगाती थी और कभी-कभी, अपने बेटे की तरह, सख्त लोगों की संगति का आनंद लेती थी। "तुमने कॉलेज कहाँ से किया?"

“हार्वर्ड। दूसरे साल ही कॉलेज से निकल गया। शराब और जुआ खेलता था।” उसने अपने पतले कंधों को मरोड़ते हुए कहा। “तुम्हारे जैसा नहीं, है ना? ठीक है, मैं आवारा हूँ, तो क्या हुआ?” उसने दोनों के लिए और स्कॉच डाली।

"किसने कहा कि तुम हो?"

“मेरे पिता यही कहते हैं। उन्हें तुम्हारे जैसा एक शांत और सौम्य बेटा होना चाहिए था, तब सब लोग खुश होते।”

आपको ऐसा क्यों लगता है कि मैं शांत और सौम्य स्वभाव की हूँ?

“मेरा मतलब है, आप गंभीर हैं और कोई पेशा चुनते हैं। जैसे वास्तुकला। मैं, मुझे काम करने का मन नहीं करता। मुझे काम करने की ज़रूरत नहीं है, समझे? मैं न तो लेखक हूँ, न चित्रकार, न संगीतकार। अगर किसी को काम करने की ज़रूरत नहीं है, तो क्या कोई कारण है कि वह काम करे? मुझे आसानी से अल्सर हो जाएँगे। मेरे पिता को अल्सर हैं। हा हा! उन्हें अब भी उम्मीद है कि मैं उनके हार्डवेयर के कारोबार में आ जाऊँगा। मैं उनसे कहता हूँ कि उनका सारा कारोबार, कानूनी तौर पर गला काटने जैसा है, जैसे शादी कानूनी तौर पर व्यभिचार है। क्या मैं सही कह रहा हूँ?”

गाय ने उसे तिरछी नज़रों से देखा और अपने कांटे पर रखे फ्रेंच फ्राइड आलू पर नमक छिड़का। वह धीरे-धीरे खा रहा था, अपने भोजन का आनंद ले रहा था, यहाँ तक कि ब्रूनो का भी, जैसे वह किसी दूर के मंच पर किसी मनोरंजन का आनंद ले रहा हो। असल में, वह ऐनी के बारे में सोच रहा था। कभी-कभी ऐनी का धुंधला, निरंतर सपना उसे बाहरी दुनिया से ज़्यादा वास्तविक लगता था, जो केवल तीखे टुकड़ों, कभी-कभार दिखने वाली छवियों के रूप में ही उसके सामने आती थी, जैसे रोलेफ्लेक्स केस पर खरोंच, ब्रूनो द्वारा मक्खन में डुबोई गई लंबी सिगरेट, और उस पिता की तस्वीर का टूटा हुआ शीशा जिसे ब्रूनो ने अपनी कहानी में हॉल में फेंक दिया था। गाय को अभी-अभी ख्याल आया कि मिरियम से मिलने और फ्लोरिडा जाने के बीच उसे मैक्सिको में ऐनी से मिलने का समय मिल सकता है। अगर वह मिरियम से जल्दी निपट लेता है, तो वह मैक्सिको के लिए उड़ान भर सकता है और फिर पाम बीच जा सकता है। यह विचार उसे पहले नहीं आया था क्योंकि उसके पास इतने पैसे नहीं थे। लेकिन अगर पाम बीच का अनुबंध हो जाता, तो वह ऐसा कर सकता था।

“क्या आप इससे ज़्यादा अपमानजनक कुछ सोच सकते हैं? उस गैरेज को बंद कर देना जहाँ मेरी अपनी कार खड़ी है?” ब्रूनो की आवाज़ काँप गई थी और चीखने जैसी तीखी हो गई थी।

“क्यों?” गाय ने पूछा।

"सिर्फ इसलिए कि उसे पता था कि उस रात मुझे इसकी सख्त जरूरत थी! आखिरकार मेरे दोस्तों ने मुझे उठा लिया, तो इससे उसे क्या फायदा हुआ?"

गाइ को समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहे। "क्या वह चाबियां अपने पास रखता है?"

“उसने मेरी चाबियाँ ले लीं! मेरे कमरे से बाहर निकाल लीं! इसीलिए वो मुझसे डरता था। उस रात वो घर छोड़कर चला गया, इतना डरा हुआ था।” ब्रूनो कुर्सी पर करवट लेकर बैठा था, ज़ोर-ज़ोर से साँस ले रहा था और नाखून चबा रहा था। पसीने से भूरे हो चुके उसके कुछ बाल माथे पर एंटीना की तरह लहरा रहे थे। “मेरी माँ घर पर नहीं थी, वरना ऐसा कभी हो ही नहीं पाता।”

“बिल्कुल,” गाय ने अनजाने में दोहराया। उसे लगा कि उनकी पूरी बातचीत इसी कहानी की ओर इशारा कर रही थी, जिसका उसने आधा ही हिस्सा सुना था। पुलमैन कार में उसकी ओर खुलती लाल आँखों के पीछे, उस उदास मुस्कान के पीछे, नफरत और अन्याय की एक और कहानी छिपी थी। “तो तुमने उसकी तस्वीर हॉल में फेंक दी?” गाय ने अर्थहीनता से पूछा।

“मैंने इसे अपनी माँ के कमरे से बाहर फेंक दिया,” ब्रूनो ने आखिरी तीन शब्दों पर ज़ोर देते हुए कहा। “मेरे पिताजी ने इसे मेरी माँ के कमरे में रखा था। मेरी माँ भी कैप्टन को मुझसे ज़्यादा नापसंद नहीं करतीं। कैप्टन!—मैं उन्हें कुछ नहीं कहता, भाई!”

लेकिन उसे आपसे क्या दुश्मनी है?

“मेरे और मेरी माँ के भी खिलाफ! वो हमसे या किसी और इंसान से अलग है! उसे किसी से कोई मतलब नहीं। उसे पैसे के सिवा कुछ भी पसंद नहीं। उसने बहुत सारे लोगों की गर्दनें काटकर खूब पैसा कमाया है, बस इतना ही। हाँ, वो चालाक तो है! ठीक है! लेकिन अब उसका ज़मीर उसे कचोट रहा है! इसीलिए वो चाहता है कि मैं उसके धंधे में जाऊँ, ताकि मैं भी लोगों की गर्दनें काटूँ और उसके जितना ही बुरा महसूस करूँ!” ब्रूनो का अकड़ा हुआ हाथ बंद हो गया, फिर उसका मुँह, फिर उसकी आँखें।

गाय को लगा कि वह रोने ही वाला है, तभी उसकी सूजी हुई पलकें उठीं और उसके चेहरे पर मुस्कान वापस आ गई।

“बोरिंग, है ना? मैं तो बस यही समझा रहा था कि मैं अपनी माँ से पहले ही शहर छोड़कर क्यों चला गया। आपको पता ही नहीं कि मैं असल में कितना खुशमिजाज इंसान हूँ! सच में!”

"अगर तुम चाहो तो क्या तुम घर नहीं छोड़ सकते?"

ब्रूनो को पहले तो उसका सवाल समझ नहीं आया, फिर उसने शांत भाव से जवाब दिया, "हाँ, मुझे बस अपनी माँ के साथ रहना अच्छा लगता है।"

और गाइ का मानना था कि उसकी माँ पैसों की वजह से वहीं रुकी रही। "सिगरेट?"

ब्रूनो मुस्कुराते हुए एक गोली ली। “जानते हो, जिस रात वो घर से निकला था, शायद दस साल में पहली बार बाहर गया था। मुझे समझ नहीं आता कि आखिर वो गया कहाँ। उस रात मुझे इतना गुस्सा आ रहा था कि उसे जान से मार देने का मन कर रहा था और उसे ये पता भी था। क्या कभी तुम्हारा भी किसी का खून करने का मन हुआ है?”

"नहीं।"

“हाँ, मैं करता हूँ। मुझे यकीन है कि कभी-कभी मैं अपने पिता को मार भी सकता हूँ।” उसने मुस्कुराते हुए अपनी थाली की ओर देखा। “तुम्हें पता है मेरे पिता का शौक क्या है? अंदाज़ा लगाना।”

गाय अनुमान नहीं लगाना चाहता था। उसे अचानक ऊब महसूस हुई और वह अकेला रहना चाहता था।

“वो कुकी कटर इकट्ठा करता है!” ब्रूनो खिलखिलाते हुए हँस पड़ा। “कुकी कटर, सच में! उसके पास हर तरह के हैं—पेंसिल्वेनिया डच, बवेरियन, इंग्लिश, फ्रेंच, बहुत सारे हंगेरियन, पूरे कमरे में बिखरे पड़े हैं। उसकी डेस्क के ऊपर एनिमल-क्रैकर कुकी कटर फ्रेम में लगे हैं—पता है ना, वो जिन्हें बच्चे डिब्बों में खाते हैं? उसने कंपनी के प्रेसिडेंट को चिट्ठी लिखी और उन्होंने उसे पूरा सेट भेज दिया। मशीन युग!” ब्रूनो हँसते हुए अपना सिर झुका लिया।

गाय उसे घूर रहा था। ब्रूनो खुद अपनी बातों से कहीं ज्यादा मजेदार था। "क्या वह कभी इनका इस्तेमाल करता है?"

“हं?”

क्या वह कभी कुकीज़ बनाता है?

ब्रूनो खुशी से चिल्लाया। उसने छटपटाते हुए अपनी जैकेट उतारी और सूटकेस पर फेंक दी। एक पल के लिए वह इतना उत्साहित लग रहा था कि कुछ बोल ही नहीं पाया, फिर अचानक शांत होकर बोला, "मेरी माँ हमेशा उसे कहती रहती है कि वह अपने कुकी कटर का काम फिर से शुरू कर दे।" उसके चिकने चेहरे पर पसीने की एक पतली परत तेल की तरह फैली हुई थी। उसने मेज के उस पार मुस्कुराते हुए पूछा, "खाना कैसा लगा?"

“बिल्कुल,” गाय ने पूरे उत्साह से कहा।

“क्या आपने लॉन्ग आइलैंड की ब्रूनो ट्रांसफॉर्मिंग कंपनी के बारे में सुना है? जो एसी-डीसी गैजेट्स बनाती है?”

"मुझे ऐसा नहीं लगता।"

“अच्छा, आपको ऐसा क्यों करना चाहिए? वैसे इससे खूब पैसा तो मिलता है। क्या आप पैसा कमाने में रुचि रखते हैं?”

"बहुत बुरा नहीं।"

"क्या मैं आपकी उम्र पूछ सकता हूँ?"

"उनतीस।"

“हाँ? मैं तो कहती कि मैं बड़ी हूँ। आपको क्या लगता है मैं कितनी बड़ी दिखती हूँ?”

गाइ ने विनम्रतापूर्वक उसका अध्ययन किया। "शायद चौबीस या पच्चीस," उसने जवाब दिया, उसकी प्रशंसा करने के इरादे से, क्योंकि वह देखने में छोटा लग रहा था।

“हाँ, मैं हूँ। पच्चीस साल का। तुम्हारा मतलब है कि मैं इस—इस चीज़ के साथ पच्चीस साल का ही दिखता हूँ जो मेरे सिर के ठीक बीच में है?” ब्रूनो ने अपने होंठ को दाँतों से दबा लिया। उसकी आँखों में थोड़ी सी सतर्कता झलक उठी, और

अचानक उसने गहरी शर्मिंदगी से अपना हाथ माथे पर रख लिया। वह उछलकर खड़ा हुआ और शीशे के पास गया। “मैं इस पर कुछ लगाने की सोच रहा था।”

गाइ ने कुछ दिलासा देने वाली बातें कहीं, लेकिन ब्रूनो खुद को बार-बार आईने में देखता रहा, मानो आत्म-यातना में डूबा हुआ हो। "ये फुंसी तो नहीं हो सकती," उसने नाक से बोलते हुए कहा। "ये तो फोड़ा है। ये वो सब कुछ है जिससे मुझे नफरत है, जो मेरे अंदर उबल रहा है। ये तो जॉब की विपत्ति है!"

“अरे वाह!” गाय हँस पड़ा।

“उस लड़ाई के बाद सोमवार रात से यह शुरू हुआ। यह और भी बदतर होता जा रहा है। मुझे यकीन है कि इससे एक निशान रह जाएगा।”

नहीं, ऐसा नहीं होगा।

“हाँ, ज़रूर। सांता फ़े जाने के लिए बढ़िया चीज़!” वह अब अपनी कुर्सी पर मुट्ठी भींचे और एक भारी टांग ज़मीन पर घसीटते हुए, उदासी से भरे भाव में बैठा था।

गाय ने खिड़की के पास वाली सीट पर रखी किताबों में से एक किताब खोली। वह एक जासूसी उपन्यास था। उसकी सारी किताबें जासूसी उपन्यास ही थीं। जब उसने कुछ पंक्तियाँ पढ़ने की कोशिश की, तो अक्षर धुंधले हो गए और उसने किताब बंद कर दी। उसने सोचा, लगता है उसने बहुत ज़्यादा पी ली है। लेकिन आज रात उसे इसकी परवाह नहीं थी।

ब्रूनो ने कहा, "सांता फ़े में, मुझे सब कुछ चाहिए। शराब, औरतें और संगीत। हा हा!"

"आप क्या चाहते हैं?"

“कुछ तो।” ब्रूनो के होंठ बेपरवाही से सिकुड़ गए। “सब कुछ। मेरा एक सिद्धांत है कि मरने से पहले इंसान को हर वो काम कर लेना चाहिए जो मुमकिन हो, और शायद कुछ ऐसा करने की कोशिश में मर जाना चाहिए जो सचमुच नामुमकिन हो।”

गाइ के भीतर कुछ हलचल हुई, फिर अचानक उछाल आया, और फिर वह सावधानी से पीछे हट गया। उसने धीरे से पूछा, "कैसा?"

“यह रॉकेट में बैठकर चांद की यात्रा करने जैसा है। आंखों पर पट्टी बांधकर कार में गति का रिकॉर्ड बनाना। मैंने एक बार ऐसा किया था। रिकॉर्ड तो नहीं बना,

लेकिन मैं एक सौ साठ की रफ्तार तक पहुंच गया था।"

"आँखों पर पट्टी बांधकर?"

“और मैंने एक डकैती की।” ब्रूनो ने गाय को घूरकर देखा। “बढ़िया। एक अपार्टमेंट से।”

गाइ के होठों पर अविश्वास भरी मुस्कान आ गई, हालाँकि असल में उसे ब्रूनो पर यकीन था। ब्रूनो हिंसक हो सकता था। वह पागल भी हो सकता था। गाइ ने सोचा, पागलपन नहीं, निराशा। अमीरों की वो बेताब ऊब, जिसके बारे में वो अक्सर ऐनी से बात करता था। ये ऊब सृजन करने की बजाय विनाश की ओर ले जाती थी। और अभाव की तरह ही ये अपराध की ओर भी ले जा सकती थी।

“कुछ भी हासिल करने के लिए नहीं,” ब्रूनो ने आगे कहा। “जो मैंने लिया, वह मैं नहीं चाहता था। खासकर मैंने वह लिया जो मैं नहीं चाहता था।”

आपने क्या लिया?

ब्रूनो ने कंधे उचकाए। “सिगरेट लाइटर। टेबल मॉडल। और मेंटलपीस पर रखी एक मूर्ति। रंगीन कांच। और कुछ और।” फिर से कंधे उचकाए। “इसके बारे में सिर्फ आपको पता है। मैं ज्यादा बोलता नहीं हूँ। शायद आप सोचते हैं कि मैं बोलता हूँ।” वह मुस्कुराया।

गाइ ने सिगरेट का कश लिया। "तुमने ये कैसे किया?"

"मैंने एस्टोरिया में एक अपार्टमेंट बिल्डिंग पर तब तक नज़र रखी जब तक मुझे सही समय नहीं मिल गया, फिर मैं खिड़की से अंदर चला गया। फायर एस्केप से नीचे उतर गया। काफी आसान था। शुक्र है, मैंने ये काम अपनी लिस्ट से हटा दिए।"

“‘भगवान का शुक्रिया’ क्यों?”

ब्रूनो ने शरमाते हुए मुस्कुराया। "मुझे नहीं पता मैंने ऐसा क्यों कहा।" उसने अपना गिलास फिर से भरा, फिर गाय का।

गाइ ने चोरी करने वाले अकड़े हुए, कांपते हाथों को देखा, नाखूनों को देखा जो जड़ से नीचे तक कुतरे हुए थे। हाथ अनाड़ीपन से माचिस की तीली के ढक्कन से खेल रहे थे और उसे, किसी बच्चे के हाथों की तरह, राख से सने स्टेक पर गिरा दिया। गाइ ने सोचा, अपराध कितना उबाऊ होता है। अक्सर बिना किसी मकसद

के। एक खास तरह के लोग अपराध की ओर मुड़ जाते हैं। और ब्रूनो के हाथों, उसके कमरे या उसके बदसूरत उदास चेहरे से कौन जान सकता था कि उसने चोरी की है? गाइ फिर से अपनी कुर्सी पर बैठ गया।

“मुझे अपने बारे में कुछ बताइए,” ब्रूनो ने विनम्रतापूर्वक आमंत्रित किया।

“कुछ बताने को नहीं।” गाय ने अपनी जैकेट की जेब से एक पाइप निकाला, उसे अपनी एड़ी पर पटका, कालीन पर गिरी राख को देखा और फिर उसे भूल गया। शराब का नशा उसके शरीर में और गहरा उतर गया। उसने सोचा, अगर पाम बीच का कॉन्ट्रैक्ट मिल गया, तो काम शुरू होने से पहले के दो हफ्ते जल्दी बीत जाएंगे। तलाक में ज़्यादा समय नहीं लगता। उसकी पूरी की गई ड्राइंग में हरे लॉन पर बनी नीची सफेद इमारतों का पैटर्न उसके दिमाग में साफ-साफ, बिना किसी कोशिश के, तैर रहा था। उसे हल्की सी खुशी महसूस हुई, अचानक बहुत सुरक्षित महसूस हुआ और मानो वह खुद को भाग्यशाली समझ रहा हो।

“आप किस तरह के घर बनाते हैं?” ब्रूनो ने पूछा।

“ओह—जिसे आधुनिक कहते हैं। मैंने कुछ दुकानें और एक छोटी सी ऑफिस बिल्डिंग बनाई है।” गाय मुस्कुराया, उसके चेहरे पर वो झिझक या हल्की झुंझलाहट बिल्कुल नहीं थी जो आमतौर पर तब होती थी जब लोग उससे उसके काम के बारे में पूछते थे।

"आप शादीशुदा हैं?"

“नहीं। खैर, मैं हूँ, हाँ। अलग हो गया हूँ।”

"ओह क्यों?"

“असंगत,” गाय ने उत्तर दिया।

“आप दोनों कितने समय से अलग हैं?”

"तीन साल।"

“क्या आप तलाक नहीं चाहते?”

गाय हिचकिचाया और भौंहें चढ़ा लीं।

क्या वह भी टेक्सास में है?

"हाँ।"

"क्या तुम उससे मिलने जा रहे हो?"

“मैं उससे मिलूंगा। हम अभी तलाक की व्यवस्था करेंगे।” उसके दांत किटकिटाने लगे। उसने ऐसा क्यों कहा?

ब्रूनो ने ताना मारते हुए कहा, "वहाँ तुम्हें शादी के लिए किस तरह की लड़कियाँ मिलती हैं?"

“बहुत सुंदर हैं,” गाय ने जवाब दिया। “उनमें से कुछ।”

"ज़्यादातर तो बेवकूफ ही होते हैं, है ना?"

“हो सकती हैं।” वह मन ही मन मुस्कुराया। मिरियम शायद उसी तरह की दक्षिणी लड़की थी जिसके बारे में ब्रूनो बात कर रहा था।

आपकी पत्नी किस तरह की लड़की है?

“काफी सुंदर है,” गाय ने सावधानी से कहा। “लाल बाल। थोड़ी मोटी।”

"उसका नाम क्या है?"

"मरियम। मरियम जॉयस।"

“हम्म… होशियार या बेवकूफ?”

“वह बुद्धिजीवी नहीं है। मैं किसी बुद्धिजीवी से शादी नहीं करना चाहता था।”

और तुम उससे बेइंतहा प्यार करते थे, है ना?

क्यों? क्या उसने दिखाया? ब्रूनो की आँखें उस पर टिकी हुई थीं, मानो कुछ भी न चूक रही हों, पलकें झपकाए बिना, मानो उनकी थकान इतनी बढ़ गई हो कि नींद आना लाज़मी हो। गाय को लगा जैसे वो धूसर आँखें घंटों से उसे खोज रही हों। "ऐसा क्यों कह रहे हो?"

“तुम अच्छे इंसान हो। तुम हर बात को गंभीरता से लेते हो। तुम महिलाओं को भी आसानी से पटा लेते हो, है ना?”

“मुश्किल तरीका क्या है?” उसने पलटकर जवाब दिया। लेकिन ब्रूनो के प्रति उसके मन में स्नेह उमड़ आया क्योंकि ब्रूनो ने उसके बारे में अपने विचार खुलकर व्यक्त किए थे। गाय जानता था कि ज़्यादातर लोग उसके बारे में अपने विचार खुलकर नहीं व्यक्त करते।

ब्रूनो ने अपने हाथों से हवा में छोटे-छोटे लहरदार आकार बनाए और आह भरी।

“मुश्किल तरीका क्या है?” गाय ने दोहराया।

“पूरी कोशिश करते हैं, बहुत उम्मीदों के साथ। फिर मुंह पर लात पड़ती है, है ना?”

“पूरी तरह नहीं।” हालांकि, आत्म-दया की भावना ने उसे झकझोर दिया और वह अपना पेय लेकर उठ खड़ा हुआ। कमरे में हिलने-डुलने की भी जगह नहीं थी। ट्रेन के डगमगाने से सीधा खड़ा होना भी मुश्किल हो रहा था।

ब्रूनो उसे घूरता रहा, एक पैर क्रॉस किए हुए पैर के अंत में लटका हुआ था, और वह अपनी प्लेट के ऊपर रखी सिगरेट पर बार-बार उंगली से झटका दे रहा था। अधूरा गुलाबी और काला स्टेक धीरे-धीरे राख की बारिश से ढक रहा था। गाय को शक हुआ कि ब्रूनो पहले से कम दोस्ताना लग रहा था, क्योंकि उसने उसे बताया था कि वह शादीशुदा है। और ज़्यादा जिज्ञासु हो गया था।

“तुम्हारी पत्नी के साथ क्या हुआ? क्या वो किसी और के साथ सोने लगी?”

ब्रूनो की सटीक बात ने भी उसे चिढ़ा दिया। "नहीं। वह सब तो बीत चुका है।"

लेकिन आप अभी भी उससे शादीशुदा हैं। क्या आप पहले तलाक नहीं ले सकते थे?

गाय को तुरंत शर्मिंदगी महसूस हुई। "मुझे तलाक की ज्यादा चिंता नहीं रही है।"

अब क्या हुआ है?

“उसने अभी-अभी फैसला किया है कि उसे बच्चा चाहिए। मुझे लगता है कि वह बच्चे को जन्म देगी।”

“ओह। फैसला करने का अच्छा समय आ गया है, है ना? वह तीन साल से कई लोगों के साथ सो रही थी और आखिरकार उसे कोई मिल ही गया?”

आखिर हुआ क्या था, और शायद इसके पीछे बच्चे का हाथ था। ब्रूनो को कैसे पता चला? गाय को लगा कि ब्रूनो मिरियम पर किसी और के ज्ञान और नफरत को थोप रहा है जिसे वह जानता था। गाय खिड़की की तरफ मुड़ा। खिड़की से उसे अपनी ही छवि के अलावा कुछ नहीं दिखा। वह अपने दिल की धड़कनों को अपने शरीर में महसूस कर सकता था, जो ट्रेन के कंपन से भी कहीं ज़्यादा गहरी थीं। शायद, उसने सोचा, उसका दिल इसलिए धड़क रहा था क्योंकि उसने मिरियम के बारे में इतना कुछ कभी किसी को नहीं बताया था। उसने ऐनी को भी उतना नहीं बताया था जितना ब्रूनो पहले से जानता था। सिवाय इसके कि मिरियम कभी अलग

थी—प्यारी, वफादार, अकेली, उसे उसकी और अपने परिवार से आज़ादी की सख्त ज़रूरत थी। वह कल मिरियम से मिलेगा, अपना हाथ बढ़ाकर उसे छू सकेगा। वह उस कोमल शरीर को छूने के विचार को सहन नहीं कर पा रहा था जिसे उसने कभी प्यार किया था। असफलता ने अचानक उसे घेर लिया।

“तुम्हारी शादी का क्या हुआ?” ब्रूनो की आवाज़ ने उसके ठीक पीछे से धीरे से पूछा। “मैं एक दोस्त होने के नाते बहुत जानना चाहता हूँ। उसकी उम्र कितनी थी?”

"अठारह।"

"क्या वो तुरंत ही इधर-उधर सोने लगी?"

गाय ने सहज भाव से मुड़कर कहा, मानो वह मिरियम के अपराधबोध को अपने कंधों पर ले रहा हो। "जानती हो, औरतें सिर्फ यही नहीं करतीं।"

"लेकिन उसने किया था, है ना?"

गाय ने झुंझलाहट और जिज्ञासा से भरी नज़रें फेर लीं। "हाँ।" यह छोटा सा शब्द उसके कानों में कितना भद्दा लग रहा था!

"मैं उस दक्षिणी लाल बालों वाली लड़की को जानता हूँ," ब्रूनो ने अपने सेब पाई को कुरेदते हुए कहा।

गाय को एक बार फिर तीव्र और बिल्कुल व्यर्थ शर्मिंदगी का एहसास हुआ। व्यर्थ, क्योंकि मिरियम ने जो कुछ भी किया या कहा था, उससे ब्रूनो को न तो शर्मिंदगी हुई और न ही आश्चर्य हुआ। ब्रूनो आश्चर्य करने में असमर्थ प्रतीत होता था, केवल उसकी रुचि ही जागृत हुई।

ब्रूनो ने शरारती मुस्कान के साथ अपनी थाली की ओर देखा। उसकी आँखें चौड़ी हो गईं, लालिमा और नीले घेरों के बावजूद वे बेहद चमकदार थीं। "शादी," उसने आह भरी।

गाय के कानों में भी "विवाह" शब्द गूंज रहा था। उसके लिए यह एक गंभीर शब्द था। इसमें पवित्रता, प्रेम और पाप की आदिम गंभीरता समाई हुई थी। मिरियम का गोल, टेराकोटा रंग का मुंह कह रहा था, "मैं तुम्हारे लिए खुद को क्यों कष्ट दूं?" और ऐनी की आंखें, जब उसने अपने बाल पीछे किए और अपने घर के लॉन में, जहां वह क्रोकस के पौधे लगा रही थी, उसकी ओर देखा। शिकागो के उस कमरे की लंबी, पतली खिड़की से मिरियम का मुड़ना, हमेशा की तरह झूठ बोलने से

पहले अपना झाइयों वाला, ढाल के आकार का चेहरा सीधे उसकी ओर उठाना, और स्टीव का लंबा, काला सिर, जो अभिमानी मुस्कान लिए हुए था। यादें उमड़ने लगीं, और वह अपने हाथों से उन्हें पीछे धकेलना चाहता था। शिकागो का वह कमरा जहां यह सब हुआ था... उसे उस कमरे की गंध, मिरियम की इत्र की खुशबू और रंगीन रेडिएटर्स की गर्मी महसूस हो रही थी। वह निष्क्रिय खड़ा रहा, वर्षों में पहली बार मिरियम के चेहरे को गुलाबी धुंध में बदलने की कोशिश नहीं कर रहा था। अगर वह फिर से सब कुछ अपने ऊपर हावी होने दे तो इसका उस पर क्या असर होगा? क्या इससे वह उसके खिलाफ मजबूत होगा या कमजोर पड़ जाएगा?

"मेरा मतलब है," ब्रूनो की आवाज़ दूर से सुनाई दी। "क्या हुआ? आपको बताने में कोई आपत्ति तो नहीं है? मुझे जानने में दिलचस्पी है।"

स्टीव की घटना घटी। गाय ने अपना पेय उठाया। उसने शिकागो की उस दोपहर को कमरे के दरवाज़े से देखा, जो धुंधली और काली सी दिख रही थी, मानो कोई तस्वीर हो। वह दोपहर जब वह उन्हें अपार्टमेंट में मिला था, किसी और दोपहर जैसी नहीं थी, अपने ही रंग, स्वाद और आवाज़ के साथ, अपनी ही दुनिया में, मानो कला की एक भयानक छोटी सी कृति हो। मानो इतिहास की कोई तारीख समय में स्थिर हो गई हो। या शायद यह ठीक इसके विपरीत था, कि वह हमेशा उसके साथ चलती थी? क्योंकि अब वह यहाँ थी, उतनी ही स्पष्ट जितनी पहले कभी थी। और सबसे बुरी बात यह थी कि उसे ब्रूनो को सब कुछ बताने की तीव्र इच्छा हो रही थी, ट्रेन में उस अजनबी को जो सुनेगा, सहानुभूति दिखाएगा और फिर भूल जाएगा। ब्रूनो को बताने का विचार उसे सुकून देने लगा। ब्रूनो किसी भी तरह से ट्रेन में बैठा कोई साधारण अजनबी नहीं था। वह खुद इतना क्रूर और भ्रष्ट था कि अपने पहले प्यार जैसी कहानी को समझ सके। और स्टीव तो बस वह अप्रत्याशित अंत था जिसने बाकी सब कुछ ठीक कर दिया। स्टीव पहला विश्वासघात नहीं था। उस दोपहर तो बस उसका छब्बीस साल का घमंड ही उसके चेहरे पर फूट पड़ा था। उसने यह कहानी खुद को हज़ार बार सुनाई थी, एक क्लासिक कहानी, जो उसकी सारी मूर्खता के बावजूद नाटकीय थी। उसकी मूर्खता ने तो बस उसमें हास्य का पुट डाल दिया था।

"मैंने उससे बहुत ज़्यादा उम्मीदें लगा ली थीं," गाय ने बेपरवाही से कहा, "बिना किसी हक के। उसे बस ध्यान आकर्षित करना पसंद था। वह शायद पूरी ज़िंदगी फ्लर्ट करती रहेगी, चाहे वह किसी के भी साथ रहे।"

“मुझे पता है, ये तो हमेशा हाई स्कूल के दिनों वाली ही रहती हैं।” ब्रूनो ने हाथ हिलाते हुए कहा। “कभी किसी एक लड़के से जुड़ी होने का दिखावा भी नहीं कर सकतीं।”

गाय ने उसकी तरफ देखा। मिरियम ने भी एक बार ऐसा किया था।

अचानक उसने ब्रूनो को बताने का अपना विचार छोड़ दिया, उसे शर्म आ रही थी कि वह लगभग बता ही चुका था। ब्रूनो को अब इस बात की परवाह नहीं थी कि वह बताए या न बताए। झुका हुआ ब्रूनो अपनी प्लेट में रखी ग्रेवी में माचिस से कुछ बना रहा था। उसके मुंह का नीचे की ओर झुका हुआ हिस्सा, नाक और ठोड़ी के बीच धंसा हुआ था, जैसे किसी बूढ़े आदमी का मुंह हो। मानो उसका मुंह कह रहा हो, कहानी चाहे जो भी हो, उसे सुनना उसके लिए उचित नहीं था।

ब्रूनो ने बुदबुदाते हुए कहा, "ऐसी औरतें मर्दों को वैसे ही आकर्षित करती हैं जैसे कचरा मक्खियों को आकर्षित करता है।"

दो

ब्रूनो के शब्दों के आघात से वह खुद से अलग हो गया। "तुम्हें भी कुछ अप्रिय अनुभव हुए होंगे," उसने कहा। लेकिन ब्रूनो का महिलाओं से परेशान होना कल्पना से परे था।

“ओह, मेरे पिताजी के पास भी ऐसी ही एक थी। वो भी लाल बालों वाली। नाम कार्लोटा था।” उसने ऊपर देखा, और अपने पिता के प्रति घृणा उसके धुंधलेपन को भेदते हुए चुभ गई। “बढ़िया है ना? मेरे पिताजी जैसे पुरुषों की वजह से ही उनका धंधा चलता है।”

कार्लोटा। गाय को अब समझ आ गया था कि ब्रूनो मिरियम से इतनी नफरत क्यों करता था। ऐसा लग रहा था कि यही ब्रूनो के पूरे व्यक्तित्व, उसके पिता के प्रति नफरत और उसकी किशोरावस्था की मंदबुद्धि का मूल कारण था।

“दो तरह के लड़के होते हैं!” ब्रूनो ने गरजती हुई आवाज में घोषणा की और रुक गया।

गाय ने दीवार पर लगे एक संकरे शीशे में खुद की एक झलक देखी। उसने सोचा कि उसकी आँखें डरी हुई लग रही थीं, मुँह सख्त था, और उसने जानबूझकर खुद को शांत किया। तभी एक गोल्फ क्लब ने उसकी पीठ पर हल्का सा धक्का दिया। उसने अपनी उंगलियों को उसकी ठंडी पॉलिश की हुई सतह पर फेरा। गहरे रंग की लकड़ी में जड़ा हुआ धातु उसे ऐनी की नाव पर लगे केबिन की याद दिला रहा था।

“और असल में एक ही तरह की औरतें!” ब्रूनो ने आगे कहा। “दो-चार रिश्ते रखने वाली। एक तरफ तो ये दो-चार रिश्ते रखने वाली और दूसरी तरफ वेश्या! अपनी पसंद चुन लो!”

“आपकी मां जैसी महिलाओं के बारे में क्या?”

“मैंने अपनी माँ जैसी दूसरी औरत कभी नहीं देखी,” ब्रूनो ने कहा। “मैंने किसी औरत को इतना सहन करते कभी नहीं देखा। वो दिखने में भी खूबसूरत हैं, उनके कई पुरुष मित्र हैं, लेकिन वो उनके साथ कोई गलत काम नहीं करतीं।”

मौन।

गाइ ने अपनी घड़ी पर एक और सिगरेट थपथपाई और देखा कि 10:30 बज रहे हैं। उसे अभी निकलना होगा।

“तुम्हें अपनी पत्नी के बारे में कैसे पता चला?” ब्रूनो ने ऊपर उसकी ओर देखते हुए पूछा।

गाय ने आराम से सिगरेट पी।

उसके कितने बच्चे होंगे?

“काफी सारे। पता चलने से पहले।” और जैसे ही उसने खुद को यकीन दिलाया कि अब इसे स्वीकार करने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा, उसके अंदर एक छोटे से भंवर जैसी सनसनी उसे परेशान करने लगी। छोटी सी, लेकिन यादों से कहीं ज़्यादा असली, क्योंकि उसने इसे बोल दिया था। अहंकार? नफ़रत? या सिर्फ़ खुद से अधीरता, क्योंकि अब वह जो कुछ भी महसूस कर रहा था, वह सब बेकार था? उसने बातचीत का रुख खुद से हटाकर दूसरे लोगों से जोड़ा। “बताओ मरने से पहले तुम और क्या करना चाहते हो?”

“मरना? किसने कहा मरने की बात? मैंने कुछ अचूक रैकेट तैयार कर रखे हैं। शिकागो या न्यूयॉर्क में कभी एक शुरू कर सकता हूँ, या फिर मैं अपने आइडिया बेच दूँ। और मेरे पास परफेक्ट मर्डर के कई आइडिया हैं।” ब्रूनो ने फिर से ऊपर देखा, मानो चुनौती को आमंत्रित कर रहा हो।

“मुझे उम्मीद है कि यहाँ मुझसे पूछने का आपका इरादा आपकी किसी योजना का हिस्सा नहीं है।” गाय बैठ गया।

“हे भगवान, मुझे तुम बहुत पसंद हो, गाइ! सच में!”

उस उदास चेहरे ने मानो गाय से विनती की कि वह भी उसे पसंद करे। उन छोटी-छोटी, पीड़ा से भरी आँखों में कितना अकेलापन था! गाय ने शर्मिंदा होकर अपने हाथों की ओर देखा। "क्या तुम्हारे सारे विचार अपराध की ओर ही जाते हैं?"

“बिल्कुल नहीं! बस कुछ चीज़ें हैं जो मैं करना चाहता हूँ, जैसे—मैं किसी भिखारी को एक दिन हज़ार डॉलर देना चाहता हूँ। जब मेरे पास खुद का पैसा आएगा, तो सबसे पहले यही करूँगा। लेकिन क्या तुम्हें कभी कुछ चुराने या किसी को मारने का मन नहीं हुआ? ज़रूर हुआ होगा। हर किसी को ऐसा महसूस होता है। क्या तुम्हें नहीं लगता कि कुछ लोगों को युद्धों में लोगों को मारने में बहुत मज़ा आता है?”

“नहीं,” गाय ने कहा।

ब्रूनो हिचकिचाया। "ओह, वे इसे कभी स्वीकार नहीं करेंगे, बिल्कुल, वे डरते हैं! लेकिन आपके जीवन में भी ऐसे लोग रहे होंगे जिन्हें आप रास्ते से हटाना चाहते थे, है ना?"

“नहीं।” स्टीव, उसे अचानक याद आया। एक बार तो उसने उसकी हत्या करने के बारे में भी सोचा था।

ब्रूनो ने अपना सिर झुकाया। "ज़रूर किया होगा। मुझे दिख रहा है। तुम इसे स्वीकार क्यों नहीं करते?"

"मेरे मन में क्षणिक विचार जरूर आए होंगे, लेकिन मैंने उन पर कभी अमल नहीं किया होता। मैं उस तरह का व्यक्ति नहीं हूं।"

“यहीं तो तुम बिल्कुल गलत हो! किसी भी तरह का इंसान हत्या कर सकता है। यह पूरी तरह से परिस्थितियों पर निर्भर करता है, स्वभाव से इसका कोई लेना-देना नहीं है! लोग हद तक पहुँच जाते हैं—और उन्हें सीमा पार धकेलने के लिए बस एक

छोटी सी बात ही काफी होती है। कोई भी। यहाँ तक कि तुम्हारी दादी भी। मुझे पता है!"

"मैं इससे सहमत नहीं हूँ," गाय ने संक्षिप्त रूप से कहा।

"मैं तुम्हें बताता हूँ, मैंने अपने पिता की हत्या करने की हज़ार बार कोशिश की! तुम कभी किसकी हत्या करना चाहोगे? अपनी पत्नी के साथ रहने वाले लोगों की?"

"उनमें से एक," गाय ने धीरे से कहा।

आप कितनी करीब पहुँच गए थे?

"बिल्कुल भी नहीं। मैंने तो बस इसके बारे में सोचा था।" उसे सैकड़ों रातों की नींद हराम याद आ गई, और बदला लिए बिना चैन न मिलने की निराशा भी। क्या किसी चीज़ ने उसे हद पार करने पर मजबूर कर दिया था? उसने ब्रूनो की धीमी आवाज़ सुनी, "तुम जितना सोचते हो उससे कहीं ज़्यादा करीब थे, मैं बस इतना ही कह सकता हूँ।" गाय ने उसे हैरानी से देखा। उसका शरीर किसी क्रुपियर (चाय बेचने वाले) की तरह बीमार और रात में जागने वाला लग रहा था, मेज पर अपनी आस्तीनों के बल झुका हुआ, पतला सिर लटका हुआ। "तुम बहुत ज़्यादा जासूसी कहानियाँ पढ़ते हो," गाय ने कहा, और खुद को सुनकर उसे समझ नहीं आया कि ये शब्द उसके मुँह से कहाँ से निकले।

"वे अच्छे हैं। वे दिखाते हैं कि हर तरह के लोग हत्या कर सकते हैं।"

"मैंने हमेशा यही सोचा है कि यही वजह है कि वे बुरे हैं।"

"फिर से गलत!" ब्रूनो ने गुस्से से कहा। "क्या आपको पता है कि कितने प्रतिशत हत्याओं की खबरें अखबारों में छपती हैं?"

मुझे नहीं पता और मुझे परवाह भी नहीं है।

"एक बारहवां हिस्सा। एक बारहवां हिस्सा! ज़रा सोचो! बाकी ग्यारह बारहवें हिस्से कौन हैं? बहुत सारे छोटे-मोटे लोग जिनकी कोई अहमियत नहीं। वो सारे लोग जिन्हें पुलिस जानती है कि वो कभी पकड़ नहीं पाएगी।" उसने और स्कॉच डालना शुरू किया, बोतल खाली मिली, और खुद को घसीटते हुए उठा। उसकी पतलून की जेब से एक पतली सी सोने की चेन में टंगा हुआ सोने का छोटा चाकू चमक उठा। गाय को वो चाकू देखने में इतना अच्छा लगा जैसे कोई खूबसूरत गहना हो। और ब्रूनो को स्कॉच की बोतल के ऊपरी हिस्से पर वार करते देख वो

सोचने लगा कि ब्रूनो शायद एक दिन इसी छोटे से चाकू से किसी का खून कर दे, और शायद वो आसानी से बच जाए, क्योंकि उसे इस बात की परवाह ही न हो कि वो पकड़ा जाए या नहीं।

ब्रूनो मुस्कुराते हुए मुड़ा और उसके हाथ में स्कॉच की नई बोतल थी। "मेरे साथ सांता फ़े चलो, ठीक है? कुछ दिन आराम करेंगे।"

"धन्यवाद, मैं नहीं कर सकता।"

“मेरे पास खूब पैसा है। आप बेझिझक पीजिए, है ना?” उसने मेज पर स्कॉच गिरा दी।

“धन्यवाद,” गाय ने कहा। उसके कपड़ों से, गाय को लगा कि ब्रूनो के पास ज़्यादा पैसे नहीं हैं। ये उसकी पसंदीदा ग्रे रंग की फ्लैनल पैंट थी। अगर ज़्यादा गर्मी नहीं हुई तो वो इन्हें मेटकाफ और पाम बीच में भी पहनने वाला था। पीछे झुककर उसने अपने हाथ जेब में डाले और दाहिनी जेब के नीचे एक छेद महसूस किया।

“क्यों नहीं?” ब्रूनो ने उसे उसका पेय पकड़ाते हुए कहा। “मुझे तुम बहुत पसंद हो, गाय।”

"क्यों?"

“क्योंकि तुम अच्छे इंसान हो। मतलब, सभ्य। मैं बहुत से लोगों से मिलता हूँ—मज़ाक नहीं—लेकिन तुम्हारे जैसे लोग बहुत कम मिलते हैं। मैं तुम्हारी तारीफ़ करता हूँ,” उसने अचानक कहा और अपने होंठ गिलास में डुबो दिए।

“मुझे भी तुम पसंद हो,” गाय ने कहा।

“मेरे साथ चलो, ठीक है? मेरी माँ के आने तक दो-तीन दिन मेरे पास करने को कुछ नहीं है। हम खूब मज़े कर सकते हैं।”

किसी और को उठा लो।

“चीज़, गाइ, तुम क्या सोचते हो मैं क्या करता हूँ, क्या मैं इधर-उधर घूमकर साथी चुनता फिरता हूँ? मुझे तुम पसंद हो, इसलिए मैं तुमसे मेरे साथ चलने के लिए कहता हूँ। एक दिन के लिए ही सही। मैं मेटकाफ से सीधे निकल जाऊँगा और एल पासो भी नहीं जाऊँगा। मुझे कैन्यन देखना है।”

"धन्यवाद, मेटकाफ में मेरा काम खत्म होते ही मुझे नौकरी मिल जाएगी।"

“ओह।” फिर वही उदास, प्रशंसा भरी मुस्कान। “कुछ बना रहे हो?”

“हाँ, एक कंट्री क्लब।” यह अब भी अजीब लग रहा था और उनके स्वभाव के विपरीत था; दो महीने पहले तक उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि वह ऐसा कुछ बनाएंगे। “पाम बीच में नया पल्मायरा।”

"हाँ?"

ब्रूनो ने पल्मायरा क्लब के बारे में तो सुना ही था। यह पाम बीच का सबसे बड़ा क्लब था। उसने यह भी सुना था कि एक नया क्लब बनने जा रहा है। वह पुराने क्लब में कुछ बार जा चुका था।

“क्या तुमने इसे डिज़ाइन किया है?” उसने गाय की ओर ऐसे देखा जैसे कोई छोटा बच्चा उसकी पूजा कर रहा हो। “क्या तुम मुझे इसका चित्र बनाकर दिखा सकते हो?”

गाय ने ब्रूनो की एड्रेस बुक के पीछे की इमारतों का एक छोटा सा स्केच बनाया और ब्रूनो की इच्छा के अनुसार अपने हस्ताक्षर कर दिए। उसने उस दीवार के बारे में बताया जिसे गिराकर निचली मंजिल को एक विशाल बॉलरूम में बदला जा सकता था जो छत तक फैला हुआ था, और उन जालीदार खिड़कियों के बारे में भी बताया जिनके लिए उसे अनुमति मिलने की उम्मीद थी, जिससे एयर कंडीशनिंग की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। बात करते-करते वह खुश हो गया और उसकी आँखों में खुशी के आँसू आ गए, हालाँकि उसने अपनी आवाज़ धीमी रखी। वह सोच रहा था कि वह ब्रूनो से इतनी आत्मीयता से कैसे बात कर सकता है, अपने सबसे अच्छे पहलू को कैसे प्रकट कर सकता है? ब्रूनो से कम समझने की संभावना किसकी थी?

“बहुत बढ़िया लग रहा है,” ब्रूनो ने कहा। “मतलब, आप उन्हें बस बता देते हैं कि यह कैसा दिखेगा?”

“नहीं। बहुत सारे लोगों को खुश करना पड़ता है।” गाय ने अचानक अपना सिर पीछे झुकाया और हंस पड़ा।

“तुम मशहूर होने वाले हो, है ना? शायद तुम अभी से ही मशहूर हो।”

समाचार पत्रिकाओं में तस्वीरें छपेंगी, शायद न्यूज़रील में भी कुछ दिखेगा। उसने खुद को याद दिलाया कि उन्होंने अभी तक उसके रेखाचित्र आगे नहीं बढ़ाए थे, लेकिन उसे पूरा यकीन था कि वे ऐसा करेंगे। न्यूयॉर्क में जिस आर्किटेक्ट के साथ

वह ऑफिस शेयर करता था, मायर्स को भी पूरा यकीन था। ऐनी को भी पूरा भरोसा था। और मिस्टर ब्रिलहार्ट को भी। यह उनके जीवन का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट था। "इसके बाद मैं मशहूर हो सकता हूँ। ये तो ऐसी चीज़ है जिसका प्रचार किया जाता है।"

ब्रूनो ने उसे अपने कॉलेज के दिनों की लंबी कहानी सुनाना शुरू किया, कि कैसे अगर उसके पिता के साथ कुछ घटित न हुआ होता तो वह फोटोग्राफर बन जाता। गाय ने उसकी बात नहीं सुनी। वह अनमने ढंग से अपना पेय पीता रहा और पाम बीच के बाद मिलने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में सोचने लगा। शायद जल्द ही न्यूयॉर्क में एक ऑफिस बिल्डिंग का प्रोजेक्ट भी। उसके मन में न्यूयॉर्क में एक ऑफिस बिल्डिंग का विचार था और वह उसे साकार होते देखने के लिए बेताब था। गाय डेनियल हेन्स। एक नाम। अब वह झुंझलाहट भरी, कभी न मिटने वाली जागरूकता नहीं रही कि उसके पास ऐनी से कम पैसे हैं।

“क्या ऐसा नहीं होगा, गाइ?” ब्रूनो ने दोहराया।

"क्या?"

ब्रूनो ने गहरी सांस ली। "अगर तुम्हारी पत्नी अब तलाक को लेकर हंगामा करे, मान लो कि उसने पाम बीच में तुम्हारे रहते हुए इस बारे में झगड़ा किया और तुम्हें नौकरी से निकलवा दिया, तो क्या यह हत्या के लिए पर्याप्त कारण नहीं होगा?"

“मरियम की?”

"ज़रूर।"

“नहीं,” गाय ने कहा। लेकिन सवाल ने उसे परेशान कर दिया। उसे डर था कि मिरियम को पल्मायरा की नौकरी के बारे में उसकी माँ से पता चल गया होगा, और वह उसे दुख पहुँचाने के आनंद के लिए दखलंदाजी करने की कोशिश कर सकती है।

"जब वह तुम्हें धोखा दे रही थी, तो क्या तुम्हें उसे जान से मारने का मन नहीं हुआ?"

“नहीं। क्या तुम विषय बदल नहीं सकते?” एक पल के लिए, गाय को अपने जीवन के दोनों पहलू, उसका विवाह और उसका करियर, एक साथ दिखाई दिए, जैसे उसने उन्हें पहले कभी नहीं देखा था। उसका दिमाग बुरी तरह चकरा गया,

यह समझने की कोशिश में कि वह एक में इतना मूर्ख और असहाय कैसे हो सकता है और दूसरे में इतना सक्षम। उसने ब्रूनो की ओर देखा, जो अभी भी उसे घूर रहा था, और थोड़ा उलझन में पड़कर, उसने अपना गिलास मेज पर रखा और उसे उंगलियों की दूरी पर खिसका दिया।

"तुमने कभी न कभी तो ऐसा चाहा ही होगा," ब्रूनो ने नशे में धुत्त लेकिन सौम्य लहजे में दृढ़ता से कहा।

“नहीं।” गाय बाहर निकलकर टहलना चाहता था, लेकिन ट्रेन सीधी रेखा में चलती ही जा रही थी, मानो कभी रुकेगी ही नहीं। मान लो कि मिरियम ने उसे कमीशन दिलवा दिया। उसे वहाँ कई महीनों तक रहना था, और उससे उम्मीद की जाती कि वह निर्देशकों के साथ सामाजिक स्तर पर बराबरी का व्यवहार रखे। ब्रूनो ऐसी बातें अच्छी तरह समझता था। उसने अपना हाथ अपने नम माथे पर फेरा। असल मुश्किल तो यह थी कि मिरियम के मन में क्या चल रहा है, यह वह उससे मिलने से पहले नहीं जान सकता था। वह थका हुआ था, और जब वह थका हुआ होता है, तो मिरियम उस पर एक सेना की तरह हावी हो जाती है। पिछले दो सालों में, जब तक उसने मिरियम के लिए अपने प्यार से खुद को मुक्त नहीं किया था, ऐसा कई बार हो चुका था। अब भी ऐसा ही हो रहा था। वह ब्रूनो से तंग आ चुका था। ब्रूनो मुस्कुरा रहा था।

"क्या मैं आपको अपने पिता की हत्या करने के अपने एक विचार के बारे में बताऊं?"

“नहीं,” गाय ने कहा। उसने उस गिलास पर हाथ रख दिया जिसे ब्रूनो फिर से भरने वाला था।

"आपको क्या चाहिए, बाथरूम में टूटा हुआ लाइट सॉकेट या कार्बन मोनोऑक्साइड से भरा गैरेज?"

"इसे करो और इसके बारे में बात करना बंद करो!"

मैं ये कर ही दूंगा, ये मत सोचो कि मैं नहीं करूंगा! जानते हो मैं एक दिन और क्या करूंगा? अगर मेरा मन हुआ तो आत्महत्या कर लूंगा, और ऐसे अंजाम दूंगा कि लगे कि मेरे सबसे बड़े दुश्मन ने मेरी हत्या की है।

गाय ने घृणा से उसकी ओर देखा। ब्रूनो धीरे-धीरे क्षीण होता जा रहा था, मानो किसी द्रवीकरण प्रक्रिया से गुजर रहा हो। अब वह मात्र एक आवाज और एक आत्मा प्रतीत हो रहा था, बुराई की आत्मा। गाय ने सोचा, जिन चीजों से वह घृणा करता था, ब्रूनो उन्हीं का प्रतीक था। जिन चीजों जैसा वह नहीं बनना चाहता था, ब्रूनो वही था, या वही बन जाएगा।

“क्या मैं तुम्हारे लिए तुम्हारी पत्नी की हत्या का एक सटीक प्लान बना दूं? शायद तुम्हें कभी इसकी ज़रूरत पड़ जाए।” गाय की पैनी नज़रों के नीचे ब्रूनो आत्म-चेतना से छटपटाने लगा।

गाय खड़ा हो गया। "मैं टहलना चाहता हूँ।"

ब्रूनो ने अपनी हथेलियों को आपस में पटका। “अरे वाह! क्या विचार है! हम एक-दूसरे के लिए हत्या करते हैं, समझे? मैं तुम्हारी पत्नी को मारता हूँ और तुम मेरे पिता को! हम ट्रेन में मिलते हैं, समझे, और किसी को पता भी नहीं चलता कि हम एक-दूसरे को जानते हैं! एकदम सही सबूत! समझे?”

उसकी आँखों के सामने की दीवार लयबद्ध ढंग से काँप रही थी, मानो वह अभी फटकर बिखर जाएगी। हत्या। यह शब्द उसे व्याकुल कर रहा था, उसे भयभीत कर रहा था। वह ब्रूनो से दूर भागना चाहता था, कमरे से बाहर निकलना चाहता था, लेकिन एक भयानक भारीपन उसे जकड़े हुए था। उसने दीवार को सीधा करके, ब्रूनो की बात समझने की कोशिश करके खुद को संभालने का प्रयास किया, क्योंकि उसे लग रहा था कि इसमें कहीं न कहीं तर्क छिपा है, जैसे कोई समस्या या पहेली जिसे सुलझाना हो।

ब्रूनो के तंबाकू से सने हाथ घुटनों पर कांप रहे थे। "पक्के सबूत!" वह चीखा। "यही तो मेरी ज़िंदगी का सपना है! क्या तुम समझते नहीं? मैं इसे तब कर सकता हूँ जब तुम शहर से बाहर हो और तुम इसे तब कर सकते हो जब मैं शहर से बाहर हूँ।"

गाय समझ गया था। किसी को भी कभी पता नहीं चल सकता था।

“मिरीम जैसे करियर को रोकना और तुम्हारे जैसे करियर को आगे बढ़ाना मेरे लिए बहुत खुशी की बात होगी।” ब्रूनो हँस पड़ा। “क्या तुम सहमत नहीं हो कि उसे

रोकना ज़रूरी है, इससे पहले कि वह और भी बहुत से लोगों का करियर बर्बाद कर दे? बैठ जाओ, गाइ!"

गाय उसे याद दिलाना चाहता था कि उसने मुझे बर्बाद नहीं किया है, लेकिन ब्रूनो ने उसे समय नहीं दिया।

"मतलब, मान लो कि ऐसा ही होता। क्या तुम कर सकते हो? तुम मुझे उसके रहने की सारी जगह बता सकते हो, और मैं भी तुम्हारे लिए ऐसा ही कर सकता हूँ, जैसे तुम वहीं रहते हो। हम हर जगह अपने फिंगरप्रिंट छोड़ सकते हैं और बस उन कमीनों को पागल कर सकते हैं!" वह हँसा। "महीनों का फासला, और बिल्कुल भी बातचीत नहीं। हे भगवान, ये तो बहुत आसान है!" वह खड़ा हुआ और अपना ड्रिंक उठाते हुए लगभग गिर पड़ा। फिर उसने गाइ के चेहरे के सामने, घुटन भरे आत्मविश्वास से कहा: "तुम कर सकते हो ना, गाइ? कोई दिक्कत नहीं होगी, कसम से। मैं सब कुछ ठीक कर दूँगा, कसम से, गाइ।"

गाइ ने उसे जितना सोचा था उससे कहीं ज़्यादा ज़ोर से धक्का दिया। ब्रूनो खिड़की वाली सीट से मज़बूती से उठा। गाइ ने सांस लेने के लिए इधर-उधर देखा, लेकिन दीवारें एक सपाट सतह की तरह थीं। कमरा एक छोटा सा नरक बन गया था। वह यहाँ क्या कर रहा था? उसने इतनी शराब कब और कैसे पी ली थी?

"मुझे पूरा यकीन है कि तुम कर सकते हो!" ब्रूनो ने भौंहें चढ़ाते हुए कहा।

"अपनी बकवास थ्योरीज़ बंद करो," गाय चिल्लाकर जवाब देना चाहता था, लेकिन उसकी आवाज़ फुसफुसाहट जैसी निकली: "मैं इससे तंग आ गया हूँ।"

उसने देखा कि ब्रूनो का पतला चेहरा एक विचित्र ढंग से मुड़ गया—आश्चर्य की एक मुस्कान में, एक ऐसी नज़र जो विचित्र रूप से सर्वज्ञ और भयावह थी। ब्रूनो ने सौहार्दपूर्वक कंधे उचका दिए।

"ठीक है। मैं अब भी यही मानता हूँ कि यह एक अच्छा विचार है और हमारे पास यहाँ बिल्कुल सही व्यवस्था है। मैं इसी विचार का उपयोग करूँगा। बेशक, किसी और के साथ। आप कहाँ जा रहे हैं?"

अंततः गाय को दरवाजे का ख्याल आया। वह बाहर निकला और प्लेटफार्म पर एक और दरवाजा खोला, जहाँ ठंडी हवा ने उसे फटकार की तरह झकझोर दिया और ट्रेन की आवाज तेज होकर एक प्रताड़ना बन गई। उसने हवा और ट्रेन को

कोसते हुए खुद को भी कोसना शुरू कर दिया और उसे उल्टी आने की तीव्र इच्छा हुई।

"लड़का?"

मुड़कर देखने पर उसने ब्रूनो को भारी दरवाजे के पास से सरकते हुए जाते देखा।

"गाइ, मुझे माफ करना।"

“कोई बात नहीं,” गाय ने तुरंत कहा, क्योंकि ब्रूनो का चेहरा देखकर वह चौंक गया था। उसका चेहरा कुत्ते की तरह शर्मिंदगी से भरा हुआ था।

“धन्यवाद, गाइ।” ब्रूनो ने अपना सिर झुकाया, और उसी क्षण पहियों की धड़-धड़-धड़ की आवाज़ धीमी होने लगी, और गाइ को अपना संतुलन बनाए रखना पड़ा।

उसे बहुत राहत महसूस हुई, क्योंकि ट्रेन रुक रही थी। उसने ब्रूनो के कंधे पर थपथपाया। "चलो उतरते हैं और थोड़ी ताज़ी हवा लेते हैं!"

वे सन्नाटे और घोर अंधकार की दुनिया में कदम रख चुके थे।

“ये कैसी बात है?” ब्रूनो चिल्लाया। “बिजली नहीं जलानी!”

गाय ने ऊपर देखा। चाँद भी नहीं था। ठंड से उसका शरीर अकड़ गया और वह सतर्क हो गया। उसे कहीं से लकड़ी के दरवाजे के खुलने की हल्की सी आवाज सुनाई दी। उनके आगे एक चिंगारी से लालटेन जैसी रोशनी निकली और एक आदमी उसे लेकर ट्रेन के पिछले हिस्से की ओर भागा, जहाँ एक डिब्बे का दरवाजा खुल कर एक चौकोर रोशनी बिखेर रहा था। गाय धीरे-धीरे उस रोशनी की ओर बढ़ा और ब्रूनो उसके पीछे-पीछे चलने लगा।

दूर, समतल काली घास के मैदान में, एक ट्रेन की धीमी, लगातार गड़गड़ाहट सुनाई दी, और फिर दूर जाकर फिर से गड़गड़ाहट हुई। यह एक ऐसी आवाज़ थी जो उसे बचपन से याद थी, सुंदर, पवित्र, एकांत भरी। जैसे कोई जंगली घोड़ा अपने सफेद अयाल को झटक रहा हो। दोस्ती की भावना से प्रेरित होकर, गाय ने अपना हाथ ब्रूनो के हाथ में डाल दिया।

“मैं चलना नहीं चाहता!” ब्रूनो चिल्लाया और झटके से पीछे हटकर रुक गया। ताज़ी हवा उसे मछली की तरह मुरझा रही थी।

ट्रेन चलने लगी थी। गाय ने ब्रूनो के भारी-भरकम ढीले-ढाले शरीर को धक्का देकर ट्रेन में चढ़ा दिया।

“रात को सोने से पहले एक और गिलास?” ब्रूनो ने अपने दरवाजे पर खड़े होकर हताशा से कहा, वह इतना थका हुआ लग रहा था कि बस गिर ही जाएगा।

"धन्यवाद, मैं नहीं कर सका।"

हरे पर्दों ने उनकी फुसफुसाहट को दबा दिया।

"सुबह मुझे फोन करना मत भूलना। मैं दरवाजा खुला छोड़ दूंगी। अगर मैं जवाब न दूं, तो अंदर आ जाना, ठीक है?"

गाय हरे रंग के पर्दों की दीवारों से टकराता हुआ अपनी बर्थ की ओर बढ़ा।

लेटते समय आदत के चलते उसे अपनी किताब का ख्याल आया। उसने उसे ब्रूनो के कमरे में छोड़ दिया था। उसकी प्लेटो की किताब। उसे यह अच्छा नहीं लग रहा था कि वह रात भर ब्रूनो के कमरे में रहे, या ब्रूनो उसे छुए या खोले।

तीन

उसने तुरंत मरियम को फोन किया, और उसने उनके घरों के बीच स्थित हाई स्कूल में उससे मिलने की व्यवस्था की।

अब वह डामर के खेल मैदान के एक कोने में खड़ा इंतज़ार कर रहा था। ज़ाहिर है, वह देर से ही आएगी। उसने सोचा, उसने हाई स्कूल को ही क्यों चुना? क्या इसलिए कि यह उसका अपना इलाका था? जब वह यहाँ उसका इंतज़ार करता था, तब से ही वह उससे प्यार करता था।

ऊपर आसमान एकदम साफ और गहरा नीला था। सूरज पिघलती हुई गर्मी बरसा रहा था, पीली नहीं बल्कि रंगहीन, मानो अपनी ही गर्मी से सफेद हो गई हो। पेड़ों के पार, उसने एक पतली लाल इमारत का ऊपरी हिस्सा देखा जिसे वह नहीं जानता था, जो दो साल पहले जब वह मेटकाफ में था तब से बनी थी। वह मुड़ गया। दूर-दूर तक कोई इंसान नज़र नहीं आ रहा था, मानो गर्मी के कारण सभी लोग स्कूल की इमारत और यहाँ तक कि आस-पड़ोस के घर भी छोड़कर चले गए हों। उसने स्कूल के दरवाज़ों के अंधेरे मेहराब से निकलती चौड़ी धूसर सीढ़ियों को देखा। उसे अभी भी मिरियम की बीजगणित की किताब के धुंधले किनारों पर स्याही जैसी, हल्की पसीने की गंध याद थी। उसे अभी भी उसके पन्नों के किनारे पर पेंसिल

से लिखा हुआ 'मिरीम' और पहले पन्ने पर स्पेंसरियन मार्सेल वेव वाली लड़की का चित्र याद था, जब उसने मिरियम के सवाल हल करने के लिए किताब खोली थी। उसने मिरियम को बाकी सभी से अलग क्यों समझा था?

वह टेढ़ी-मेढ़ी तार की बाड़ के बीच से चौड़े गेट से गुज़रा और कॉलेज एवेन्यू की ओर फिर देखा। तभी उसने उसे फुटपाथ के किनारे लगे पीले-हरे पेड़ों के नीचे देखा। उसका दिल ज़ोर से धड़कने लगा, लेकिन उसने जानबूझकर बेफिक्री से पलकें झपकाईं। वह अपनी सामान्य, कुछ देर धीमी गति से चल रही थी। अब उसका सिर नज़र आया, जो एक चौड़ी, हल्के रंग की टोपी से घिरा हुआ था। धूप और छाया उसके शरीर पर बेतरतीब ढंग से पड़ रही थीं। उसने उसे आराम से हाथ हिलाया, और गाय ने अपनी जेब से हाथ निकाला, उसे वापस हाथ हिलाया और अचानक एक लड़के की तरह तनावग्रस्त और शर्मीला होकर खेल के मैदान में वापस चला गया। उसने सोचा, पेड़ों के नीचे बैठी वह अजनबी लड़की पाम बीच की नौकरी के बारे में जानती है। उसकी माँ ने उसे आधे घंटे पहले बताया था कि उसने मिरियम को पिछली बार फोन करते समय इसके बारे में बताया था।

“हेलो, गाइ।” मिरियम मुस्कुराई और झट से अपने चौड़े नारंगी-गुलाबी होंठ बंद कर लिए। गाइ को याद आया कि उसके सामने के दांतों के बीच की जगह की वजह से ऐसा हुआ था।

“कैसी हो, मिरियम?” अनजाने में ही उसने मिरियम की ओर देखा, उसका शरीर भरा हुआ था लेकिन गर्भवती नहीं लग रहा था, और उसके मन में एक ख्याल आया कि शायद उसने झूठ बोला हो। उसने चमकीले फूलों वाली स्कर्ट और सफेद छोटी आस्तीन वाली ब्लाउज पहनी हुई थी। उसका बड़ा सफेद पर्स बुने हुए पेटेंट चमड़े का था।

वह छांव में रखी इकलौती पत्थर की बेंच पर सलीके से बैठ गई और उससे उसकी यात्रा के बारे में नीरस सवाल पूछने लगी। उसके चेहरे के निचले गाल, जो हमेशा से भरे हुए थे, अब और भी भरे हुए लग रहे थे, जिससे उसकी ठोड़ी और भी नुकीली दिख रही थी। गाय ने गौर किया कि उसकी आंखों के नीचे अब हल्की झुर्रियां भी पड़ गई थीं। वह बाईस साल की हो चुकी थी, यानी उसने काफी लंबा जीवन जी लिया था।

“जनवरी में,” उसने सपाट स्वर में उत्तर दिया। “जनवरी में ही बच्चे का जन्म होने वाला है।”

तब दो महीने बीत चुके थे। "मुझे लगता है कि तुम उससे शादी करना चाहती हो।"

उसने अपना सिर थोड़ा सा घुमाया और नीचे देखा। उसके छोटे से गाल पर सूरज की रोशनी से सबसे बड़े तिल उभर रहे थे, और गाय को एक ऐसा पैटर्न दिखाई दिया जो उसे याद था और जिसके बारे में उसने उससे शादी के बाद से नहीं सोचा था। वह कितना आश्वस्त था कि एक समय वह उस पर अधिकार रखता था, उसके हर छोटे से छोटे विचार पर! अचानक ऐसा लगा कि सारा प्यार बस एक मोहक, एक भयानक दूसरा सबसे अच्छा विकल्प था। मिरियम के मन में बसी नई दुनिया के बारे में वह कुछ भी नहीं जानता था। क्या ऐसा ही ऐनी के साथ भी हो सकता था?

“क्या तुम नहीं हो, मिरियम?” उसने पूछा।

"अभी नहीं। देखिए, कुछ दिक्कतें हैं।"

"कैसा?"

"खैर, हो सकता है कि हम जितनी जल्दी शादी करना चाहते हैं, उतनी जल्दी शादी न कर पाएं।"

“ओह।” हम। वह जानता था कि वह कैसा दिखेगा, लंबा और सांवला, लंबे चेहरे वाला, स्टीव जैसा। वही टाइप जिससे मिरियम हमेशा आकर्षित होती थी। वही टाइप जिससे वह बच्चा चाहती थी। और वह इस बच्चे को चाहती थी, वह समझ गया था। कुछ हुआ था, जिसका उस आदमी से कोई लेना-देना नहीं था, शायद, जिसकी वजह से वह बच्चा चाहती थी। वह इसे उसके बेंच पर बैठे हुए सधे हुए, अकड़े हुए अंदाज़ में देख सकता था, उस आत्म-विस्मृति में जो उसने हमेशा गर्भवती महिलाओं के चेहरों पर देखी या कल्पना की थी। “लेकिन मुझे लगता है कि इससे तलाक में देरी नहीं होगी।”

“खैर, मुझे ऐसा नहीं लगा था—कुछ दिन पहले तक। मुझे लगा था कि ओवेन इस महीने शादी करने के लिए स्वतंत्र होगा।”

“ओह। अब उनकी शादी हो गई है?”

"हां, उनकी शादी हो चुकी है," उसने हल्की सी आह भरते हुए, लगभग मुस्कुराते हुए कहा।

गाइ ने थोड़ी शर्मिंदगी से नीचे देखा और डामर पर धीरे-धीरे दो-तीन कदम चला। उसे पता था कि वह आदमी शादीशुदा होगा। उसे उम्मीद थी कि जब तक उसे मजबूर न किया जाए, तब तक उसका उससे शादी करने का कोई इरादा नहीं होगा। "वह कहाँ है? यहाँ है क्या?"

“वह ह्यूस्टन में हैं,” उसने जवाब दिया। “क्या आप बैठना नहीं चाहेंगे?”

"नहीं।"

"तुम्हें बैठना कभी पसंद नहीं था।"

वह चुप था।

"क्या तुम्हारे पास अभी भी तुम्हारी अंगूठी है?"

“हाँ।” शिकागो से मिली उनकी क्लास रिंग, जिसे मिरियम हमेशा से पसंद करती थी क्योंकि इसका मतलब था कि वह एक कॉलेज स्टूडेंट हैं। वह अंगूठी को एक झिझक भरी मुस्कान के साथ देख रही थी। उन्होंने अपने हाथ जेब में डाल लिए। “जब तक मैं यहाँ हूँ, मैं चाहता हूँ कि बात पक्की हो जाए। क्या हम इसे इसी हफ्ते कर सकते हैं?”

"मैं यहाँ से जाना चाहता हूँ, गाइ।"

“तलाक के लिए?”

उसके छोटे-छोटे हाथ एक अस्पष्ट और बेजान इशारे में खुले, और उसे अचानक ब्रूनो के हाथों की याद आ गई। आज सुबह ट्रेन से उतरते ही वह ब्रूनो को पूरी तरह भूल गया था। और अपनी किताब को भी।

"मैं यहां रहते-रहते थक गई हूं," उसने कहा।

"अगर आप चाहें तो हम डलास में तलाक ले सकते हैं।" उसने सोचा कि यहाँ उसके दोस्त जानते हैं कि बस इतना ही है।

“मैं इंतजार करना चाहता हूँ, गाइ। क्या आपको कोई आपत्ति होगी? बस थोड़ी देर के लिए?”

मुझे लगता है कि आपको बुरा लगेगा। क्या उसका इरादा आपसे शादी करने का है या नहीं?

“वह सितंबर में मुझसे शादी कर सकता है। तब वह खाली रहेगा, लेकिन—”

“लेकिन क्या?” उसकी चुप्पी में, उसके होंठ पर जीभ फेरने की मासूमियत में, उसने उस जाल को देख लिया जिसमें वह फंसी हुई थी। वह इस बच्चे को इतना चाहती थी कि मेटकाफ में खुद को कुर्बान करने को भी तैयार थी, यानी बच्चे के जन्म से चार महीने पहले तक उसके पिता से शादी करने का इंतजार कर रही थी। खुद पर काबू न रखते हुए भी, उसे उस पर दया आ गई।

“मैं कहीं दूर जाना चाहती हूँ, गाइ। तुम्हारे साथ।”

उसके चेहरे पर दिखावटी ईमानदारी का भाव था, इतना कि वह लगभग भूल ही गया कि वह क्या पूछ रही थी और क्यों। "तुम क्या चाहती हो, मिरियम? कहीं दूर जाने के लिए पैसे?"

उसकी धूसर-हरे रंग की आँखों में बसी स्वप्निलता धुंध की तरह छंट रही थी। "तुम्हारी माँ ने कहा था कि तुम पाम बीच जा रहे हो।"

“शायद मैं वहाँ जाऊँगा। काम करने के लिए।” पल्मायरा के बारे में सोचते ही उसे थोड़ा डर लगने लगा। वह तो मानो हाथ से फिसल रहा था।

“क्या तुम मुझे अपने साथ ले जाओगे, गाइ? यह आखिरी बात है जो मैं तुमसे पूछूंगी। अगर मैं दिसंबर तक तुम्हारे साथ रह सकूं और फिर तलाक ले लूं—”

“ओह,” उसने धीरे से कहा, लेकिन उसके सीने में एक अजीब सी पीड़ा हुई, मानो उसका दिल टूट गया हो। उसे अचानक उससे घृणा होने लगी, उससे और उसके आस-पास के उन सभी लोगों से जिन्हें वह जानती थी और आकर्षित करती थी। किसी और आदमी का बच्चा। उसके साथ चले जाओ, उसके पति बन जाओ जब तक कि वह किसी और आदमी के बच्चे को जन्म न दे दे। पाम बीच में!

"अगर तुम मुझे नहीं ले जाओगे, तो भी मैं आ जाऊंगा।"

“मरियम, मैं अभी तलाक ले सकता हूँ। मुझे बच्चे से मिलने के लिए इंतज़ार करने की ज़रूरत नहीं है। कानून भी ऐसा नहीं कहता।” उसकी आवाज़ काँप रही थी।

"तुम मेरे साथ ऐसा नहीं करोगे," मिरियम ने धमकी और विनती के उस मिश्रित लहजे में जवाब दिया, जिसने उसके गुस्से और प्यार दोनों को तब जगाया था जब वह उससे प्यार करता था, और उसे हैरान कर दिया था।

अब उसे यह बात समझ में नहीं आ रही थी। और वह सही थी। अब वह उसे तलाक नहीं देगा। लेकिन यह इसलिए नहीं था कि वह अब भी उससे प्यार करता था, इसलिए नहीं कि वह अब भी उसकी पत्नी थी और इसलिए उसकी सुरक्षा की हकदार थी, बल्कि इसलिए कि उसे उस पर दया आ रही थी और क्योंकि उसे याद था कि उसने कभी उससे प्यार किया था। अब उसे एहसास हुआ कि न्यूयॉर्क में भी, जब उसने पैसे के लिए उसे चिट्ठी लिखी थी, तब भी उसे उस पर दया आती थी। "अगर तुम वहाँ आओगी तो मैं नौकरी नहीं लूँगा। उसे लेने का कोई फायदा नहीं होगा," उसने शांत भाव से कहा, लेकिन उसने खुद से कहा कि अब तो बात हाथ से निकल चुकी है, तो इस पर चर्चा क्यों करें?

"मुझे नहीं लगता कि तुम ऐसी नौकरी छोड़ दोगे," उसने चुनौती देते हुए कहा।

उसने उसकी जीत की बनावटी मुस्कान से मुंह फेर लिया। उसने सोचा कि यहीं तो वह गलत थी, लेकिन वह चुप रहा। उसने खुरदरी डामर सड़क पर दो कदम बढ़ाए और सिर ऊंचा करके फिर मुड़ गया। शांत रहो, उसने खुद से कहा। गुस्से से क्या हासिल होगा? मिरियम को पहले उससे नफरत होती थी जब वह इस तरह प्रतिक्रिया करता था, क्योंकि उसे तेज बहसें पसंद थीं। उसने सोचा कि आज सुबह भी उसे ऐसी ही बहस पसंद आएगी। वह उससे नफरत करती थी जब वह इस तरह प्रतिक्रिया करता था, जब तक कि उसे यह पता नहीं चल गया कि अंततः इस तरह प्रतिक्रिया करना उसे ही ज्यादा नुकसान पहुंचाता है। वह जानता था कि अब वह उसके जाल में फंस गया है, फिर भी उसे लगा कि वह और कोई प्रतिक्रिया नहीं कर सकता।

“मुझे अभी तक नौकरी मिली भी नहीं है। मैं उन्हें बस एक टेलीग्राम भेज दूंगा कि मुझे यह नौकरी नहीं चाहिए।” पेड़ों के ऊपर से गुजरते हुए, उसने फिर से उस नई लाल इमारत को देखा जिसे उसने मरियम के आने से पहले देखा था।

और फिर क्या?

बहुत सी बातें। लेकिन आपको उनके बारे में पता नहीं चलेगा।

“भाग रहे हो?” उसने ताना मारा। “बचने का सबसे आसान तरीका।”

वह फिर चला और मुड़ा। वहाँ ऐनी थी। ऐनी के साथ, वह यह सब सह सकता था, कुछ भी सह सकता था। और वास्तव में, उसे अजीब तरह से संतोष महसूस हो

रहा था। क्योंकि अब वह मरियम के साथ था, जो उसकी जवानी की असफलता का प्रतीक थी? उसने अपनी जीभ का अगला हिस्सा काट लिया। उसके भीतर, किसी रत्न में छिपे दोष की तरह, जो सतह पर दिखाई नहीं देता था, असफलता का एक डर और आशंका थी जिसे वह कभी दूर नहीं कर पाया था। कभी-कभी, असफलता की संभावना उसे आकर्षित करती थी, जैसे हाई स्कूल और कॉलेज में, जब उसने खुद को उन परीक्षाओं में असफल होने दिया था जिन्हें वह पास कर सकता था; जैसे जब उसने मरियम से शादी की, उसने सोचा, दोनों परिवारों और सभी दोस्तों की इच्छा के विरुद्ध। क्या उसे नहीं पता था कि यह सफल नहीं हो सकता? और अब उसने बिना कुछ कहे अपना सबसे बड़ा काम छोड़ दिया था। वह मेक्सिको जाएगा और ऐनी के साथ कुछ दिन बिताएगा। इसमें उसका सारा पैसा खर्च हो जाएगा, लेकिन क्यों नहीं? क्या वह ऐनी को देखे बिना न्यूयॉर्क वापस जाकर काम कर सकता था?

“और कुछ है क्या?” उसने पूछा।

"मैंने कह दिया है," उसने अपने सामने के दांतों के बीच से कहा।

चार

वह धीरे-धीरे घर की ओर चल पड़ा, ट्रैविस स्ट्रीट से गुज़रते हुए, जहाँ उसका घर था, एम्ब्रोस स्ट्रीट की ओर बढ़ रहा था। ट्रैविस स्ट्रीट छायादार और शांत थी। ट्रैविस और डेलेंसी स्ट्रीट के कोने पर अब एक छोटी सी फलों की दुकान थी, जो किसी के सामने वाले लॉन में बच्चों के खेलने की दुकान जैसी लग रही थी। एम्ब्रोस स्ट्रीट के पश्चिमी छोर पर बनी विशाल वाशटोरियम इमारत से, सफेद वर्दी पहने लड़कियाँ और औरतें बाहर निकल रही थीं, बातें करती हुई, जल्दी दोपहर के भोजन के लिए जा रही थीं। उसे खुशी थी कि सड़क पर उसे कोई ऐसा व्यक्ति नहीं मिला जिससे उसे बात करनी पड़े। वह सुस्त, शांत और संतुष्ट महसूस कर रहा था, और कुछ हद तक खुश भी। अजीब बात है कि मिरियम से बात करने के पाँच मिनट बाद ही वह कितनी दूर—शायद कितनी अजनबी—लग रही थी, वास्तव में, सब कुछ कितना महत्वहीन लग रहा था। अब उसे ट्रेन में अपनी घबराहट पर शर्म आ रही थी।

घर लौटकर उसने मुस्कुराते हुए कहा, "बुरा नहीं है, माँ।"

उसकी माँ ने चिंता से भौंहें उठाकर उसका अभिवादन किया। “यह सुनकर खुशी हुई।” वह एक झूला खींचकर बैठ गई और सुनने लगी। वह छोटे कद की महिला थी, हल्के भूरे बालों वाली, सुंदर और पतली सीधी नाक वाली, और उसके चांदी जैसे बालों में अब एक अलग ही ऊर्जा झलकती थी। और वह लगभग हमेशा खुश रहती थी। यही मुख्य कारण था कि गाय को लगता था कि वह और उसकी माँ काफी अलग हैं, और मिरियम के दुख से उबरने के बाद से ही वह उससे कुछ हद तक दूर हो गया था। गाय अपने दुखों को कुरेदना और उनके बारे में जितना हो सके जानना चाहता था, जबकि उसकी माँ उसे भूल जाने की सलाह देती थी। “उसने क्या कहा? तुम तो ज्यादा देर तक दूर नहीं रहे। मुझे लगा था कि तुमने उसके साथ दोपहर का खाना खाया होगा।”

“नहीं, माँ।” उसने आह भरी और रेशमी सोफे पर बैठ गया। “सब ठीक है, लेकिन मैं शायद पल्मायरा की नौकरी नहीं लूंगा।”

“ओह, गाइ। क्यों नहीं? क्या वो—? क्या यह सच है कि वो माँ बनने वाली है?”

गाय ने सोचा कि उसकी माँ निराश तो थी, लेकिन नौकरी के असली मायने को लेकर उसकी निराशा बहुत मामूली थी। उसे खुशी थी कि उसकी माँ को नौकरी का असली मतलब नहीं पता था। "यह सच है," उसने कहा और अपना सिर पीछे की ओर झुका लिया, जब तक कि उसे सोफे के लकड़ी के फ्रेम की ठंडक अपनी गर्दन के पिछले हिस्से पर महसूस नहीं हुई। उसने अपने जीवन और अपनी माँ के जीवन के बीच की खाई के बारे में सोचा। उसने अपनी माँ को मिरियम के साथ बिताए अपने जीवन के बारे में बहुत कम बताया था। और उसकी माँ, जिसने मिसिसिपी में एक आरामदायक और खुशहाल परवरिश पाई थी, जो अब मेटकाफ में अपने बड़े घर, बगीचे और अपने प्यारे, वफादार दोस्तों के साथ व्यस्त रहती थी—वह मिरियम जैसी घोर द्वेषपूर्ण मानसिकता को कैसे समझ सकती थी? या, उदाहरण के लिए, वह उस अनिश्चित जीवन को कैसे समझ सकती थी जिसे वह अपने काम के बारे में एक-दो साधारण विचारों के लिए न्यूयॉर्क में जीने को तैयार था?

"अब पाम बीच का मिरियम से क्या लेना-देना है?" उसने आखिरकार पूछा।

“मिरियम मेरे साथ वहाँ आना चाहती है। कुछ समय के लिए सुरक्षा के लिए। और मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता।” गाय ने मुट्ठी भींच ली। उसे अचानक पाम

बीच में मिरियम की छवि दिखाई दी, मिरियम पल्मायरा क्लब के मैनेजर क्लेरेंस ब्रिलहार्ट से मिल रही थी। लेकिन गाय जानता था कि यह ब्रिलहार्ट के शांत, अटल शिष्टाचार के पीछे छिपे सदमे की छवि नहीं थी, बल्कि उसकी अपनी घृणा थी जिसने इसे असंभव बना दिया था। बात बस इतनी थी कि जब वह इस तरह के प्रोजेक्ट पर काम कर रहा होता था, तब वह मिरियम को अपने आस-पास भी बर्दाश्त नहीं कर सकता था। “मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता,” उसने दोहराया।

“ओह,” उसने बस इतना ही कहा, लेकिन उसकी चुप्पी में समझदारी झलक रही थी। गाय ने सोचा, अगर वह कुछ कहती, तो उसे उनकी शादी के प्रति उसकी पुरानी नापसंदगी याद आ जाती। और वह इस समय उसे ऐसा नहीं याद दिलाएगी। “तुम इसे बर्दाश्त नहीं कर पाओगे,” उसने आगे कहा।

“मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सका।” वह उठा और उसने माँ का कोमल चेहरा अपने हाथों में ले लिया। “माँ, मुझे ज़रा भी परवाह नहीं,” उसने माँ के माथे पर चुंबन करते हुए कहा। “सचमुच मुझे ज़रा भी परवाह नहीं।”

मुझे नहीं लगता कि तुम्हें परवाह है। आखिर क्यों नहीं है?

वह कमरे में खड़े पियानो की ओर बढ़ा। "क्योंकि मैं ऐनी से मिलने मैक्सिको जा रहा हूँ।"

“ओह, क्या आप?” वह मुस्कुराई, और उसके साथ इस पहली सुबह की उमंग उस पर हावी हो गई। “आप तो बड़े ही घुमक्कड़ हैं!”

“क्या तुम मेक्सिको आना चाहोगे?” उसने कंधे के ऊपर से मुस्कुराते हुए पूछा। फिर उसने बचपन में सीखा हुआ साराबैंड बजाना शुरू कर दिया।

“मेक्सिको!” उसकी माँ ने बनावटी घबराहट भरे लहजे में कहा। “जंगली घोड़े भी मुझे मेक्सिको नहीं ले जा सकते। शायद तुम वापस आते समय ऐनी को मुझसे मिलने ला सको।”

"शायद।"

वह पास गई और शर्माते हुए उसके कंधों पर हाथ रख दिए। "गाइ, कभी-कभी मुझे लगता है कि तुम फिर से खुश हो गए हो। वो भी बिल्कुल अजीब समय पर।"

पाँच

क्या हुआ? तुरंत लिखो। या बेहतर होगा, फ़ोन कर लो। हम दो और हफ़्ते रिट्ज़ में ही रहेंगे। यात्रा में तुम्हारी बहुत याद आई, अफ़सोस है कि हम साथ में नहीं आ सके, पर मैं समझती हूँ। मेरी दुआ है कि तुम दिन भर खुश रहो, प्रिय। यह सब जल्द ही खत्म हो जाएगा और हम इसे पार कर लेंगे। जो भी हो, मुझे बताना और चलो सच्चाई का सामना करते हैं। मुझे अक्सर लगता है कि तुम नहीं करती। मेरा मतलब है, सच्चाई का सामना नहीं करती।

तुम इतनी पास हो, ये तो अजीब बात है कि तुम एक-दो दिन के लिए भी नहीं आ सकती। उम्मीद है तुम्हारा मन करेगा। उम्मीद है समय भी मिलेगा। तुम्हें यहाँ पाकर बहुत खुशी होगी, और तुम जानती हो कि परिवार को भी होगी। प्यारी, मुझे तुम्हारी ड्राइंग्स बहुत पसंद आईं और मुझे तुम पर बहुत गर्व है। आने वाले महीनों में अगर तुम दूर रहोगी तो भी मुझे कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि तुम उन्हें बनाती रहोगी। पापा भी बहुत प्रभावित हुए हैं। हम हर समय तुम्हारे बारे में बात करते रहते हैं।

मेरा सारा प्यार, और इसके साथ आने वाली हर चीज़। खुश रहो, प्रिय।

गाइ ने पल्मायरा क्लब के प्रबंधक क्लेरेंस ब्रिलहार्ट को एक टेलीग्राम लिखा: “कुछ परिस्थितियों के कारण, मेरे लिए कमीशन लेना असंभव है। मुझे बहुत खेद है और आपके समर्थन और निरंतर प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद। पत्र बाद में भेज रहा हूँ।”

अचानक उसे उन रेखाचित्रों का ख्याल आया जिनका इस्तेमाल उसके रेखाचित्र के बदले किया जाएगा—विलियम हार्कनेस एसोसिएट्स के फ्रैंक लॉयड राइट की नकल। इससे भी बुरा, उसने फोन पर टेलीग्राम लिखते हुए सोचा, बोर्ड शायद हार्कनेस से उसके कुछ विचारों की नकल करने को कहेगा। और हार्कनेस ऐसा करेगा ही।

उसने ऐनी को टेलीग्राम भेजा कि वह सोमवार को उड़ान भरेगा और कई दिनों तक खाली रहेगा। और चूंकि ऐनी वहां थी, इसलिए उसने यह सोचने की जहमत नहीं उठाई कि पल्मायरा जैसी बड़ी नौकरी उसे दोबारा कब मिलेगी, शायद कितने महीने या साल भी लग सकते हैं।

छह

उस शाम, चार्ल्स एंथोनी ब्रूनो एल पासो के एक होटल के कमरे में पीठ के बल लेटा हुआ था, और अपनी नाजुक, धंसी हुई नाक पर एक सोने का फाउंटेन पेन टिकाने की कोशिश कर रहा था। वह इतना बेचैन था कि सोने नहीं जा पा रहा था, और आस-पास के किसी बार में जाकर चीजों का जायजा लेने की भी फुर्सत नहीं थी। उसने दोपहर भर चीजों का जायजा लिया था, और एल पासो में उसे कुछ खास नहीं लगा था। ग्रैंड कैन्यन के बारे में भी उसे कुछ खास नहीं लगा था। वह उस विचार के बारे में ज्यादा सोच रहा था जो परसों रात ट्रेन में उसके दिमाग में आया था। अफसोस की बात है कि गाय ने उसे उस सुबह नहीं जगाया था। ऐसा नहीं था कि गाय हत्या की योजना बनाने वाला आदमी था, लेकिन एक इंसान के तौर पर वह उसे पसंद करता था। गाय एक ऐसा व्यक्ति था जिससे मिलना-जुलना अच्छा लगता था। इसके अलावा, गाय उसकी किताब वहीं छोड़ गया था, और वह उसे वापस दे सकता था।

छत के पंखे से वज़-वज़-वज़ की आवाज़ आ रही थी क्योंकि उसके चार ब्लेडों में से एक गायब था। उसने सोचा, अगर चौथा ब्लेड होता तो उसे थोड़ी ठंडक महसूस होती। शौचालय के नलों में से एक लीक कर रहा था, बिस्तर के ऊपर लगी रीडिंग लाइट का क्लैंप टूटा हुआ था जिससे वह लटक रही थी, और अलमारी के दरवाजे पर उंगलियों के निशान थे। और उसे बताया गया था कि यह शहर का सबसे अच्छा होटल है! आखिर हर होटल के कमरे में हमेशा कोई न कोई कमी क्यों होती है, शायद सिर्फ एक ही कमी? एक दिन वह एक बेहतरीन होटल का कमरा ढूंढेगा और उसे खरीद लेगा, चाहे वह दक्षिण अफ्रीका में ही क्यों न हो।

वह बिस्तर के किनारे पर बैठ गया और टेलीफोन की ओर बढ़ा। "मुझे लॉन्ग-डिस्टेंस कॉल दो।" उसने सफेद चादर पर अपने जूते से लगी लाल मिट्टी के धब्बे को खाली निगाहों से देखा। "ग्रेट नेक 166J... ग्रेट नेक, हाँ।" वह रुका। "लॉन्ग आइलैंड... न्यूयॉर्क में है, बेवकूफ, क्या तुमने कभी इसके बारे में सुना है?"

एक मिनट से भी कम समय में, उसे अपनी माँ मिल गई।

“हाँ, मैं यहीं हूँ। क्या तुम अभी भी रविवार को जा रहे हो? बेहतर होगा कि तुम चले जाओ। . . . खैर, मैंने खच्चर की सवारी की। उससे मेरी हालत खराब हो गई

थी। . . . हाँ, मैंने घाटी देखी। . . . ठीक है, लेकिन रंग थोड़े भद्दे हैं। . . . खैर, तुम कैसे हो?"

वह हंसने लगा। उसने अपने जूते उतारे और हंसते हुए फोन के साथ बिस्तर पर लेट गया। वह उसे बता रही थी कि जब वह घर लौटी तो उसने देखा कि कैप्टन उसके दो दोस्तों का मनोरंजन कर रहा था—वे दो आदमी जिनसे वह पिछली रात मिली थी—जो अचानक आ गए थे, उन्होंने कैप्टन को उसका पिता समझ लिया और उसके बारे में बहुत सी गलत बातें कहने लगे।

सात

बिस्तर पर कोहनी के बल टिका हुआ गाय पेंसिल से लिखे अपने नाम के पत्र को घूर रहा था।

"लगता है अब मुझे तुम्हें जगाने का सिर्फ एक ही मौका मिलेगा, और काफी लंबे समय तक नहीं," उसकी मां ने कहा।

गाय ने पाम बीच से आया पत्र उठाया और लिखा, "शायद अब ज्यादा समय नहीं लगेगा, माँ।"

“कल आपकी फ्लाइट कितने बजे रवाना होगी?”

एक सौ बीस।

वह झुकी और बेवजह उसके बिस्तर के निचले हिस्से को अंदर की ओर दबा दिया। "मुझे नहीं लगता कि आपके पास एथेल से मिलने जाने का समय होगा?"

“ओह, ज़रूर, माँ।” एथेल पीटरसन उनकी माँ की सबसे पुरानी सहेलियों में से एक थीं। उन्होंने ही गाय को पियानो की पहली शिक्षा दी थी।

पाम बीच से आया पत्र श्री ब्रिलहार्ट का था। उन्हें यह कार्य सौंपा गया था। श्री ब्रिलहार्ट ने ही बोर्ड को लूवर खिड़कियों के बारे में राजी किया था।

“आज सुबह मेरे पास बढ़िया कड़क कॉफी है,” उसकी माँ ने दहलीज से कहा। “क्या बिस्तर पर नाश्ता करना पसंद करोगे?”

गाय ने उसकी ओर देखकर मुस्कुराते हुए कहा, "क्या मैं ऐसा करूँगा!"

उन्होंने श्री ब्रिलहार्ट का पत्र ध्यानपूर्वक दोबारा पढ़ा, उसे वापस लिफाफे में रखा और धीरे से फाड़ दिया। फिर उन्होंने दूसरा पत्र खोला। वह एक ही पृष्ठ का पत्र था, जिस पर पेंसिल से घसीट-घसीट लिखावट थी। हस्ताक्षर के नीचे भारी-भरकम

अक्षरों में लिखे हस्ताक्षर को देखकर उनके चेहरे पर फिर मुस्कान आ गई: चार्ल्स ए. ब्रूनो।

प्रिय गाइ:

ये तुम्हारी ट्रेन है, दोस्त? याद है ना? उस रात तुमने अपनी किताब मेरे कमरे में छोड़ दी थी और मुझे उसमें टेक्सास का पता मिला, जो मुझे लगता है अभी भी सही है। मैं किताब तुम्हें भेज रहा हूँ। मैंने खुद भी उसमें से कुछ पढ़ा है, मुझे नहीं पता था कि प्लेटो की रचनाओं में इतनी सारी बातचीत होती है।

उस रात आपके साथ भोजन करके बहुत आनंद आया और आशा है कि मैं आपको अपने मित्रों में शामिल कर सकूँ। सांता फ़े में आपसे मिलना अच्छा रहेगा और यदि आप अपना इरादा बदल लें, तो मेरा पता है: होटल ला फोंडा, सांता फ़े, न्यू मैक्सिको। कम से कम अगले दो हफ़्तों के लिए।

मुझे बार-बार उस विचार की याद आती है जिसमें हमने दो हत्याओं की योजना बनाई थी। मुझे पूरा यकीन है कि ऐसा किया जा सकता है। मैं आपको इस विचार पर अपने अटूट विश्वास को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता! हालांकि मुझे पता है कि इस विषय में आपकी रुचि नहीं है।

आपकी पत्नी के बारे में क्या चल रहा है, यह बहुत दिलचस्प था। कृपया मुझे जल्द ही लिखें। एल पासो में वॉलेट खोने के अलावा (मेरे सामने ही एक बार से चोरी हो गया) कुछ खास नहीं हुआ है। मुझे एल पासो पसंद नहीं आया, इसके लिए माफी चाहता हूँ।

उम्मीद है आपसे जल्द ही सुनने को मिलेगा,

आपके दोस्त,
चार्ल्स ए. ब्रूनो

पी.एस. मुझे बहुत खेद है कि मैं देर से सोई और सुबह आपसे मिल नहीं पाई।
कैब।

उस पत्र से उसे किसी न किसी तरह खुशी मिली। ब्रूनो की आजादी के बारे में सोचना सुखद था।

“ग्रिट्स!” उसने अपनी माँ से खुशी से कहा। “उत्तर में मुझे तले हुए अंडों के साथ कभी ग्रिट्स नहीं मिलते!”

उसने अपना पसंदीदा पुराना बाथरोब पहना जो मौसम के हिसाब से बहुत गर्म था, और मेटकाफ स्टार अखबार और अपने नाश्ते से भरी डगमगाती टांगों वाली ट्रे के साथ बिस्तर पर वापस बैठ गया।

उसके बाद, उसने नहाया और कपड़े पहने, मानो उसे उस दिन कुछ काम करना हो, पर ऐसा कुछ नहीं था। वह कल कार्टराइट्स के घर गया था। शायद उसने अपने बचपन के दोस्त पीटर ब्रिग्स को देखा होगा, लेकिन पीटर अब न्यू ऑरलियन्स में काम करता था। मिरियम क्या कर रही होगी, वह सोचने लगा। शायद अपने घर के पीछे वाले बरामदे में अपने नाखूनों को संवार रही होगी, या किसी पड़ोस की छोटी लड़की के साथ शतरंज खेल रही होगी जो उसे बहुत पसंद करती थी, जो बिल्कुल उसके जैसी बनना चाहती थी। मिरियम कभी भी योजना के विफल होने पर उदास नहीं होती थी। गाय ने एक सिगरेट जलाई।

नीचे से एक हल्की, रुक-रुक कर आने वाली खनक सुनाई दी, जहाँ उसकी माँ या रसोइया उर्सलीन चांदी के बर्तनों को साफ कर रही थी और उन्हें एक-एक करके ढेर पर रख रही थी।

वह आज मेक्सिको के लिए क्यों नहीं निकला? उसे पता था कि अगले चौबीस घंटे उसके लिए बहुत कष्टदायक होने वाले थे। आज रात उसके चाचा फिर से आने वाले थे, और शायद उसकी माँ के कुछ दोस्त भी। वे सब उससे मिलना चाहते थे। उसकी पिछली यात्रा के बाद, मेटकाफ स्टार अखबार में उसके और उसके काम के बारे में एक लेख छपा था, जिसमें उसकी छात्रवृत्तियों, प्रिक्स डी रोम पुरस्कार (जो वह युद्ध के कारण नहीं ले पाया था), पिट्सबर्ग में उसके द्वारा डिज़ाइन की गई दुकान और शिकागो के अस्पताल के छोटे से सहायक अस्पताल का ज़िक्र था। अखबार में यह लेख कितना प्रभावशाली लग रहा था। उसे याद है, न्यूयॉर्क में वह अकेला दिन जब उसकी माँ के पत्र में वह अखबार की क्लिपिंग आई थी, तब उसे लगभग खास होने का एहसास हुआ था।

ब्रूनो को लिखने की अचानक इच्छा हुई और वह अपनी मेज पर बैठ गया, लेकिन कलम हाथ में लिए उसे एहसास हुआ कि उसके पास कहने के लिए कुछ

नहीं है। उसे ब्रूनो अपने जंग लगे भूरे रंग के सूट में, कंधे पर कैमरा का पट्टा लटकाए, सांता फ़े की किसी सूखी पहाड़ी पर चढ़ता हुआ, अपने टेढ़े-मेढ़े दांतों से किसी बात पर मुस्कुराता हुआ, कैमरा लड़खड़ाते हुए उठाता और क्लिक करता हुआ दिखाई दिया। ब्रूनो अपनी जेब में हज़ार डॉलर लिए, एक बार में बैठा अपनी माँ का इंतज़ार कर रहा था। ब्रूनो से उसे क्या कहना था? उसने अपनी फाउंटेन पेन का ढक्कन लगाया और उसे वापस मेज पर फेंक दिया।

“माँ?” उसने पुकारा। वह दौड़कर नीचे गया। “आज दोपहर फिल्म देखने चलें?”

उसकी मां ने कहा कि वह उस हफ्ते पहले ही दो बार फिल्में देख चुकी थी। "तुम्हें पता है कि तुम्हें फिल्में पसंद नहीं हैं," उसने उसे डांटते हुए कहा।

“मम्मी, मैं सच में जाना चाहता हूँ!” उसने मुस्कुराते हुए कहा और ज़िद की।

आठ

उस रात करीब ग्यारह बजे टेलीफोन की घंटी बजी। उसकी माँ ने फोन उठाया, फिर अंदर आकर उसे बैठक कक्ष से बुलाया जहाँ वह अपने चाचा, उनकी पत्नी और अपने दो चचेरे भाइयों, रिची और टाइ के साथ बैठा था।

“यह लंबी दूरी का रिश्ता है,” उसकी मां ने कहा।

गाइ ने सिर हिलाया। ज़ाहिर है, ब्रिलहार्ट ही आगे की जानकारी माँग रहा होगा। गाइ ने उसी दिन उसके पत्र का जवाब दे दिया था।

“हेलो, गाइ,” आवाज ने कहा। “चार्ली।”

“कौन सा चार्ली?”

"चार्ली ब्रूनो।"

“ओह! आप कैसे हैं? किताब के लिए धन्यवाद।”

“मैंने अभी तक भेजा नहीं है, लेकिन भेज दूंगा,” ब्रूनो ने उसी नशे में धुत्त होकर कहा, जैसा गाय को ट्रेन में याद था। “क्या तुम सांता फ़े आ रहे हो?”

मुझे खेद है कि मैं ऐसा नहीं कर सकता।

“पाम बीच के बारे में क्या ख्याल है? क्या मैं कुछ हफ्तों में वहां आपसे मिलने आ सकता हूँ? मैं देखना चाहता हूँ कि वह जगह कैसी दिखती है।”

"क्षमा कीजिए, यह सब बंद है।"

“बंद? क्यों?”

कुछ जटिलताएं हैं। मैंने अपना इरादा बदल लिया है।

“आपकी पत्नी का विवरण?”

“न-नहीं।” गाय को हल्की सी झुंझलाहट महसूस हुई।

"क्या वह चाहती है कि तुम उसके साथ रहो?"

“हां। कुछ हद तक।”

"क्या मिरियम पाम बीच आना चाहती है?"

गाय को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि उसे उसका नाम याद था।

"तुम्हारा तलाक नहीं हुआ, है ना?"

“समझ रहा हूँ,” गाय ने संक्षिप्त रूप से कहा।

“हाँ, मैं इस कॉल का भुगतान कर रहा हूँ!” ब्रूनो ने किसी से चिल्लाकर कहा। “छी!” घृणा से। “सुनो, गाइ, तुमने उसका जॉब अकाउंट छोड़ दिया?”

“बिल्कुल नहीं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। काम खत्म हो चुका है।”

“क्या तलाक के लिए बच्चे के जन्म तक इंतजार करना पड़ता है?”

उस आदमी ने कुछ नहीं कहा।

"वो दूसरा आदमी उससे शादी नहीं करने वाला, है ना?"

“ओह, हाँ, वह है—”

“हाँ?” ब्रूनो ने व्यंग्यपूर्वक बीच में ही टोकते हुए कहा।

“मैं अब और बात नहीं कर सकता। आज रात हमारे यहाँ मेहमान आए हुए हैं। चार्ली, आपकी यात्रा मंगलमय हो।”

“हम कब बात कर सकते हैं? कल?”

मैं कल यहां नहीं रहूंगा।

“ओह।” ब्रूनो अब खोया हुआ सा लग रहा था, और गाय को उम्मीद थी कि वह सच में खोया हुआ हो। फिर वही आवाज़, उदास आत्मीयता के साथ, “सुनो, गाय, अगर तुम कुछ करवाना चाहते हो, तो तुम्हें बस एक इशारा देना होता है।”

गाइ ने भौंहें चढ़ाईं। उसके मन में एक सवाल उठा और तुरंत ही उसे जवाब पता चल गया। उसे ब्रूनो की हत्या की योजना याद आ गई।

"गाइ, तुम क्या चाहते हो?"

“कुछ नहीं। मैं बहुत संतुष्ट हूँ। समझे?” लेकिन ब्रूनो ने सोचा कि यह नशे में की गई शेखी थी। उसे गंभीरता से प्रतिक्रिया क्यों देनी चाहिए?

"यार, मैं सच कह रहा हूँ," आवाज़ लड़खड़ाती हुई निकली, पहले से भी ज़्यादा नशे में।

“अलविदा, चार्ली,” गाय ने कहा। उसने ब्रूनो के फोन रखने का इंतजार किया।

"ऐसा नहीं लगता कि सब कुछ ठीक है," ब्रूनो ने चुनौती देते हुए कहा।

मुझे नहीं लगता कि यह आपका कोई मामला है।

“गाइ!” उसने रोते हुए धीरे से कहा।

गाइ बोलने ही वाला था कि लाइन कट गई। उसे ऑपरेटर से कॉल ट्रेस करने के लिए कहने का मन हुआ। फिर उसने सोचा, ये तो नशे में की गई शेखी थी। और बोरियत भी। उसे इस बात से चिढ़ हो रही थी कि ब्रूनो के पास उसका पता था। गाइ ने अपने बालों पर ज़ोर से हाथ फेरा और वापस लिविंग रूम में चला गया।

नौ

गाय ने सोचा कि मिरियम के बारे में उसने ऐनी को जो कुछ भी बताया था, वह सब इतना मायने नहीं रखता जितना कि यह तथ्य कि वह और ऐनी एक साथ बजरी वाली पगडंडी पर थे। चलते हुए उसने ऐनी का हाथ पकड़ा और अपने चारों ओर के दृश्य को निहारा, जहाँ हर वस्तु अपरिचित थी—चैंप्स-एलिसी की तरह विशाल पेड़ों से घिरी एक चौड़ी समतल सड़क, चबूतरे पर सैन्य मूर्तियाँ और उससे आगे, ऐसी इमारतें जिन्हें वह नहीं जानता था। पासेओ डे ला रिफॉर्मा। ऐनी उसके बगल में सिर झुकाए चल रही थी, लगभग उसकी धीमी चाल से कदम मिलाते हुए। उनके कंधे आपस में छू गए, और उसने ऐनी की ओर देखा कि क्या वह कुछ बोलने वाली है, यह कहने वाली है कि उसने जो फैसला किया था वह सही था, लेकिन उसके होंठ अभी भी सोच में डूबे हुए थे। उसकी गर्दन के पीछे चांदी की पट्टी से बंधे उसके हल्के पीले बाल हवा में धीरे-धीरे लहरा रहे थे। यह दूसरी गर्मी थी जब उसने ऐनी को देखा था, जब सूरज ने अभी-अभी उसके चेहरे को तपाना शुरू किया था, इसलिए उसकी त्वचा का रंग लगभग उसके बालों के रंग जैसा था। जल्द ही उसका चेहरा उसके बालों से भी ज्यादा काला हो जाएगा, लेकिन गाय को वह जैसी अभी थी, वैसी ही सबसे अच्छी लगती थी, मानो वह सफेद सोने से बनी कोई चीज हो।

वह उसके होंठों पर हल्की सी झिझक भरी मुस्कान लिए उसकी ओर मुड़ी क्योंकि वह उसे घूर रहा था। "क्या तुम इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते थे, गाइ?"

“नहीं। मुझसे मत पूछो क्यों। मैं नहीं कर सकती थी।” उसने देखा कि उसकी मुस्कान अभी भी बरकरार थी, जिसमें थोड़ी उलझन, शायद झुंझलाहट भी झलक रही थी।

"इसे छोड़ना बहुत बड़ी बात है।"

अब उसे इस बात से चिढ़ होने लगी थी। वह इससे तंग आ चुका था। उसने धीमी आवाज़ में कहा, "मैं उससे नफ़रत करता हूँ।"

लेकिन आपको किसी भी चीज से नफरत नहीं करनी चाहिए।

उसने घबराकर एक इशारा किया। "मैं उससे नफरत करता हूँ क्योंकि मैंने ये सब बातें तुम्हें चलते-चलते बता दी हैं!"

“यार, सचमुच!”

“वह हर उस चीज़ का प्रतीक है जिससे नफ़रत करनी चाहिए,” वह सामने घूरते हुए बोला। “कभी-कभी मुझे लगता है कि मैं दुनिया की हर चीज़ से नफ़रत करता हूँ। न कोई शिष्टाचार, न कोई ज़मीर। लोग जब कहते हैं कि अमेरिका कभी परिपक्व नहीं होता, अमेरिका भ्रष्ट लोगों को पुरस्कृत करता है, तो उनका यही मतलब होता है। वह उस तरह की औरत है जो घटिया फ़िल्में देखती है, उनमें अभिनय करती है, प्रेम कहानियों की पत्रिकाएँ पढ़ती है, बंगले में रहती है, और अपने पति को इस साल ज़्यादा पैसे कमाने के लिए मजबूर करती है ताकि वे अगले साल किश्तों पर घर खरीद सकें, अपने पड़ोसी की शादी तोड़ देती है—”

“बस करो, गाइ! तुम बच्चों की तरह बात करते हो!” वह उससे दूर हट गई।

"और यह तथ्य कि मैंने कभी उससे प्यार किया था," गाय ने आगे कहा, "उसके हर पहलू से प्यार किया था, मुझे बीमार कर देता है।"

वे रुक गए और एक-दूसरे को देखने लगे। उसे यह बात यहीं और अभी कहनी पड़ी, वह सबसे बुरी बात जो वह कह सकता था। वह ऐनी की नाराज़गी भी झेलना चाहता था, शायद इस डर से कि वह उससे मुंह मोड़ ले और उसे अकेले ही सैर पूरी करने के लिए छोड़ दे। एक-दो बार पहले भी जब उसने अनुचित व्यवहार किया था, तब ऐनी उसे छोड़कर चली गई थी।

ऐनी ने उस उदासीन, भावहीन स्वर में कहा, जिससे वह भयभीत हो जाता था, क्योंकि उसे लगता था कि वह उसे छोड़कर कभी वापस नहीं आएगी, "कभी-कभी मुझे विश्वास हो जाता है कि तुम अब भी उससे प्यार करते हो।"

वह मुस्कुराया, और वह नरम पड़ गई। "मुझे खेद है," उसने कहा।

“ओह, गाइ!” उसने विनती भरे अंदाज़ में फिर से अपना हाथ बढ़ाया, और उसने उसका हाथ थाम लिया। “काश तुम बड़े हो जाते!”

मैंने कहीं पढ़ा था कि लोग भावनात्मक रूप से विकसित नहीं होते।

मुझे इस बात की परवाह नहीं कि आप क्या पढ़ते हैं। उन्हें परवाह है। चाहे मेरी जान ही क्यों न चली जाए, मैं इसे साबित करके दिखाऊंगा।

उसे अचानक सुरक्षा का अहसास हुआ। "अब मैं और किस बारे में सोचूँ?" उसने धीमी आवाज़ में शरारती अंदाज़ में पूछा।

“गाइ, तुम उससे छुटकारा पाने के इतने करीब पहले कभी नहीं थे। तुम्हें क्या सोचना चाहिए?”

उसने अपना सिर और ऊपर उठाया। एक इमारत की छत पर एक बड़ा गुलाबी बोर्ड लगा था: खंड XX, और अचानक उसके मन में यह जानने की उत्सुकता जागी कि इसका क्या अर्थ है और वह ऐनी से पूछना चाहता था। वह उससे पूछना चाहता था कि उसके साथ होने पर सब कुछ इतना आसान और सरल क्यों हो जाता है, लेकिन अहंकार ने उसे अभी पूछने से रोक दिया, और वैसे भी यह सवाल एक अलंकारिक प्रश्न होता, जिसका ऐनी शब्दों में उत्तर नहीं दे सकती थी, क्योंकि उत्तर तो बस ऐनी ही थी। ऐसा उस दिन से था जब वह उससे मिला था, न्यूयॉर्क के आर्ट इंस्टीट्यूट के अंधेरे तहखाने में, उस बरसात के दिन जब वह मेहनत करते हुए अंदर आया था और उसने अपने सामने एकमात्र जीवित प्राणी, चीनी लाल रेनकोट और हुड को देखा था। लाल रेनकोट और हुड ने मुड़कर कहा: "तुम पहली मंजिल से 9A तक पहुँच सकते हो। तुम्हें यहाँ तक नीचे आने की ज़रूरत नहीं थी।" और फिर उसकी तेज़, मुस्कुराती हुई हंसी जिसने रहस्यमय तरीके से, तुरंत ही, उसके गुस्से को शांत कर दिया। वह उससे डरते हुए, उसकी नई गहरे हरे रंग की कन्वर्टिबल कार के प्रति थोड़ा तिरस्कार का भाव रखते हुए, धीरे-धीरे मुस्कुराना सीख गया था। “लॉन्ग आइलैंड में रहने पर कार रखना ज़्यादा समझदारी की बात

है," ऐनी ने कहा। वो दिन गए जब वो हर चीज़ को तुच्छ समझता था और इधर-उधर लिए गए कोर्स महज़ परीक्षाएँ थीं, यह देखने के लिए कि उसे शिक्षक की सारी बातें याद हैं या नहीं, या फिर यह देखने के लिए कि वो कितनी जल्दी सीखकर निकल जाता है। “अगर सिफारिश के बिना कोई दाखिला नहीं पाता, तो भला कोई कैसे पा सकता है? अगर उन्हें पसंद नहीं आया तो वे तुम्हें निकाल भी सकते हैं।” आखिरकार उसने ऐनी की बात मान ली, सही रास्ता, और उसके पिता के निदेशक मंडल में एक जान-पहचान वाले व्यक्ति के ज़रिए ब्रुकलिन की प्रतिष्ठित डीम्स आर्किटेक्चरल अकादमी में एक साल के लिए दाखिला लिया।

"मुझे पता है कि तुममें यह क्षमता है, गाय," ऐनी ने अचानक चुप्पी तोड़ते हुए कहा, "बेहद खुश रहने की क्षमता।"

गाइ ने जल्दी से सिर हिलाया, हालाँकि ऐनी उसकी तरफ नहीं देख रही थी। उसे किसी तरह शर्म महसूस हो रही थी। ऐनी में खुश रहने की क्षमता थी। वह अभी खुश थी, उससे मिलने से पहले भी खुश थी, और केवल वही, उसकी समस्याएँ ही थीं जो कभी-कभी उसकी खुशी को पल भर के लिए भी कम कर देती थीं। ऐनी के साथ रहने पर वह भी खुश रहेगा। उसने ऐनी से ऐसा कहा था, लेकिन अब वह उसे दोबारा यह बात नहीं कह सकता था।

“यह क्या है?” उसने पूछा।

चैपलटेपेक पार्क के पेड़ों के नीचे कांच का एक विशाल गोल घर दिखाई देने लगा था।

“वनस्पति उद्यान,” ऐनी ने कहा।

इमारत के अंदर कोई नहीं था, यहाँ तक कि कोई रखवाला भी नहीं। हवा में गर्म, ताज़ी मिट्टी की महक फैली हुई थी। वे इधर-उधर घूम रहे थे और ऐसे पौधों के नाम पढ़ रहे थे जिनका उच्चारण करना मुश्किल था, मानो वे किसी दूसरे ग्रह से आए हों। ऐनी का एक पसंदीदा पौधा था। उसने बताया कि वह उसे तीन साल से बढ़ते हुए देख रही थी और लगातार गर्मियों में अपने पिता के साथ उसे देखने जाती थी।

"बस मुझे ये नाम कभी याद नहीं रहते," उसने कहा।

आपको याद क्यों रखना चाहिए?

उन्होंने ऐनी की माँ के साथ सैनबोर्न में दोपहर का भोजन किया, फिर श्रीमती फॉल्कनर के दोपहर के आराम के समय तक दुकान में टहलते रहे। श्रीमती फॉल्कनर दुबली-पतली, थोड़ी घबराई हुई लेकिन ऊर्जावान महिला थीं, ऐनी जितनी लंबी और अपनी उम्र के हिसाब से उतनी ही आकर्षक। गाय को उनसे लगाव हो गया था, क्योंकि वह भी उनसे लगाव रखती थीं। पहले तो उन्होंने मन ही मन ऐनी के धनी माता-पिता के कारण अपने लिए सबसे बड़ी बाधाएँ खड़ी कर ली थीं, लेकिन उनमें से एक भी सच नहीं हुई और धीरे-धीरे उन्होंने उन बाधाओं को दूर कर दिया। उस शाम, वे चारों बेलास आर्टेस में एक संगीत कार्यक्रम देखने गए, फिर रिट्ज़ के सामने वाली सड़क पर स्थित लेडी बाल्टीमोर रेस्टोरेंट में देर रात का भोजन किया।

फॉल्कनर परिवार को इस बात का दुख था कि वह गर्मियों में उनके साथ अकापुल्को में नहीं रह पाएगा। ऐनी के पिता, जो एक आयातक थे, वहाँ बंदरगाह पर एक गोदाम बनाने की योजना बना रहे थे।

श्रीमती फॉल्कनर ने कहा, "अगर वह पूरा कंट्री क्लब बना रहे हैं, तो हम उनसे गोदाम में दिलचस्पी लेने की उम्मीद नहीं कर सकते।"

गाय ने कुछ नहीं कहा। वह ऐनी की तरफ देख भी नहीं पा रहा था। उसने ऐनी से कहा था कि जब तक वह पाम बीच से वापस न आ जाए, तब तक वह अपने माता-पिता को इसके बारे में न बताए। अगले हफ्ते वह कहाँ जाएगा? शायद वह शिकागो जाकर कुछ महीनों के लिए पढ़ाई करे। उसने अपना सारा सामान न्यूयॉर्क में रख दिया था, और उसकी मकान मालकिन उसके अपार्टमेंट को किराए पर देने या न देने के बारे में उसके जवाब का इंतज़ार कर रही थी। अगर वह शिकागो जाता, तो शायद वह इवान्स्टन में महान सारिनेन और टिम ओ'फ्लेहर्टी से मिलता, जो एक युवा वास्तुकार था जिसे अभी तक कोई पहचान नहीं मिली थी, लेकिन जिस पर गाय को पूरा भरोसा था। शिकागो में उसे एक-दो नौकरी भी मिल सकती थी। लेकिन ऐनी के बिना न्यूयॉर्क जाना बहुत निराशाजनक लग रहा था।

श्रीमती फॉल्कनर ने अपना हाथ उसकी बांह पर रखा और हंस पड़ीं। "अगर उसे पूरे न्यूयॉर्क पर निर्माण करने को मिल जाए, तो भी वह मुस्कुराएगा नहीं, है ना, गाय?"

वह सुन नहीं रहा था। वह चाहता था कि ऐनी बाद में उसके साथ टहलने जाए, लेकिन ऐनी ने ज़िद की कि वह रिट्ज़ होटल के उनके सुइट में आए और अपने चचेरे भाई टेडी के लिए खरीदी गई रेशमी ड्रेसिंग गाउन को भेजे जाने से पहले देख ले। और फिर, ज़ाहिर है, टहलने के लिए बहुत देर हो चुकी थी।

वह होटल मोंटेकार्लो में ठहरे हुए थे, जो होटल रिट्ज़ से लगभग दस ब्लॉक दूर था। होटल रिट्ज़ एक भव्य, जर्जर इमारत थी जो किसी सैन्य जनरल के पूर्व निवास जैसी दिखती थी। होटल में प्रवेश एक चौड़े, काले और सफेद टाइलों से बने रास्ते से होता था, जो बाथरूम के फर्श की तरह दिखता था। यह रास्ता एक विशाल, अंधेरी लॉबी में खुलता था, जिसमें भी टाइलें लगी थीं। वहाँ एक गुफा जैसा बार और एक रेस्तरां था जो हमेशा खाली रहता था। संगमरमर की सीढ़ियाँ आंगन के चारों ओर घूमती थीं, और कल घंटी बजाने वाले के पीछे उन पर चढ़ते हुए, गाय ने खुले दरवाजों और खिड़कियों से एक जापानी जोड़े को ताश खेलते हुए, एक महिला को प्रार्थना करते हुए, लोगों को मेजों पर पत्र लिखते हुए या बस एक अजीब से बंधन में खड़े देखा था। एक मर्दाना उदासी और अलौकिक शक्ति का एक अनसुलझा आभास पूरे स्थान पर छाया हुआ था, और गाय को यह जगह तुरंत पसंद आ गई थी, हालाँकि ऐनी सहित फॉल्कनर परिवार के सभी सदस्यों ने उनकी इस पसंद पर उनका मज़ाक उड़ाया था।

पीछे के कोने में स्थित उसका छोटा सा सस्ता कमरा गुलाबी और भूरे रंग के फर्नीचर से भरा हुआ था, उसमें एक टूटा-फूटा बिस्तर था और स्नानघर गलियारे के अंत में था। आँगन में कहीं नीचे लगातार पानी टपक रहा था और शौचालयों के रुक-रुक कर चलने की आवाज़ मूसलाधार सुनाई दे रही थी।

जब गाय रिट्ज़ से लौटा, तो उसने ऐनी द्वारा उपहार में दी गई अपनी घड़ी गुलाबी बेड टेबल पर रख दी, और अपना बटुआ और चाबियाँ खरोंच लगे भूरे रंग के ब्यूरो पर रख दीं, जैसा कि वह घर पर करता था। दोपहर में अलामेडा बुकस्टोर से मिली मैक्सिकन अखबारों और अंग्रेजी वास्तुकला की एक किताब के साथ बिस्तर पर लेटते हुए उसे बहुत सुकून महसूस हुआ। स्पेनिश अखबार का एक और अध्याय पढ़ने के बाद, उसने अपना सिर तकिए पर टिकाया और उस अप्रिय कमरे को घूरने लगा, इमारत के हर कोने से आती चूहों जैसी छोटी-छोटी मानवीय

गतिविधियों की आवाज़ें सुनने लगा। वह सोचने लगा कि आखिर उसे क्या अच्छा लग रहा था? क्या वह खुद को बदसूरत, असुविधाजनक, अशोभनीय जीवन में डुबो देना चाहता था ताकि उसे अपने काम में इससे लड़ने की नई शक्ति मिल सके? या यह मिरियम से छिपने का एहसास था? रिट्ज़ की तुलना में यहाँ उसे ढूंढना ज़्यादा मुश्किल होगा।

अगली सुबह ऐनी ने उन्हें फोन करके बताया कि उनके लिए एक टेलीग्राम आया है। उन्होंने कहा, "मैंने बस यूं ही आपको बुलाते हुए सुन लिया। वे हार मानने ही वाले थे।"

"क्या तुम इसे मुझे पढ़कर सुनाओगी, ऐनी?"

ऐनी ने पढ़ा: "'मरियम का कल गर्भपात हो गया। वह परेशान है और आपसे मिलना चाहती है। क्या आप घर आ सकते हैं? माँ।'—ओह, गाय!"

वह इन सब बातों से तंग आ चुका था। "उसने ये सब खुद किया है," उसने धीरे से कहा।

"तुम्हें नहीं पता, गाइ।"

"मुझे पता है।"

"क्या आपको नहीं लगता कि आपको उससे मिलना चाहिए?"

टेलीफोन पर उसकी उंगलियां कस गईं। "मैं पल्मायरा को किसी भी हालत में वापस ले आऊंगा," उसने कहा। "टेलीग्राम कब भेजा गया था?"

"नौ तारीख, मंगलवार, शाम 4 बजे।"

उन्होंने श्री ब्रिलहार्ट को एक टेलीग्राम भेजा, जिसमें उन्होंने पूछा कि क्या उनके पद के लिए उन पर पुनर्विचार किया जा सकता है। उन्होंने सोचा, बेशक किया जाएगा, लेकिन यह सोचकर वे कितने मूर्ख लग रहे थे। मिरियम की वजह से। उन्होंने मिरियम को लिखा:

> इससे हम दोनों की योजनाएँ बदल जाएँगी, ज़ाहिर है। आपकी योजना चाहे जो भी हो, मैं अब तलाक लेना चाहती हूँ। मैं कुछ दिनों में टेक्सास पहुँच जाऊँगी। आशा है तब तक आप ठीक हो जाएँगी, लेकिन अगर नहीं, तो जो भी ज़रूरी होगा मैं अकेले संभाल लूँगी।
>
> एक बार फिर, आपके शीघ्र स्वस्थ होने की मेरी शुभकामनाएं।

मैं रविवार तक इसी पते पर रहूंगा।

उसने इसे एयरमेल स्पेशल डिलीवरी से भेजा।

फिर उसने ऐन को फोन किया। वह उस रात उसे शहर के सबसे बेहतरीन रेस्टोरेंट में ले जाना चाहता था। सबसे पहले तो वह रिट्ज़ बार के सभी सबसे शानदार कॉकटेल पीना चाहता था।

“क्या तुम सचमुच खुश हो?” ऐनी ने हंसते हुए पूछा, मानो उसे उसकी बात पर यकीन ही न हो रहा हो।

"खुश और—अजीब। बिल्कुल पराया।"

"क्यों?"

क्योंकि मुझे नहीं लगता था कि यह नियति में लिखा था। मुझे नहीं लगता था कि यह मेरे भाग्य का हिस्सा था। मेरा मतलब पल्मायरा से है।

“मैंने किया।”

“अरे हाँ, तुमने कर दिया!”

"तुम्हें क्या लगता है कि मैं कल तुमसे इतना नाराज़ क्यों था?"

उन्हें मिरियम से जवाब की बिल्कुल उम्मीद नहीं थी, लेकिन शुक्रवार की सुबह जब वे और ऐनी ज़ोचिमिल्को में थे, तो उन्हें अपने होटल में फोन करके यह जानने की इच्छा हुई कि कोई संदेश आया है या नहीं। वहाँ एक टेलीग्राम उनका इंतज़ार कर रहा था। कुछ ही मिनटों में उसे लेने का वादा करने के बाद, मेक्सिको सिटी वापस आते ही वे और इंतज़ार नहीं कर सके और सोकालो के एक दवाखाने से उन्होंने होटल को दोबारा फोन किया। मोंटेकार्लो के क्लर्क ने उन्हें टेलीग्राम पढ़कर सुनाया: “‘पहले आपसे बात करनी है। कृपया जल्दी आइए। प्यार सहित, मिरियम।’”

ऐन को यह बात दोहराने के बाद गाय ने कहा, "वह थोड़ा हंगामा करेगी। मुझे यकीन है कि दूसरा आदमी उससे शादी नहीं करना चाहता। उसकी अभी एक पत्नी है।"

"ओह।"

चलते हुए उसने उसकी तरफ देखा, और उससे कुछ कहना चाहता था कि उसने उसके साथ, मिरियम के साथ, और इन सब बातों के साथ कितना धैर्य रखा है। "चलो इसे भूल जाते हैं," वह मुस्कुराया और तेज़ी से चलने लगा।

क्या आप अब वापस जाना चाहते हैं?

“बिल्कुल नहीं! शायद सोमवार या मंगलवार को। मैं तुम्हारे साथ ये कुछ दिन बिताना चाहता हूँ। मुझे फ्लोरिडा पहुँचने में अभी एक हफ़्ता और है। वो भी तब जब वे पहले वाले शेड्यूल पर कायम रहें।”

"मरियम अब तुम्हारा पीछा नहीं करेगी, है ना?"

गाय ने कहा, "अगले हफ्ते इसी समय तक, उसका मुझ पर एक भी दावा नहीं होगा।"

दस

सैंटा फ़े के होटल ला फोंडा में अपने ड्रेसिंग टेबल पर बैठी एल्सी ब्रूनो रात भर की सूखी क्रीम को क्लींजिंग टिश्यू से अपने चेहरे से हटा रही थी। बीच-बीच में, अपनी चौड़ी, खोई-खोई नीली आँखों से, वह शीशे के पास झुककर अपनी पलकों के नीचे की झुर्रियों के छोटे जाल और नाक के निचले हिस्से से शुरू होने वाली हँसी की रेखाओं को निहारती। हालाँकि उसकी ठुड्डी थोड़ी अंदर की ओर धंसी हुई थी, लेकिन उसके चेहरे का निचला हिस्सा उभरा हुआ था, जिससे उसके भरे हुए होंठ ब्रूनो के चेहरे से बिल्कुल अलग ढंग से आगे की ओर निकले हुए थे। उसने सोचा, सैंटा फ़े ही एकमात्र ऐसी जगह है जहाँ वह ड्रेसिंग टेबल पर पीछे की ओर झुककर शीशे में अपनी हँसी की रेखाओं को देख सकती है।

"यहाँ की ये रोशनी तो मानो एक्स-रे ही हो," उसने अपने बेटे से कहा।

कच्चे चमड़े की कुर्सी पर पायजामे में धँसे ब्रूनो ने खिड़की की ओर सूजी हुई आँखों से देखा। वह इतना थका हुआ था कि पर्दा खींचने भी नहीं जा सका। "माँ, आप अच्छी लग रही हैं," उसने धीमी आवाज़ में कहा। उसने अपने सिकुड़े हुए होंठों को पानी के गिलास पर रखा जो उसकी गंजी छाती पर टिका था, और सोच में डूबा हुआ भौंहें सिकोड़ीं।

जैसे किसी कमज़ोर, कांपते गिलहरी के हाथों में एक विशाल अखरोट हो, वैसे ही एक विचार, जो उसके अब तक के सभी विचारों से कहीं बड़ा और उसके बहुत

करीब था, कई दिनों से उसके दिमाग में घूम रहा था। जब उसकी माँ शहर से चली गई, तो उसने उस विचार को खोलकर गंभीरता से सोचना शुरू करने का इरादा किया। उसका इरादा मिरियम को वापस लाने का था। समय बिल्कुल सही था, और यही सही समय था। गाय को इसकी अभी ज़रूरत थी। कुछ दिनों में, यहाँ तक कि एक हफ्ते में भी, पाम बीच जाने का समय निकल सकता था, और वह ऐसा नहीं होने देना चाहता था।

एल्सी ने सोचा कि सांता फ़े में इन कुछ दिनों में उसका चेहरा और मोटा हो गया था। उसकी नाक के छोटे, कसे हुए त्रिकोण की तुलना में उसके गालों की गोलाई से उसे यह बात समझ आ गई थी। उसने खुद पर मुस्कुराकर अपनी हंसी की रेखाओं को छुपाया, अपने घुंघराले सुनहरे बालों वाले सिर को थोड़ा झुकाया और पलकें झपकाईं।

“चार्ली, क्या मैं आज सुबह वो चांदी की बेल्ट ले आऊं?” उसने बड़ी सहजता से पूछा, मानो खुद से ही बात कर रही हो। बेल्ट की कीमत ढाई सौ से कुछ ज़्यादा थी, लेकिन सैम एक हज़ार और कैलिफ़ोर्निया भेज देगा। वो बेल्ट इतनी खूबसूरत थी, न्यूयॉर्क में ऐसी बेल्ट कहीं नहीं मिलेगी। सांता फ़े में चांदी के अलावा और क्या मिलता था?

“वह और किस काम का है?” ब्रूनो ने बुदबुदाते हुए कहा।

एल्सी ने अपना शावर कैप उठाया और अपनी उस सहज, चौड़ी मुस्कान के साथ उसकी ओर मुड़ी जिसमें कोई भाव नहीं थे। "डार्लिंग," उसने प्यार से कहा।

“उम्म-म?”

"मेरे जाने के बाद तुम कुछ ऐसा नहीं करोगे जो तुम्हें नहीं करना चाहिए?"

नहीं, माँ।

उसने शावर कैप को सिर पर ही रखा रहने दिया, एक लंबे, पतले लाल नाखून को देखा, फिर सैंडपेपर की एक स्टिक उठाई। बेशक, फ्रेड वाइली उसे चांदी का बेल्ट खरीदकर देने में बहुत खुश होता—वैसे भी वो शायद स्टेशन पर कुछ भद्दा और दुगना महंगा लेकर ही आता—लेकिन वो कैलिफ़ोर्निया में फ्रेड को अपने पीछे नहीं लगाना चाहती थी। ज़रा सी भी हिम्मत देने पर वो उसके साथ कैलिफ़ोर्निया आ

जाता। बेहतर यही होता कि वो स्टेशन पर बस हमेशा के लिए प्यार का इज़हार करता, थोड़ा रोता और सीधे अपनी पत्नी के पास घर चला जाता।

“वैसे तो कल रात बहुत मजेदार थी,” एल्सी ने आगे कहा। “फ्रेड ने इसे सबसे पहले देखा।” वह हंस पड़ी और सैंडपेपर की छड़ी पलक झपकते ही गायब हो गई।

ब्रूनो ने शांत भाव से कहा, "मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं था।"

"ठीक है, प्रिय, इसमें तुम्हारा कोई हाथ नहीं था!"

ब्रूनो का मुंह टेढ़ा हो गया। उसकी माँ ने उसे सुबह चार बजे हिस्टीरिया में जगाया और बताया कि प्लाज़ा में एक मरा हुआ बैल पड़ा है। एक बैल बेंच पर बैठा था, सिर पर टोपी और कोट पहने, अखबार पढ़ रहा था। विल्सन की कॉलेज के दिनों की शरारतों की तरह। ब्रूनो जानता था कि विल्सन आज इसके बारे में बात कर रहा होगा, और तब तक इस पर विस्तार से बताता रहेगा जब तक उसे कोई और बेवकूफी भरी हरकत करने का ख्याल न आ जाए। पिछली रात होटल के बार ला प्लासिटा में, उसने एक हत्या की योजना बनाई थी - जबकि विल्सन एक मरे हुए बैल को सजा रहा था। विल्सन ने अपनी युद्ध सेवा के बारे में जो भी बड़ी-बड़ी कहानियां सुनाई थीं, उनमें भी उसने कभी किसी को मारने का दावा नहीं किया था, यहाँ तक कि किसी जापानी को भी नहीं। ब्रूनो ने पिछली रात के बारे में सोचते हुए अपनी आँखें बंद कर लीं। लगभग दस बजे, फ्रेड वाइली और कई अन्य गंजे लोग ला प्लासिटा में आधे नशे में धुत होकर, किसी म्यूजिकल कॉमेडी के कलाकारों की तरह, उसकी माँ को पार्टी में ले जाने के लिए आए थे। उसे भी आमंत्रित किया गया था, लेकिन उसने अपनी माँ से कहा था कि उसकी विल्सन के साथ मुलाकात है, क्योंकि उसे सोचने के लिए समय चाहिए था। और कल रात उसने हाँ कह दी। शनिवार को जब उसने गाय से बात की थी, तब से वह इस बारे में सोच रहा था, और आज फिर शनिवार था, और यह कल या कभी नहीं वाली बात थी, जब उसकी माँ कैलिफ़ोर्निया के लिए रवाना हो रही थी। वह इस सवाल से तंग आ चुका था, क्या वह यह कर सकता है? यह सवाल कब से उसके मन में था? जितना उसे याद भी नहीं था। उसे लग रहा था कि वह यह कर सकता है। कुछ उसे बार-बार कह रहा था कि समय, परिस्थितियाँ, कारण इससे बेहतर कभी नहीं हो सकते। एक शुद्ध हत्या, बिना किसी व्यक्तिगत मकसद के! उसने गाय द्वारा अपने पिता की हत्या को

मकसद नहीं माना, क्योंकि उसे इसकी उम्मीद नहीं थी। शायद गाय को मनाया जा सके, शायद नहीं। बात यह थी कि अब कार्रवाई करने का समय था, क्योंकि परिस्थितियाँ बिल्कुल अनुकूल थीं। उसने कल रात फिर से गाय के घर फोन किया था यह सुनिश्चित करने के लिए कि वह अभी तक मेक्सिको से वापस नहीं आया है। उसकी माँ ने बताया कि गाय रविवार से मेक्सिको में है।

गले के निचले हिस्से पर अंगूठे के दबाव जैसी सनसनी से प्रेरित होकर उसने अपने कॉलर को झटक दिया, लेकिन उसकी पजामा जैकेट सामने से पूरी तरह खुली हुई थी। ब्रूनो स्वप्निल भाव से उसे बटन लगाने लगा।

“तुम अपना मन नहीं बदलोगे और मेरे साथ नहीं आओगे?” उसकी माँ उठते हुए बोली। “अगर तुम मान गए तो मैं रेनो चली जाऊँगी। हेलेन और जॉर्ज कैनेडी दोनों वहीं हैं।”

"माँ, मैं आपको रेनो में सिर्फ एक ही कारण से देखना चाहता हूँ।"

“चार्ली—” उसने अपना सिर एक तरफ झुकाया और फिर वापस सीधा कर लिया। “धैर्य रखो? अगर सैम न होता तो हम यहाँ न होते, है ना?”

"ज़रूर, हम करेंगे।"

उसने आह भरी। "क्या तुम अपना मन नहीं बदलोगे?"

“मुझे यहां मजा आ रहा है,” उसने कराहते हुए कहा।

उसने फिर से अपने नाखूनों को देखा। "मैंने तो बस यही सुना है कि तुम कितने ऊब चुके हो।"

“वो विल्सन के साथ है। मैं उससे दोबारा नहीं मिलूंगा।”

"क्या तुम वापस न्यूयॉर्क नहीं भागने वाले हो?"

मैंने न्यूयॉर्क में क्या किया?

"अगर तुम इस साल फिर गिर गए तो दादी बहुत निराश होंगी।"

“मैं कब गिरा था?” ब्रूनो ने कमज़ोर आवाज़ में मज़ाक किया, और अचानक उसे इतनी बुरी तरह से बीमार महसूस हुआ कि वह मर ही जाएगा, इतना बीमार कि उल्टी भी नहीं कर पा रहा था। वह इस एहसास को जानता था, यह सिर्फ़ एक मिनट तक रहा, लेकिन हे भगवान, उसने सोचा, ट्रेन से पहले नाश्ते का समय न हो, उसे नाश्ते का नाम भी न लेने दे। वह एकदम अकड़ गया, एक भी मांसपेशी नहीं

हिलाई, उसके होंठ खुले हुए थे और वह मुश्किल से साँस ले पा रहा था। एक आँख बंद करके, उसने उसे अपनी ओर आते देखा, हल्के नीले रेशमी लबादे में, एक हाथ कमर पर रखे, जितना हो सके चालाक दिखने की कोशिश कर रही थी, जो बिल्कुल भी चालाकी नहीं थी, क्योंकि उसकी आँखें बहुत गोल थीं। और वह मुस्कुरा भी रही थी।

"तुम और विल्सन ने क्या योजना बना रखी है?"

“वो बदमाश?”

वह उसकी कुर्सी के आर्मरिस्ट पर बैठ गई। "सिर्फ इसलिए कि वह तुम्हारी शोहरत छीन लेता है," उसने कंधे से हल्का सा हिलाते हुए कहा। "कुछ ज्यादा बुरा मत कर देना, प्यारे, क्योंकि अभी मेरे पास इतना पैसा नहीं है कि मैं तुम्हारे बाद सफाई करने में खर्च करूँ।"

“उससे कुछ और पैसे वसूल करो। मेरे लिए भी एक हजार ले आओ।”

“डार्लिंग।” उसने अपनी ठंडी उंगलियों के पिछले हिस्से को उसके माथे पर रखा। “मुझे तुम्हारी बहुत याद आएगी।”

मैं शायद परसों वहां पहुंच जाऊंगा।

चलिए कैलिफोर्निया में खूब मस्ती करते हैं।

"ज़रूर।"

आज सुबह तुम इतने गंभीर क्यों हो!

“मैं नहीं हूँ, माँ।”

उसने उसके माथे पर लटकते पतले बालों को थोड़ा सा छेड़ा और बाथरूम की ओर चली गई।

ब्रूनो उछल पड़ा और नहाने के पानी की तेज आवाज के बीच चिल्लाया, "माँ, मेरे पास यहाँ बिल चुकाने के लिए पैसे हैं!"

“क्या, देवदूत?”

वह पास गया और वही बात दोहराई, फिर थककर कुर्सी पर वापस बैठ गया। वह नहीं चाहता था कि उसकी माँ को मेटकाफ को किए गए लंबी दूरी के फोन कॉल के बारे में पता चले। अगर उसे पता नहीं चला, तो सब ठीक चल रहा था। उसकी माँ को उसके न रुकने से ज़्यादा फ़र्क नहीं पड़ा था, बल्कि उतना भी नहीं।

क्या वह ट्रेन में उस बदमाश फ्रेड से मिल रही थी या कुछ और? ब्रूनो खुद को घसीटते हुए उठा, उसके अंदर फ्रेड वाइली के लिए धीरे-धीरे नफ़रत पनप रही थी। वह अपनी माँ को बताना चाहता था कि वह अपने जीवन के सबसे बड़े अनुभव के लिए सांता फ़े में रुक रहा है। अगर उसे ज़रा भी पता होता कि इसका क्या मतलब है, तो वह अभी वहाँ पानी नहीं चला रही होती और उस पर ध्यान नहीं दे रही होती। वह कहना चाहता था, माँ, हम दोनों के लिए ज़िंदगी जल्द ही बहुत बेहतर होने वाली है, क्योंकि यह कैप्टन से छुटकारा पाने की शुरुआत है। चाहे गाय ने अपना वादा निभाया हो या नहीं, अगर वह मिरियम के साथ कामयाब हो गया, तो उसने एक बात साबित कर दी होगी। एक परफेक्ट मर्डर। किसी दिन, कोई और अनजान व्यक्ति सामने आएगा और शायद कोई समझौता हो जाए। ब्रूनो अचानक पीड़ा से अपनी ठुड्डी सीने पर झुका ली। वह अपनी माँ को कैसे बताएगा? हत्या और उसकी माँ का कोई मेल नहीं था। "कितना भयानक!" वह कहती। उसने दुखी और उदास भाव से बाथरूम के दरवाजे की ओर देखा। उसे एहसास हो गया था कि वह किसी को भी, कभी भी नहीं बता सकता। सिवाय गाय के। वह फिर बैठ गया।

“नींद में डूबे रहने वाले!”

जब उसने ताली बजाई तो उसने पलकें झपकाईं। फिर वह मुस्कुराया। उदास मन से, इस एहसास के साथ कि उनसे दोबारा मिलने से पहले बहुत कुछ हो जाएगा, उसने अपनी माँ की टांगों को देखा जब वह मोज़े कस रही थी। उसकी टांगों की पतली बनावट हमेशा उसे खुशी देती थी, उसे गर्व महसूस कराती थी। उसकी माँ की टांगें सबसे खूबसूरत थीं जो उसने किसी भी उम्र के व्यक्ति की देखी थीं। ज़िगफेल्ड ने उसे चुना था, और क्या ज़िगफेल्ड को अपने काम की अच्छी समझ नहीं थी? लेकिन उसने उसी तरह के जीवन में वापस शादी कर ली थी जिससे वह भाग गई थी। वह जल्द ही उसे आज़ाद करने वाला था, और उसे इसका पता नहीं था।

“उसे डाक से भेजना मत भूलना,” उसकी माँ ने कहा।

ब्रूनो चौंक गया जब दो रैटलस्नेक के सिर उसकी ओर झुके। यह एक टाई रैक था जो उन्होंने कैप्टन के लिए खरीदा था, जो आपस में जुड़े हुए गाय के सींगों से बना था और जिसके ऊपर दो भरवां छोटे रैटलस्नेक एक दर्पण के ऊपर एक-दूसरे पर

जीभ निकाल रहे थे। कैप्टन को टाई रैक से नफरत थी, सांपों से नफरत थी, कुत्तों से नफरत थी, बिल्लियों से नफरत थी, पक्षियों से नफरत थी—उन्हें किससे नफरत नहीं थी? उन्हें यह भद्दा टाई रैक बिल्कुल पसंद नहीं था, और इसीलिए उन्होंने अपनी माँ को इसे खरीदने के लिए मना लिया था। ब्रूनो ने टाई रैक को देखकर प्यार से मुस्कुराया। अपनी माँ को इसे खरीदने के लिए मनाना मुश्किल नहीं था।

ग्यारह

वह एक पत्थर पर ठोकर खाकर गिर पड़ा, फिर खुद को गर्व से संभालकर खड़ा हुआ और अपनी कमीज़ को पतलून में सीधा करने की कोशिश की। अच्छा हुआ कि वह गली में बेहोश हुआ था, सड़क पर नहीं, वरना पुलिस उसे पकड़ लेती और उसकी ट्रेन छूट जाती। वह रुका और अपना बटुआ ढूंढने लगा, पहले से भी ज़्यादा बेतहाशा टटोल रहा था यह देखने के लिए कि बटुआ है या नहीं। उसके हाथ इतने कांप रहे थे कि वह रेल टिकट पर लिखे 10:20 बजे को मुश्किल से पढ़ पा रहा था। कई घड़ियों के हिसाब से अब 8:10 बज रहे थे। अगर आज रविवार होता तो! बेशक आज रविवार ही था, सारे भारतीय साफ़ कमीज़ पहने हुए थे। वह विल्सन पर नज़र रखे हुए था, हालाँकि उसने उसे कल पूरे दिन नहीं देखा था और अब उसके बाहर होने की संभावना भी नहीं थी। वह नहीं चाहता था कि विल्सन को पता चले कि वह शहर छोड़ रहा है।

प्लाज़ा अचानक उसके सामने फैल गया, मुर्गियों, बकरियों और हमेशा की तरह नाश्ते में पाइन के फल खाते बूढ़े लोगों से भरा हुआ। वह वहीं खड़ा रहा और गवर्नर के महल के खंभों को गिनने लगा कि क्या वह सत्रह गिन सकता है, और वह गिन सका। अब खंभे गिनती का सही पैमाना नहीं रह गए थे। हैंगओवर के साथ-साथ, अब उसे उन पत्थरों पर सोने से भी दर्द हो रहा था। उसने सोचा, लगभग रोते हुए, कि उसने इतना ज़्यादा क्यों पी लिया? लेकिन वह बिल्कुल अकेला था, और वह हमेशा अकेले में ज़्यादा पीता है। या क्या यह सच था? और वैसे भी किसे परवाह थी? उसे एक शानदार और शक्तिशाली विचार याद आया जो पिछली रात टीवी पर शफ़लबोर्ड का खेल देखते हुए उसके मन में आया था: दुनिया को देखने का तरीका नशे में देखना है। हर चीज़ नशे में देखने के लिए ही बनी है। निश्चित रूप से यह दुनिया को देखने का तरीका नहीं था, क्योंकि हर बार जब वह अपनी आँखें घुमाता

तो उसका सिर फट जाता था। पिछली रात वह सांता फ़े में अपनी आखिरी रात का जश्न मनाना चाहता था। आज वह मेटकाफ में होगा, और उसे चुस्त-दुरुस्त रहना होगा। लेकिन क्या उसने कभी ऐसा हैंगओवर झेला था जिसे कुछ ड्रिंक्स भी ठीक न कर सकें? उसे लगा कि हैंगओवर शायद मददगार भी हो सकता है: हैंगओवर होने पर वह हर काम धीरे-धीरे और सावधानी से करने का आदी था। फिर भी, उसने अभी तक कुछ भी प्लान नहीं किया था। वह ट्रेन में प्लान कर सकता था।

"कोई चिट्ठी आई है क्या?" उसने डेस्क पर बैठे हुए यांत्रिक भाव से पूछा, लेकिन कोई चिट्ठी नहीं आई थी।

उसने गंभीरता से स्नान किया और गर्म चाय तथा कच्चा अंडा मंगवाया ताकि वह प्रेयरी ऑयस्टर बना सके। फिर वह कोठरी में गया और काफी देर तक सोचता रहा कि क्या पहने। उसने गाइ के सम्मान में लाल-भूरे रंग का सूट पहनने का फैसला किया। सूट पहनने के बाद उसने महसूस किया कि यह काफी सादा था, और उसे इस बात से खुशी हुई कि शायद उसने अनजाने में इसी कारण से इसे चुना था। उसने प्रेयरी ऑयस्टर को गटक लिया और वह पेट में ही रहा, उसने अपनी बाहों को हिलाया—लेकिन अचानक कमरे की भारतीय शैली की सजावट, अजीबोगरीब टिन के लैंप और दीवारों से लटकती पट्टियाँ असहनीय लगने लगीं, और वह अपना सामान लेने और निकलने की जल्दी में फिर से कांपने लगा। क्या सामान? उसे वास्तव में किसी चीज की जरूरत नहीं थी। बस वह कागज जिस पर उसने मरियम के बारे में सब कुछ लिखा था। उसने उसे अपने सूटकेस की पिछली जेब से निकाला और अपनी जैकेट की अंदरूनी जेब में रख लिया। इस हावभाव से उसे एक व्यवसायी जैसा महसूस हुआ। उसने अपनी छाती की जेब में एक सफेद रुमाल रखा, फिर कमरे से बाहर निकला और दरवाजा बंद कर लिया। उसे लगा कि वह कल रात तक वापस आ सकता है, और अगर संभव हो तो आज रात ही वापस आकर किसी सुस्त गेंदबाज को पकड़ ले तो और भी जल्दी आ सकता है।

आज रात!

बस स्टेशन की ओर चलते हुए उसे मुश्किल से ही यकीन हो रहा था, जहाँ से लैमी (रेलवे टर्मिनल) के लिए बस मिलती थी। उसने सोचा था कि वह बहुत खुश और उत्साहित होगा—या शायद शांत और गंभीर—लेकिन वह बिल्कुल भी ऐसा

नहीं था। अचानक उसके माथे पर शिकन आ गई, और उसका पीला, आँखों में उदासी लिए चेहरा पहले से कहीं ज्यादा जवान लग रहा था। क्या सच में कोई चीज़ उसका मज़ा किरकिरा करने वाली थी? आखिर क्या चीज़? लेकिन हमेशा से ही हर उस चीज़ का मज़ा किरकिरा कर देती थी जिस पर उसने भरोसा किया था। इस बार वह ऐसा होने नहीं देगा। उसने खुद को मुस्कुराने के लिए मजबूर किया। शायद हैंगओवर की वजह से उसे शक हो रहा था। वह एक बार में गया और अपने जान-पहचान वाले बारमैन से एक बोतल खरीदी, अपनी बोतल भरी और बाकी बची हुई शराब रखने के लिए एक खाली पाइंट की बोतल माँगी। बारमैन ने देखा, लेकिन उसके पास कोई बोतल नहीं थी।

लैमी स्टेशन पर ब्रूनो अपने साथ एक कागज़ के थैले में आधी खाली बोतल के अलावा कुछ भी नहीं ले जा रहा था, यहाँ तक कि कोई हथियार भी नहीं। वह खुद को बार-बार याद दिला रहा था कि उसने अभी तक कोई योजना नहीं बनाई थी, लेकिन बहुत सारी योजनाएँ बनाने का मतलब हमेशा हत्या में सफलता नहीं होता। गवाह है—

"हे चार्ली! तुम कहाँ जा रहे हो?"

विल्सन अपने कुछ साथियों के साथ था। ब्रूनो ने खुद को मजबूर करते हुए उनकी ओर कदम बढ़ाया और ऊब से सिर हिलाया। उसने सोचा, वे शायद अभी-अभी ट्रेन से उतरे होंगे। वे थके हुए और बदहाल लग रहे थे।

“तुम दो दिन से कहाँ थे?” ब्रूनो ने विल्सन से पूछा।

“लास वेगास। मुझे पता ही नहीं था कि मैं वहाँ हूँ, वरना मैं आपसे पूछता, मिलिए जो हैनोवर से। मैंने आपको जो के बारे में बताया था।”

"हेलो, जो।"

"तुम इतने उदास क्यों हो?" विल्सन ने दोस्ताना अंदाज में धक्का देते हुए पूछा।

"ओह, चार्ली को हैंगओवर है!" लड़कियों में से एक चीखी, उसकी आवाज मानो साइकिल की घंटी की तरह उसके कान में गूँज रही थी।

“चार्ली हैंगओवर, जो हैनोवर से मिलो!” जो हैनोवर ने कांपते हुए कहा।

“हा हा।” ब्रूनो ने गले में फूलों की माला पहने एक लड़की से अपना हाथ धीरे से छुड़ाया। “अरे यार, मुझे ट्रेन पकड़नी है।” उसकी ट्रेन इंतज़ार कर रही थी।

"तुम कहाँ जा रहे हो?" विल्सन ने भौंहें चढ़ाते हुए पूछा, जिससे उसकी काली भौहें आपस में मिल गईं।

“मुझे तुलसा में किसी से मिलना था,” ब्रूनो ने बुदबुदाते हुए कहा, उसे एहसास था कि उसने काल को लेकर गड़बड़ कर दी है, और वह सोच रहा था कि उसे अब यहाँ से निकल जाना चाहिए। हताशा के मारे उसका रोने का मन कर रहा था, और वह विल्सन की गंदी लाल कमीज़ पर मुक्कों से वार करना चाहता था।

विल्सन ने ऐसा इशारा किया मानो वह ब्रूनो को ब्लैकबोर्ड पर चाक की लकीर की तरह मिटा देगा। "तुलसा!"

धीरे से, मुस्कुराने की कोशिश करते हुए, ब्रूनो ने भी वैसा ही इशारा किया और मुँह फेर लिया। वह आगे बढ़ गया, यह उम्मीद करते हुए कि वे उसके पीछे आएंगे, लेकिन वे नहीं आए। ट्रेन के पास पहुँचकर उसने पीछे मुड़कर देखा तो वह समूह स्टेशन की छत के नीचे अंधेरे में, सूरज की रोशनी से लुढ़कती हुई किसी चीज़ की तरह जा रहा था। उसने उन पर भौंहें चढ़ाईं, उनकी नज़दीकी में कुछ साज़िश का भाव महसूस किया। क्या उन्हें कुछ शक था? क्या वे उसके बारे में कानाफूसी कर रहे थे? वह लापरवाही से ट्रेन में चढ़ गया, और अपनी सीट मिलने से पहले ही ट्रेन चलने लगी।

जब वह अपनी झपकी से जागा, तो दुनिया बिल्कुल बदली हुई लग रही थी। ट्रेन ठंडे नीले पहाड़ी इलाकों से होकर तेज़ी से गुज़र रही थी। गहरी हरी घाटियाँ छायाओं से भरी थीं। आसमान धूसर था। वातानुकूलित डिब्बा और बाहर का ठंडा वातावरण बर्फ की तरह ताज़गी भरा था। और उसे भूख लगी थी। ढाबे में उसने मेमने के चॉप्स, फ्रेंच फ्राइज़ और सलाद का स्वादिष्ट लंच किया, साथ में ताज़ा पीच पाई और दो स्कॉच और सोडा पीकर अपनी सीट पर वापस लौट आया, मानो वह बहुत खुश हो।

एक उद्देश्य की भावना, जो उसे अजीब और मीठी लग रही थी, उसे एक अदम्य धारा में बहा ले गई। खिड़की से बाहर देखते ही उसे मन और आँखों का एक नया तालमेल महसूस हुआ। उसे समझ आने लगा कि वह क्या करने वाला है। वह एक हत्या करने जा रहा था जो न केवल वर्षों की उसकी इच्छा पूरी करेगी, बल्कि उसके एक दोस्त को भी लाभ पहुँचाएगी। ब्रूनो को अपने दोस्तों के लिए कुछ करना बहुत

अच्छा लगता था। और उसकी शिकार अपने अंजाम की हकदार थी। सोचो, वह कितने अच्छे लोगों को उससे मिलने से बचा लेगा! अपनी अहमियत का एहसास उसके दिमाग में चकाचौंध पैदा कर गया, और कुछ पल के लिए वह पूरी तरह से मदहोश और खुश महसूस करने लगा। उसकी बिखरी हुई ऊर्जा, जो अब तक ल्लानो एस्टाकाडो जैसी सपाट और उबाऊ ज़मीन पर बाढ़ वाली नदी की तरह फैली हुई थी, एक भंवर में सिमटी हुई लग रही थी जिसका सिरा ट्रेन के आक्रामक धक्के की तरह मेटकाफ की ओर बढ़ रहा था। वह अपनी सीट के किनारे पर बैठा था और चाहता था कि गाइ फिर से उसके सामने हो। लेकिन गाइ उसे रोकने की कोशिश करेगा, वह जानता था; गाइ नहीं समझेगा कि वह इसे कितना चाहता है या यह कितना आसान था। लेकिन भगवान के लिए, उसे यह समझना चाहिए कि यह कितना उपयोगी है! ब्रूनो ने अपनी चिकनी, सख्त रबर जैसी मुट्ठी को हथेली पर रगड़ा, और कामना की कि ट्रेन जल्दी चले। उसके पूरे शरीर की छोटी-छोटी मांसपेशियां फड़कने और कांपने लगीं।

उसने मिरियम के बारे में छपा कागज़ निकाला, उसे अपने सामने वाली खाली सीट पर रखा और ध्यान से पढ़ने लगा। मिरियम जॉयस हेन्स, लगभग बाईस साल की, यह उसकी लिखावट में साफ-सुथरे, स्याही से लिखे अक्षरों में था, क्योंकि यह उसकी तीसरी कॉपी थी। काफ़ी सुंदर। लाल बाल। थोड़ी मोटी, ज़्यादा लंबी नहीं। गर्भवती, शायद एक महीने से। शोर मचाने वाली, सामाजिक किस्म की। शायद भड़कीले कपड़े पहनती होगी। शायद छोटे घुंघराले बाल, या शायद लंबे परमानेंट। यह बहुत ज़्यादा नहीं था, लेकिन वह इससे बेहतर नहीं बता सकता था। अच्छा हुआ कि उसके बाल कम से कम लाल तो थे। क्या वह सच में आज रात उसे ढूंढ पाएगा, उसने सोचा। यह इस बात पर निर्भर करता था कि क्या वह उसे तुरंत ढूंढ पाएगा। उसे शायद जॉयस और हेन्स की पूरी सूची देखनी पड़ेगी। उसने सोचा कि वह शायद अपने परिवार के साथ रह रही होगी। एक बार जब वह उसे देख लेगा, तो उसे यकीन था कि वह उसे पहचान लेगा। वह कमीनी! उसे उससे अभी से नफ़रत हो गई थी। उसने उस पल के बारे में सोचा जब वह उसे देखेगा और पहचान लेगा, और उसके पैर ज़मीन पर उम्मीद से उछल पड़े। गलियारे में लोग आते-जाते रहे, लेकिन ब्रूनो ने अखबार से नजर नहीं हटाई।

गाय की आवाज़ आई, "वो माँ बनने वाली है! कितनी आवारा औरत है!" उसे इधर-उधर संबंध रखने वाली औरतों पर बहुत गुस्सा आता था, वो बीमार पड़ जाता था, ठीक वैसे ही जैसे उसके पिता की रखैलें थीं, जिनकी वजह से उसकी स्कूल की छुट्टियाँ बुरे सपने में बदल जाती थीं क्योंकि उसे पता नहीं होता था कि उसकी माँ को पता है और वो सिर्फ़ खुश होने का नाटक कर रही है, या उसे बिल्कुल भी पता नहीं है। उसने ट्रेन में गाय के साथ हुई बातचीत के हर शब्द को याद करने की कोशिश की। इससे गाय उसके करीब आ गया। उसने सोचा कि गाय अब तक मिले लोगों में सबसे नेक इंसान था। उसने पाम बीच की नौकरी मेहनत से हासिल की थी, और उसे इसे बनाए रखने का हक था। ब्रूनो चाहता था कि वो गाय को बताए कि वो अभी भी इस नौकरी के लायक है।

जब ब्रूनो ने आखिरकार कागज़ को अपनी जेब में रखा और एक पैर आराम से मोड़कर, घुटनों पर हाथ रखकर बैठ गया, तो उसे देखकर कोई भी उसे ज़िम्मेदारी और चरित्रवान युवक समझ सकता था, जिसका भविष्य उज्ज्वल था। बेशक, वह पूरी तरह स्वस्थ नहीं दिख रहा था, लेकिन उसके चेहरे पर एक ऐसा आत्मविश्वास और आंतरिक प्रसन्नता झलक रही थी जो बहुत कम लोगों में देखने को मिलती है, और ब्रूनो के चेहरे पर तो पहले कभी नहीं देखी थी। अब तक उसका जीवन पथहीन रहा था, उसकी खोज का कोई लक्ष्य नहीं था, और उसे जो मिला था उसका कोई अर्थ नहीं था। कई संकट आए थे—उसे संकट पसंद थे और वह कभी-कभी अपने परिचितों और अपने माता-पिता के बीच संकट पैदा भी करता था—लेकिन वह हमेशा समय रहते उनसे बाहर निकल आता था ताकि उनमें शामिल न हो सके। इसी वजह से, और कभी-कभी तो वह अपनी माँ के प्रति सहानुभूति भी नहीं दिखा पाता था, जब उसके पिता उसे चोट पहुँचाते थे। इसी कारण उसकी माँ को लगता था कि उसका एक हिस्सा क्रूर है, जबकि उसके पिता और कई अन्य लोग उसे निर्दयी मानते थे। फिर भी, एक अजनबी में महसूस की गई उदासीनता, एक ऐसा दोस्त जिसे उसने एक सुनसान शाम में फोन किया था और जो उसके साथ शाम बिताने में असमर्थ या अनिच्छुक था, उसे उदासी और निराशा में डुबो सकती थी। लेकिन यह बात केवल उसकी माँ ही जानती थी। वह संकटों से बाहर निकल आता था क्योंकि उसे रोमांच से खुद को वंचित रखने में भी आनंद मिलता था। वह अपने

जीवन के अर्थ की खोज में और उसे अर्थ देने वाले किसी कार्य को करने की अपनी अस्पष्ट इच्छा में इतने लंबे समय से निराश था कि उसने निराशा को ही अपना लिया था, जैसे कुछ आदतन एकतरफा प्यार करने वाले प्रेमी। उसने जो भी चाहा था, उसकी पूर्णता का आनंद वह कभी नहीं ले पाएगा। दिशा और आशा से भरी खोज के लिए वह शुरू से ही इतना हतोत्साहित महसूस करता था कि उसने कभी प्रयास भी नहीं किया। फिर भी, एक और दिन जीने की ऊर्जा हमेशा उसमें थी। हालाँकि, मृत्यु से उसे ज़रा भी डर नहीं लगता था। मृत्यु तो बस एक और अनछुआ रोमांच था। अगर यह किसी खतरनाक काम के साथ आए, तो और भी अच्छा। उसे लगता था कि सबसे नज़दीकी अनुभव वह समय था जब उसने आँखों पर पट्टी बाँधकर सीधी सड़क पर रेसिंग कार चलाई थी और गैस पेडल पूरी तरह दबा हुआ था। अपने दोस्त की गोली की आवाज़, जिसका मतलब था रुक जाना, उसने कभी नहीं सुनी, क्योंकि वह कूल्हे की हड्डी टूटी हुई एक खाई में बेहोश पड़ा था। कभी-कभी वह इतना ऊब जाता था कि आत्महत्या के नाटकीय अंत के बारे में सोचने लगता था। उसे कभी यह ख्याल नहीं आया था कि निडर होकर मौत का सामना करना बहादुरी हो सकती है, कि उसका रवैया भारत के स्वामियों जैसा ही शांत था, कि आत्महत्या करने के लिए एक खास तरह के निराशावादी साहस की ज़रूरत होती है। ब्रूनो में हमेशा से ऐसा साहस था। उसे आत्महत्या के बारे में सोचने पर थोड़ी शर्म भी आती थी, क्योंकि यह बहुत ही स्पष्ट और नीरस बात थी।

अब, मेटकाफ जाने वाली ट्रेन में, उसे एक दिशा मिल गई थी। उसे इतना जीवंत, इतना वास्तविक और अन्य लोगों जैसा तब से महसूस नहीं हुआ था जब वह बचपन में अपने माता-पिता के साथ कनाडा गया था—वह भी ट्रेन से ही गया था, उसे याद है। उसने सोचा था कि क्यूबेक किलों से भरा होगा और उसे वहाँ घूमने की अनुमति मिलेगी, लेकिन वहाँ एक भी किला नहीं था, यहाँ तक कि उन्हें देखने का समय भी नहीं मिला, क्योंकि उसकी दादी मर रही थीं, और यही एकमात्र कारण था कि वे वहाँ आए थे, और तब से उसने कभी भी किसी यात्रा के उद्देश्य पर पूरा भरोसा नहीं किया था। लेकिन इस यात्रा पर उसे पूरा भरोसा था।

मेटकाफ पहुँचकर, वह तुरंत टेलीफोन बुक में गया और हैन्स परिवार का पता देखा। सूची देखते हुए उसे गाय के पते का ज़रा भी होश नहीं था। मिरियम हैन्स का

नाम नहीं था, और उसे उम्मीद भी नहीं थी। वहाँ सात जॉयस थे। ब्रूनो ने कागज़ पर उनकी एक सूची बना ली। तीन एक ही पते पर रहते थे, 1235 मैग्नोलिया स्ट्रीट, और उनमें से एक श्रीमती एम. जे. जॉयस थीं। ब्रूनो की जीभ अटकलबाज़ी में उसके ऊपरी होंठ पर घूम गई। यह तो काफी अच्छा अनुमान है। शायद उसकी माँ का नाम भी मिरियम ही हो। उसे आस-पड़ोस से काफी कुछ पता चल जाना चाहिए। उसे नहीं लगता था कि मिरियम किसी आलीशान इलाके में रहती होगी। वह सड़क के किनारे खड़ी एक पीली टैक्सी की ओर तेज़ी से बढ़ा।

बारह

लगभग नौ बज रहे थे। लंबी शाम धीरे-धीरे रात में बदल रही थी, और छोटे-छोटे, कमजोर दिखने वाले लकड़ी के मकानों वाले रिहायशी ब्लॉक लगभग अंधेरे में डूबे हुए थे, सिवाय कहीं-कहीं बरामदे पर हल्की रोशनी के, जहाँ लोग झूलों पर और सीढ़ियों पर बैठे थे।

“मुझे यहीं उतार दो, ठीक है,” ब्रूनो ने ड्राइवर से कहा। मैग्नोलिया स्ट्रीट और कॉलेज एवेन्यू, और यह एक हज़ारवां ब्लॉक था। वह चलने लगा।

एक छोटी लड़की फुटपाथ पर खड़ी होकर उसे घूर रही थी।

"ह्याह," ब्रूनो ने घबराते हुए कहा, मानो उसे रास्ते से हटने का आदेश दे रहा हो।

“हेलो,” छोटी बच्ची ने कहा।

ब्रूनो ने रोशन बरामदे पर बैठे लोगों पर नज़र डाली, एक मोटा आदमी पंखा चला रहा था, और दो औरतें झूले पर बैठी थीं। या तो उसकी हालत उम्मीद से ज़्यादा खराब थी या फिर किस्मत उसका साथ देने वाली थी, क्योंकि उसे 1235 नंबर के बारे में कुछ शक था। मिरियम के रहने के लिए इससे ज़्यादा सही जगह की वह कल्पना भी नहीं कर सकता था। अगर वह गलत था, तो वह बाकी जगहों पर कोशिश करेगा। उसके पास लिस्ट जेब में थी। बरामदे पर चल रहे पंखे ने उसे याद दिलाया कि गर्मी है, साथ ही दोपहर से ही उसे बुखार जैसा महसूस हो रहा था। वह रुका और एक सिगरेट जलाई, उसे इस बात की खुशी थी कि उसके हाथ बिल्कुल नहीं कांप रहे थे। दोपहर के खाने के बाद से पी गई आधी बोतल ने उसका हैंगओवर उतार दिया था और उसे शांत और सौम्य बना दिया था। उसके चारों ओर झींगुर चहचहा रहे थे। इतनी शांति थी कि वह दो ब्लॉक दूर किसी कार के गियर

बदलने की आवाज़ सुन सकता था। कुछ नौजवान एक कोने से आए, और ब्रूनो का दिल ज़ोर से धड़कने लगा, उसे लगा कि उनमें से कोई गाय हो सकता है, लेकिन उनमें से कोई भी गाय नहीं था।

"अरे बूढ़े बदमाश!" एक ने कहा।

"मैंने उससे कहा था कि मैं ऐसे किसी आदमी के साथ खिलवाड़ नहीं करूँगी जो अपने भाई को बराबरी का मौका भी न दे..."

ब्रूनो ने उन्हें बड़े घमंड से देखा। उनकी भाषा किसी दूसरी भाषा जैसी लग रही थी। वे गाइ की तरह बिलकुल नहीं बोलते थे।

कुछ घरों पर ब्रूनो को कोई नंबर नहीं मिला। मान लीजिए, उसे 1235 नहीं मिला? लेकिन जब वह उस नंबर पर पहुँचा, तो सामने के बरामदे के ऊपर टिन के अक्षरों में 1235 साफ़-साफ़ लिखा हुआ था। घर को देखकर ब्रूनो को एक सुखद रोमांच महसूस हुआ। उसने सोचा, गाय ज़रूर उन सीढ़ियों पर अक्सर चढ़ता-उतरता होगा, और यही बात उसे बाकी घरों से अलग बनाती थी। यह गली के बाकी घरों की तरह ही एक छोटा घर था, बस इसकी पीली-भूरी लकड़ी की दीवारों पर पेंट की ज़्यादा ज़रूरत थी। बगल में एक ड्राइववे था, एक बिखरा हुआ लॉन था, और सड़क के किनारे एक पुरानी शेवरले सेडान खड़ी थी। नीचे की एक खिड़की में रोशनी दिख रही थी और ऊपर की एक पिछली कोने वाली खिड़की में भी, जो ब्रूनो को लगा कि शायद मिरियम का कमरा हो। लेकिन उसे यह कैसे पता चला? शायद गाय ने उसे ठीक से बताया ही नहीं था!

घबराते हुए ब्रूनो सड़क पार करके थोड़ा पीछे उसी रास्ते पर लौट आया। वह रुका, मुड़ा और घर को घूरने लगा, अपने होंठ चबाते हुए। आस-पास कोई नहीं था, और कोने पर बने बरामदे को छोड़कर किसी में भी रोशनी नहीं जल रही थी। वह तय नहीं कर पा रहा था कि रेडियो की हल्की आवाज़ मिरियम के घर से आ रही है या उसके बगल वाले घर से। बगल वाले घर की निचली मंज़िल पर दो रोशन खिड़कियाँ थीं। शायद वह ड्राइववे से ऊपर जाकर 1235 नंबर के घर के पीछे का हिस्सा देख सकता था।

जैसे ही बत्ती जली, ब्रूनो की निगाहें सतर्कता से बगल वाले घर के बरामदे पर टिक गईं। एक पुरुष और एक महिला बाहर आए, महिला झूले पर बैठ गई और

पुरुष गलियारे में चला गया। ब्रूनो गैरेज के आगे निकले हुए हिस्से में बने आले में छिप गया।

"अगर उनके पास आड़ू नहीं है तो पिस्ता लाओ, डॉन," ब्रूनो ने महिला को कहते सुना।

“मैं वनीला लूंगा,” ब्रूनो ने धीरे से कहा और अपनी बोतल से थोड़ा सा पी लिया।

वह पीले-भूरे रंग के घर को हैरानी से घूर रहा था, पीछे की ओर एक पैर टिकाकर सहारा लिया और अपनी जांघ पर कुछ सख्त महसूस किया: बिग स्प्रिंग्स के स्टेशन से खरीदा हुआ चाकू, एक छह इंच ब्लेड वाला शिकार का चाकू, म्यान में। अगर हो सके तो वह चाकू का इस्तेमाल नहीं करना चाहता था। चाकू उसे अजीब तरह से घिनौना लगता था। और बंदूक से आवाज़ आती थी। वह यह कैसे करेगा? उसे देखकर शायद कोई रास्ता निकल आए। या नहीं? उसने सोचा था कि घर देखने से कुछ पता चलेगा, और उसे अभी भी लग रहा था कि यही घर है, लेकिन कुछ भी पता नहीं चल रहा था। क्या इसका मतलब यह हो सकता है कि यह घर नहीं है? मान लीजिए कि उसे पता चलने से पहले ही ताक-झांक करने के आरोप में भगा दिया गया। गाय ने उसे पूरी बात नहीं बताई थी, सच में नहीं बताई थी! उसने जल्दी से एक और घूंट पिया। उसे चिंता नहीं करनी चाहिए, वरना सब कुछ बिगड़ जाएगा! उसका घुटना कांपने लगा। उसने अपने पसीने से भीगे हाथों को अपनी जांघों पर पोंछा और कांपती जीभ से अपने होंठ गीले किए। उसने जॉयस के पते वाला कागज़ अपनी जेब से निकाला और उसे सड़क की रोशनी की ओर झुकाया। फिर भी वह पढ़ नहीं पा रहा था। क्या उसे यहाँ से चले जाना चाहिए और कोई दूसरा पता आज़माना चाहिए, या शायद वापस यहाँ आना चाहिए?

वह पंद्रह मिनट, शायद आधा घंटा इंतजार करेगा।

ट्रेन में ही उसके मन में खुले में उस पर हमला करने की इच्छा घर कर गई थी, इसलिए उसके सारे विचार उस पर शारीरिक हमला करने से ही शुरू होते थे। उदाहरण के लिए, यह गली लगभग अँधेरी थी, पेड़ों के नीचे तो बहुत ही अँधेरा था। वह अपने नंगे हाथों का इस्तेमाल करना या किसी चीज़ से उसके सिर पर वार करना पसंद करता था। उसे इस बात का एहसास नहीं था कि वह कितना उत्तेजित था, जब तक कि उसने अपने शरीर को उस पर हमला करते समय दाएं या बाएं

कूदने के विचारों से सक्रिय होते नहीं देखा। बीच-बीच में उसके मन में यह ख्याल आता कि जब यह सब हो जाएगा तो गाय कितना खुश होगा। मिरियम उसके लिए एक वस्तु बन गई थी, छोटी और कठोर।

उसे एक आदमी की आवाज़ सुनाई दी, और एक हँसी, उसे यकीन था कि ये 1235 नंबर के रोशन ऊपरी कमरे से आ रही थी, फिर एक लड़की की मुस्कुराती हुई आवाज़: “बस करो?—प्लीज़? प्लीज़?” शायद मिरियम की आवाज़ थी। बचकानी और पतली, लेकिन किसी तरह एक मजबूत तार की तरह मज़बूत भी।

बत्ती बुझ गई और ब्रूनो की निगाहें अंधेरी खिड़की पर टिकी रहीं। फिर बरामदे की बत्ती जल उठी और दो आदमी और एक लड़की—मिरियम—बाहर आए। ब्रूनो ने अपनी सांस रोक ली और अपने पैर ज़मीन पर जमा लिए। उसे उसके बालों में लाल रंग दिखाई दिया। लंबा आदमी भी लाल बालों वाला था—शायद उसका भाई। ब्रूनो की नज़रें एक साथ सौ चीज़ों पर टिक गईं, उसके सुगठित शरीर, उसके चपटे जूते, और जिस सहजता से उसने घूमकर एक आदमी की ओर देखा।

“क्या हमें उसे फोन करना चाहिए, डिक?” उसने अपनी पतली आवाज में पूछा। “काफी देर हो चुकी है।”

सामने वाली खिड़की के पर्दे का एक कोना ऊपर उठा। "प्रिय, ज़्यादा देर बाहर मत रहना!"

"मां नहीं।"

वे गाड़ी को सड़क के किनारे से ले जाने वाले थे।

ब्रूनो टैक्सी की तलाश में कोने की ओर बढ़ा। इस सुनसान कस्बे में टैक्सी मिलने की कोई उम्मीद नहीं थी! वह भागा। वह महीनों से नहीं भागा था, और वह खुद को किसी एथलीट की तरह चुस्त-दुरुस्त महसूस कर रहा था।

“टैक्सी!” उसे पहले तो टैक्सी दिखी ही नहीं, फिर दिखी और वह उसकी ओर दौड़ पड़ा।

उसने ड्राइवर को गाड़ी घुमाकर मैग्नोलिया स्ट्रीट में उसी दिशा में आने को कहा, जिस दिशा में शेवरले गाड़ी का इशारा था। शेवरले गाड़ी गायब हो चुकी थी। अंधेरा चारों ओर छा गया था। दूर पेड़ों के नीचे उसे एक लाल टेललाइट टिमटिमाती हुई दिखाई दी।

"जाता रहना!"

जब गाड़ी की पिछली बत्ती लाल होने पर रुकी और टैक्सी कुछ दूरी कम करने में कामयाब हुई, तो ब्रूनो ने देखा कि वह शेवरले थी और राहत की सांस लेते हुए पीछे की ओर झुक गया।

“आप कहाँ जाना चाहते हैं?” ड्राइवर ने पूछा।

“चलते रहो!” फिर जैसे ही शेवरले एक चौड़ी सड़क पर मुड़ी, “दाएँ मुड़ो।” वह अपनी सीट के किनारे पर सीधा बैठ गया। फुटपाथ पर नज़र डालते हुए उसने “क्रॉकेट बुलेवार्ड” देखा और मुस्कुराया। उसने मेटकाफ में क्रॉकेट बुलेवार्ड के बारे में सुना था, जो सबसे चौड़ी और सबसे लंबी सड़क थी।

“आप किन लोगों के नाम जानना चाहते हैं?” ड्राइवर ने पूछा। “शायद मैं उन्हें जानता हूँ।”

“बस एक मिनट, बस एक मिनट,” ब्रूनो ने अनजाने में ही दूसरा रूप धारण कर लिया और अपनी जेब से निकाले कागज़ों में कुछ ढूंढने का नाटक करने लगा, जिनमें मिरियम के बारे में भी एक कागज़ था। अचानक ही वह खिलखिलाकर हंस पड़ा, उसे बहुत मज़ा आ रहा था और वह खुद को सुरक्षित महसूस कर रहा था। अब वह शहर के बाहर से आए उस सीधे-सादे लड़के का नाटक कर रहा था, जो अपने गंतव्य का पता भी भूल गया था। उसने अपना सिर झुका लिया ताकि ड्राइवर उसे हंसते हुए न देख सके और अपने आप ही अपनी बोतल की ओर हाथ बढ़ा लिया।

“क्या आपको रोशनी चाहिए?”

“नहीं, नहीं, धन्यवाद।” उसने एक गर्म घूंट भरी। फिर शेवरले गाड़ी सड़क पर पीछे की ओर मुड़ी और ब्रूनो ने ड्राइवर को गाड़ी चलाते रहने को कहा।

"कहाँ?"

“चलो जाओ और चुप रहो!” ब्रूनो ने चिंता से भरी कर्कश आवाज में चिल्लाया।

ड्राइवर ने अपना सिर हिलाया और जीभ से एक क्लिक की आवाज़ निकाली। ब्रूनो गुस्से से उबल रहा था, लेकिन शेवरले कार उनकी नज़रों के सामने थी। ब्रूनो को लगा कि वे कभी रुकेंगे ही नहीं और क्रॉकेट बुलेवार्ड पूरे टेक्सास राज्य को पार करता होगा। ब्रूनो ने दो बार शेवरले कार को खोया और फिर पाया। वे सड़क

किनारे बने ठेलों और ड्राइव-इन सिनेमाघरों से गुज़रे, फिर अंधेरा छा गया और दोनों तरफ दीवार खड़ी हो गई। ब्रूनो चिंतित होने लगा। वह शहर से बाहर या किसी ग्रामीण सड़क पर उनका पीछा नहीं कर सकता था। तभी सड़क के ऊपर रोशनी का एक बड़ा सा मेहराब दिखाई दिया। उस पर लिखा था, "लेक मेटकाफ के मनोरंजन के साम्राज्य में आपका स्वागत है," और शेवरले कार उसके नीचे से गुज़रकर एक पार्किंग में चली गई। आगे जंगल में तरह-तरह की रोशनी थी और मेरी-गो-राउंड की झंकार सुनाई दे रही थी। एक मनोरंजन पार्क! ब्रूनो बहुत खुश हुआ।

"चार डॉलर," ड्राइवर ने चिढ़कर कहा, और ब्रूनो ने सामने की खिड़की से पांच डॉलर अंदर फेंक दिए।

मिरियम, उसके दो साथी और उनके साथ आई एक नई लड़की के टर्नस्टाइल से गुज़रने तक वह वहीं रुका रहा, फिर उनके पीछे-पीछे गया। रोशनी में मिरियम को ध्यान से देखने के लिए उसने अपनी आँखें चौड़ी कर लीं। वह गोल-मटोल कॉलेज की लड़की जैसी प्यारी तो थी, लेकिन ब्रूनो के अनुसार वह बिल्कुल घटिया थी। लाल मोज़े और लाल सैंडल देखकर उसे बहुत गुस्सा आया। गाय ने ऐसी लड़की से शादी कैसे कर ली? तभी उसके पैर ज़मीन से रगड़ खा गए और वह वहीं रुक गया: वह गर्भवती नहीं थी! उसकी आँखें गहरी हैरानी से सिकुड़ गईं। उसने पहले ध्यान क्यों नहीं दिया? लेकिन शायद अभी पता न चले। उसने अपने होंठ को ज़ोर से काट लिया। उसके गोल-मटोल शरीर को देखते हुए, उसकी कमर जितनी होनी चाहिए थी उससे भी ज़्यादा पतली लग रही थी। शायद मिरियम की बहन हो। या उसने गर्भपात करवाया हो या कुछ और। या गर्भस्राव हो गया हो। मिस कैरिज! कैसी हो? वाह, बहन! तंग ग्रे स्कर्ट के नीचे उसकी छोटी-छोटी गोल-मटोल कमर थी। वह भी उनके साथ आगे बढ़ गया, मानो चुंबक की तरह उनके पीछे-पीछे चल रहा हो। क्या गाय ने उसके गर्भवती होने के बारे में झूठ बोला था? लेकिन गाय झूठ नहीं बोल सकता था। ब्रूनो का दिमाग विरोधाभासों से भरा हुआ था। उसने सिर झुकाकर मिरियम को घूरा। फिर अचानक उसके दिमाग में एक बात कौंधी: अगर बच्चे को कुछ हो गया था, तो उसे मिटा देने का और भी बड़ा कारण था, क्योंकि गाय तलाक

नहीं ले पाएगा। अगर उसने गर्भपात करवा लिया होता, तो वह आज भी आज़ाद घूम रही होती।

वह एक तमाशे के सामने खड़ी थी जहाँ एक जिप्सी महिला एक बड़े मछली के कटोरे में चीजें डाल रही थी। दूसरी लड़की हंसने लगी और उस लाल बालों वाली महिला पर झुक गई।

“मरियम!”

ब्रूनो उछल पड़ा।

“ओह, हाँ!” मिरियम फ्रोजन कस्टर्ड के स्टॉल की ओर चली गई।

उन सभी ने फ्रोजन कस्टर्ड खरीदे। ब्रूनो ऊबकर मुस्कुराता हुआ इंतज़ार कर रहा था, ऊपर काले आसमान में फेरिस व्हील की जगमगाती रोशनी और बेंचों पर झूलते छोटे-छोटे लोगों को देख रहा था। दूर पेड़ों के बीच से उसे पानी पर टिमटिमाती रोशनी दिखाई दी। यह वाकई एक खूबसूरत पार्क था। वह फेरिस व्हील की सवारी करना चाहता था। उसे बहुत अच्छा लग रहा था। वह आराम से था, उत्साहित नहीं हो रहा था। मेरी-गो-राउंड पर "केसी वुड वाल्ट्ज़ विद द स्ट्रॉबेरी ब्लॉन्ड..." गाना बज रहा था। मुस्कुराते हुए, वह मिरियम के लाल बालों की ओर मुड़ा, और उनकी नज़रें मिलीं, लेकिन मिरियम की नज़रें हट गईं और उसे यकीन था कि उसने उसे देखा नहीं था, लेकिन उसे फिर ऐसा नहीं करना चाहिए। घबराहट के मारे वह हँस पड़ा। उसने सोचा कि मिरियम बिल्कुल भी स्मार्ट नहीं दिखती, जिससे उसे मज़ा भी आया। वह समझ सकता था कि गाय उससे इतनी नफरत क्यों करता होगा। वह भी उससे दिल से नफरत करता था! शायद वह गाय से बच्चे के बारे में झूठ बोल रही थी। और गाय खुद इतना ईमानदार था कि उसने उसकी बात मान ली। कुतिया!

जब वे लोग अपने फ्रोजन कस्टर्ड लेकर आगे बढ़ गए, तो उसने गुब्बारे बेचने वाले के डिब्बे में उस स्वैलोटेल्ड चिड़िया को छोड़ दिया जिसे वह छू रहा था, फिर मुड़कर एक चमकीली पीली चिड़िया खरीद ली। उसे फिर से बचपन का एहसास हुआ, छड़ी घुमाते हुए, पूंछ की चहचहाहट सुनते हुए!

अपने माता-पिता के साथ वहां से गुजर रहे एक छोटे लड़के ने उसकी ओर हाथ बढ़ाया, और ब्रूनो को उसे वह चीज देने की तीव्र इच्छा हुई, लेकिन उसने ऐसा नहीं

किया।

मिरियम और उसके दोस्त एक बड़े रोशन हिस्से में दाखिल हुए, जहाँ फेरिस व्हील का निचला हिस्सा था और कई खाने-पीने की दुकानें और मनोरंजन के साधन थे। रोलर कोस्टर से उनके सिर के ऊपर मशीन गन की तरह टट-टट-टट-टट की आवाज़ आ रही थी। तभी किसी ने हथौड़े से लाल तीर को पूरी तरह ऊपर तक पहुँचा दिया, जिससे एक ज़ोरदार आवाज़ और गर्जना हुई। उसने सोचा, मिरियम को हथौड़े से मार डालने में उसे कोई आपत्ति नहीं होगी। उसने मिरियम और उन तीनों को गौर से देखा कि कहीं कोई उसे देख तो नहीं रहा, लेकिन उसे यकीन था कि कोई नहीं देख रहा था। अगर उसने आज रात ऐसा नहीं किया, तो उसे उनमें से किसी को भी अपनी मौजूदगी का एहसास नहीं होने देना था। फिर भी, उसे पूरा यकीन था कि वह आज रात ऐसा ज़रूर करेगा। कुछ न कुछ ऐसा होगा जिससे वह ऐसा कर पाएगा। यह उसकी रात थी। ठंडी रात की हवा उसे ऐसे छू रही थी जैसे वह किसी तरल पदार्थ में लोटपोट हो रहा हो। उसने चिड़िया को गोल-गोल घुमाया। उसे टेक्सास पसंद था, गाय का राज्य! सभी खुश और ऊर्जा से भरपूर दिख रहे थे। उसने मिरियम के समूह को भीड़ में घुलमिल जाने दिया और अपनी बोतल से एक घूंट पिया। फिर वह उनके पीछे दौड़ पड़ा।

वे फेरिस व्हील को देख रहे थे, और ब्रूनो को उम्मीद थी कि वे उस पर सवारी करने का फैसला करेंगे। टेक्सास में वाकई बड़ी-बड़ी चीजें होती हैं, ब्रूनो ने व्हील को प्रशंसा भरी निगाहों से देखते हुए सोचा। उसने इतना बड़ा फेरिस व्हील पहले कभी नहीं देखा था। इसके अंदर नीली रोशनी में एक पांच-नुकीला तारा बना हुआ था।

"राल्फ, कैसा लगा?" मिरियम ने चीखते हुए अपने चेहरे पर हाथ रखकर फ्रोजन कस्टर्ड कोन का आखिरी टुकड़ा अपने मुंह में डाला।

अरे, इसमें तो कोई मज़ा ही नहीं है। झूले के बारे में क्या ख्याल है?

और वे सब चल पड़े। हिंडोला अंधेरे जंगल में जगमगाते शहर जैसा लग रहा था, मानो सोने की परत चढ़े खंभों का जंगल हो, जो ज़ेबरा, घोड़े, जिराफ़, बैल और ऊँटों से भरा हो, जो ऊपर-नीचे उछल रहे हों, कुछ की गर्दनें चबूतरे से बाहर निकली हों, मानो उछल-कूद में जमे हों, मानो सवारों का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे

हों। ब्रूनो वहीं खड़ा रहा, उसकी चकाचौंध भरी आँखें मिरियम को देखने से भी नहीं हट रही थीं, जो किसी भी पल हलचल मचाने वाले संगीत से रोमांचित हो रही थी। उसे लग रहा था कि वह अपने बचपन के किसी पुराने, सुखद पल को फिर से जीने वाला है, जिसे भाप से बजने वाले कैलिओप की खट्टी खोखली आवाज़, हर्डी-गर्डी की झंकार और ढोल-झांझ की गड़गड़ाहट ने लगभग उसकी पहुँच में ला दिया था।

लोग अपने-अपने वाहन चुन रहे थे। और मिरियम और उसके दोस्त फिर से खाना खा रहे थे, मिरियम डिक द्वारा पकड़े गए पॉपकॉर्न के थैले में से पॉपकॉर्न खाने लगी। अरे वाह! ब्रूनो को भी भूख लगी थी। उसने एक फ्रैंकफर्टर खरीदा, और जब उसने दोबारा देखा, तो वे मेरी-गो-राउंड पर चढ़ रहे थे। वह जल्दी से सिक्के लेकर भागा। उसे वह घोड़ा मिल गया जो वह चाहता था, एक शाही नीले रंग का घोड़ा जिसका सिर ऊपर उठा हुआ था और मुंह खुला हुआ था, और किस्मत से, मिरियम और उसके दोस्त खंभों के बीच से होते हुए उसकी ओर वापस आ रहे थे, और मिरियम और डिक ने उसके ठीक सामने जिराफ और घोड़े पर कब्जा कर लिया। आज रात किस्मत उसके साथ थी! आज रात उसे जुआ खेलना चाहिए!

ठीक उसी तरह जैसे वो धुन—ते-ते-डम—
एक मार्मिक धुन की तरह—ते-ते-डम—
वो शुरू करेगी—धड़ाम! मैराथन—धड़ाम!

ब्रूनो को वह गाना बहुत पसंद था और उसकी माँ को भी। संगीत सुनकर वह अपना पेट अंदर खींच लेता और घोड़े पर एकदम सीधा बैठ जाता। वह रकाब में अपने पैर खुशी से हिलाता रहता। तभी किसी ने उसके सिर के पीछे थप्पड़ मारा, वह गुस्से से मुड़ा, लेकिन वहाँ कुछ लोग आपस में शरारत कर रहे थे।

उन्होंने धीरे-धीरे और आक्रामक ढंग से "द वॉशिंगटन पोस्ट मार्च" की धुन पर चलना शुरू किया। वो ऊपर, ऊपर, ऊपर जाता रहा और मिरियम अपने जिराफ़ पर नीचे, नीचे, नीचे जाती रही। झूले के पार की दुनिया हल्की रोशनी की लकीरों में धुंधली सी गायब हो गई। ब्रूनो ने एक हाथ में लगाम पकड़ी हुई थी, जैसा कि उसे पोलो के प्रशिक्षण में सिखाया गया था, और दूसरे हाथ से फ्रैंकफर्टर खा रहा था।

“ये-हू!” लाल बालों वाले व्यक्ति ने चिल्लाया।

“ये-हू!” ब्रूनो चिल्लाया। “मैं टेक्सास का रहने वाला हूँ!”

“कैटी?” मिरियम जिराफ की गर्दन पर आगे की ओर झुकी, और उसकी धूसर स्कर्ट गोल होकर कस गई। “देखो, वह चेक शर्ट वाला आदमी वहाँ है?”

ब्रूनो ने देखा। उसने चेकदार कमीज़ पहने उस आदमी को देखा। ब्रूनो को लगा कि वह कुछ-कुछ गाय जैसा दिखता है, और यह सोचते-सोचते उसे मिरियम की उसके बारे में कही बात याद नहीं आई। तेज़ रोशनी में उसने देखा कि मिरियम के चेहरे पर झाइयाँ थीं। वह और भी घिनौनी लगने लगी, इसलिए ब्रूनो का मन उसके कोमल, चिपचिपे और गर्म शरीर को छूने से हिचकने लगा। खैर, उसके पास अभी भी चाकू था। एक साफ-सुथरा औज़ार।

“एकदम साफ़!” ब्रूनो ने खुशी से चिल्लाया, क्योंकि उसे कोई सुन नहीं सकता था। उसका घोड़ा सबसे बाहर था, और उसके बगल में हंसों से बना एक खाली, दो सीटों वाला डिब्बा था। उसने उसमें थूका। उसने बचा हुआ फ्रैंकफर्टर फेंक दिया और घोड़े की गर्दन पर अपनी उंगलियों से सरसों पोंछ ली।

"केसी स्ट्रॉबेरी ब्लॉन्ड के साथ वाल्ट्ज डांस करता था, जबकि बैंड बजता रहता था—आआआआ!" मिरियम के साथी ने जोश से गाते हुए कहा।

वे सब और ब्रूनो भी उनके साथ गाने लगे। पूरा झूला गा रहा था। काश, पीने के लिए कुछ होता! सबको पीना चाहिए!

“उसका दिमाग इतना भरा हुआ था कि वह लगभग फट गया था,” ब्रूनो ने अपनी पूरी ताकत से गाते हुए कहा, “बेचारी लड़की दर्द से कांप रही थी!”

"हाय, केसी!" मिरियम ने डिक से प्यार से कहा, और पॉपकॉर्न पकड़ने के लिए अपना मुंह खोला जिसे वह उसमें फेंकने की कोशिश कर रहा था।

“याक-याक!” ब्रूनो चिल्लाया।

मिरियम मुंह खोले बदसूरत और मूर्ख लग रही थी, मानो उसका गला घोंटा जा रहा हो और वह गुलाबी और फूली हुई सी हो गई हो। वह उसे देख नहीं पा रहा था, और मुस्कुराते हुए उसने अपनी नज़रें फेर लीं। झूला धीमा हो रहा था। उसे उम्मीद थी कि वे एक और चक्कर लगाएंगे, लेकिन वे उतर गए, एक-दूसरे का हाथ पकड़ा और पानी पर टिमटिमाती रोशनी की ओर चलने लगे।

ब्रूनो पेड़ों के नीचे थोड़ी देर रुका और लगभग खाली हो चुकी बोतल से एक और घूंट पी ली।

वे एक छोटी नाव में जा रहे थे। ठंडी हवा में नाव चलाने का ख्याल ब्रूनो को बहुत अच्छा लगा। उसने भी एक नाव किराए पर ले ली। झील बड़ी और काली दिख रही थी, बस उसमें कहीं-कहीं टिमटिमाती रोशनी थी, और तैरती हुई नावों में जोड़े एक-दूसरे को गले लगा रहे थे। ब्रूनो मिरियम की नाव के काफी करीब पहुँच गया और उसने देखा कि लाल बालों वाली मिरियम चप्पू चला रही थी, और मिरियम और डिक पीछे की सीट पर एक-दूसरे को कसकर पकड़े हँस रहे थे। ब्रूनो ने तीन ज़ोरदार चप्पू चलाए जिससे वह उनकी नाव के पास से निकल गया, फिर उसने चप्पू छोड़ दिए।

"द्वीप पर जाना चाहते हो या यूं ही आराम करना चाहते हो?" लाल बालों वाले व्यक्ति ने पूछा।

चिड़चिड़ाते हुए ब्रूनो सीट पर एक तरफ झुककर बैठ गया और उनके फैसले का इंतज़ार करने लगा। किनारे के कोनों में, मानो छोटे-छोटे अंधेरे कमरों से, उसे फुसफुसाहट, धीमी रेडियो की आवाज़ और हँसी सुनाई दे रही थी। उसने अपनी बोतल का ढक्कन खोला और सारा पी गया। अगर वह "गाइ!" चिल्लाता तो क्या होता? अगर गाइ उसे अभी देख लेता तो क्या सोचता? शायद गाइ और मिरियम इसी झील पर डेट पर गए हों, शायद उसी नाव में जिसमें वह अभी बैठा है। शराब से उसके हाथों और पैरों के निचले हिस्से में झुनझुनी सी हो रही थी। अगर मिरियम उसके साथ नाव में होती, तो वह खुशी से उसका सिर पानी में डुबो देता। यहाँ अंधेरे में। घोर अंधेरा और चाँद भी नहीं। पानी उसकी नाव से टकराकर तेज़-तेज़ आवाज़ कर रहा था। ब्रूनो अचानक बेचैन हो गया। मिरियम की नाव से चुंबन की आवाज़ आई, और ब्रूनो ने भी एक सुखद आह के साथ जवाब दिया। स्मैक, स्मैक! उन्होंने उसकी बात जरूर सुनी होगी, क्योंकि तभी जोर से हंसी की आवाज आई।

वह उनके आगे निकल जाने का इंतज़ार करता रहा, फिर धीरे-धीरे उनके पीछे चलने लगा। एक काला सा पिंड करीब आता जा रहा था, जिस पर जगह-जगह माचिस की तीली की चिंगारियाँ चमक रही थीं। द्वीप। वह किसी कामुक लोगों का

स्वर्ग जैसा लग रहा था। शायद आज रात मिरियम फिर से वही कर रही होगी, ब्रूनो ने मन ही मन हंसते हुए सोचा।

जब मिरियम की नाव किनारे पहुँची, तो उसने कुछ गज एक तरफ चप्पू चलाया और किनारे पर उतर गया। उसने अपनी नाव का अगला हिस्सा एक छोटे से लट्ठे पर टिका दिया ताकि उसे बाकी नावों से आसानी से पहचाना जा सके। उसके अंदर एक बार फिर उद्देश्य की भावना भर उठी, जो ट्रेन में महसूस की गई भावना से कहीं अधिक प्रबल और तात्कालिक थी। मेटकाफ में मुश्किल से दो घंटे ही बीते थे और अब वह उसके साथ एक द्वीप पर था! उसने अपनी पतलून के ऊपर से चाकू को अपने शरीर पर दबाया। काश वह उसे अकेले पा लेता और उसके मुँह पर हाथ रख देता—या क्या वह काट पाएगी? उसके गीले मुँह के अपने हाथ पर लगने के ख्याल से ही वह घृणा से काँप उठा।

धीरे-धीरे वह उनके धीमे कदमों का पीछा करते हुए उस ऊबड़-खाबड़ जमीन पर चढ़ गया जहाँ पेड़ पास-पास थे।

“हम यहाँ नहीं बैठ सकते, ज़मीन गीली है,” केटी नाम की लड़की ने शिकायत करते हुए कहा।

“अगर तुम चाहो तो मेरी जैकेट पर बैठ जाओ,” एक साथी ने कहा।

हे भगवान! ब्रूनो ने सोचा, ये बेवकूफी भरे दक्षिणी लहजे!

“जब मैं अपनी प्रेमिका के साथ हनीमून लेन पर चल रहा होता हूँ...”, झाड़ियों में कहीं से किसी ने गुनगुनाया।

रात की हल्की फुसफुसाहट। कीड़े-मकोड़े। झींगुर। और एक मच्छर उसके कान के पास। ब्रूनो ने अपना कान थपथपाया और कान में तेज़ झनझनाहट होने लगी, जिससे सारी आवाज़ें दब गईं।

"। । । यहां से जाओ।"

“हमें रहने की जगह क्यों नहीं मिल रही?” मिरियम ने गुस्से से कहा।

"ऐसी कोई जगह नहीं है जहाँ आप संभलकर कदम न रखें!"

"चलते-चलते सावधान रहो, लड़कियों!" लाल बालों वाले उस आदमी ने हंसते हुए कहा।

आखिर वे लोग क्या करने वाले थे? वह ऊब गया था! झूले का संगीत थका हुआ और बहुत दूर से आता हुआ लग रहा था, बस हल्की-हल्की आवाज़ें सुनाई दे रही थीं। फिर वे ठीक उसके सामने घूम गए, इसलिए उसे एक तरफ हटना पड़ा जैसे वह कहीं जा रहा हो। वह कुछ कंटीली झाड़ियों में उलझ गया और उन्हें निकालने में लग गया, तभी वे उसके पास से गुज़र गए। फिर वह उनके पीछे-पीछे नीचे की ओर चलने लगा। उसे लगा कि उसे मरियम के इत्र की खुशबू आ रही है, अगर वह दूसरी लड़की का नहीं था, तो एक ऐसी मीठी खुशबू जो किसी भाप भरे बाथरूम जैसी थी और उसे खल रही थी।

"...और अब," रेडियो पर आवाज़ आई, "बहुत सावधानी से आ रहे हैं... लियोन... लियोन ने बेब के चेहरे पर एक ज़ोरदार दाहिना मुक्का मारा और भीड़ की आवाज़ सुनो!" एक गर्जना।

ब्रूनो ने एक लड़के और एक लड़की को झाड़ियों में लोटते हुए देखा, मानो वे भी लड़ रहे हों।

मिरियम थोड़ी ऊँची जगह पर खड़ी थी, अब उससे महज़ तीन गज की दूरी पर, और बाकी लोग किनारे से फिसलकर पानी की ओर बढ़ गए। ब्रूनो धीरे-धीरे उसके करीब आया। पानी पर पड़ रही रोशनी में उसका सिर और कंधे साफ़ दिखाई दे रहे थे। वह पहले कभी इतना करीब नहीं आया था!

"हे!" ब्रूनो ने फुसफुसाते हुए कहा और उसे मुड़ते हुए देखा। "कहिए, क्या आपका नाम मिरियम नहीं है?"

वह उसकी ओर मुड़ी, लेकिन वह जानता था कि वह उसे मुश्किल से देख पा रही थी। "हाँ। तुम कौन हो?"

वह एक कदम और करीब आया। "क्या मैं तुमसे पहले कहीं मिल चुका हूँ?" उसने व्यंग्य से पूछा, इत्र की खुशबू फिर से सूंघते हुए। वह एक गर्म, बदसूरत, काली धब्बों जैसी लग रही थी। वह इतने सटीक निशाने से झपटा कि उसके फैले हुए हाथों की कलाइयाँ आपस में छू गईं।

"कहिए, आप क्या कहना चाहते हैं—?"

अंतिम शब्द पर उसके हाथों ने उसका गला पकड़ लिया, मानो आश्चर्य की अधूरी अभिव्यक्ति को ही दबा दिया हो। उसने उसे झकझोरा। उसका शरीर पत्थर

की तरह कठोर हो गया, और उसने अपने दांतों के चटकने की आवाज़ सुनी। उसके गले से एक कर्कश ध्वनि निकली, लेकिन उसने उसे इतनी कसकर पकड़ रखा था कि वह चीख नहीं सकी। एक पैर पीछे करके उसने उसे पीछे की ओर झटका दिया, और वे दोनों बिना किसी आवाज़ के, केवल पत्तों के सरसराने की आवाज़ के साथ, ज़मीन पर गिर पड़े। उसने अपनी उंगलियाँ और गहरी धंसा दीं, उसके शरीर के असहनीय दबाव को सहन करते हुए ताकि उसकी छटपटाहट से वे दोनों उठ न सकें। उसका गला और गर्म और फूला हुआ महसूस हुआ। रुको, रुको, रुको! उसने यही ठान लिया! और उसका सिर घूमना बंद हो गया। उसे यकीन था कि उसने उसे काफी देर तक पकड़े रखा है, लेकिन उसने अपनी पकड़ ढीली नहीं की। पीछे मुड़कर देखा तो उसे कुछ भी आता हुआ नहीं दिखाई दिया। जब उसने अपनी उंगलियाँ ढीली कीं, तो ऐसा लगा जैसे उसने उसके गले में आटे के टुकड़े की तरह गहरे निशान बना दिए हों। फिर उसने एक साधारण खांसी जैसी आवाज निकाली जिसने उसे मुर्दों के उठने की तरह डरा दिया, और वह फिर से उस पर टूट पड़ा, घुटनों के बल झुककर उसे इतनी ताकत से दबाया कि उसे लगा जैसे उसके अंगूठे टूट जाएंगे। उसने अपनी सारी शक्ति अपने हाथों से निकाल दी। और अगर यह काफी नहीं था? उसने खुद को सिसकते हुए सुना। वह अब शांत और बेजान पड़ी थी।

“मरियम?” लड़की की आवाज ने पुकारा।

ब्रूनो उछलकर खड़ा हुआ और लड़खड़ाते हुए सीधे द्वीप के केंद्र की ओर भागा, फिर बाईं ओर मुड़कर अपनी नाव के पास आ गया। उसने अपने हाथों से कुछ पोंछने के लिए अपनी जेब में रखे रूमाल का इस्तेमाल किया। मिरियम का थूक। उसने रूमाल नीचे फेंक दिया और फिर उसे उठा लिया, क्योंकि उस पर मिरियम का नाम छपा हुआ था। वह सोच रहा था! उसे बहुत अच्छा लग रहा था! काम हो गया!

“मि-रि-एम!” आलस्य और अधीरता के साथ।

लेकिन क्या होता अगर उसने उसे संतुष्ट न किया होता, अगर वह अब उठकर बातें कर रही होती? यह विचार उसे झकझोर कर ले गया और वह लगभग किनारे से नीचे गिर पड़ा। पानी के किनारे पहुँचते ही उसे तेज़ हवा का झोंका लगा। उसे

अपनी नाव दिखाई नहीं दी। उसने किसी भी नाव में बैठने का मन बनाया, फिर अपना इरादा बदल दिया, और फिर कुछ गज आगे बाईं ओर एक छोटे से लट्ठे पर टिकी हुई नाव मिल गई।

अरे, वो बेहोश हो गई!

ब्रूनो ने तेजी से गाड़ी को आगे बढ़ाया, लेकिन जल्दबाजी नहीं की।

"कोई मदद करो!" लड़की की आधी हांफती हुई, आधी चीखती हुई आवाज निकली।

हे भगवान!—अरे, मदद करो!

आवाज में घबराहट देखकर ब्रूनो घबरा गया। उसने कुछ देर तक उबड़-खाबड़ पानी में चप्पू चलाया, फिर अचानक रुक गया और नाव को अंधेरे पानी पर धीरे-धीरे बहने दिया। आखिर वह किस बात से डर रहा था? कोई उसका पीछा तो नहीं कर रहा था!

"अरे!"

हे भगवान! वो मर चुकी है! किसी को बुलाओ!

एक लड़की की चीख खामोशी में गूंजती हुई एक लंबी चाप की तरह थी, और किसी तरह उस चीख ने उसे अंतिम रूप दे दिया। एक खूबसूरत चीख, ब्रूनो ने एक विचित्र, शांत प्रशंसा के साथ सोचा। वह आसानी से एक दूसरी नाव के पीछे घाट की ओर बढ़ा। धीरे-धीरे, जितना धीरे उसने कभी कुछ किया था, उसने नाविक को किराया दिया।

“द्वीप पर!” नाव से एक और चौंकाने वाली, उत्तेजित आवाज आई। “उन्होंने कहा कि लड़की मर गई है!”

"मृत?"

"कोई पुलिस को बुलाओ!"

उसके पीछे लकड़ी के घाट पर पैरों की आवाज सुनाई दे रही थी।

ब्रूनो पार्क के गेट की ओर धीरे-धीरे बढ़ा। शुक्र है कि वह इतना सुस्त था या हैंगओवर था या कुछ और, जिसकी वजह से वह इतनी धीमी गति से चल पा रहा था! लेकिन जैसे ही वह गेट के अंदर दाखिल हुआ, उसके अंदर एक अजीब सा डर बैठ गया, जिसे काबू पाना नामुमकिन था। फिर वह डर जल्दी ही शांत हो गया।

कोई उसकी तरफ देख भी नहीं रहा था। खुद को संभालने के लिए, उसने एक ड्रिंक पीने की इच्छा पर ध्यान केंद्रित किया। सड़क पर आगे एक जगह थी जहाँ लाल बत्तियाँ लगी थीं और वह बार जैसी लग रही थी, और वह सीधे उसी तरफ चल पड़ा।

“कट्टी,” उसने बारमैन से कहा।

“तुम कहाँ से हो, बेटे?”

ब्रूनो ने उसकी तरफ देखा। दाहिनी ओर खड़े दोनों आदमी भी उसकी तरफ देख रहे थे। "मुझे एक स्कॉच चाहिए।"

"यहाँ तो तेज़ शराब मिलती ही नहीं, यार।"

“यह क्या है, पार्क का हिस्सा है क्या?” उसकी आवाज चीख की तरह कांप रही थी।

टेक्सास राज्य में हार्ड लिकर नहीं मिलती।

“मुझे भी थोड़ा दो!” ब्रूनो ने काउंटर पर रखी राई व्हिस्की की बोतल की ओर इशारा किया।

“लो। किसी को इतनी बुरी तरह से पीना है क्या?” एक आदमी ने गिलास में थोड़ी सी राई व्हिस्की डाली और उसे आगे बढ़ा दिया।

शुरुआत में तो बहुत मुश्किल हुई, लेकिन अंत में सब कुछ बढ़िया हो गया। ब्रूनो ने उसे पैसे देने की पेशकश की, लेकिन उस आदमी ने मना कर दिया।

पुलिस के सायरन बजने लगे और वे करीब आने लगे।

एक आदमी दरवाजे से अंदर आया।

“क्या हुआ? दुर्घटना?” किसी ने उससे पूछा।

“मैंने कुछ नहीं देखा,” उस व्यक्ति ने बेपरवाही से कहा।

मेरे भाई! ब्रूनो ने उस आदमी को देखते हुए सोचा, लेकिन उसके पास जाकर उससे बात करना उचित नहीं लगा।

उसे अच्छा महसूस हो रहा था। वह आदमी बार-बार उसे एक और ड्रिंक पीने के लिए कह रहा था, और ब्रूनो ने झटपट तीन ड्रिंक पी लीं। गिलास उठाते ही उसने अपने हाथ पर एक निशान देखा, अपना रुमाल निकाला और शांति से अपने अंगूठे और तर्जनी के बीच पोंछा। यह मिरियम की नारंगी लिपस्टिक का धब्बा था। बार

की रोशनी में वह उसे मुश्किल से देख पा रहा था। उसने राई व्हिस्की वाले आदमी को धन्यवाद दिया और अंधेरे में बाहर निकल गया, सड़क के दाहिनी ओर चलते हुए टैक्सी की तलाश करने लगा। उसे जगमगाते पार्क की ओर पीछे मुड़कर देखने की कोई इच्छा नहीं थी। उसने खुद से कहा कि वह इसके बारे में सोच भी नहीं रहा है। एक ट्राम गुजरी और वह उसकी ओर भागा। उसे उसका चमकदार इंटीरियर अच्छा लगा और उसने सभी बोर्ड पढ़े। सामने वाली सीट पर एक चंचल छोटा लड़का बैठा था और ब्रूनो उससे बातें करने लगा। गाय को फोन करने और उससे मिलने का ख्याल उसके मन में बार-बार आ रहा था, लेकिन ज़ाहिर है गाय यहाँ नहीं था। वह किसी तरह का जश्न मनाना चाहता था। वह शायद गाय की माँ को फिर से फोन कर ले, बस यूँ ही, लेकिन दोबारा सोचने पर, यह समझदारी भरा नहीं लगा। शाम की बस एक ही बुरी बात थी, वो ये कि वो गाय से मिल नहीं सकता था, उससे बात भी नहीं कर सकता था और न ही उसे लंबे समय तक कोई चिट्ठी लिख सकता था। गाय से पूछताछ तो होनी ही थी, बेशक। लेकिन वो आज़ाद था! सब कुछ हो गया, हो गया, हो गया! खुशी से झूमते हुए उसने उस छोटे लड़के के बालों को सहला दिया।

छोटा लड़का एक पल के लिए अचंभित रह गया, फिर ब्रूनो की दोस्ताना मुस्कान के जवाब में, वह भी मुस्कुराया।

एटचिसन, टोपेका और सांता फ़े रेलवे टर्मिनल पर, उसे रात 1:30 बजे चलने वाली स्लीपर ट्रेन में ऊपरी बर्थ मिल गई, जिससे उसे डेढ़ घंटा बिताने का समय मिल गया। सब कुछ बढ़िया था और वह बेहद खुश था। स्टेशन के पास एक दवा की दुकान से उसने अपनी बोतल भरने के लिए एक पाइंट स्कॉच खरीदी। उसने गाय के घर जाकर देखने का सोचा कि वह कैसा दिखता है, फिर उसने इस पर अच्छी तरह विचार किया और फैसला किया कि वह जा सकता है। वह दरवाजे के पास खड़े एक आदमी से रास्ता पूछने के लिए जा ही रहा था—वह जानता था कि उसे टैक्सी से वहाँ नहीं जाना चाहिए—तभी उसे एहसास हुआ कि उसे एक औरत चाहिए। उसे अपने जीवन में पहले से कहीं ज़्यादा एक औरत चाहिए थी, और यह जानकर उसे बहुत खुशी हुई। सांता फ़े आने के बाद से उसे किसी औरत की चाह नहीं हुई थी, हालाँकि विल्सन ने दो बार उसे इस ओर आकर्षित किया था। वह उस

आदमी के ठीक सामने से मुड़ गया, यह सोचकर कि बाहर खड़े टैक्सी ड्राइवरों में से किसी एक से पूछना बेहतर होगा। उसके हाथ-पैर काँप रहे थे, उसे औरत की इतनी ज़ोर से चाह थी! शराब के नशे से होने वाली कंपकंपी से अलग तरह की कंपकंपी।

"मुझे नहीं पता," अपने फेंडर से टेक लगाकर खड़े हुए, भावहीन चेहरे वाले, झाइयों से भरे ड्राइवर ने कहा।

“तुम्हारा मतलब क्या है, तुम्हें नहीं पता?”

"पता नहीं, बस इतना ही।"

ब्रूनो घृणा से उसे छोड़कर चला गया।

फुटपाथ पर मौजूद एक अन्य ड्राइवर अधिक मददगार साबित हुआ। उसने ब्रूनो को कंपनी कार्ड के पीछे पता और कुछ नाम लिखकर दिए, हालांकि वह जगह इतनी पास थी कि उसे ब्रूनो को वहां ले जाने की भी जरूरत नहीं थी।

तेरह

गाय मोंटेकार्लो में अपने बिस्तर के पास दीवार से टिककर बैठा था और ऐनी को मेटकाफ से लाए पारिवारिक एल्बम के पन्ने पलटते देख रहा था। ऐनी के साथ बिताए ये आखिरी दो दिन बहुत ही खूबसूरत थे। कल वह मेटकाफ के लिए रवाना होगा। और फिर फ्लोरिडा के लिए। श्री ब्रिलहार्ट का टेलीग्राम तीन दिन पहले आया था, जिसमें लिखा था कि काम अभी भी उन्हीं के पास है। आगे छह महीने का काम था और दिसंबर में उनके अपने घर का निर्माण शुरू होना था। अब उनके पास घर बनवाने के लिए पैसे थे। और तलाक के लिए भी।

“जानते हो,” उसने धीमी आवाज़ में कहा, “अगर मेरे पास पाम बीच न होता, अगर मुझे कल ही न्यूयॉर्क वापस जाकर काम करना पड़े, तो मैं कर सकता हूँ, और कुछ भी सह सकता हूँ।” लेकिन जैसे ही उसने यह कहा, उसे एहसास हुआ कि पाम बीच ने ही उसे हिम्मत, जोश, इच्छाशक्ति, या जो भी वह इसे कहना चाहे, दी थी, और पाम बीच के बिना ऐनी के साथ बिताए ये दिन उसे सिर्फ़ अपराधबोध से भर देते।

"लेकिन आपको ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है," ऐनी ने आखिरकार कहा। वह एल्बम पर और नीचे झुक गई।

वह मुस्कुराया। उसे पता था कि वह उसकी बात ध्यान से सुन ही नहीं रही थी। और, सच तो यह है कि उसने जो कहा था, उसका कोई महत्व नहीं था, जैसा कि ऐनी जानती थी। वह उसके साथ एल्बम पर झुक गया, उन लोगों को पहचान रहा था जिनके बारे में उसने पूछा था, और मज़े से देख रहा था जब वह उसकी माँ द्वारा बचपन से लेकर लगभग बीस साल की उम्र तक की तस्वीरों के दोहरे पन्ने को देख रही थी। वह हर तस्वीर में मुस्कुरा रहा था, उसके काले बालों का गुच्छा उसके चेहरे को अब की तुलना में अधिक मजबूत और बेफिक्र दिखा रहा था।

“क्या मैं वहां काफी खुश दिख रहा हूँ?” उसने पूछा।

उसने उसे आँख मारी। “और बहुत ही सुंदर। मिरियम की कोई तस्वीर है क्या?” उसने बाकी पन्ने अपने अंगूठे से फिसलने दिए।

“नहीं,” गाय ने कहा।

मुझे बहुत खुशी है कि आप इसे लाए।

“अगर मेरी माँ को पता चल जाए कि यह मेक्सिको में है, तो वो मेरी जान ही ले लेंगी।” उन्होंने एल्बम को वापस अपने सूटकेस में रख लिया ताकि कहीं वो उसे पीछे न छोड़ दें। “परिवारों से मिलने का यही सबसे मानवीय तरीका है।”

"गाइ, क्या मैंने तुम्हें बहुत परेशान किया?"

उसकी उदास आवाज़ सुनकर वह मुस्कुराया। “नहीं! मुझे ज़रा भी बुरा नहीं लगा!” वह बिस्तर पर बैठ गया और उसे भी अपने साथ खींच लिया। फॉल्कनर परिवार के रविवार के भोज और पार्टियों में वह ऐनी के सभी रिश्तेदारों से दो-दो करके, तीन-तीन करके, दर्जनों की संख्या में मिल चुका था। यह परिवार में एक मज़ाक बन गया था कि कितने सारे फॉल्कनर, वेडेल और मॉरिसन परिवार के लोग थे, जो सभी न्यूयॉर्क राज्य या लॉन्ग आइलैंड में रहते थे। उसे किसी तरह यह बात अच्छी लगती थी कि ऐनी के इतने सारे रिश्तेदार थे। पिछले साल फॉल्कनर के घर में बिताई गई क्रिसमस उसके जीवन की सबसे खुशनुमा क्रिसमस थी। उसने उसके दोनों गालों को चूमा, फिर उसके होंठों को। जब उसने अपना सिर नीचे किया, तो उसने चादर पर मोंटेकार्लो स्टेशनरी पर ऐनी के चित्र देखे, और लापरवाही से उन्हें एक करीने से ढेर में लगाने लगा। ये डिज़ाइन के विचार थे जो आज दोपहर राष्ट्रीय संग्रहालय की यात्रा के बाद उसके मन में आए थे। उनकी रेखाएँ काली और स्पष्ट

थीं, ठीक वैसे ही जैसे उसके अपने रफ़ स्केच। “मैं घर के बारे में सोच रहा हूँ, ऐनी।”

"तुम्हें यह बड़ा चाहिए।"

वह मुस्कुराया। "हाँ।"

“चलो इसे ज़ोरदार तरीके से मनाते हैं।” वह उसकी बाहों में आराम से लेट गई। दोनों ने एक साथ गहरी साँस ली, और जब उसने उसे और कसकर गले लगाया तो वह हल्की सी हँसी।

यह पहली बार था जब वह घर के आकार पर सहमत हुई थी। घर Y-आकार का होना था, और सवाल यह था कि क्या इसके सामने वाले हिस्से को हटा दिया जाए। लेकिन गाइ के दिमाग में यह विचार पूरी तरह से गूंज रहा था। इसकी कीमत बीस हज़ार से कहीं ज़्यादा होगी, लेकिन गाइ को उम्मीद थी कि पाम बीच में निजी परियोजनाओं की बाढ़ आ जाएगी, जो जल्दी पूरी होने वाली और अच्छी कमाई वाली होंगी। ऐनी ने कहा था कि उसके पिता को इससे बेहतर कुछ नहीं लगेगा कि वे उन्हें शादी के तोहफे के रूप में सामने वाला हिस्सा दे दें, लेकिन गाइ के लिए यह उतना ही असंभव लग रहा था जितना कि उसे हटाना। वह कमरे के दूसरी ओर रखे भूरे रंग के दराज के सामने घर को चमकता हुआ सफेद और स्पष्ट देख सकता था। यह एक सफेद चट्टान से निकला हुआ प्रतीत होता था जिसे उसने निचले कनेक्टिकट के ऑल्टन नामक शहर के पास देखा था। घर लंबा, नीचा और सपाट छत वाला था, मानो किसी रसायन शास्त्र ने इसे चट्टान से ही क्रिस्टल की तरह बनाया हो।

“मैं इसे ‘द क्रिस्टल’ कह सकता हूँ,” गाय ने कहा।

ऐनी छत की ओर देखते हुए सोच में डूबी हुई थी। "मुझे घरों के नाम रखना इतना पसंद नहीं है—घरों के नाम। शायद मुझे 'क्रिस्टल' नाम पसंद नहीं है।"

गाय को हल्का सा दुख हुआ। “यह ‘एल्टन’ से कहीं बेहतर है। कितना नीरस नाम है! यही तो न्यू इंग्लैंड की खासियत है। अब टेक्सास को ही ले लो—”

“ठीक है, तुम टेक्सास ले लो और मैं न्यू इंग्लैंड ले लूंगी।” ऐन मुस्कुराई और गाइ को वहीं रोक दिया, क्योंकि असल में ऐन को टेक्सास पसंद था और गाइ को न्यू इंग्लैंड।

गाय ने टेलीफोन की ओर देखा, उसे अजीब सी आशंका थी कि घंटी बजने वाली है। उसे चक्कर आ रहा था, जैसे उसने कोई हल्का नशा कर लिया हो। ऐनी ने कहा कि मेक्सिको सिटी में ऊंचाई की वजह से लोगों को ऐसा महसूस होता है। गाय ने धीरे से कहा, "मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं आज रात मिरियम को फोन करके उससे बात करूँ और सब ठीक हो जाए, जैसे मैं उससे कुछ सही बात कह दूँ।"

“टेलीफोन वहीं है,” ऐनी ने पूरी गंभीरता से कहा।

कुछ सेकंड बीत गए और उसने ऐनी की आह सुनी।

“कितने बजे हैं?” उसने उठते हुए पूछा। “मैंने माँ से कहा था कि मैं बारह बजे तक वापस आ जाऊँगी।”

“ग्यारह-सात।”

क्या तुम्हें भूख नहीं लग रही?

उन्होंने नीचे स्थित रेस्तरां से कुछ मंगवाया। उनका हैम और अंडे का व्यंजन गहरे लाल रंग का था, जिसे पहचानना मुश्किल था, लेकिन उन्हें लगा कि यह काफी स्वादिष्ट था।

“मुझे खुशी है कि तुम मेक्सिको जा पाए,” ऐनी ने कहा। “यह कुछ ऐसा था जिसे मैं बहुत अच्छी तरह जानती थी और तुम नहीं, कुछ ऐसा जिसे मैं चाहती थी कि तुम जानो। बस मेक्सिको सिटी बाकी शहरों से अलग है।” वह धीरे-धीरे खाते हुए बोली, “इसमें पेरिस या वियना जैसी यादें बसी हैं और चाहे यहाँ कुछ भी हो जाए, तुम्हारा मन वापस आने का करता है।”

गाय ने माथे पर शिकन डाली। वह एक गर्मी के मौसम में कनाडाई इंजीनियर रॉबर्ट ट्रेचर के साथ पेरिस और वियना गया था, जब उन दोनों के पास पैसे नहीं थे। वह पेरिस और वियना वैसा नहीं था जैसा ऐनी ने देखा था। उसने ऐनी द्वारा दिए गए मक्खन लगे मीठे रोल को देखा। कभी-कभी वह ऐनी के हर अनुभव का स्वाद जानना चाहता था, उसके बचपन के हर पल में उसके साथ क्या हुआ था, यह जानना चाहता था। "तुम्हारा क्या मतलब है, चाहे मेरे साथ यहाँ कुछ भी हुआ हो?"

“मेरा मतलब है, चाहे आप बीमार हों या लूटे गए हों।” उसने ऊपर उसकी ओर देखा और मुस्कुराई। लेकिन दीपक की रोशनी से उसकी धुंधली नीली आँखों में एक चमक आ रही थी, उनकी गहरी किनारों पर अर्धचंद्राकार चमक, जिससे

उसके चेहरे पर एक रहस्यमयी उदासी छा गई थी। “मुझे लगता है कि विरोधाभास ही इसे आकर्षक बनाते हैं। जैसे कि अविश्वसनीय विरोधाभासों वाले लोग।”

गाय उसे घूर रहा था, उसकी उंगली कॉफी के कप के हैंडल में फंसी हुई थी। किसी तरह उसके मूड ने, या शायद उसकी कही बातों ने, उसे हीन महसूस कराया। "मुझे खेद है कि मेरे पास कोई असाधारण विरोधाभास नहीं है।"

“ओह-हो-हो!” फिर वह खिलखिलाकर हंस पड़ी, उसकी जानी-पहचानी हंसमुख हंसी जो उसे तब भी खुश कर देती थी जब वह उस पर हंसती थी, तब भी जब उसका खुद को समझाने का कोई इरादा नहीं होता था।

वह उछल पड़ा। “केक क्यों न हो? मैं एक जिन्न की तरह केक बनाऊंगा। एक शानदार केक!” उसने अपने सूटकेस के कोने से कुकी का डिब्बा निकाला। उस पल तक उसने केक के बारे में सोचा ही नहीं था, वही केक जो उसकी माँ ने उसके लिए बनाया था, उस ब्लैकबेरी जैम के साथ जिसकी उसने नाश्ते में बहुत तारीफ की थी।

ऐनी ने नीचे बार में फोन किया और एक खास तरह की शराब मंगवाई जिसके बारे में उसे पता था। शराब का रंग बैंगनी केक की तरह गहरा बैंगनी था, और उसे उंगली से थोड़े ही बड़े डंठल वाले गिलासों में परोसा गया था। वेटर अभी गया ही था, वे गिलास उठा ही रहे थे कि फोन की घंटी बज उठी, घबराहट भरी, लगातार बजती हुई।

“शायद माँ,” ऐनी ने कहा।

गाय ने फोन उठाया। उसने दूर से किसी ऑपरेटर से बात करती हुई आवाज़ सुनी। फिर आवाज़ तेज़, चिंतित और तीखी सुनाई दी, उसकी माँ की आवाज़:

"नमस्ते?"

"हैलो, माँ।"

“गाइ, कुछ हुआ है।”

"क्या बात क्या बात?"

“यह मरियम है।”

“उसका क्या हुआ?” गाय ने रिसीवर को अपने कान से कसकर दबाया। वह ऐनी की ओर मुड़ा और देखा कि उसे देखते ही उसके चेहरे का भाव बदल गया।

“गाइ, उसकी हत्या कर दी गई है। कल रात—” उसने अपनी बात अधूरी छोड़ दी।

“क्या हुआ, माँ?”

“यह कल रात हुआ।” उसने तीखी, नपी-तुली आवाज़ में कहा, ऐसी आवाज़ जो गाय ने अपने जीवन में केवल एक या दो बार ही सुनी थी। “गाय, उसकी हत्या कर दी गई।”

“हत्या कर दी गई!”

“गाइ, क्या हुआ?” ऐनी ने उठते हुए पूछा।

“कल रात झील पर थे। उन्हें कुछ पता नहीं है।”

“तुम—”

"क्या तुम घर आ सकते हो, गाइ?"

“जी माँ… कैसे?” उसने मूर्खतापूर्ण ढंग से पूछा, मानो वह टेलीफोन के दो पुराने पुर्जों से जानकारी निचोड़ सकता हो। “कैसे?”

“गला घोंटकर मारा गया।” बस एक शब्द, फिर सन्नाटा।

“क्या तुमने—?” उसने शुरू किया। “क्या—?”

“गाइ, क्या बात है?” ऐनी ने उसका हाथ पकड़ लिया।

“मैं जितनी जल्दी हो सके घर आ रहा हूँ, माँ। आज रात ही। चिंता मत करो। बहुत जल्द मिलते हैं।” उसने धीरे से फोन रखा और ऐनी की ओर मुड़ा। “यह मिरियम है। मिरियम की हत्या कर दी गई है।”

ऐनी ने फुसफुसाते हुए कहा, "हत्या—क्या यही कहा तुमने?"

गाय ने सिर हिलाया, लेकिन अचानक उसे लगा कि शायद कोई गलती हो सकती है। अगर यह सिर्फ एक रिपोर्ट होती तो—

"कब?"

लेकिन यह कल रात की बात है। "कल रात," उसने कहा।

क्या वे जानते हैं कि वह कौन है?

नहीं। मुझे आज रात जाना होगा।

"हे भगवान।"

उसने अपने सामने स्थिर खड़ी ऐनी की ओर देखा। "मुझे आज रात जाना होगा," उसने फिर स्तब्धता से कहा। फिर वह मुड़ा और हवाई जहाज की बुकिंग के लिए फोन करने के लिए टेलीफोन की ओर बढ़ा, लेकिन ऐनी ने स्पेनिश में तेजी से बात करते हुए उसके लिए बुकिंग करवा दी।

उसने सामान पैक करना शुरू किया। अपने थोड़े से सामान को सूटकेस में रखने में उसे घंटों लग गए। वह भूरे रंग की अलमारी को घूर रहा था, सोच रहा था कि क्या उसने उसमें सब कुछ निकाल लिया है या नहीं। अब, जहाँ उसे सफेद घर का दृश्य दिखाई दिया था, वहाँ एक हँसता हुआ चेहरा उभर आया, पहले अर्धचंद्राकार मुँह, फिर चेहरा—ब्रूनो का चेहरा। जीभ अश्लील ढंग से ऊपरी होंठ पर मुड़ी हुई थी, और फिर खामोश, कंपकंपी भरी हँसी फिर से गूंजी, जिससे माथे पर बिखरे हुए बाल हिल गए। गाय ने ऐनी की ओर भौंहें चढ़ाईं।

“क्या बात है, गाइ?”

“कुछ नहीं,” उसने कहा। अब वह कैसा दिख रहा था?

चौदह

मान लीजिए कि ब्रूनो ने ऐसा किया होता? ज़ाहिर है, वह ऐसा नहीं कर सकता था, लेकिन मान लीजिए कि उसने किया होता? क्या उन्होंने उसे पकड़ लिया होता? क्या ब्रूनो ने उन्हें बताया होता कि हत्या उनकी ही योजना थी? गाय आसानी से कल्पना कर सकता था कि ब्रूनो बेकाबू होकर कुछ भी कह सकता है। ब्रूनो जैसे विक्षिप्त बच्चे के मुंह से क्या निकलेगा, इसका कोई अनुमान नहीं लगाया जा सकता था। गाय ने ट्रेन में हुई उनकी बातचीत की धुंधली यादों को खंगाला और यह याद करने की कोशिश की कि क्या उसने मज़ाक में, गुस्से में या नशे में कुछ ऐसा कहा था जिसे ब्रूनो के इस पागलपन भरे विचार के लिए सहमति माना जा सकता था। उसने ऐसा कुछ नहीं कहा था। इस नकारात्मक जवाब के बावजूद, उसने ब्रूनो के उस पत्र पर गौर किया जो उसे शब्दशः याद था: वह विचार जो हमारे मन में दो हत्याओं के लिए आया था। मुझे पूरा यकीन है कि यह किया जा सकता है। मैं आपको अपने इस अटूट विश्वास को व्यक्त नहीं कर सकता—

विमान की खिड़की से गाय ने नीचे घोर अंधेरे में देखा। उसे जितनी चिंता होनी चाहिए थी, उतनी क्यों नहीं हो रही थी? विमान के धुंधले सिलेंडरनुमा ढांचे में ऊपर,

किसी की सिगरेट पर माचिस की तीली जल रही थी। मैक्सिकन तंबाकू की गंध हल्की, कड़वी और घिनौनी थी। उसने अपनी घड़ी देखी: 4:25।

भोर होते-होते वह सो गया, इंजनों की कंपकंपी भरी गर्जना में खो गया जो मानो विमान को टुकड़े-टुकड़े कर देने पर तुली हुई थी, उसके दिमाग को भी छलनी कर दे और उसके टुकड़े आसमान में बिखेर दे। वह एक धुंधली, बादलों से घिरी सुबह में जागा, और उसके मन में एक नया विचार आया: मिरियम के प्रेमी ने ही उसकी हत्या की थी। यह इतना स्पष्ट, इतना संभव था। उसने झगड़े में उसकी हत्या की थी। ऐसे मामले अखबारों में अक्सर पढ़ने को मिलते थे, और पीड़ित अक्सर मिरियम जैसी महिलाएं होती थीं। हवाई अड्डे पर उसने जो अखबार 'एल ग्राफिको' खरीदा था, उसके पहले पन्ने पर एक लड़की की हत्या की खबर थी—उसे कोई अमेरिकी अखबार नहीं मिला था, हालांकि उसे ढूंढते-ढूंढते उसकी फ्लाइट लगभग छूट ही गई थी—और उसके मुस्कुराते हुए मैक्सिकन प्रेमी की तस्वीर थी, जिसके हाथ में वह चाकू था जिससे उसने उसकी हत्या की थी। गाय ने उसे पढ़ना शुरू किया, लेकिन दूसरे पैराग्राफ में ही ऊब गया।

मेटकाफ हवाई अड्डे पर एक सादे कपड़ों वाले पुलिसकर्मी ने उनसे मुलाकात की और पूछा कि क्या उन्हें कुछ सवालों के जवाब देने में कोई आपत्ति होगी। वे दोनों एक साथ टैक्सी में बैठ गए।

“क्या उन्हें हत्यारा मिल गया?” गाय ने उससे पूछा।

"नहीं।"

सादे कपड़ों में मौजूद पुलिसकर्मी थका हुआ लग रहा था, मानो वह पूरी रात जागा हो, ठीक वैसे ही जैसे पुराने नॉर्थ साइड कोर्टहाउस में बाकी रिपोर्टर, क्लर्क और पुलिसकर्मी जागे हुए थे। गाय ने बड़े लकड़ी के कमरे में चारों ओर नज़र घुमाई, ब्रूनो को ढूंढने की कोशिश कर रहा था, इससे पहले कि उसे खुद इसका एहसास होता। जब उसने सिगरेट जलाई, तो उसके बगल में बैठे आदमी ने उससे पूछा कि यह किस तरह की सिगरेट है, और गाय द्वारा दी गई सिगरेट ले ली। ये ऐनी की बेलमोंट सिगरेट थीं जो उसने पैकिंग करते समय जेब में रख ली थीं।

“गाय डेनियल हेन्स, 717 एम्ब्रोस स्ट्रीट, मेटकाफ... आपने मेटकाफ कब छोड़ा?... और आप मेक्सिको सिटी कब पहुँचे?”

कुर्सियाँ घिसटने लगीं। उनके पीछे एक बिना आवाज़ वाला टाइपराइटर भी बजने लगा।

बैज पहने एक और सादे कपड़ों वाला पुलिसकर्मी, जिसकी जैकेट खुली हुई थी और तोंद निकली हुई थी, पास आकर बोला, "तुम मेक्सिको क्यों गए थे?"

कुछ दोस्तों से मिलने के लिए।

"कौन?"

“द फॉल्कनर। न्यूयॉर्क के एलेक्स फॉल्कनर।”

"तुमने अपनी माँ को यह क्यों नहीं बताया कि तुम कहाँ जा रहे हो?"

मैंने उसे बताया था।

“उसे नहीं पता था कि आप मेक्सिको सिटी में कहाँ ठहरे हुए हैं,” सादे कपड़ों वाले पुलिसकर्मी ने उसे बेपरवाही से बताया और अपने नोट्स का हवाला दिया। “आपने रविवार को अपनी पत्नी को तलाक के लिए पत्र भेजा था। उसने क्या जवाब दिया?”

वह मुझसे बात करना चाहती थी।

"लेकिन अब आप उससे बात करना नहीं चाहते थे, है ना?" एक स्पष्ट, मधुर आवाज ने पूछा।

गाइ ने युवा पुलिस अधिकारी की ओर देखा और कुछ नहीं कहा।

क्या उसका बच्चा तुम्हारा होने वाला था?

उन्होंने जवाब देना शुरू किया, लेकिन बीच में ही उनकी बात काट दी गई।

"आप पिछले सप्ताह अपनी पत्नी से मिलने टेक्सास क्यों आए थे?"

"क्या आप तलाक नहीं चाहते थे, मिस्टर हेन्स?"

क्या आप ऐनी फॉल्कनर से प्यार करते हैं?

हँसी।

“आप जानते हैं कि आपकी पत्नी का एक प्रेमी था, मिस्टर हेन्स। क्या आपको जलन हुई थी?”

"आप तलाक के लिए उस बच्चे पर निर्भर थे, है ना?"

“बस इतना ही!” किसी ने कहा।

उसके सामने एक तस्वीर रख दी गई, और गुस्से से वह छवि घूमने लगी, फिर एक लंबे काले सिर, सुंदर और भोली भूरी आँखों, एक गड्ढा वाली, मर्दाना ठुड्डी में बदल गई - एक ऐसा चेहरा जो किसी फिल्म अभिनेता का हो सकता था, और उसे यह बताने की ज़रूरत नहीं थी कि यह मरियम का प्रेमी था, क्योंकि तीन साल पहले मरियम को इसी तरह का चेहरा पसंद आया था।

“नहीं,” गाय ने कहा।

"क्या आप दोनों ने आपस में कुछ बातचीत नहीं की है?"

"बस इतना ही!"

उसके होंठों के कोने पर एक कड़वी मुस्कान उभर आई, फिर भी उसे लगा कि वह एक बच्चे की तरह रो भी सकता था। उसने अदालत के सामने एक टैक्सी रोकी। घर लौटते समय उसने मेटकाफ स्टार के पहले पृष्ठ पर छपी दो पंक्तियों वाली खबर पढ़ी:

गर्ल स्लेयर की खोज जारी है

12 जून—इस शहर की श्रीमती मिरियम जॉयस हेन्स के हत्यारे की तलाश जारी है, जिनकी रविवार रात मेटकाफ द्वीप पर एक अज्ञात हमलावर ने गला घोंटकर हत्या कर दी थी।

आज दो फिंगरप्रिंट विशेषज्ञ पहुंचे हैं जो लेक मेटकाफ रोइंग डॉक से लिए गए कई चप्पूओं और नावों से प्राप्त फिंगरप्रिंटों का वर्गीकरण स्थापित करने का प्रयास करेंगे। लेकिन पुलिस और जासूसों को आशंका है कि प्राप्त फिंगरप्रिंट धुंधले हैं। कल दोपहर अधिकारियों ने यह राय व्यक्त की कि अपराध किसी मनोरोगी का कृत्य हो सकता है। हमले के स्थल के आसपास मिले संदिग्ध फिंगरप्रिंटों और कई एड़ी के निशानों के अलावा, पुलिस अधिकारियों को अभी तक कोई महत्वपूर्ण सुराग नहीं मिला है।

ऐसा माना जा रहा है कि जांच में सबसे महत्वपूर्ण गवाही ह्यूस्टन के 30 वर्षीय डॉक वर्कर ओवेन मार्कमान देंगे, जो मृत महिला के करीबी दोस्त थे।

श्रीमती हेन्स के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार आज रेमिंगटन कब्रिस्तान में होगा। शवयात्रा आज दोपहर 2:00 बजे कॉलेज एवेन्यू स्थित हॉवेल फ्यूनरल होम से प्रस्थान करेगी।

गाइ ने एक सिगरेट के सिरे से दूसरी सिगरेट जलाई। उसके हाथ अभी भी कांप रहे थे, लेकिन उसे थोड़ा बेहतर महसूस हो रहा था। उसने किसी पागल के होने की संभावना के बारे में सोचा ही नहीं था। एक पागल ने इसे एक भयानक दुर्घटना जैसा बना दिया था।

उसकी माँ बैठक कक्ष में अपनी झूला कुर्सी पर बैठी हुई थी, अपने माथे पर रुमाल दबाए, उसका इंतज़ार कर रही थी, हालाँकि उसके आने पर वह उठी नहीं। गाय ने उसे गले लगाया और उसके गाल पर चुंबन किया, यह देखकर उसे राहत मिली कि वह रो नहीं रही थी।

उन्होंने कहा, "मैंने कल का दिन श्रीमती जॉयस के साथ बिताया, लेकिन मैं अंतिम संस्कार में नहीं जा सकती।"

“इसकी कोई ज़रूरत नहीं है, माँ।” उसने अपनी घड़ी पर नज़र डाली और देखा कि 2 बज चुके थे। एक पल के लिए उसे लगा कि मरियम को शायद ज़िंदा दफ़ना दिया गया हो, शायद वो जाग जाए और विरोध में चीखने लगे। वह मुड़ा और अपना हाथ माथे पर फेरा।

“श्रीमती जॉयस,” उनकी मां ने धीरे से कहा, “उन्होंने मुझसे पूछा था कि क्या आपको कुछ पता हो सकता है।”

गाय ने फिर से उसका सामना किया। वह जानता था कि श्रीमती जॉयस उससे नाराज़ थीं। अब वह उससे नफरत करने लगा था, क्योंकि उसे डर था कि वह उसकी माँ से क्या कह सकती थीं। "माँ, उनसे दोबारा मत मिलना। तुम्हें मिलने की ज़रूरत नहीं है, है ना?"

"नहीं।"

और आने के लिए धन्यवाद।

ऊपर अपने दराज में, उसे तीन पत्र और सांता फ़े स्टोर के लेबल वाला एक छोटा चौकोर पैकेट मिला। पैकेट में बुनी हुई छिपकली की खाल की एक पतली बेल्ट थी, जिसमें H के आकार का चांदी का बकल लगा था। अंदर एक नोट था जिसमें लिखा था:

डाकघर जाते समय आपकी प्लेटो की किताब कहीं खो गई। आशा है इससे कुछ भरपाई हो जाएगी।

गाइ ने सांता फ़े होटल से पेंसिल से लिखा हुआ लिफाफा उठाया। उसके अंदर सिर्फ एक छोटा सा कार्ड था। कार्ड के पीछे छपा था:

नाइस टाउन मेटकाफ

कार्ड को पलटते हुए, उसने यंत्रवत पढ़ा:

24 घंटे
डोनोवन टैक्सी सेवा
बारिश हो या धूप
2-3333 पर कॉल करें
सुरक्षित, तेज़, विनम्र

पीछे लिखे संदेश के नीचे कुछ मिटाया गया था। गाय ने कार्ड को रोशनी में देखा और एक शब्द पढ़ा: गिन्नी। यह मेटकाफ टैक्सी कंपनी का कार्ड था, लेकिन इसे सांता फ़े से भेजा गया था। इसका कोई मतलब नहीं, इससे कुछ साबित नहीं होता, उसने सोचा। लेकिन उसने कार्ड, लिफाफा और पैकेज के रैपर को कूड़ेदान में फेंक दिया। उसे एहसास हुआ कि वह ब्रूनो से नफरत करता है। उसने कूड़ेदान में रखे डिब्बे को खोला और बेल्ट भी उसमें डाल दी। बेल्ट देखने में सुंदर थी, लेकिन उसे छिपकली और सांप की खाल से भी नफरत थी।

उस रात ऐनी ने मैक्सिको सिटी से उसे फोन किया। वह सब कुछ जानना चाहती थी कि क्या हुआ था, और उसने उसे वह सब कुछ बताया जो उसे पता था।

“उन्हें इस बात का कोई शक नहीं है कि यह किसने किया?” उसने पूछा।

"ऐसा प्रतीत नहीं होता।"

“गाइ, तुम्हारी तबीयत ठीक नहीं लग रही है। क्या तुमने आराम किया?”

“अभी नहीं।” वह ब्रूनो के बारे में ऐनी को अभी नहीं बता सकता था। उसकी माँ ने बताया था कि एक आदमी ने दो बार फोन किया था, उससे बात करना चाहता था, और गाय को इस बात में कोई शक नहीं था कि वह कौन था। लेकिन वह

जानता था कि जब तक उसे पक्का पता नहीं चल जाता, वह ऐनी को ब्रूनो के बारे में नहीं बता सकता। वह अभी शुरुआत भी नहीं कर सकता था।

“हमने अभी-अभी वो हलफनामे भेजे हैं, डार्लिंग। तुम्हें पता है ना, तुम्हारे हमारे साथ यहाँ होने के बारे में?”

पुलिस के एक जासूस से बात करने के बाद उसने उसे संदेश भेजा था। उसने कहा, "जांच के बाद सब ठीक हो जाएगा।"

लेकिन पूरी रात उसे इस बात की चिंता सताती रही कि उसने ऐनी को ब्रूनो के बारे में नहीं बताया था। बात उस भयावहता की नहीं थी जिसे वह ऐनी को बताना चाहता था। उसे ऐसा लग रहा था जैसे वह खुद किसी निजी अपराधबोध से ग्रस्त हो, जिसे वह सहन नहीं कर पा रहा था।

ऐसी अफवाह फैल रही थी कि बच्चे की मृत्यु के बाद ओवेन मार्कमान मिरियम से शादी नहीं करना चाहता था और मिरियम ने उसके खिलाफ वादा तोड़ने का मुकदमा दायर कर दिया था। गाय की माँ ने बताया कि मिरियम की मृत्यु वास्तव में दुर्घटना से हुई थी। श्रीमती जॉयस ने उन्हें बताया था कि मिरियम अपने घर में सीढ़ियों से नीचे गिर गई थी, क्योंकि वह उसे ओवेन द्वारा दी गई एक काली रेशमी नाइटगाउन बहुत पसंद थी। गाय ने इस कहानी पर आँख बंद करके विश्वास कर लिया। मिरियम के लिए उसके मन में ऐसी करुणा और पश्चाताप जागा जो उसने पहले कभी महसूस नहीं किया था। अब वह उसे दयनीय रूप से अभागी और पूरी तरह निर्दोष लग रही थी।

पंद्रह

“सात गज से ज्यादा नहीं और पांच गज से कम नहीं,” कुर्सी पर बैठे गंभीर और आत्मविश्वासी युवक ने उत्तर दिया। “नहीं, मैंने किसी को नहीं देखा।”

"मुझे लगता है लगभग पंद्रह फीट," कैथरीन स्मिथ नाम की उस लड़की ने हैरानी से कहा, जो इतनी डरी हुई लग रही थी मानो अभी-अभी कोई घटना घटी हो। "शायद थोड़ा और ज़्यादा," उसने धीरे से कहा।

“लगभग तीस फीट। मैं नाव पर उतरने वाला पहला व्यक्ति था,” मिरियम के भाई राल्फ जॉयस ने कहा। उनके बाल मिरियम जैसे लाल थे और उनकी आँखें भी उसी तरह धूसर-हरे रंग की थीं, लेकिन उनके चौड़े जबड़े के कारण समानता कम हो

जाती थी। “मैं यह नहीं कहूँगा कि उसका कोई दुश्मन था। इतना तो नहीं कि वह ऐसा कुछ करे।”

"मैंने कुछ भी नहीं सुना," कैथरीन स्मिथ ने गंभीरता से सिर हिलाते हुए कहा।

राल्फ जॉयस ने कहा कि उन्होंने कुछ नहीं सुना था, और रिचर्ड शूइलर के सकारात्मक बयान के साथ ही बात खत्म हो गई:

"कोई आवाज नहीं थी।"

बार-बार दोहराई गई घटनाओं ने गाय के लिए अपना खौफ और नाटकीयता खो दी। वे हथौड़े की धीमी चोटों की तरह थीं, जो कहानी को उसके दिमाग में हमेशा के लिए बिठा रही थीं। बाकी तीन लोगों की निकटता अविश्वसनीय थी। गाय ने सोचा, केवल एक पागल ही इतनी नज़दीक आने की हिम्मत कर सकता था, यह निश्चित था।

"क्या आप उस बच्चे के पिता थे जिसे श्रीमती हेन्स ने खो दिया था?"

“हाँ।” ओवेन मार्कमान अपनी आपस में जुड़ी उंगलियों पर झुककर बैठ गया। एक उदास, मायूस चेहरा उस आकर्षक रूप को बिगाड़ रहा था जो गाय ने तस्वीर में देखा था। उसने भूरे रंग के चमड़े के जूते पहने थे, मानो वह अभी-अभी ह्यूस्टन में अपनी नौकरी से लौटा हो। गाय ने सोचा, मिरियम आज उस पर गर्व नहीं करती।

"क्या आप किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जो श्रीमती हेन्स की मृत्यु चाहता हो?"

“हां।” मार्कमान ने गाय की ओर इशारा किया। “उसे।”

लोग उसकी ओर देखने लगे। गाय तनाव में बैठा था, मार्कमान को घूर रहा था, मानो पहली बार उसे मार्कमान पर सचमुच शक हो रहा हो।

"क्यों?"

ओवेन मार्कमान काफी देर तक हिचकिचाता रहा, कुछ बुदबुदाया, फिर एक शब्द बोला: "ईर्ष्या।"

मार्कमान ईर्ष्या का एक भी विश्वसनीय कारण नहीं बता सका, लेकिन उसके बाद चारों ओर से ईर्ष्या के आरोप लगने लगे। यहां तक कि कैथरीन स्मिथ ने भी कहा, "मुझे लगता है ऐसा ही है।"

गाइ के वकील ने हल्की सी हंसी हंसी। उनके हाथ में फॉल्कनर परिवार के हलफनामे थे। गाइ को वह हंसी बिल्कुल पसंद नहीं आई। उन्हें कानूनी प्रक्रिया से

हमेशा से ही नफरत थी। यह एक ऐसे शातिर खेल की तरह था जिसका उद्देश्य सच्चाई उजागर करना नहीं, बल्कि एक वकील को दूसरे पर हमला करने और उसे तकनीकी खामी के आधार पर पद से हटाने का मौका देना था।

“आपने एक महत्वपूर्ण पद छोड़ दिया—” कोरोनर ने कहना शुरू किया।

“मैंने इसे छोड़ा नहीं,” गाय ने कहा। “मैंने कमीशन मिलने से पहले ही उन्हें पत्र लिखकर कहा था कि मुझे यह नहीं चाहिए।”

“आपने टेलीग्राम भेजा। क्योंकि आप नहीं चाहते थे कि आपकी पत्नी आपके पीछे वहाँ आए। लेकिन जब आपको मेक्सिको में पता चला कि आपकी पत्नी ने अपना बच्चा खो दिया है, तो आपने पाम बीच को एक और टेलीग्राम भेजा कि आप आयोग के लिए विचार किए जाने की इच्छा रखते हैं। क्यों?”

“क्योंकि मुझे यकीन नहीं था कि वो मेरा पीछा करते हुए वहाँ आएगी। मुझे शक था कि वो तलाक को अनिश्चित काल तक टालना चाहेगी। लेकिन मेरा इरादा उससे मिलने का था—इस हफ्ते तलाक पर चर्चा करने के लिए।” गाय ने अपने माथे से पसीना पोंछा और देखा कि उसका वकील पछतावे से होंठ सिकोड़ रहा है। उसका वकील नहीं चाहता था कि वो आयोग के बारे में अपना मन बदलने के दौरान तलाक का ज़िक्र करे। गाय को परवाह नहीं थी। ये सच था, और वो इसका जो मतलब चाहे निकाल सकते थे।

"श्रीमती जॉयस, आपकी राय में क्या उनका पति इस तरह की हत्या की साजिश रचने में सक्षम था?"

“हाँ,” श्रीमती जॉयस ने सिर ऊँचा करके, हल्की सी कंपकंपी के साथ कहा। उनकी गहरी लाल पलकें लगभग बंद थीं, जैसा कि गाय ने उन्हें अक्सर देखा था, जिससे यह पता लगाना मुश्किल था कि उनकी नज़रें कहाँ टिकी हैं। “वह तलाक चाहता था।”

इस पर आपत्ति जताई गई कि श्रीमती जॉयस ने कुछ क्षण पहले ही कहा था कि उनकी बेटी तलाक चाहती है जबकि गाय हेन्स नहीं चाहता क्योंकि वह अब भी उससे प्यार करता है। "अगर दोनों तलाक चाहते थे, और यह साबित हो चुका है कि श्री हेन्स तलाक चाहते थे, तो तलाक क्यों नहीं हुआ?"

अदालत में हंसी का माहौल छा गया। उंगलियों के निशान के विशेषज्ञ अपने वर्गीकरण पर सहमत नहीं हो पाए। एक हार्डवेयर व्यापारी, जिसकी दुकान में मरियम अपनी मृत्यु से एक दिन पहले आई थी, इस बात को लेकर उलझन में पड़ गया कि उसका साथी पुरुष था या महिला, और हंसी ने इस तथ्य को छिपा दिया कि उसे पुरुष कहने का निर्देश दिया गया था। गाय के वकील ने भौगोलिक तथ्यों, जॉयस परिवार की विसंगतियों, उसके द्वारा प्रस्तुत हलफनामों का हवाला देते हुए खूब तर्क दिए, लेकिन गाय को पूरा विश्वास था कि उसकी अपनी स्पष्टवादिता ने ही उसे किसी भी संदेह से मुक्त कर दिया है।

कोरोनर ने अपने अंतिम निर्णय में सुझाव दिया कि हत्या किसी ऐसे मनोरोगी द्वारा की गई प्रतीत होती है जिसे पीड़ित और अन्य पक्षकार नहीं जानते थे। "अज्ञात व्यक्ति या व्यक्तियों" का फैसला सुनाया गया और मामला पुलिस को सौंप दिया गया।

अगले दिन, ठीक उसी समय जब गाय अपनी मां के घर से निकल रहा था, एक टेलीग्राम आया:

गोल्डन वेस्ट की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।
अहस्ताक्षरित

“फॉल्कनर परिवार से,” उसने जल्दी से अपनी माँ से कहा।

वह मुस्कुराई। "ऐनी से कहना कि मेरे बेटे का अच्छे से ख्याल रखे।" उसने धीरे से उसके कान पकड़कर उसे नीचे उतारा और उसके गाल पर चुंबन किया।

जब ब्रूनो हवाई अड्डे पहुँचा, तो उसका टेलीग्राम अभी भी उसके हाथ में ही था। उसने उसे छोटे-छोटे टुकड़ों में फाड़ दिया और मैदान के किनारे रखे तार के कूड़ेदान में डाल दिया। हर टुकड़ा तार को चीरता हुआ निकल गया और डामर पर बिखर गया, मानो हवा और धूप में रंगीन कागज़ के टुकड़ों की तरह चमक रहा हो।

सोलह

गाय ब्रूनो के बारे में कोई पक्का जवाब ढूंढने के लिए संघर्ष करता रहा—क्या उसने यह किया था या नहीं?—और फिर उसने हार मान ली। ब्रूनो द्वारा यह करने की संभावना में बहुत कुछ अविश्वसनीय था। मेटकाफ टैक्सी कंपनी के कार्ड का क्या

महत्व था? ब्रूनो के लिए सांता फ़े में ऐसा कार्ड ढूंढना और उसे मेल करना तो स्वाभाविक ही था। अगर यह किसी पागल का काम नहीं था, जैसा कि कोरोनर और बाकी सभी लोग मानते थे, तो क्या यह कहीं अधिक संभावना नहीं थी कि ओवेन मार्कमान ने इसकी व्यवस्था की हो?

उसने मेटकाफ, मिरियम और ब्रूनो के बारे में सोचना बंद कर दिया और पाम बीच के काम पर ध्यान केंद्रित किया, जिसे उसने पहले दिन से ही समझ लिया था कि इसमें कूटनीति, तकनीकी ज्ञान और शारीरिक शक्ति का भरपूर इस्तेमाल करना होगा। ऐनी को छोड़कर, उसने अपने अतीत को पूरी तरह भुला दिया, जो अपने आदर्शवादी लक्ष्यों, उनके लिए किए गए संघर्ष और मिली-जुली सफलताओं के बावजूद, कंट्री क्लब की भव्य मुख्य इमारत के सामने दयनीय और तुच्छ प्रतीत होता था। और जितना अधिक वह इस नए प्रयास में लीन होता गया, उतना ही वह स्वयं को एक नए और अधिक परिपूर्ण रूप में पुनर्जीवित महसूस करने लगा।

अखबारों और समाचार पत्रिकाओं के फोटोग्राफरों ने निर्माण के शुरुआती चरणों में मुख्य भवन, स्विमिंग पूल, स्नानघरों और सीढ़ियों की तस्वीरें लीं। क्लब के सदस्यों की भी परिसर का निरीक्षण करते हुए तस्वीरें ली गईं, और गाय जानता था कि उनकी तस्वीरों के नीचे शाही मनोरंजन के लिए प्रत्येक द्वारा दान की गई धनराशि छपी होगी। कभी-कभी वह सोचता था कि शायद उसका उत्साह इस परियोजना के पीछे लगे धन, उपलब्ध विशाल स्थान और सामग्रियों, और उन धनी लोगों की चापलूसी के कारण था जो उसे लगातार अपने घरों में आमंत्रित करते थे। गाय ने कभी उनके निमंत्रण स्वीकार नहीं किए। वह जानता था कि इससे उसे अगली सर्दियों में मिलने वाले छोटे-मोटे प्रोजेक्ट्स का नुकसान हो सकता है, लेकिन वह यह भी जानता था कि वह खुद को उन सामाजिक जिम्मेदारियों के लिए बाध्य नहीं कर सकता जो अधिकांश वास्तुकार सहजता से निभाते हैं। जिन शामों को वह अकेला नहीं रहना चाहता था, वह कुछ मील दूर क्लेरेंस ब्रिलहार्ट के घर बस से जाता था, और वे साथ में रात का खाना खाते, रिकॉर्ड सुनते और बातें करते थे। पल्मायरा क्लब के प्रबंधक क्लेरेंस ब्रिलहार्ट एक सेवानिवृत्त ब्रोकर थे, एक लंबे, सफ़ेद बालों वाले बुजुर्ग सज्जन, जिनके बारे में गाय अक्सर सोचता था कि काश वह उन्हें पिता के रूप में पसंद करता। गाय को उनकी सबसे अधिक प्रशंसा उनकी

शांत और सहज शैली से होती थी, जो हलचल भरे निर्माण स्थलों पर भी उतनी ही शांत रहती थीं जितनी अपने घर में। गाय आशा करता था कि वह भी बुढ़ापे में उन्हीं की तरह हो। लेकिन उसे लगता था कि वह बहुत तेज़ गति से चल रहा है, हमेशा से ही बहुत तेज़ गति से चलता आया है। उसे लगता था कि तेज़ गति से चलने में गरिमा की कमी अवश्यंभावी है।

ज़्यादातर शामें गाय पढ़ते, ऐनी को लंबे-लंबे पत्र लिखते या बस सो जाते, क्योंकि वे हमेशा सुबह पाँच बजे उठ जाते थे और अक्सर दिन भर ब्लोटॉर्च या मोर्टार और ट्रॉवेल से काम करते रहते थे। वे लगभग सभी कामगारों को नाम से जानते थे। उन्हें हर आदमी के स्वभाव को परखना और यह जानना अच्छा लगता था कि यह उनके भवनों की भावना में कितना योगदान देता है या नहीं देता है। उन्होंने ऐनी को लिखा, "यह एक सिम्फनी का निर्देशन करने जैसा है।" शाम ढलते समय, जब वे गोल्फ कोर्स की झाड़ियों में बैठकर पाइप पीते हुए, नीचे चार सफेद इमारतों को निहारते थे, तो उन्हें लगता था कि पल्मायरा परियोजना एकदम सही होने वाली है। उन्हें यह तब पता चला जब उन्होंने मुख्य भवन के संगमरमर के स्तंभों के बीच की दूरी पर बिछाई गई पहली क्षैतिज पट्टियों को देखा। पिट्सबर्ग स्टोर का काम ग्राहक के खिड़की के क्षेत्र के बारे में अपना मन बदलने के कारण अंतिम क्षण में बिगड़ गया था। गाय को लगा कि शिकागो में अस्पताल का एनेक्स उस कॉर्निस के कारण बर्बाद हो गया था जो उनके इरादे से ज़्यादा गहरे रंग के पत्थर का था। लेकिन ब्रिलहार्ट ने किसी भी तरह के हस्तक्षेप की अनुमति नहीं दी, पल्मायरा उनकी मूल कल्पना के अनुसार बिल्कुल परिपूर्ण होने वाला था, और गाय ने इससे पहले कभी भी ऐसी कोई चीज नहीं बनाई थी जिसे वह परिपूर्ण मानते हों।

अगस्त में, वह ऐन से मिलने उत्तर की ओर गया। ऐन मैनहट्टन में एक कपड़ा कंपनी के डिज़ाइन विभाग में काम कर रही थी। पतझड़ में, उसने एक अन्य महिला डिज़ाइनर के साथ साझेदारी में एक दुकान खोलने की योजना बनाई थी, जिनसे वह मिली थी। गाय की यात्रा के चौथे और अंतिम दिन तक उन दोनों में से किसी ने भी मिरियम का ज़िक्र नहीं किया। ऐन के घर के पीछे बहने वाली छोटी नदी के किनारे वे दोनों खड़े थे, ऐन द्वारा उसे हवाई अड्डे छोड़ने से पहले उनके साथ बिताए आखिरी कुछ पल।

“क्या तुम्हें लगता है कि यह मार्कमान ने किया था, गाइ?” ऐन ने अचानक उससे पूछा। और जब गाइ ने सिर हिलाकर हाँ कहा, तो उसने कहा: “यह भयानक है—लेकिन मुझे लगभग यकीन है।”

फिर एक शाम जब वह ब्रिलहार्ट के घर से अपने सजे-धजे कमरे में लौटा, तो उसे ब्रूनो और ऐनी दोनों के पत्र मिले। ये पत्र लॉस एंजिल्स से थे, जो उसकी माँ ने मेटकाफ से भेजे थे। पत्र में उसे पाम बीच में उसके काम के लिए बधाई दी गई थी, सफलता की कामना की गई थी और उससे बस एक शब्द कहने का अनुरोध किया गया था। पी.एस. में लिखा था:

> आशा है कि इस पत्र से आपको कोई नाराज़गी नहीं होगी। मैंने कई पत्र लिखे हैं, लेकिन उन्हें भेजा नहीं है। मैंने आपकी माँ को आपके पते के लिए फ़ोन किया था, लेकिन उन्होंने मुझे पता नहीं दिया। सच कहूँ तो, चिंता की कोई बात नहीं है, वरना मैं पत्र लिखता ही नहीं। क्या आपको नहीं पता कि मैं हमेशा सावधान रहता हूँ? जल्द ही लिखना। मैं शायद जल्द ही हैती जाऊँगा। आपका मित्र और प्रशंसक, सी.ए.बी.

उसके पैरों तक एक धीमी सी पीड़ा फैल गई। वह अपने कमरे में अकेला नहीं रह सकता था। वह एक बार में गया, और उसे पता भी नहीं चला कि वह क्या कर रहा है, उसने दो राई बियर पी लीं और फिर तीसरी। बार के पीछे लगे शीशे में उसने अपने धूप से झुलसे चेहरे को देखा, और उसे लगा कि उसकी आँखें बेईमान और चालाक लग रही हैं। ब्रूनो ने ही यह किया था। यह बात इतनी ज़ोर से उसके ऊपर आई कि अब संदेह की कोई गुंजाइश नहीं बची थी, मानो कोई प्रलय आ गई हो जिसे केवल एक पागल की अतार्किकता ही इतने समय तक रोके रख सकती थी। उसने छोटे से बार में चारों ओर ऐसे देखा जैसे उसे उम्मीद हो कि दीवारें उस पर गिर जाएँगी। ब्रूनो ने ही यह किया था। अब ब्रूनो को अपनी, गाय की, आज़ादी पर जो गर्व था, उसमें कोई शक नहीं था। या पी.एस. पर। या शायद हैती की यात्रा पर भी। लेकिन ब्रूनो का मतलब क्या था? गाय ने आईने में दिख रहे अपने चेहरे को घूरकर देखा और नज़रें नीचे झुका लीं। उसने अपने हाथों, अपनी ट्वीड जैकेट के सामने के हिस्से और अपनी फलालैन की पैंट को देखा और अचानक उसके दिमाग

में कौंध गया कि उसने ये कपड़े आज सुबह एक अलग इंसान के रूप में पहने थे और आज रात इन्हें उतारते समय वह एक दूसरे इंसान के रूप में नज़र आएगा, उस इंसान के रूप में जो वह अब से होगा। उसे अब सब पता चल गया था। यह एक पल था—वह ठीक-ठीक बता नहीं सकता था कि क्या हो रहा है, लेकिन उसे महसूस हुआ कि उसका पूरा जीवन अब से बदल जाएगा, बदलना ही होगा।

अगर उसे पता था कि ब्रूनो ने ऐसा किया है, तो उसने उसे पुलिस के हवाले क्यों नहीं किया? ब्रूनो के प्रति उसके मन में नफरत और घृणा के अलावा और क्या भावनाएँ थीं? क्या वह डरा हुआ था? गाय को इसका स्पष्ट जवाब नहीं पता था।

ऐन को फ़ोन करने की तीव्र इच्छा को वह तब तक दबाता रहा जब तक बहुत देर नहीं हो गई, और अंततः, सुबह तीन बजे, वह और अधिक संकोच नहीं कर सका। अंधेरे में अपने बिस्तर पर लेटे हुए, उसने उससे बहुत शांत भाव से, सामान्य बातों पर चर्चा की, और एक बार तो वह हँस भी पड़ा। फ़ोन रखने के बाद उसने सोचा कि ऐन को भी कुछ गड़बड़ नहीं लगी। उसे किसी तरह अपमानित महसूस हुआ, और साथ ही कुछ हद तक चिंता भी हुई।

उनकी मां ने लिखा कि जिस व्यक्ति ने मेक्सिको में रहते हुए उन्हें फोन किया था और अपना नाम फिल बताया था, उसने फिर से फोन करके पूछा कि उनसे कैसे संपर्क किया जा सकता है। उन्हें चिंता थी कि कहीं इसका संबंध मरियम से न हो, और वे सोच रही थीं कि क्या उन्हें पुलिस को बताना चाहिए।

गाय ने उसे जवाब में लिखा: "मुझे पता चल गया कि वह परेशान करने वाला फोन करने वाला कौन था। फिल जॉनसन, एक ऐसा व्यक्ति जिसे मैं शिकागो में जानता था।"

सत्रह

“चार्ली, ये सब कतरनें क्या हैं?”

“मेरी दोस्त, माँ!” ब्रूनो ने बाथरूम के दरवाज़े से चिल्लाकर कहा। उसने पानी तेज़ कर दिया, बेसिन पर झुक गया और चमकदार निकल-प्लेटेड ड्रेनस्टॉप पर ध्यान केंद्रित किया। एक पल बाद, उसने कपड़ों की टोकरी में तौलियों के नीचे रखी स्कॉच की बोतल उठाई। हाथ में स्कॉच और पानी का गिलास लिए वह थोड़ा कम कांप रहा था, और कुछ सेकंड अपनी नई स्मोकिंग जैकेट की आस्तीन पर लगी

चांदी की लेस को निहारने में बिताए। उसे जैकेट इतनी पसंद थी कि वह उसे बाथरोब की तरह भी पहनता था। आईने में, अंडाकार कॉलर ने एक ऐसे नौजवान की छवि को संजोया हुआ था जो आरामपसंद, बेपरवाह और रहस्यमय रोमांच से भरा, हास्य और गहराई से भरपूर, शक्ति और कोमलता से परिपूर्ण था (इसका प्रमाण है कि उसने शाही अंदाज़ में अंगूठे और तर्जनी के बीच गिलास को बड़ी नज़ाकत से पकड़ रखा था)—दो जिंदगियों वाला एक नौजवान। उसने अकेले ही पिया।

“चार्ली?”

“एक मिनट, माँ!”

उसने बाथरूम में इधर-उधर बेतहाशा नज़रें घुमाईं। वहाँ कोई खिड़की नहीं थी। आजकल ऐसा लगभग हफ्ते में दो बार होता था। उठने के लगभग आधे घंटे बाद, उसे ऐसा लगता था जैसे कोई उसके सीने पर घुटने टेककर उसका दम घोंट रहा हो। उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और जितनी तेज़ी से हो सके साँस अंदर-बाहर ली। फिर शराब का असर हुआ। उसने उसकी बेचैन नसों को ऐसे शांत किया जैसे कोई हाथ उसके शरीर पर फिरा रहा हो। वह सीधा हुआ और दरवाज़ा खोला।

“शेविंग,” उसने कहा।

उसकी माँ ने टेनिस शॉर्ट्स और हॉल्टर टॉप पहना हुआ था और वह उसके अस्त-व्यस्त बिस्तर पर झुकी हुई थी जहाँ कतरनें बिखरी पड़ी थीं। "वह कौन थी?"

“न्यूयॉर्क से ट्रेन में आते समय मेरी मुलाकात एक आदमी से हुई थी, उसकी पत्नी। गाय हेन्स।” ब्रूनो मुस्कुराया। उसे गाय का नाम लेना अच्छा लगता था। “दिलचस्प है ना? उन्होंने अभी तक हत्यारे को पकड़ा नहीं है।”

"शायद कोई पागल होगा," उसने आह भरते हुए कहा।

ब्रूनो का चेहरा गंभीर हो गया। "ओह, मुझे संदेह है। परिस्थितियाँ बहुत जटिल हैं।"

एल्सी खड़ी हुई और उसने अपना अंगूठा बेल्ट के अंदर डाला। बेल्ट के ठीक नीचे उभरा हुआ हिस्सा गायब हो गया, और एक पल के लिए वह वैसी ही दिखी जैसी ब्रूनो ने उसे पिछले साल तक देखा था - बीस साल की लड़की की तरह पतली एड़ियों तक चुस्त-दुरुस्त। "तुम्हारे दोस्त गाय का चेहरा बहुत अच्छा है।"

“अब तक का सबसे नेक इंसान। अफसोस की बात है कि वो इसमें घसीटा गया। उसने मुझे ट्रेन में बताया कि उसने अपनी पत्नी को दो साल से नहीं देखा है। वो मुझसे ज़्यादा कातिल नहीं है!” ब्रूनो अपनी अनजाने में की गई इस मज़ाक पर मुस्कुराया और बात को संभालने के लिए बोला, “वैसे भी उसकी पत्नी बेवफ़ा थी।”

“प्यारे।” उसने उसके कॉलर के किनारे पकड़ लिए, जिन पर चोटी बनी हुई थी। “क्या तुम इस दौरान अपनी भाषा पर थोड़ा नियंत्रण नहीं रखोगे? मुझे पता है दादी कभी-कभी बहुत परेशान हो जाती हैं।”

“दादी को तो पता ही नहीं होगा कि राउंडहील्स का मतलब क्या होता है,” ब्रूनो ने कर्कश आवाज में कहा।

एल्सी ने अपना सिर पीछे की ओर झुकाया और चीख पड़ी।

“माँ, आपको बहुत धूप लग रही है। मुझे आपका चेहरा इतना काला पसंद नहीं है।”

मुझे तुम्हारा इतना फीका रंग पसंद नहीं है।

ब्रूनो ने भौंहें चढ़ाईं। उसकी माँ के माथे की कठोर त्वचा उसे बेहद बुरी लगी। उसने अचानक उसके गाल पर चुंबन कर दिया।

"वादा करो कि आज तुम आधे घंटे धूप में बैठोगे ही। लोग कैलिफोर्निया आने के लिए हजारों मील का सफर तय करते हैं, और तुम यहाँ घर में बैठे रहते हो!"

ब्रूनो ने नाक सिकोड़ते हुए कहा, "माँ, आपको मेरे दोस्त में कोई दिलचस्पी नहीं है!"

मुझे आपके दोस्त में दिलचस्पी है। आपने उसके बारे में मुझे ज्यादा कुछ नहीं बताया है।

ब्रूनो शर्माते हुए मुस्कुराया। नहीं, वह बहुत अच्छा था। उसने आज ही पहली बार अखबार की कतरनें अपने कमरे में रखी थीं, क्योंकि अब उसे पूरा यकीन था कि वह और गाय दोनों सुरक्षित हैं। अगर वह अब गाय के बारे में पंद्रह मिनट भी बात करता, तो शायद उसकी माँ भी भूल जाती। अगर उसे भूलना ज़रूरी भी होता। "क्या तुमने ये सब पढ़ा?" उसने बिस्तर की ओर इशारा किया।

नहीं, इतना सब नहीं। आज सुबह कितने ड्रिंक्स लिए?

"एक।"

मुझे दो की गंध आ रही है।

“ठीक है माँ, मेरे पास दो थे।”

“डार्लिंग, क्या तुम सुबह की शराबखोरी पर नज़र नहीं रखोगी? सुबह की शराबखोरी अंत है। मैंने एक के बाद एक शराबी को देखा है—”

“शराबी एक बुरा शब्द है।” ब्रूनो कमरे में धीरे-धीरे चक्कर लगाने लगा। “माँ, जब से मैंने थोड़ा ज़्यादा पीना शुरू किया है, मुझे अच्छा लग रहा है। आपने खुद कहा था कि मैं ज़्यादा खुशमिजाज़ हूँ और मेरी भूख भी बढ़ गई है। स्कॉच एक बहुत ही शुद्ध पेय है। कुछ लोगों को यह रास आता है।”

“कल रात तुमने बहुत ज्यादा पी ली थी, और दादी को यह पता है। यह मत सोचो कि उन्हें पता नहीं चलता।”

"पिछली रात के बारे में मुझसे मत पूछो।" ब्रूनो मुस्कुराया और हाथ हिलाया।

“सैमी आज सुबह आ रहा है। तुम तैयार होकर नीचे क्यों नहीं आ जाते और हमारे लिए स्कोर लिख लेते?”

सैमी की वजह से मुझे अल्सर हो जाते हैं।

वह इतनी खुशी से दरवाजे की ओर चली गई मानो उसने कुछ सुना ही न हो। "वादा करो कि आज तुम धूप जरूर लोगे।"

उसने सिर हिलाया और अपने सूखे होंठों को गीला किया। जब उसने दरवाज़ा बंद किया तो उसने उसकी मुस्कान का जवाब नहीं दिया, क्योंकि उसे ऐसा लगा जैसे अचानक उस पर एक काला पर्दा गिर पड़ा हो, जैसे उसे बहुत देर होने से पहले किसी चीज़ से भागना हो। उसे बहुत देर होने से पहले गाय से मिलना था! उसे बहुत देर होने से पहले अपने पिता से छुटकारा पाना था! उसके पास करने के लिए बहुत कुछ था! वह यहाँ नहीं रहना चाहता था, अपनी दादी के घर में, जो लुई क्विंज़ में उसके अपने घर की तरह सजा हुआ था, शाश्वत लुई क्विंज़! लेकिन उसे नहीं पता था कि वह और कहाँ जाना चाहता था। अगर वह अपनी माँ से लंबे समय तक दूर रहता तो वह खुश नहीं होता, है ना? उसने अपने निचले होंठ को काटा और भौंहें चढ़ाईं, हालाँकि उसकी छोटी भूरी आँखें बिल्कुल खाली थीं। उसने क्यों कहा कि उसे सुबह पानी की ज़रूरत नहीं है? उसे दिन के किसी भी पेय से ज़्यादा इसकी ज़रूरत थी। उसने अपने कंधों को धीरे-धीरे घुमाया। उसे उदास क्यों होना चाहिए?

बिस्तर पर पड़े अखबार के पन्ने उसी के बारे में थे। हफ़्ते दर हफ़्ते बीतते गए और बेवकूफ़ पुलिस को उसके खिलाफ़ कुछ भी नहीं मिला, सिवाय एड़ियों के निशानों के, और उसने तो अपने जूते बहुत पहले ही फेंक दिए थे! सैन फ़्रांसिस्को के होटल में विल्सन के साथ पिछले हफ़्ते की पार्टी उसके सामने कुछ भी नहीं थी, अगर उसके साथ गाय होता तो वो अब क्या करता। एक परफेक्ट मर्डर! सैकड़ों लोगों के बीच एक द्वीप पर कितने लोग परफेक्ट मर्डर कर सकते हैं?

वह अखबारों में छपने वाले उन बेवकूफों जैसा नहीं था जो "यह देखने के लिए मार डालते थे कि कैसा लगता है," और उसके पास रिपोर्ट करने के लिए कभी कोई खूनी घटना नहीं होती थी, सिवाय कभी-कभी घिनौने "यह उतना अच्छा नहीं था जितना मैंने सोचा था" जैसे बयान के। अगर उसका इंटरव्यू लिया जाता, तो वह कहता, "यह बहुत बढ़िया था! दुनिया में इसके जैसा कुछ नहीं है!" ("क्या आप इसे फिर कभी करेंगे, मिस्टर ब्रूनो?") "ठीक है, शायद," सोच-विचार करते हुए, सावधानी से, जैसे कोई आर्कटिक खोजकर्ता अगले साल उत्तर में फिर से सर्दियों में जाने के बारे में पूछे जाने पर किसी रिपोर्टर को अनिश्चित जवाब देता है। ("क्या आप हमें अपने अनुभवों के बारे में थोड़ा बता सकते हैं?") वह माइक्रोफोन को अपनी ओर झुकाता, ऊपर देखता और सोचता रहता, जबकि दुनिया उसके पहले शब्द का इंतजार करती। कैसा लगा? खैर, बस यही है, देखिए, और इसकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती। वह वैसे भी एक घटिया औरत थी, आप समझते हैं। यह एक गर्म छोटी चूहे को मारने जैसा था, बस फर्क इतना था कि वह एक लड़की थी इसलिए यह हत्या बन गई। उसकी गर्माहट भी घिनौनी थी, और उसे याद आया कि उंगलियाँ हटाने से पहले ही उसने सोचा था कि गर्मी सचमुच बंद हो जाएगी, उसके जाने के बाद वह ठंडी और बदसूरत हो जाएगी, जैसी वह वास्तव में थी। ("बदसूरत, श्रीमान ब्रूनो?") हाँ, बदसूरत। ("क्या आपको लगता है कि एक लाश बदसूरत होती है?") ब्रूनो ने भौंहें चढ़ाईं। नहीं, उसे सच में नहीं लगता था कि वह एक लाश को बदसूरत समझता है। अगर पीड़ित मिरियम की तरह दुष्ट था, तो लोगों को लाश देखकर काफी खुश होना चाहिए, है ना? ("शक्ति, श्रीमान ब्रूनो?") ओह, हाँ, उसने जबरदस्त शक्ति का अनुभव किया था! बस यही था। उसने एक जीवन छीन लिया था। अब, कोई नहीं जानता था कि जीवन क्या है, हर कोई इसकी रक्षा करता था,

सबसे अनमोल संपत्ति, लेकिन उसने एक जीवन छीन लिया था। उस रात खतरा था, उसके हाथों में दर्द था, इस बात का डर था कि कहीं वह कोई आवाज़ न निकाल दे, लेकिन जिस पल उसने महसूस किया कि उसकी जान निकल गई है, सब कुछ गायब हो गया, और केवल उसके द्वारा किए गए काम का रहस्यमय तथ्य ही रह गया, जीवन को रोकने का रहस्य और चमत्कार। लोग जन्म के रहस्य की बात करते हैं, जीवन की शुरुआत की, लेकिन यह कितना आसानी से समझाया जा सकता है! दो जीवित रोगाणु कोशिकाओं से! जीवन को रोकने के रहस्य का क्या? जीवन क्यों रुकना चाहिए क्योंकि उसने एक लड़की का गला बहुत कसकर पकड़ रखा था? आखिर जीवन क्या है? उसके हाथ हटाने के बाद मरियम ने क्या महसूस किया होगा? वह कहाँ थी? नहीं, वह मृत्यु के बाद जीवन में विश्वास नहीं करता था। वह रुक गई थी, और यही चमत्कार था। ओह, वह प्रेस के साथ अपने साक्षात्कार में बहुत कुछ कह सकता है! ("आपके लिए यह क्या मायने रखता था कि आपकी शिकार एक महिला थी?") यह सवाल कहाँ से आया? ब्रूनो हिचकिचाया, फिर खुद को संभाला। खैर, इस तथ्य ने कि वह एक महिला थी, उसे अधिक आनंद दिया था। नहीं, इसलिए वह यह निष्कर्ष नहीं निकालता कि उसके आनंद में यौन सुख का अंश था। नहीं, वह महिलाओं से नफरत भी नहीं करता था। बिलकुल नहीं! नफरत तो प्यार के समान ही होती है, तुम्हें पता है। किसने कहा था ये? उसे इस बात पर ज़रा भी यकीन नहीं था। नहीं, वह बस इतना ही कह सकता था कि अगर उसने किसी आदमी को मारा होता, तो उसे इतना आनंद नहीं आता, उसने सोचा। सिवाय उसके पिता के।

टेलीफोन...

ब्रूनो उसे घूर रहा था। हर टेलीफोन उसे गाय की याद दिला रहा था। दो सटीक कॉल करके वह गाय से संपर्क कर सकता था, लेकिन कॉल करने से गाय नाराज़ हो सकता था। गाय शायद अभी भी घबराया हुआ हो। वह गाय के पत्र का इंतज़ार करेगा। किसी भी दिन पत्र आ जाना चाहिए, क्योंकि गाय को पिछले सप्ताह के अंत में अपना पत्र मिल गया होगा। ब्रूनो की खुशी को पूरा करने के लिए बस एक ही चीज़ की कमी थी - गाय की आवाज़ सुनना, उससे यह सुनना कि वह खुश है। गाय

और उसके बीच का रिश्ता अब भाईचारे से भी गहरा था। कितने भाई अपने भाई को उतना प्यार करते हैं जितना वह गाय को करता है?

ब्रूनो ने खिड़की से एक पैर बाहर निकाला और लोहे की बालकनी पर खड़ा हो गया। सुबह की धूप वाकई अच्छी लग रही थी। लॉन गोल्फ कोर्स की तरह चौड़ा और चिकना था, जो समुद्र तक फैला हुआ था। तभी उसने सैमी फ्रैंकलिन को देखा, जो सफेद टेनिस के कपड़े पहने, रैकेट बगल में दबाए, अपनी माँ की ओर मुस्कुराते हुए बढ़ रहा था। सैमी बड़ा और मोटा था, किसी थके-हारे बॉक्सर जैसा। उसने ब्रूनो को एक और हॉलीवुड अभिनेता की याद दिला दी, जो तीन साल पहले यहाँ आने पर उसकी माँ के आसपास मंडराता था, अलेक्जेंडर फिप्स। उसे उनके नकली नाम क्यों याद थे? उसने सैमी की हँसी सुनी जब उसने अपनी माँ की ओर हाथ बढ़ाया, और ब्रूनो के मन में पुरानी दुश्मनी फिर से जाग उठी और शांत हो गई। धत् तेरे की! उसने तिरस्कार से सैमी के चौड़े फलालैन के पिछले हिस्से से अपनी नज़रें हटाईं और बाएँ से दाएँ की ओर देखा। कुछ पेलिकन एक झाड़ी के ऊपर से धीरे-धीरे उड़े और घास पर बैठ गए। दूर हल्के पानी पर उसने एक नाव देखी। तीन साल पहले उसने अपनी दादी से एक नौका खरीदने की गुहार लगाई थी, और अब जब उनके पास एक नौका है, तो उसे कभी भी उसका उपयोग करने का मन नहीं करता।

घर के हल्के भूरे रंग के प्लास्टर वाले कोने में टेनिस की गेंदें इधर-उधर लुढ़क रही थीं। नीचे से घंटियों की आवाज़ आई, और ब्रूनो अपने कमरे में वापस चला गया ताकि उसे समय का पता न चले। उसे दिन में जितना हो सके देर से, गलती से घड़ी देखना अच्छा लगता था, और यह देखना कि समय उसके अनुमान से ज़्यादा हो गया है। उसने सोचा कि अगर दोपहर की डाक में गाय का कोई पत्र नहीं आया, तो वह सैन फ्रांसिस्को के लिए ट्रेन पकड़ सकता है। दूसरी ओर, सैन फ्रांसिस्को की उसकी आखिरी याद सुखद नहीं थी। विल्सन कुछ इतालवी लोगों को होटल में लाया था, और ब्रूनो ने सभी के लिए खाना और राई व्हिस्की की कई बोतलें खरीदी थीं। उन्होंने उसके टेलीफोन से शिकागो में फोन किया था। होटल ने मेटकाफ को दो कॉल दर्ज किए थे, और उसे दूसरा कॉल बिल्कुल याद नहीं था। और आखिरी दिन, बिल में उसके बीस डॉलर कम पड़ गए थे। उसका कोई चेकिंग अकाउंट नहीं था,

इसलिए शहर के सबसे अच्छे होटल ने उसका सूटकेस तब तक अपने पास रखा जब तक उसकी माँ ने पैसे नहीं भेज दिए। नहीं, वह सैन फ्रांसिस्को वापस नहीं जाएगा।

“चार्ली?” उसकी दादी की ऊँची, मधुर आवाज ने पुकारा।

उसने दरवाजे का घुमावदार हैंडल हिलते हुए देखा, बिस्तर पर पड़े कतरनों को उठाने के लिए अनायास ही झपटा, फिर वापस बाथरूम की ओर मुड़ गया। उसने मुँह में टूथपेस्ट पाउडर डाला। उसकी दादी को शराब की गंध ऐसी आ रही थी जैसे क्लोंडाइक में सूखी खट्टी रोटी की।

“क्या तुम मेरे साथ नाश्ता करने के लिए तैयार नहीं हो?” उसकी दादी ने पूछा।

वह अपने बाल संवारते हुए बाहर आया। "वाह, तुम तो पूरी तरह सजी-धजी हो!" उसने फैशन मॉडल की तरह अपने छोटे, लड़खड़ाते शरीर को उसके सामने घुमाया और ब्रूनो मुस्कुराया। उसे गुलाबी साटन से सजी काली लेस वाली ड्रेस बहुत पसंद आई। "देखो, बाहर किसी बालकनी जैसी लग रही है।"

“धन्यवाद, चार्ली। मैं सुबह के उत्तरार्ध में शहर जा रहा हूँ। मैंने सोचा कि शायद आप मेरे साथ आना चाहेंगे।”

“हो सकता है। हाँ, मुझे अच्छा लगेगा, दादी,” उसने सौम्य भाव से कहा।

“तो मेरे अखबार की कतरनें तुम ही काट रहे थे! मुझे लगा कोई नौकर होगा। लगता है आजकल तुम बहुत जल्दी उठते हो।”

“हां,” ब्रूनो ने सहमति जताते हुए कहा।

“जब मैं छोटी थी, तो हम अखबारों से कविताएँ निकालकर अपनी स्क्रैपबुक में लगाते थे। हम हर चीज़ से स्क्रैपबुक बनाते थे। तुम इनका क्या करोगे?”

"अरे, इन्हें अपने पास ही रखो।"

"क्या आप स्क्रैपबुक नहीं बनाते?"

"नहीं।" वह उसकी ओर देख रही थी, और ब्रूनो चाहता था कि वह अखबार की कतरनों को देखे।

“अरे, तुम तो अभी छोटे बच्चे हो!” उसने उसके गालों को चुटकी से दबाया। “अभी तो तुम्हारी ठुड्डी पर बाल भी नहीं आए हैं! मुझे समझ नहीं आता तुम्हारी माँ तुम्हारे बारे में इतनी चिंतित क्यों है—”

उसे कोई चिंता नहीं है।

“—जब आपको बस परिपक्व होने के लिए समय चाहिए। मेरे साथ नाश्ते पर आ जाओ। हाँ, पजामा पहने हुए ही।”

ब्रूनो ने सीढ़ियों पर उसे अपना हाथ दिया।

“मुझे बस थोड़ी-बहुत खरीदारी करनी है,” उसकी दादी ने कॉफी डालते हुए कहा, “और फिर मैंने सोचा कि हम कुछ अच्छा करेंगे। शायद कोई अच्छी फिल्म देखेंगे—जिसमें हत्या हो—या शायद मनोरंजन पार्क। मैं तो सालों से मनोरंजन पार्क नहीं गई हूँ!”

ब्रूनो की आंखें जितनी चौड़ी हो सकती थीं, उतनी चौड़ी हो गईं।

“आप कौन सी फिल्म देखना चाहेंगे? ठीक है, हम वहां पहुंचकर फिल्मों पर नजर डाल लेंगे।”

"दादी, मुझे मनोरंजन पार्क जाना अच्छा लगेगा।"

ब्रूनो ने दिन का खूब आनंद लिया, दादी को कार में चढ़ने-उतरने में मदद की, उन्हें मनोरंजन पार्क में घुमाया, हालाँकि दादी के लिए खाने-पीने की ज़्यादा जगह नहीं बची थी। लेकिन उन्होंने साथ में फेरिस व्हील की सवारी की। ब्रूनो ने दादी को मेटकाफ के बड़े फेरिस व्हील के बारे में बताया, लेकिन दादी ने उनसे यह नहीं पूछा कि वे वहाँ कब गए थे।

जब वे घर लौटे तो सैमी फ्रैंकलिन अभी भी घर पर ही था और रात के खाने के लिए रुका हुआ था। उसे देखते ही ब्रूनो की भौंहें तन गईं। वह जानता था कि उसकी दादी सैमी की उतनी ही परवाह नहीं करती थीं जितनी वह खुद करता था, और ब्रूनो को अचानक उनके लिए बहुत स्नेह महसूस हुआ, क्योंकि उन्होंने सैमी को बिना किसी शिकायत के स्वीकार कर लिया था, उसकी माँ द्वारा लाए गए किसी भी पालतू जानवर को अपना लिया था। वह और उसकी माँ दिन भर क्या कर रहे थे? उन्होंने बताया कि वे एक फिल्म देखने गए थे, सैमी की पसंदीदा फिल्म। और ऊपर उसके कमरे में उसके लिए एक पत्र भी था।

ब्रूनो दौड़कर ऊपर गया। चिट्ठी फ्लोरिडा से आई थी। उसने दस बार हैंगओवर होने के कारण कांपते हाथों से उसे फाड़कर खोला। उसे कभी किसी चिट्ठी की

इतनी तीव्र इच्छा नहीं हुई थी, यहाँ तक कि कैंप में भी नहीं, जब वह अपनी माँ की चिट्ठियों का इंतज़ार करता था।

6 सितंबर

प्रिय चार्ल्स,

मुझे आपका संदेश समझ नहीं आया, और न ही मुझमें आपकी इतनी दिलचस्पी। मैं आपको थोड़ा-बहुत जानती हूँ, लेकिन इतना ज़रूर कि मुझे यकीन हो गया है कि हमारे बीच ऐसी कोई समानता नहीं है जिस पर दोस्ती कायम हो सके। क्या मैं आपसे अनुरोध कर सकती हूँ कि कृपया मेरी माँ को दोबारा फ़ोन न करें या मुझसे संपर्क न करें?

किताब लौटाने की कोशिश करने के लिए धन्यवाद। इसका खो जाना कोई मायने नहीं रखता।

गाय हेन्स

ब्रूनो ने उसे पास लाकर दोबारा पढ़ा, उसकी आँखें अविश्वास से इधर-उधर के शब्दों पर ठहर रही थीं। उसकी नुकीली जीभ उसके ऊपरी होंठ पर फैली, फिर अचानक गायब हो गई। उसे ऐसा लगा जैसे उसका सब कुछ छिन गया हो। यह शोक या मृत्यु जैसा एहसास था। उससे भी बुरा! उसने अपने कमरे में चारों ओर नज़र घुमाई, उसे फर्नीचर से नफ़रत हो रही थी, अपनी हर चीज़ से नफ़रत हो रही थी। फिर दर्द उसके सीने में केंद्रित हो गया, और अनायास ही वह रोने लगा।

रात के खाने के बाद, सैमी फ्रैंकलिन और ब्रूनो के बीच वर्माउथ को लेकर बहस शुरू हो गई। सैमी ने कहा कि वर्माउथ जितना सूखा होगा, मार्टिनी में उतना ही ज़्यादा डालना पड़ेगा, हालाँकि उसने माना कि वह मार्टिनी नहीं पीता। ब्रूनो ने कहा कि वह भी मार्टिनी नहीं पीता, लेकिन उसे यह बात पता थी। बहस तब भी जारी रही जब उसकी दादी ने शुभ रात्रि कहकर उन्हें छोड़ दिया। वे अंधेरे में ऊपर की छत पर थे, उसकी माँ झूले पर बैठी थी और वह और सैमी मुंडेर के पास खड़े थे। ब्रूनो अपनी बात साबित करने के लिए सामग्री लेने बार की तरफ भागा। दोनों ने मार्टिनी बनाई और चखी, और हालाँकि यह साफ़ था कि ब्रूनो सही था, सैमी अपनी बात पर

अड़ा रहा और हँसता रहा जैसे कि उसने जो कहा उसका मतलब पूरी तरह से वही नहीं था, जो ब्रूनो को असहनीय लगा।

"न्यूयॉर्क जाओ और कुछ सीखो!" ब्रूनो चिल्लाया। उसकी माँ अभी-अभी छत से निकली थी।

"तुम्हें पता कैसे है कि तुम क्या बोल रहे हो?" सैमी ने पलटकर जवाब दिया। चांदनी में उसका मोटा, मुस्कुराता हुआ चेहरा गोरगोंजोला चीज़ की तरह नीला-हरा और पीला दिख रहा था। "तुम दिन भर नशे में रहते हो। तुम—"

ब्रूनो ने सैमी को कमीज़ के सामने से पकड़ा और उसे दीवार के ऊपर से पीछे की ओर झुका दिया। सैमी के पैर टाइलों पर ज़ोर से घिसटते हुए गिरे। उसकी कमीज़ फट गई। जब वह करवट बदलते हुए सुरक्षित स्थान पर पहुँचा, तो उसके चेहरे का नीला रंग गायब हो चुका था और वह एक बेजान पीले-सफेद रंग का हो गया था।

"तुम्हें क्या हो गया है?" वह चिल्लाया। "तुम मुझे धक्का देकर गिरा देते, है ना?"

"नहीं, मैं ऐसा नहीं करूँगा!" ब्रूनो सैमी से भी ज़्यादा ज़ोर से चीखा। अचानक उसकी साँस फूलने लगी, जैसे सुबह के समय होती है। उसने अपने अकड़े हुए, पसीने से भीगे हाथों को चेहरे से नीचे उतारा। उसने एक हत्या की थी, है ना? उसे दूसरी क्यों करनी चाहिए? लेकिन उसने सैमी को ठीक नीचे लोहे की बाड़ के डंडों पर तड़पते देखा था, और वह उसे वहीं चाहता था। उसने सैमी को एक हाईबॉल को तेज़ी से हिलाते हुए सुना। ब्रूनो लड़खड़ाते हुए फ्रेंच खिड़की की दहलीज पार करके घर में घुस गया।

"और बाहर रहो!" सैमी ने उसके पीछे चिल्लाते हुए कहा।

सैमी की कांपती हुई आवाज़ में उमड़ते जुनून ने ब्रूनो के मन में भय की लहर दौड़ा दी। हॉल में अपनी माँ के पास से गुज़रते हुए ब्रूनो ने कुछ नहीं कहा। नीचे जाते हुए, उसने दोनों हाथों से रेलिंग को कसकर पकड़ लिया, अपने सिर में चल रहे तेज़ दर्द और असहनीय उलझन को कोसते हुए, सैमी के साथ पी गई मार्टिनी को कोसते हुए। वह लड़खड़ाते हुए बैठक कक्ष में पहुँचा।

"चार्ली, तुमने सैमी के साथ क्या किया?" उसकी माँ उसके पीछे-पीछे अंदर आ गई थी।

“अरे, मैंने सैमी के साथ क्या किया!” ब्रूनो ने अपना हाथ उसकी धुंधली आकृति की ओर बढ़ाया और उछलते हुए सोफे पर बैठ गया।

“चार्ली—वापस आओ और माफी मांगो।” उसकी शाम की पोशाक का सफेद धुंधलापन करीब आया, एक भूरी बांह उसकी ओर बढ़ी हुई थी।

“क्या तुम उस लड़के के साथ सो रही हो? क्या तुम उस लड़के के साथ सो रही हो?” उसे पता था कि सोफे पर लेटते ही वह गहरी नींद में सो जाएगा, इसलिए वह लेट गया और उसे उसकी बांह का ज़रा भी एहसास नहीं हुआ।

अठारह

गाय के न्यूयॉर्क लौटने के बाद के एक महीने में, उसकी बेचैनी, खुद से, अपने काम से, ऐनी से उसकी असंतुष्टि धीरे-धीरे ब्रूनो पर केंद्रित हो गई। ब्रूनो ही वह कारण था जिसके चलते अब उसे पल्मायरा की तस्वीरें देखना भी नापसंद था, ब्रूनो ही उसकी उस चिंता का असली कारण था जिसके लिए उसने पाम बीच से लौटने के बाद से काम न मिलने को ज़िम्मेदार ठहराया था। ब्रूनो ही वह कारण था जिसके चलते उसने पिछली शाम ऐनी से इस बात पर बेमतलब बहस की थी कि उसने बेहतर दफ्तर क्यों नहीं लिया, इस दफ्तर के लिए नया फर्नीचर और कालीन क्यों नहीं खरीदा। ब्रूनो ही वह कारण था जिसके चलते उसने ऐनी से कहा कि वह खुद को सफल नहीं मानता, पल्मायरा का उसके लिए कोई महत्व नहीं है। ब्रूनो ही वह कारण था जिसके चलते ऐनी उस शाम चुपचाप उससे मुंह मोड़कर बाहर चली गई, जिसने उसे लिफ्ट का दरवाजा बंद होने तक इंतजार करवाया, फिर वह आठ सीढ़ियाँ दौड़कर नीचे आया और उससे माफ़ी माँगी।

और कौन जानता था? शायद ब्रूनो ही उसे अब नौकरी मिलने से रोक रहा था। किसी इमारत का निर्माण करना एक आध्यात्मिक कार्य था। जब तक वह ब्रूनो के अपराध के बारे में जानता रहा, तब तक वह एक तरह से खुद को भ्रष्ट करता रहा। उसे ऐसा महसूस होता था कि यह बात उसके भीतर झलक रही है। उसने जानबूझकर ब्रूनो को पुलिस के हवाले करने का फैसला कर लिया था। लेकिन जैसे-जैसे हफ्ते बीतते गए और पुलिस ने उसे पकड़ा नहीं, उसे खुद कार्रवाई करने की बेचैनी सताने लगी। उसे रोकने वाली चीज़ें थीं: एक तो किसी व्यक्ति पर हत्या का आरोप लगाने से हिचक और दूसरा यह बेबुनियाद लेकिन लगातार बना रहने वाला

संदेह कि ब्रूनो शायद दोषी न हो। ब्रूनो ने अपराध किया है, यह बात कभी-कभी उसे इतनी अविश्वसनीय लगती थी कि उसका सारा पिछला विश्वास क्षण भर के लिए मिट जाता था। कभी-कभी उसे लगता था कि अगर ब्रूनो ने उसे लिखित कबूलनामा भी भेजा होता, तब भी उसे शक होता। फिर भी, उसे खुद मानना पड़ा कि उसे यकीन था कि ब्रूनो ने ही यह किया है। हफ्तों बीतने के बाद भी पुलिस को कोई ठोस सुराग नहीं मिला, जिससे यह बात और पुख्ता होती दिख रही थी। जैसा कि ब्रूनो ने कहा था, बिना किसी मकसद के पुलिस को सुराग कैसे मिल सकता है? सितंबर में ब्रूनो को लिखे उनके पत्र ने उन्हें पूरी शरद ऋतु चुप करा दिया था, लेकिन फ्लोरिडा छोड़ने से ठीक पहले, ब्रूनो का एक गंभीर संदेश आया जिसमें उन्होंने कहा कि वे दिसंबर में न्यूयॉर्क लौटेंगे और उनसे बात करने की उम्मीद जताएंगे। गाय ने ठान लिया था कि वे ब्रूनो से कोई वास्ता नहीं रखेंगे।

फिर भी वह हर बात को लेकर परेशान रहता था, लेकिन सबसे ज़्यादा अपने काम को लेकर। ऐन ने उसे धैर्य रखने को कहा। ऐन ने उसे याद दिलाया कि वह फ्लोरिडा में पहले ही अपनी काबिलियत साबित कर चुका है। पहले से कहीं ज़्यादा उसने उसे वह स्नेह और दिलासा दिया जिसकी उसे बहुत ज़रूरत थी, फिर भी उसने पाया कि अपने सबसे बुरे और ज़िद्दी पलों में वह इसे हमेशा स्वीकार नहीं कर पाता था।

दिसंबर के मध्य में एक सुबह, जब गाय कनेक्टिकट स्थित घर के अपने रेखाचित्रों का अध्ययन करते हुए निष्क्रिय रूप से बैठे थे, तभी टेलीफोन की घंटी बजी।

“हेलो, गाइ। मैं चार्ली हूँ।”

गाय ने आवाज पहचान ली, और लड़ाई के लिए उसकी मांसपेशियां तनने लगीं।

लेकिन मायर्स कमरे के दूसरी तरफ से कुछ ही दूरी पर मौजूद थे और उनकी आवाजें सुनाई दे रही थीं।

“आप कैसे हैं?” ब्रूनो ने मुस्कुराते हुए गर्मजोशी से पूछा। “क्रिसमस की शुभकामनाएं।”

धीरे-धीरे गाय ने टेलीफोन को वापस उसके स्टैंड में रख दिया।

उसने मायर्स की ओर देखा, जो वास्तुकार था और जिसके साथ वह बड़ा एक कमरे का दफ्तर साझा करता था। मायर्स अभी भी अपने ड्राइंग बोर्ड पर झुका हुआ था। हरे रंग के खिड़की के पर्दे के नीचे, कबूतर अभी भी उस अनाज को चुग रहे थे जिसे उसने और मायर्स ने कुछ क्षण पहले खिड़की की चौखट पर बिखेरा था।

टेलीफोन की घंटी फिर बजी।

“मैं तुमसे मिलना चाहूंगा, गाइ,” ब्रूनो ने कहा।

वह आदमी खड़ा हो गया। "माफ़ कीजिए। मुझे आपसे मिलने में कोई दिलचस्पी नहीं है।"

“क्या बात है?” ब्रूनो ने थोड़ी सी हंसी हंसते हुए पूछा। “क्या तुम घबराए हुए हो, गाइ?”

मुझे तुमसे मिलने में कोई दिलचस्पी नहीं है।

“ओह। ठीक है,” ब्रूनो ने दुख से भरी आवाज में कहा।

गाय ने पहले पीछे न हटने का दृढ़ निश्चय करके इंतजार किया, और अंततः ब्रूनो ने फोन काट दिया।

गाय का गला सूख रहा था, इसलिए वह कमरे के कोने में लगे पानी के फव्वारे के पास गया। फव्वारे के पीछे, लगभग पूरी हो चुकी पल्मायरा की चार इमारतों की बड़ी हवाई तस्वीर पर सूरज की रोशनी तिरछी पड़ रही थी। उसने तस्वीर की तरफ पीठ कर ली। ऐनी उसे याद दिलाती कि उसे शिकागो में अपने पुराने स्कूल में भाषण देने के लिए कहा गया था। उसे एक मशहूर आर्किटेक्चर पत्रिका के लिए एक लेख भी लिखना था। लेकिन जहाँ तक कामों की बात थी, पल्मायरा क्लब में शामिल होना मानो उसके बहिष्कार की सार्वजनिक घोषणा थी। और क्यों नहीं? क्या वह पल्मायरा का ब्रूनो का ऋणी नहीं था? या कम से कम एक हत्यारे का?

कुछ दिनों बाद, एक बर्फीली शाम को, जब गाय और ऐनी वेस्ट फिफ्टी-थर्ड स्ट्रीट स्थित अपने अपार्टमेंट की भूरे रंग की पत्थर की सीढ़ियों से नीचे उतर रहे थे, तो उन्होंने फुटपाथ पर खड़े एक लंबे, नंगे सिर वाले व्यक्ति को उनकी ओर घूरते हुए देखा। डर की एक लहर उनके कंधों तक दौड़ गई, और अनायास ही उनका हाथ ऐनी की बांह पर कस गया।

“हैलो,” ब्रूनो ने उदासी से भरी कोमल आवाज़ में कहा। शाम के धुंधलके में उसका चेहरा मुश्किल से दिखाई दे रहा था।

“हैलो,” गाय ने एक अजनबी की तरह जवाब दिया और आगे बढ़ गया।

"लड़का!"

गाइ और ऐनी एक ही समय पर मुड़े। ब्रूनो अपने ओवरकोट की जेबों में हाथ डाले उनकी ओर आया।

“यह क्या है?” गाय ने पूछा।

“बस हालचाल पूछने आया था। तुम्हारा हालचाल जानना चाहता था।” ब्रूनो ने ऐनी को कुछ उलझन भरी, मुस्कुराती हुई नाराजगी भरी निगाहों से देखा।

“मैं ठीक हूँ,” गाय ने धीमी आवाज़ में कहा। वह मुँह फेरकर चला गया और ऐन को भी अपने साथ खींच ले गया।

“वह कौन है?” ऐनी ने फुसफुसाते हुए पूछा।

गाइ पीछे मुड़कर देखने के लिए बेचैन था। उसे पता था कि ब्रूनो वहीं खड़ा होगा जहाँ उन्होंने उसे छोड़ा था, जानता था कि वह उनकी देखभाल कर रहा होगा, शायद रो रहा होगा। "वह एक ऐसा आदमी है जो पिछले हफ्ते काम की तलाश में आया था।"

“तुम उसके लिए कुछ नहीं कर सकते?”

नहीं। वह शराबी है।

गाइ ने जानबूझकर अपने घर के बारे में बात करना शुरू किया, क्योंकि वह जानता था कि अब उसके पास बात करने के लिए और कुछ नहीं बचा था जिससे वह सामान्य लग सके। उसने ज़मीन खरीद ली थी और नींव रखी जा रही थी। नए साल के बाद, वह ऑल्टन जाने वाला था और कई दिनों तक वहीं रहने वाला था। फिल्म देखते समय, वह सोच रहा था कि वह ब्रूनो को कैसे अपने से दूर कर सकता है, उसे इतना डरा सकता है कि वह उससे संपर्क करने से डर जाए।

ब्रूनो उससे क्या चाहता था? गाय फिल्म देखते हुए मुट्ठी भींचकर बैठा रहा। अगली बार वह ब्रूनो को पुलिस जांच की धमकी देगा। और वह ऐसा करके दिखाएगा भी। किसी व्यक्ति की जांच का सुझाव देने में भला क्या बड़ी बात थी?

लेकिन ब्रूनो उससे क्या चाहता था?

उन्नीस

ब्रूनो हैती जाना नहीं चाहता था, लेकिन वहाँ उसे राहत मिल रही थी। न्यूयॉर्क, फ्लोरिडा या अमेरिकी महाद्वीप में कहीं भी रहना उसके लिए यातना जैसा था, जब तक गाय वहाँ मौजूद था और उससे मिलना नहीं चाहता था। अपने दर्द और उदासी को भुलाने के लिए उसने ग्रेट नेक स्थित अपने घर में खूब शराब पी थी, और खुद को व्यस्त रखने के लिए उसने घर और ज़मीन को नाप-नाप कर नापा था, अपने पिता के कमरे को दर्जी के टेप से नापा था, लगातार झुककर, बार-बार नापता और फिर से नापता रहा, मानो कोई अथक मशीन हो जो कभी-कभार ही अपने रास्ते से थोड़ी सी भटकती हो, जिससे पता चलता था कि वह नशे में है, पागल नहीं। इस तरह गाय से मिलने के बाद उसने दस दिन अपनी माँ और उसकी सहेली एलिस लेफिंगवेल के हैती जाने की तैयारी करने का इंतज़ार करते हुए बिताए।

ऐसे क्षण भी थे जब उसे लगता था कि उसका पूरा अस्तित्व किसी रहस्यमय परिवर्तन की अवस्था से गुजर रहा है। एक वह कर्म था जो उसने किया था, और घर में, अपने कमरे में अकेले बिताए पलों में, वह उसे अपने सिर पर ताज की तरह महसूस करता था, लेकिन एक ऐसा ताज जिसे कोई और नहीं देख सकता था। वह बहुत आसानी से और जल्दी से रो पड़ता था। एक बार दोपहर के भोजन में उसे कैवियार सैंडविच खाने की इच्छा हुई थी, क्योंकि वह सबसे बढ़िया, बड़े काले कैवियार का हकदार था, और जब घर में केवल लाल कैवियार था, तो उसने हर्बर्ट को बाहर जाकर काला कैवियार लाने को कहा था। उसने टोस्ट किए हुए सैंडविच का एक चौथाई हिस्सा खाया, साथ में स्कॉच और पानी पिया, फिर टोस्ट की हुई ब्रेड के उस त्रिकोण को घूरते-घूरते लगभग सो गया जो अंततः एक कोने से उठने लगा था। वह उसे तब तक घूरता रहा जब तक कि वह सैंडविच नहीं रह गया, उसके पेय वाला गिलास भी गिलास नहीं रह गया, और उसमें मौजूद सुनहरा तरल ही उसका एकमात्र हिस्सा रह गया, और उसने उसे पूरा पी लिया। खाली गिलास और मुड़ा हुआ टोस्ट ऐसी जीवित चीजें थीं जो उसका मजाक उड़ा रही थीं और उन्हें इस्तेमाल करने के उसके अधिकार को चुनौती दे रही थीं। तभी एक कसाई का ट्रक घर के सामने से निकल गया और ब्रूनो उसे देखकर भौंहें चढ़ा बैठा, क्योंकि सब कुछ अचानक जीवंत हो उठा था और उससे बचने के लिए भाग रहा था

—ट्रक, सैंडविच, और कांच, वे पेड़ जो भाग तो नहीं सकते थे लेकिन तिरस्कारपूर्ण थे, ठीक उसी घर की तरह जिसमें वह कैद था। उसने एक साथ दोनों मुट्ठियों से दीवार पर वार किया, फिर सैंडविच को पकड़ा और उसके उद्दंड त्रिकोणीय मुंह को तोड़कर उसे खाली अंगीठी में टुकड़ों-टुकड़ों में जला दिया, कैवियार के टुकड़े छोटे-छोटे लोगों की तरह फूट रहे थे, मर रहे थे, हर एक टुकड़ा एक जीवन था।

एलिस लेफिंगवेल, उसकी माँ और वह, और दो प्यूर्टो रिकान सहित चार लोगों का दल जनवरी के मध्य में स्टीम यॉट 'फेयरी प्रिंस' पर हैती के लिए रवाना हुआ। एलिस ने इस यॉट को अपने पूर्व पति से पूरी शरद ऋतु और सर्दी भर में छीना था। यह यात्रा उसके तीसरे तलाक का जश्न थी, और उसने ब्रूनो और उसकी माँ को महीनों पहले आमंत्रित किया था। यात्रा को लेकर ब्रूनो इतना उत्साहित था कि उसने शुरुआती दिनों में उदासीनता और ऊब का दिखावा किया। किसी ने ध्यान नहीं दिया। एलिस और उसकी माँ केबिन में पूरी दोपहर और शामें बातें करती रहती थीं, और सुबह सोती थीं। एलिस जैसी बुढ़िया के साथ एक महीने तक जहाज पर बंद रहने जैसी नीरस बात पर अपनी खुशी को सही ठहराने के लिए, ब्रूनो ने खुद को यकीन दिलाया कि वह पुलिस से बचने के लिए काफी तनाव में था, और उसे अपने पिता से छुटकारा पाने के तरीकों के बारे में सोचने के लिए कुछ समय चाहिए था। उसने यह भी सोचा कि जितना अधिक समय बीतता जाएगा, गाय का रवैया बदलने की संभावना उतनी ही अधिक होगी।

जहाज पर सवार होकर, उसने अपने पिता की हत्या की दो-तीन मुख्य योजनाओं का विस्तृत वर्णन किया, जिनके आधार पर जागीर में बनाई गई अन्य योजनाएँ मात्र ही भिन्न रूप थीं। उसे अपनी योजनाओं पर बहुत गर्व था—एक योजना में पिता के शयनकक्ष में बंदूक से, दूसरी में चाकू से और भागने के दो विकल्पों के साथ, और तीसरी में गैरेज में, जहाँ उसके पिता हर शाम 6:30 बजे अपनी कार खड़ी करते थे, बंदूक, चाकू या गला घोंटकर हत्या करने की योजना थी। अंतिम योजना की एक कमी यह थी कि उसमें अंधेरा नहीं था, लेकिन इसकी तुलनात्मक सरलता इसकी भरपाई थी। उसे अपनी योजनाओं के क्रियान्वयन की कुशल क्लिक-क्लिक की आवाज लगभग सुनाई दे रही थी। फिर भी, जब भी वह कोई सावधानीपूर्वक बनाया गया चित्र पूरा करता, तो सुरक्षा के लिए उसे फाड़ना अनिवार्य लगता था। वह

लगातार चित्र बनाता और फाड़ता रहता था। बार हार्बर से लेकर वर्जिन द्वीप समूह के सबसे दक्षिणी छोर तक का समुद्र उसकी योजनाओं के उपविभाजित बीजों से भरा हुआ था, जब परी राजकुमार केप मैसी से पोर्ट-औ-प्रिंस की ओर बढ़ा।

"मेरे राजकुमार के लिए एक शाही बंदरगाह!" एलिस ने उसकी माँ के साथ बातचीत के दौरान अपने मन को शांत करते हुए कहा।

उनके पास ही कोने में, छाँव में, ब्रूनो ने जिस कागज़ पर वह चित्र बना रहा था, उसे टटोला और अपना सिर ऊपर उठाया। क्षितिज के बाईं ओर, एक धुंधली धूसर रेखा में ज़मीन दिखाई दे रही थी। हैती। उसे देखकर वह पहले से कहीं ज़्यादा दूर और अनजान लग रहा था। वह गाय से और दूर होता जा रहा था। उसने खुद को डेक की कुर्सी से उठाया और बंदरगाह की रेलिंग के पास चला गया। आगे बढ़ने से पहले वे हैती में कई दिन बिताएंगे, और फिर दक्षिण की ओर बढ़ेंगे। ब्रूनो एकदम स्थिर खड़ा रहा, अंदर ही अंदर उसे निराशा सता रही थी, ठीक वैसे ही जैसे अब उष्णकटिबंधीय सूरज उसकी टांगों के पीले पिछले हिस्से पर उसे सता रहा था। अचानक, उसने योजना के पन्ने फाड़ दिए और उन्हें अपने हाथों से हवा में उछाल दिया। हवा अजीब तरह से उन टुकड़ों को आगे ले गई।

योजनाओं के साथ-साथ सबसे ज़रूरी काम था इस काम के लिए किसी को ढूंढना। उसने सोचा था कि वह खुद ही कर लेगा, अगर उसके पिता का निजी जासूस जेरार्ड उसे पकड़ न लेता, चाहे वह कितनी भी सावधानी से योजना बनाए। इसके अलावा, वह अपनी बिना किसी मकसद वाली योजना को फिर से आजमाना चाहता था। मैट लेविन या कार्लोस—मुश्किल ये थी कि वह उन्हें जानता था। और यह जाने बिना बातचीत करने की कोशिश करना खतरनाक था कि वह व्यक्ति मानेगा या नहीं। ब्रूनो ने मैट को कई बार देखा था, लेकिन इस बारे में उससे बात नहीं कर पाया था।

पोर्ट-औ-प्रिंस में कुछ ऐसा घटित हुआ जिसे ब्रूनो कभी नहीं भूल पाएगा। दूसरे दिन दोपहर को जहाज पर वापस आते समय वह गैंगप्लैंक से गिर गया।

उमस भरी गर्मी ने उसे बेसुध कर दिया था और रम ने हालत और बिगाड़ दी थी, उसे और ज़्यादा गर्मी लग रही थी। वह होटल ला सिटाडेल से जहाज़ पर अपनी माँ के शाम के जूते लेने जा रहा था, तभी वह तट के पास एक बार में बर्फ़ के साथ

स्कॉच पीने के लिए रुका। दल के प्यूर्टो रिकोवासियों में से एक, जिसे ब्रूनो ने पहली नज़र में ही नापसंद किया था, बार में था और बुरी तरह नशे में धुत था, ऐसे दहाड़ रहा था जैसे वह शहर, परी राजकुमार और पूरे लैटिन अमेरिका का मालिक हो। उसने ब्रूनो को "सफेद आवारा" और न जाने क्या-क्या कहा, जो ब्रूनो को समझ नहीं आया, लेकिन जिससे सब लोग हंसने लगे। ब्रूनो गरिमा के साथ बार से निकला, इतना थका हुआ और परेशान था कि लड़ने की हिम्मत नहीं थी, लेकिन उसने ठान लिया था कि वह एलिस को इसकी सूचना देगा और उस प्यूर्टो रिकोवासी को नौकरी से निकलवाकर ब्लैकलिस्ट करवा देगा। जहाज़ से एक ब्लॉक दूर, वह प्यूर्टो रिकोवासी उसके पास पहुंचा और बातें करता रहा। फिर, गैंगप्लैंक पार करते समय, ब्रूनो रस्सी से टकराया और गंदे पानी में गिर गया। वह यह नहीं कह सकता था कि प्यूर्टो रिकान ने उसे धक्का दिया था, क्योंकि उसने ऐसा नहीं किया था। प्यूर्टो रिकान और एक अन्य नाविक, जो हंस रहे थे, ने उसे पानी से बाहर निकाला और घसीटकर उसके बिस्तर पर ले गए। ब्रूनो बिस्तर से नीचे उतरा और अपनी रम की बोतल ले आया। उसने थोड़ी सी रम सीधे पी ली, फिर बिस्तर पर लेट गया और अपने गीले अंडरवियर में ही सो गया।

बाद में, उसकी माँ और एलिस अंदर आईं और उसे हिलाकर जगाया।

“क्या हुआ?” वे हंसते-हंसते बार-बार पूछ रहे थे, “क्या हुआ, चार्ली?” वे इतना हंस रहे थे कि मुश्किल से बोल पा रहे थे। “क्या हुआ, चार्ली?”

उनकी आकृतियाँ धुंधली थीं, लेकिन उनकी हँसी तीखी थी। एलिस की उंगलियाँ उसके कंधे पर थीं, जिससे वह पीछे हट गया। वह बोल नहीं पा रहा था, लेकिन वह जानता था कि वह क्या कहना चाहता है। अगर उनके पास गाय का कोई संदेश नहीं था, तो वे उसके कमरे में क्या कर रहे थे?

“क्या? कौन सा आदमी?” उसकी माँ ने पूछा।

“चले जाओ!” उसने चिल्लाकर कहा, और उसका मतलब उन दोनों से था।

“ओह, वो तो गया काम से,” उसकी माँ ने बड़े दुख से कहा, मानो वो अस्पताल में भर्ती हो और लगभग मर चुका हो। “बेचारा बच्चा। बेचारा, बेचारा बच्चा।”

ब्रूनो ने ठंडे गीले कपड़े से बचने के लिए अपना सिर इधर-उधर झटका। वह उन दोनों से नफरत करता था और गाइ से भी! उसने गाइ के लिए हत्याएं की थीं, पुलिस

से बच निकला था, चुप रहने को कहा था तो चुप रहा था, बदबूदार पानी में भी गिरा था, और गाइ उसे देखना तक नहीं चाहता था! गाइ अपना सारा समय एक लड़की के साथ बिताता था! गाइ डरा हुआ या दुखी नहीं था, बस उसके पास ब्रूनो के लिए समय नहीं था! उसने तीन बार उसे गाइ के न्यूयॉर्क वाले घर के आसपास देखा था! अगर वह यहाँ होती, तो वह उसे भी वैसे ही मार डालता जैसे उसने मिरियम को मारा था!

“चार्ली, चार्ली, चुप रहो!”

गाइ दोबारा शादी कर लेगा और उसके पास उसके लिए कभी समय नहीं होगा। अब देखो उसे कितनी सहानुभूति मिलेगी जब इस लड़की ने उसे बेवकूफ बनाया! वह उससे मैक्सिको में मिल रहा था, सिर्फ दोस्तों से मिलने नहीं गया था। इसीलिए तो वह मिरियम को रास्ते से हटाना चाहता था! और उसने ट्रेन में ऐनी फॉल्कनर का ज़िक्र तक नहीं किया! गाइ ने उसका इस्तेमाल किया था। शायद गाइ अपने पिता को मार डालेगा, चाहे उसे पसंद हो या न हो। कोई भी हत्या कर सकता है। गाइ को इस बात पर यकीन नहीं था, ब्रूनो को याद आया।

बीस

“मेरे साथ एक ड्रिंक लो,” ब्रूनो ने कहा। वह अचानक फुटपाथ के बीचोंबीच प्रकट हो गया था।

मुझे तुमसे मिलने में कोई दिलचस्पी नहीं है। मैं कोई सवाल नहीं पूछ रहा हूँ। मुझे तुमसे मिलने में कोई दिलचस्पी नहीं है।

“मुझे परवाह नहीं कि तुम सवाल पूछो,” ब्रूनो ने फीकी मुस्कान के साथ कहा। उसकी आँखों में सतर्कता थी। “सड़क पार आ जाओ। दस मिनट लगेंगे।”

गाइ ने चारों ओर नज़र घुमाई। गाइ ने सोचा, 'ये रहा वो। पुलिस को बुलाओ। उसे पकड़ो, फुटपाथ पर पटक दो।' लेकिन गाइ वहीं अकड़कर खड़ा रहा। उसने देखा कि ब्रूनो के हाथ उसकी जेबों में ठूंसे हुए थे, मानो उसके पास कोई बंदूक हो।

“दस मिनट,” ब्रूनो ने झिझकती हुई मुस्कान के साथ उसे लुभाते हुए कहा।

गाय को हफ्तों से ब्रूनो से कोई खबर नहीं मिली थी। उसने बर्फ में बिताई उस आखिरी शाम के गुस्से को याद करने की कोशिश की, जब उसने ब्रूनो को पुलिस

के हवाले करने का फैसला किया था। यही निर्णायक क्षण था। गाय उसके साथ गया। वे सिक्स्थ एवेन्यू पर एक बार में गए और पीछे की सीट पर बैठ गए।

ब्रूनो की मुस्कान और चौड़ी हो गई। "गाइ, तुम्हें किस बात का डर है?"

"कोई बात नहीं।"

"क्या तुम खुश हो?"

गाइ अपनी कुर्सी के किनारे पर अकड़कर बैठ गया। उसने सोचा, वह एक हत्यारे के सामने बैठा है। उन्हीं हाथों ने मिरियम का गला दबाया था।

"सुनो, गाइ, तुमने मुझे ऐनी के बारे में क्यों नहीं बताया?"

“ऐनी के बारे में क्या?”

"मैं उसके बारे में जानना चाहता था, बस इतना ही। मेरा मतलब है, ट्रेन में।"

"यह हमारी आखिरी मुलाकात है, ब्रूनो।"

“क्यों? मैं तो बस दोस्त बनना चाहता हूँ, गाइ।”

मैं तुम्हें पुलिस के हवाले करने जा रहा हूँ।

“तुमने मेटकाफ में ऐसा क्यों नहीं किया?” ब्रूनो ने अपनी आँखों में हल्की गुलाबी चमक लिए पूछा, ठीक उसी अंदाज़ में जैसे सिर्फ़ वही पूछ सकता था - भावहीन, उदास, फिर भी विजयी भाव से। अजीब बात यह थी कि गाय को लगा जैसे उसके भीतरी स्वर ने भी उससे यही सवाल पूछा हो।

क्योंकि मुझे पूरी तरह से यकीन नहीं था।

मुझे क्या करना होगा, क्या मुझे लिखित बयान देना होगा?

मैं अब भी आपको जांच के लिए सौंप सकता हूं।

“नहीं, तुम नहीं कर सकते। उनके पास मुझसे ज़्यादा सबूत तुम्हारे बारे में हैं।” ब्रूनो ने कंधे उचका दिए।

तुम किस बारे में बात कर रहे हो?

“आपको क्या लगता है कि उन्हें मेरे खिलाफ क्या सबूत मिलेगा? कुछ नहीं।”

“मैं उन्हें बता सकता हूँ!” वह अचानक गुस्से से भड़क उठा।

“अगर मैं यह कहना चाहूँ कि तुमने इसके लिए मुझे पैसे दिए थे,” ब्रूनो ने आत्म-अभिमान से भौंहें चढ़ाते हुए कहा, “तो सारी बातें एकदम सटीक बैठ जाएँगी!”

मुझे टुकड़ों की परवाह नहीं है।

"हो सकता है कि आप ऐसा न करें, लेकिन कानून ऐसा करता है।"

“कौन से टुकड़े?”

“मिरीम, तुमने जो चिट्ठी लिखी थी,” ब्रूनो ने धीरे से कहा, “नौकरी रद्द करने की बात को छुपाने के लिए तुमने जो कुछ लिखा था। मेक्सिको की वो सुविधाजनक यात्रा।”

"आप पागल हैं!"

“मान लो, गाइ! तुम जो कह रहे हो उसका कोई मतलब नहीं है!” पास में बज रहे ज्यूकबॉक्स के शोर में ब्रूनो की आवाज़ बेकाबू होकर गूंज उठी। उसने अपना हाथ मेज पर गाइ की ओर बढ़ाया और फिर मुट्ठी कस ली। “गाइ, मैं तुम्हें पसंद करता हूँ, कसम से। हमें इस तरह बात नहीं करनी चाहिए!”

गाय टस से मस नहीं हुआ। बेंच का किनारा उसकी टांगों के पिछले हिस्से से टकरा रहा था। "मैं नहीं चाहता कि तुम मुझे पसंद करो।"

“यार, अगर तुमने पुलिस को कुछ भी बताया तो हम दोनों जेल में ही पहुंच जाएंगे। समझ नहीं आ रहा?”

गाय ने इसके बारे में पहले ही सोच लिया था। अगर ब्रूनो अपने झूठ पर अड़ा रहा, तो मुकदमा लंबा चल सकता है, एक ऐसा मामला जिसका फैसला शायद कभी न हो पाए जब तक कि ब्रूनो टूट न जाए, और ब्रूनो टूटने वाला नहीं था। गाय को ब्रूनो की उस सनकी निगाहों में यह साफ दिख रहा था, जिनसे वह अब उसे घूर रहा था। उसे नज़रअंदाज़ करो, गाय ने सोचा। उससे दूर रहो। पुलिस को उसे पकड़ने दो। वह इतना पागल है कि अगर तुमने कोई हरकत की तो वह तुम्हें मार डालेगा।

"गाइ, तुमने मुझे मेटकाफ में इसलिए नहीं पकड़ाया क्योंकि तुम मुझे पसंद करते हो। तुम मुझे एक तरह से पसंद करते हो।"

मुझे तुम बिल्कुल भी पसंद नहीं हो।

"लेकिन आप मुझे पुलिस के हवाले तो नहीं करेंगे, है ना?"

“नहीं,” गाय ने दांत पीसते हुए कहा। ब्रूनो का शांत स्वभाव उसे आश्चर्यचकित कर गया। ब्रूनो उससे बिल्कुल भी नहीं डरता था। “मेरे लिए एक और ड्रिंक मत मंगवाओ। मैं जा रहा हूँ।”

“एक मिनट रुकिए।” ब्रूनो ने अपने बटुए से पैसे निकाले और वेटर को दे दिए।

गाय अनिश्चितता की भावना से जकड़ा हुआ बैठा रहा।

“शानदार सूट है।” ब्रूनो ने मुस्कुराते हुए गाय की छाती की ओर इशारा किया।

उसका नया ग्रे फ्लैनल चॉक-स्ट्राइप सूट। गाय ने सोचा, पल्मायरा से मिले पैसों से खरीदा गया है, ठीक वैसे ही जैसे उसके नए जूते और सीट पर उसके बगल में रखा नया मगरमच्छ की चमड़ी का ब्रीफकेस।

"कहाँ चलना है आपको?"

“डाउनटाउन।” उसे शाम सात बजे फिफ्थ एवेन्यू होटल में एक संभावित ग्राहक के प्रतिनिधि से मिलना था। गाय ने ब्रूनो की कठोर, उदास आँखों को देखा, उसे पूरा यकीन था कि ब्रूनो सोच रहा है कि वह अब ऐनी से मिलने जा रहा है। “ब्रूनो, तुम्हारा इरादा क्या है?”

“तुम्हें पता है,” ब्रूनो ने धीमी आवाज़ में कहा। “ट्रेन में हमने जिस बारे में बात की थी। पीड़ितों की अदला-बदली के बारे में। तुम मेरे पिता को मारने वाले हो।”

गाय ने तिरस्कार भरी आवाज़ निकाली। ब्रूनो के कहने से पहले ही वह यह बात जानता था, मिरियम की मृत्यु के बाद से ही उसे इस बात का शक था। उसने ब्रूनो की स्थिर, उदास आँखों में देखा, उनकी शांत दीवानगी ने उसे मोहित कर लिया था। उसे याद आया, बचपन में एक बार उसने एक रेलगाड़ी में एक मंदबुद्धि मूर्ख को इसी तरह देखा था, एक ऐसी निर्लज्ज जिज्ञासा से जिसे कोई भी हिला नहीं सकता था। जिज्ञासा और भय।

“मैंने तुमसे कहा था ना कि मैं हर छोटी-बड़ी चीज़ का इंतज़ाम कर सकता हूँ।” ब्रूनो ने मुस्कुराते हुए, थोड़ा मज़ाकिया अंदाज़ में और थोड़ी माफ़ी मांगते हुए कहा, “यह बहुत आसान होगा।”

गाइ ने अचानक सोचा, "वह मुझसे नफरत करता है। वह मुझे जान से मार डालना चाहता है।"

“अगर तुमने ऐसा नहीं किया तो तुम्हें पता है मैं क्या करूँगा।” ब्रूनो ने उंगलियां चटकाने का इशारा किया, लेकिन मेज पर रखा उसका हाथ बेजान सा था। “मैं पुलिस को तुम्हारे पीछे लगा दूँगा।”

उसे नज़रअंदाज़ करो, गाय ने सोचा, उसे नज़रअंदाज़ करो! “तुम मुझे ज़रा भी नहीं डराते। तुम्हें पागल साबित करना दुनिया का सबसे आसान काम होगा।”

मैं तुमसे ज़्यादा पागल नहीं हूँ!

कुछ देर बाद ब्रूनो ने इंटरव्यू खत्म कर दिया। उसने बताया कि उसे सुबह सात बजे अपनी मां से मिलने जाना है।

अगली मुलाकात, जो बहुत छोटी थी, में गाय को लगा कि वह हार गया है, हालांकि उस समय उसे लगा था कि वह जीत गया है। एक शुक्रवार की दोपहर को जब गाय ऐनी से मिलने लॉन्ग आइलैंड जा रहा था, तब ब्रूनो ने उसे रोकने की कोशिश की। गाय बस उसके बगल से निकलकर टैक्सी में बैठ गया। फिर भी, शारीरिक रूप से भाग जाने की भावना ने उसे शर्मिंदा कर दिया, उसकी अब तक बरकरार गरिमा को ठेस पहुँचाने लगी। काश उसने ब्रूनो से कुछ कहा होता। काश उसने एक पल के लिए उसका सामना किया होता।

इक्कीस

अगले कुछ दिनों में शायद ही कोई शाम ऐसी गुज़री हो जब ब्रूनो अपने दफ्तर के सामने फुटपाथ पर खड़ा न हो। या अगर वहाँ नहीं, तो अपने घर के सामने वाली सड़क पर खड़ा होता, मानो ब्रूनो को पता हो कि किन शामों को वह सीधे घर लौटेगा। अब न कोई आवाज़ आती, न कोई आभास, बस वह लंबा-चौड़ा आदमी नज़र आता, जिसके हाथ उसके लंबे, फौजी जैसे ओवरकोट की जेबों में होते, जो उस पर एकदम फिट बैठता था, मानो किसी चिमनी से चिपका हो। गाय जानता था कि बस आँखें ही उसका पीछा कर रही थीं, हालाँकि ब्रूनो तब तक पीछे मुड़कर नहीं देखता था जब तक वह नज़रों से ओझल नहीं हो जाता था। दो हफ़्तों तक। फिर पहला पत्र आया।

ये दो कागज़ थे: पहला ब्रूनो के घर और उसके आसपास की ज़मीन और सड़कों का नक्शा, साथ ही वो रास्ता जो गाय तय करेगा, जिसे बिंदीदार और सीधी रेखाओं से बड़ी सफाई से बनाया गया था। दूसरा एक टाइप किया हुआ, बारीक लिखा हुआ पत्र था जिसमें ब्रूनो के पिता की हत्या की योजना स्पष्ट रूप से बताई गई थी। गाय ने उसे फाड़ दिया, लेकिन तुरंत पछतावा हुआ। उसे उसे ब्रूनो के खिलाफ सबूत के तौर पर संभाल कर रखना चाहिए था। उसने कागज़ के टुकड़े संभाल कर रखे।

लेकिन उन्हें रखने की कोई ज़रूरत नहीं थी। उसे हर दो-तीन दिन में ऐसा एक पत्र मिलता था। ये सभी पत्र ग्रेट नेक से भेजे जाते थे, मानो ब्रूनो अब वहीं रहता हो —जब से पत्र आने शुरू हुए थे, तब से उसने ब्रूनो को नहीं देखा था—शायद वह अपने पिता के टाइपराइटर पर पत्र लिखता होगा, जिन्हें तैयार करने में उसे दो-तीन घंटे लगते होंगे। पत्र कभी-कभी नशे में लिखे होते थे। यह टाइपिंग की गलतियों और आखिरी पैराग्राफ में भावनाओं के उफान से ज़ाहिर होता था। अगर वह होश में होता, तो आखिरी पैराग्राफ स्नेहपूर्ण और हत्या की सरलता के बारे में आश्वस्त करने वाला होता। अगर वह नशे में होता, तो पैराग्राफ या तो भाईचारे के प्यार का इज़हार होता या गाय को जीवन भर परेशान करने, उसके करियर और उसके "प्रेम प्रसंग" को बर्बाद करने की धमकी और यह याद दिलाने वाला होता कि ब्रूनो का पलड़ा भारी है। सारी ज़रूरी जानकारी किसी भी पत्र से मिल सकती थी, मानो ब्रूनो को पहले से ही पता हो कि वह उनमें से ज़्यादातर को बिना खोले ही फाड़ देगा। लेकिन अगले पत्र को फाड़ने के अपने दृढ़ निश्चय के बावजूद, गाय उसे आते ही खोल लेता था, आखिरी पैराग्राफ में हुए बदलावों को लेकर उत्सुक रहता था। ब्रूनो की तीन योजनाओं में से, बंदूक वाली योजना, जिसमें घर के पिछले दरवाजे का इस्तेमाल किया जाता था, सबसे अधिक बार सामने आती थी, हालांकि प्रत्येक पत्र में उसे अपनी पसंद चुनने के लिए आमंत्रित किया जाता था।

उन पत्रों का उस पर अजीबोगरीब असर हुआ। पहले पत्र के सदमे के बाद, अगले कुछ पत्रों से उसे ज़रा भी फ़र्क नहीं पड़ा। फिर जैसे ही दसवाँ, बारहवाँ और पंद्रहवाँ पत्र उसके मेलबॉक्स में आया, उसे लगा जैसे वे उसकी चेतना और नसों पर इस तरह प्रहार कर रहे हों कि वह समझ नहीं पा रहा था। अपने कमरे में अकेले वह पंद्रह मिनट बिताता, अपनी चोट को समझने और उसे ठीक करने की कोशिश करता। वह खुद से कहता कि उसकी चिंता बेवजह है, जब तक कि उसे यह न लगे कि ब्रूनो उस पर हमला करके उसकी हत्या करने की कोशिश करेगा। और उसे ऐसा बिल्कुल भी नहीं लगा था। ब्रूनो ने कभी ऐसी धमकी नहीं दी थी। लेकिन तर्क-वितर्क से उसकी चिंता कम नहीं हुई, न ही उसकी थकान दूर हुई।

इक्कीसवें पत्र में ऐनी का ज़िक्र था। “तुम नहीं चाहोगी कि ऐनी को मिरियम की हत्या में तुम्हारी भूमिका के बारे में पता चले, है ना? कौन सी लड़की किसी हत्यारे

से शादी करेगी? ऐनी तो बिल्कुल नहीं। समय कम होता जा रहा है। मार्च के पहले दो सप्ताह मेरी अंतिम समय सीमा हैं। तब तक तो सब आसान रहेगा।"

फिर बंदूक आई। उसकी मकान मालकिन ने उसे भूरे कागज में लिपटे एक बड़े पैकेट में बंदूक सौंपी। जब काली बंदूक बाहर गिरी तो गाय ने हल्की सी हंसी दी। यह एक बड़ी लूगर बंदूक थी, चमकदार और नई जैसी दिख रही थी, बस उसके हैंडल पर एक छोटा सा निशान था।

किसी आवेग ने गाय को अपनी छोटी रिवॉल्वर को अपने सबसे ऊपरी दराज के पीछे से निकालने के लिए प्रेरित किया, और उसने अपनी खूबसूरत मोती की मूठ वाली बंदूक को उस बिस्तर के ऊपर से उठाया जहाँ लूगर पड़ी थी। उसने अपने इस काम पर मुस्कुराया, फिर टेक्सास की बंदूक को अपनी आँखों के करीब लाया और उसका निरीक्षण किया। उसने इसे लगभग पंद्रह साल की उम्र में मेटकाफ की निचली मेन स्ट्रीट पर एक भरी हुई गिरवी की दुकान की खिड़की में देखा था, और अपने अखबार बांटने के पैसों से इसे खरीदा था, इसलिए नहीं कि यह एक बंदूक थी, बल्कि इसलिए कि यह खूबसूरत थी। इसका छोटा आकार, इसकी छोटी बैरल की मितव्ययिता ने उसे प्रसन्न किया था। यांत्रिक डिजाइन के बारे में वह जितना अधिक सीखता गया, उतना ही वह अपनी बंदूक से प्रसन्न होता गया। उसने इसे पंद्रह वर्षों तक अलग-अलग दराजों में रखा था। उसने चैंबर खोला और तीन गोलियां निकालीं, और ट्रिगर को छह बार खींचकर सिलेंडर को घुमाया, इसकी उत्तम मशीनरी की गहरी, पिच वाली क्लिक की प्रशंसा करते हुए। फिर उसने गोलियां वापस डालीं, बंदूक को उसके लैवेंडर रंग के फलालैन बैग में रखा, और उसे वापस अपने दराज में रख दिया।

उसे लूगर से कैसे छुटकारा पाना चाहिए? क्या उसे किसी तटबंध से नदी में फेंक देना चाहिए? किसी कूड़ेदान में? अपने कचरे के साथ फेंक देना चाहिए? उसके सारे विचार या तो संदिग्ध लग रहे थे या नाटकीय। उसने फैसला किया कि जब तक उसे कोई बेहतर उपाय नहीं सूझता, तब तक वह उसे अपने मोजों और अंडरवियर के नीचे एक दराज में छिपाकर रख देगा। अचानक उसे सैमुअल ब्रूनो की याद आई, पहली बार एक व्यक्ति के रूप में। लूगर की मौजूदगी ने उसके मन में उस व्यक्ति और उसकी संभावित मृत्यु को एक साथ ला खड़ा किया। उसके कमरे में

ब्रूनो के अनुसार, उस व्यक्ति और उसके जीवन की पूरी तस्वीर थी, उसकी हत्या की योजना—उस सुबह उसके बक्से में एक पत्र भी रखा था, जो अब उसके बिस्तर पर बिना खुला पड़ा था—और वह बंदूक जिससे उसे उसे मारना था। गाय ने दराज में रखे कुछ पत्रों में से ब्रूनो के हाल के पत्रों में से एक पत्र निकाला।

सैमुअल ब्रूनो [ब्रूनो उन्हें कभी-कभार ही "मेरे पिता" कहकर पुकारते थे] अमेरिका की सबसे बुरी उपज का सबसे सटीक उदाहरण हैं। वे हंगरी के निम्न-वर्गीय किसान परिवार से आते हैं, जो जानवरों से कुछ ही बेहतर हैं। उन्होंने अपनी आदत के अनुसार लालच में आकर एक अच्छे परिवार की महिला से शादी कर ली, जब वे उसे वहन करने में सक्षम हो गए। इतने समय तक मेरी माँ ने विवाह के पवित्र बंधन की समझ रखते हुए चुपचाप उनकी बेवफाई सहन की। अब बुढ़ापे में वे बहुत देर होने से पहले नेक बनने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन बहुत देर हो चुकी है। काश मैं उन्हें खुद मार पाता, लेकिन मैंने आपको बताया है कि उनके निजी जासूस जेरार्ड की वजह से यह असंभव है। अगर आपका कभी उनसे कोई वास्ता पड़ा, तो वे आपके भी निजी दुश्मन बन जाएँगे। वे ऐसे व्यक्ति हैं जो वास्तुकला को सुंदरता मानने और सबके लिए पर्याप्त घरों के आपके सभी विचारों को मूर्खतापूर्ण समझते हैं और उन्हें इस बात की परवाह नहीं है कि उनकी फैक्ट्री कैसी है, जब तक कि छत से पानी न टपके और उनकी मशीनरी खराब न हो जाए। आपको यह जानकर शायद दिलचस्पी होगी कि उनके कर्मचारी अभी हड़ताल पर हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के पिछले गुरुवार के पृष्ठ 31 के निचले बाएँ भाग को देखें। वे जीवनयापन के लिए पर्याप्त वेतन की मांग को लेकर हड़ताल कर रहे हैं। सैमुअल ब्रूनो अपने ही बेटे को लूटने से भी नहीं हिचकिचाता...

अगर वह ऐसी कहानी सुनाता तो कौन उस पर विश्वास करता? ऐसी कल्पना को कौन स्वीकार करता? चिट्ठी, नक्शा, बंदूक— ये सब किसी नाटक के सामान जैसे लग रहे थे, ऐसी चीज़ें जिन्हें एक ऐसी कहानी को वास्तविकता का आभास देने के लिए सजाया गया था जो न तो वास्तविक थी और न ही कभी वास्तविक हो सकती

थी। गाय ने चिट्ठी जला दी। उसने अपने पास मौजूद सारी चिट्ठियाँ जला दीं, फिर जल्दी से लॉन्ग आइलैंड जाने की तैयारी करने लगा।

वो और ऐनी आज का दिन गाड़ी चलाने, जंगल में घूमने और कल एल्टन जाने वाले थे। घर मार्च के अंत तक बनकर तैयार हो जाएगा, जिससे उन्हें शादी से पहले उसे सजाने के लिए दो महीने का आरामदेह समय मिल जाएगा। गाय ने ट्रेन की खिड़की से बाहर देखते हुए मुस्कुराया। ऐनी ने कभी नहीं कहा था कि उसे जून में शादी चाहिए; बात बस उसी तरफ बढ़ती जा रही थी। उसने कभी औपचारिक शादी की बात नहीं कही थी, बस इतना कहा था, "कुछ भी जल्दबाजी में न हो।" फिर जब उसने उससे कहा कि अगर उसे औपचारिक शादी से कोई आपत्ति नहीं है, तो उसे भी कोई आपत्ति नहीं होगी, तो ऐनी ने एक लंबी "ओह!" की आवाज़ निकाली और उसे गले लगाकर चूम लिया। नहीं, वह किसी अजनबी को गवाह बनाकर तीन मिनट की शादी नहीं करना चाहता था। उसने एक लिफाफे के पीछे उस बीस मंजिला ऑफिस बिल्डिंग का स्केच बनाना शुरू किया, जिसके लिए उसे पिछले हफ्ते पता चला था कि उसे काम मिलने की अच्छी संभावना है, और जिसे उसने ऐनी के लिए सरप्राइज के तौर पर बचाकर रखा था। उसे लगा जैसे भविष्य अचानक वर्तमान बन गया हो। उसके पास वो सब कुछ था जो वह चाहता था। प्लेटफार्म की सीढ़ियों से नीचे उतरते हुए, उसने स्टेशन के दरवाजे के पास छोटी सी भीड़ में ऐनी का तेंदुए प्रिंट वाला कोट देखा। उसने सोचा, वह हमेशा उन पलों को याद रखेगा जब वह यहाँ उसका इंतज़ार करती थी, उसकी बेचैनी भरी शरमाहट भरी अदाएँ जब वह उसे देखती थी, जिस तरह वह मुस्कुराती और आधा मुड़ जाती, मानो उसे आधा मिनट भी इंतज़ार नहीं करना पड़ता।

“ऐनी!” उसने अपना हाथ उसके कंधे पर रखा और उसके गाल पर चुंबन किया।

आपने टोपी नहीं पहनी थी।

वह मुस्कुराया क्योंकि उसे ठीक यही उम्मीद थी कि वह ऐसा कहेगी। "अच्छा, तुमने भी नहीं सोचा था।"

“मैं कार में हूँ। और बर्फ गिर रही है।” उसने उसका हाथ पकड़ा और वे सूखी राख से ढकी सड़क पर कारों की ओर दौड़ पड़े। “मेरे पास एक सरप्राइज है!”

“मैंने भी किया है। तुम्हारा क्या है?”

"कल मैंने अकेले ही पांच डिजाइन बेच दिए।"

गाइ ने सिर हिलाया। “मैं उसे हरा नहीं सकता। मेरे पास तो बस एक ही ऑफिस बिल्डिंग है। शायद।”

वह मुस्कुराई और उसकी भौहें ऊपर उठ गईं। "शायद? हाँ!"

“हां, हां, हां!” उसने कहा और उसे फिर से चूम लिया।

उस शाम, ऐनी के घर के पीछे नाले पर बने छोटे से लकड़ी के पुल पर खड़े होकर गाय कहने लगा, “जानती हो ब्रूनो ने आज मुझे क्या भेजा? एक बंदूक।” फिर, हालांकि वह कहने के करीब भी नहीं पहुंचा था, लेकिन ब्रूनो की दूरी और ऐनी के साथ उसके रिश्ते ने उसे एक भयानक अहसास से झकझोर दिया। वह ऐनी से कोई राज़ नहीं रखना चाहता था, और यहाँ एक ऐसा राज़ था जो उसने ऐनी को अब तक बताया था उससे भी बड़ा था। ब्रूनो, वह नाम जो उसे सताता था, ऐनी के लिए कुछ भी मायने नहीं रखेगा।

“क्या बात है, गाइ?”

उसे पता था कि कुछ तो है, उसने सोचा। उसे हमेशा पता होता था। "कुछ नहीं।"

वह उसके पीछे-पीछे घर की ओर मुड़ी। रात ने धरती को काला कर दिया था, बर्फीली ज़मीन जंगल और आसमान से अलग पहचानना मुश्किल हो गया था। और गाय को फिर से वही एहसास हुआ—घर के पूर्व में स्थित जंगल के झुंड में छिपी शत्रुता की भावना। उसके सामने, रसोई के दरवाजे से हल्की पीली रोशनी लॉन पर फैल रही थी। गाय फिर मुड़ा और उसकी नज़र उस अंधेरे पर टिक गई जहाँ से जंगल शुरू होता था। वहाँ देखने पर उसे एक साथ बेचैनी और राहत दोनों का एहसास हुआ, जैसे किसी दर्द भरे दांत को चबाना।

उन्होंने कहा, "मैं फिर से घूमूंगा।"

ऐनी अंदर चली गई, और वह पीछे मुड़ गया। वह देखना चाहता था कि ऐनी के न होने पर यह अनुभूति तीव्र होती है या क्षीण। उसने देखने के बजाय महसूस करने की कोशिश की। यह अभी भी वहीं थी, धुंधली और मायावी, जहाँ जंगल के निचले हिस्से में अंधेरा गहराता जा रहा था। ज़ाहिर है, कुछ नहीं। परछाई, ध्वनि और उसके अपने विचारों के किस संयोग ने इसे जन्म दिया था?

उसने अपने हाथ ओवरकोट की जेबों में डाले और हठपूर्वक और करीब आ गया।

एक टहनी के टूटने की धीमी आवाज़ ने उसकी चेतना को ज़मीन पर ला दिया, उसका ध्यान एक बिंदु पर केंद्रित कर दिया। वह उस ओर दौड़ा। अब झाड़ियों के सरसराने की आवाज़ आई, और अँधेरे में एक हिलती हुई काली आकृति दिखाई दी। गाय ने अपनी सारी मांसपेशियों को एक लंबी छलांग में झोंक दिया, उसे संभाला, और ब्रूनो की कर्कश साँस पहचान ली। ब्रूनो पानी के नीचे एक बड़ी शक्तिशाली मछली की तरह उसकी बाहों में कूद पड़ा, मुड़ा और उसके गाल की हड्डी पर एक दर्दनाक प्रहार किया। एक-दूसरे को जकड़े हुए, वे दोनों गिर पड़े, अपनी बाहों को छुड़ाने के लिए संघर्ष करते हुए, मानो मौत से लड़ रहे हों। ब्रूनो की उंगलियाँ उन्माद में उसके गले को खरोंच रही थीं, हालाँकि गाय ने अपनी बाहों को सीधा रखा था। ब्रूनो की साँस उसके सिकुड़े हुए होठों के बीच से फुफकारती हुई अंदर-बाहर हो रही थी। गाय ने अपने दाहिने मुक्के से उसके मुँह पर फिर से प्रहार किया, जो टूटा हुआ सा लग रहा था, जो अब बंद नहीं हो रहा था।

“गाइ!” ब्रूनो ने गुस्से से चिल्लाकर कहा।

गाइ ने उसे कॉलर के आगे से पकड़ लिया। अचानक दोनों ने लड़ना बंद कर दिया।

“तुम्हें पता था कि ये मैंने किया है!” ब्रूनो गुस्से से बोला। “गंदा बदमाश!”

“तुम यहाँ क्या कर रहे हो?” गाय ने उसे खींचकर खड़ा किया।

खून से लथपथ मुंह और चौड़ा हो गया, मानो वह रोने ही वाला हो। "मुझे जाने दो!"

गाइ ने उसे धक्का दिया। वह बोरी की तरह जमीन पर गिर पड़ा और फिर लड़खड़ाते हुए उठा।

“ठीक है, अगर तुम चाहो तो मुझे मार डालो! तुम कह सकते हो कि यह आत्मरक्षा थी!” ब्रूनो ने गिड़गिड़ाते हुए कहा।

गाय ने घर की ओर देखा। वे जंगल में काफी दूर तक संघर्ष करते हुए आए थे। "मैं तुम्हें मारना नहीं चाहता। अगली बार जब मैं तुम्हें यहाँ पाऊंगा, तब तुम्हें मार डालूंगा।"

ब्रूनो हँसा, और उसने जीत की एक ही ताली बजाई।

गाइ धमकी भरे लहजे में आगे बढ़ा। वह ब्रूनो को दोबारा छूना नहीं चाहता था। फिर भी, एक पल पहले ही उसके मन में "मार डालो, मार डालो!" की आवाज़ गूंज रही थी। गाइ जानता था कि ब्रूनो की मुस्कान को रोकना उसके बस की बात नहीं थी, उसे मारना भी नामुमकिन था। "यहाँ से चले जाओ।"

"क्या आप दो सप्ताह में वह काम करने के लिए तैयार हैं?"

"तुम्हें पुलिस के हवाले करने के लिए तैयार हैं।"

“खुद को सौंपने के लिए तैयार हो?” ब्रूनो ने तीखी आवाज़ में उपहास किया। “ऐनी को सब कुछ बताने के लिए तैयार हो? अगले बीस साल जेल में बिताने के लिए तैयार हो? बिल्कुल, मैं तैयार हूँ!” उसने धीरे से अपनी हथेलियों को आपस में मिलाया। उसकी आँखें लाल रोशनी से चमक रही थीं। उसका लड़खड़ाता शरीर किसी दुष्ट आत्मा जैसा लग रहा था, मानो वह उसके पीछे मौजूद टेढ़े-मेढ़े काले पेड़ से उतरकर आई हो।

"अपना गंदा काम किसी और से करवा लो," गाय ने बुदबुदाते हुए कहा।

“देखो कौन बोल रहा है! मैं तुम्हें चाहता हूँ और मैंने तुम्हें पा लिया है! ठीक है!” एक हंसी। “मैं शुरू करता हूँ। मैं तुम्हारी गर्लफ्रेंड को सब बता दूँगा। मैं उसे आज रात ही चिट्ठी लिखूँगा।” वह लड़खड़ाते हुए चला गया, बुरी तरह ठोकर खाकर गिर पड़ा और बेढंगे से शरीर की तरह आगे बढ़ता रहा। उसने मुड़कर चिल्लाया, “अगर एक-दो दिन में तुमसे कोई खबर नहीं मिली तो।”

गाय ने ऐनी को बताया कि जंगल में उसकी एक घुसपैठिए से लड़ाई हुई थी। लड़ाई में उसकी आँख पर बस थोड़ी सी लालिमा आई थी, लेकिन घर पर रुकने और कल ऑल्टन न जाने का उसके पास चोट का बहाना बनाने के अलावा कोई चारा नहीं था। उसने कहा कि उसके पेट में चोट लगी है और उसकी तबीयत ठीक नहीं है। श्रीमान और श्रीमती फॉल्कनर चिंतित हो गए और उन्होंने घर का मुआयना करने आए पुलिसकर्मी से अगले कुछ दिनों के लिए पुलिस गार्ड तैनात करने की ज़िद की। लेकिन सिर्फ़ गार्ड काफ़ी नहीं था। अगर ब्रूनो वापस आ जाता, तो गाय खुद वहाँ रहना चाहता था। ऐनी ने सुझाव दिया कि वह सोमवार को भी रुक जाए,

ताकि बीमार होने की स्थिति में उसकी देखभाल करने वाला कोई हो। गाय वहीं रुक गया।

उसे लगा कि फॉल्कनर के घर में बिताए दो दिन जितने शर्मिंदा करने वाले थे, उतना पहले कभी किसी चीज़ ने नहीं किया था। उसे शर्म आ रही थी कि उसे वहाँ रुकने की ज़रूरत महसूस हुई, शर्म आ रही थी कि सोमवार की सुबह वह ऐनी के कमरे में गया और उस मेज पर नज़र डाली जहाँ नौकरानी उसके पत्र रखती थी, यह देखने के लिए कि ब्रूनो ने कोई पत्र लिखा है या नहीं। उसने नहीं लिखा था। ऐनी हर सुबह न्यूयॉर्क में अपनी दुकान के लिए डाक आने से पहले ही निकल जाती थी। सोमवार की सुबह, गाय ने उसकी मेज पर रखे चार-पाँच पत्रों को देखा, फिर नौकरानी के देखने के डर से चोर की तरह जल्दी से बाहर निकल गया। लेकिन उसने खुद को याद दिलाया कि वह अक्सर उसके कमरे में तब आता था जब वह वहाँ नहीं होती थी। कभी-कभी जब घर लोगों से भरा होता था, तो वह कुछ पलों के लिए ऐनी के कमरे में चला जाता था। और ऐनी को उसे वहाँ पाकर बहुत खुशी होती थी। दहलीज पर पहुँचकर उसने अपना सिर दरवाजे के चौखट पर टिका दिया और कमरे की अव्यवस्था पर गौर किया—बिखरा हुआ बिस्तर, बड़ी-बड़ी कला पुस्तकें जो अलमारियों में समा नहीं रही थीं, एक दीवार पर हरे रंग के कॉर्क की पट्टी पर पिन से चिपके उसके आखिरी डिज़ाइन, मेज के कोने पर नीले रंग के पानी का गिलास जिसे उसने खाली करना भूल गई थी, कुर्सी की पीठ पर पड़ा भूरा और पीला रेशमी स्कार्फ, जिसके बारे में उसने शायद अपना मन बदल लिया था। आखिरी क्षण में उसने जो इत्र लगाया था, उसकी गार्डेनिया की खुशबू अभी भी हवा में फैली हुई थी। वह अपना जीवन उसके साथ जोड़ना चाहता था।

गाय मंगलवार सुबह तक वहीं रुका रहा, जब ब्रूनो का भी कोई पत्र नहीं आया, और फिर मैनहट्टन चला गया। काम का बोझ बढ़ गया था। हज़ारों बातें उसे परेशान कर रही थीं। नए ऑफिस भवन के लिए शॉ रियल्टी कंपनी के साथ अनुबंध अभी तक तय नहीं हुआ था। उसे लग रहा था कि उसका जीवन अव्यवस्थित, दिशाहीन, मरियम की हत्या की खबर सुनने के बाद से भी ज़्यादा अस्त-व्यस्त हो गया है। उस हफ्ते ब्रूनो का कोई पत्र नहीं आया, सिवाय एक पत्र के जो सोमवार को आया था। यह एक छोटा सा नोट था जिसमें लिखा था कि शुक्र है उसकी माँ आज बेहतर है

और वह घर से बाहर जा सकता है। उसने बताया कि उसकी माँ तीन हफ्तों से निमोनिया से गंभीर रूप से बीमार थी और वह उनके साथ ही रुका था।

गुरुवार शाम जब गाय एक आर्किटेक्चर क्लब की बैठक से लौटा, तो उसकी मकान मालकिन श्रीमती मैककॉसलैंड ने बताया कि उसे तीन फोन आए थे। जब वे हॉल में खड़े थे तभी फोन की घंटी बजी। फोन ब्रूनो का था, जो उदास और नशे में धुत था। उसने पूछा कि क्या गाय समझदारी की बात करने के लिए तैयार है।

“मुझे ऐसा नहीं लगा,” ब्रूनो ने कहा। “मैंने ऐनी को लिखा है।” और उसने फोन काट दिया।

गाय ऊपर गया और खुद भी एक घूंट पिया। उसे यकीन नहीं था कि ब्रूनो ने कुछ लिखा है या लिखने का इरादा रखता है। उसने एक घंटे तक पढ़ने की कोशिश की, ऐनी को फोन करके उसका हालचाल पूछा, फिर बेचैनी से बाहर गया और देर रात की कोई फिल्म ढूंढ ली।

शनिवार दोपहर को उसे लॉन्ग आइलैंड के हेम्पस्टेड में ऐनी से मिलना था, जहाँ उसे एक डॉग शो देखना था। गाय ने सोचा कि अगर ब्रूनो ने चिट्ठी लिखी होती, तो ऐनी को शनिवार सुबह तक मिल जाती। लेकिन ज़ाहिर है, उसे नहीं मिली थी। कार में बैठी ऐनी के हाथ हिलाने से उसे यह बात समझ आ गई। उसने ऐनी से पूछा कि क्या उसे कल रात टेडी के घर पार्टी में मज़ा आया। उसके चचेरे भाई टेडी का जन्मदिन था।

“शानदार पार्टी थी। बस कोई घर जाना ही नहीं चाहता था। इतनी देर हो गई कि मैं यहीं रुक गई। मैंने अभी तक अपने कपड़े भी नहीं बदले हैं।” और उसने संकरे गेट से होते हुए गाड़ी को सड़क पर दौड़ा दिया।

गाइ ने दांत भींच लिए। शायद चिट्ठी घर पर उसका इंतज़ार कर रही होगी। अचानक उसे यकीन हो गया कि चिट्ठी उसका इंतज़ार कर रही होगी, और अब उसे रोकना नामुमकिन था, जिससे वह कमज़ोर और अवाक रह गया।

कुत्तों की कतारों के बीच चलते हुए उसने कुछ कहने के लिए बेताब होकर सोचने की कोशिश की।

“क्या आपको शॉ परिवार से कोई खबर मिली है?” ऐनी ने उससे पूछा।

“नहीं।” उसने एक घबराए हुए डैकशंड कुत्ते को घूरकर देखा और ऐनी की बात सुनने की कोशिश की, जो उसके परिवार के किसी सदस्य के पास मौजूद डैकशंड कुत्ते के बारे में कुछ कह रही थी।

गाय ने सोचा, उसे अभी तक पता नहीं था, लेकिन अगर आज तक नहीं पता चला, तो बस कुछ ही दिन बाकी थे, शायद कुछ और दिन, जब तक उसे पता चल ही जाता। क्या पता चलेगा, वह खुद से बार-बार पूछता रहा, और उसी जवाब पर सोचता रहा, चाहे तसल्ली के लिए हो या खुद को तड़पाने के लिए, उसे खुद नहीं पता था: कि पिछली गर्मियों में ट्रेन में उसकी मुलाकात उस आदमी से हुई थी जिसने उसकी पत्नी का कत्ल किया था, कि उसने अपनी पत्नी के कत्ल में अपनी सहमति दी थी। ब्रूनो उसे यही बताएगा, कुछ खास बातों को जोड़कर ताकि वह यकीन कर सके। और वैसे भी, अदालत में, अगर ब्रूनो ट्रेन में हुई उनकी बातचीत को थोड़ा सा भी तोड़-मरोड़ कर पेश करता है, तो क्या यह हत्यारों के बीच समझौता नहीं माना जा सकता? ब्रूनो के डिब्बे में बिताए वो घंटे, वो छोटा सा नरक, अचानक बहुत साफ-साफ याद आ गए। नफरत ने ही उसे इतना कुछ कहने के लिए उकसाया था, वही छोटी सी नफरत जिसने उसे पिछली जून में चैपल्टेपेक पार्क में मिरियम के खिलाफ भड़कने पर मजबूर किया था। तब ऐनी गुस्से में थी, उसकी कही बातों पर नहीं, बल्कि उसकी नफरत पर। नफरत भी एक पाप है। ईसा मसीह ने घृणा के विरुद्ध उसी प्रकार उपदेश दिया था जैसे व्यभिचार और हत्या के विरुद्ध। घृणा ही बुराई का मूल कारण है। एक ईसाई न्यायलक्ष्य में, क्या वह मरियम की मृत्यु के लिए कम से कम आंशिक रूप से दोषी नहीं होगा? क्या ऐनी ऐसा नहीं कहेगी?

“ऐनी,” उसने बीच में ही टोक दिया। उसे उसे तैयार करना था, उसने सोचा। और उसे जानना भी था। “अगर कोई मुझ पर मरियम की मौत में हाथ होने का आरोप लगाए, तो तुम क्या कहोगी—? क्या तुम—?”

वह रुक गई और उसकी ओर देखने लगी। ऐसा लगा मानो पूरी दुनिया थम सी गई हो, और वह और ऐनी उसके स्थिर केंद्र में खड़े थे।

“क्या तुम्हारा कोई रोल था? तुम्हारा मतलब क्या है, गाइ?”

किसी ने उसे धक्का दिया। वे रास्ते के बीच में थे। "बस इतना ही। मुझ पर आरोप लगाया, और कुछ नहीं।"

ऐसा लग रहा था मानो वह शब्दों की तलाश कर रही हो।

“मुझ पर आरोप लगा दिया,” गाय बोलता रहा। “मैं बस जानना चाहता हूँ। बिना किसी वजह के आरोप लगा दिया। इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा, है ना?” क्या वह फिर भी उससे शादी करेगी, वह पूछना चाहता था, लेकिन यह इतना दयनीय और गिड़गिड़ाने वाला सवाल था कि वह पूछ नहीं सका।

"गाइ, तुम ऐसा क्यों कह रहे हो?"

मैं बस जानना चाहता हूँ, बस इतना ही!

उसने उसे पीछे धकेल दिया ताकि वे रास्ते की भीड़-भाड़ से बाहर निकल सकें। "गाइ, क्या किसी ने तुम पर आरोप लगाया है?"

“नहीं!” उसने विरोध किया। वह असहज और परेशान महसूस कर रहा था। “लेकिन अगर किसी ने ऐसा किया, अगर किसी ने मेरे खिलाफ मजबूत मामला बनाने की कोशिश की—”

उसने उसे उसी निराशा, आश्चर्य और अविश्वास भरी निगाहों से देखा, जो उसने पहले भी देखी थी जब उसने गुस्से या नाराजगी में आकर कुछ ऐसा कहा या किया था जिसे ऐनी पसंद नहीं करती थी, समझ नहीं पाती थी। "क्या तुम किसी से ऐसी उम्मीद करते हो?" उसने पूछा।

“मैं बस जानना चाहता हूँ!” वह जल्दी में था और यह बहुत ही सरल लग रहा था!

"ऐसे समय में," उसने धीमी आवाज़ में कहा, "तुम मुझे ऐसा महसूस कराते हो जैसे हम बिल्कुल अजनबी हों।"

“मुझे माफ कर दो,” उसने धीरे से कहा। उसे लगा जैसे उसने उनके बीच के अदृश्य बंधन को तोड़ दिया हो।

“मुझे नहीं लगता कि तुम्हें पछतावा है, वरना तुम ऐसा करते नहीं!” उसने सीधे उसकी आँखों में देखा, उसकी आवाज़ धीमी थी हालाँकि उसकी आँखों में आँसू भरे थे। “यह बिल्कुल मेक्सिको वाले उस दिन जैसा है जब तुमने मिरियम के खिलाफ़ वो भयंकर भाषण दिया था। मुझे परवाह नहीं—मुझे ये पसंद नहीं, मैं उस तरह की इंसान नहीं हूँ! तुम मुझे ऐसा महसूस कराते हो जैसे मैं तुम्हें जानती ही नहीं!”

गाय ने सोचा, "मैं तुमसे प्यार नहीं करती।" ऐसा लगा जैसे उसने उसे छोड़ दिया हो, उसे जानने या उससे प्यार करने की कोशिश करना ही छोड़ दिया हो। हताश, कमजोर, गाय वहीं खड़ा रहा, हिलने-डुलने या एक शब्द भी कहने में असमर्थ।

“हाँ, चूंकि आपने मुझसे पूछा है,” ऐनी ने कहा, “मुझे लगता है कि अगर कोई आप पर आरोप लगाए तो फर्क पड़ेगा। मैं पूछना चाहूंगी कि आपको इसकी उम्मीद क्यों थी। आपको ऐसा क्यों लगता है?”

"मैं नहीं!"

वह उससे मुंह मोड़कर गली के उस छोर तक चली गई जहां से दिखाई नहीं देता और सिर झुकाकर खड़ी हो गई।

गाय उसके पीछे आया। “ऐनी, तुम मुझे जानती हो। तुम मुझे दुनिया में किसी और से बेहतर जानती हो। मैं तुमसे कोई राज़ नहीं रखना चाहता। मेरे मन में यह बात आई और मैंने तुमसे पूछ ली!” उसे लगा जैसे उसने कोई बात कबूल कर ली हो, और उसके बाद जो राहत मिली, उससे उसे अचानक पूरा यकीन हो गया—ठीक वैसे ही जैसे उसे पहले यकीन था कि ब्रूनो ने ही चिट्ठी लिखी थी—कि ब्रूनो ने ऐसा नहीं किया था और न ही करेगा।

उसने बेपरवाही से अपनी आंख के कोने से एक आंसू पोंछा। "बस एक बात, गाइ। क्या तुम हर बात में सबसे बुरा होने की उम्मीद करना बंद करोगे?"

“हां,” उसने कहा। “भगवान की कसम, हां।”

चलिए वापस कार में चलते हैं।

उसने पूरा दिन ऐन के साथ बिताया और शाम को उन्होंने ऐन के घर पर खाना खाया। ब्रूनो की तरफ से कोई चिट्ठी नहीं आई थी। गाय ने इस संभावना को अपने दिमाग से निकाल दिया, मानो वह किसी संकट से उबर चुका हो।

सोमवार शाम करीब 8 बजे, श्रीमती मैककॉसलैंड ने उन्हें फोन किया। वह ऐनी थीं।

"डार्लिंग—मुझे लगता है मैं थोड़ी परेशान हूँ।"

“क्या बात है?” वह जानता था कि क्या बात है।

मुझे एक पत्र मिला। आज सुबह की डाक में। उसी विषय पर जिसके बारे में आप शनिवार को बात कर रहे थे।

“क्या बात है, ऐनी?”

“मरियम के बारे में—टाइप किया हुआ। और इस पर हस्ताक्षर नहीं हैं।”

“इसमें क्या लिखा है? मुझे पढ़कर सुनाओ।”

ऐनी कांपते हाथों से पढ़ रही थी, लेकिन उसकी स्पष्ट बोली थी, “‘प्रिय मिस फॉल्कनर, आपको यह जानकर शायद दिलचस्पी हो कि गाय हेन्स का अपनी पत्नी की हत्या में हाथ कानून की सोच से कहीं अधिक था। लेकिन सच्चाई सामने आ ही जाएगी। मुझे लगता है कि आपको यह जानना चाहिए, कहीं आप ऐसे दोहरे व्यक्तित्व वाले व्यक्ति से शादी करने की योजना तो नहीं बना रही हैं। इसके अलावा, यह लेखिका जानती है कि गाय हेन्स अब ज्यादा समय तक आज़ाद नहीं रहेगा।’ हस्ताक्षर, ‘एक मित्र’।”

गाय ने अपनी आँखें बंद कर लीं। "हे भगवान!"

“गाइ, क्या तुम्हें पता है कि यह कौन हो सकता है?—गाइ? हेलो?”

“हां,” उसने कहा।

"कौन?"

उसकी आवाज़ से उसे पता चल गया कि वह बस डरी हुई थी, कि उसे उस पर भरोसा था, और वह सिर्फ उसी के लिए डरी हुई थी। "मुझे नहीं पता, ऐनी।"

“क्या यह सच है, गाइ?” उसने चिंता से पूछा। “तुम्हें पता होना चाहिए। कुछ तो करना ही होगा।”

“मुझे नहीं पता,” गाय ने भौंहें चढ़ाते हुए दोहराया। उसका दिमाग मानो एक अनसुलझी पहेली में उलझ गया था।

“तुम्हें पता होना चाहिए। सोचो, गाइ। क्या तुम किसी को दुश्मन कह सकते हो?”

डाक टिकट की मुहर क्या है?

“ग्रैंड सेंट्रल। यह बिल्कुल सादा कागज है। इससे कुछ भी पता नहीं चलता।”

"इसे मेरे लिए बचा कर रखो।"

“बिल्कुल, गाइ। और मैं किसी को नहीं बताऊँगी। मतलब, परिवार को।” एक पल का विराम। “कोई न कोई तो होगा, गाइ। शनिवार को तुम्हें किसी पर शक हुआ था, है ना?”

“मैंने नहीं किया।” उसका गला भर आया। “कभी-कभी मुकदमे के बाद ऐसी बातें हो जाती हैं।” और उसे ब्रूनो को इस तरह से बचाने की तीव्र इच्छा हो रही थी जैसे ब्रूनो खुद दोषी हो। “मैं तुमसे कब मिल सकता हूँ, ऐनी? क्या मैं आज रात आ सकता हूँ?”

“खैर, मुझे मम्मी-पापा के साथ एक चैरिटी कार्यक्रम में जाना है। मैं आपको चिट्ठी डाक से भेज दूँगी। स्पेशल डिलीवरी से, आपको कल सुबह मिल जाएगी।”

तो अगली सुबह वह पत्र आया, साथ ही ब्रूनो की एक और योजना और एक स्नेहपूर्ण लेकिन आग्रहपूर्ण अंतिम पैराग्राफ भी था जिसमें उसने ऐनी को लिखे पत्र का जिक्र किया और और भी बहुत कुछ देने का वादा किया।

बाईस

गाय अपने बिस्तर के किनारे पर बैठ गया, अपने हाथों से अपना चेहरा ढक लिया, फिर जानबूझकर अपने हाथ नीचे कर लिए। उसे लगा कि रात ने उसके विचारों को जकड़ लिया है और उन्हें विकृत कर दिया है, रात, अंधेरा और अनिद्रा। फिर भी रात में भी सच्चाई छिपी होती है। रात में, सच्चाई तक पहुँचने का एक खास नजरिया होता है, लेकिन सारी सच्चाई एक जैसी ही होती है। अगर वह ऐनी को कहानी सुनाता, तो क्या वह उसे आंशिक रूप से दोषी नहीं मानती? उससे शादी करती? वह ऐसा कैसे कर सकती थी? वह किस तरह का दरिंदा था कि वह ऐसे कमरे में बैठा था जहाँ एक दराज में हत्या की योजना और उसे अंजाम देने वाली बंदूक रखी थी?

भोर की धुंधली रोशनी में उसने दर्पण में अपना चेहरा निहारा। उसका मुँह बाईं ओर झुका हुआ था, जो उसके चेहरे से बिल्कुल अलग था। तनाव के कारण उसका भरा हुआ निचला होंठ पतला हो गया था। उसने अपनी आँखों को पूरी तरह स्थिर रखने की कोशिश की। लेकिन उसकी पीली अर्धवृत्ताकार आँखों के ऊपर उसकी आँखें टकटकी लगाए देख रही थीं, मानो उसके शरीर का कोई हिस्सा आरोप से कठोर हो गया हो, मानो वह अपने यातनादाता को घूर रही हो।

क्या उसे कपड़े पहनकर टहलने जाना चाहिए या सोने की कोशिश करनी चाहिए? कालीन पर उसके कदम हल्के थे, अनजाने में वह आर्मचेयर के पास उस जगह से बच रहा था जहाँ फर्श चरमरा रहा था। ब्रूनो के पत्रों में लिखा था, "सुरक्षा

के लिए इन चरमराते कदमों को छोड़ देना चाहिए। जैसा कि आप जानते हैं, मेरे पिता का दरवाजा ठीक दाईं ओर है। मैंने सब कुछ देख लिया है और कहीं भी कोई गड़बड़ नहीं है। नक्शे पर देखो कि बटलर (हर्बर्ट) का कमरा कहाँ है। यहीं से आप किसी के सबसे करीब पहुँच सकते हैं। हॉल का फर्श वहाँ चरमरा रहा है जहाँ मैंने X का निशान लगाया है..." वह बिस्तर पर गिर पड़ा। "घर और रेलवे स्टेशन के बीच चाहे कुछ भी हो जाए, लूगर को ठिकाने लगाने की कोशिश मत करना।" उसे सब कुछ याद था, रसोई के दरवाजे की आवाज और हॉल के कालीन का रंग उसे अच्छी तरह पता था।

अगर ब्रूनो अपने पिता की हत्या के लिए किसी और को नियुक्त करता, तो उसके पास इन पत्रों में ब्रूनो को दोषी ठहराने के पर्याप्त सबूत होते। वह ब्रूनो द्वारा किए गए अपने कृत्य का बदला ले सकता था। लेकिन ब्रूनो केवल अपने झूठ से ही पलटवार करता, जिससे वह मिरियम की हत्या की साजिश रचने का दोषी साबित हो जाता। नहीं, ब्रूनो को किसी को नियुक्त करने में बस कुछ ही समय बाकी था। अगर वह ब्रूनो की धमकियों को कुछ और समय तक झेल लेता, तो सब कुछ खत्म हो जाता और वह चैन से सो पाता। उसने सोचा, अगर उसने ऐसा किया, तो वह बड़ी लूगर का इस्तेमाल नहीं करेगा, वह छोटी रिवॉल्वर का इस्तेमाल करेगा।

गाय दर्द से कराहते हुए, गुस्से में और अपने मन में आए शब्दों से भयभीत होकर बिस्तर से उठा। "शॉ बिल्डिंग," उसने स्वयं से कहा, मानो किसी नए दृश्य की घोषणा कर रहा हो, मानो रात के पथ से खुद को अलग करके दिन के पथ पर चल रहा हो। शॉ बिल्डिंग। पीछे की सीढ़ियों तक ज़मीन पूरी तरह घास से ढकी है, सिवाय उस बजरी के जिसे आपको छूने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। ... चार कदम छोड़ो, तीन कदम छोड़ो, ऊपर चौड़ा कदम रखो। तुम इसे याद रख सकते हो, इसकी लय लयबद्ध है।

“श्री हेन्स!”

गाइ चौंक गया और खुद को काट लिया। उसने अपना रेजर नीचे रख दिया और दरवाजे की ओर चला गया।

“हेलो, गाइ। क्या तुम तैयार हो?” सुबह-सुबह फोन पर आई आवाज़ ने पूछा, जो भद्दी लग रही थी और रात की जटिलताओं से और भी बदसूरत हो गई थी। “और

चाहिए?”

तुम मुझे परेशान नहीं करते।

ब्रूनो हंस पड़ा।

गाय ने कांपते हुए फोन काट दिया।

दिनभर सदमा बना रहा, कंपकंपी और पीड़ादायक। वह उस शाम ऐनी को देखने के लिए बेताब था, उस पल को पाने के लिए बेताब था जब वह उस जगह से उसे देख सके जहाँ उसने इंतज़ार करने का वादा किया था। लेकिन वह खुद को उससे वंचित भी रखना चाहता था। उसने खुद को थकाने के लिए रिवरसाइड ड्राइव पर लंबी सैर की, लेकिन फिर भी उसे नींद नहीं आई और उसे कई बुरे सपने आए। गाय ने सोचा, शॉ के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर हो जाने के बाद, जब वह अपना काम शुरू कर सकेगा, सब कुछ बदल जाएगा।

शॉ रियल्टी कंपनी के डगलस फ्रीयर ने वादे के मुताबिक अगली सुबह फोन किया। उनकी धीमी, कर्कश आवाज में कहा गया, "श्रीमान हेन्स, हमें आपके बारे में एक बहुत ही विचित्र पत्र मिला है।"

“क्या? किस तरह का पत्र?”

“आपकी पत्नी के बारे में। मुझे पता नहीं था—क्या मैं इसे आपको पढ़कर सुनाऊं?”

"कृपया।"

“‘जिनसे भी यह संबंधित हो: आपको यह जानकर शायद दिलचस्पी होगी कि गाय डेनियल हेन्स, जिनकी पत्नी की हत्या पिछले जून में हुई थी, इस कृत्य में अदालतों की जानकारी से कहीं अधिक भूमिका निभा चुके हैं। यह पत्र एक ऐसे व्यक्ति की ओर से है जो इस मामले को जानता है, और यह भी जानता है कि जल्द ही पुनर्विचार होगा जिससे अपराध में उनकी वास्तविक भूमिका का खुलासा होगा।’—मुझे उम्मीद है कि यह एक शरारती पत्र है, श्री हेन्स। मैंने सोचा कि आपको इसके बारे में पता होना चाहिए।”

“बिल्कुल।” कोने में, मायर्स सप्ताह की किसी भी अन्य सुबह की तरह ही शांत भाव से अपने ड्राइंग बोर्ड पर काम कर रहे थे।

“मुझे लगता है मैंने पिछले साल उस त्रासदी के बारे में सुना था। क्या दोबारा सुनवाई का कोई सवाल ही नहीं उठता?”

“बिल्कुल नहीं। मतलब, मैंने इसके बारे में कुछ नहीं सुना।” गाय ने अपनी उलझन पर अफसोस जताया। श्री फ्रेयर सिर्फ यह जानना चाहते थे कि क्या उन्हें काम करने की आजादी मिलेगी।

"क्षमा करें, श्री हेन्स, हमने उस अनुबंध के बारे में अभी तक अपना निर्णय पूरी तरह से नहीं लिया है।"

शॉ रियल्टी कंपनी ने अगली सुबह तक इंतजार किया और फिर उन्हें बताया कि वे उनके डिजाइनों से पूरी तरह संतुष्ट नहीं थे। दरअसल, वे एक अन्य वास्तुकार के काम में रुचि रखते थे।

गाय सोच रहा था कि ब्रूनो को इमारत के बारे में कैसे पता चला होगा। लेकिन इसके कई तरीके हो सकते थे। हो सकता है अखबारों में इसका ज़िक्र हुआ हो—ब्रूनो वास्तुकला से जुड़ी खबरों से अच्छी तरह वाकिफ रहता था—या हो सकता है ब्रूनो ने तब फोन किया हो जब उसे पता था कि मायर्स ऑफिस से बाहर है, और उसने लापरवाही से मायर्स से जानकारी ले ली हो। गाय ने फिर से मायर्स की तरफ देखा और सोचा कि क्या उसने कभी ब्रूनो से फोन पर बात की थी। यह संभावना किसी अलौकिक सी लग रही थी।

अब जब इमारत नष्ट हो चुकी थी, तो वह इसे इस नज़रिए से देखने लगा कि इसका क्या अर्थ नहीं रह गया था। गर्मियों तक उसे वह अतिरिक्त धन नहीं मिलेगा जिसकी उसने उम्मीद की थी। न ही वह प्रतिष्ठा, फॉल्कनर परिवार में मिलने वाली प्रतिष्ठा। उसके मन में एक बार भी यह ख्याल नहीं आया—जो उसकी पीड़ा का उतना ही बड़ा कारण था जितना कि अन्य कारण—कि एक रचना को नष्ट होते देखना उसकी निराशा का कारण था।

ब्रूनो अगले ग्राहक को, और फिर उसके बाद वाले को भी, जल्द ही सूचित कर देगा। यह उसकी धमकी थी कि वह उसका करियर बर्बाद कर देगा। और ऐनी के साथ उसका जीवन? गाय को ऐनी की याद आते ही दर्द की लहर दौड़ गई। उसे ऐसा लग रहा था कि वह लंबे समय तक यह भूलता रहता है कि वह उससे प्यार करता है। उनके बीच कुछ चल रहा था, वह कह नहीं सकता था क्या। उसे लग रहा

था कि ब्रूनो उसके प्यार करने के साहस को खत्म कर रहा है। हर छोटी से छोटी बात उसकी चिंता बढ़ा रही थी, चाहे वह यह हो कि वह अपने सबसे अच्छे जूते किस दुकान पर मरम्मत के लिए ले गया था, यह भूल जाने से लेकर ऑल्टन के उस घर तक, जो पहले से ही उनकी क्षमता से अधिक लग रहा था, और उसे संदेह था कि वे उसे संभाल पाएंगे या नहीं।

ऑफिस में, मायर्स अपनी दिनचर्या में लगे रहे, एजेंसी के कामों के ड्राफ्ट तैयार करते रहे, और गाय का फोन कभी नहीं बजा। एक बार गाय ने सोचा, ब्रूनो भी फोन नहीं करता क्योंकि वह चाहता है कि बात धीरे-धीरे बढ़ती जाए, ताकि जब उसकी आवाज आए तो उसे अच्छा लगे। खुद से निराश होकर, गाय दोपहर में नीचे गया और मैडिसन एवेन्यू के एक बार में मार्टिनी पी। उसे ऐनी के साथ दोपहर का खाना खाना था, लेकिन उसने फोन करके अपॉइंटमेंट तोड़ दिया, उसे याद नहीं आ रहा था कि क्यों। उसकी आवाज में कोई खास रूखापन नहीं था, लेकिन उसे लगा कि उसने उसके साथ दोपहर का खाना न खाने का कोई ठोस कारण नहीं बताया था। उसने यह तो बिल्कुल नहीं कहा था कि वह घर के लिए कुछ खरीदने जा रही है, वरना उसे याद रहता। या क्या उसे याद रहता? या क्या वह पिछले रविवार को उसके परिवार के साथ रात के खाने पर आने का वादा तोड़ने का बदला ले रही थी? वह पिछले रविवार को किसी से मिलने के लिए बहुत थका हुआ और उदास था। ऐसा लग रहा था कि उसके और ऐनी के बीच एक शांत, अनकही कहासुनी चल रही है। हाल ही में, वह इतना दुखी महसूस कर रहा था कि उस पर ध्यान देने की हिम्मत ही नहीं कर पा रहा था, और जब भी वह उससे मिलने के लिए कहता, वह व्यस्त होने का बहाना बनाती। वह घर की योजना बनाने में व्यस्त थी, और उससे झगड़ने में भी। यह सब समझ से परे था। दुनिया में ब्रूनो से भागने के अलावा कुछ भी समझ में नहीं आ रहा था। भागने का कोई भी तरीका समझ में नहीं आ रहा था। अदालत में जो भी होता, वह भी समझ से परे था।

उसने एक सिगरेट जलाई, फिर देखा कि उसके पास पहले से ही एक है। चमकदार काली मेज पर झुके हुए, उसने दोनों सिगरेट पी लीं। सिगरेट पकड़े हुए उसके हाथ और बाजू एक-दूसरे में प्रतिबिंबित हो रहे थे। दोपहर 1:15 बजे वह यहाँ क्या कर रहा था, अपनी तीसरी मार्टिनी के नशे में चूर होकर, खुद को काम

करने में असमर्थ बना रहा था, अगर उसे कोई काम करना भी आता हो तो? गाय हेन्स, जिसने ऐनी से प्यार किया था, जिसने पल्मायरा का निर्माण किया था? उसमें अपने मार्टिनी के गिलास को कोने में फेंकने की भी हिम्मत नहीं थी। दलदल। मान लीजिए कि वह पूरी तरह डूब गया। मान लीजिए कि उसने ब्रूनो के लिए हत्या कर दी। यह कितना आसान होगा, जैसा कि ब्रूनो ने कहा था, जब घर में उसके पिता और नौकर के अलावा कोई नहीं था, और गाय इस घर को मेटकाफ में अपने घर से भी ज्यादा अच्छी तरह जानता था। वह ब्रूनो के खिलाफ सुराग भी छोड़ सकता था, लूगर को कमरे में छोड़ सकता था। यह विचार एक ठोस बिंदु बन गया। उसकी मुट्ठियाँ अनायास ही ब्रूनो के खिलाफ बंद हो गईं, फिर मेज पर उसके सामने बंद मुट्ठी की बेबसी ने उसे शर्मिंदा कर दिया। उसे अपने दिमाग को फिर से उस ओर नहीं जाने देना चाहिए। ब्रूनो यही चाहता था कि उसका दिमाग ठीक यही करे।

उसने पानी के गिलास में अपना रुमाल भिगोया और चेहरे पर मल लिया। शेविंग के दौरान लगे एक कट में जलन होने लगी। उसने बगल में लगे दर्पण में देखा। उसमें से खून निकलने लगा था, ठुड्डी की हल्की सी दरार के ठीक एक तरफ एक छोटा सा लाल निशान। उसका मन किया कि दर्पण में दिख रही ठुड्डी पर मुक्का मार दे। वह झटके से उठा और बिल चुकाने चला गया।

लेकिन एक बार वहाँ जा चुके होने के कारण, उसका मन बार-बार वहाँ जाने के लिए तैयार हो जाता था। जिन रातों में उसे नींद नहीं आती थी, वह हत्या की घटना को दोहराता था, और यह उसे नशे की तरह सुकून देता था। यह हत्या नहीं थी, बल्कि ब्रूनो से छुटकारा पाने के लिए किया गया एक कृत्य था, मानो किसी घातक घाव को काटने के लिए चाकू की एक धार। रात में, ब्रूनो का पिता एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक वस्तु बन जाता था, जैसे वह स्वयं एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक शक्ति बन जाता था। उस घटना को दोहराना, लूगर बंदूक को कमरे में छोड़ना, ब्रूनो के दोषसिद्धि और मृत्यु की ओर बढ़ते सफर को देखना, उसके लिए एक तरह से मन की भड़ास निकालने जैसा था।

ब्रूनो ने उसे सोने के कोनों वाला और अंदर अपने नाम के शुरुआती अक्षर G.D.H. लिखा हुआ मगरमच्छ की चमड़ी का एक बटुआ भेजा। अंदर लिखे नोट में था, “मुझे लगा ये बिल्कुल तुम्हारे जैसा दिखता है, गाय। कृपया मुश्किलें मत खड़ी

करना। मैं तुम्हें बहुत पसंद करता हूँ। हमेशा की तरह, ब्रूनो।" गाय ने उसे सड़क पर कूड़ेदान में फेंकने के लिए हाथ बढ़ाया, फिर उसे अपनी जेब में रख लिया। उसे इतनी खूबसूरत चीज़ फेंकना अच्छा नहीं लगता था। वह सोच लेगा कि इसका क्या करे।

उसी सुबह, गाय ने रेडियो पैनल में बोलने का निमंत्रण ठुकरा दिया। वह काम करने की हालत में नहीं था और वह यह जानता था। फिर भी वह ऑफिस क्यों आता रहता था? वह पूरे दिन, और खासकर पूरी रात, नशे में धुत रहना चाहता था। वह अपनी डेस्क पर रखे मुड़े हुए कंपास को बार-बार घुमाता हुआ अपना हाथ देख रहा था। किसी ने एक बार उससे कहा था कि उसके हाथ कैपुचिन भिक्षु जैसे हैं। शिकागो में टिम ओ'फ्लैहर्टी ने। एक बार जब वे टिम के तहखाने वाले अपार्टमेंट में स्पेगेटी खा रहे थे, तब हम ले कॉर्बुसियर और वास्तुकारों में स्वाभाविक रूप से पाई जाने वाली वाक्पटुता के बारे में बात कर रहे थे, जो पेशे का एक स्वाभाविक हिस्सा है, और यह कितना सौभाग्य की बात है, क्योंकि आम तौर पर आपको अपनी बात मनवानी पड़ती है। लेकिन तब यह सब संभव था, भले ही मिरियम उसे थका रही थी, बस आगे एक नई ऊर्जा से भरी लड़ाई थी, और किसी तरह अपनी सभी कठिनाइयों के साथ सही भी थी। उसने कंपास को बार-बार घुमाया, अपनी उंगलियों को उस पर सरकाते हुए, जब तक उसे लगा कि शोर मायर्स को परेशान कर रहा होगा और वह रुक गया।

"गाइ, इससे पीछे हट जाओ," मायर्स ने सौहार्दपूर्वक कहा।

“यह ऐसी चीज नहीं है जिससे कोई झट से उबर सके। या तो इंसान टूट जाता है या नहीं,” गाय ने एकदम शांत स्वर में जवाब दिया, और फिर खुद को रोक न पाने के कारण बोला, “मुझे सलाह नहीं चाहिए, मायर्स। धन्यवाद।”

“सुनो, गाइ—” मायर्स मुस्कुराते हुए, दुबले-पतले, शांत स्वभाव के साथ खड़े हो गए। लेकिन वे अपनी डेस्क के कोने से आगे नहीं बढ़े।

उस आदमी ने दरवाजे के पास पेड़ से अपना कोट उठाया। "मुझे माफ करना। चलो इसे भूल जाते हैं।"

“मुझे पता है क्या बात है। शादी से पहले की घबराहट। मुझे भी हुई थी। क्या कहते हो, चलो नीचे जाकर एक ड्रिंक पीते हैं?”

मायर्स की आत्मीयता ने गाय के भीतर एक विशेष प्रकार की गरिमा का भाव जगा दिया, जिसका उसे तब तक एहसास नहीं हुआ था जब तक कि उसे ठेस नहीं पहुँची। वह मायर्स के बेफिक्र, भावहीन चेहरे और उसकी आत्मसंतुष्ट तुच्छता को सहन नहीं कर पा रहा था। "धन्यवाद," उसने कहा, "सच में मेरी ऐसी इच्छा नहीं है।" उसने धीरे से दरवाजा बंद कर दिया।

तेईस

गाय ने सड़क के उस पार भूरे रंग के पत्थरों से बनी इमारतों की कतार पर एक नज़र फिर डाली, उसे यकीन था कि उसने ब्रूनो को देखा था। उसकी आँखों में जलन हो रही थी और धुंधलापन छा रहा था, मानो वह शाम के धुंधलके से जूझ रहा हो। उसने उसे देखा था, काले लोहे के गेट के पास, जहाँ वह खुद नहीं था। गाय मुड़ा और सीढ़ियों पर दौड़ पड़ा। उसके पास आज रात वर्डी के ओपेरा के टिकट थे। ऐनी उससे 8:30 बजे थिएटर में मिलने वाली थी। आज रात उसका ऐनी से मिलने का मन नहीं था, वह ऐनी की तरह उत्साह नहीं चाहता था, वह यह दिखावा करके खुद को थकाना नहीं चाहता था कि वह जैसा है उससे बेहतर महसूस कर रहा है। वह उसके न सोने को लेकर चिंतित थी। उसने ज़्यादा कुछ कहा तो नहीं, लेकिन इस छोटी सी बात से उसे चिढ़ हो रही थी। सबसे बढ़कर, वह वर्डी का संगीत नहीं सुनना चाहता था। आखिर उसे वर्डी के टिकट खरीदने की क्या सूझी थी? वह ऐनी को खुश करने के लिए कुछ करना चाहता था, लेकिन ज़्यादा से ज़्यादा उसे यह पसंद नहीं आता, और क्या उन दोनों को पसंद न आने वाली चीज़ के टिकट खरीदना पागलपन नहीं था?

श्रीमती मैककॉसलैंड ने उसे एक नंबर दिया जिस पर उसे कॉल करना था। उसे लगा कि यह नंबर ऐनी की किसी चाची का है। उसे उम्मीद थी कि शायद ऐनी आज रात व्यस्त होगी।

“यार, मुझे नहीं लगता कि मैं आ पाऊँगी,” ऐनी ने कहा। “आंटी जूली मुझे जिन दो लोगों से मिलवाना चाहती थीं, वे रात के खाने के बाद ही आएँगे।”

"ठीक है।"

और मैं इससे पीछे नहीं हट सकता।

"यह बिलकुल ठीक है।"

मुझे खेद है। क्या आपको पता है कि मैंने आपको शनिवार से नहीं देखा है?

गाय ने अपनी जीभ का अगला हिस्सा काट लिया। उसके आसक्ति भरे व्यवहार, उसकी चिंता, यहाँ तक कि उसकी स्पष्ट, कोमल आवाज़, जो पहले एक आलिंगन के समान थी—इन सब के प्रति एक वास्तविक घृणा ने उसे यह एहसास दिलाया कि वह अब उससे प्यार नहीं करता।

"आज रात आप श्रीमती मैककॉसलैंड को क्यों नहीं ले जाते? मुझे लगता है कि अगर आप ऐसा करें तो अच्छा रहेगा।"

“ऐनी, मुझे बिल्कुल भी परवाह नहीं है।”

“गाइ, उसके बाद कोई और पत्र नहीं आया?”

“नहीं।” उसने तीसरी बार उससे यही पूछा था!

मैं तुमसे प्यार करता हूँ। तुम भूलोगे नहीं ना?

नहीं, ऐनी।

वह दौड़कर ऊपर अपने कमरे में गया, अपना कोट टांगा, नहाया, बाल संवारे और तुरंत ही उसके पास करने को कुछ नहीं बचा था, और उसे ऐनी की बहुत याद आ रही थी। उसे ऐनी की बहुत ज़्यादा याद आ रही थी। आखिर वह इतना पागल क्यों हो गया था कि उसने सोचा कि वह उसे देखना नहीं चाहता? उसने अपनी जेबों में श्रीमती मैककॉसलैंड का टेलीफोन नंबर वाला नोट ढूंढा, फिर नीचे भागा और उसे हॉल के फर्श पर खोजने लगा। वह गायब हो गया था—जैसे किसी ने जानबूझकर उसे चुरा लिया हो ताकि वह उसे रोक सके। उसने सामने के दरवाजे के नक्काशीदार शीशे से अंदर झाँका। ब्रूनो, उसने सोचा, ब्रूनो ने ही उसे लिया होगा।

फॉल्कनर परिवार को उसकी चाची का नंबर पता होगा। वह उससे मिलेगा, उसके साथ शाम बिताएगा, चाहे इसका मतलब उसकी चाची जूली के साथ शाम बिताना ही क्यों न हो। लॉन्ग आइलैंड में टेलीफोन बजता रहा, बजता रहा, लेकिन किसी ने जवाब नहीं दिया। उसने फिर से उसकी चाची का अंतिम नाम याद करने की कोशिश की, लेकिन याद नहीं आया।

उसका कमरा एक अजीब सी खामोशी से भरा हुआ था, मानो उसमें कोई रहस्य छिपा हो। उसने दीवारों के चारों ओर बनी छोटी-छोटी किताबों की अलमारियों पर,

श्रीमती मैककॉसलैंड द्वारा दीवार के ब्रैकेटों में दी गई लता पर, पढ़ने वाले लैंप के पास रखी खाली लाल मखमली कुर्सी पर, अपने बिस्तर के ऊपर बने काले-सफेद स्केच पर, जिसका शीर्षक था "काल्पनिक चिड़ियाघर", और रसोई को छुपाने वाले साधुओं के कपड़े के पर्दों पर नज़र डाली। लगभग ऊबते हुए वह गया और पर्दों को एक तरफ हटाकर उनके पीछे देखा। उसे पक्का एहसास था कि कमरे में कोई उसका इंतज़ार कर रहा है, हालाँकि उसे ज़रा भी डर नहीं था। उसने अखबार उठाया और पढ़ना शुरू कर दिया।

कुछ देर बाद, वह एक बार में दूसरी मार्टिनी पी रहा था। उसने सोचा कि उसे सोना ही होगा, चाहे इसके लिए उसे अकेले ही पीना पड़े, जो उसे बिल्कुल पसंद नहीं था। वह टाइम्स स्क्वायर गया, बाल कटवाए और घर लौटते समय एक लीटर दूध और कुछ अखबार खरीदे। उसने सोचा कि माँ को चिट्ठी लिखने के बाद, वह थोड़ा दूध पिएगा, अखबार पढ़ेगा और सो जाएगा। या फिर शायद घर आने पर फर्श पर ऐनी का फ़ोन नंबर पड़ा हो। लेकिन ऐसा नहीं था।

लगभग रात के दो बजे, वह बिस्तर से उठा और भूख से बेहाल होकर कमरे में इधर-उधर घूमने लगा। फिर भी, उसे याद आया कि पिछले हफ्ते की एक रात उसने सार्डिन मछली का डिब्बा खोला था और उसे चाकू की धार पर रखकर खा लिया था। वह रात उसके लिए पशुवत भावनाओं को जगाने और खुद से गहराई से जुड़ने का समय था। उसने किताबों की अलमारी से एक नोटबुक उठाई और जल्दी-जल्दी पन्ने पलटे। यह उसकी पहली न्यूयॉर्क नोटबुक थी, जब वह लगभग बाईस साल का था। उसने उसमें बेतरतीब ढंग से रेखाचित्र बनाए थे—क्राइस्लर बिल्डिंग, पेन व्हिटनी मनोरोग क्लिनिक, ईस्ट रिवर पर नावें, चट्टान में क्षैतिज रूप से काटने वाली बिजली की ड्रिल मशीनों पर झुके हुए मजदूर। रेडियो सिटी की इमारतों पर एक श्रृंखला थी, जिसमें जगह के बारे में नोट्स थे, और सामने वाले पृष्ठ पर उसी इमारत के कुछ संशोधन थे, या शायद उसकी अपनी कल्पना से बनी कोई बिल्कुल नई इमारत। उसने नोटबुक जल्दी से बंद कर दी क्योंकि वह अच्छी थी, और उसे संदेह था कि क्या वह अब भी उतना ही अच्छा लिख पाएगा। पल्मायरा उसके यौवन की उस उदार, प्रसन्न ऊर्जा का अंतिम क्षण प्रतीत हुआ। जो सिसकी वह अब तक दबा रहा था, उसने उसके सीने को एक असहनीय, परिचित दर्द से

जकड़ लिया—वह दर्द जो मिरियम के बाद के वर्षों से उसे परिचित था। अगली सिसकी को रोकने के लिए वह अपने बिस्तर पर लेट गया।

गाय अंधेरे में ब्रूनो की मौजूदगी से जाग उठा, हालाँकि उसे कुछ सुनाई नहीं दिया। अचानक हुई इस घटना से पहले तो वह थोड़ा चौंक गया, लेकिन फिर उसे ज़रा भी आश्चर्य नहीं हुआ। जैसा उसने पहले भी कई रातों में सोचा था, ब्रूनो के आने से वह बहुत खुश था। सचमुच ब्रूनो? हाँ। गाय ने अब उसकी सिगरेट का आखिरी सिरा देखा, जो दराज के पास पड़ा था।

“ब्रूनो?”

“हाय,” ब्रूनो ने धीमी आवाज़ में कहा। “मैं पास की चाबी से अंदर आया हूँ। अब आप तैयार हैं, है ना?” ब्रूनो की आवाज़ शांत और थकी हुई लग रही थी।

गाइ एक कोहनी के बल उठा। ज़ाहिर है ब्रूनो वहीं था। उसकी सिगरेट का नारंगी सिरा वहीं था। "हाँ," गाइ ने कहा, और महसूस किया कि उसकी 'हाँ' अँधेरे में समा गई है, उन रातों की तरह नहीं जब उसकी 'हाँ' खामोश थी, उसके मुँह से निकली तक नहीं। उसके दिमाग में जो गाँठ थी, वह इतनी अचानक खुल गई कि उसे दर्द हुआ। यही वह बात थी जो वह कहना चाहता था, यही वह बात थी जिसे कमरे की खामोशी सुनना चाहती थी। और दीवारों के पार के वो दरिंदे भी।

ब्रूनो बिस्तर के किनारे बैठ गया और अपनी दोनों बाहों को कोहनियों के ऊपर कसकर पकड़ लिया। "गाइ, मैं तुम्हें फिर कभी नहीं देख पाऊंगा।"

“नहीं।” ब्रूनो से सिगरेट और मीठी ब्रिलिएंटाइन की भयानक बदबू आ रही थी, शराब की खट्टी गंध भी थी, लेकिन गाय उससे पीछे नहीं हटा। उसका दिमाग अभी भी रस्सी खोलने के अपने मजे में लगा हुआ था।

“मैंने पिछले कुछ दिनों में उसके साथ अच्छा व्यवहार करने की कोशिश की,” ब्रूनो ने कहा। “अच्छा नहीं, बस शालीनता से। आज रात बाहर जाने से ठीक पहले उसने मेरी माँ से कुछ कहा—”

“मैं यह सुनना नहीं चाहता!” गाय ने कहा। उसने बार-बार ब्रूनो को रोका था क्योंकि वह यह नहीं जानना चाहता था कि उसके पिता ने क्या कहा था, वे कैसे दिखते थे, उनके बारे में कुछ भी।

वे दोनों कुछ सेकंड के लिए चुप रहे, गाय इसलिए क्योंकि वह कोई स्पष्टीकरण नहीं देना चाहता था, और ब्रूनो इसलिए क्योंकि उसे चुप करा दिया गया था।

ब्रूनो ने घिनौनी सी आवाज़ में सूंघा। “हम कल दोपहर 12 बजे तक मेन के लिए निकल रहे हैं। मेरी माँ, मैं और ड्राइवर। कल रात अच्छी रहेगी, लेकिन गुरुवार की रात को छोड़कर कोई भी रात एक जैसी ही होती है। 11 बजे के बाद कभी भी...”

वह लगातार बोलता रहा, वही बातें दोहराता रहा जो गाय पहले से जानता था, और गाय ने उसे नहीं रोका, क्योंकि वह जानता था कि वह घर में प्रवेश करने वाला है और वह सब सच हो जाएगा।

“दो दिन पहले गुस्से में आकर मैंने पीछे वाले दरवाजे का ताला तोड़ दिया। वो इसे ठीक नहीं करवाएंगे, बहुत व्यस्त हैं। लेकिन अगर करवा भी दें तो—” उसने गाय के हाथ में चाबी थमा दी। “और ये मैं तुम्हारे लिए लाया हूँ।”

"यह क्या है?"

“दस्ताने। महिलाओं के दस्ताने, लेकिन ये खिंच जाएंगे।” ब्रूनो हँस पड़ा।

गाइ ने पतले सूती दस्तानों को महसूस किया।

“तुम्हारे पास बंदूक है, है ना? वो कहाँ है?”

सबसे नीचे वाले दराज में।

गाय ने उसे दराज से टकराते हुए सुना और दराज खुलने की आवाज़ सुनी। लैंपशेड चटकने की आवाज़ आई, बत्ती जल उठी, और ब्रूनो वहाँ एक नए पोलो कोट में खड़ा था, जो इतना हल्का था कि लगभग सफ़ेद लग रहा था, और काले रंग की पतली सफ़ेद धारी वाली पैंट पहने हुए था। उसके गले में एक सफ़ेद रेशमी मफलर लटका हुआ था। गाय ने उसके छोटे भूरे जूतों से लेकर उसके तेल लगे पतले बालों तक, उसे गौर से देखा, मानो उसकी शारीरिक बनावट से ही वह उसके भावों में आए बदलाव का कारण या फिर वह भाव क्या था, यह जान सके। यह अपनापन था और कुछ और भी, भाईचारे जैसा। ब्रूनो ने बंदूक बंद की और उसकी ओर मुड़ा। उसका चेहरा पिछली बार जब गाय ने देखा था, उससे कहीं ज़्यादा गंभीर था, लालिमा लिए हुए और पहले से कहीं ज़्यादा जीवंत। उसकी धूसर आँखें आँसुओं से भरी हुई और सुनहरी लग रही थीं। उसने गाय को ऐसे देखा मानो वह शब्द ढूँढ़ने की कोशिश कर रहा हो, या मानो गाय से शब्द ढूँढ़ने की विनती कर

रहा हो। फिर उसने अपने पतले होंठों को गीला किया, सिर हिलाया और लैंप की ओर हाथ बढ़ाया। बत्ती बुझ गई।

जब वह चला गया, तो ऐसा लगा ही नहीं कि वह चला गया है। कमरे में अब भी सिर्फ़ वे दोनों ही थे, और नींद थी।

जब गाय जागा तो कमरे में एक तेज़, धुंधली रोशनी फैली हुई थी। घड़ी में 3:25 बज रहे थे। उसे याद कम और कल्पना ज़्यादा थी कि वह सुबह फ़ोन करने के लिए उठा था, मायर्स ने फ़ोन करके पूछा था कि वह क्यों नहीं आया, और उसने कहा था कि उसकी तबीयत ठीक नहीं है। मायर्स को क्या हो गया है! वह लेटा रहा, अपनी सुस्ती को पलकें झपकाकर दूर भगाता रहा, और अपने दिमाग के सोचने वाले हिस्से में यह बात बिठाने की कोशिश करता रहा कि आज रात वह यह काम करेगा, और आज रात के बाद सब कुछ खत्म हो जाएगा। फिर वह उठा और धीरे-धीरे अपनी रोज़मर्रा की दिनचर्या में लग गया - दाढ़ी बनाना, नहाना और कपड़े पहनना। उसे पता था कि 11 से 12 बजे के बीच का समय आने तक उसके किसी भी काम का कोई मतलब नहीं है, वह समय जिसमें न कोई जल्दी थी और न ही कोई देरी, जो अपने तय समय पर आ रहा था। उसे लगा कि अब वह एक निश्चित रास्ते पर चल रहा है, और अगर वह चाहता भी तो खुद को रोक नहीं सकता था या उससे भटक नहीं सकता था।

गली के नीचे एक कॉफी शॉप में देर से नाश्ता करते समय, उसे अचानक एक अजीब सी अनुभूति हुई। उसे याद आया कि पिछली बार जब उसने ऐनी को देखा था, तो उसने उसे अपने सारे इरादे बता दिए थे, और ऐनी ने शांति से उसकी बात सुनी थी, क्योंकि वह जानती थी कि उसे उसकी खातिर सुनना ही होगा, क्योंकि उसे वही करना था जो उसे करना ही था। यह सब इतना स्वाभाविक और अपरिहार्य लग रहा था कि उसे लगा कि दुनिया में हर कोई इसे जानता होगा, यहाँ तक कि उसके बगल में बेफिक्र होकर खाना खा रहे व्यक्ति को भी, और श्रीमती मैककॉसलैंड को भी, जो उसके बाहर जाते समय अपने हॉल में झाड़ू लगा रही थीं, जिन्होंने उसे एक ममतामयी मुस्कान दी थी और पूछा था कि क्या वह ठीक है। कॉफी शॉप की दीवार पर लगे कैलेंडर पर लिखा था, 12 मार्च, शुक्रवार। गाय ने एक पल के लिए कैलेंडर को देखा, फिर अपना खाना खत्म किया।

वह आगे बढ़ते रहना चाहता था। उसने सोचा कि जब तक वह मैडिसन एवेन्यू, फिर फिफ्थ एवेन्यू से सेंट्रल पार्क के अंत तक, फिर सेंट्रल पार्क वेस्ट से पेनसिल्वेनिया स्टेशन तक पैदल चलेगा, तब तक ग्रेट नेक जाने वाली ट्रेन का समय हो जाएगा। उसने आज रात की अपनी योजना के बारे में सोचना शुरू किया, लेकिन यह उसे स्कूल के किसी विषय की तरह उबाऊ लगा, जिसे वह पहले ही बहुत पढ़ चुका था, और वह रुक गया। मैडिसन एवेन्यू की एक खिड़की में लगे पीतल के बैरोमीटर अब उसे विशेष रूप से आकर्षित कर रहे थे, मानो उसे जल्द ही छुट्टी मिलने वाली हो और वह उन्हें अपने पास रखकर उनके साथ खेल सके। उसने सोचा, ऐनी की नाव में इन बैरोमीटरों जैसा सुंदर बैरोमीटर नहीं था, वरना उसने ज़रूर देखा होता। हनीमून पर दक्षिण की ओर रवाना होने से पहले उसे एक बैरोमीटर ज़रूर लेना चाहिए। उसने अपने प्यार के बारे में सोचा, मानो वह कोई अनमोल वस्तु हो। वह सेंट्रल पार्क के उत्तरी छोर पर पहुँच गया था, तभी उसे याद आया कि उसके पास बंदूक नहीं है। न ही दस्ताने। और पौने आठ बज रहे थे। एक बढ़िया, बेवकूफी भरी शुरुआत! उसने एक टैक्सी रोकी और ड्राइवर को जल्दी से अपने घर वापस जाने के लिए कहा।

आखिरकार, उसके पास काफी समय था, इतना कि वह कुछ देर तक अपने कमरे में अनमने ढंग से घूमता रहा। क्या उसे क्रेप सोल वाले जूते पहनने चाहिए? क्या उसे टोपी पहननी चाहिए? उसने सबसे नीचे वाले दराज से लूगर बंदूक निकाली और उसे मेज पर रख दिया। बंदूक के नीचे ब्रूनो की एक योजना थी, जिसे उसने खोला, लेकिन तुरंत ही हर शब्द इतना जाना-पहचाना लगा कि उसने उसे कूड़ेदान में फेंक दिया। उसकी गति फिर से सहज हो गई। उसने अपने बिस्तर के पास वाली मेज से बैंगनी सूती दस्ताने उठाए। उनमें से एक छोटा सा पीला कार्ड फड़फड़ाया। यह ग्रेट नेक का टिकट था।

उसने काली लूगर पिस्तौल को घूरकर देखा, जो पहले से कहीं ज़्यादा उसे बेतुकी लग रही थी। इतनी बड़ी बंदूक बनाना बेवकूफी थी! उसने ऊपर वाले दराज से अपनी छोटी रिवॉल्वर निकाली। उसका मोती का हैंडल एक अलग ही खूबसूरती से चमक रहा था। उसकी छोटी, पतली नली जिज्ञासु, दृढ़ और संयमित शक्ति से भरपूर लग रही थी। फिर भी, उसे यह नहीं भूलना चाहिए था कि वह लूगर पिस्तौल

को बेडरूम में छोड़ने वाला था, क्योंकि वह ब्रूनो की बंदूक थी। लेकिन अब सिर्फ़ इसके लिए इतनी भारी बंदूक ले जाना उसे फ़ायदेमंद नहीं लग रहा था। अब उसे ब्रूनो से कोई दुश्मनी नहीं थी, और यही अजीब बात थी।

एक पल के लिए वह पूरी तरह से असमंजस में पड़ गया। बेशक, लूगर ले लो, लूगर तो योजना में थी! उसने लूगर को अपने ओवरकोट की जेब में रख लिया। उसका हाथ दराज में रखे दस्तानों की ओर बढ़ा। दस्ताने बैंगनी रंग के थे और उसके रिवॉल्वर का फलालैन का थैला लैवेंडर रंग का था। अचानक उसे लगा कि मिलते-जुलते रंगों के कारण उसे छोटी रिवॉल्वर ले लेनी चाहिए, इसलिए उसने लूगर को वापस नीचे वाले दराज में रख दिया और छोटी रिवॉल्वर को अपनी जेब में डाल लिया। उसने यह नहीं देखा कि और कुछ करना है या नहीं, क्योंकि ब्रूनो की योजनाओं पर बार-बार विचार करने के कारण उसे यह महसूस हो रहा था कि उसने सब कुछ कर लिया है। अंत में उसने एक गिलास पानी लिया और उसे दीवार पर लगे ब्रैकेट में लता पर डाल दिया। उसने सोचा कि एक कप कॉफी पीने से शायद वह ज़्यादा सतर्क हो जाएगा। वह ग्रेट नेक स्टेशन पर एक कप कॉफी ले लेगा।

ट्रेन में एक पल ऐसा आया, जब एक आदमी ने उसके कंधे पर धक्का मारा, तब उसकी नसें इतनी तेज़ी से कांपने लगीं कि उसे लगा जैसे कुछ होने वाला है, और उसके दिमाग में शब्दों की झड़ी लग गई, मानो वो बोलने ही वाला था: मेरी जेब में सचमुच बंदूक नहीं है। मैंने इसे कभी बंदूक नहीं समझा। मैंने इसे बंदूक समझकर नहीं खरीदा। और तुरंत ही उसे राहत महसूस हुई, क्योंकि वह जानता था कि वह इससे किसी को मारेगा। वह ब्रूनो जैसा था। क्या उसने बार-बार यह महसूस नहीं किया था, और कायर की तरह कभी स्वीकार नहीं किया था? क्या उसे नहीं पता था कि ब्रूनो उसी की तरह है? या उसने ब्रूनो को क्यों पसंद किया था? वह ब्रूनो से प्यार करता था। ब्रूनो ने उसके लिए हर तरह से रास्ता तैयार किया था, और सब कुछ ठीक होगा क्योंकि ब्रूनो के साथ हमेशा सब कुछ ठीक ही होता था। दुनिया ब्रूनो जैसे लोगों के लिए ही बनी है।

जब वह ट्रेन से उतरा तो हल्की-हल्की, दिशाहीन धुंध बरस रही थी। गाय सीधे बसों की उस कतार की ओर चल पड़ा जिसके बारे में ब्रूनो ने बताया था। खुली

खिड़की से आती हवा न्यूयॉर्क की हवा से भी ठंडी थी, और खुले ग्रामीण इलाकों की ताजगी से भरी हुई थी। बस रोशन सामुदायिक केंद्र से निकलकर दोनों ओर घरों वाली एक अंधेरी सड़क पर चल पड़ी। उसे याद आया कि वह स्टेशन पर कॉफी के लिए नहीं रुका था। इस चूक ने उसे इतना परेशान कर दिया कि वह बस से उतरकर वापस कॉफी लेने जाने ही वाला था। एक कप कॉफी से उसकी जिंदगी में बहुत बड़ा फर्क पड़ सकता था। जी हाँ, उसकी जिंदगी में! लेकिन ग्रांट स्ट्रीट स्टेशन पर पहुँचते ही वह अपने आप खड़ा हो गया, और तय पटरियों पर चलने का एहसास उसे सुकून देने लगा।

कच्ची सड़क पर उसके कदमों की आहट नम और लचीली थी। उसके आगे एक युवती सीढ़ियों से होते हुए सामने के रास्ते पर दौड़ पड़ी, और उसके पीछे दरवाजा बंद होने की आवाज शांत और सौहार्दपूर्ण लगी। सामने एक खाली ज़मीन थी जिस पर एक अकेला पेड़ था, और बाईं ओर अंधेरा और जंगल था। ब्रूनो ने अपने सभी नक्शों में जिस स्ट्रीट लैंप का ज़िक्र किया था, उसकी चमक तेल से सने नीले और सुनहरे रंग की थी। एक कार धीरे-धीरे पास आई, सड़क के गड्ढों पर उसकी हेडलाइट्स जंगली आँखों की तरह चमक रही थीं, और वह उसके पास से गुज़र गई।

वह अचानक उसके सामने आ गया, और ऐसा लगा जैसे किसी जाने-पहचाने दृश्य से पर्दा हट गया हो: सामने सात फुट ऊंची सफेद प्लास्टर की दीवार, जो ऊपर लटके चेरी के पेड़ की छाया से कहीं-कहीं थोड़ी धुंधली लग रही थी, और उसके पार सफेद छत का त्रिकोण। डॉगहाउस। उसने सड़क पार की। सड़क के ऊपर से धीमी कदमों की आहट सुनाई दी। वह दीवार के उत्तरी हिस्से की अंधेरी दीवार के पास तब तक रुका रहा जब तक कि वह आकृति दिखाई नहीं दी। वह एक पुलिसवाला था, जो हाथों में लाठी लिए टहल रहा था। गाय को जरा भी डर नहीं लगा, बल्कि उससे भी कम जितना कि अगर वह पुलिसवाला न होता, उसने सोचा। पुलिसवाले के चले जाने के बाद, गाय दीवार के बगल में पंद्रह कदम चला, उछलकर उसके ऊपरी किनारे को पकड़ा और उस पर चढ़ गया। लगभग ठीक उसके नीचे, उसने दूध के डिब्बे का धुंधला सा आकार देखा, जिसके बारे में ब्रूनो ने कहा था कि उसने उसे दीवार के पास फेंक दिया था। वह चेरी के पेड़ की शाखाओं

के बीच से घर को देखने के लिए झुका। उसे पहली मंजिल पर मौजूद पाँच बड़ी खिड़कियों में से दो दिखाई दे रही थीं, और स्विमिंग पूल का आयताकार हिस्सा उसकी ओर उभरा हुआ था। वहाँ कोई रोशनी नहीं थी। वह नीचे कूद गया।

अब उसे पीछे की ओर बनी छह सफेद सीढ़ियों की शुरुआत और पूरे घर को घेरे हुए फूलविहीन डॉगवुड पेड़ों की धुंधली झालर दिखाई दे रही थी। जैसा कि उसने ब्रूनो के रेखाचित्रों से अनुमान लगाया था, घर अपने दस दोहरे छज्जों के लिए बहुत छोटा था, जाहिर है कि इसे सिर्फ इसलिए बनाया गया था क्योंकि ग्राहक को छज्जे चाहिए थे, बस। वह दीवार के भीतरी हिस्से के साथ-साथ चलता रहा, तभी टहनियों की चटकने की आवाज ने उसे डरा दिया। ब्रूनो ने कहा था कि यह लॉन के बीचोंबीच तिरछा कटा हुआ है, और यही टहनियों की आवाज का कारण था।

जब वह घर की ओर बढ़ा, तो किसी ने उसकी टोपी उतार दी। उसने टोपी को अपने ओवरकोट के आगे वाले हिस्से में ठूंस दिया और चाबी वाली जेब में हाथ डाल लिया। उसने दस्ताने कब पहने थे? उसने गहरी सांस ली और दौड़ते-चलते, बिल्ली की तरह फुर्तीले अंदाज़ में लॉन पार किया। उसने सोचा, मैंने यह पहले भी कई बार किया है, यह तो बस एक बार है। वह घास के किनारे पर रुका, उस परिचित गैराज पर नज़र डाली जिसकी ओर बजरी वाली सड़क मुड़ रही थी, फिर पीछे की छह सीढ़ियाँ चढ़ गया। पिछला दरवाज़ा भारी और आसानी से खुल गया और उसने दूसरी तरफ का हैंडल पकड़ लिया। लेकिन येल लॉक वाला दूसरा दरवाज़ा नहीं खुला, और उसे थोड़ी शर्मिंदगी महसूस हुई, फिर उसने ज़ोर से धक्का दिया और दरवाज़ा खुल गया। उसने बाईं ओर रसोई की मेज़ पर घड़ी की आवाज़ सुनी। वह जानता था कि यह एक मेज़ है, हालाँकि उसे केवल अंधेरा ही दिखाई दे रहा था, जिसमें चीज़ों के कम काले आकार थे - बड़ा सफ़ेद चूल्हा, नौकरों की मेज़ और कुर्सियाँ, अलमारियाँ। वह पीछे की सीढ़ियों की ओर तिरछे चलने लगा, कदमों को गिनते हुए। मैं चाहता था कि आप मुख्य सीढ़ी का इस्तेमाल करें, लेकिन पूरी सीढ़ी चरमराती है। वह धीरे-धीरे और अकड़कर चल रहा था, अपनी आँखें फैलाए हुए, उन सब्जी के डिब्बों से बचते हुए जिन्हें वह वास्तव में देख नहीं पा रहा था। अचानक उसे लगा कि वह किसी पागल नींद में चलने वाले व्यक्ति जैसा दिख रहा है, जिससे वह घबरा गया।

पहले बारह सीढ़ियाँ चढ़ो, सात छोड़ दो। फिर मोड़ के बाद दो छोटी सीढ़ियाँ... चार छोड़ो, तीन छोड़ो, ऊपर पहुँचकर एक चौड़ा कदम रखो। तुम इसे याद रख सकते हो, इसकी एक लयबद्ध ताल है। उसने पहली छोटी सीढ़ी का चौथा कदम छोड़ दिया। आखिरी सीढ़ी से ठीक पहले मोड़ पर एक गोल खिड़की थी। गाय को किसी निबंध से याद आया, "जिस तरह घर बनता है, उसी तरह उसमें रहने वालों की गतिविधियों का स्वरूप होता है... क्या बच्चा अपने खेल के कमरे में पंद्रह सीढ़ियाँ चढ़ने से पहले खिड़की पर रुककर नज़ारा देखेगा?" उसके बाईं ओर दस फीट आगे बटलर का दरवाजा था। "यही वह जगह है जहाँ तुम किसी के इतने करीब आ पाओगे," ब्रूनो ने दरवाजे के अंधेरे खंभे के पास से गुजरते हुए ऊँची आवाज़ में कहा।

ज़मीन से हल्की सी कराह उठी, और गाय ने धैर्यपूर्वक अपना पैर पीछे खींच लिया, थोड़ी देर रुका और उस जगह से घूमकर आगे बढ़ गया। धीरे से उसका हाथ हॉल के दरवाज़े की कुंडी पर जा पहुँचा। जैसे ही उसने दरवाज़ा खोला, मुख्य सीढ़ी के चबूतरे पर लगी घड़ी की टिक-टिक तेज़ हो गई, और उसे एहसास हुआ कि वह इसे कई सेकंड से सुन रहा था। उसने एक आह सुनी।

मुख्य सीढ़ियों पर एक आह!

घंटी बजी। दरवाज़े का हैंडल खड़खड़ाया, और उसने उसे इतनी ज़ोर से दबाया कि शायद टूट ही गया। तीन। चार। बटलर के सुनने से पहले दरवाज़ा बंद कर दो! क्या इसीलिए ब्रूनो ने कहा था कि 11 से 12 बजे के बीच? धिक्कार है उसे! और अब उसके पास लूगर भी नहीं थी! गाय ने धड़ाम से दरवाज़ा बंद कर दिया। पसीने से तरबतर, ओवरकोट के कॉलर से गर्मी उसके चेहरे तक पहुँच रही थी, घड़ी लगातार बजती रही। और एक आखिरी बार।

फिर उसने ध्यान से सुना, और वहाँ बहरे और अंधे की टिक-टिक के सिवा कुछ नहीं था। उसने दरवाज़ा खोला और मुख्य हॉल में चला गया। मेरे पिता का दरवाज़ा ठीक दाईं ओर है। उसे फिर से सब कुछ याद आ गया। और यकीनन वह पहले भी यहाँ आ चुका था, उस खाली हॉल में जिसे वह ब्रूनो के पिता के दरवाज़े को घूरते हुए महसूस कर सकता था, जहाँ धूसर कालीन, मलाईदार रंग की पैनल वाली दीवारें और सीढ़ियों के ऊपर संगमरमर की मेज़ थी। हॉल में एक अजीब सी गंध थी

और वह गंध भी जानी-पहचानी थी। उसकी कनपटी पर एक तेज़ गुदगुदी सी हुई। अचानक उसे यकीन हो गया कि बूढ़ा आदमी दरवाज़े के ठीक दूसरी तरफ खड़ा है, ठीक उसी तरह अपनी साँस रोके हुए, उसका इंतज़ार कर रहा है। गाय ने अपनी साँस इतनी देर तक रोके रखी थी कि अगर बूढ़ा आदमी भी साँस न लेता तो मर ही जाता। बकवास! दरवाज़ा खोलो!

उसने अपने बाएं हाथ में दरवाज़े का हैंडल पकड़ा, और उसका दायाँ हाथ अपने आप जेब में रखी बंदूक की ओर बढ़ गया। वह खुद को एक मशीन की तरह महसूस कर रहा था, खतरे से परे और अजेय। वह यहाँ पहले भी कई बार आ चुका था, उसे कई बार मार चुका था, और यह उनमें से सिर्फ़ एक बार था। उसने दरवाज़े की एक इंच चौड़ी दरार को घूरा, मानो उसके सामने एक अनंत अंतरिक्ष खुल रहा हो, और चक्कर आने की अनुभूति के शांत होने का इंतज़ार किया। मान लीजिए कि अंदर जाने पर वह उसे देख न पाए? मान लीजिए कि बूढ़े आदमी ने उसे पहले देख लिया? सामने के बरामदे की रात की बत्ती कमरे को थोड़ा रोशन कर रही थी, लेकिन पलंग दूसरे कोने में था। उसने दरवाज़ा और चौड़ा खोला, ध्यान से सुना, और जल्दबाजी में अंदर चला गया। लेकिन कमरा एकदम शांत था, अंधेरे कोने में पलंग एक बड़ी धुंधली सी चीज़ की तरह दिख रहा था, जिसके सिरहाने पर एक हल्की सी पट्टी थी। उसने दरवाज़ा बंद कर लिया, कहीं हवा से दरवाज़ा उड़ न जाए, फिर कोने की ओर मुँह किया।

बंदूक पहले से ही उसके हाथ में थी, जिसका निशाना उस बिस्तर पर था जो देखने में खाली लग रहा था, चाहे उसने उसे कितनी भी गौर से देखा हो।

उसने अपने दाहिने कंधे के ऊपर खिड़की पर एक नज़र डाली। वह लगभग एक फुट ही खुली थी, जबकि ब्रूनो ने कहा था कि हल्की बारिश के कारण उसे पूरी तरह खुला रखना होगा। उसने बिस्तर की ओर भौंहें चढ़ाईं, और फिर एक भयानक सिहरन के साथ दीवार के किनारे पड़े सिर की आकृति को पहचाना, जो एक तरफ झुका हुआ था मानो उसे एक तरह की तिरस्कार भरी नज़र से देख रहा हो। चेहरा बालों से ज़्यादा गहरा था जो तकिए में घुलमिल गए थे। बंदूक ठीक उसी तरह उस पर ताने खड़ी थी जैसे वह खुद।

सीने पर गोली मारनी चाहिए। बंदूक ने आज्ञाकारी ढंग से सीने की ओर देखा। गाय ने अपने पैर बिस्तर के पास सरकाए और फिर पीछे खिड़की की ओर देखा। सांस लेने की कोई आवाज नहीं थी। कोई सोच भी नहीं सकता था कि वह जीवित है। उसने खुद से यही कहा था कि उसे यही सोचना चाहिए, कि वह आकृति महज़ एक निशाना है। और क्योंकि वह निशाने को नहीं जानता था, इसलिए यह युद्ध में मारने जैसा था। अब?

खिड़की से "हा-हा-हा-आ!" की आवाज आई।

वह व्यक्ति कांप उठा और बंदूक भी कांप उठी।

हंसी दूर से आई थी, एक लड़की की हंसी, दूर से लेकिन साफ और सीधी गोली की तरह। गाय ने अपने होंठ गीले किए। हंसी की जीवंतता ने पल भर के लिए दृश्य की हर चीज को मिटा दिया था, उसकी जगह कुछ भी नहीं छोड़ा था, और अब धीरे-धीरे वह खालीपन भर रहा था जब वह यहाँ खड़ा होकर मारने के लिए तैयार था। यह पलक झपकते ही हो गया था। जीवन। सड़क पर चलती हुई युवती। शायद एक युवक के साथ। और बिस्तर पर सोता हुआ आदमी, जीवित। नहीं, सोचो मत! तुम यह ऐनी के लिए कर रहे हो, याद है? ऐनी के लिए और अपने लिए! यह युद्ध में मारने जैसा है, मारने जैसा—

उसने ट्रिगर दबाया। बस एक क्लिक की आवाज़ आई। उसने फिर दबाया और क्लिक की आवाज़ आई। यह सब एक चाल थी! यह सब झूठ था और इसका कोई अस्तित्व ही नहीं था! यहाँ तक कि उसका यहाँ खड़ा होना भी नहीं! उसने फिर ट्रिगर दबाया।

कमरा एक ज़ोरदार गर्जना से गूंज उठा। भय से उसकी उंगलियां कस गईं। गर्जना फिर से हुई, मानो दुनिया की सतह फट गई हो।

"काघ!" पलंग पर लेटी आकृति ने कहा। धूसर चेहरा ऊपर की ओर उठा, जिससे सिर और कंधों की बनावट दिखाई दी।

गाय बरामदे की छत पर था और गिर रहा था। इस एहसास ने उसे किसी बुरे सपने के अंत में गिरने जैसी अनुभूति से जगा दिया। चमत्कारिक रूप से एक शामियाने की छड़ उसके हाथ में आ गई और वह फिर से नीचे, हाथों और घुटनों के बल गिर पड़ा। वह बरामदे के किनारे से कूदा, घर के किनारे-किनारे भागा, फिर

लॉन पार करते हुए सीधे उस जगह की ओर बढ़ा जहाँ दूध का डिब्बा रखा था। जब वह जागा तो उसे ज़मीन से चिपके होने का एहसास हुआ, और उसके हाथ जो लॉन पर अपनी दौड़ तेज़ करने की कोशिश कर रहे थे, उनकी बेबसी का एहसास हुआ। यही तो एहसास है, यही है, उसने सोचा—जीवन, ऊपर से आती हँसी की तरह। सच तो यह था कि जब कोई लकवाग्रस्त हो जाता है, असंभव परिस्थितियों का सामना कर रहा होता है, तो यह किसी बुरे सपने जैसा होता है।

“अरे!” एक आवाज ने पुकारा।

जैसा उसने अनुमान लगाया था, बटलर उसके पीछे-पीछे आ रहा था। उसे महसूस हुआ कि बटलर ठीक उसके पीछे है। भयानक सपना!

अरे! अरे, वहाँ!

गाइ चेरी के पेड़ों के नीचे मुड़ा और मुट्ठी बांधे खड़ा हो गया। बटलर उसके ठीक पीछे नहीं था। वह काफी दूर था, लेकिन उसने उसे देख लिया था। सफेद पजामा पहने पागलों की तरह दौड़ती हुई आकृति उछलते हुए धुएं की तरह लहराई, फिर उसकी ओर मुड़ी। गाइ वहीं जम कर खड़ा रहा, इंतज़ार करता रहा।

"अरे!"

गाइ ने अपनी मुट्ठी से सामने से आ रहे व्यक्ति की ठोड़ी पर वार किया और वह सफेद प्रेत जैसे दिखने वाला प्राणी गिर पड़ा।

गाय दीवार की ओर कूद गया।

उसके चारों ओर अंधेरा गहराता चला गया। उसने एक छोटे से पेड़ को चकमा दिया, एक खाई जैसी दिखने वाली जगह को पार किया और भागता चला गया। फिर अचानक वह औंधा गिर पड़ा और उसके शरीर के बीचोंबीच से चारों ओर दर्द फैल रहा था, मानो उसे जड़वत कर रहा हो। उसका शरीर बुरी तरह कांप रहा था, और उसने सोचा कि उसे इस कंपकंपी को इकट्ठा करके भागना चाहिए, कि ब्रूनो ने उसे यहाँ जाने के लिए बिल्कुल नहीं कहा था, लेकिन वह हिल नहीं पा रहा था। बस न्यूहोप से घर के दक्षिण में पूर्व की ओर जाने वाली छोटी कच्ची सड़क (वहाँ कोई बत्ती नहीं है) पकड़ो और दो बड़ी सड़कों को पार करके कोलंबिया स्ट्रीट तक जाओ और दक्षिण (दाएं) की ओर चलो... उस बस लाइन तक जो दूसरे रेलवे स्टेशन तक जाती है। ब्रूनो के लिए कागज पर अपने घटिया निर्देश लिखना कितना

आसान था। धिक्कार है उसे! वह जानता था कि वह अब कहाँ है, घर के पश्चिम में उस खेत में जिसका किसी भी योजना में कभी इस्तेमाल नहीं होना था! उसने पीछे मुड़कर देखा। अब उत्तर किधर है? स्ट्रीट लाइट कहाँ गई? शायद वह अंधेरे में उस छोटी सड़क को ढूंढ ही न पाए। उसे पता नहीं था कि घर उसके पीछे है या बाईं ओर। उसकी दाहिनी बांह में एक रहस्यमय दर्द हो रहा था, इतना तेज कि उसे लगा जैसे वह अंधेरे में चमक रही हो।

उसे ऐसा लगा जैसे बंदूक के धमाके से उसके टुकड़े-टुकड़े हो गए हों, जैसे उसमें फिर कभी हिलने-डुलने की ताकत ही न बची हो, और उसे इसकी परवाह भी न हो। उसे हाई स्कूल में फुटबॉल खेलते समय लगी चोट याद आई, जब वह दर्द से बेहाल होकर मुंह के बल लेटा था। उसे रात का खाना याद आया, वही खाना और गर्म पानी की बोतल जो उसकी माँ बिस्तर पर उसके लिए लाई थी, और उसके हाथों का स्पर्श जिससे उसने उसकी ठुड्डी के नीचे चादर ठीक की थी। उसका कांपता हुआ हाथ एक आधे दबे पत्थर पर रगड़ खाकर छिल रहा था। उसने अपने होंठ काट लिए और खाली-खाली सोचता रहा, जैसे कोई थकावट भरी सुबह में आधी नींद में सोचता है, कि उसे अगले ही पल उठना होगा चाहे कितना भी दर्द हो, क्योंकि वह सुरक्षित नहीं था। वह अभी भी घर के बहुत करीब था। और अचानक उसके हाथ-पैर ऐसे फड़फड़ाने लगे जैसे अचानक बिजली का झटका लगा हो और वह फिर से मैदान में दौड़ने लगा।

एक अजीब सी आवाज ने उसे रोक दिया—एक धीमी, संगीतमय कराह जो चारों ओर से आती हुई प्रतीत हो रही थी।

पुलिस सायरन, ज़ाहिर है। और बेवकूफ़ों की तरह उसने पहले हवाई जहाज़ के बारे में सोचा था! वह भागता रहा, यह जानते हुए कि वह सिर्फ़ अंधाधुंध भाग रहा है और सीधे सायरन से दूर भाग रहा है जो अब उसके बाएं कंधे के ऊपर थे, और उसे छोटी सड़क ढूंढने के लिए बाईं ओर मुड़ना चाहिए। वह लंबी प्लास्टर की दीवार से बहुत दूर निकल गया होगा। उसने मुख्य सड़क पार करने के लिए बाईं ओर मुड़ना शुरू किया जो निश्चित रूप से उसी दिशा में थी, तभी उसे एहसास हुआ कि सायरन सड़क पर आ रहे हैं। उसे या तो इंतज़ार करना होगा—वह इंतज़ार नहीं कर सकता था। वह कारों के समानांतर भागता रहा। तभी किसी चीज़ ने उसका पैर पकड़

लिया, और गाली देते हुए वह फिर गिर गया। वह एक गड्ढे जैसी जगह पर बाहें फैलाए पड़ा था, दाहिना हाथ ऊपर की ओर मुड़ा हुआ था। निराशा ने उसे गुस्से में रोने पर मजबूर कर दिया। उसका बायां हाथ अजीब सा लग रहा था। वह कलाई तक पानी में डूबा हुआ था। इससे मेरी घड़ी गीली हो जाएगी, उसने सोचा। लेकिन जितना ज़्यादा वह उसे बाहर निकालने की कोशिश करता, उतना ही उसे हिलाना नामुमकिन लगता। उसे दो ताकतों का एहसास हुआ, एक जो उसकी बांह को हिला रही थी और दूसरी जो नहीं हिला रही थी, दोनों इतनी खूबसूरती से संतुलित थीं कि उसकी बांह में जरा भी तनाव नहीं था। हैरानी की बात यह थी कि उसे लगा कि वह अब सो सकता है। अचानक उसके मन में ख्याल आया, पुलिस मुझे घेर लेगी, और वह तुरंत उठकर भागने लगा।

उसके ठीक दाहिनी ओर, एक सायरन विजय की चीख के साथ गूंज उठा, मानो उसने उसे ढूंढ लिया हो।

उसके सामने अचानक रोशनी का एक आयताकार टुकड़ा उभरा, और वह मुड़कर उससे दूर भाग गया। एक खिड़की! वह लगभग एक घर से टकराने ही वाला था। पूरी दुनिया जाग उठी थी! और उसे सड़क पार करनी थी!

पुलिस की गाड़ी उसके ठीक तीस फीट आगे सड़क पर झाड़ियों के बीच से हेडलाइट की एक हल्की सी रोशनी के साथ गुज़री। उसके बाईं ओर, जहाँ घर होना चाहिए था, एक और सायरन की धीमी आवाज़ आई और फिर शांत हो गई। झुककर, गाय गाड़ी के ठीक पीछे सड़क पार करके घने अंधेरे में चला गया। अब छोटी सी सड़क चाहे जहाँ भी हो, वह इस दिशा में घर से और दूर भाग सकता था। दक्षिण की ओर चारों ओर घने जंगल हैं, जहाँ छोटी सड़क से उतरने पर आसानी से छुप सकते हैं। . . . मेरे घर और रेलवे स्टेशन के बीच चाहे कुछ भी हो जाए, लूगर को फेंकने की कोशिश मत करना। उसका हाथ जेब में गया और दस्तानों के छेदों से छोटी रिवॉल्वर की ठंडक महसूस हुई। उसे याद नहीं था कि उसने बंदूक वापस जेब में रखी थी। हो सकता है वह नीले कालीन पर पड़ी हो! और मान लो कि वह उससे गिर गई हो? सोचने का यह अच्छा समय है!

किसी चीज़ ने उसे पकड़ लिया था और जकड़ रखा था। उसने मुट्ठियों से अपने आप ही उसका मुकाबला किया, और पाया कि वह झाड़ियाँ, टहनियाँ और कंटीली

डालियाँ थीं। वह उनसे लड़ता रहा और अपने शरीर को उनके बीच से फेंकता रहा, क्योंकि सायरन अभी भी उसके पीछे थे और यही एकमात्र रास्ता था। उसने अपने सामने, दोनों ओर और यहाँ तक कि पीछे भी मौजूद दुश्मन पर ध्यान केंद्रित किया, जो हजारों नुकीले छोटे हाथों से उस पर झपट रहे थे, जिनकी कर्कश आवाज़ सायरन की आवाज़ को भी दबा रही थी। उसने अपनी पूरी ताकत खुशी-खुशी उनके खिलाफ लगा दी, उनके साथ हो रही सीधी और स्पष्ट लड़ाई का आनंद लेते हुए।

वह जंगल के किनारे, ढलान वाली पहाड़ी पर औंधा पड़ा हुआ जागा। क्या वह सच में जागा था, या अभी कुछ ही पल पहले गिरा था? उसके सामने आसमान में धुंध छाई हुई थी, भोर की शुरुआत हो रही थी, और जब वह उठा, तो उसकी धुंधली दृष्टि ने उसे बताया कि वह बेहोश था। उसकी उंगलियां सीधे उसके सिर के किनारे उभरे हुए बालों और गीलेपन के गुच्छे पर गईं। शायद मेरा सिर टूट गया है, उसने डरते हुए सोचा, और कुछ पल के लिए बेसुध खड़ा रहा, मानो उसे लग रहा हो कि वह मर जाएगा।

नीचे, एक छोटे से कस्बे की मंद रोशनी शाम के समय तारों की तरह चमक रही थी। गाय ने अनायास ही एक रुमाल निकाला और उसे अपने अंगूठे के निचले हिस्से पर कसकर लपेट लिया, जहाँ एक कट से काला-सा खून बह रहा था। वह एक पेड़ की ओर बढ़ा और उस पर झुक गया। उसकी नज़रें कस्बे और नीचे सड़क पर चारों ओर घूम रही थीं। वहाँ कुछ भी हिलता-डुलता नहीं था। क्या यही वह था? पेड़ के सहारे खड़ा, बंदूक के धमाके, सायरन की आवाज़, जंगल से हुई लड़ाई की यादों के साथ? उसे पानी चाहिए था। कस्बे के किनारे बनी कच्ची सड़क पर उसने एक पेट्रोल पंप देखा। वह उसकी ओर चल पड़ा।

पेट्रोल पंप के बगल में एक पुराने ज़माने का पंप था। उसने अपना सिर उसके नीचे रखा। उसका चेहरा घावों के निशान की तरह जल रहा था। धीरे-धीरे उसका दिमाग साफ़ होने लगा। वह ग्रेट नेक से दो मील से ज़्यादा दूर नहीं हो सकता था। उसने अपना दाहिना दस्ताना उतारा जो एक उंगली और कलाई से लटका हुआ था, और उसे अपनी जेब में रख लिया। दूसरा दस्ताना कहाँ था? क्या उसने उसे जंगल में ही छोड़ दिया था जहाँ उसने अपना अंगूठा बाँधा था? घबराहट की एक लहर ने

उसे अपनी परिचितता से तसल्ली दी। उसे उसके लिए वापस जाना होगा। उसने अपने ओवरकोट की जेबें तलाशीं, ओवरकोट खोला और अपनी पतलून की जेबें टटोलीं। उसकी टोपी उसके पैरों के पास गिर गई। वह टोपी के बारे में भूल गया था, और शायद उसने उसे कहीं गिरा दिया था? फिर उसने अपनी बाईं आस्तीन के अंदर दस्ताना पाया, जो उसकी कलाई के चारों ओर लिपटी हुई ऊपरी सिलाई से ज़्यादा कुछ नहीं था, और फटा हुआ था, और उसने उसे खुशी जैसी एक अमूर्त राहत के साथ जेब में रख लिया। उसने पतलून का एक फटा हुआ कफ ऊपर किया। उसने दक्षिण दिशा की ओर पैदल चलने का फैसला किया, फिर दक्षिण की ओर जाने वाली कोई भी बस पकड़ी और तब तक सफर किया जब तक वह किसी रेलवे स्टेशन पर नहीं पहुंच गया।

जैसे ही उसे अपना लक्ष्य समझ आया, दर्द शुरू हो गया। इन घुटनों के साथ वह इस सड़क की पूरी दूरी कैसे तय कर पाएगा? फिर भी वह चलता रहा, खुद को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए सिर ऊंचा रखे हुए। रात और दिन के बीच एक अजीब सा संतुलन था, अंधेरा अभी भी था, हालांकि हर जगह हल्की सी चमक फैली हुई थी। ऐसा लग रहा था कि अंधेरा रोशनी पर हावी हो जाएगा, क्योंकि अंधेरा कहीं ज्यादा बड़ा था। काश रात बस इतना ही संभाल पाती जब तक वह घर पहुंचकर दरवाजा बंद न कर ले!

फिर अचानक रात के अंधेरे में उजाला छा गया और उसके बाईं ओर का पूरा क्षितिज रोशन हो गया। एक चांदी जैसी रेखा पहाड़ी की चोटी के चारों ओर दौड़ती हुई दिखाई दी और पहाड़ी बैंगनी, हरी और भूरी हो गई, मानो अपनी आँखें खोल रही हो। पहाड़ी पर एक पेड़ के नीचे एक छोटा सा पीला घर खड़ा था। उसके दाईं ओर, एक अंधेरा मैदान हरी और भूरी घास से भर गया था, जो समुद्र की तरह धीरे-धीरे हिल रही थी। जैसे ही उसने देखा, एक पक्षी घास से चीखता हुआ निकला और अपने नुकीले पंखों से आकाश में एक तेज़, टेढ़ा-मेढ़ा, जोशीला संदेश लिख डाला। गाय रुक गया और उसके गायब होने तक उसे देखता रहा।

चौबीस

सौवीं बार उसने बाथरूम के शीशे में अपना चेहरा देखा, धैर्यपूर्वक हर खरोंच को स्टाइप्टिक पेंसिल से छुआ और फिर से पाउडर लगाया। उसने अपने चेहरे और

हाथों की देखभाल ऐसे की जैसे वे उसके शरीर का हिस्सा ही न हों। जब उसकी नज़रें शीशे में घूरती आँखों से मिलीं, तो वे वैसे ही हट गईं जैसे उस पहली दोपहर ट्रेन में हटी होंगी, जब उसने ब्रूनो की नज़रों से बचने की कोशिश की थी, गाय ने सोचा।

वह वापस आया और अपने बिस्तर पर गिर पड़ा। आज का पूरा दिन और कल, रविवार, बाकी था। उसे किसी से मिलने की ज़रूरत नहीं थी। वह कुछ हफ़्तों के लिए शिकागो जा सकता था और कह सकता था कि वह काम के सिलसिले में बाहर गया है। लेकिन अगर वह अगले दिन ही शहर छोड़ देता, तो शक पैदा हो सकता था। कल। पिछली रात। अपने खरोंचों वाले हाथों को छोड़कर, वह शायद यह मान लेता कि उसने यह सब अपने सपनों में से एक में किया था। क्योंकि वह ऐसा करना नहीं चाहता था, उसने सोचा। यह उसकी मर्ज़ी नहीं थी। यह ब्रूनो की मर्ज़ी थी, जो उसके ज़रिए काम कर रही थी। वह ब्रूनो को कोसना चाहता था, ज़ोर से कोसना चाहता था, लेकिन अब उसमें इतनी हिम्मत नहीं थी। अजीब बात यह थी कि उसे कोई अपराधबोध नहीं हो रहा था, और अब उसे लग रहा था कि ब्रूनो की मर्ज़ी ने ही उसे ऐसा करने के लिए प्रेरित किया था। लेकिन यह अपराधबोध क्या था, जो उसे मिरियम की मौत के बाद अब से ज़्यादा महसूस हो रहा था? अब वह बस थका हुआ था, और किसी बात की परवाह नहीं कर रहा था। या क्या हत्या करने के बाद हर कोई ऐसा ही महसूस करता है? उसने सोने की कोशिश की, और उसका मन लॉन्ग आइलैंड की बस में बिताए उन पलों को याद करने लगा, उन दो कामगारों को जिन्होंने उसे घूरा था, और अखबार से चेहरा ढककर सोने का उसका नाटक करने को। उसे कामगारों के साथ ज़्यादा शर्म महसूस हुई थी...

सामने की सीढ़ियों पर उसके घुटने लड़खड़ा गए और वह लगभग गिर ही गया। उसने यह देखने की कोशिश भी नहीं की कि कोई उसे देख रहा है या नहीं। अखबार खरीदने के लिए नीचे जाना उसके लिए एक सामान्य बात थी। लेकिन वह यह भी जानता था कि उसमें यह देखने की ताकत नहीं थी कि कोई उसे देख रहा है या नहीं, यहाँ तक कि परवाह करने की भी ताकत नहीं थी, और वह उस समय से डरता था जब उसे यह ताकत मिलेगी, ठीक वैसे ही जैसे कोई बीमार या घायल व्यक्ति अगले अनिवार्य ऑपरेशन से डरता है।

जर्नल-अमेरिकन में सबसे लंबी खबर छपी थी, जिसमें हत्यारे का एक चित्र बना था। यह चित्र बटलर के विवरण के आधार पर तैयार किया गया था, जिसमें वह छह फुट एक इंच लंबा, लगभग एक सौ सत्तर से अस्सी पाउंड वजनी, गहरे रंग का ओवरकोट और टोपी पहने हुए दिखाई दे रहा था। गाय ने इसे हल्के आश्चर्य के साथ पढ़ा, मानो यह उसके बारे में न हो: वह तो केवल पांच फुट नौ इंच लंबा था और उसका वजन लगभग एक सौ चालीस पाउंड था। और उसने टोपी भी नहीं पहनी थी। उसने कहानी का वह हिस्सा छोड़ दिया जिसमें सैमुअल ब्रूनो की पहचान बताई गई थी, और हत्यारे के भागने के बारे में लगाए गए अनुमानों को बड़े चाव से पढ़ा। अखबार में लिखा था कि वह न्यूहोप रोड के उत्तर की ओर गया, जहाँ माना जाता था कि वह ग्रेट नेक कस्बे में खो गया, शायद रात 12:18 बजे की ट्रेन पकड़ ली हो। असल में, वह दक्षिण-पूर्व की ओर गया था। उसे अचानक राहत और सुरक्षा का एहसास हुआ। उसने खुद को चेतावनी दी कि यह सुरक्षा एक भ्रम है। वह खड़ा हुआ, पहली बार उतना ही घबराया हुआ जितना वह घर के बगल वाले खाली मैदान में लड़खड़ाते समय था। अखबार कई घंटे पुराना था। अब तक उन्हें अपनी गलती का एहसास हो जाना चाहिए था। वे अब तक उसके दरवाजे के ठीक बाहर, उसके पास आ सकते थे। वह इंतज़ार करता रहा, कहीं कोई आवाज़ नहीं थी, और फिर से थका हुआ महसूस करते हुए, वह बैठ गया। उसने खुद को बाकी लंबे लेख पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मजबूर किया। हत्यारे की निर्ममता पर ज़ोर दिया गया था, और यह तथ्य कि यह अंदरूनी मामला लग रहा था। कोई उंगलियों के निशान नहीं, कुछ जूतों के निशानों के अलावा कोई सुराग नहीं, साढ़े नौ नंबर के जूते, और सफेद प्लास्टर की दीवार पर एक काले जूते का धब्बा। उसके कपड़े, उसने सोचा, उसे अपने कपड़े तुरंत उतार देने चाहिए, लेकिन उसे ऐसा करने की ऊर्जा कब मिलेगी? गाय ने सोचा, इतनी गीली ज़मीन के बावजूद, उन्होंने उसके जूते का साइज़ ज़्यादा आँका था, यह अजीब बात थी। "...एक असामान्य रूप से छोटे कैलिबर की गोली," अखबार ने कहा। उसे अपना रिवॉल्वर भी उतार देना चाहिए। उसे दुख का एक हल्का सा झटका लगा। उसे इससे कितनी नफ़रत होगी, उसे उस पल से कितनी नफ़रत होगी जब वह अपने रिवॉल्वर से अलग होगा! उसने खुद को उठाया और अपने सिर पर रखे तौलिए के लिए और बर्फ लेने गया।

ऐनी ने दोपहर बाद उसे फोन करके पूछा कि क्या वह रविवार रात को मैनहट्टन में उसके साथ एक पार्टी में जा सकता है।

“हेलेन हेबर्न की पार्टी। तुम्हें पता है, मैंने तुम्हें इसके बारे में बताया था।”

“हां,” गाय ने कहा, उसे कुछ भी याद नहीं था। उसकी आवाज़ में एकरूपता थी, “मुझे लगता है कि मुझे पार्टी में जाने का मन नहीं है, ऐनी।”

पिछले एक घंटे से वह सुन्न महसूस कर रहा था। इससे ऐनी की बातें उसे बेमानी और अर्थहीन लग रही थीं। वह खुद को सही बातें कहते हुए सुन रहा था, उसे इस बात का ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था, या शायद उसे परवाह भी नहीं थी, कि ऐनी को कोई फर्क महसूस होगा। ऐनी ने कहा कि वह क्रिस नेल्सन को अपने साथ ले जा सकती है, और गाय ने कहा ठीक है, और सोचा कि नेल्सन उसके साथ जाकर कितना खुश होगा क्योंकि नेल्सन, जो गाय से मिलने से पहले ऐनी को अक्सर देखता था, अब भी उससे प्यार करता था, गाय ने सोचा।

“क्यों न मैं रविवार शाम को कुछ स्वादिष्ट व्यंजन ले आऊं,” ऐनी ने कहा, “और हम साथ में नाश्ता कर लें? मैं क्रिस को बाद में बुला सकती हूं।”

“मैंने सोचा था कि मैं रविवार को बाहर जाऊंगी, ऐनी। स्केचिंग करने के लिए।”

“ओह। मुझे माफ करना। मुझे आपसे कुछ कहना था।”

"क्या?"

“मुझे लगता है कि आपको यह पसंद आएगा। खैर—फिर कभी।”

गाय दबे पांव सीढ़ियों पर चढ़ गया, श्रीमती मैककॉसलैंड के लिए सतर्क था। ऐनी उसके प्रति उदासीन थी, उसने मन ही मन सोचा, ऐनी उदासीन थी। अगली बार जब वह उसे देखेगी, तो वह जान जाएगी और उससे नफरत करेगी। ऐनी का रिश्ता खत्म, ऐनी का रिश्ता खत्म। वह यही दोहराता रहा जब तक कि उसे नींद नहीं आ गई।

वह अगली दोपहर तक सोता रहा, फिर बाकी दिन बिस्तर पर सुस्ती में पड़ा रहा। उसे लग रहा था कि कमरे में जाकर तौलिये में बर्फ़ भरना भी उसके लिए असहनीय पीड़ादायक था। उसे लग रहा था कि वह कभी भी इतनी नींद नहीं ले पाएगा कि अपनी ताकत वापस पा सके। वह सोचने लगा, "पीछे मुड़कर देखना।" उसका शरीर और मन उस लंबे सफर को दोहरा रहे थे जो उन्होंने तय किया था।

किस ओर लौटना? वह अकड़ा हुआ और डरा हुआ लेटा रहा, डर से पसीना आ रहा था और कंपकंपी हो रही थी। फिर उसे बाथरूम जाने के लिए उठना पड़ा। उसे हल्का दस्त हो गया था। डर से, उसने सोचा। जैसे किसी युद्ध के मैदान में।

आधी नींद में उसने सपना देखा कि वह लॉन पार करके घर की ओर जा रहा है। घर बादल की तरह कोमल, सफेद और निर्बल था। वह वहाँ खड़ा रहा, गोली चलाने को तैयार नहीं था, बल्कि उससे लड़कर यह साबित करने के लिए दृढ़ था कि वह उसे जीत सकता है। गोली की आवाज से उसकी नींद खुल गई। उसने अपने कमरे में भोर की रोशनी में आँखें खोलीं। उसने खुद को अपनी काम की मेज के पास खड़ा देखा, ठीक वैसे ही जैसे सपने में था, कोने में रखे बिस्तर पर बंदूक ताने हुए, जहाँ सैमुअल ब्रूनो उठने की कोशिश कर रहा था। बंदूक फिर से गर्जना कर उठी। गाय चीख उठा।

वह लड़खड़ाते हुए बिस्तर से उछल पड़ा। वह आकृति गायब हो गई। उसकी खिड़की पर वही संघर्षशील प्रकाश था जो उसने उस भोर में देखा था, जीवन और मृत्यु का वही मिश्रण। वही प्रकाश उसके जीवन भर हर भोर में आएगा, हमेशा उस कमरे को प्रकट करेगा, और बार-बार देखने पर वह कमरा और अधिक स्पष्ट होता जाएगा, उसका भय और भी तीव्र होता जाएगा। मान लीजिए कि वह अपने जीवन भर हर भोर में जागता रहे?

रसोईघर की घंटी बजी।

उसने सोचा, पुलिस नीचे है। भोर होते ही वे उसे पकड़ लेंगे। और उसे इसकी कोई परवाह नहीं थी, बिलकुल भी नहीं। वह अपना जुर्म कबूल कर लेगा। वह सब कुछ एक ही बार में बता देगा!

उसने रिलीज बटन पर झुककर दबाव डाला, फिर अपने दरवाजे पर जाकर सुनने लगा।

तेज़ कदमों की आहट सुनाई दी। ऐनी के कदम। ऐनी की जगह पुलिस! वह पूरी तरह मुड़ा, मूर्खता से अपना पर्दा खींच लिया। उसने दोनों हाथों से अपने बाल पीछे किए और सिर पर बंधी गांठ को महसूस किया।

“मैं,” ऐनी ने फुसफुसाते हुए कहा और अंदर आ गई। “मैं हेलेन के घर से चलकर आई हूँ। कितनी बढ़िया सुबह है!” उसने उसकी पट्टी देखी और उसके चेहरे से

खुशी गायब हो गई। “तुम्हारे हाथ को क्या हुआ?”

वह अपनी मेज के पास छाया में पीछे हट गया। "मेरी लड़ाई हो गई थी।"

“कब? कल रात? और तुम्हारा चेहरा, गाइ!”

“हाँ।” उसे वह चाहिए थी, उसे अपने पास रखना ही था, उसने सोचा। उसके बिना वह मर जाएगा। उसने उसे बाहों में भरने की कोशिश की, लेकिन उसने उसे पीछे धकेल दिया और धुंधली रोशनी में उसे घूरने लगी।

“कहाँ, गाइ? वो कौन था?”

“एक ऐसा आदमी जिसे मैं जानता भी नहीं,” उसने भावहीनता से कहा, उसे शायद ही एहसास था कि वह झूठ बोल रहा है, क्योंकि उसे उसे अपने साथ रखना बेहद ज़रूरी था। “एक बार में। लाइट मत जलाना,” उसने जल्दी से कहा। “प्लीज़, ऐनी।”

"एक बार में?"

मुझे नहीं पता यह कैसे हुआ। अचानक ही।

"कोई ऐसा व्यक्ति जिसे आपने पहले कभी नहीं देखा हो?"

"हाँ।"

मुझे आपकी बात पर विश्वास नहीं है।

वह धीरे-धीरे बोली, और गाय अचानक भयभीत हो गया, यह महसूस करते हुए कि वह उससे अलग व्यक्ति है, एक अलग मानसिकता वाली, अलग प्रतिक्रियाओं वाली व्यक्ति है।

“मैं कैसे मान सकती हूँ?” उसने आगे कहा। “और मैं उस पत्र के बारे में, इस बारे में कि मुझे नहीं पता कि इसे किसने भेजा है, आपकी बात पर क्यों विश्वास करूँ?”

क्योंकि यह सच है।

"या वो आदमी जिससे तुम्हारी लॉन पर लड़ाई हुई थी। क्या वो वही था?"

"नहीं।"

“तुम मुझसे कुछ छिपा रहे हो, गाय।” फिर उसका लहजा नरम पड़ गया, लेकिन हर सरल शब्द मानो उस पर हमला कर रहा था: “क्या बात है, प्यारे? तुम जानते हो कि मैं तुम्हारी मदद करना चाहती हूँ। लेकिन तुम्हें मुझे बताना होगा।”

“मैंने तुमसे कहा था,” उसने कहा और दांत भींच लिए। उसके पीछे रोशनी पहले ही बदल रही थी। उसने सोचा, अगर वह अब ऐनी को अपने पास रख सके, तो वह हर सुबह का सामना कर सकता है। उसने उसके सीधे, हल्के बालों के पर्दे को देखा और उसे छूने के लिए हाथ बढ़ाया, लेकिन वह पीछे हट गई।

“गाइ, मुझे नहीं लगता कि हम इस तरह आगे बढ़ सकते हैं। हम नहीं बढ़ सकते।”

“अब ये सब नहीं चलेगा। ये खत्म हो चुका है। मैं तुमसे कसम खाता हूँ, ऐनी। कृपया मेरी बात मानो।” ये पल एक परीक्षा जैसा लग रहा था, मानो अब या फिर कभी नहीं। उसे लगा कि उसे ऐनी को अपनी बाहों में भर लेना चाहिए, उसे तब तक कसकर थामे रखना चाहिए जब तक वो उससे छटपटाना बंद न कर दे। लेकिन वो खुद को हिला नहीं पा रहा था।

"आपको कैसे मालूम?"

वह हिचकिचाया। "क्योंकि यह मन की एक अवस्था थी।"

"क्या वह पत्र मन की एक अवस्था थी?"

“उस पत्र ने इसमें योगदान दिया। मैं एक उलझन में फंस गया था। यह मेरा काम था, ऐनी!” उसने अपना सिर झुका लिया। अपने पापों को अपने काम से जोड़ दिया!

“तुमने एक बार कहा था कि मैं तुम्हें खुश करती हूँ,” उसने धीरे से कहा, “या यह कि मैं हर परिस्थिति के बावजूद तुम्हें खुश कर सकती हूँ। अब मुझे ऐसा नहीं लगता।”

वह कहना चाहती थी कि उसने उसे खुश तो नहीं किया। लेकिन अगर वह अब भी उससे प्यार कर सकती, तो वह उसे खुश करने के लिए कितनी कोशिश करता! वह उसकी कितनी पूजा करता और उसकी सेवा करता! “तुम कर सकती हो, ऐनी। मेरे पास और कुछ नहीं है।” वह अचानक सिसकते हुए और नीचे झुक गया, बेशर्म, दिल दहला देने वाली सिसकियाँ जो ऐनी के उसके कंधे को छूने से पहले तक रुकती नहीं थीं। और हालाँकि वह आभारी था, फिर भी उसे उस स्पर्श से दूर हटने का मन कर रहा था, क्योंकि उसे लग रहा था कि यह केवल दया थी, केवल मानवता थी जिसने उसे उसे छूने के लिए मजबूर किया।

"क्या मैं आपके लिए नाश्ता बना दूं?"

उसकी आवाज़ में सुनाई देने वाली झुंझलाहट भरी धैर्य में भी क्षमा का भाव था, जिसका अर्थ वह पूर्ण क्षमा समझता था। एक बार में हुई लड़ाई के लिए। उसने सोचा, वह कभी भी शुक्रवार की रात की बात नहीं कर पाएगी, क्योंकि वह बात उसके लिए या किसी और के लिए इतनी गहरी दफ़न हो चुकी थी कि अब उस तक पहुँचना नामुमकिन था।

पच्चीस

“मुझे इस बात की ज़रा भी परवाह नहीं कि तुम क्या सोचते हो!” ब्रूनो ने कुर्सी पर पैर जमाते हुए कहा। उसकी पतली सुनहरी भौहें लगभग उसके गुस्से से मिल रही थीं और किनारों से बिल्ली की मूंछों की तरह ऊपर उठी हुई थीं। वह गेरार्ड को ऐसे देख रहा था जैसे कोई सुनहरे, पतले बालों वाला पागल बाघ हो।

जेरार्ड ने कंधे उचकाते हुए जवाब दिया, "मैंने ऐसा कुछ नहीं कहा, है ना?"

आपने यह संकेत दिया था।

“मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं था।” हंसते हुए उसके गोल कंधे दो बार हिले। “तुम मुझे गलत समझ रहे हो, चार्ल्स। मेरा मतलब यह नहीं था कि तुमने जानबूझकर किसी को बताया कि तुम जा रहे हो। यह बात गलती से निकल गई।”

ब्रूनो उसे घूर रहा था। जेरार्ड ने अभी-अभी इशारा किया था कि अगर यह अंदरूनी मामला है, तो ब्रूनो और उसकी माँ का इसमें ज़रूर हाथ होगा, और यह निश्चित रूप से अंदरूनी मामला था। जेरार्ड जानता था कि उसने और उसकी माँ ने गुरुवार दोपहर को ही शुक्रवार को निकलने का फैसला किया था। उसे वॉल स्ट्रीट तक यहाँ लाकर यह बात बताना! जेरार्ड के पास कुछ भी नहीं था, और वह झूठ बोलकर उसे बेवकूफ नहीं बना सकता था। यह एक और सुनियोजित हत्या थी।

“क्या मैं जा सकता हूँ?” ब्रूनो ने पूछा। जेरार्ड अपनी मेज पर कागजों से खेल रहा था, मानो उसे यहाँ रुकने का कोई और काम हो।

“एक मिनट में। एक घूंट पी लो।” जेरार्ड ने ऑफिस के दूसरी तरफ शेल्फ पर रखी बॉर्बन की बोतल की ओर इशारा किया।

"नहीं, धन्यवाद।" ब्रूनो को पीने की बहुत तीव्र इच्छा हो रही थी, लेकिन जेरार्ड से नहीं।

आपकी मां कैसी हैं?

“तुमने ही मुझसे ये सवाल पूछा था।” उसकी माँ की तबीयत ठीक नहीं थी, उन्हें नींद नहीं आ रही थी, और यही मुख्य कारण था कि वह घर जाना चाहता था। जेरार्ड के पारिवारिक मित्र वाले रवैये पर उसे फिर से गुस्सा आ गया। शायद उसके पिता का दोस्त! “वैसे, हम तुम्हें इस काम के लिए नहीं रख रहे हैं, तुम्हें पता है ना।”

जेरार्ड ने अपने गोल, हल्के गुलाबी और बैंगनी रंग के धब्बेदार चेहरे पर मुस्कान लिए ऊपर देखा। “चार्ल्स, मैं इस मामले पर मुफ्त में काम करूँगा। मुझे यह इतना दिलचस्प लगता है।” उसने अपनी मोटी उंगलियों के आकार की एक और सिगार जलाई, और ब्रूनो ने एक बार फिर घृणा से उसके हल्के भूरे रंग के सूट के कॉलर पर लगे ग्रेवी के दाग और भद्दी संगमरमर के पैटर्न वाली टाई को देखा। जेरार्ड की हर एक बात ब्रूनो को परेशान करती थी। उसकी धीमी बोली उसे चिढ़ाती थी। जेरार्ड को अपने पिता के साथ देखने के कुछ ही पलों की यादें उसे परेशान करती थीं। आर्थर जेरार्ड तो उस तरह का जासूस भी नहीं दिखता था जिसे जासूस नहीं दिखना चाहिए। उसके रिकॉर्ड के बावजूद, ब्रूनो के लिए यह मानना असंभव था कि जेरार्ड एक उच्च कोटि का जासूस था। “तुम्हारे पिता बहुत अच्छे इंसान थे, चार्ल्स। अफसोस की बात है कि तुम उन्हें बेहतर तरीके से नहीं जानते थे।”

“मैं उसे अच्छी तरह जानता था,” ब्रूनो ने कहा।

जेरार्ड की छोटी, चित्तीदार भूरी आँखें गंभीरता से उसकी ओर देख रही थीं। "मुझे लगता है कि वह तुम्हें तुमसे बेहतर जानता था। उसने तुम्हारे बारे में, तुम्हारे चरित्र के बारे में और तुमसे वह क्या उम्मीद रखता था, इस बारे में मुझे कई पत्र छोड़े थे।"

“वह मुझे बिल्कुल नहीं जानता था।” ब्रूनो ने सिगरेट निकाली। “मुझे नहीं पता हम इस बारे में क्यों बात कर रहे हैं। यह बेतुकी और निरर्थक बात है।” वह शांत भाव से बैठ गया।

"तुम अपने पिता से नफरत करते थे, है ना?"

वह मुझसे नफरत करता था।

लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। इसीलिए आप उसे नहीं जानते थे।

ब्रूनो ने कुर्सी के आर्मरिस्ट से अपना हाथ हटाया और पसीने से तर होकर उसमें से चरमराहट की आवाज़ आई। "क्या हम कहीं जा रहे हैं या मुझे यहाँ क्यों रोके हुए

हैं? मेरी माँ की तबीयत ठीक नहीं है और मैं घर जाना चाहता हूँ।"

मुझे उम्मीद है कि वह जल्द ही बेहतर महसूस करेगी, क्योंकि मैं उससे कुछ सवाल पूछना चाहता हूं। शायद कल।

ब्रूनो की गर्दन के दोनों किनारों पर गर्मी सी दौड़ गई। अगले कुछ सप्ताह उसकी माँ के लिए बहुत कष्टदायक होंगे, और जेरार्ड इसे और भी बदतर बना देगा क्योंकि वह उन दोनों का दुश्मन था। ब्रूनो खड़ा हुआ और अपना रेनकोट एक हाथ पर डाल लिया।

“अब मैं चाहता हूँ कि तुम एक बार फिर सोचो,” जेरार्ड ने उंगली हिलाते हुए बड़ी सहजता से कहा, मानो वह अभी भी कुर्सी पर बैठा हो, “कि गुरुवार रात तुम कहाँ गए थे और किससे मिले थे। तुमने अपनी माँ, मिस्टर टेम्पलटन और मिस्टर रूसो को उस सुबह 2:45 बजे ब्लू एंजल के सामने छोड़ा था। तुम कहाँ गए थे?”

“हैमबर्गर चूल्हा,” ब्रूनो ने आह भरी।

"क्या आपको वहां कोई परिचित व्यक्ति नहीं दिखा?"

"वहाँ मुझे किसे जानना चाहिए, बिल्ली को?"

“तो फिर तुम कहाँ गए थे?” जेरार्ड ने अपने नोट्स देखे।

“क्लार्क थर्ड एवेन्यू पर स्थित है।”

"क्या आपको वहां कोई दिख रहा है?"

"जी हां, बारटेंडर से पूछो।"

"बारटेंडर ने कहा कि उसने आपको नहीं देखा," जेरार्ड मुस्कुराया।

ब्रूनो ने भौंहें चढ़ाईं। जेरार्ड ने आधे घंटे पहले ऐसा नहीं कहा था। "तो क्या हुआ? जगह तो बहुत भीड़भाड़ वाली थी। शायद मैंने बारटेंडर को भी नहीं देखा हो।"

“वहाँ के सभी बारटेंडर तुम्हें जानते हैं। उन्होंने कहा कि तुम गुरुवार रात को नहीं आए थे। इसके अलावा, वहाँ ज़्यादा भीड़ भी नहीं थी। गुरुवार रात? तीन बजे या साढ़े तीन बजे?—मैं बस तुम्हें याद दिलाने की कोशिश कर रहा हूँ, चार्ल्स।”

ब्रूनो ने झुंझलाहट में अपने होंठ भींच लिए। "शायद मैं क्लार्क के यहाँ नहीं था। मैं आमतौर पर रात को सोने से पहले ड्रिंक लेने जाता हूँ, लेकिन शायद मैं नहीं गया। शायद मैं सीधे घर चला गया, मुझे नहीं पता। शुक्रवार सुबह मेरी माँ और मैंने जिन

लोगों से बात की थी, उनका क्या? हमने बहुत से लोगों को फ़ोन करके अलविदा कहा था।"

“ओह, हम उन पर बात कर रहे हैं। लेकिन सच में, चार्ल्स—” जेरार्ड पीछे झुक गया, एक छोटी टांग क्रॉस की और अपनी सिगार को कश लेने में मग्न हो गया —“तुम अपनी माँ और उसके दोस्तों को सिर्फ़ एक हैमबर्गर लेने और सीधे घर अकेले जाने के लिए तो नहीं छोड़ोगे, है ना?”

"शायद। शायद इससे मेरा नशा उतर गया।"

"तुम इतने अस्पष्ट क्यों हो?" जेरार्ड के आयोवा लहजे के कारण उसका "र" एक कर्कश ध्वनि में बदल गया।

"तो क्या हुआ अगर मैं अस्पष्ट बोल रहा हूँ? अगर मैं तंग होता तो मुझे अस्पष्ट बोलने का पूरा अधिकार होता!"

असल बात यह है—और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप क्लार्क के यहाँ थे या किसी और जगह—कि आप किससे मिले और उसे बताया कि आप अगले दिन मेन के लिए रवाना हो रहे हैं। आपको खुद भी यह अजीब लग रहा होगा कि आपके पिता की हत्या उसी रात हुई जिस दिन आप रवाना हुए थे।

“मैंने किसी को नहीं देखा। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप मेरे सभी परिचितों से संपर्क करें और उनसे पूछें।”

"तुम सुबह 5 बजे के बाद तक अकेले ही इधर-उधर घूमते रहे।"

"किसने कहा कि मैं 5 बजे के बाद घर पहुंचा?"

“हर्बर्ट। हर्बर्ट ने कल ऐसा कहा था।”

ब्रूनो ने आह भरी। "शनिवार को उसे ये सब याद क्यों नहीं रहा?"

“खैर, जैसा कि मैं कहता हूँ, स्मृति इसी तरह काम करती है। एक पल के लिए गायब हो जाती है—और फिर वापस आ जाती है। तुम्हारी भी याद आ जाएगी। तब तक मैं यहीं आसपास रहूँगा। हाँ, अब तुम जा सकते हो, चार्ल्स।” जेरार्ड ने लापरवाही से इशारा किया।

ब्रूनो एक पल रुका, कुछ कहने की कोशिश करता रहा, पर कुछ सूझ नहीं पाया, तो बाहर जाकर दरवाज़ा ज़ोर से बंद करने की कोशिश की, पर हवा के दबाव ने उसे रोक दिया। वह गोपनीय जासूस ब्यूरो के जर्जर, उदास गलियारे से

वापस आया, जहाँ टाइपराइटर, जो पूरे साक्षात्कार के दौरान सोच-विचार करते हुए चल रहा था, और तेज़ हो गया—"हम," जेरार्ड हमेशा कहता था, और यहाँ वे सभी दरवाज़ों के पीछे टाइप कर रहे थे—उसने रिसेप्शनिस्ट-सेक्रेटरी मिस ग्राहम को अलविदा कहा, जिसने एक घंटे पहले उसके आने पर उससे सहानुभूति जताई थी। एक घंटे पहले वह कितने उत्साह से आया था, यह ठानकर कि जेरार्ड उसे गुस्सा नहीं दिलाएगा, और अब—जब जेरार्ड उसके और उसकी माँ के बारे में ताने मारता था, तो वह कभी भी अपने गुस्से पर काबू नहीं रख पाता था, और उसे यह बात मान लेनी चाहिए। तो क्या हुआ? उनके पास उसके खिलाफ क्या सबूत थे? हत्यारे के बारे में उनके पास क्या सुराग थे? गलत सुराग।

गाइ! ब्रूनो मुस्कुराते हुए लिफ्ट से नीचे उतरा। जेरार्ड के दफ्तर में गाइ का ख्याल उसके मन में एक बार भी नहीं आया था! यहाँ तक कि जब जेरार्ड ने उससे पूछा कि वह गुरुवार रात कहाँ गया था, तब भी नहीं! गाइ! गाइ और वह खुद! उनके जैसा और कौन था? उनके बराबर और कौन था? वह चाहता था कि गाइ अभी उसके साथ हो। वह गाइ का हाथ थाम लेगा, और बाकी दुनिया जाए भाड़ में! उनके कारनामे बेमिसाल थे! जैसे आसमान में एक लहर! जैसे लाल आग की दो लकीरें जो इतनी तेज़ी से आईं और गायब हो गईं कि हर कोई हैरान रह गया कि क्या उन्होंने सच में उन्हें देखा था। उसे एक कविता याद आई जो उसने कभी पढ़ी थी और जिसमें कुछ ऐसा ही कहा गया था जैसा वह कहना चाहता था। उसे लगा कि वह कविता अभी भी उसके एड्रेस बॉक्स की जेब में है। वह जल्दी से वॉल स्ट्रीट के पास एक बार में गया, एक ड्रिंक ऑर्डर किया, और एड्रेस बॉक्स की जेब से वह छोटा सा कागज़ निकाला। यह कॉलेज के दिनों की एक कविता की किताब से फाड़ा गया था।

सीसे की आँखों वाला
वैचेल लिंडसे द्वारा

युवा आत्माओं को
दम घुटने से पहले
वे विचित्र कार्य करते हैं और पूरी तरह से

अपना गौरव प्रदर्शित करना।

यह दुनिया का एकमात्र अपराध है
बच्चे सुस्त हो जाते हैं,
इसके गरीब लोग बैल की तरह कमजोर, सुस्त और सीसे जैसी आंखों वाले होते हैं।

ऐसा नहीं है कि वे भूखे मरते हैं, लेकिन भूखे
इतनी स्वप्नहीनता से,
वे बीज नहीं बोते, बल्कि वे
बहुत कम ही फल मिलता है,
ऐसा नहीं है कि वे सेवा करते हैं, बल्कि उनके पास कोई सेवा नहीं है।
जिन देवताओं की सेवा करनी है,
ऐसा नहीं है कि वे मर जाते हैं, बल्कि वे
भेड़ों की तरह मरना।

वह और गाय निराश नहीं थे। वे अब भेड़ों की तरह नहीं मरेंगे। वे फल भोगेंगे। अगर गाय पैसे लेना चाहे तो वह उसे पैसे भी देगा।

छब्बीस

अगले दिन लगभग उसी समय, ब्रूनो ग्रेट नेक स्थित अपने घर की छत पर एक बीच चेयर पर बैठा था, और उसके मन में एक नया और सुखद सुकून भरा भाव था। गेरार्ड उस सुबह इधर-उधर घूम रहा था, लेकिन ब्रूनो बहुत शांत और विनम्र था, उसने यह सुनिश्चित किया कि उसे और उसके छोटे साथी को दोपहर का भोजन मिल जाए, और अब गेरार्ड जा चुका था और उसे अपने व्यवहार पर बहुत गर्व महसूस हो रहा था। उसे गेरार्ड को फिर कभी कल की तरह उसे निराश नहीं करने देना चाहिए, क्योंकि यही वह तरीका था जिससे वह घबरा जाता था और गलतियाँ कर बैठता था। गेरार्ड, बेशक, बेवकूफ था। अगर वह कल थोड़ा और अच्छा व्यवहार करता, तो शायद वह सहयोग करता। सहयोग? ब्रूनो ज़ोर से हँस पड़ा। सहयोग का क्या मतलब था? क्या वह खुद को बेवकूफ बना रहा था?

ऊपर आसमान में एक चिड़िया गा रही थी, “ट्वीडलडी?” और खुद को जवाब दे रही थी, “ट्वीडलडम!” ब्रूनो ने अपना सिर झुकाया। उसकी माँ जानती होगी कि यह किस तरह की चिड़िया है। उसने दूर तक लाल रंग के लॉन, सफेद प्लास्टर की दीवार और कलियों से खिल रहे डॉगवुड के पेड़ों को देखा। आज दोपहर, उसे प्रकृति में काफी दिलचस्पी हो गई थी। आज दोपहर, उसकी माँ के लिए बीस हज़ार का चेक आया था। बीमा कंपनी के लोग बकवास करना बंद कर दें और वकील सारी कागजी कार्रवाई पूरी कर लें, तो और भी बहुत कुछ आएगा। दोपहर के भोजन पर, उसने और उसकी माँ ने कैप्री जाने के बारे में बात की, संक्षेप में, लेकिन वह जानता था कि वे ज़रूर जाएँगे। और आज रात, वे पहली बार बाहर खाना खाने जा रहे थे, एक छोटे से, पारंपरिक रेस्टोरेंट में जो उनका पसंदीदा था, ग्रेट नेक से कुछ ही दूरी पर राजमार्ग के किनारे। इसमें कोई हैरानी नहीं कि उसे पहले प्रकृति पसंद नहीं थी। अब जब घास और पेड़ उसके अपने थे, तो इसका कुछ मतलब था।

लापरवाही से उसने अपनी गोद में रखी पता पुस्तिका के पन्ने पलटे। उसे यह आज सुबह ही मिली थी, उसे याद नहीं था कि सांता फ़े में यह उसके पास थी या नहीं, और जेरार्ड के मिलने से पहले वह यह सुनिश्चित करना चाहता था कि इसमें गाय के बारे में कुछ भी न हो। अब जब उसके पास साधन थे, तो निश्चित रूप से ऐसे बहुत से लोग थे जिनके बारे में वह दोबारा जानकारी लेना चाहता था। उसके मन में एक विचार आया, और उसने अपनी जेब से एक पेंसिल निकाली। 'P' के नीचे उसने लिखा:

टॉमी पंडिनी
232 डब्ल्यू. 76 स्ट्रीट

और S के अंतर्गत:

“स्लिच”
लाइफ गार्ड स्टेशन
हेल गेट ब्रिज

जेरार्ड को कुछ रहस्यमय लोगों के बारे में जानकारी जुटाने के लिए कहें।

डैन 8:15 होटल एस्टोर, उसे किताब के पीछे के मेमो में मिला। उसे डैन का नाम तक याद नहीं था। कैप्टन से 1 जून तक पैसे ले आओ। अगला पन्ना देखकर उसे थोड़ी सी सिहरन हुई: गाय के लिए आइटम $25। उसने छिद्रित पन्ना फाड़ दिया। गाय के लिए वह सांता फ़े बेल्ट। उसने इसे क्यों रखा था? किसी नीरस पल में—

जेरार्ड की बड़ी काली कार धीरे-धीरे ड्राइववे में दाखिल हुई।

ब्रूनो ने खुद को मजबूर करके वहीं बैठकर मेमो की जाँच पूरी की। फिर उसने पता पुस्तिका को अपनी जेब में रखा और उसका फटा हुआ पन्ना अपने मुँह में डाल लिया।

जेरार्ड मुंह में सिगार लिए और हाथ लटकाए हुए पत्थर की पट्टियों पर टहलते हुए आगे बढ़ा।

“कुछ नया पता चला?” ब्रूनो ने पूछा।

“कुछ बातें।” जेरार्ड ने अपनी निगाहें घर के कोने से तिरछे लॉन के पार प्लास्टर की दीवार तक घुमाईं, मानो वह हत्यारे द्वारा भागी गई दूरी का पुनर्मूल्यांकन कर रहा हो।

ब्रूनो का जबड़ा कागज़ के छोटे से टुकड़े पर लापरवाही से हिल रहा था, मानो वह च्युइंग गम चबा रहा हो। "जैसे कि क्या?" उसने पूछा। जेरार्ड के कंधे के पीछे, उसने अपने छोटे से साथी को कार की ड्राइवर सीट पर बैठे देखा, जो एक भूरे रंग की टोपी के नीचे से उन्हें घूर रहा था। ब्रूनो ने सोचा, सभी खतरनाक दिखने वाले लोगों में से एक।

“जैसे कि हत्यारा वापस कस्बे की ओर नहीं लौटा। वह इसी दिशा में आगे बढ़ता रहा।” जेरार्ड ने एक देहाती दुकानदार की तरह सड़क की ओर इशारा करते हुए अपना पूरा हाथ नीचे किया। “उस जंगल से होकर गुजरा होगा और उसे काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा होगा। हमें ये चीजें मिलीं।”

ब्रूनो उठा और बैंगनी दस्तानों के एक टुकड़े और गहरे नीले रंग के कपड़े के एक छोटे से टुकड़े को देखने लगा, जो गाइ के ओवरकोट जैसा लग रहा था। "हे भगवान! क्या तुम्हें यकीन है कि ये कातिल के ही हैं?"

"लगभग यकीन है। एक ओवरकोट का है। दूसरा—शायद दस्ताना है।"

या फिर साइलेंसर।

“नहीं, इसमें एक छोटी सी सिलाई है।” जेरार्ड ने अपनी मोटी, झाइयों वाली तर्जनी उंगली से उसे कुरेदा।

"काफी शानदार दस्ताने हैं।"

“महिलाओं के दस्ताने।” जेरार्ड ने शरारती मुस्कान के साथ ऊपर देखा।

ब्रूनो ने मुस्कुराते हुए एक शरारती मुस्कान दी और पश्चाताप से रुक गया।

जेरार्ड ने आह भरते हुए कहा, "पहले तो मुझे लगा कि वह एक पेशेवर हत्यारा है। वह घर को अच्छी तरह जानता था। लेकिन मुझे नहीं लगता कि कोई पेशेवर हत्यारा उस समय अपना आपा खोकर उन जंगलों से निकलने की कोशिश करता।"

“हम्म,” ब्रूनो ने रुचि से कहा।

“उसे सही रास्ता भी पता था। सही रास्ता बस दस गज की दूरी पर था।”

"आप यह कैसे जानते हैं?"

“क्योंकि यह सब कुछ सोच-समझकर प्लान किया गया था, चार्ल्स। पीछे के दरवाजे का टूटा हुआ ताला, दीवार के पास रखा दूध का डिब्बा—”

ब्रूनो चुप था। हर्बर्ट ने जेरार्ड को बताया था कि ताला ब्रूनो ने तोड़ा था। हर्बर्ट ने शायद यह भी बताया था कि दूध का डिब्बा भी उसने ही वहाँ रखा था।

“बैंगनी दस्ताने!” जेरार्ड खिलखिलाकर हँसा, इतनी खुशी से जितनी खुशी से ब्रूनो ने उसे पहले कभी नहीं हँसते सुना था। “रंग से क्या फर्क पड़ता है, जब तक ये चीजों पर उंगलियों के निशान नहीं पड़ने देते, है ना?”

“हां,” ब्रूनो ने कहा।

जेरार्ड छत के दरवाजे से घर में दाखिल हुआ।

कुछ देर बाद ब्रूनो उसके पीछे-पीछे गया। जेरार्ड रसोई में वापस चला गया और ब्रूनो सीढ़ियाँ चढ़ गया। उसने पता पुस्तिका अपने बिस्तर पर फेंकी और फिर गलियारे में चला गया। अपने पिता के कमरे का खुला दरवाज़ा देखकर उसे एक अजीब सी अनुभूति हुई, मानो उसे अभी-अभी एहसास हुआ हो कि उसके पिता की मृत्यु हो चुकी है। उसने सोचा कि दरवाज़े का खुला रहना ही उसे ऐसा महसूस करा रहा था, मानो किसी कमीज़ का किनारा लटका हो, मानो किसी ने पहरा छोड़ दिया हो, जो कप्तान के जीवित होते तो कभी नहीं होता। ब्रूनो ने माथे पर शिकन डाली

और फिर जल्दी से दरवाज़ा उस कालीन पर बंद कर दिया जिस पर जासूसों और गाय के पैरों के निशान थे, उस मेज़ पर जिस पर लूटे गए खाने रखे थे और चेकबुक खुली पड़ी थी मानो उसके पिता के हस्ताक्षर का इंतज़ार कर रही हो। उसने अपनी माँ का दरवाज़ा सावधानी से खोला। वह अपने बिस्तर पर गुलाबी साटन की रजाई ठुड्डी तक ओढ़े लेटी थी, उसका सिर कमरे के अंदर की ओर था और आँखें खुली थीं, जैसे वह शनिवार रात से लेटी हुई थी।

“माँ, क्या आप सोई नहीं थीं?”

"नहीं।"

“जेरार्ड फिर से यहाँ है।”

"मुझे पता है।"

"अगर आप परेशान नहीं होना चाहते, तो मैं उसे बता दूंगा।"

"डार्लिंग, ऐसी बेवकूफी मत करो।"

ब्रूनो बिस्तर पर बैठ गया और उसके करीब झुक गया। "काश तुम सो पातीं, माँ।" उसकी आँखों के नीचे बैंगनी रंग की झुर्रीदार लकीरें थीं, और उसने अपने होंठ इस तरह बंद कर रखे थे जैसे उसने पहले कभी नहीं देखे थे, जिससे होंठों के कोने लंबे और पतले लग रहे थे।

"डार्लिंग, क्या तुम्हें यकीन है कि सैम ने तुमसे कभी कुछ नहीं कहा—कभी किसी का जिक्र नहीं किया?"

“क्या तुम सोच भी सकते हो कि वो मुझसे ऐसी कोई बात कहेगा?” ब्रूनो कमरे में इधर-उधर घूम रहा था। घर में जेरार्ड की मौजूदगी उसे परेशान कर रही थी। जेरार्ड का व्यवहार इतना घिनौना था, मानो वो सबके खिलाफ कुछ छुपा रहा हो, यहाँ तक कि हर्बर्ट के खिलाफ भी, जिसे वो जानता था कि वो उसके पिता को अपना आदर्श मानता था। हर्बर्ट उसके खिलाफ सीधे आरोप लगाने के अलावा सब कुछ कह रहा था। लेकिन ब्रूनो जानता था कि हर्बर्ट ने उसे ज़मीन नापते हुए नहीं देखा था, वरना जेरार्ड अब तक उसे बता चुका होता। जब उसकी माँ बीमार थी, तब वो पूरे मैदान और घर में घूमता रहा था, और उसे देखने वाला कोई भी यह नहीं बता सकता था कि वो कदम गिन रहा था या नहीं। अब वो जेरार्ड के बारे में सब कुछ कहना चाहता था, लेकिन उसकी माँ नहीं समझेगी। वो ज़िद कर रही थी कि वे उसे काम पर

रखना जारी रखें, क्योंकि वो सबसे अच्छा माना जाता था। उसकी माँ और वो साथ मिलकर काम नहीं कर रहे थे। उसकी माँ जेरार्ड से कुछ और भी कह सकती थी—जैसे कि उन्होंने शुक्रवार को छुट्टी लेने का फैसला सिर्फ गुरुवार को किया था—जो बहुत महत्वपूर्ण बात हो और उसे बिल्कुल भी न बताए!

“तुम्हें पता है ना, चार्ली, तुम मोटे हो रहे हो?” उसकी माँ ने मुस्कुराते हुए कहा।

ब्रूनो भी मुस्कुराया, उसकी आवाज़ बिल्कुल उसकी अपनी जैसी थी। वह अब अपनी ड्रेसिंग टेबल पर शावर कैप पहन रही थी। "भूख ठीक है," उसने कहा। लेकिन उसकी भूख और पाचन दोनों ही बिगड़ चुके थे। वैसे भी वह मोटा होता जा रहा था।

जेरार्ड ने तब दस्तक दी जब उसकी मां ने बाथरूम का दरवाजा बंद कर दिया था।

"उसे आने में काफी लंबा समय लगेगा," ब्रूनो ने उससे कहा।

"उसे बता देना कि मैं हॉल में रहूंगा, ठीक है?"

ब्रूनो ने बाथरूम के दरवाजे पर दस्तक दी और उसे बताया, फिर अपने कमरे में चला गया। बिस्तर पर रखी एड्रेस बुक की स्थिति देखकर वह समझ गया कि जेरार्ड ने उसे ढूंढ लिया था और देख लिया था। धीरे से ब्रूनो ने अपने लिए एक छोटा हाईबॉल बनाया, उसे पी लिया, फिर चुपचाप हॉल में गया और उसने सुना कि जेरार्ड पहले से ही अपनी माँ से बात कर रहा था।

“—न तो वो बहुत खुश लग रहा था और न ही उदास, है ना?”

“वह बहुत ही मूडी लड़का है, आप जानते हैं। मुझे शक है कि मुझे इसका पता भी चलता,” उसकी मां ने कहा।

“ओह—लोग कभी-कभी मानसिक संवेदनाएं महसूस कर लेते हैं। क्या तुम सहमत नहीं हो, एल्सी?”

उनकी मां ने कोई जवाब नहीं दिया।

"यह तो बहुत बुरा हुआ, क्योंकि मुझे उनसे और अधिक सहयोग की उम्मीद थी।"

"क्या आपको लगता है कि वह कुछ छुपा रहा है?"

“मुझे नहीं पता,” उसने घिनौनी मुस्कान के साथ कहा, और ब्रूनो उसके लहजे से समझ गया कि जेरार्ड उससे भी सुनने की उम्मीद कर रहा था। “क्या तुम्हें पता है?”

“बिल्कुल नहीं, मुझे नहीं लगता कि वह ऐसा है। आर्थर, तुम क्या कहना चाह रहे हो?”

वह उसका डटकर सामना कर रही थी। ब्रूनो ने सोचा कि इसके बाद वह जेरार्ड के बारे में इतना अच्छा नहीं सोचेगी। वह फिर से बेवकूफी कर रहा था, एक बेवकूफ आयोवन।

“तुम चाहती हो कि मैं सच का पता लगाऊं, है ना, एल्सी?” जेरार्ड ने रेडियो जासूस की तरह पूछा। “गुरुवार रात तुम्हें छोड़ने के बाद उसने क्या किया, उसे ठीक से याद नहीं है। उसके कुछ संदिग्ध जान-पहचान वाले हैं। उनमें से एक सैम के किसी व्यापारिक दुश्मन का भाड़े का आदमी हो सकता है, कोई जासूस या ऐसा ही कुछ। और चार्ल्स ने शायद यह भी बताया हो कि तुम और वह अगले दिन जा रहे थे—”

"आर्थर, तुम्हारा मतलब क्या है कि चार्ल्स को इस बारे में कुछ पता है?"

“एल्सी, मुझे आश्चर्य नहीं होगा। क्या तुम्हें सच में आश्चर्य होगा?”

“धिक्कार है उसे!” ब्रूनो ने बुदबुदाया। धिक्कार है उसे, जिसने उसकी माँ से ऐसा कहा!

मैं तुम्हें वह सब कुछ जरूर बताऊँगा जो वह मुझे बताएगा।

ब्रूनो सीढ़ियों की ओर बढ़ा। उसकी विनम्रता ने उसे चौंका दिया। मान लो उसे शक होने लगे? हत्या जैसी बात वह बर्दाश्त नहीं कर पाएगी। क्या उसने सांता फ़े में यह महसूस नहीं किया था? और अगर उसे गाय याद आ जाए, याद आ जाए कि उसने लॉस एंजिल्स में उसके बारे में बात की थी? अगर जेरार्ड को अगले दो हफ़्तों में गाय मिल जाए, तो हो सकता है कि उन जंगलों से गुज़रते समय उसके शरीर पर खरोंचें हों, या कोई चोट या घाव हो जिससे शक पैदा हो सकता है। ब्रूनो ने नीचे के हॉल में हर्बर्ट के हल्के कदमों की आहट सुनी, उसे अपनी माँ के दोपहर के पेय को ट्रे में लिए हुए आते देखा, और फिर से सीढ़ियों से ऊपर चला गया। उसका दिल ऐसे धड़क रहा था जैसे वह किसी युद्ध में हो, एक अजीब, बहुआयामी युद्ध में। वह

जल्दी से अपने कमरे में लौटा, एक बड़ा घूंट पिया, फिर लेट गया और सोने की कोशिश करने लगा।

वह झटके से जागा और जेरार्ड के कंधे पर रखे हाथ के नीचे से लुढ़क गया।

“बाय बाय,” जेरार्ड ने मुस्कुराते हुए कहा, उसके तंबाकू से सने निचले दांत दिख रहे थे। “बस जा रहा हूँ और सोचा कि अलविदा कह दूँ।”

"क्या इसके लिए किसी को जगाना उचित है?" ब्रूनो ने कहा।

ब्रूनो के कुछ कहने से पहले ही जेरार्ड हँसते हुए कमरे से बाहर निकल गया। ब्रूनो तकिए पर वापस लेट गया और सोने की कोशिश करने लगा, लेकिन जब उसने आँखें बंद कीं, तो उसे हल्के भूरे रंग के सूट में जेरार्ड की गलियारों में जाती हुई, बंद दरवाजों से प्रेत की तरह सरकती हुई, दराजों में झाँकने के लिए झुकती हुई, चिट्ठियाँ पढ़ती हुई, नोट्स बनाती हुई, उसकी ओर उंगली उठाकर इशारा करती हुई, उसकी माँ को इस तरह सताती हुई दिखाई दी कि पलटवार करना नामुमकिन था।

सत्ताईस

“इसका और क्या मतलब निकाला जा सकता है? वह मुझ पर आरोप लगा रहा है!” ब्रूनो ने मेज के उस पार चिल्लाकर कहा।

"डार्लिंग, वो नहीं है। वो अपने काम में व्यस्त है।"

ब्रूनो ने अपने बाल पीछे किए। "माँ, क्या आप नाचना चाहती हैं?"

"आप नाचने की हालत में नहीं हैं।"

वह ऐसा नहीं था और वह यह जानता था। "तो मुझे एक और ड्रिंक चाहिए।"

"डार्लिंग, खाना अभी आता है।"

उसकी सहनशीलता, उसकी आँखों के नीचे के गहरे बैंगनी घेरे, उसे इतना दर्द दे रहे थे कि वह सामने देख भी नहीं पा रहा था। ब्रूनो ने वेटर की तलाश में इधर-उधर देखा। आज रात जगह इतनी भीड़भाड़ वाली थी कि किसी वेटर को दूसरे आदमी से अलग पहचानना मुश्किल था। उसकी नज़र डांस फ्लोर के दूसरी तरफ एक मेज पर बैठे एक आदमी पर पड़ी जो जेरार्ड जैसा लग रहा था। वह उसके साथ बैठे आदमी को देख नहीं पा रहा था, लेकिन वह निश्चित रूप से जेरार्ड जैसा दिख रहा था, गंजा सिर और हल्के भूरे बाल, बस फर्क इतना था कि इस आदमी ने काली

जैकेट पहनी हुई थी। ब्रूनो ने छवि को बार-बार टूटने से रोकने के लिए एक आँख बंद कर ली।

“चार्ली, बैठ जाओ। वेटर आ रहा है।”

यह जेरार्ड था, और वह अब हंस रहा था, मानो दूसरे आदमी ने उसे बता दिया हो कि वह उन्हें देख रहा था। एक पल के लिए, गुस्से से भर कर, ब्रूनो सोचने लगा कि क्या वह अपनी माँ को बताए।

फिर वह बैठ गया और जोश से बोला: "जेरार्ड वहाँ है!"

“क्या वह है? कहाँ?”

"ऑर्केस्ट्रा के बाईं ओर। नीले लैंप के नीचे।"

“मुझे वो दिखाई नहीं दे रहा।” उसकी माँ ने हाथ ऊपर उठाया। “प्यारे, तुम बस कल्पना कर रहे हो।”

“मैं कल्पना नहीं कर रहा हूँ!” ब्रूनो चिल्लाया और अपना नैपकिन अपने रोस्ट बीफ ऑ जू में फेंक दिया।

"मैं समझ गई कि आप किसकी बात कर रहे हैं, और वह जेरार्ड नहीं है," उसने धैर्यपूर्वक कहा।

“आप उसे उतनी अच्छी तरह से नहीं देख सकते जितना मैं देख सकता हूँ! वह तो वही है और मुझे उसके साथ एक ही कमरे में खाना खाने का मन नहीं है!”

“चार्ल्स,” उसने आह भरी। “क्या आप एक और ड्रिंक लेना चाहेंगे? एक और ड्रिंक ले लीजिए। वेटर को बुलाइए।”

मुझे तो उसके साथ पीने का मन ही नहीं कर रहा! क्या मैं साबित करूँ कि वो वही है?

“इससे क्या फर्क पड़ता है? वह हमें परेशान नहीं करने वाला। शायद वह हमारी रक्षा कर रहा है।”

“तुम मान लो कि यह वही है! वह हमारी जासूसी कर रहा है और उसने काला सूट पहना है ताकि वह हमारा पीछा कर सके, चाहे हम कहीं भी जाएं!”

“वैसे भी, यह आर्थर नहीं है,” उसने धीमी आवाज़ में कहा और भुनी हुई मछली पर नींबू निचोड़ा। “तुम्हें भ्रम हो रहा है।”

ब्रूनो मुंह खुला रखकर उसे घूरता रहा। "माँ, आप मुझसे ऐसी बातें क्यों कह रही हैं?" उसकी आवाज़ कांप रही थी।

"प्यारी, सब लोग हमें देख रहे हैं।"

"मुझे परवाह नहीं है!"

“डार्लिंग, मैं तुम्हें एक बात बता दूं। तुम इसे ज़रूरत से ज़्यादा बढ़ा-चढ़ाकर देख रहे हो।” उसने बीच में ही टोकते हुए कहा, “हाँ, तुम ऐसा कर रहे हो, क्योंकि तुम ऐसा चाहते हो। तुम्हें रोमांच चाहिए। मैंने पहले भी ऐसा देखा है।”

ब्रूनो बिल्कुल अवाक रह गया। उसकी माँ उसके खिलाफ हो रही थी। उसने देखा था कि उसकी माँ कप्तान को भी उसी तरह देखती थी जैसे अब उसे देख रही थी।

“शायद तुमने गुस्से में जेरार्ड से कुछ कह दिया होगा, और उसे लगता है कि तुम बहुत अजीब तरह से व्यवहार कर रही हो। खैर, तुम कर ही रही हो।”

"क्या यह उसके लिए दिन-रात मेरा पीछा करने का कोई कारण है?"

"डार्लिंग, मुझे नहीं लगता कि यह जेरार्ड है," उसने दृढ़ता से कहा।

ब्रूनो ने खुद को संभाला और लड़खड़ाते हुए उस मेज की ओर बढ़ा जहाँ जेरार्ड बैठा था। वह उसे साबित करना चाहता था कि वह जेरार्ड ही है, और जेरार्ड को यह साबित करना चाहता था कि वह उससे डरता नहीं है। डांस फ्लोर के किनारे पर कुछ मेजों ने उसका रास्ता रोक रखा था, लेकिन अब वह देख सकता था कि वह जेरार्ड ही है।

जेरार्ड ने उसकी ओर देखा और परिचित अंदाज़ में हाथ हिलाया, और उसका छोटा सा साथी उसे घूरता रहा। और वह, वह और उसकी माँ, दोनों इसकी कीमत चुका रहे थे! ब्रूनो ने अपना मुँह खोला, उसे ठीक से पता नहीं था कि वह क्या कहना चाहता है, फिर वह थोड़ा हिचकिचाया। वह जानता था कि उसे क्या करना है, गाय को फोन करना है। यहीं और अभी। जेरार्ड के साथ उसी कमरे में। वह डांस फ्लोर पर संघर्ष करते हुए बार के पास टेलीफोन बूथ की ओर बढ़ा। धीरे-धीरे, बेतहाशा घूमते हुए लोगों ने उसे समुद्र की लहर की तरह पीछे धकेल दिया, जिससे वह भ्रमित हो गया। लहर फिर से उसकी ओर बढ़ी, उछाल भरी लेकिन अजेय, उसे और पीछे धकेलती हुई, और उसके बचपन में घर पर हुई एक पार्टी का वह पल

उसे याद आ गया, जब उसने नाचते हुए जोड़ों के बीच से निकलकर लिविंग रूम में अपनी माँ तक पहुँचने की कोशिश की थी।

ब्रूनो सुबह-सुबह बिस्तर पर ही जाग गया और एकदम शांत लेटा रहा, अपने आखिरी पलों को याद करने की कोशिश कर रहा था। उसे पता था कि वह बेहोश हो गया था। क्या बेहोश होने से पहले उसने गाय को फोन किया था? अगर किया था, तो क्या जेरार्ड उसे ढूंढ सकता था? उसने गाय से बात तो नहीं की होगी, वरना उसे याद रहता, लेकिन शायद उसने उसके घर फोन किया हो। वह अपनी माँ से पूछने के लिए उठा कि क्या वह टेलीफोन बूथ में बेहोश हो गया था। तभी उसे कंपकंपी होने लगी और वह बाथरूम में चला गया। गिलास उठाते ही स्कॉच और पानी उसके चेहरे पर छिटक गया। उसने बाथरूम के दरवाजे का सहारा लिया। अब उसे दोनों तरफ से परेशानी हो रही थी, कंपकंपी, सुबह-शाम, उसे पहले से जल्दी जगा रही थी, और रात को सोने के लिए उसे ज़्यादा से ज़्यादा दवा लेनी पड़ रही थी।

और बीच में जेरार्ड था।

अट्ठाईस

क्षण भर के लिए, और धुंधलेपन से, जैसे कोई व्यक्ति किसी याद की हुई अनुभूति को फिर से अनुभव करता है, गाय ने सुरक्षित और आत्मनिर्भर महसूस किया जब वह अपनी कार्य मेज पर बैठ गया जहाँ उसने अपनी अस्पताल की किताबें और नोट्स सावधानीपूर्वक व्यवस्थित कर रखे थे।

पिछले महीने उसने अपनी सारी किताबों की अलमारियों को धोकर रंग दिया था, कालीन और पर्दे साफ करवाए थे, और अपनी रसोई को तब तक रगड़-रगड़ कर चमकाया था जब तक कि उसके चीनी मिट्टी और एल्यूमीनियम के बर्तन चमकने न लगे। गंदे पानी से भरे बर्तन सिंक में डालते हुए उसने सोचा, यह सब अपराधबोध है, लेकिन चूंकि वह रात में दो या तीन घंटे से ज्यादा सो नहीं पाता था, और वह भी शारीरिक व्यायाम के बाद ही, इसलिए उसने सोचा कि घर की सफाई करना शहर की सड़कों पर घूमने से कहीं ज्यादा फायदेमंद तरीका है खुद को थकाने का।

उसने अपने बिस्तर पर पड़े बंद अखबार पर नज़र डाली, फिर उठकर उसके सारे पन्ने पलटे। लेकिन अखबारों में हत्या का ज़िक्र छह हफ्ते पहले ही बंद हो गया

था। उसने हर सुराग मिटा दिया था—बैंगनी दस्ताने काटकर टॉयलेट में बहा दिए थे, ओवरकोट (एक अच्छा ओवरकोट, और उसने इसे किसी भिखारी को देने का सोचा था, लेकिन भला कौन इतना नीच होगा कि किसी भिखारी को भी हत्यारे का ओवरकोट दे?) और पैंट के टुकड़े-टुकड़े करके धीरे-धीरे कूड़े में फेंक दिए थे। और लूगर बंदूक मैनहट्टन ब्रिज से नीचे फेंक दी थी। और उसके जूते भी किसी और के ब्रिज से। बस एक ही चीज़ थी जिसे उसने नहीं ठिकाने लगाया था, वो थी छोटी रिवॉल्वर।

वह उसे देखने के लिए अपनी दराज के पास गया। उंगलियों के स्पर्श से उसकी कठोरता ने उसे सुकून दिया। यही एक सुराग था जिसे उसने नष्ट नहीं किया था, और अगर वे उसे ढूंढ लेते तो यही उनके लिए काफी होता। वह अच्छी तरह जानता था कि उसने रिवॉल्वर क्यों रखी थी: यह उसकी अपनी थी, उसका ही एक हिस्सा, वह तीसरा हाथ जिसने हत्या की थी। यह वही था जब वह पंद्रह साल का था और उसने इसे खरीदा था, वही जब वह मिरियम से प्यार करता था और इसे शिकागो में अपने कमरे में रखता था, अपने सबसे संतुष्ट, सबसे अंतर्मुखी पलों में कभी-कभी इसे देखता था। उसका सर्वश्रेष्ठ रूप, अपनी यांत्रिक, पूर्ण तर्कशक्ति के साथ। अब वह सोचने लगा, अपनी ही तरह, इसमें मारने की शक्ति थी।

अगर ब्रूनो ने दोबारा उससे संपर्क करने की हिम्मत की, तो वह उसे भी मार डालेगा। गाय को पूरा यकीन था कि वह ऐसा कर सकता है। ब्रूनो भी यह जानता होगा। ब्रूनो हमेशा से उसे भांप लेता था। ब्रूनो की चुप्पी अब पुलिस की चुप्पी से कहीं ज़्यादा राहत दे रही थी। असल में, उसे पुलिस के पकड़े जाने का ज़रा भी डर नहीं था, कभी नहीं था। चिंता हमेशा उसके भीतर ही थी, खुद से ही एक लड़ाई, इतनी दर्दनाक कि शायद वह कानून के दखल का स्वागत कर लेता। समाज का कानून अंतरात्मा के कानून के आगे ढीला था। वह कानून के पास जाकर कबूल कर सकता था, लेकिन कबूलनामा एक छोटी सी बात, महज़ एक दिखावा, यहाँ तक कि सच्चाई से बचने का एक आसान रास्ता लगता था। अगर कानून उसे फांसी दे देता, तो वह महज़ एक दिखावा ही होता।

“मुझे कानून के लिए कोई खास सम्मान नहीं है,” उसे याद आया कि उसने दो साल पहले मेटकाफ में पीटर व्रिग्स से कहा था। भला उसे उस कानून का सम्मान

क्यों करना चाहिए जो उसे और मरियम को पति-पत्नी कहता है? “मुझे चर्च के लिए भी कोई खास सम्मान नहीं है,” उसने पंद्रह साल की उम्र में पीटर से बचकाने अंदाज़ में कहा था। तब, ज़ाहिर है, उसका मतलब मेटकाफ बैपटिस्ट चर्च से था। सत्रह साल की उम्र में उसने खुद ही ईश्वर को खोज लिया था। उसने अपनी जागृत प्रतिभाओं के ज़रिए, सभी कलाओं की एकता की भावना के ज़रिए, फिर प्रकृति की, और अंत में विज्ञान की—दुनिया की सभी सृजनशील और व्यवस्था करने वाली शक्तियों की—ईश्वर को खोज लिया था। उसका मानना था कि ईश्वर में विश्वास के बिना वह अपना काम नहीं कर सकता था। और जब उसने हत्या की, तब उसका विश्वास कहाँ था? उसने ईश्वर को त्यागा था, ईश्वर ने उसे नहीं। उसे ऐसा लगता था कि किसी भी इंसान ने इतना अपराध बोध नहीं सहा था, और न ही सहने की ज़रूरत पड़ी थी, जितना उसने सहा था, और वह इसे सहकर जीवित नहीं रह सकता था जब तक कि उसकी आत्मा मर न गई हो, और अब उसका अस्तित्व केवल एक खोखला ढाँचा रह गया हो।

असहजता से उसने मुड़कर अपनी काम करने वाली मेज की ओर देखा। उसके दाँतों के बीच से एक सिसकी निकली, और घबराहट और बेचैनी से उसने अपना हाथ ज़ोर से अपने मुँह पर फेरा। फिर भी, उसे महसूस हुआ कि अभी कुछ होना बाकी है, कुछ और कड़ी सज़ा, कुछ और कड़वा सच।

“मुझे पर्याप्त पीड़ा नहीं मिलती!” अचानक फुसफुसाते हुए उसके मुँह से निकला। लेकिन उसने फुसफुसाकर क्यों कहा? क्या उसे शर्म आ रही थी? “मुझे पर्याप्त पीड़ा नहीं मिलती,” उसने सामान्य स्वर में कहा, और अपने चारों ओर ऐसे देखा जैसे किसी के सुनने की उम्मीद कर रहा हो। और अगर उसमें विनती का भाव न होता और वह खुद को किसी से भी कुछ भी माँगने के योग्य न समझता, तो वह चिल्लाकर कहता।

उदाहरण के लिए, उसकी नई किताबें, वो खूबसूरत नई किताबें जो उसने आज ही खरीदी थीं—वो अब भी उनके बारे में सोच सकता था, उन्हें पसंद कर सकता था। फिर भी उसे ऐसा लग रहा था जैसे उसने उन्हें बहुत पहले अपनी वर्क टेबल पर छोड़ दिया हो, ठीक वैसे ही जैसे उसकी जवानी। उसे तुरंत जाकर काम पर लगना चाहिए, उसने सोचा। उसे एक अस्पताल का डिज़ाइन बनाने का काम सौंपा

गया था। उसने अपने हंस की गर्दन जैसी लैंप की रोशनी में अपने द्वारा लिए गए नोट्स के छोटे से ढेर पर नज़र डाली। किसी तरह उसे यकीन नहीं हो रहा था कि उसे ये काम सौंपा गया है। वो जल्द ही जागेगा और पाएगा कि ये सारे हफ्ते एक कल्पना, एक मनगढ़ंत सपना थे। एक अस्पताल। क्या एक अस्पताल जेल से भी ज़्यादा उपयुक्त नहीं था? वो उलझन में पड़ गया, ये जानते हुए कि उसका दिमाग बेकाबू हो गया था, कि दो हफ्ते पहले जब उसने अस्पताल का इंटीरियर डिज़ाइन करना शुरू किया था, तब उसने मौत के बारे में एक बार भी नहीं सोचा था, तब सिर्फ स्वास्थ्य और इलाज की सकारात्मक ज़रूरतों ने ही उसे व्यस्त रखा था। उसे अचानक याद आया कि उसने ऐनी को अस्पताल के बारे में नहीं बताया था, इसीलिए ये सब अवास्तविक लग रहा था। वो उसकी वास्तविकता का आईना थी, उसका काम नहीं। लेकिन दूसरी तरफ, उसने उसे क्यों नहीं बताया?

उसे तुरंत काम पर जाना था, लेकिन अब भी उसके पैरों में वही बेकाबू ऊर्जा महसूस हो रही थी जो हर शाम आती थी, और जो उसे अंततः सड़कों पर ले जाती थी, मानो वह उसे खर्च करने की व्यर्थ कोशिश कर रहा हो। यह ऊर्जा उसे डरा रही थी क्योंकि उसे कोई ऐसा काम नहीं मिल रहा था जो इसे खर्च कर सके, और क्योंकि कभी-कभी उसे लगता था कि यह काम उसकी आत्महत्या हो सकती है। फिर भी, उसके भीतर गहराई में, और उसकी इच्छा के विरुद्ध, उसकी जड़ें अब भी जीवन से जुड़ी हुई थीं, और उसे एहसास था कि आत्महत्या कायरों का पलायन है, उन लोगों के प्रति एक निर्दयतापूर्ण कृत्य है जो उससे प्यार करते हैं।

उसने अपनी माँ के बारे में सोचा और महसूस किया कि वह उसे फिर कभी गले नहीं लगा पाएगा। उसे याद आया कि उसकी माँ ने उससे कहा था कि सभी मनुष्य समान रूप से अच्छे होते हैं, क्योंकि सभी मनुष्यों में आत्मा होती है और आत्मा पूरी तरह से अच्छी होती है। उसने कहा था कि बुराई हमेशा बाहरी कारणों से आती है। और मरियम की मृत्यु के महीनों बाद भी, जब वह उसके प्रेमी स्टीव की हत्या करना चाहता था, तब भी उसने यही माना था। ट्रेन में प्लेटो पढ़ते समय भी उसने यही माना था। अपने भीतर, सारथी का दूसरा घोड़ा हमेशा पहले घोड़े की तरह आज्ञाकारी रहा था। लेकिन अब उसने सोचा, प्रेम और घृणा, अच्छाई और बुराई, मनुष्य के हृदय में साथ-साथ रहते हैं, और केवल एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में

भिन्न अनुपात में ही नहीं, बल्कि पूरी तरह से अच्छाई और पूरी तरह से बुराई। किसी को भी थोड़ा सा देखने पर ही सब कुछ मिल जाता है, बस सतह को खरोंचने की जरूरत होती है। हर चीज के विपरीत उसके पास ही होते हैं, हर निर्णय के विरुद्ध एक कारण होता है, हर जानवर उसे नष्ट करने वाला जानवर होता है, नर मादा, सकारात्मक नकारात्मक। परमाणु का विखंडन ही एकमात्र सच्चा विनाश है, एकता के सार्वभौमिक नियम का टूटना। कोई भी वस्तु अपने विपरीत के बिना नहीं हो सकती, जो उससे जुड़ा हो। क्या किसी इमारत में बिना किसी वस्तु के स्थान का अस्तित्व हो सकता है? क्या ऊर्जा बिना पदार्थ के या पदार्थ बिना ऊर्जा के अस्तित्व में हो सकता है? पदार्थ और ऊर्जा, जड़ और सक्रिय, जिन्हें कभी विपरीत माना जाता था, अब एक ही माने जाने लगे।

और ब्रूनो, वो और ब्रूनो। दोनों एक-दूसरे के वो रूप थे जो दूसरे ने नहीं चुने थे, वो त्यागा हुआ रूप, वो रूप जिसे वो नफरत करता था लेकिन शायद असल में प्यार करता था।

एक पल के लिए उसे लगा मानो वह पागल हो गया हो। उसने सोचा, पागलपन और प्रतिभा अक्सर एक-दूसरे से मेल खाते हैं। लेकिन ज़्यादातर लोग कितनी साधारण ज़िंदगी जीते हैं! बीच के पानी में, ज़्यादातर मछलियों की तरह!

नहीं, प्रकृति में वह द्वैत व्याप्त था, यहाँ तक कि सबसे छोटे परमाणु में मौजूद नन्हे प्रोटॉन और इलेक्ट्रॉन तक। विज्ञान अब इलेक्ट्रॉन को विभाजित करने का प्रयास कर रहा था, और शायद वह ऐसा नहीं कर सका क्योंकि शायद इसके पीछे केवल एक ही विचार था: एकमात्र सत्य, कि विपरीत हमेशा मौजूद होता है। कौन जानता था कि इलेक्ट्रॉन पदार्थ है या ऊर्जा? शायद ईश्वर और शैतान हर एक इलेक्ट्रॉन के चारों ओर हाथ में हाथ डालकर नाचते थे!

उसने अपनी सिगरेट कूड़ेदान में फेंकी, लेकिन निशाना चूक गया।

जब उसने रसीद का टुकड़ा टोकरी में डाला, तो उसे एक मुड़ा हुआ पन्ना मिला जिस पर उसने पिछली रात अपने अपराधबोध से भरे बयान लिखे थे। यह देखकर वह बुरी तरह घबरा गया और उसे चारों ओर से घेरने वाले वर्तमान की याद आ गई —ब्रूनो, ऐनी, यह कमरा, यह रात, और कल अस्पताल विभाग के साथ होने वाली बैठक।

आधी रात के करीब, जब उसे नींद आने लगी, तो वह अपनी काम की मेज से उठा और सावधानी से अपने बिस्तर पर लेट गया, कपड़े उतारने की हिम्मत नहीं कर रहा था, कहीं ऐसा न हो कि वह फिर से जाग जाए।

उसने सपना देखा कि रात में उसकी नींद उसी धीमी, सतर्क साँसों की आवाज़ से खुली जो वह हर रात अपने कमरे में सोने की कोशिश करते समय सुनता था। अब यह आवाज़ उसकी खिड़की के बाहर से आ रही थी। कोई घर पर चढ़ रहा था। चमगादड़ के पंखों जैसी बड़ी सी चादर ओढ़े एक लंबा-चौड़ा व्यक्ति अचानक कमरे में आ घुसा।

“मैं यहाँ हूँ,” उस आकृति ने सहज भाव से कहा।

गाइ उससे लड़ने के लिए अपने बिस्तर से कूद पड़ा। "तुम कौन हो?" उसने देखा कि वह ब्रूनो था।

ब्रूनो ने पलटवार करने की बजाय उसका विरोध किया। अगर गाय अपनी पूरी ताकत लगाता, तो वह ब्रूनो के कंधों को ज़मीन पर पटक सकता था, और बार-बार आने वाले सपने में, गाय को हमेशा अपनी पूरी ताकत लगानी पड़ती थी। गाय ने ब्रूनो को अपने घुटनों से ज़मीन पर दबाए रखा और उसका गला घोंटने की कोशिश की, लेकिन ब्रूनो उसे देखकर ऐसे मुस्कुराता रहा जैसे उसे कुछ महसूस ही न हो रहा हो।

अंत में ब्रूनो ने जवाब दिया, "तुम।"

गाय सिरदर्द और पसीने से तरबतर होकर जागा। वह थोड़ा और ऊपर बैठ गया, अपने खाली कमरे पर चौकन्ना होकर नज़र रखने लगा। कमरे में अब चिपचिपी गीली आवाज़ें आ रही थीं, मानो कोई साँप नीचे सीमेंट के आँगन में रेंग रहा हो और अपनी नम कुंडलियों को दीवारों से टकरा रहा हो। तभी अचानक उसने उस आवाज़ को बारिश की आवाज़ के रूप में पहचाना, एक कोमल, चाँदी जैसी गर्मी की बारिश, और वह वापस अपने तकिए पर लेट गया। वह धीरे-धीरे रोने लगा। उसने बारिश के बारे में सोचा, जो तिरछी होकर धरती पर गिर रही थी। मानो कह रही हो: वसंत के पौधे कहाँ हैं जिन्हें पानी दिया जाए? वह नया जीवन कहाँ है जो मुझ पर निर्भर है? वह हरी लता कहाँ है, ऐनी, जैसा हमने अपनी जवानी में प्यार देखा था? उसने पिछली रात उस मुड़े हुए कागज़ पर लिखा था। बारिश उस नए

जीवन को ढूँढ़ लेगी जो उसका इंतज़ार कर रहा है, उस पर निर्भर है। उसके आँगन में जो गिर रहा था वह बस उसकी अधिकता थी। हरी लता कहाँ है, ऐनी...

वह आंखें खुली रखकर तब तक लेटा रहा जब तक भोर की किरणें खिड़की की चौखट पर धीरे-धीरे नहीं पड़ने लगीं, मानो कोई अजनबी अचानक अंदर आ गया हो। जैसे ब्रूनो। फिर वह उठा, बत्तियां जलाईं, पर्दे खींचे और अपने काम पर लौट गया।

उनतीस

गाइ ने ब्रेक पैडल पर ज़ोर से पैर मारा, लेकिन कार चीखती हुई बच्चे की ओर उछल पड़ी। साइकिल के गिरने की हल्की सी आवाज़ आई। गाइ कार से बाहर निकला और कार के चारों ओर भागा, सामने वाले बम्पर से उसका घुटना बुरी तरह टकरा गया, और उसने बच्चे को कंधों से उठाकर खड़ा कर दिया।

“मैं ठीक हूँ,” छोटे लड़के ने कहा।

“क्या वो ठीक है, गाइ?” ऐनी दौड़कर आई, उसका चेहरा बच्चे की तरह पीला पड़ गया था।

“मुझे ऐसा लगता है।” गाय ने अपने घुटनों से साइकिल के आगे वाले पहिये को पकड़ा और हैंडल को सीधा किया, उसे महसूस हुआ कि बच्चे की जिज्ञासु निगाहें उसके कांपते हुए हाथों पर टिकी हुई हैं।

“धन्यवाद,” लड़के ने कहा।

गाय ने उसे साइकिल पर चढ़ते और पैडल मारते हुए जाते देखा, मानो वह कोई चमत्कार देख रहा हो। उसने ऐनी की ओर देखा और कांपती हुई आह के साथ धीरे से कहा, "आज मैं और गाड़ी नहीं चला सकता।"

"ठीक है," उसने भी उतनी ही धीमी आवाज़ में जवाब दिया, लेकिन गाय जानता था कि उसकी आँखों में संदेह था, जब वह ड्राइवर की सीट की ओर मुड़ी।

कार में वापस बैठते हुए गाय ने फॉल्कनर दंपत्ति से माफी मांगी, और वे आपस में कुछ बुदबुदाए कि ऐसी घटनाएं कभी-कभार हर ड्राइवर के साथ हो जाती हैं। लेकिन गाय को अपने पीछे उनकी खामोशी महसूस हुई, सदमे और भय की खामोशी। उसने लड़के को साइड रोड से आते देखा था। लड़का उसके लिए रुका था, लेकिन गाय ने कार को उसकी तरफ ऐसे मोड़ दिया जैसे उसे टक्कर मारना

चाहता हो। क्या उसने जानबूझकर ऐसा किया था? कांपते हुए उसने एक सिगरेट जलाई। उसने खुद से कहा, बस तालमेल की कमी थी, पिछले दो हफ्तों में उसने ऐसा सौ बार देखा था—घूमते दरवाजों से टक्कर, स्केल पर कलम पकड़ने में भी असमर्थता, और अक्सर यह एहसास कि वह यहाँ नहीं है, जो कर रहा है वो कर ही नहीं रहा है। गंभीर भाव से उसने अपने वर्तमान काम पर ध्यान केंद्रित किया, ऐनी की कार में बैठकर ऑल्टन जा रहा था नया घर देखने के लिए। घर बन चुका था। ऐनी और उसकी माँ ने पिछले हफ्ते पर्दे लगा दिए थे। रविवार का दिन था, लगभग दोपहर हो चुकी थी। ऐनी ने उसे बताया था कि कल उसे उसकी माँ का एक प्यारा सा पत्र मिला था, और उसकी माँ ने उसे तीन बुने हुए एप्रन और रसोई के लिए ढेर सारे घर के बने जैम और मुरब्बे भेजे थे। क्या उसे ये सब याद था? उसे बस इतना याद था कि उसकी जेब में ब्रोंक्स अस्पताल का एक स्केच था, जिसके बारे में उसने अभी तक ऐनी को नहीं बताया था। उसकी इच्छा थी कि वह कहीं दूर चला जाए और बस काम करे, किसी से न मिले, यहाँ तक कि ऐनी से भी नहीं। उसने एक नज़र ऐनी पर डाली, उसके शांत भाव से उठे चेहरे पर, जिसकी नाक की हड्डी पर हल्की सी गोलाई थी। उसके पतले, मजबूत हाथों ने बड़ी कुशलता से स्टीयरिंग व्हील को मोड़ा और बाहर निकाला। अचानक उसे यकीन हो गया कि वह अपनी कार को उससे ज़्यादा प्यार करती है।

“अगर किसी को भूख लगी हो तो अभी बोलें,” ऐनी ने कहा। “यह छोटी सी दुकान मीलों तक आखिरी जगह है।”

लेकिन कोई भूखा नहीं था।

“ऐनी, मुझे उम्मीद है कि साल में कम से कम एक बार तो मुझे खाने पर बुलाया जाएगा,” उसके पिता ने कहा। “शायद दो बत्तखें या कुछ बटेर। मैंने सुना है कि यहाँ आसपास अच्छा शिकार होता है। गाय, क्या तुम बंदूक चलाने में माहिर हो?”

ऐनी ने कार को उस सड़क पर मोड़ दिया जो घर की ओर जाती थी।

“ठीक है, महोदय,” गाय ने अंततः दो बार हकलाते हुए कहा। उसका दिल उसे भागने के लिए उकसा रहा था, उसे पूरा यकीन था कि वह केवल भागकर ही इसे शांत कर सकता है।

“गाइ!” ऐनी ने मुस्कुराते हुए उससे कहा। कार रोककर उसने धीरे से उससे कहा, “घर पहुँचते ही एक घूँट पी लेना। रसोई में ब्रांडी की एक बोतल रखी है।” उसने उसकी कलाई को छुआ, और गाइ ने अनजाने में अपना हाथ पीछे खींच लिया।

उसने सोचा, शायद उसने ब्रांडी या कुछ और पी होगी। लेकिन वह यह भी जानता था कि वह कुछ नहीं लेगा।

श्रीमती फॉल्कनर नए लॉन पर उनके बगल में चलीं। “यह बहुत ही सुंदर है, गाय। मुझे उम्मीद है कि आपको इस पर गर्व होगा।”

गाय ने सिर हिलाया। काम पूरा हो चुका था, अब उसे इसकी कल्पना नहीं करनी थी, जैसा कि उसने मेक्सिको के होटल के कमरे में भूरे रंग की अलमारी में किया था। ऐनी रसोई में मैक्सिकन टाइलें लगवाना चाहती थी। वह समय-समय पर जो कई चीज़ें पहनती थी, वे मैक्सिकन थीं। एक बेल्ट, एक हैंडबैग, हुआराचास। उसकी ट्वीड कोट के नीचे दिख रही लंबी कढ़ाई वाली स्कर्ट भी मैक्सिकन थी। उसे लगा कि उसने होटल मोंटेकार्लो को शायद इसलिए चुना था ताकि वह उदास गुलाबी-भूरा कमरा और भूरे रंग की अलमारी में ब्रूनो का चेहरा उसे जीवन भर परेशान करता रहे।

अब उनकी शादी में सिर्फ एक महीना बचा था। चार और शुक्रवार की रातें, और ऐनी चिमनी के पास बड़ी चौकोर हरी कुर्सी पर बैठेगी, उसकी आवाज़ मैक्सिकन रसोई से उसे पुकारेगी, और वे ऊपर स्टूडियो में साथ काम करेंगे। उसे क्या हक था कि वह उसे अपने साथ कैद कर ले? वह अपने बेडरूम को घूरता रहा, उसे हल्का-फुल्का एहसास था कि वह अस्त-व्यस्त लग रहा है, क्योंकि ऐनी ने कहा था कि वह अपने बेडरूम को "आधुनिक" नहीं चाहती।

“फर्नीचर के लिए माँ को धन्यवाद देना मत भूलना, ठीक है?” उसने धीरे से उससे कहा। “माँ ने ही तो ये हमें दिया है, तुम्हें पता है ना।”

बेशक, चेरी के रंग का बेडरूम सेट। उसे याद था कि सुबह नाश्ते के समय ऐनी ने उसे इसके बारे में बताया था, उसे अपना पट्टी बंधा हाथ याद था, और ऐन को उस काली पोशाक में याद था जो उसने हेलेन की पार्टी में पहनी थी। लेकिन जब उसे फर्नीचर के बारे में कुछ कहना चाहिए था, तब वह नहीं बोला, और फिर बहुत

देर हो चुकी थी। उसे लगा कि उन्हें ज़रूर कुछ गड़बड़ पता है। दुनिया में हर किसी को पता होगा। वह बस किसी तरह बच रहा था, किसी भारी मुसीबत के लिए बचा हुआ था जो उसे खत्म कर देगी।

“गाइ, क्या तुम नई नौकरी के बारे में सोच रहे हो?” श्री फॉल्कनर ने सिगरेट की पेशकश करते हुए पूछा।

जब गाय बरामदे में कदम रखा तो उसने वहाँ उसकी आकृति नहीं देखी थी। खुद को सही ठहराने की भावना से उसने अपनी जेब से मुड़ा हुआ कागज़ निकाला और उसे दिखाया, उसे समझाया। श्री फॉल्कनर की घनी, भूरी और सफ़ेद भौहें सोच में डूब गईं। लेकिन वह मेरी बात बिल्कुल नहीं सुन रहा, गाय ने सोचा। वह मेरे करीब झुक रहा है, सिर्फ़ मेरे उस अपराधबोध को देखने के लिए जो मेरे चारों ओर अंधेरे के घेरे की तरह छाया हुआ है।

"फनी ऐनी ने इस बारे में मुझसे कुछ नहीं कहा," श्री फॉल्कनर ने कहा।

मैं इसे बचाकर रख रहा हूँ।

“ओह,” श्री फॉल्कनर हँसे। “शादी का तोहफा?”

बाद में, फॉल्कनर दंपति कार लेकर उस छोटी सी दुकान से सैंडविच लेने वापस गए। गाय घर से ऊब गया था। वह चाहता था कि ऐनी उसके साथ चट्टानी पहाड़ी पर चढ़े।

“एक मिनट में,” उसने कहा। “इधर आओ।” वह ऊंचे पत्थर के बने चिमनी के सामने खड़ी हो गई। उसने अपने हाथ उसके कंधों पर रखे और उसके चेहरे की ओर देखा, थोड़ा आशंकित, लेकिन फिर भी अपने नए घर पर गर्व से चमक रही थी। “ये तो गहरे होते जा रहे हैं, तुम्हें पता है,” उसने अपनी उंगली उसके गाल के गड्ढे पर फेरते हुए कहा। “मैं तुम्हें खिलाऊंगी।”

“शायद थोड़ी नींद की ज़रूरत है,” उसने धीरे से कहा। उसने उसे बताया था कि आजकल उसके काम में लंबे घंटे लग जाते हैं। उसने उसे यह भी बताया था कि वह कुछ पैसे कमाने के लिए मायर्स की तरह ही कुछ छोटे-मोटे काम कर रहा है।

“डार्लिंग, हम तो—हम तो खुशहाल हैं। आखिर तुम्हें क्या परेशानी है?”

और उसने उससे छह बार पूछा था कि क्या बात शादी की है, क्या वह उससे शादी नहीं करना चाहता। अगर वह उससे दोबारा पूछती, तो शायद वह हाँ कह

देता, लेकिन वह जानता था कि वह अब, उनके घर में अंगीठी के सामने, यह सवाल नहीं पूछेगी। "मुझे कोई बात परेशान नहीं कर रही," उसने जल्दी से कहा।

"तो क्या आप इतनी मेहनत नहीं करेंगे?" उसने उससे विनती की, और फिर अपनी खुशी और उम्मीद से प्रेरित होकर अनायास ही उसे गले लगा लिया।

अनायास ही—जैसे कुछ हुआ ही न हो—उसने उसे चूम लिया, क्योंकि वह जानता था कि वह उससे यही उम्मीद कर रही थी। उसने सोचा, वह ज़रूर ध्यान देगी, वह हमेशा चुंबन में आए छोटे से छोटे बदलाव को भी भांप लेती है, और उसे चूमे हुए भी बहुत समय हो गया था। जब उसने कुछ नहीं कहा, तो उसे लगा कि उसके अंदर आया बदलाव इतना बड़ा था कि उसका ज़िक्र करना भी व्यर्थ था।

तीस

गाय रसोई पार करके पीछे के दरवाजे पर मुड़ा। "रसोइया की पार्टी में खुद को आमंत्रित करना मेरी बहुत बड़ी नासमझी थी।"

“इसमें लापरवाही वाली क्या बात है? गुरुवार की रातों में हमारा भी यही हाल होगा, बस इतना ही।” श्रीमती फॉल्कनर ने सिंक में धो रही अजवाइन का एक टुकड़ा उन्हें लाकर दिया। “लेकिन हेज़ल निराश होगी कि वह यहाँ खुद शॉर्टकेक बनाने के लिए नहीं थी। आज रात आपको ऐनी के बनाए शॉर्टकेक से ही काम चलाना पड़ेगा।”

गाय बाहर चला गया। दोपहर में अभी भी धूप खिली हुई थी, हालांकि बाड़ की वजह से क्रोकस और आइरिस के फूलों की क्यारियों पर लंबी तिरछी छाया पड़ रही थी। घास के मैदान में एक उभार के पार उसे ऐनी के बंधे हुए बाल और उसके स्वेटर का हल्का हरा रंग मुश्किल से दिखाई दे रहा था। कई बार वह ऐनी के साथ वहीं पुदीना और जलकुंभी इकट्ठा कर चुका था, उस धारा से जो उस जंगल से निकलती थी जहाँ उसने ब्रूनो से लड़ाई की थी। ब्रूनो बीत चुका है, उसने खुद को याद दिलाया, चला गया है, गायब हो गया है। जेरार्ड ने चाहे जो भी तरीका अपनाया हो, उसने ब्रूनो को उससे संपर्क करने से डरा दिया था।

उसने मिस्टर फॉल्कनर की साफ-सुथरी काली कार को ड्राइववे में प्रवेश करते और धीरे-धीरे खुले गैरेज में जाते देखा। अचानक उसने खुद से पूछा, वह यहाँ क्या कर रहा है, जहाँ उसने सबको धोखा दिया है, यहाँ तक कि उस अश्वेत रसोइया को

भी, जो उसके लिए शॉर्टकेक बनाना पसंद करती थी, शायद इसलिए कि उसने कभी उसकी मिठाई की तारीफ की थी? वह नाशपाती के पेड़ की छाँव में चला गया, जहाँ न तो ऐनी और न ही उसके पिता उसे आसानी से देख पाते। उसने सोचा, अगर वह ऐनी के जीवन से निकल भी जाए, तो इससे उसे क्या फर्क पड़ेगा? उसने अपने सारे पुराने दोस्तों को नहीं छोड़ा था, अपने और टेडी के दोस्तों को, उन योग्य नौजवानों को, उन सुंदर नौजवानों को जो पोलो खेलते थे और, बड़े ही मासूमियत से, नाइट क्लबों में जाते थे, इससे पहले कि वे अपने पिता के व्यवसाय में शामिल हों और उन खूबसूरत युवतियों में से किसी एक से शादी कर लें जो उनके कंट्री क्लबों की शोभा बढ़ाती थीं। ऐनी बेशक अलग थी, वरना वह शुरू से ही उसकी तरफ आकर्षित नहीं होती। वह उन खूबसूरत युवतियों में से नहीं थी जो कुछ साल सिर्फ यह कहने के लिए काम करती हैं कि उन्होंने ऐसा किया है, इससे पहले कि वे किसी योग्य नौजवान से शादी कर लें। लेकिन क्या वह उसके बिना भी वैसी ही नहीं होती? उसने अक्सर उससे कहा था कि वह उसकी प्रेरणा है, वह और उसकी महत्वाकांक्षा, लेकिन जिस दिन वह उससे मिला था, उस दिन भी उसमें वही प्रतिभा, वही लगन थी, तो क्या वह आगे नहीं बढ़ती? और क्या उसके जैसा ही कोई दूसरा आदमी, जो उसके लायक हो, उसे नहीं मिल जाता? वह उसकी ओर चलने लगा।

“मेरा काम लगभग पूरा हो गया है,” उसने उसे पुकारा। “तुम पहले क्यों नहीं आए?”

“मैंने जल्दी की,” उसने असहजता से कहा।

"तुम दस मिनट से घर से टिके हुए हो।"

जलकुंभी की एक टहनी नदी में बह रही थी, और वह उसे बचाने के लिए झपटा। उसे ऐसा लगा जैसे वह कोई समुद्री जीव हो, उसे उठाते हुए। "मुझे लगता है मैं जल्द ही नौकरी कर लूँगा, ऐनी।"

वह अचंभित होकर ऊपर देखने लगी। "नौकरी? आपका मतलब किसी कंपनी में?"

यह एक ऐसा मुहावरा था जो आमतौर पर दूसरे आर्किटेक्ट्स के लिए इस्तेमाल किया जाता था, "किसी फर्म में नौकरी।" उसने उसकी तरफ देखे बिना सिर

हिलाया। "मुझे ऐसा ही लग रहा है। अच्छी तनख्वाह वाली कोई स्थिर नौकरी।"

“ठीक है?” वह थोड़ा हँसी। “अस्पताल में पूरे साल का काम बाकी है?”

मुझे हर समय ड्राफ्टिंग रूम में रहने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

वह खड़ी हो गई। "क्या यह पैसों की वजह से है? क्योंकि आप अस्पताल का पैसा नहीं ले रहे हैं?"

वह उससे मुंह फेरकर गीले किनारे पर एक बड़ा कदम बढ़ाते हुए बोला, "बिल्कुल नहीं।" "शायद कुछ हद तक।" उसने कुछ हफ़्ते पहले ही तय कर लिया था कि कर्मचारियों को वेतन देने के बाद वह अपनी फीस अस्पताल विभाग को वापस कर देगा।

लेकिन तुमने कहा था कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा, गाइ। हम दोनों इस बात पर सहमत थे कि तुम इसे वहन कर सकते हो।

मानो दुनिया अचानक शांत हो गई, मानो कुछ सुन रही हो। उसने देखा कि वह अपने बालों की एक लट को पीछे हटा रही है और उसके माथे पर गीली मिट्टी का एक निशान रह गया है। "ज्यादा देर नहीं लगेगी। शायद छह महीने, या शायद उससे भी कम।"

लेकिन आखिर क्यों?

"मुझे लगता है यह पसंद!"

“तुम्हें ऐसा क्यों लग रहा है? तुम शहीद क्यों बनना चाहते हो, गाइ?”

उसने कुछ नहीं कहा।

ढलता सूरज पेड़ों से छनकर अचानक उन पर चमकने लगा। गाय ने और भी गहरी भौंहें चढ़ा लीं, अपनी उस भौंह से एक आँख को ढक लिया जिस पर जंगल में मिला सफेद निशान था—वह निशान जो हमेशा दिखेगा, उसने सोचा। उसने ज़मीन में पड़े एक पत्थर को लात मारी, लेकिन उसे हिला नहीं सका। उसे सोचने दो कि पल्मायरा की लड़ाई के बाद भी नौकरी उसके अवसाद का हिस्सा है। उसे जो चाहे सोचने दो।

“गाइ, मुझे माफ कर दो,” उसने कहा।

गाय ने उसकी तरफ देखा। "माफ़ करना?"

वह उसके करीब आई। "माफ़ कीजिए। मुझे लगता है कि मुझे पता है कि यह क्या है।"

उसने अपने हाथ अभी भी जेब में ही रखे हुए थे। "तुम्हारा क्या मतलब है?"

वह काफी देर तक इंतजार करती रही। "मैंने सोचा कि यह सब, पल्मायरा के बाद आपकी सारी बेचैनी—भले ही आपको इसका एहसास न हो—मिरीम से जुड़ी है।"

वह अचानक मुँह फेरकर बोला, “नहीं। नहीं, ऐसा बिल्कुल नहीं है!” उसने इतनी ईमानदारी से कहा, फिर भी झूठ जैसा लग रहा था! उसने अपनी उंगलियाँ बालों में डालीं और उन्हें पीछे धकेल दिया।

“सुनो, गाय,” ऐनी ने कोमल और स्पष्ट स्वर में कहा, “हो सकता है कि तुम शादी को उतना न चाहते हो जितना तुम सोचते हो। अगर तुम्हें लगता है कि इसमें कुछ तो बात है, तो कह दो, क्योंकि मैं इस नौकरी के विचार से कहीं ज़्यादा आसानी से इसे सहन कर सकती हूँ। अगर तुम अभी भी इंतज़ार करना चाहते हो, या अगर तुम इसे पूरी तरह से तोड़ देना चाहते हो, तो मैं सह सकती हूँ।”

उसने मन बना लिया था, और काफी समय से बना रखा था। वह उसकी शांति के केंद्र में इसे महसूस कर सकता था। वह इस क्षण उसे त्याग सकता था। उस त्याग का दर्द अपराधबोध के दर्द को मिटा देगा।

“अरे, ऐन!” उसके पिता ने पीछे के दरवाजे से आवाज़ दी। “जल्दी अंदर आ रही हो? मुझे वो पुदीने की ज़रूरत है!”

“एक मिनट रुको, पापा!” उसने चिल्लाकर जवाब दिया। “क्या कहते हो, गाय?”

उसकी जीभ उसके मुंह के ऊपरी हिस्से से दब गई। उसने सोचा, वह मेरे अंधकारमय जंगल में सूरज है। लेकिन वह कह नहीं सका। वह केवल इतना ही कह सका, "मैं कह नहीं सकता—"

“अच्छा—मुझे तुम्हारी ज़रूरत अब पहले से कहीं ज़्यादा है, क्योंकि तुम्हें भी मेरी ज़रूरत अब पहले से कहीं ज़्यादा है।” उसने पुदीना और जलकुंभी उसके हाथ में थमा दी। “क्या तुम इसे पापा के पास ले जाना चाहते हो? और उनके साथ एक ड्रिंक पीना चाहते हो। मुझे कपड़े बदलने हैं।” वह मुड़ी और घर की ओर चल पड़ी,

तेज़ नहीं, लेकिन इतनी तेज़ कि गाय उसका पीछा करने की कोशिश भी नहीं कर सका।

गाय ने कई मिंट जूलप्स पी लिए। ऐनी के पिता उन्हें पुराने तरीके से बनाते थे, जिसमें चीनी, बोरबन और पुदीने को एक दर्जन गिलासों में दिन भर रखा जाता था, जिससे वे ठंडे और जमे हुए हो जाते थे। वे गाय से अक्सर पूछते थे कि क्या उसने कहीं इससे बेहतर मिंट जूलप्स पिए हैं। गाय को महसूस हो रहा था कि उसका तनाव धीरे-धीरे कम हो रहा है, लेकिन उसे नशा नहीं हो रहा था। उसने कुछ बार कोशिश की थी और उल्टी कर दी थी, लेकिन उसे नशा नहीं हुआ था।

शाम ढलने के बाद, ऐन के साथ छत पर बैठे हुए, एक पल ऐसा आया जब उसने सोचा कि शायद वह उसे उतना ही जानता है जितना पहली शाम जब वह उससे मिलने आया था। तभी अचानक उसके मन में ऐन को अपना बनाने की तीव्र, आनंदमयी इच्छा जागृत हुई। फिर उसे याद आया कि शादी वाले रविवार के बाद ऑल्टन में उसका घर उसका इंतज़ार कर रहा था, और ऐन के साथ उसने जो भी खुशियाँ जी थीं, वे सब उसके मन में लौट आईं। वह उसकी रक्षा करना चाहता था, एक असंभव लक्ष्य को हासिल करना चाहता था, जिससे ऐन प्रसन्न हो। यह उसकी अब तक की सबसे सकारात्मक, सबसे सुखद महत्वाकांक्षा प्रतीत हुई। अगर वह ऐसा महसूस कर सकता था, तो उसके पास एक रास्ता था। उसे अपने पूरे अस्तित्व से नहीं, बल्कि अपने ही एक हिस्से से निपटना था, न कि ब्रूनो से, न ही अपने काम से। उसे बस अपने दूसरे हिस्से को कुचलना था, और अपने वर्तमान स्वरूप में जीना था।

इकतीस

लेकिन ऐसे कई मौके थे जब उसका दूसरा रूप उस रूप पर हावी हो सकता था जिसे वह बचाना चाहता था, और इस तरह के आक्रमण के कई रूप थे: कुछ शब्द, आवाज़ें, रोशनी, उसके हाथों या पैरों की हरकतें, और अगर वह कुछ भी न करे, कुछ सुने-देखे भी न, तो भी किसी विजयी आंतरिक आवाज़ का शोर उसे चौंका देता और डरा देता। इतनी भव्यता से तैयार की गई, इतनी उत्सवपूर्ण, सफेद लेस और लिनेन से सजी, सबकी बेसब्री से इंतज़ार की जा रही शादी, उसे अपने द्वारा किया जा सकने वाला सबसे बड़ा विश्वासघात लग रही थी, और जैसे-जैसे वह करीब

आती गई, वह उसे रद्द करने के बारे में और भी बेचैनी से और व्यर्थ ही सोचता रहा। आखिरी क्षण तक, वह बस भाग जाना चाहता था।

शिकागो के दिनों के उनके दोस्त रॉबर्ट ट्रेचर ने फोन करके शुभकामनाएं दीं और पूछा कि क्या वे शादी में आ सकते हैं। गाय ने उन्हें एक कमजोर बहाना बनाकर टाल दिया। उनका मानना था कि यह फॉल्कनर परिवार का मामला था, उनके दोस्त थे, उनका पारिवारिक चर्च था, और किसी दोस्त की उपस्थिति से उनकी संशय टूट सकती थी। उन्होंने केवल मायर्स को आमंत्रित किया था, जिनका कोई महत्व नहीं था—अस्पताल आयोग के बाद से, वे अब उनके साथ कार्यालय साझा नहीं करते थे—टिम ओ'फ्लैहर्टी, जो आ नहीं सकते थे, और डीम्स अकादमी के दो-तीन वास्तुकार, जो उनके काम को उनसे बेहतर जानते थे। लेकिन मॉन्ट्रियल से ट्रेचर के फोन के आधे घंटे बाद, गाय ने वापस फोन किया और बॉब से पूछा कि क्या वह उनके दूल्हे के दोस्त बनेंगे।

गाय को एहसास हुआ कि उसने लगभग एक साल से ट्रेचर के बारे में सोचा तक नहीं था, उसके आखिरी पत्र का जवाब भी नहीं दिया था। उसने पीटर व्रिग्स, विक डी पॉयस्टर और गुंथर हॉल के बारे में भी नहीं सोचा था। वह विक और उसकी पत्नी के ब्लीकर स्ट्रीट वाले अपार्टमेंट में जाया करता था, एक बार ऐनी को भी वहाँ ले गया था। गाय को याद आया कि विक एक चित्रकार था और उसने पिछली सर्दियों में उसे अपनी प्रदर्शनी का निमंत्रण भेजा था। उसने जवाब तक नहीं दिया था। अब उसे धुंधला-सा याद आ रहा था कि टिम न्यूयॉर्क में था और उसने ब्रूनो के फोन पर लगातार परेशान करने के दौरान उसे दोपहर के भोजन के लिए बुलाया था, लेकिन उसने मना कर दिया था। गाय को याद आया कि थियोलॉजिका जर्मनिका में लिखा है कि प्राचीन जर्मन लोग किसी आरोपी व्यक्ति को उसके चरित्र की गवाही देने वाले मित्रों की संख्या के आधार पर निर्दोष या दोषी मानते थे। अब कितने लोग उसके लिए गवाही देंगे? उसने अपने दोस्तों को कभी ज्यादा समय नहीं दिया था, क्योंकि वे ऐसे लोग नहीं थे जो इसकी उम्मीद करते हों, लेकिन अब उसे लग रहा था कि उसके दोस्त भी बदले में उससे दूर भाग रहे हैं, मानो उन्होंने उसे देखे बिना ही महसूस कर लिया हो कि वह दोस्ती के लायक नहीं रह गया है।

शादी वाले रविवार की सुबह, चर्च के प्रार्थना कक्ष में बॉब ट्रेचर के चारों ओर धीरे-धीरे चक्कर लगाते हुए, गाय अस्पताल में बनाए गए चित्रों की यादों को अपनी आखिरी उम्मीद, अपने अस्तित्व का एकमात्र प्रमाण मानकर टिकाए बैठा था। उसने बेहतरीन काम किया था। उसके दोस्त बॉब ट्रेचर ने उसकी प्रशंसा की थी। उसने खुद को साबित कर दिया था कि वह अब भी रचना कर सकता है।

बॉब ने उससे बातचीत करने की कोशिश करना छोड़ दिया था। वह बाहें मोड़े बैठा था, उसके गोल-मटोल चेहरे पर एक सुखद लेकिन कुछ खोई-खोई सी भावहीनता थी। बॉब को लगा कि वह बस घबराया हुआ है। बॉब को नहीं पता था कि वह कैसा महसूस कर रहा है, गाय जानता था, क्योंकि चाहे वह कितना भी सोचे कि यह दिख रहा है, ऐसा कुछ नहीं था। और यही असली मुसीबत थी, कि किसी का जीवन इतनी आसानी से पूर्ण पाखंड बन सकता है। यही सार था, उसकी शादी और उसका दोस्त, बॉब ट्रेचर, जो अब उसे पहचानता भी नहीं था। और ऊँची जालीदार खिड़की वाला छोटा सा पत्थर का कमरा, किसी जेल की कोठरी जैसा। और बाहर से आती फुसफुसाहट, मानो जेल पर धावा बोलने और न्याय करने के लिए बेताब भीड़ की आत्म-धार्मिक बड़बड़ाहट हो।

"क्या आप गलती से भी बोतल तो नहीं ले आए?"

बॉब उछल पड़ा। “हाँ, बिल्कुल। यह मुझे परेशान कर रहा है और मैं इसे पूरी तरह भूल गया था।” उसने बोतल मेज पर रख दी और गाय के लेने का इंतज़ार करने लगा। बॉब लगभग पैंतालीस वर्ष का था, विनम्र लेकिन आशावादी स्वभाव का, संतुष्ट कुंवारेपन की अमिट छाप लिए और अपने पेशे में पूर्ण तल्लीनता और महारत हासिल किए हुए था। “पहले आप,” उसने गाय को इशारा किया। “मैं ऐनी के लिए एक निजी टोस्ट पीना चाहता हूँ। वह बहुत सुंदर है, गाय।” उसने धीरे से मुस्कुराते हुए कहा, “सफेद पुल की तरह सुंदर।”

गाय खुली हुई पाइंट की बोतल को घूर रहा था। खिड़की के बाहर का शोरगुल मानो अब उसका, उसका और ऐनी का मज़ाक उड़ा रहा हो। मेज़ पर रखी बोतल भी उसी शोरगुल का हिस्सा थी, शादी की परंपरा का एक नीरस, आधा-मज़ाकिया प्रतीक। उसने मिरियम के साथ अपनी शादी में व्हिस्की पी थी। गाय ने बोतल को कोने में फेंक दिया। उसकी ज़ोरदार आवाज़ और छींटे ने हॉर्न की आवाज़, लोगों

की आवाज़, ऑर्गन की बेतुकी कंपन को बस एक पल के लिए शांत किया, और फिर वे सब वापस आने लगे।

"माफ़ करना, बॉब। मुझे बहुत अफ़सोस है।"

बॉब ने उससे अपनी निगाहें नहीं हटाई थीं। "मैं तुम्हें बिल्कुल भी दोष नहीं देता," उसने मुस्कुराते हुए कहा।

लेकिन मैं खुद को दोषी मानता हूँ!

“सुनो, बूढ़े आदमी—”

गाय को यह समझ आ रहा था कि बॉब को यह नहीं पता था कि उसे हंसना चाहिए या गंभीर रहना चाहिए।

“रुको,” ट्रेचर ने कहा। “मैं हमारे लिए कुछ और लाता हूँ।”

जैसे ही बॉब ने दरवाजा खोलने के लिए हाथ बढ़ाया, दरवाजा खुल गया और पीटर व्रिग्स का दुबला-पतला शरीर अंदर आ गया। गाय ने उसका परिचय ट्रेचर से कराया। पीटर उसकी शादी में शामिल होने के लिए न्यू ऑरलियन्स से इतनी दूर आया था। गाय ने सोचा कि अगर वह मिरियम के साथ होता तो उसकी शादी में नहीं आता। पीटर मिरियम से नफरत करता था। पीटर के कनपटी पर अब सफेद बाल आ गए थे, हालांकि उसका दुबला-पतला चेहरा अब भी सोलह साल के लड़के की तरह मुस्कुरा रहा था। गाय ने उसे झट से गले लगा लिया, उसे ऐसा लग रहा था जैसे वह अब अपने आप ही चल रहा हो, ठीक उसी तरह जैसे शुक्रवार की रात को चला था।

“अब समय आ गया है, गाइ,” बॉब ने दरवाजा खोलते हुए कहा।

गाइ उसके बगल में चल रहा था। वेदी तक बारह कदम थे। गाइ ने सोचा, ये आरोप लगाने वाले चेहरे। वे भय से चुप थे, ठीक वैसे ही जैसे फॉल्कनर कार की पिछली सीट पर थे। वे कब हस्तक्षेप करेंगे और इसे रोकेंगे? और कब तक सब लोग इंतज़ार करते रहेंगे?

“गाइ!” किसी ने फुसफुसाते हुए कहा।

गाय ने छह गिना, सात।

“गाइ!” चेहरों के बीच से धीमी और सीधी आवाज़ आई, और गाइ ने बाईं ओर देखा, दो महिलाओं की निगाहों का पीछा किया जो अपने कंधों के ऊपर से देख

रही थीं, और उसे केवल ब्रूनो का चेहरा दिखाई दिया और किसी और का नहीं।

गाय ने फिर से सीधा देखा। क्या यह ब्रूनो था या कोई भ्रम? चेहरा उत्सुकता से मुस्कुरा रहा था, भूरी आँखें सुई की तरह तेज़ थीं। दस, ग्यारह, उसने गिना। बारह सीढ़ियाँ ऊपर, सात छोड़ो... तुम इसे याद रख सकते हो, इसमें एक लयबद्ध ताल है। उसके सिर में झुनझुनी सी हुई। क्या यह इस बात का सबूत नहीं था कि यह एक भ्रम था, ब्रूनो नहीं? उसने प्रार्थना की, हे भगवान, मुझे बेहोश मत होने देना। शादी करने से बेहतर है बेहोश हो जाना, भीतरी आवाज़ ने जवाब दिया।

वह ऐनी के बगल में खड़ा था, और ब्रूनो भी उनके साथ था; यह कोई घटना नहीं, कोई क्षण नहीं, बल्कि एक स्थिति थी, कुछ ऐसा जो हमेशा से था और हमेशा रहेगा। ब्रूनो, स्वयं, ऐनी। और पटरियों पर चलना। और मृत्यु तक पटरियों पर चलते रहने का जीवन भर का सफर, क्योंकि यही सजा थी। वह और किस सजा की तलाश में था?

उसके चारों ओर चेहरे खिलखिला रहे थे और सब मुस्कुरा रहे थे, और गाय खुद को बेवकूफों की तरह उनकी नकल करते हुए महसूस कर रहा था। यह सेल एंड रैकेट क्लब था। बुफे नाश्ता था, और सबके पास शैम्पेन का गिलास था, यहाँ तक कि उसके पास भी। और ब्रूनो यहाँ नहीं था। यहाँ सचमुच कोई नहीं था सिवाय झुर्रियों वाली, हानिरहित, टोपी पहने इत्र लगाए बूढ़ी महिलाओं के। तभी श्रीमती फॉल्कनर ने उसकी गर्दन पर हाथ रखा और उसके गाल पर चुंबन किया, और उनके कंधे के ऊपर से उसने ब्रूनो को उसी मुस्कान, उसी पतली आँखों से दरवाजे से अंदर आते देखा, जिनसे वह पहले ही आकर्षित हो चुका था। ब्रूनो सीधे उसकी ओर आया और रुक गया, अपने पैरों पर डगमगाते हुए।

“मेरी तरफ से ढेर सारी शुभकामनाएँ, गाइ। अगर मैं अंदर देख लूँ तो आपको कोई आपत्ति तो नहीं होगी? यह एक खुशी का अवसर है!”

"निकल जाओ। यहाँ से जल्दी निकल जाओ।"

ब्रूनो की मुस्कान हिचकिचाहट के साथ फीकी पड़ गई। "मैं अभी-अभी कैप्री से लौटा हूँ," उसने उसी कर्कश आवाज़ में कहा। उसने एक नया गहरा शाही नीले रंग का गैबर्डाइन सूट पहना हुआ था, जिसके कॉलर किसी शाम के सूट के कॉलर जितने चौड़े थे। "कैसे हो, गाइ?"

ऐनी की एक चाची ने गाय के कान में कुछ मीठी-मीठी बातें फुसफुसाईं, और गाय ने भी कुछ बुदबुदाते हुए जवाब दिया। मुड़कर गाय आगे बढ़ने लगा।

“मैं बस आपको शुभकामनाएं देना चाहता था,” ब्रूनो ने कहा। “बस यही बात है।”

“बाहर निकलो,” गाय ने कहा। “दरवाजा तुम्हारे पीछे है।” लेकिन उसे और कुछ नहीं कहना चाहिए, उसने सोचा। नहीं तो वह अपना आपा खो देगा।

"शांति स्थापित करो, गाइ। मैं दुल्हन से मिलना चाहता हूँ।"

गाय दो अधेड़ उम्र की महिलाओं के साथ बह गया, जिनमें से एक ने उसका हाथ पकड़ा हुआ था और दूसरी ने उसका। हालाँकि उसने ब्रूनो को देखा नहीं, लेकिन वह जानता था कि ब्रूनो एक दुखी, अधीर मुस्कान के साथ बुफे टेबल की ओर चला गया था।

“कैसा महसूस कर रहे हो, गाइ?” श्री फॉल्कनर ने उसके हाथ से आधा खाली गिलास उठाया। “चलो बार में जाकर कुछ बेहतर पीते हैं।”

गाय ने आधा गिलास स्कॉच पी रखी थी। वह बिना सोचे-समझे बोल रहा था। उसे यकीन था कि उसने कहा था, "सब रोक दो, सबको जाने को कहो।" लेकिन उसने ऐसा नहीं कहा था, वरना मिस्टर फॉल्कनर इतनी ज़ोर से नहीं हंस रहे होते। या हंस रहे होते?

ब्रूनो मेज के दूसरी तरफ से केक काटते हुए देख रहा था, गाय ने गौर किया कि वह ज्यादातर ऐनी को ही देख रहा था। ब्रूनो के होंठ एक पतली, बेतहाशा मुस्कुराती हुई रेखा की तरह थे, उसकी आँखें उसकी गहरे नीले रंग की टाई पर लगे हीरे के पिन की तरह चमक रही थीं, और उसके चेहरे पर गाय को वही उदासी, विस्मय, दृढ़ संकल्प और हास्य का मिश्रण दिखाई दिया जो उसने उससे पहली बार मिलते ही देखा था।

ब्रूनो ऐनी के पास आया। "मुझे लगता है कि मैं तुमसे पहले कहीं मिला हूँ। क्या तुम्हारा टेडी फॉल्कनर से कोई रिश्ता है?"

गाय ने उनके हाथों को मिलते हुए देखा। उसने सोचा था कि वह इसे सहन नहीं कर पाएगा, लेकिन वह बिना कुछ किए इसे सहन कर रहा था।

"वह मेरा चचेरा भाई है," ऐनी ने अपनी सहज मुस्कान के साथ कहा, ठीक वैसी ही मुस्कान जैसी उसने कुछ क्षण पहले किसी को दी थी।

ब्रूनो ने सिर हिलाया। "मैंने उनके साथ दो-तीन बार गोल्फ खेला है।"

गाय को अपने कंधे पर किसी का हाथ महसूस हुआ।

“क्या आपके पास एक मिनट है, गाइ? मैं—” यह पीटर व्रिग्स था।

“मैंने नहीं किया।” गाय ने ब्रूनो और ऐनी के बाद बोलना शुरू किया। उसने ऐनी के बाएं हाथ पर अपनी उंगलियां कस लीं।

ब्रूनो बड़ी सहजता से उसके दूसरी तरफ आया, एकदम सीधा और आराम से, अपने सामने रखी प्लेट में शादी के केक का बचा हुआ टुकड़ा लिए हुए। "मैं गाय का पुराना दोस्त हूँ। एक पुराना परिचित।" ब्रूनो ने ऐनी के सिर के पीछे से उसे आँख मारी।

“सच में? तुम दोनों एक दूसरे को कहाँ से जानते हो?”

“स्कूल में। पुराने स्कूल के दोस्त।” ब्रूनो मुस्कुराया। “जानती हो, श्रीमती हेन्स, आप पिछले कई सालों में देखी गई सबसे खूबसूरत दुल्हन हैं। आपसे मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई,” उसने कहा, लेकिन यह बात उसने निर्णायक ढंग से नहीं बल्कि पूरे विश्वास के साथ कही, जिससे ऐनी के चेहरे पर फिर मुस्कान आ गई।

“आपसे मिलकर बहुत खुशी हुई,” उसने जवाब दिया।

मुझे उम्मीद है कि हम दोनों से मुलाकात होगी। आप लोग कहाँ रहने वाले हैं?

“कनेक्टिकट में,” ऐनी ने कहा।

“कनेक्टिकट एक शानदार राज्य है,” ब्रूनो ने गाय की ओर एक और आँख मारते हुए कहा और विनम्रतापूर्वक झुककर उनसे विदा ली।

“क्या वह टेडी का दोस्त है?” गाय ने ऐनी से पूछा। “क्या टेडी ने उसे आमंत्रित किया था?”

“इतनी चिंता मत करो, प्यारे!” ऐनी उस पर हंस पड़ी। “हम जल्दी ही निकलेंगे।”

“टेडी कहाँ है?” लेकिन टेडी को ढूंढने का क्या फायदा था, इस बात का बखेड़ा खड़ा करने का क्या मतलब था, उसने उसी समय खुद से पूछा।

“मैंने उसे दो मिनट पहले मेज के सबसे आगे बैठे देखा था,” ऐनी ने उससे कहा। “ये रहा क्रिस। मुझे उससे मिलना है।”

गाय ने ब्रूनो को ढूंढते हुए मुड़ा और देखा कि वह तले हुए अंडे खुद ही खा रहा था और दो युवकों से खुशी-खुशी बातें कर रहा था, जो उस पर ऐसे मुस्कुरा रहे थे

मानो किसी शैतान के वश में हों।

कुछ क्षण बाद कार में बैठे-बैठे गाय ने कड़वाहट से सोचा, विडंबना तो यह थी कि ऐन को उसे जानने का कभी समय ही नहीं मिला। जब वे पहली बार मिले थे, तब वह उदास था। अब उसके प्रयास, क्योंकि वह बहुत कम ही प्रयास करता था, वास्तविक लगने लगे थे। शायद मेक्सिको सिटी में वे कुछ दिन ऐसे थे जब वह अपने असली रूप में था।

“क्या नीले सूट वाला आदमी डीम्स गया था?” ऐनी ने पूछा।

वे मोंटॉक पॉइंट जा रहे थे। ऐनी के एक रिश्तेदार ने उन्हें तीन दिन के हनीमून के लिए अपना कॉटेज दिया था। हनीमून सिर्फ तीन दिन का था, क्योंकि उन्होंने एक महीने से भी कम समय में हॉर्टन, हॉर्टन और कीज़, आर्किटेक्ट्स में काम शुरू करने का वादा किया था, और उन्हें काम शुरू करने से पहले अस्पताल के विस्तृत रेखाचित्र तैयार करने के लिए दोगुनी मेहनत करनी होगी। "नहीं, इंस्टीट्यूट। कुछ समय के लिए।" लेकिन वह ब्रूनो के झूठ में क्यों फंस गए?

"उसका चेहरा तो दिलचस्प है," ऐनी ने कहा और अपने पैरों को जंप सीट पर रखने से पहले अपनी ड्रेस को टखनों के पास ठीक किया।

“दिलचस्प?” गाय ने पूछा।

“मेरा मतलब आकर्षक होने से नहीं है। बस तीव्र होने से है।”

गाइ ने अपने दांत भींच लिए। क्या यह बहुत तीव्र था? क्या वह नहीं देख पा रही थी कि वह पागल था? हद से ज्यादा पागल? क्या यह बात सबको नहीं दिख रही थी?

बत्तीस

हॉर्टन, हॉर्टन एंड कीज़ आर्किटेक्ट्स की रिसेप्शनिस्ट ने उन्हें एक संदेश दिया कि चार्ल्स ब्रूनो ने फोन किया था और अपना नंबर छोड़ दिया था। यह ग्रेट नेक का नंबर था।

"धन्यवाद," गाय ने कहा और लॉबी के उस पार चला गया।

मान लीजिए कि कंपनी टेलीफोन संदेशों का रिकॉर्ड रखती थी। वे ऐसा नहीं करते थे, लेकिन मान लीजिए कि वे रखते थे। मान लीजिए कि ब्रूनो एक दिन अचानक आ गया। लेकिन हॉर्टन, हॉर्टन और कीस खुद इतने भ्रष्ट थे कि ब्रूनो उनके

बीच कोई खास अंतर नहीं दिखाता। और क्या यही वजह नहीं थी कि वह यहाँ आया था, खुद को इसमें डुबो रहा था, इस भ्रम में कि घृणा ही प्रायश्चित है और वह यहाँ बेहतर महसूस करने लगेगा?

गाइ रोशनदान वाले बड़े, चमड़े के गद्दीदार लाउंज में गया और सिगरेट जलाई। फर्म के दो प्रमुख वास्तुकार, मेनवारिंग और विलियम्स, बड़े चमड़े के आरामकुर्सियों पर बैठे कंपनी की रिपोर्ट पढ़ रहे थे। खिड़की से बाहर देखते हुए गाइ को महसूस हुआ कि उनकी निगाहें उस पर टिकी हैं। वे हमेशा उस पर नज़र रखते थे, क्योंकि उसे कुछ खास, एक जीनियस माना जाता था, जूनियर हॉर्टन ने सबको यही भरोसा दिलाया था, तो वह यहाँ क्या कर रहा था? बेशक, वह जितना लोग सोचते थे उससे कहीं ज़्यादा कंगाल था, और उसकी अभी-अभी शादी हुई थी, लेकिन इन सब बातों और ब्रोंक्स अस्पताल की घटना के अलावा, वह साफ़ तौर पर घबराया हुआ था, अपना आपा खो चुका था। वे खुद से कहते हैं कि कभी-कभी सबसे अच्छे लोग भी अपना आपा खो देते हैं, तो फिर उन्हें एक आरामदायक नौकरी लेने में हिचकिचाहट क्यों होनी चाहिए? गाइ ने मैनहट्टन की गंदी, अस्त-व्यस्त छतों और सड़कों को देखा जो किसी शहर के न बनने के तरीके का एक मॉडल लग रही थीं। जब वह मुड़ा, तो मेनवारिंग ने एक स्कूली बच्चे की तरह अपनी नज़रें झुका लीं।

उसने सुबह का पूरा समय उस काम पर टालमटोल करते हुए बिताया जो कई दिनों से उसके हाथ में था। उन्होंने उससे कहा, आराम से काम करो। उसे बस ग्राहक को उसकी मनचाही चीज़ देनी थी और उस पर हस्ताक्षर करने थे। अब, यह काम वेस्टचेस्टर के एक समृद्ध छोटे से समुदाय के लिए एक डिपार्टमेंटल स्टोर का था, और ग्राहक शहर के अनुरूप एक पुराने महल जैसा कुछ चाहता था, बस थोड़ा आधुनिक भी, समझे? और उसने खास तौर पर गाय डेनियल हेन्स को बुलाया था। अगर गाय अपने दिमाग को उस कार्टून के स्तर पर ढाल लेता, तो वह इसे आसानी से कर सकता था, लेकिन असल में यह एक डिपार्टमेंटल स्टोर होने वाला था, इसलिए कुछ व्यावहारिक ज़रूरतें बार-बार आ रही थीं। उसने पूरी सुबह पेंसिलें मिटाईं और तेज़ कीं, और उसे लगा कि ग्राहक को दिखाने के लिए एक मोटा-मोटा विचार भी तैयार करने में उसे चार-पाँच दिन और लग जाएँगे, अगले हफ्ते तक।

“चार्ली ब्रूनो भी आज रात आ रहा है,” ऐनी ने उस शाम रसोई से आवाज़ लगाई।

“क्या?” गाय परदे के पीछे से आया।

“क्या उसका नाम यही है? वही युवक जिसे हमने शादी में देखा था?”

ऐनी लकड़ी के तख्ते पर प्याज़ काट रही थी।

“आपने उसे आमंत्रित किया था?”

“लगता है उसे इसके बारे में पता चल गया था, इसलिए उसने फोन किया और खुद ही आने का न्योता दे दिया,” ऐनी ने इतने सहज भाव से जवाब दिया कि उसके मन में एक अजीब सा संदेह पैदा हो गया कि कहीं वह उसकी परीक्षा तो नहीं ले रही है। “हेज़ल—दूध नहीं, एंजेल, फ्रिज में बहुत सारी क्रीम है।”

गाय ने देखा कि हेज़ल ने क्रीम का डिब्बा क्रम्बल किए हुए गोरगोंजोला चीज़ के कटोरे के पास रख दिया।

“क्या तुम्हें उसके आने से कोई आपत्ति है, गाइ?” ऐनी ने उससे पूछा।

“बिल्कुल नहीं, लेकिन वो मेरा दोस्त नहीं है, तुम्हें पता है ना।” वो झिझकते हुए अलमारियों की तरफ बढ़ा और जूतों की पॉलिश का डिब्बा निकाला। उसे कैसे रोके? कोई न कोई रास्ता तो ज़रूर होगा, पर लाख कोशिश करने के बावजूद उसे पता था कि रास्ता उसके हाथ नहीं लगेगा।

“तुम्हें बुरा लगता है,” ऐनी ने मुस्कुराते हुए कहा।

"मुझे लगता है कि वह थोड़ा आवारा टाइप का है, बस इतना ही।"

“किसी को गृहप्रवेश समारोह से लौटाना अशुभ होता है। क्या आप यह नहीं जानते?”

जब ब्रूनो पहुंचा तो उसकी आंखें गुलाबी थीं। बाकी सबने नए घर के बारे में कुछ न कुछ टिप्पणी की थी, लेकिन ब्रूनो ईंटों से बने लाल और गहरे हरे रंग के बैठक कक्ष में ऐसे उतरा मानो वह यहां सौ बार आ चुका हो। या मानो वह यहीं रहता हो, गाय ने ब्रूनो का कमरे में सबसे परिचय कराते हुए सोचा। ब्रूनो ने मुस्कुराते हुए और उत्साहित होकर गाय और ऐनी पर ध्यान केंद्रित किया, बाकी लोगों के अभिवादन पर उसने शायद ही कोई प्रतिक्रिया दी—गाय को लगा कि उनमें से दो-तीन लोग उसे जानते थे—सिवाय मुन्सी पार्क, लॉन्ग आइलैंड की श्रीमती चेस्टर बोल्टिनॉफ के, जिनसे ब्रूनो ने ऐसे हाथ मिलाया मानो उसे कोई दोस्त मिल गया हो। और गाय ने

डर के मारे देखा कि श्रीमती बोल्टिनॉफ ने ब्रूनो की ओर एक चौड़ी, दोस्ताना मुस्कान के साथ देखा।

"सब कैसा चल रहा है?" ब्रूनो ने अपने लिए एक ड्रिंक लेने के बाद गाय से पूछा।

“ठीक है। एकदम ठीक।” गाय ने शांत रहने का पक्का इरादा कर लिया था, चाहे इसके लिए उसे खुद को बेहोश ही क्यों न करना पड़े। उसने रसोई में पहले ही दो-तीन बार नशा कर लिया था। लेकिन उसने खुद को पीछे हटते हुए, लिविंग रूम के कोने में बनी घुमावदार सीढ़ी की ओर जाते हुए पाया। उसने सोचा, बस एक पल के लिए, ताकि मैं स्थिति को समझ सकूँ। वह दौड़कर ऊपर बेडरूम में गया, अपना ठंडा हाथ माथे पर रखा और धीरे-धीरे उसे चेहरे पर नीचे ले आया।

“माफ़ कीजिए, मैं अभी भी खोजबीन कर रहा हूँ,” कमरे के दूसरी तरफ से एक आवाज़ आई। “गाइ, यह घर इतना शानदार है कि मुझे कुछ पल के लिए उन्नीसवीं सदी में लौटना पड़ा।”

हेलेन हेबर्न, जो बरमूडा में ऐनी की स्कूली दिनों की दोस्त थी, दराज के पास खड़ी थी। गाय ने सोचा, यहीं पर छोटी रिवॉल्वर रखी होगी।

“आराम से बैठो। मैं बस एक रुमाल लेने आया था। तुम्हारा ड्रिंक कैसा चल रहा है?” गाय ने दाहिनी ओर का ऊपरी दराज निकाला, जिसमें वो बंदूक भी थी जो उसे नहीं चाहिए थी और वो रुमाल भी जिसकी उसे ज़रूरत नहीं थी।

"खैर—मुझसे बेहतर।"

गाय को लगा कि हेलेन फिर से उन्माद के दौर से गुज़र रही है। ऐनी सोचती थी कि वह एक कमर्शियल आर्टिस्ट थी, और अच्छी आर्टिस्ट थी, लेकिन वह तभी काम करती थी जब उसका तिमाही भत्ता खत्म हो जाता था और वह अवसादग्रस्त हो जाती थी। और गाय को महसूस हुआ कि रविवार शाम से ही हेलेन उसे पसंद नहीं करती थी, जब वह ऐनी के साथ उसकी पार्टी में नहीं गया था। उसे उस पर शक था। अब वह अपने बेडरूम में क्या कर रही थी, दिखावा कर रही थी कि उसे शराब का नशा है, जबकि ऐसा नहीं था?

“क्या तुम हमेशा इतने गंभीर रहते हो, गाइ? तुम्हें पता है मैंने ऐनी से क्या कहा था जब उसने मुझे बताया था कि वह तुमसे शादी करने वाली है?”

"तुमने उससे कहा था कि वह पागल है।"

मैंने कहा, “पर वो तो बहुत गंभीर हैं। बेहद आकर्षक और शायद प्रतिभाशाली भी, लेकिन इतने गंभीर, तुम इसे कैसे बर्दाश्त कर सकती हो?” उसने अपना चौकोर, सुंदर सुनहरे बालों वाला चेहरा ऊपर उठाया। “तुम तो अपना बचाव भी नहीं करती। मुझे यकीन है कि तुम मुझे चूमने के लिए बहुत गंभीर हो, है ना?”

उसने जबरदस्ती उसकी ओर बढ़कर उसे चूमा।

"यह चुंबन नहीं है।"

लेकिन मैं जानबूझकर गंभीर नहीं था।

वह बाहर चला गया। उसने सोचा, हेलेन ऐनी को बता देगी, बता देगी कि उसने उसे रात दस बजे बेडरूम में दुखी अवस्था में पाया था। हो सकता है वह दराज में देखे और उसे बंदूक भी मिल जाए। लेकिन उसे इनमें से किसी बात पर यकीन नहीं था। हेलेन भोली थी, और उसे ज़रा भी समझ नहीं आता था कि ऐनी उसे क्यों पसंद करती है, लेकिन वह झगड़ालू नहीं थी। और वह ऐनी से ज़्यादा ताक-झांक करने वाली भी नहीं थी। हे भगवान, क्या उसने रिवॉल्वर को ऐनी की दराज के बगल वाली दराज में तब से नहीं रखा था जब से वे यहाँ रह रहे थे? उसे इस बात का ज़रा भी डर नहीं था कि ऐनी उसकी अलमारी के हिस्से की जाँच करेगी, जितना कि इस बात का कि वह उसकी चिट्ठियाँ खोल देगी।

ब्रूनो और ऐनी चिमनी के पास वाले समकोण सोफे पर बैठे थे, तभी वह नीचे आया। ब्रूनो ने लापरवाही से सोफे की पीठ पर जिस कांच के टुकड़े को हिलाया था, उससे कपड़े पर गहरे हरे रंग के धब्बे पड़ गए थे।

“गाइ, वो मुझे नए कैप्री होटल के बारे में सब कुछ बता रहा है।” ऐन ने उसकी तरफ देखा। “मैं हमेशा से चाहती थी कि हम वहाँ जाएँ।”

“सबसे अच्छा तरीका है पूरा घर लेना,” ब्रूनो ने गाय की बात अनसुनी करते हुए कहा, “एक महल ले लो, जितना बड़ा हो उतना अच्छा। मेरी माँ और मैं एक इतने बड़े महल में रहते थे कि हम कभी उसके दूसरे छोर तक नहीं गए, जब तक कि एक रात मुझे सही दरवाजा नहीं मिला। बरामदे के दूसरे छोर पर एक पूरा इतालवी परिवार रात का खाना खा रहा था, और उसी रात वे सभी, लगभग बारह लोग, हमारे यहाँ आए और पूछा कि क्या वे हमारे यहाँ मुफ्त में काम कर सकते हैं, बस अगर हम उन्हें वहाँ रहने दें। तो हमने उन्हें रहने दिया।”

"और आपने कभी इतालवी भाषा नहीं सीखी?"

“कोई ज़रूरत नहीं!” ब्रूनो ने कंधे उचकाए, उसकी आवाज़ फिर से कर्कश हो गई, ठीक वैसे ही जैसे गाय हमेशा अपने मन में सुनता था।

गाय सिगरेट पीते हुए खुद को व्यस्त रखे हुए था, उसे महसूस हो रहा था कि ब्रूनो की उत्सुक, शरमाती हुई, शरारती निगाहें ऐनी को घूर रही हैं, जो शराब के नशे से भी कहीं ज़्यादा गहरी थीं। इसमें कोई शक नहीं कि ब्रूनो ने ऐनी की पोशाक की तारीफ़ की होगी, जो उसकी पसंदीदा ग्रे टैफ़्टा की पोशाक थी जिस पर मोर की आँखों जैसे छोटे नीले पैटर्न बने थे। ब्रूनो हमेशा महिलाओं के कपड़ों पर ध्यान देता था।

"गाइ और मैं," ब्रूनो की आवाज़ उसके पीछे से स्पष्ट रूप से सुनाई दी, मानो उसने अपना सिर घुमा लिया हो, "गाइ और मैंने एक बार यात्रा करने के बारे में बात की थी।"

गाइ ने अपनी सिगरेट को ऐशट्रे में डुबोकर सारी चिंगारियाँ बुझा दीं, फिर सोफे की ओर बढ़ा। उसने ब्रूनो से कहा, "ऊपर हमारे गेम रूम में चलना कैसा रहेगा?"

“ज़रूर।” ब्रूनो उठ खड़ा हुआ। “तुम किस तरह के खेल खेलते हो?”

गाइ ने उसे लाल रंग से सजे एक छोटे से कमरे में धकेल दिया और उनके पीछे दरवाजा बंद कर दिया। "तुम कितनी दूर जा रहे हो?"

“यार! तुम तो बड़े कंजूस हो!”

"हम सबको यह बताने का क्या मतलब है कि हम पुराने दोस्त हैं?"

मैंने सबको नहीं बताया। मैंने ऐनी को बताया।

उसे या किसी और को बताने का क्या मतलब है? यहाँ आने का क्या मतलब है?

“चुप रहो, गाइ! श—श—श—श-श!” ब्रूनो ने लापरवाही से अपने एक हाथ में ड्रिंक घुमाई।

"पुलिस अब भी तुम्हारे दोस्तों पर नजर रख रही है, है ना?"

"मुझे चिंता करने की कोई बात नहीं है।"

“निकल जाओ। अभी निकल जाओ।” उसकी आवाज़ कांप रही थी, मानो वह उसे काबू में रखने की कोशिश कर रहा हो। और उसे खुद को काबू में क्यों रखना चाहिए? एक गोली वाली रिवॉल्वर बस हॉल के उस पार ही थी।

ब्रूनो ने उसे ऊब भरी निगाहों से देखा और आह भरी। उसके ऊपरी होंठ पर पड़ रही सांस वैसी ही थी जैसी गाय रात में अपने कमरे में सुनता था।

गाइ थोड़ा लड़खड़ाया, और इस लड़खड़ाने से वह क्रोधित हो गया।

“मुझे लगता है कि ऐनी खूबसूरत है,” ब्रूनो ने प्रसन्नतापूर्वक टिप्पणी की।

"अगर मैंने तुम्हें दोबारा उससे बात करते हुए देखा, तो मैं तुम्हें मार डालूंगा।"

ब्रूनो की मुस्कान फीकी पड़ गई, फिर और भी चौड़ी हो गई। "क्या यह धमकी है, गाइ?"

"यह एक वादा है।"

आधे घंटे बाद, ब्रूनो सोफे के पीछे बेहोश हो गया, जहाँ वह और ऐनी बैठे थे। वह फर्श पर बेहद लंबा लग रहा था, और उसका सिर बड़े चूल्हे के पत्थर पर छोटा सा दिख रहा था। तीन आदमियों ने उसे उठाया, फिर उन्हें समझ नहीं आया कि उसके साथ क्या करें।

“उसे ले चलो—मेरा मानना है कि अतिथि कक्ष में,” ऐनी ने कहा।

“यह तो शुभ संकेत है, ऐनी,” हेलेन हंसते हुए बोली। “हर गृहप्रवेश समारोह में किसी न किसी को रात भर रुकना पड़ता है, तुम्हें पता ही है। पहला मेहमान!”

क्रिस्टोफर नेल्सन गाय के पास आया। "तुमने उसे कहाँ से ढूँढा? वह ग्रेट नेक क्लब में इतनी बार बेहोश हो जाता था कि अब उसे अंदर जाने की इजाज़त ही नहीं है।"

शादी के बाद गाय ने टेडी से बात की थी। टेडी ने ब्रूनो को आमंत्रित नहीं किया था, उसके बारे में कुछ भी नहीं जानता था, सिवाय इसके कि वह उसे पसंद नहीं करता था।

गाय स्टूडियो की सीढ़ियाँ चढ़कर दरवाज़ा बंद कर लिया। उसकी काम करने वाली मेज़ पर उस टेढ़े-मेढ़े डिपार्टमेंटल स्टोर का अधूरा स्केच पड़ा था, जिसे पूरा करने के लिए वह अपने अंतरात्मा की आवाज़ सुनकर घर ले गया था। शराब के नशे में धुंधली हो चुकी उन जानी-पहचानी रेखाओं को देखकर उसे लगभग उल्टी आने लगी। उसने एक खाली कागज़ उठाया और उस इमारत का चित्र बनाना शुरू किया जो वे चाहते थे। वह जानता था कि वे क्या चाहते हैं। उसे उम्मीद थी कि वह बीमार होने से पहले इसे पूरा कर लेगा और पूरा करने के बाद बुरी तरह बीमार हो

जाएगा। लेकिन जब उसने काम पूरा किया तो वह बीमार नहीं हुआ। वह बस अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गया और अंत में जाकर एक खिड़की खोल दी।

तैंतीस

डिपार्टमेंट स्टोर का डिज़ाइन स्वीकार कर लिया गया और उसकी खूब तारीफ हुई, पहले हॉर्टन परिवार ने और फिर ग्राहक, न्यू रोशेल के श्री हॉवर्ड विन्धम ने, जो सोमवार दोपहर को ड्राइंग देखने के लिए ऑफिस आए थे। गाय ने बाकी का दिन अपने ऑफिस में सिगरेट पीते हुए और ब्रेंटानो से ऐनी को उसके जन्मदिन पर उपहार देने के लिए खरीदी गई रेलिगियो मेडिसी की मोरक्को जिल्द वाली प्रति को पलटते हुए बिताया। वह सोच रहा था कि अब उसे अगला काम क्या दिया जाएगा? उसने किताब के पन्ने पलटे, उन अंशों को याद करते हुए जो उसे और पीटर को पसंद थे... बिना नाभि वाला आदमी फिर भी मुझमें रहता है... अब उसे कौन सा अत्याचार करने को कहा जाएगा? वह पहले ही एक काम पूरा कर चुका था। क्या उसने काफी काम नहीं किया था? डिपार्टमेंट स्टोर जैसा एक और काम असहनीय होगा। यह आत्म-दया नहीं थी, बस जीवन था। अगर वह इसके लिए खुद को दोषी ठहराना चाहता है, तो वह अभी भी जीवित है। वह ड्राइंग टेबल से उठा, अपने टाइपराइटर के पास गया और अपना त्यागपत्र लिखना शुरू कर दिया।

ऐनी ने ज़िद की कि वे उस शाम बाहर जाकर जश्न मनाएँ। वह इतनी खुश थी, इतनी आनंदित कि गाय को भी लगा जैसे उसका मन थोड़ा हल्का हो रहा हो, ठीक वैसे ही जैसे कोई पतंग शांत दिन में ज़मीन से उठने की कोशिश करती है। उसने देखा कि उसकी पतली, फुर्तीली उंगलियाँ उसके बालों को किनारों से कसकर पीछे खींच रही हैं और पीछे की तरफ पिन लगा रही हैं।

"और, गाइ, क्या हम अभी क्रूज पर नहीं जा सकते?" उसने लिविंग रूम में आते हुए पूछा।

ऐनी अब भी इंडिया नामक जहाज पर समुद्रतटीय क्रूज यात्रा पर जाने के लिए बेताब थी, वही हनीमून ट्रिप जिसे उन्होंने टाल दिया था। गाय ने अपना सारा समय उन ड्राफ्टिंग रूमों को देने का इरादा किया था जो उसके अस्पताल के लिए ड्राइंग बना रहे थे, लेकिन अब वह ऐनी को मना नहीं कर सकता था।

“आपको क्या लगता है हम कब तक निकल सकते हैं? पाँच दिन में? एक हफ्ते में?”

"शायद पांच दिन।"

“ओह, मुझे अभी याद आया,” उसने आह भरी। “मुझे तेईस तारीख तक रुकना होगा। कैलिफोर्निया से एक आदमी आ रहा है जो हमारे सारे सूती सामान में दिलचस्पी रखता है।”

और क्या इस महीने के अंत में कोई फैशन शो नहीं है?

“ओह, लिलियन इसका ख्याल रख सकती है।” वह मुस्कुराई। “आपको याद रखने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद!”

वह तब तक इंतज़ार करता रहा जब तक उसने अपने तेंदुए के प्रिंट वाले कोट का हुड अपने सिर पर नहीं खींच लिया, और अगले हफ्ते कैलिफ़ोर्निया के उस आदमी से सौदेबाजी करने के ख्याल से उसे हंसी आ रही थी। वह यह काम लिलियन पर नहीं छोड़ेगी। दुकान का कारोबार तो ऐनी ही संभालती थी। उसने कॉफी टेबल पर रखे लंबे डंठल वाले नारंगी फूल पहली बार देखे। "ये कहाँ से आए?" उसने पूछा।

“चार्ली ब्रूनो। साथ में एक नोट जिसमें शुक्रवार रात बेहोश हो जाने के लिए माफी मांगी गई है।” वह हंस पड़ी। “मुझे लगता है यह बहुत प्यारा है।”

गाइ ने उन्हें घूरकर देखा। "ये किस तरह के हैं?"

“अफ्रीकी डेज़ी।” उसने उसके लिए सामने का दरवाजा खुला रखा और वे कार की ओर चल दिए।

गाय ने सोचा कि फूलों से वो खुश हुई होगी। लेकिन वो ये भी जानता था कि पार्टी वाली रात के बाद से ब्रूनो के बारे में उसकी राय बदल गई थी। गाय ने फिर सोचा कि पार्टी में मौजूद इतने सारे लोगों की वजह से वो और ब्रूनो अब कितने मुश्किल में फंस गए थे। पुलिस किसी भी दिन उससे पूछताछ कर सकती थी। उसने खुद को चेतावनी दी कि पुलिस उससे पूछताछ करेगी ही। और वो इतना चिंतित क्यों नहीं था? उसकी मानसिक स्थिति कैसी थी कि वो खुद भी नहीं बता पा रहा था कि वो कैसी है? हार मान लेना? आत्महत्या? या फिर मूर्खता की सुस्ती?

अगले कुछ खाली दिनों में, जो उसे हॉर्टन, हॉर्टन और कीज़ में डिपार्टमेंट स्टोर के इंटीरियर के डिज़ाइन लॉन्च करने में बिताने पड़े, उसने खुद से यह भी पूछा कि क्या वह मानसिक रूप से विक्षिप्त हो सकता है, या किसी सूक्ष्म पागलपन ने उसे जकड़ लिया है। उसे शुक्रवार की रात के बाद का वह सप्ताह याद आया, जब उसकी सुरक्षा, उसका अस्तित्व, एक नाजुक संतुलन पर टिका हुआ प्रतीत हो रहा था, जिसे हिम्मत हारने पर पल भर में बिगाड़ा जा सकता था। अब उसे ऐसा कुछ भी महसूस नहीं हो रहा था। फिर भी वह अब भी ब्रूनो के अपने कमरे में घुसने का सपना देखता था। अगर वह भोर में जागता, तो वह अब भी खुद को कमरे में बंदूक के साथ खड़ा देख सकता था। उसे अब भी लगता था कि उसे अपने किए की प्रायश्चित अवश्य ही करनी चाहिए, और बहुत जल्द, एक ऐसा प्रायश्चित जिसके लिए कोई भी सेवा या बलिदान, जिसकी वह कल्पना भी नहीं कर सकता था, पर्याप्त नहीं था। वह खुद को दो लोगों जैसा महसूस करता था, जिनमें से एक सृजन कर सकता था और सृजन करते समय ईश्वर के साथ सामंजस्य महसूस कर सकता था, और दूसरा जो हत्या कर सकता था। "किसी भी तरह का व्यक्ति हत्या कर सकता है," ब्रूनो ने ट्रेन में कहा था। वही आदमी जिसने दो साल पहले मेटकाफ में बॉबी कार्टराइट को कैंटिलीवर सिद्धांत समझाया था? नहीं, न तो उस व्यक्ति की जिसने अस्पताल का डिज़ाइन तैयार किया था, न ही डिपार्टमेंट स्टोर का, और न ही उस व्यक्ति की जिसने पिछले सप्ताह पिछवाड़े के लॉन में रखी धातु की कुर्सी को रंगने के लिए आधे घंटे तक खुद से बहस की थी, बल्कि उस व्यक्ति की जिसने कल रात ही दर्पण में देखा था और एक पल के लिए हत्यारे को देखा था, मानो वह उसका कोई गुप्त भाई हो।

और वो अपनी डेस्क पर बैठकर हत्या के बारे में कैसे सोच सकता था, जबकि दस दिन से भी कम समय में वो ऐनी के साथ एक सफेद जहाज पर होगा? उसे ऐनी क्यों मिली थी, या उसे प्यार करने की शक्ति क्यों दी गई थी? और क्या उसने इतनी आसानी से क्रूज के लिए इसलिए हाँ कर दी थी क्योंकि वो तीन हफ्तों के लिए ब्रूनो से छुटकारा पाना चाहता था? ब्रूनो, अगर चाहता तो, ऐनी को उससे छीन सकता था। उसने हमेशा खुद से ये बात मानी थी, हमेशा इसका सामना करने की कोशिश

की थी। लेकिन उसे एहसास हुआ कि जब से उसने उन्हें साथ देखा था, शादी के दिन से, ये संभावना एक खास डर में बदल गई थी।

वह उठा और दोपहर के भोजन के लिए बाहर जाने के लिए अपनी टोपी पहनी। लॉबी पार करते समय उसने स्विचबोर्ड की घंटी बजने की आवाज़ सुनी। तभी लड़की ने उसे पुकारा।

"अगर आप चाहें तो आप इसे यहां से संभाल सकते हैं, मिस्टर हेन्स।"

गाय ने फोन उठाया, उसे पता था कि यह ब्रूनो का फोन है, और उसे यह भी पता था कि वह आज किसी समय ब्रूनो से मिलने के लिए सहमत हो जाएगा। ब्रूनो ने उसे दोपहर के भोजन के लिए बुलाया, और गाय ने उससे दस मिनट में मारियो के विला डी'एस्टे में मिलने का वादा किया।

रेस्टोरेंट की खिड़की पर गुलाबी और सफेद पैटर्न वाले पर्दे लगे थे। गाय को लगा कि ब्रूनो ने जाल बिछाया है, कि गुलाबी और सफेद पर्दे के पीछे जासूस होंगे, ब्रूनो नहीं। और उसे इसकी कोई परवाह नहीं थी, उसे लगा, बिल्कुल भी परवाह नहीं थी।

ब्रूनो ने उसे बार से देखा और मुस्कुराते हुए अपनी कुर्सी से नीचे उतर गया। उसने सोचा, गाय फिर से अकड़कर चल रहा है, उसके बगल से गुज़र रहा है। ब्रूनो ने गाय के कंधे पर हाथ रखा।

"हाय, गाइ। इस पंक्ति के अंत में मेरे पास एक मेज है।"

ब्रूनो ने अपना पुराना जंग लगे भूरे रंग का सूट पहना हुआ था। गाय को वह पहला मौका याद आया जब वह उस लंबे-लंबे पैरों का पीछा करते हुए हिलती हुई ट्रेन से डिब्बे तक गया था, लेकिन अब उस याद से उसे कोई पछतावा नहीं हुआ। वास्तव में, वह ब्रूनो के प्रति अच्छा भाव रखता था, जैसा कि कभी-कभी रात में होता था, लेकिन दिन में कभी नहीं। उसे ब्रूनो की इस बात से भी कोई आपत्ति नहीं थी कि वह उसके साथ दोपहर का भोजन करने आया था।

ब्रूनो ने कॉकटेल और लंच का ऑर्डर दिया। उसने अपने लिए भुना हुआ कलेजा मंगवाया, क्योंकि उसने कहा कि वह अपनी नई डाइट पर चल रहा है, और गाय के लिए एग्स बेनेडिक्ट मंगवाया, क्योंकि वह जानता था कि गाय को ये पसंद हैं। गाय उनके पास वाली मेज का मुआयना कर रहा था। उसे चारों सलीके से कपड़े पहनी,

लगभग चालीस साल की महिलाओं पर शक हो रहा था, जो लगभग आँखें बंद करके मुस्कुरा रही थीं और कॉकटेल के गिलास उठा रही थीं। उनके पीछे, एक हट्टा-कट्टा, यूरोपीय दिखने वाला आदमी मेज के उस पार अपने अदृश्य साथी की ओर मुस्कुरा रहा था। वेटर तेज़ी से इधर-उधर भाग रहे थे। क्या यह सब पागलों का बनाया और मंचित किया गया कोई नाटक था, जिसमें वह और ब्रूनो मुख्य किरदार थे, और उनमें से सबसे ज़्यादा पागल? क्योंकि उसकी हर हरकत, हर शब्द नियति के वीर अंधकार में लिपटा हुआ लग रहा था।

“पसंद आए?” ब्रूनो ने कहा। “मैंने इन्हें आज सुबह क्लाइड की दुकान से खरीदा। शहर में सबसे बढ़िया कलेक्शन। गर्मियों के लिए तो यही सही है।”

गाय ने नीचे उन चार टाई के डिब्बों की ओर देखा जिन्हें ब्रूनो ने उनकी गोद में खोल रखा था। उनमें बुनी हुई, रेशमी और लिनेन की टाई थीं, और एक हल्के लैवेंडर रंग की भारी लिनेन की बो टाई थी। एक एक्का रंग की शंटुंग रेशम की टाई भी थी, जो ऐनी की पोशाक जैसी लग रही थी।

ब्रूनो निराश था। गाय को वे पसंद नहीं आए। "ज़्यादा चटकदार हैं क्या? ये तो गर्मियों की टाई हैं।"

“वे अच्छे हैं,” गाय ने कहा।

“ये मेरी सबसे पसंदीदा है। मैंने ऐसी टाई पहले कभी नहीं देखी।” ब्रूनो ने बीच में पतली लाल पट्टी वाली सफेद बुनी हुई टाई को ऊपर उठाते हुए कहा। “मैंने अपने लिए भी एक लेने की सोची थी, लेकिन मैं चाहता था कि ये तुम्हारे पास हो। सिर्फ तुम्हारे लिए, मेरा मतलब है। ये तुम्हारे लिए हैं, गाइ।”

“धन्यवाद।” गाय को अपने ऊपरी होंठ में एक अप्रिय सी झनझनाहट महसूस हुई। उसे अचानक ख्याल आया कि शायद वह ब्रूनो का प्रेमी था, जिसके लिए ब्रूनो एक उपहार लाया था, सुलह का एक प्रस्ताव।

“यात्रा के लिए चीयर्स,” ब्रूनो ने अपना गिलास उठाते हुए कहा।

ब्रूनो ने बताया कि उसने आज सुबह ऐनी से फोन पर बात की थी और ऐनी ने क्रूज का जिक्र किया था। ब्रूनो बड़े ही भावुक अंदाज में उसे बताता रहा कि ऐनी उसे कितनी अद्भुत लगती है।

“वो कितनी मासूम दिखती है। ऐसी प्यारी और मासूम दिखने वाली लड़की तो अक्सर देखने को नहीं मिलती। तुम बहुत खुश होगे, गाय।” ब्रूनो को उम्मीद थी कि गाय कुछ कहेगा, कोई वाक्य या शब्द, जिससे उसकी खुशी का कारण समझ में आ जाए। लेकिन गाय ने कुछ नहीं कहा, और ब्रूनो को लगा जैसे उसे ठुकरा दिया गया हो, उसके सीने से एक गांठ सी गले तक आ गई हो। गाय को इसमें क्या बुरा लग सकता है? ब्रूनो का बहुत मन कर रहा था कि एक पल के लिए गाय की मुट्ठी पर हाथ रख दे, जो मेज के किनारे पर हल्के से टिकी थी, जैसे कोई भाई करता है, लेकिन उसने खुद को रोक लिया। “क्या उसने तुम्हें पहली ही नज़र में पसंद कर लिया था या तुम्हें उसे लंबे समय से जानना पड़ा? गाय?”

गाय ने उसे वही सवाल दोहराते सुना। मानो वह सवाल सदियों पुराना हो। “तुम मुझसे समय के बारे में कैसे पूछ सकते हो? यह तो एक सच्चाई है।” उसने ब्रूनो के पतले, फूले हुए चेहरे पर नज़र डाली, उसके माथे पर बिखरे बालों की लटों पर, जो अब भी उसके माथे को एक अनिश्चित भाव दे रही थीं, लेकिन ब्रूनो की आँखें पहले की तुलना में कहीं अधिक आत्मविश्वास से भरी और कम संवेदनशील थीं। गाय ने सोचा, शायद अब उसके पास पैसा था।

“हाँ। मैं समझ गया तुम क्या कहना चाहते हो।” लेकिन ब्रूनो पूरी तरह नहीं समझा। गाय ऐनी के साथ खुश था, भले ही हत्या की घटना उसे अब भी सता रही थी। गाय उसके साथ तब भी खुश रहता, चाहे उसके पास पैसे ही क्यों न होते। ब्रूनो को अब इस बात पर पछतावा हो रहा था कि उसने कभी गाय को पैसे देने के बारे में सोचा भी था। वह सुन सकता था कि गाय कैसे कहेगा, “नहीं,” उसकी आँखों में एक अजीब सी उदासी होगी, मानो वह पल भर में उससे बहुत दूर चला गया हो। ब्रूनो जानता था कि चाहे उसके पास कितना भी पैसा हो या वह उसका कुछ भी करे, उसे वो सब कभी नहीं मिलेगा जो गाय के पास था। उसने यह जान लिया था कि अपनी माँ को अपने पास रखना भी खुशी की गारंटी नहीं है। ब्रूनो ने खुद को मुस्कुराने के लिए मजबूर किया। “तुम्हें लगता है कि ऐनी मुझे पसंद करती है?”

"ठीक है।"

“डिजाइनिंग के अलावा उसे क्या करना पसंद है? क्या उसे खाना बनाना पसंद है? इस तरह की चीजें?” ब्रूनो ने गाय को अपनी मार्टिनी उठाते और तीन घूंट में

खत्म करते देखा। “बस मुझे यह जानना अच्छा लगता है कि तुम दोनों साथ में क्या-क्या करते हो। जैसे सैर पर जाना या क्रॉसवर्ड पज़ल हल करना।”

हम इस तरह के काम करते हैं।

"आप शाम में क्या करें?"

“ऐनी कभी-कभी शाम को काम करती है।” उसका मन सहजता से ऊपर वाले स्टूडियो की ओर चला गया, जैसा कि ब्रूनो के साथ पहले कभी नहीं हुआ था। वहाँ वह और ऐनी अक्सर शाम को काम करते थे, ऐनी बीच-बीच में उससे बातें करती रहती थी, या कुछ दिखाती रहती थी जिस पर वह टिप्पणी करता था, मानो उसका काम सहज हो। जब वह अपने ब्रश को पानी के गिलास में तेज़ी से डुबोती थी, तो आवाज़ हँसी जैसी लगती थी।

“मैंने कुछ महीने पहले हार्पर बाजार में कुछ अन्य डिजाइनरों के साथ उसकी तस्वीर देखी थी। वह काफी अच्छी है, है ना?”

"बहुत अच्छा।"

“मैं—” ब्रूनो ने अपनी दोनों कोहनियों को मेज पर एक के ऊपर एक रख दिया। “मुझे सच में खुशी है कि तुम उसके साथ खुश हो।”

बेशक वह था। गाय ने महसूस किया कि उसके कंधे ढीले पड़ गए हैं और उसकी साँसें आसान हो गई हैं। फिर भी इस समय, यह मानना मुश्किल था कि वह उसकी थी। वह किसी देवी की तरह थी जो उसे उन लड़ाइयों से बचाने के लिए अवतरित हुई हो जिनमें उसकी जान जा सकती थी, पौराणिक कथाओं की उन देवियों की तरह जो नायकों को बचाती थीं, लेकिन कहानियों के अंत में एक ऐसा तत्व जोड़ देती थीं जो बचपन में पढ़ते समय उसे हमेशा अनावश्यक और अन्यायपूर्ण लगता था। जिन रातों में उसे नींद नहीं आती थी, जब वह घर से चुपके से निकलकर पजामा और ओवरकोट पहने चट्टानी पहाड़ी पर चढ़ जाता था, उन नीरस, उदासीन गर्मी की रातों में, वह खुद को ऐनी के बारे में सोचने नहीं देता था। "दैवीय घटना," गाय ने धीरे से कहा।

"क्या?"

वह ब्रूनो के साथ यहाँ क्यों बैठा था, उसी मेज़ पर उसके साथ खाना क्यों खा रहा था? वह ब्रूनो से लड़ना चाहता था और रोना भी चाहता था। लेकिन अचानक ही उसे

लगा कि उसकी सारी गालियाँ दया की बाढ़ में घुल गईं। ब्रूनो को प्यार करना नहीं आता था, और बस यही उसके लिए काफ़ी था। ब्रूनो इतना खोया हुआ था, इतना अंधा था कि न तो प्यार कर सकता था और न ही प्यार जगा सकता था। यह सब अचानक ही दुखद लगने लगा।

“ब्रूनो, तुमने कभी प्यार भी नहीं किया?” गाय ने ब्रूनो की आँखों में एक बेचैन, अपरिचित भाव को उभरते हुए देखा।

ब्रूनो ने एक और ड्रिंक का इशारा किया। "नहीं, सच में प्यार में नहीं हूँ, शायद।" उसने अपने होंठ गीले किए। न सिर्फ उसे कभी प्यार नहीं हुआ था, बल्कि उसे महिलाओं के साथ सोने में भी कोई खास दिलचस्पी नहीं थी। वह हमेशा यही सोचता रहा कि यह एक बेवकूफी भरा काम है, जैसे वह कहीं दूर खड़ा होकर खुद को देख रहा हो। एक बार, एक भयानक समय, वह हँसने लगा था। ब्रूनो असहज हो गया। यही सबसे दर्दनाक अंतर था जो उसे और गाय को अलग करता था, कि गाय महिलाओं में खुद को भूल सकता था, मिरियम के लिए तो उसने मानो अपनी जान ही दे दी थी।

गाय ने ब्रूनो की ओर देखा, और ब्रूनो ने अपनी नज़रें झुका लीं। ब्रूनो इंतज़ार कर रहा था, मानो उससे प्यार करने का तरीका जानने की उम्मीद कर रहा हो। "क्या तुम्हें दुनिया का सबसे बड़ा ज्ञान पता है, ब्रूनो?"

“मुझे बहुत ज्ञान है,” ब्रूनो ने मुस्कुराते हुए कहा। “तुम किस ज्ञान की बात कर रहे हो?”

"हर चीज का विपरीत उसके ठीक बगल में मौजूद होता है।"

"विपरीत आकर्षण?"

“यह तो बहुत आसान है। मेरा मतलब है—आप मुझे टाई दे दीजिए। लेकिन मुझे यह भी ख्याल आया कि हो सकता है पुलिस यहां मेरा इंतजार कर रही हो।”

“हे भगवान, गाइ, तुम मेरे दोस्त हो!” ब्रूनो ने अचानक घबराते हुए जल्दी से कहा। “मैं तुम्हें पसंद करता हूँ!”

गाइ ने सोचा, "मैं तुम्हें पसंद करता हूँ, तुमसे नफ़रत नहीं करता।" लेकिन ब्रूनो ऐसा नहीं कहेगा, क्योंकि वह उससे नफ़रत करता था। ठीक वैसे ही जैसे वह ब्रूनो से कभी नहीं कहेगा, 'मैं तुम्हें पसंद करता हूँ', बल्कि कहेगा, 'मैं तुमसे नफ़रत

करता हूँ', क्योंकि वह उसे पसंद करता था। गाइ ने अपने जबड़े कसे और अपनी उंगलियों को माथे पर आगे-पीछे रगड़ा। वह सकारात्मक और नकारात्मक इच्छाशक्ति के उस संतुलन को देख सकता था जो उसके हर काम को शुरू होने से पहले ही रोक देगा। जैसे कि, उदाहरण के लिए, वह काम जिसने उसे यहाँ बैठाए रखा था। वह उछल पड़ा और नए पेय कपड़े पर छलक गए।

ब्रूनो ने भयभीत होकर हैरानी से उसकी ओर देखा। "गाइ, क्या बात है?" ब्रूनो उसके पीछे-पीछे गया। "गाइ, रुको! तुम्हें नहीं लगता कि मैं ऐसा कुछ करूँगा, है ना? मैं सपने में भी ऐसा नहीं करूँगा!"

"छूना नहीं मुझे!"

“गाइ!” ब्रूनो लगभग रोने लगा। लोग उसके साथ ऐसा क्यों करते हैं? क्यों? वह फुटपाथ पर चिल्लाया: “लाखों सालों में भी नहीं! लाखों डॉलर के बदले भी नहीं! मेरा यकीन करो, गाइ!”

गाय ने अपना हाथ ब्रूनो की छाती पर रखा और टैक्सी का दरवाजा बंद कर दिया। वह जानता था कि ब्रूनो कभी भी उसे धोखा नहीं देगा। लेकिन अगर सब कुछ उतना ही अनिश्चित था जितना वह मानता था, तो वह वास्तव में कैसे आश्वस्त हो सकता था?

चौंतीस

"श्रीमती गाय हेन्स से आपका क्या संबंध है?"

ब्रूनो को इसकी उम्मीद थी। जेरार्ड के पास उसके नवीनतम खर्चों का हिसाब-किताब था, और ये वही फूल थे जो उसने ऐनी को भेजे थे। "दोस्त। उसके पति की दोस्त।"

“ओह। दोस्त?”

“जान-पहचान।” ब्रूनो ने कंधे उचका दिए, यह जानते हुए कि जेरार्ड सोचेगा कि वह गाय की प्रसिद्धि का फायदा उठाकर शेखी बघार रहा है।

"क्या आप उन्हें लंबे समय से जानते हैं?"

“ज्यादा देर नहीं।” आरामकुर्सी पर लेटे हुए ब्रूनो ने लाइटर की ओर हाथ बढ़ाया।

आपने फूल कैसे भेजे?

"अच्छा महसूस कर रहा हूँ, शायद। उस रात मुझे वहाँ एक पार्टी में जाना था।"

क्या आप उसे इतनी अच्छी तरह जानते हैं?

ब्रूनो ने फिर कंधे उचका दिए। “साधारण आदमी। घर बनाने की बात करते समय हमने जिन वास्तुकारों के बारे में सोचा था, उनमें से वह एक था।” ब्रूनो ने सोचा कि यह बात अचानक ही उसके मुंह से निकल गई और काफी अच्छी थी।

“मैट लेविन। चलिए उनके पास वापस चलते हैं।”

ब्रूनो ने आह भरी। गाय को छोड़ दिया, शायद इसलिए कि वह शहर से बाहर था, या शायद बस यूं ही। अब मैट लेविन की बात करें तो, उससे ज़्यादा संदिग्ध कोई नहीं था, और यह जाने बिना कि यह उपयोगी हो सकता है, उसने हत्या से पहले मैट को कई बार देखा था। "उसके बारे में क्या?"

"तुमने उसे 24, 28 और 30 अप्रैल को, 2, 5, 6 और 7 मार्च को और हत्या से दो दिन पहले कैसे देखा?"

“क्या मैंने?” वह मुस्कुराया। पिछली बार जेरार्ड की सिर्फ तीन डेट्स हुई थीं। मैट को भी वह पसंद नहीं था। मैट ने शायद सबसे बुरी बात कह दी थी। “वह मेरी कार खरीदना चाहता था।”

“और आप इसे बेचना चाहते थे? क्यों? क्योंकि आपको लगा कि आप जल्द ही एक नया खरीद लेंगे?”

“इसे बेचकर एक छोटी कार लेना चाहता था,” ब्रूनो ने बेखबर भाव से कहा। “जो अभी गैराज में है। क्रॉस्ली।”

जेरार्ड मुस्कुराया। "आप मार्क लेव को कब से जानते हैं?"

“क्योंकि वो मार्क लेविट्स्की था,” ब्रूनो ने पलटवार किया। “थोड़ा और पीछे जाओ तो पता चलेगा कि उसने रूस में अपने ही पिता की हत्या की थी।” ब्रूनो ने जेरार्ड को घूरकर देखा। “अपने” शब्द का प्रयोग हास्यास्पद लग रहा था, उसे ऐसा नहीं कहना चाहिए था, लेकिन जेरार्ड छद्म नामों का इस्तेमाल करके चालाकी दिखाने की कोशिश कर रहा था!

मैट को भी तुम्हारी परवाह नहीं है। क्या बात है, क्या तुम दोनों आपस में सुलह नहीं कर सकते?

“कार के बारे में?”

“चार्ल्स,” जेरार्ड ने धैर्यपूर्वक कहा।

“मैं कुछ नहीं कह रहा।” ब्रूनो ने अपने कुतरे हुए नाखूनों को देखा और फिर से सोचा कि मैट, हर्बर्ट द्वारा बताए गए हत्यारे के विवरण से कितना मेल खाता है।

"आपने हाल ही में एर्नी श्रोएडर को ज्यादा नहीं देखा है।"

ब्रूनो ने ऊबे हुए भाव से जवाब देने के लिए अपना मुंह खोला।

पैंतीस

सफेद बत्तख के प्रिंट वाली पैंट पहने, नंगे पैर गाय इंडिया जहाज के आगे वाले डेक पर पालथी मारकर बैठा था। लॉन्ग आइलैंड अभी-अभी नज़र आया था, लेकिन वह अभी उसे देखना नहीं चाहता था। जहाज की हल्की-हल्की हिलती-डुलती गति उसे सुखद और जानी-पहचानी सी लग रही थी, मानो वह इसे हमेशा से जानता हो। जिस दिन उसने ब्रूनो को आखिरी बार रेस्टोरेंट में देखा था, वह दिन पागलपन भरा लग रहा था। यकीनन वह पागल हो रहा था। ऐन ने भी ज़रूर देखा होगा।

उसने अपनी बांह मोड़ी और उसकी मांसपेशियों को ढकने वाली पतली भूरी त्वचा को चुटकी से पकड़ा। उसका रंग बिल्कुल इगॉन जैसा था, जो आधा पुर्तगाली मूल का जहाज़ का नौकर था, जिसे उन्होंने यात्रा की शुरुआत में लॉन्ग आइलैंड के बंदरगाह से काम पर रखा था। केवल उसकी दाहिनी भौंह पर बना छोटा सा निशान ही सफेद बचा था।

समुद्र में बिताए तीन हफ्तों ने उसे ऐसी शांति और संतोष दिया था जो उसने पहले कभी महसूस नहीं किया था, और जिसे एक महीने पहले वह अपने लिए बिल्कुल अनजान मानता था। उसे यह एहसास होने लगा था कि उसका प्रायश्चित, चाहे जो भी हो, उसके भाग्य का एक हिस्सा है, और उसके भाग्य के बाकी हिस्सों की तरह, वह बिना उसकी खोज के ही उसे मिल जाएगा। उसने हमेशा अपने भाग्य के बोध पर भरोसा किया था। पीटर के साथ एक लड़के के रूप में, वह जानता था कि वह केवल सपने नहीं देखेगा, जैसा कि वह यह भी जानता था कि पीटर केवल सपने ही देखेगा, कि वह प्रसिद्ध इमारतें बनाएगा, कि उसका नाम वास्तुकला में अपना उचित स्थान पाएगा, और अंत में—जो उसे हमेशा से सबसे बड़ी उपलब्धि लगती थी—कि वह एक पुल बनाएगा। एक लड़के के रूप में उसने सोचा था कि यह एक सफेद पुल होगा जिसकी चौड़ाई किसी देवदूत के पंख जैसी होगी, उसकी वास्तुकला की किताबों में रॉबर्ट मैलार्ट के घुमावदार सफेद पुल की तरह। शायद

अपने भाग्य पर इतना विश्वास करना एक तरह का अहंकार था। लेकिन, दूसरी ओर, अपने भाग्य के नियमों का पालन करने के लिए विवश महसूस करने वाले व्यक्ति से अधिक विनम्र कौन हो सकता है? जिस हत्या को वह एक घोर अपराध, अपने ऊपर किया गया पाप समझता था, अब उसे विश्वास हो रहा था कि शायद वह भी उसके भाग्य का ही हिस्सा थी। इसके अलावा कुछ और सोचना असंभव था। और अगर ऐसा था, तो उसे प्रायश्चित करने का रास्ता मिलेगा, और उसे प्रायश्चित करने की शक्ति भी मिलेगी। और अगर कानून के अनुसार उसे पहले मृत्यु मिल जाती है, तो उसे उसका सामना करने की शक्ति भी मिलेगी, और साथ ही इतनी शक्ति भी मिलेगी कि ऐनी भी उसका सामना कर सके। एक अजीब तरीके से, वह खुद को समुद्र की सबसे छोटी मछली से भी अधिक विनम्र और धरती के सबसे ऊंचे पहाड़ से भी अधिक शक्तिशाली महसूस कर रहा था। लेकिन वह अहंकारी नहीं था। उसका अहंकार एक बचाव था, जो मरियम से संबंध टूटने के समय चरम पर पहुंच गया था। और क्या वह तब भी नहीं जानता था, जब वह मरियम के प्रति आसक्त था, बेहद गरीब था, कि उसे एक ऐसी स्त्री मिलेगी जिससे वह प्रेम कर सकेगा और जो उससे हमेशा प्रेम करेगी? और इस बात का इससे बेहतर सबूत क्या हो सकता था कि समुद्र में बिताए इन तीन हफ्तों के दौरान वह और ऐनी कभी इतने करीब नहीं आए थे, उनका जीवन कभी इतना सामंजस्यपूर्ण नहीं रहा था?

उसने अपने पैरों को घुमाकर खुद को इस तरह मोड़ा कि वह उसे देख सके जो मुख्य मस्तूल से टेक लगाकर खड़ी थी। उसके होठों पर हल्की सी मुस्कान थी, मानो वह उसे देख रही हो - एक दबी हुई, गर्व भरी मुस्कान, ठीक वैसी ही जैसे किसी माँ की होती है जिसने अपने बच्चे को बीमारी से सुरक्षित बाहर निकाला हो। गाय भी मुस्कुराते हुए उसे देखकर हैरान था कि वह उसकी अचूकता और सत्यता पर इतना भरोसा कैसे कर सकता है और वह अभी भी सिर्फ एक इंसान है। सबसे बढ़कर, वह इस बात से हैरान था कि वह उसकी अपनी है। फिर उसने अपने जुड़े हुए हाथों को देखा और अस्पताल पर कल से शुरू होने वाले काम, आने वाले सभी कामों और अपने भाग्य की उन घटनाओं के बारे में सोचा जो उसके सामने थीं।

कुछ शामों बाद ब्रूनो ने फोन किया। उसने बताया कि वह आस-पास ही है और आना चाहता है। उसकी आवाज़ में गंभीरता और थोड़ी उदासी झलक रही थी।

गाय ने उसे मना कर दिया। उसने शांत और दृढ़ता से कहा कि न तो वह और न ही ऐनी उसे दोबारा देखना चाहते हैं, लेकिन बोलते-बोलते ही उसे महसूस हुआ कि उसका धैर्य तेजी से खत्म हो रहा है, और पिछले कुछ हफ्तों की समझदारी उनकी बातचीत की बेतुकी वजह से बिखर रही है।

ब्रूनो जानता था कि जेरार्ड ने अभी तक गाय से बात नहीं की थी। उसे नहीं लगता था कि जेरार्ड गाय से कुछ मिनट से ज़्यादा पूछताछ करेगा। लेकिन गाय का लहजा इतना ठंडा था कि ब्रूनो अब उसे यह बताने की हिम्मत नहीं कर पा रहा था कि जेरार्ड को उसका नाम पता चल गया है, कि उसका इंटरव्यू लिया जा सकता है, या कि अब से वह गाय से पूरी तरह छुपकर ही मिलेगा—कोई पार्टी नहीं, यहाँ तक कि लंच भी नहीं—अगर गाय उसे इजाज़त दे दे।

“ठीक है,” ब्रूनो ने धीमी आवाज़ में कहा और फोन काट दिया।

फिर टेलीफोन की घंटी बजी। गाय ने राहत की सांस लेते हुए अपनी सिगरेट बुझाई और फोन उठाया।

“हैलो। मैं कॉन्फिडेंशियल डिटेक्टिव ब्यूरो से आर्थर जेरार्ड बोल रहा हूँ....” जेरार्ड ने पूछा कि क्या वह इधर आ सकता है।

गाइ मुड़ा और लिविंग रूम पर सावधानी से नज़र दौड़ा, यह सोचकर कि कहीं जेरार्ड ने टैप किए गए तारों से उसकी और ब्रूनो की बातचीत न सुन ली हो, या जेरार्ड ने ब्रूनो को पकड़ न लिया हो। वह ऐनी को बताने के लिए ऊपर चला गया।

“एक निजी जासूस?” ऐनी ने आश्चर्य से पूछा। “यह किस बारे में है?”

गाइ एक पल के लिए हिचकिचाया। ऐसी कितनी ही जगहें थीं जहाँ वह बहुत देर तक हिचकिचा सकता था! धिक्कार है ब्रूनो पर! धिक्कार है उस पर जो उसका पीछा कर रहा है! "मुझे नहीं पता।"

जेरार्ड समय पर आ गया। उसने ऐनी के हाथ पर झुककर अभिवादन किया और उनकी शाम में दखल देने के लिए माफी मांगते हुए, घर और सामने के बगीचे के बारे में शिष्टाचारपूर्वक बातचीत शुरू की। गाय उसे कुछ हैरानी से देखता रहा। जेरार्ड सुस्त, थका हुआ और कुछ हद तक अस्त-व्यस्त लग रहा था। शायद ब्रूनो उसके बारे में पूरी तरह गलत नहीं था। उसकी धीमी वाणी से और भी गहरी हुई उसकी खोई हुई मुद्रा भी किसी प्रतिभाशाली जासूस की भुलक्कड़ता का संकेत

नहीं दे रही थी। फिर जब जेरार्ड ने सिगार और हाईबॉल के साथ खुद को संभाला, तो गाय ने उसकी हल्की भूरी आँखों में चतुराई और उसके मजबूत हाथों में ऊर्जा देखी। गाय को तब बेचैनी महसूस हुई। जेरार्ड अप्रत्याशित लग रहा था।

“क्या आप चार्ल्स ब्रूनो के मित्र हैं, श्रीमान हेन्स?”

"हाँ मैं उसे जानता हूँ।"

"जैसा कि आप शायद जानते हैं, उनके पिता की पिछले साल मार्च में हत्या कर दी गई थी, और हत्यारा अभी तक नहीं पकड़ा गया है।"

“मुझे तो पता ही नहीं था!” ऐनी ने कहा।

जेरार्ड की नजरें धीरे-धीरे उसकी पीठ से हटकर गाय की ओर गईं।

"मुझे भी नहीं पता था," गाय ने कहा।

“आप उन्हें इतना अच्छे से नहीं जानते?”

मैं उसे बहुत थोड़ा-बहुत जानता हूँ।

आप दोनों कब और कहाँ मिले थे?

“पर—” गाय ने ऐनी की तरफ देखा—“पार्कर आर्ट इंस्टीट्यूट में, मुझे लगता है पिछले दिसंबर के आसपास।” गाय को लगा जैसे वह किसी जाल में फंस गया हो। उसने शादी में ब्रूनो के हल्के-फुल्के जवाब को दोहरा दिया था, सिर्फ इसलिए क्योंकि ऐनी ने ब्रूनो को यह कहते सुना था, और शायद ऐनी भूल गई थी। गाय को लगा कि जेरार्ड उसे ऐसे देख रहा था जैसे उसे उसकी किसी बात पर यकीन ही न हो। ब्रूनो ने उसे जेरार्ड के बारे में चेतावनी क्यों नहीं दी थी? उन्होंने उस कहानी पर सहमति क्यों नहीं जताई जो ब्रूनो ने एक बार उन्हें मिडटाउन के किसी बार की रेलिंग पर मिलने के बारे में बताई थी?

"और तुमने उसे दोबारा कब देखा?" जेरार्ड ने अंत में पूछा।

“खैर—जून में मेरी शादी तक तो नहीं।” उसने खुद को उस व्यक्ति के असमंजस भरे चेहरे के भाव में ढाल लिया जिसे अभी तक अपने प्रश्नकर्ता का उद्देश्य नहीं पता था। सौभाग्य से, उसने सोचा, सौभाग्य से, उसने ऐनी को पहले ही आश्वस्त कर दिया था कि ब्रूनो का यह दावा कि वे पुराने दोस्त हैं, केवल ब्रूनो का मज़ाक करने का अंदाज़ था। “हमने उसे आमंत्रित नहीं किया,” गाय ने आगे कहा।

“वह अभी-अभी आया?” जेरार्ड को ऐसा लगा जैसे वह समझ गया हो। “लेकिन आपने उसे जुलाई में दी गई पार्टी में आमंत्रित किया था?” उसने ऐनी की ओर भी देखा।

“उसने फोन किया,” ऐनी ने उसे बताया, “और पूछा कि क्या वह आ सकता है, तो मैंने हां कह दी।”

फिर जेरार्ड ने पूछा कि क्या ब्रूनो को पार्टी के बारे में उसके आने वाले दोस्तों से पता चला था, और गाय ने कहा शायद, और उस गोरी महिला का नाम बताया जिसने उस शाम ब्रूनो को देखकर भयानक मुस्कान दी थी। गाय के पास बताने के लिए और कोई नाम नहीं था। उसने ब्रूनो को कभी किसी के साथ नहीं देखा था।

जेरार्ड पीछे झुक गया। "क्या तुम उसे पसंद करते हो?" वह मुस्कुराया।

अंत में ऐनी ने विनम्रतापूर्वक उत्तर दिया, "ठीक है।"

“ठीक है,” गाय ने कहा, क्योंकि जेरार्ड इंतज़ार कर रहा था। “वह थोड़ा अकड़ा हुआ लग रहा है।” उसके चेहरे का दाहिना हिस्सा छाया में था। गाय सोच रहा था कि क्या जेरार्ड अब उसके चेहरे पर निशान ढूंढ रहा है।

“एक नायक-पूजा करने वाला। एक तरह से सत्ता-पूजा करने वाला।” जेरार्ड मुस्कुराया, लेकिन उसकी मुस्कान अब सच्ची नहीं लग रही थी, या शायद कभी सच्ची थी ही नहीं। “श्रीमान हेन्स, इन सवालों से आपको परेशान करने के लिए क्षमा करें।”

पांच मिनट बाद वह चला गया।

“इसका क्या मतलब है?” ऐनी ने पूछा। “क्या उसे चार्ल्स ब्रूनो पर शक है?”

गाइ ने दरवाजा बंद कर दिया, फिर वापस आया। "शायद उसे अपने किसी परिचित पर शक है। उसे लगता होगा कि चार्ल्स को कुछ पता है, क्योंकि वह अपने पिता से बहुत नफरत करता था। या कम से कम चार्ल्स ने मुझे यही बताया था।"

"क्या आपको लगता है कि चार्ल्स को पता होगा?"

“कुछ कहा नहीं जा सकता। है क्या?” गाय ने सिगरेट निकाली।

“हे भगवान!” ऐनी सोफे के कोने को घूरती रही, मानो उसे अभी भी ब्रूनो वहीं दिख रहा हो जहाँ वह पार्टी वाली रात बैठा था। उसने फुसफुसाते हुए कहा, “लोगों के जीवन में क्या-क्या होता रहता है, यह देखकर आश्चर्य होता है!”

छत्तीस

“सुनो,” गाय ने रिसीवर पर तनाव भरी आवाज़ में कहा। “सुनो, ब्रूनो!” ब्रूनो इतना ज़्यादा नशे में था जितना गाय ने उसे पहले कभी नहीं सुना था, लेकिन वह उसके उलझे हुए दिमाग तक पहुँचने के लिए दृढ़ था। तभी उसे अचानक ख्याल आया कि जेरार्ड उसके साथ हो सकता है, और उसकी आवाज़ और भी धीमी हो गई, सावधानी से कांपती हुई। उसने पाया कि ब्रूनो एक टेलीफोन बूथ में अकेला था। “क्या तुमने जेरार्ड को बताया कि हम आर्ट इंस्टीट्यूट में मिले थे?”

ब्रूनो ने कहा कि वह आया था। नशे में बड़बड़ाते हुए उसकी बातों से यही पता चला। ब्रूनो आना चाहता था। गाय को समझ ही नहीं आ रहा था कि जेरार्ड उससे पूछताछ करने पहले ही आ चुका है। गाय ने फोन पटक दिया और अपना कॉलर फाड़ दिया। ब्रूनो उसे अभी फोन कर रहा है! जेरार्ड ने अपने खतरे को बाहरी रूप दे दिया था। गाय को लगा कि ब्रूनो से पूरी तरह संबंध तोड़ लेना, उससे मेल खाने वाली कहानी गढ़ने से भी ज्यादा जरूरी है। उसे सबसे ज्यादा गुस्सा इस बात पर आ रहा था कि ब्रूनो की उलटी-सीधी बातों से वह यह नहीं समझ पा रहा था कि उसके साथ क्या हुआ था, या वह किस मनोदशा में था।

जब दरवाजे की घंटी बजी, तब गाय ऊपर स्टूडियो में ऐनी के साथ था।

उसने दरवाज़ा थोड़ा सा ही खोला, लेकिन ब्रूनो ने उसे ज़ोर से धक्का दिया, लड़खड़ाते हुए लिविंग रूम में घुस गया और सोफे पर गिर पड़ा। गाय उसके सामने अचानक रुक गया, पहले गुस्से से, फिर घृणा से, वह अवाक रह गया। ब्रूनो की मोटी, लाल गर्दन कॉलर के ऊपर उभरी हुई थी। वह नशे में होने से ज़्यादा फूला हुआ लग रहा था, मानो मृत्यु की सूजन ने उसके पूरे शरीर को फुला दिया हो, यहाँ तक कि उसकी गहरी आँखों के गड्ढे भी भर गए हों, जिससे लाल-भूरी आँखें असामान्य रूप से आगे निकली हुई लग रही थीं। ब्रूनो उसे घूर रहा था। गाय ने टैक्सी बुलाने के लिए टेलीफोन उठाया।

“गाइ, कौन है?” ऐनी ने सीढ़ियों से नीचे फुसफुसाते हुए पूछा।

“चार्ल्स ब्रूनो। वह नशे में है।”

“मैं नशे में नहीं हूँ!” ब्रूनो ने अचानक विरोध किया।

ऐनी सीढ़ियों से आधी नीचे उतरी और उसे देखा। "क्या हमें उसे ऊपर ही नहीं रख देना चाहिए?"

“मैं उसे यहाँ नहीं चाहता।” गाय टेलीफोन बुक में टैक्सी कंपनी का नंबर ढूंढने की कोशिश कर रहा था।

“यस-यस!” ब्रूनो ने एक पिचके हुए टायर की तरह फुफकारा।

गाय मुड़ा। ब्रूनो एक आँख से उसे घूर रहा था, वही आँख उसके बेजान शरीर में एकमात्र जीवित हिस्सा थी। वह लयबद्ध ढंग से कुछ बुदबुदा रहा था।

“वह क्या कह रहा है?” ऐनी गाय के और करीब खड़ी हो गई।

गाय ब्रूनो के पास गया और उसकी कमीज़ पकड़ ली। बड़बड़ाती हुई, मूर्खतापूर्ण आवाज़ ने उसे क्रोधित कर दिया, ब्रूनो ने उसे सीधा करने की कोशिश करते हुए उसके हाथ पर लार टपका दी। "उठो और बाहर निकलो!" तभी उसने यह सुना:

“मैं उसे बताऊँगा, मैं उसे बताऊँगा—मैं उसे बताऊँगा, मैं उसे बताऊँगा,” ब्रूनो ने बार-बार कहा, और जंगली लाल आँख ऊपर की ओर घूरने लगी। “मुझे मत भेजो, मैं उसे बताऊँगा—मैं—”

गाइ ने घृणा के कारण उसे रिहा कर दिया।

“क्या बात है, गाइ? वो क्या कह रहा है?”

“मैं उसे ऊपर वाले कमरे में रख दूंगा,” गाय ने कहा।

गाय ने ब्रूनो को अपने कंधे पर उठाने की पूरी ताकत लगा दी, लेकिन उसका बेजान शरीर उस पर भारी पड़ गया। आखिरकार, गाय ने उसे सोफे पर लिटा दिया। वह सामने वाली खिड़की के पास गया। बाहर कोई कार नहीं थी। शायद ब्रूनो आसमान से गिर गया हो। ब्रूनो चुपचाप सो रहा था, और गाय सिगरेट पीते हुए उसे देखता रहा।

ब्रूनो सुबह करीब 3 बजे जागा और खुद को संभालने के लिए उसने दो-चार घूंट पी लिए। कुछ देर बाद, पेट फूलने के अलावा, वह लगभग सामान्य दिख रहा था। गाय के घर में आकर वह बहुत खुश था और उसे याद नहीं था कि वह यहाँ कैसे पहुँचा। "जेरार्ड के साथ मेरा एक और दौर था," वह मुस्कुराया। "तीन दिन हो गए। क्या तुमने अखबार पढ़े हैं?"

"नहीं।"

“तुम बड़े ही समझदार हो, अखबारों की तरफ देखो भी मत!” ब्रूनो ने धीरे से कहा। “जेरार्ड को एक संदिग्ध का पता चला है। मेरा एक बदमाश दोस्त, मैट लेविन। उस रात उसके पास कोई पुख्ता सबूत नहीं है। हर्बर्ट को लगता है कि यह वही हो सकता है। मैं तीन दिनों से उन तीनों से बात कर रहा हूँ। मैट को सज़ा मिल सकती है।”

"क्या इसके लिए जान भी दे सकते हो?"

ब्रूनो हिचकिचाया, लेकिन मुस्कुराता रहा। “मरना नहीं, बस इल्ज़ाम अपने ऊपर ले लो। उस पर दो-तीन हत्याओं का आरोप है। पुलिस उसे पाकर खुश है।” ब्रूनो सिहर उठा और गिलास में बचा हुआ पेय पी गया।

गाय का मन कर रहा था कि सामने पड़ी बड़ी ऐशट्रे उठाकर ब्रूनो के फूले हुए सिर पर पटक दे, उस तनाव को जलाकर राख कर दे जो बढ़ता ही जा रहा था, जब तक कि वह ब्रूनो को या खुद को मार न डाले। उसने दोनों हाथों से ब्रूनो के कंधों को कसकर पकड़ लिया। "क्या तुम बाहर निकलोगे? मैं कसम खाता हूँ, यह आखिरी बार है!"

"नहीं," ब्रूनो ने बिना किसी प्रतिरोध के शांत स्वर में कहा, और गाय ने दर्द और मृत्यु के प्रति वही पुरानी उदासीनता देखी जो उसने जंगल में उससे लड़ते समय देखी थी।

गाय ने अपने चेहरे पर हाथ रख लिया और हथेलियों से अपने चेहरे की विकृति को महसूस किया। उसने फुसफुसाते हुए कहा, "अगर मैट पर इल्जाम लगा, तो मैं उन्हें पूरी कहानी बता दूंगा।"

“अरे नहीं, वो नहीं करेगा। उनके पास पर्याप्त सबूत नहीं होंगे। ये तो मज़ाक है, बेटा!” ब्रूनो मुस्कुराया। “मैट सही किरदार है, लेकिन उसके पास गलत सबूत हैं। तुम गलत किरदार हो, लेकिन तुम्हारे पास सही सबूत हैं। तुम तो बड़े आदमी हो, भगवान के लिए!” उसने अपनी जेब से कुछ निकाला और गाय को दे दिया। “ये मुझे पिछले हफ्ते मिला था। बहुत बढ़िया, गाय।”

गाइ ने काले रंग की पृष्ठभूमि में बनी "द पिट्सबर्ग स्टोर" की तस्वीर को देखा। यह मॉडर्न म्यूज़ियम की एक पुस्तिका थी। उसने पढ़ा: "गाय डेनियल हैन्स, जिनकी

उम्र मुश्किल से तीस साल है, राइट की परंपरा का अनुसरण करते हैं। उन्होंने एक विशिष्ट, अडिग शैली विकसित की है जो कठोरता के साथ सादगी और उस सुंदरता के लिए जानी जाती है जिसे वे 'गायनमयता' कहते हैं..." गाइ ने घबराकर पुस्तिका बंद कर दी, क्योंकि संग्रहालय द्वारा गढ़ा गया अंतिम शब्द उसे घृणित लगा।

ब्रूनो ने पुस्तिका को वापस जेब में रख लिया। "तुम शीर्ष लोगों में से एक हो। अगर तुम अपना हौसला बनाए रखते हो, तो वे तुम्हारी पूरी तरह से छानबीन कर लें और उन्हें कभी शक भी नहीं होगा।"

गाय ने उसकी ओर नीचे देखा। "फिर भी, इसका मतलब यह नहीं कि तुम मुझसे मिलने आओगे। तुम ऐसा क्यों करते हो?" लेकिन वह जानता था। क्योंकि ऐनी के साथ उसका जीवन ब्रूनो को आकर्षित करता था। क्योंकि ब्रूनो को देखकर उसे खुद भी कुछ मिलता था, एक तरह की पीड़ा जो अजीब तरह से उसे सुकून देती थी।

ब्रूनो उसे ऐसे देख रहा था मानो उसके मन में चल रही हर बात जानता हो। "गाइ, मैं तुम्हें पसंद करता हूँ, लेकिन याद रखना—उनके पास तुम्हारे खिलाफ मुझसे कहीं ज़्यादा सबूत हैं। अगर तुम मुझे पकड़वा दोगे तो मैं बच निकलूँगा, लेकिन तुम नहीं। एक बात ये भी है कि हर्बर्ट तुम्हें याद रख सकता है। और ऐनी को भी याद हो सकता है कि उस समय तुम अजीब हरकतें कर रहे थे। और खरोंचें और निशान। और सारे छोटे-छोटे सुराग जो वे तुम्हारे सामने रखेंगे, जैसे रिवॉल्वर और दस्तानों के टुकड़े—" ब्रूनो ने उन्हें धीरे-धीरे और प्यार से दोहराया, जैसे पुरानी यादें हों। "अगर मैं तुम्हारे खिलाफ होता, तो तुम टूट जाते, मुझे यकीन है।"

सैंतीस

ऐन की आवाज़ सुनते ही गाय समझ गया कि उसने डेंट देख लिया है। वह उसे ठीक करवाना चाहता था, लेकिन भूल गया था। पहले तो उसने कहा कि उसे नहीं पता कि वह कैसे हुआ, फिर उसने कहा कि उसे पता है। उसने बताया कि वह पिछले हफ्ते नाव लेकर निकला था और वह एक बोया से टकरा गई थी।

"ज़्यादा अफ़सोस मत करो," उसने उसका मज़ाक उड़ाते हुए कहा, "इसका कोई फ़ायदा नहीं है।" उठते हुए उसने उसका हाथ पकड़ लिया। "ईगॉन ने बताया कि एक दोपहर तुम नाव लेकर निकले थे। क्या इसीलिए तुमने इसके बारे में कुछ नहीं कहा?"

मुझे लगता है।

"क्या तुम इसे अकेले ही लेकर निकले थे?" ऐनी थोड़ा मुस्कुराई, क्योंकि वह इतना अच्छा नाविक नहीं था कि नाव को अकेले ही लेकर निकल सके।

ब्रूनो ने फोन करके नाव में सैर पर जाने की ज़िद की। मैट लेविन के साथ जेरार्ड का मामला फिर से गतिरोध में फंस गया था, हर जगह गतिरोध ही गतिरोध था, और ब्रूनो ने जश्न मनाने पर ज़ोर दिया। "मैंने एक दोपहर चार्ल्स ब्रूनो के साथ सैर की," उसने कहा। और उस दिन वह अपने साथ रिवाल्वर भी लाया था।

"कोई बात नहीं, गाइ। बस तुमने उससे दोबारा मुलाकात क्यों की? मुझे लगा था कि तुम उसे बहुत नापसंद करते हो।"

“बस यूं ही मन में आया था,” उसने धीरे से कहा। “ये उन दो दिनों की बात है जब मैं घर पर वो काम कर रहा था।” गाय जानता था कि ये ठीक नहीं था। ऐनी भारत के पीतल और सफ़ेद रंग से रंगे लकड़ी के फर्नीचर को चमकदार और बेदाग रखती थी, मानो वह सोने से बना कोई कीमती सामान हो। और ब्रूनो! अब उसे ब्रूनो पर भरोसा नहीं रहा।

“यार, ये वही आदमी तो नहीं है जिसे हमने उस रात तुम्हारे अपार्टमेंट के सामने देखा था? वही जिसने बर्फ में हमसे बात की थी?”

“हाँ। वही है।” जेब में रखी रिवॉल्वर का भार संभाले हुए गाय की उंगलियां बेबसी से कस गईं।

“तुम्हें उनमें क्या दिलचस्पी है?” ऐनी सहजता से उनके पीछे-पीछे डेक पर चली गई। “उन्हें वास्तुकला में खास दिलचस्पी नहीं है। मैंने पार्टी वाली रात उनसे बात की थी।”

“उसे मुझमें कोई दिलचस्पी नहीं है। उसे समझ नहीं आ रहा कि वह क्या करे।” उसने सोचा कि रिवॉल्वर से छुटकारा पाने के बाद वह बात कर सकता है।

“तुम उससे स्कूल में मिले थे?”

“हाँ। वह गलियारे में इधर-उधर घूम रहा था।” झूठ बोलना कितना आसान था जब झूठ बोलना ही था! लेकिन यह उसके पैरों, उसके शरीर, उसके दिमाग को जकड़ रहा था। एक दिन वह कुछ गलत बोल देगा। उसे ऐनी को खोना ही था। शायद वह उसे पहले ही खो चुका था, इसी क्षण जब उसने सिगरेट जलाई और वह

मुख्य मस्तूल से टेक लगाकर उसे देख रही थी। रिवॉल्वर ने मानो उसे वहीं रोक दिया था, और दृढ़ निश्चय के साथ वह मुड़ा और जहाज के अगले हिस्से की ओर चल पड़ा। उसके पीछे, उसने ऐनी के डेक पर कदम रखने की आहट सुनी, और उसके टेनिस जूतों में उसके कोमल कदमों की आहट, जो कॉकपिट की ओर वापस जा रही थी।

वह एक उदास दिन था, बारिश का आभास हो रहा था। इंडिया जहाज उबड़-खाबड़ सतह पर धीरे-धीरे हिल रहा था, और ऐसा लग रहा था जैसे वह एक घंटे पहले की तुलना में धूसर किनारे से ज़्यादा दूर नहीं था। गाय बोस्प्रीट पर झुक गया और अपने सफ़ेद कपड़ों से ढके पैरों को देखने लगा, उस नीले सुनहरे बटन वाले जैकेट को जो उसने इंडिया के लॉकर से निकाला था, जो शायद ऐनी के पिता का रहा होगा। उसने सोचा, काश वह आर्किटेक्ट की जगह नाविक होता। चौदह साल की उम्र में समुद्र में जाने के लिए वह कितना बेताब था। उसे किसने रोका था? मिरियम के बिना उसका जीवन कितना अलग हो सकता था? ज़ाहिर है, मिरियम के बिना। वह अधीरता से सीधा हुआ और जैकेट की जेब से रिवॉल्वर निकाल ली।

उसने बंदूक को दोनों हाथों से पानी के ऊपर पकड़ रखा था, उसकी कोहनी नाव के अगले हिस्से पर टिकी थी। कितना बुद्धिमान रत्न है, उसने सोचा, और अब कितना मासूम दिख रहा है। खुद— उसने बंदूक को नीचे गिरा दिया। बंदूक एक बार पूरी तरह से संतुलित होकर, अपनी जानी-पहचानी इच्छाशक्ति के साथ घूमी और गायब हो गई।

"वह क्या था?"

गाय ने मुड़कर देखा तो वह केबिन के पास डेक पर खड़ी थी। उसने उन दोनों के बीच की दस-बारह फीट की दूरी नापी। उसे कुछ भी समझ नहीं आ रहा था, बिलकुल कुछ भी नहीं जो वह उससे कह सके।

अड़तीस

ब्रूनो पेय लेने में हिचकिचा रहा था। बाथरूम की दीवारें मानो छोटे-छोटे टुकड़ों में टूट रही थीं, मानो दीवारें सचमुच में थीं ही नहीं, या वह सचमुच में यहाँ था ही नहीं।

“माँ!” लेकिन डरी हुई मिमियाहट ने उसे शर्मिंदा कर दिया, और उसने अपना पेय पी लिया।

वह दबे पांव अपनी मां के कमरे में गया और उनके बिस्तर के पास लगे बटन को दबाकर उन्हें जगाया, जिससे रसोई में मौजूद हर्बर्ट को संकेत मिला कि वह नाश्ते के लिए तैयार हैं।

“ओह्ह,” उसने जम्हाई ली, फिर मुस्कुराई। “और आप कैसे हैं?” उसने उसके हाथ पर थपथपाया, कंबल से उठी और नहाने के लिए बाथरूम में चली गई।

ब्रूनो चुपचाप उसके बिस्तर पर तब तक बैठा रहा जब तक वह बाहर नहीं आई और फिर से कंबल के नीचे नहीं चली गई।

“हमें आज दोपहर उस आदमी से मिलना है। उसका नाम क्या है, सॉन्डर्स? अगर तुम मेरे साथ चलना चाहो तो।”

ब्रूनो ने सिर हिलाया। बात यूरोप की उनकी यात्रा की थी, जिसे वे शायद विश्व यात्रा में बदल सकते थे। आज सुबह तो इसमें कोई आकर्षण नहीं था। शायद वह गाइ के साथ विश्व यात्रा करना चाहेगा। ब्रूनो खड़ा हो गया, यह सोचते हुए कि क्या उसे एक और ड्रिंक लेने जाना चाहिए।

आप कैसा महसूस कर रहे हैं?

उसकी माँ हमेशा गलत समय पर उससे सवाल पूछती थी। "ठीक है," उसने कहा और फिर से बैठ गया।

दरवाजे पर दस्तक हुई और हर्बर्ट अंदर आया। "सुप्रभात महोदया। सुप्रभात महोदय," हर्बर्ट ने उन दोनों में से किसी की ओर देखे बिना कहा।

ठुड्डी पर हाथ रखे ब्रूनो ने हर्बर्ट के चुपचाप, चमकीले, सलीके से बने जूतों को घूरते हुए तेवर चढ़ाए। हर्बर्ट का यह घमंड आजकल असहनीय हो गया था! जेरार्ड ने उसे यह सोचने पर मजबूर कर दिया था कि अगर सही आदमी मिल जाए तो वह पूरे मामले की कुंजी है। सब उसकी बहादुरी की तारीफ कर रहे थे कि उसने कातिल का पीछा किया। और उसके पिता ने वसीयत में उसके लिए बीस हज़ार छोड़े थे। हर्बर्ट छुट्टी पर जा सकता है!

"क्या मैडम को पता है कि रात के खाने में छह लोग होंगे या सात?"

जब हर्बर्ट बोल रहा था, ब्रूनो ने उसकी गुलाबी, नुकीली ठुड्डी की ओर देखा और सोचा, गाय ने उसे वहीं पर जोरदार प्रहार किया और उसे बेहोश कर दिया।

"ओह, प्रिय, मैंने अभी तक फोन नहीं किया है, हर्बर्ट, लेकिन मुझे लगता है सात बज चुके हैं।"

"बहुत बढ़िया, महोदया।"

ब्रूनो ने सोचा, रटलेज ओवरबेक द्वितीय। उसे पता था कि उसकी माँ उसे जन्म देगी, हालाँकि वह यह कहकर संदेह जता रही थी कि वह विषम संख्या होगी। रटलेज ओवरबेक अपनी माँ से बेइंतहा प्यार करता था, या यूँ कहें कि प्यार का दिखावा करता था। ब्रूनो अपनी माँ को बताना चाहता था कि हर्बर्ट ने छह हफ़्तों से उसके कपड़े इस्त्री करने के लिए नहीं भेजे हैं, लेकिन वह इतना बीमार महसूस कर रहा था कि बोलने की हिम्मत ही नहीं हुई।

“मुझे ऑस्ट्रेलिया देखने की बहुत इच्छा है,” उसने टोस्ट का एक टुकड़ा खाते हुए कहा। उसने एक नक्शा अपने कॉफी पॉट के सहारे टिका रखा था।

उसके नितंबों पर झुनझुनी और नग्नता का एहसास फैल गया। वह खड़ा हो गया। "माँ, मुझे अच्छा नहीं लग रहा है।"

उसने चिंता भरी निगाहों से उसकी ओर देखा, जिससे वह और भी डर गया, क्योंकि उसे एहसास हो गया था कि दुनिया में वह उसकी मदद करने के लिए कुछ भी नहीं कर सकती। "क्या बात है, प्यारे? तुम क्या चाहते हो?"

उसे उल्टी आने का आभास हुआ और वह कमरे से जल्दी से बाहर निकल गया। बाथरूम में अंधेरा छा गया। वह लड़खड़ाते हुए बाहर आया और ढक्कन लगी स्कॉच की बोतल को अपने बिस्तर पर गिरा दिया।

“क्या हुआ, चार्ली? क्या बात है?”

“मैं लेटना चाहता हूँ।” वह लेट गया, लेकिन बात यहीं खत्म नहीं हुई। उसने अपनी माँ को इशारा किया ताकि वह उठ सके, लेकिन जब वह बैठा तो उसे फिर से लेटने की इच्छा हुई, इसलिए वह खड़ा हो गया। “ऐसा लग रहा है जैसे मैं मर रहा हूँ!”

"लेट जाओ, प्रिये। गरमा गरम चाय कैसी रहेगी?"

ब्रूनो ने अपनी स्मोकिंग जैकेट उतार दी, फिर अपना पजामा टॉप। उसका दम घुट रहा था। उसे सांस लेने के लिए हांफना पड़ रहा था। उसे सचमुच लग रहा था जैसे वह मर रहा हो!

वह गीला तौलिया लेकर उसके पास दौड़ी। "क्या हुआ, पेट में दर्द है क्या?"

“सब कुछ।” उसने अपनी चप्पलें उतार फेंकीं। वह खिड़की खोलने के लिए गया, लेकिन वह पहले से ही खुली हुई थी। वह पसीने से तरबतर होकर मुड़ा। “माँ, शायद मैं मर रहा हूँ। क्या आपको लगता है कि मैं मर रहा हूँ?”

मैं आपके लिए एक ड्रिंक लाता हूँ!

“नहीं, डॉक्टर को बुलाओ!” वह चीखा। “मुझे पीने के लिए कुछ दो!” कमज़ोरी से उसने अपने पजामे का फीता खींचा और पैंट नीचे गिर गई। क्या बात थी? सिर्फ़ कंपकंपी ही नहीं। वह इतना कमज़ोर था कि हिल भी नहीं पा रहा था। उसके हाथ भी कमज़ोर और सुन्न थे। उसने अपने हाथ ऊपर उठाए। उंगलियां अंदर की ओर मुड़ी हुई थीं। वह उन्हें खोल नहीं पा रहा था। “माँ, मेरे हाथों को क्या हो गया है! देखो माँ, क्या बात है, क्या बात है?”

इसे पियो!

उसने गिलास के किनारे पर बोतल की खड़खड़ाहट सुनी। वह बेसब्री से इंतज़ार कर रहा था। वह डर से झुककर हॉल में भागा, अपने बेजान, मुड़े हुए हाथों को घूरता हुआ। ये दोनों हाथों की बीच वाली उंगलियां थीं। वे अंदर की ओर मुड़ रही थीं, लगभग हथेली को छू रही थीं।

“प्यारे, अपना बाथरोब पहन लो!” उसने फुसफुसाते हुए कहा।

“डॉक्टर को बुलाओ!” एक गाउन! उसने गाउन की बात की! क्या फर्क पड़ता है अगर वह बिल्कुल नंगा हो? “माँ, लेकिन उन्हें मुझे ले जाने मत देना!” जब वह टेलीफोन के पास खड़ी थी, तो उसने उसे खींचकर कहा। “सारे दरवाजे बंद कर दो! तुम्हें पता है वे क्या करते हैं?” वह जल्दी और दबे स्वर में बोल रहा था, क्योंकि सुन्नपन बढ़ रहा था और अब उसे पता चल गया था कि मामला क्या है। वह एक केस था! वह पूरी जिंदगी ऐसे ही रहने वाला था! “मुझे पता है वे क्या करते हैं, माँ, वे तुम्हें बिना एक बूंद भी दिए पागलखाने में डाल देते हैं और यह मुझे मार डालेगा!”

“डॉक्टर पैकर? मैं श्रीमती ब्रूनो हूँ। क्या आप आस-पास के किसी डॉक्टर की सिफारिश कर सकते हैं?”

ब्रूनो चीख उठा। कनेक्टिकट के इस सुनसान इलाके में डॉक्टर कैसे आएगा? “मैसम—” वह हांफने लगा। वह बोल नहीं पा रहा था, अपनी जीभ हिला भी नहीं पा

रहा था। उसकी जीभ उसके स्वरयंत्रों में फंस गई थी! “आआआआह!” वह उस स्मोकिंग जैकेट के नीचे से छटपटाने लगा जिसे उसकी माँ उस पर डालने की कोशिश कर रही थी। हर्बर्ट चाहे तो उसे घूरता रहे!

“चार्ल्स!”

उसने अपने बेकाबू हाथों से अपने मुंह की ओर इशारा किया। वह अलमारी के शीशे के पास भागा। उसका चेहरा सफेद पड़ गया था, मुंह के आसपास का हिस्सा चपटा हो गया था जैसे किसी ने उसे तख्ते से मारा हो, उसके होंठ बुरी तरह से दांतों से पीछे हट गए थे। और उसके हाथ! वह अब न तो गिलास पकड़ पाएगा, न सिगरेट जला पाएगा। वह गाड़ी नहीं चला पाएगा। वह अकेले शौचालय भी नहीं जा पाएगा!

इसे पियो!

हाँ, शराब, शराब। उसने अपने कड़े होठों में उसे समेटने की कोशिश की। शराब उसके चेहरे पर जलन पैदा कर रही थी और सीने पर बह रही थी। उसने और शराब लाने का इशारा किया। उसने उसे दरवाज़े बंद करने के लिए याद दिलाने की कोशिश की। हे भगवान, अगर यह सब चला जाए, तो वह जीवन भर शुक्रगुजार रहेगा! उसने हर्बर्ट और उसकी माँ को उसे बिस्तर पर धकेलने दिया।

“तेहमे!” उसकी आवाज़ लड़खड़ा गई। उसने अपनी माँ का गाउन मरोड़ा और लगभग उसे अपने ऊपर खींच लिया। लेकिन कम से कम अब वह किसी चीज़ को पकड़ तो सकता था। “नहीं, ऐसा मत करो!” उसने साँस रोककर कहा, और उसकी माँ ने उसे भरोसा दिलाया कि वह ऐसा नहीं करेगी। उसने कहा कि वह सारे दरवाज़े बंद कर देगी।

जेरार्ड, उसने सोचा। जेरार्ड अभी भी उसके खिलाफ काम कर रहा था, और वह लगातार करता रहेगा। सिर्फ जेरार्ड ही नहीं, बल्कि लोगों की एक पूरी फौज, जाँच-पड़ताल कर रही थी, लोगों से मिल रही थी, टाइपराइटर पर लगातार टाइप कर रही थी, बाहर जा रही थी और फिर सांता फ़े से नए-नए टुकड़े लेकर वापस आ रही थी, और एक दिन जेरार्ड शायद उन्हें सही से जोड़ दे। एक दिन जेरार्ड अंदर आ सकता है और उसे आज सुबह की तरह पा सकता है, उससे पूछ सकता है और वह सब कुछ बता देगा। उसने किसी को मार डाला था। किसी को मारने पर मौत

की सजा मिलती है। शायद वह इस सदमे से उबर नहीं पा रहा था। उसने छत के बीचोंबीच लगे लाइट फिक्स्चर को घूरकर देखा। यह उसे लॉस एंजिल्स में उसकी दादी के घर के बेसिन में लगे गोल क्रोमियम ड्रेनस्टॉप की याद दिला रहा था। उसे यह ख्याल क्यों आया?

हाइपोडर्मिक सुई के क्रूर चुभन ने उसे झकझोर कर उसकी चेतना को और भी तीव्र कर दिया।

वह युवा, घबराया हुआ सा दिखने वाला डॉक्टर अंधेरे कमरे के एक कोने में अपनी माँ से बात कर रहा था। लेकिन अब उसे बेहतर महसूस हो रहा था। अब उसे ले नहीं जाएंगे। सब ठीक था। वह बस घबराया हुआ था। चादर के ठीक नीचे, उसने सावधानी से अपनी उंगलियों को हिलते हुए देखा। "गाइ," उसने फुसफुसाया। उसकी ज़बान अभी भी भारी थी, लेकिन वह बोल सकता था। फिर उसने डॉक्टर को बाहर जाते देखा।

“माँ, मैं यूरोप नहीं जाना चाहता!” उसने अपनी माँ के पास आते ही एकरस स्वर में कहा।

“ठीक है, प्यारे, हम नहीं जाएंगे।” वह धीरे से बिस्तर के किनारे बैठ गई, और उसे तुरंत बेहतर महसूस हुआ।

“डॉक्टर ने यह तो नहीं कहा कि मैं नहीं जा सकता, है ना?” मानो वो जाना भी चाहे तो नहीं जाएगा! उसे किस बात का डर था? इस तरह के एक और दौरे का भी नहीं! उसने अपनी माँ के ड्रेसिंग गाउन के फूले हुए कंधे को छुआ, लेकिन उसे आज रात के खाने पर रटलेज ओवरबेक की याद आ गई और उसने अपना हाथ नीचे कर लिया। उसे यकीन था कि उसकी माँ का उसके साथ अफेयर चल रहा है। वो उससे मिलने सिल्वर स्प्रिंग्स में उसके स्टूडियो में बहुत बार जाती थी और बहुत देर तक रुकती थी। वो यह बात मानना नहीं चाहता था, लेकिन जब सब कुछ उसके सामने था तो वो क्यों न माने? ये उसका पहला अफेयर था, और उसके पिता मर चुके थे, तो वो क्यों न माने, लेकिन उसे ऐसे घटिया आदमी को ही क्यों चुनना था? छायादार कमरे में उसकी आँखें अब और गहरी लग रही थीं। उसके पिता की मृत्यु के बाद से उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ था। ब्रूनो को अब एहसास

हुआ कि वो ऐसी ही रहेगी, ऐसी ही बनी रहेगी, फिर कभी वैसी जवान नहीं होगी जैसी उसे पसंद थी। “इतनी उदास मत दिखो, माँ।”

“डार्लिंग, क्या तुम मुझसे वादा करोगे कि तुम कम करोगे? डॉक्टर ने कहा है कि यह अंत की शुरुआत है। आज सुबह एक चेतावनी थी, समझ नहीं आ रही? प्रकृति की चेतावनी।” उसने अपने होंठ गीले किए, और उसके इतने करीब उसके लाल रंग से सजे, लाइन किए हुए निचले होंठ की अचानक कोमलता ब्रूनो के लिए असहनीय थी।

उसने अपनी आँखें कसकर बंद कर लीं। अगर वह वादा करता, तो झूठ बोल रहा होता। "अरे, मुझे डी.टी. तो नहीं हुआ, है ना? मुझे कभी हुआ ही नहीं।"

“लेकिन यह उससे भी बुरा है। मैंने डॉक्टर से बात की। उन्होंने कहा कि यह आपके तंत्रिका ऊतकों को नष्ट कर रहा है और इससे आपकी जान भी जा सकती है। क्या इसका आपके लिए कोई मतलब नहीं है?”

"हां मां।"

“मुझसे वादा करो?” उसने उसकी पलकें फिर से बंद होते देखीं और उसकी आह सुनी। उसने सोचा, त्रासदी आज सुबह की नहीं थी, बल्कि वर्षों पहले की थी जब उसने पहली बार अकेले शराब पी थी। त्रासदी तो पहली शराब भी नहीं थी, क्योंकि पहली शराब पहला सहारा नहीं बल्कि आखिरी सहारा थी। पहले तो हर चीज़ की विफलता हुई थी—उसकी और सैम की, उसके दोस्तों की, उसकी उम्मीदों की, उसकी रुचियों की, सच में। और लाख कोशिश करने के बावजूद, वह कभी यह पता नहीं लगा पाई कि इसकी शुरुआत कहाँ से हुई होगी, क्योंकि चार्ली को हमेशा सब कुछ दिया गया था, और उसने और सैम दोनों ने ही उसे हर उस चीज़ में प्रोत्साहित करने की पूरी कोशिश की थी जिसमें उसने कभी रुचि दिखाई थी। काश वह अतीत में उस जगह का पता लगा पाती जहाँ से इसकी शुरुआत हुई होगी— वह उठ खड़ी हुई, उसे खुद भी एक घूंट की ज़रूरत थी।

ब्रूनो ने धीरे से अपनी आँखें खोलीं। नींद से उसका मन भारी हो रहा था। उसने खुद को कमरे के बीचोंबीच देखा, मानो वह खुद को किसी स्क्रीन पर देख रहा हो। वह अपने लाल-भूरे रंग के सूट में था। यह मेटकाफ द्वीप था। उसने अपने युवा, दुबले-पतले शरीर को मिरियम की ओर झुकते और उसे ज़मीन पर पटकते हुए

देखा, वे कुछ पल जो पहले और बाद के समय को अलग कर रहे थे। उसे लगा कि उसने उन पलों में कुछ खास हरकतें की थीं, कुछ खास शानदार विचार सोचे थे, और ऐसा समय फिर कभी नहीं आएगा। जैसे गाय ने कुछ दिन पहले नाव पर अपने बारे में बात की थी, जब उसने पल्मायरा का निर्माण किया था। ब्रूनो खुश था कि उन दोनों के लिए वे खास पल लगभग एक ही समय पर आए थे। कभी-कभी उसे लगता था कि वह बिना किसी पछतावे के मर सकता है, क्योंकि मेटकाफ की उस रात की बराबरी वह और क्या कर सकता है? और क्या निराशाजनक नहीं होगा? कभी-कभी, जैसे अभी, उसे लगता था कि उसकी ऊर्जा कम हो रही है, और शायद उसकी जिज्ञासा भी कम हो रही है। लेकिन उसे कोई फर्क नहीं पड़ता था, क्योंकि अब वह खुद को बहुत समझदार और वास्तव में बहुत संतुष्ट महसूस कर रहा था। कल ही तो उसका मन पूरी दुनिया घूमने का हुआ था। और क्यों? सिर्फ़ यह कहने के लिए कि वह घूम चुका है? किसे बताने के लिए? पिछले महीने उसने विलियम बीबे को चिट्ठी लिखी थी, और उस नए सुपर-बाथिस्फीयर में जाने की पेशकश की थी जिसका वे पहले बिना किसी पुरुष के परीक्षण कर रहे थे। क्यों? मेटकाफ की उस रात के आगे सब कुछ बेतुका लग रहा था। उसके जानने वाले हर व्यक्ति गाय के आगे बेतुके थे। सबसे बेतुका तो यह सोचना था कि वह बहुत सारी यूरोपीय महिलाओं को देखना चाहता था! शायद कैप्टन की वेश्याओं ने उसका मन बिगाड़ दिया हो, तो क्या हुआ? बहुत से लोग मानते हैं कि सेक्स को ज़रूरत से ज़्यादा महत्व दिया जाता है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि कोई भी प्यार हमेशा के लिए नहीं रहता। लेकिन उसे गाय और ऐनी के बारे में ऐसा नहीं कहना चाहिए। उसे लग रहा था कि उनका रिश्ता शायद टिकेगा, पर क्यों, यह वह नहीं जानता था। बात सिर्फ़ इतनी नहीं थी कि गाय ऐनी में इतना डूबा हुआ था कि उसे बाकी सब कुछ दिखाई ही नहीं दे रहा था। बात सिर्फ़ इतनी नहीं थी कि गाय के पास अब काफ़ी पैसा था। बात कुछ ऐसी अदृश्य चीज़ की थी जिसके बारे में उसने अभी तक सोचा भी नहीं था। कभी-कभी उसे लगता था कि वह बस इसके बारे में सोचने ही वाला है। नहीं, वह खुद इसका जवाब नहीं चाहता था। विशुद्ध रूप से वैज्ञानिक जिज्ञासा की भावना से प्रेरित होकर।

वह मुस्कुराते हुए एक तरफ मुड़ा और अपने सुनहरे डन्हिल लाइटर के ऊपरी हिस्से को बार-बार क्लिक और अनक्लिक करने लगा। वह ट्रिप मैन उन्हें आज या किसी और दिन नहीं देख पाएगा। घर यूरोप से कहीं ज़्यादा आरामदायक था। और गाय यहाँ था।

उनतीस

जेरार्ड जंगल में उसका पीछा कर रहा था, और सारे सुराग उसे दिखा रहा था—दस्तानों के टुकड़े, ओवरकोट का फटा हुआ हिस्सा, यहाँ तक कि रिवॉल्वर भी, क्योंकि जेरार्ड के पास पहले से ही गाय था। गाय जंगल में बंधा हुआ था, और उसके दाहिने हाथ से तेज़ी से खून बह रहा था। अगर वह घूमकर उसके पास नहीं पहुँचा, तो गाय खून बहने से मर जाएगा। जेरार्ड दौड़ते हुए हँस रहा था, मानो यह कोई अच्छा मज़ाक हो, कोई अच्छी चाल हो, लेकिन आखिरकार उसने सब कुछ समझ लिया था। एक मिनट में, जेरार्ड उसे अपने उन बदसूरत हाथों से छूने वाला था!

"गाइ!" लेकिन उसकी आवाज़ कमज़ोर लग रही थी। और जेरार्ड लगभग उसे छू ही रहा था। खेल तो यही था, जब जेरार्ड उसे छूता था!

ब्रूनो ने अपनी पूरी ताकत लगाकर उठने की कोशिश की। वह भयानक सपना उसके दिमाग से भारी-भारी चट्टानों की तरह खिसक गया।

जेरार्ड! वो रहा!

"क्या बात है? बुरा सपना तो नहीं देखा?"

गुलाबी-बैंगनी रंग के हाथों ने उसे छुआ, और ब्रूनो खुद को बिस्तर से उछालकर फर्श पर गिर पड़ा।

"तुम्हें ठीक समय पर जगा दिया, है ना?" जेरार्ड हँसा।

ब्रूनो ने अपने दांत इतने जोर से भींचे कि मानो टूट ही गए हों। वह दौड़कर बाथरूम में गया और दरवाजा खुला छोड़कर पानी पिया। आईने में उसका चेहरा किसी युद्धक्षेत्र जैसा लग रहा था।

"माफ़ करना, बीच में टोकने के लिए, लेकिन मुझे कुछ नया पता चला है," जेरार्ड ने तनाव भरी, तीखी आवाज़ में कहा, जिससे लग रहा था कि उसे एक छोटी सी जीत मिल गई है। "तुम्हारे दोस्त गाय हेन्स के बारे में। वही जिसके बारे में तुम अभी सपने देख रहे थे, है ना?"

ब्रूनो के हाथ में गिलास टूट गया, और उसने बड़ी सावधानी से उसके टुकड़े बेसिन से उठाए और उन्हें गिलास के टूटे हुए तल में रख दिया। वह ऊबते हुए लड़खड़ाते हुए वापस अपने बिस्तर पर चला गया।

“तुम उससे कब मिले थे, चार्ल्स? पिछले दिसंबर में तो नहीं।” जेरार्ड दराजों वाली अलमारी से टिककर सिगार जलाते हुए बोला, “क्या तुम उससे करीब डेढ़ साल पहले मिले थे? क्या तुम उसके साथ ट्रेन से सांता फ़े गए थे?” जेरार्ड रुका। उसने अपनी बगल से कुछ निकाला और बिस्तर पर फेंक दिया। “याद है?”

यह गाइ की सांता फ़े से लाई हुई प्लेटो की किताब थी, जो अभी भी लिपटी हुई थी और जिस पर पता आधा मिट चुका था। "हाँ, मुझे याद है।" ब्रूनो ने उसे एक तरफ धकेल दिया। "डाकघर जाते समय मुझसे खो गई थी।"

“होटल ला फोंडा में यह किताब ठीक शेल्फ पर रखी थी। आपको प्लेटो की किताब उधार कैसे मिली?”

“मुझे यह ट्रेन में मिला।” ब्रूनो ने ऊपर देखा। “इसमें गाइ का पता था, इसलिए मैंने इसे डाक से भेजने का सोचा था। असल में, मुझे यह खाने के डिब्बे में मिला।” उसने सीधे जेरार्ड की ओर देखा, जो अपनी तेज़, स्थिर छोटी आँखों से उसे देख रहा था, जिनमें हमेशा कोई भाव नहीं होता था।

"तुम उससे कब मिले थे, चार्ली?" जेरार्ड ने फिर से पूछा, उसी धैर्य के साथ जैसे कोई ऐसे बच्चे से पूछताछ कर रहा हो जिसके बारे में वह जानता हो कि वह झूठ बोल रहा है।

दिसंबर में।

"आप उनकी पत्नी की हत्या के बारे में तो जानते ही होंगे, बिल्कुल।"

"हाँ, मैंने इसके बारे में पढ़ा था। फिर मैंने उनके द्वारा पल्मायरा क्लब के निर्माण के बारे में पढ़ा।"

और आपने सोचा, यह कितना दिलचस्प है, क्योंकि आपको छह महीने पहले एक किताब मिली थी जो उसकी थी।

ब्रूनो हिचकिचाया। "हाँ।"

जेरार्ड ने हल्की सी घृणा भरी मुस्कान के साथ नीचे की ओर देखा।

ब्रूनो को अजीब और असहज महसूस हुआ। उसने पहले ऐसा कब देखा था, किसी के गुस्से के बाद ऐसी मुस्कान? एक बार जब उसने अपने पिता से किसी बात पर झूठ बोला था, साफ-साफ झूठ बोला था और उस पर अड़ा रहा था, और उसके पिता की गुस्से भरी आवाज, मुस्कान में छिपा अविश्वास, ने उसे शर्मिंदा कर दिया था। ब्रूनो को एहसास हुआ कि उसकी आँखें जेरार्ड से उसे माफ करने की गुहार लगा रही थीं, इसलिए उसने जानबूझकर खिड़की की तरफ देखा।

“और तुमने गाइ हेन्स को जानते तक न होते हुए भी मेटकाफ को वो सारे फोन किए।” जेरार्ड ने किताब उठाई।

“कौन से कॉल आए?”

कई कॉल आए।

"शायद एक बार जब मैं नशे में था।"

“कई सारे। किस बारे में?”

“उस मनहूस किताब के बारे में!” अगर जेरार्ड उसे इतना अच्छी तरह जानता था, तो उसे पता होना चाहिए था कि वह बिलकुल ऐसा ही काम करेगा। “शायद मैंने तब फोन किया जब मुझे पता चला कि उसकी पत्नी की हत्या हो गई है।”

जेरार्ड ने सिर हिलाया। "उसकी हत्या होने से पहले तुमने फोन किया था।"

तो क्या हुआ? शायद मैंने किया हो।

“तो क्या हुआ? मुझे मिस्टर हेन्स से पूछना पड़ेगा। हत्या में आपकी दिलचस्पी को देखते हुए, यह आश्चर्यजनक है कि आपने हत्या के बाद उन्हें फोन नहीं किया, है ना?”

“मैं हत्याओं से तंग आ चुका हूँ!” ब्रूनो चिल्लाया।

“ओह, मुझे यकीन है, चार्ली, मुझे यकीन है!” जेरार्ड इठलाते हुए बाहर निकला और अपनी माँ के कमरे की ओर गलियारे में चल पड़ा।

ब्रूनो ने बड़े आराम से नहाया और कपड़े पहने। उसे याद आया कि मैट लेविन को लेकर जेरार्ड बहुत ज़्यादा उत्साहित था। जहाँ तक उसे याद था, उसने होटल ला फोंडा से मेटकाफ को सिर्फ़ दो फ़ोन किए थे, जहाँ बिल जेरार्ड ने चुकाए होंगे। वह कह सकता था कि गाइ की माँ बाकी लोगों के बारे में गलत समझ रही थी, कि यह उसने नहीं किया था।

“जेरार्ड क्या चाहता था?” ब्रूनो ने अपनी माँ से पूछा।

“कुछ खास नहीं। मैं जानना चाहती थी कि क्या मैं आपके एक दोस्त को जानती हूँ? गाय हेन्स।” वह अपने बालों को ऊपर की ओर कंघी कर रही थी, जिससे उसके शांत, थके हुए चेहरे के आसपास बाल बिखरे हुए लग रहे थे। “वह एक आर्किटेक्ट हैं, है ना?”

“हम्म। मैं उसे ज़्यादा अच्छे से नहीं जानता।” वह उसके पीछे-पीछे फर्श पर टहल रहा था। उसने लॉस एंजिल्स में अखबार की कतरनें भूल गई थी, जैसा कि उसने सोचा था। शुक्र है, जब पल्मायरा की सारी तस्वीरें सामने आईं, तब उसने उसे याद नहीं दिलाया कि वह गाय को जानता है! उसके मन में कहीं न कहीं यह बात ज़रूर रही होगी कि वह गाय से ही यह काम करवाएगा।

“जेरार्ड तुम्हारे द्वारा पिछली गर्मियों में उसे किए गए फोन कॉल के बारे में बात कर रहा था। वह सब क्या था?”

"ओह, माँ, मैं जेरार्ड के बेवकूफ बैलों से बहुत तंग आ गया हूँ!"

चालीस

उसी सुबह कुछ ही क्षणों बाद, गाय हैंसन एंड नैप ड्राफ्टर्स के निदेशक कार्यालय से बाहर निकले, और हफ़्तों बाद इतने खुश थे। कंपनी अस्पताल के अंतिम रेखाचित्रों की नकल तैयार कर रही थी, जो गाय द्वारा अब तक देखे गए सबसे जटिल रेखाचित्र थे। निर्माण सामग्री को अंतिम मंजूरी मिल चुकी थी, और उन्हें उसी सुबह बॉब ट्रेचर का एक टेलीग्राम मिला था, जिससे गाय अपने पुराने दोस्त के लिए बहुत खुश हुए। बॉब को कनाडा में नए अल्बर्टा बांध के लिए इंजीनियरों की एक सलाहकार समिति में नियुक्त किया गया था, जिस पद का वे पिछले पांच वर्षों से बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

उसके दोनों ओर फैली लंबी मेजों में से एक पर इधर-उधर, एक ड्राफ्ट्समैन ने ऊपर देखा और उसे बाहरी दरवाजे की ओर जाते हुए देखा। गाय ने मुस्कुराते हुए फोरमैन को अभिवादन में सिर हिलाया। उसने आत्मविश्वास की एक हल्की सी चमक देखी। या शायद यह उसके नए सूट की वजह से था, उसने सोचा, यह उसके जीवन का तीसरा सूट था जो उसने अपने लिए बनवाया था। ऐनी ने ग्रे-नीले रंग का ग्लेन प्लेड कपड़ा चुना था। ऐनी ने आज सुबह इसके साथ पहनने के लिए टमाटर

के रंग की ऊनी टाई चुनी थी, एक पुरानी टाई, लेकिन जो उसे पसंद थी। उसने लिफ्टों के बीच लगे शीशे में टाई की गांठ कसी। उसकी एक घनी काली भौंह से एक सफेद बाल निकला हुआ था। आश्चर्य से उसकी भौंहें थोड़ी ऊपर उठ गईं। उसने बाल को नीचे किया। यह पहला सफेद बाल था जो उसने अपने शरीर पर देखा था।

एक ड्राफ्ट्समैन ने ऑफिस का दरवाजा खोला। “श्रीमान हेन्स? अच्छा हुआ कि मैंने आपको पकड़ लिया। एक फोन कॉल है।”

गाइ वापस चला गया, इस उम्मीद में कि ज्यादा देर नहीं लगेगी, क्योंकि उसे दस मिनट में ऐनी के साथ लंच पर मिलना था। उसने ड्राफ्टिंग रूम से सटे एक खाली ऑफिस में फोन उठाया।

“हेलो, गाइ? सुनो, जेरार्ड को प्लेटो की वो किताब मिल गई है... हाँ, सांता फ़े में। अब सुनो, इससे कुछ नहीं बदलता...।”

पांच मिनट बीत चुके थे जब गाय लिफ्ट के पास वापस आया। उसे हमेशा से पता था कि प्लेटो मिल सकता है। ब्रूनो ने कहा था, "बिल्कुल नहीं।" ब्रूनो गलत हो सकता है। इसलिए ब्रूनो पकड़ा भी जा सकता है। गाय ने ऐसे मुंह बनाया जैसे यह बात अविश्वसनीय हो कि ब्रूनो पकड़ा जा सकता है। और किसी तरह यह बात अब तक अविश्वसनीय ही थी।

जैसे ही वह धूप में निकला, उसे फिर से अपने नए सूट का एहसास हुआ और उसने गुस्से में अपनी मुट्ठी भींच ली। “मुझे ट्रेन में किताब मिली थी, देखा?” ब्रूनो ने कहा था। “अगर मैंने तुम्हें मेटकाफ में बुलाया था, तो वह किताब की वजह से था। लेकिन मैं तुमसे दिसंबर तक नहीं मिला था...” आवाज़ इतनी कटी-कटी और चिंतित थी जितनी गाय ने पहले कभी नहीं सुनी थी, इतनी सतर्क, इतनी परेशान कि वह ब्रूनो की आवाज़ लग ही नहीं रही थी। गाय ने ब्रूनो द्वारा दिए गए उस मनगढ़ंत बहाने पर ऐसे गौर किया जैसे वह उसका अपना न हो, जैसे वह कोई कपड़ा हो जिसे वह लापरवाही से सूट के लिए सोच रहा हो। नहीं, उसमें कोई छेद नहीं थे, लेकिन ज़रूरी नहीं कि वह पहनने लायक हो। खासकर तब जब किसी को याद रहे कि उन्होंने उन्हें ट्रेन में देखा था। उदाहरण के लिए, वह वेटर जिसने ब्रूनो के डिब्बे में उन्हें खाना परोसा था।

उसने अपनी साँसें धीमी करने की कोशिश की, अपनी चाल धीमी करने की कोशिश की। उसने सर्दियों के सूरज की छोटी सी गोल आकृति की ओर देखा। उसकी काली भौहें, भूरे बालों और सफेद निशान के साथ, उसकी भौहें जो आजकल और घनी हो रही थीं, ऐनी ने कहा था, सूरज की चकाचौंध को छोटे-छोटे कणों में तोड़कर उसकी रक्षा कर रही थीं। उसे कहीं से याद आया कि अगर कोई पंद्रह सेकंड तक सीधे सूरज को देखे तो उसकी कॉर्निया जल सकती है। ऐनी ने भी उसकी रक्षा की। उसके काम ने उसकी रक्षा की। नया सूट, वह बेवकूफी भरा नया सूट। उसे अचानक खुद को नाकाबिल और मंदबुद्धि महसूस हुआ, वह असहाय हो गया। मौत उसके दिमाग में घर कर गई थी। उसने उसे जकड़ लिया था। उसने शायद इतने लंबे समय तक उसकी हवा में साँस ली थी कि वह उसका आदी हो गया था। खैर, फिर तो उसे डर नहीं था। उसने बेवजह अपने कंधे सीधे किए।

जब वह रेस्टोरेंट पहुँचा तो ऐनी नहीं आई थी। तभी उसे याद आया कि ऐनी ने कहा था कि वह रविवार को घर पर ली गई तस्वीरें लेने जा रही है। गाय ने अपनी जेब से बॉब ट्रेचर का टेलीग्राम निकाला और उसे बार-बार पढ़ा:

मुझे अभी-अभी अल्बर्टा समिति में नियुक्त किया गया है। मैंने आपका नाम सुझाया है। यह एक पुल का काम है, दोस्त। जितनी जल्दी हो सके मुक्त हो जाओ। स्वीकृति की गारंटी है। पत्र जल्द ही भेजा जाएगा।

बीओबी

स्वीकृति निश्चित थी। उसने अपने जीवन को चाहे जैसे भी संवारा हो, पुल बनाने की उसकी क्षमता पर कोई संदेह नहीं था। गाय ने बड़े ध्यान से अपनी मार्टिनी की चुस्की ली, और पुल की सतह को पूरी तरह स्थिर रखा।

इकतालीस

“मैं एक और मामले में उलझ गया हूँ,” जेरार्ड ने अपनी मेज पर रखी टाइप की हुई रिपोर्ट को देखते हुए सुखद स्वर में कहा। जब से वह युवक अंदर आया था, जेरार्ड ने ब्रूनो की ओर देखा तक नहीं था। “गाइ हेन्स की पहली पत्नी की हत्या। यह मामला कभी सुलझा नहीं।”

"हाँ मुझे पता हे।"

“मुझे लगा था कि आपको इसके बारे में काफी कुछ पता होगा। अब मुझे वह सब कुछ बताइए जो आप जानते हैं।” जेरार्ड ने खुद को आराम से बिठाया।

ब्रूनो समझ गया था कि सोमवार से, जब से उसे प्लेटो की किताब मिली थी, वह इस विषय में पूरी तरह से डूब गया था। "कुछ नहीं," ब्रूनो ने कहा। "कोई नहीं जानता। क्या वे जानते हैं?"

“आप क्या सोचते हैं? आपने इस बारे में गाइ से काफी बात की होगी।”

“बिल्कुल नहीं। ऐसा क्यों?”

"क्योंकि हत्या में आपकी इतनी दिलचस्पी है।"

"तुम्हारा मतलब क्या है, मुझे हत्या में इतनी दिलचस्पी क्यों है?"

"अरे, चार्ल्स, अगर मुझे यह बात तुमसे नहीं पता होती, तो मुझे तुम्हारे पिता से ही पता चल जाती!" जेरार्ड ने अधीरता के दुर्लभ आवेग में कहा।

ब्रूनो ने सिगरेट निकालने के लिए हाथ बढ़ाया और फिर रुक गया। उसने शांत और सम्मानपूर्वक कहा, "मैंने उससे इस बारे में बात की। उसे कुछ नहीं पता। उस समय तो वह अपनी पत्नी को भी ठीक से नहीं जानता था।"

“तुम्हें क्या लगता है कि यह किसने किया? क्या तुमने कभी सोचा कि मिस्टर हेन्स ने इसकी साजिश रची होगी? क्या तुम्हें इस बात में दिलचस्पी थी कि उन्होंने यह कैसे किया और बच निकले?” फिर से सहज होकर, जेरार्ड अपने हाथों को सिर के पीछे रखकर पीछे झुक गया, मानो वे उस दिन के अच्छे मौसम के बारे में बात कर रहे हों।

“बिल्कुल नहीं, मुझे नहीं लगता कि उसने यह सब करवाया होगा,” ब्रूनो ने जवाब दिया। “आपको शायद इस बात का अंदाजा नहीं है कि आप किस स्तर के व्यक्ति की बात कर रहे हैं।”

“चार्ल्स, विचार करने लायक एकमात्र कैलिबर बंदूक का ही होता है।” जेरार्ड ने अपना टेलीफोन उठाया। “जैसा कि शायद आप ही मुझे सबसे पहले बताएंगे... श्री हेन्स को अंदर बुलाइए, प्लीज़?”

ब्रूनो थोड़ा सा उछल पड़ा, और जेरार्ड ने यह देख लिया। हॉल में गाय के कदमों की आहट सुनाई देने लगी और जेरार्ड चुपचाप उसे देखता रहा। ब्रूनो ने मन ही मन सोचा कि उसे जेरार्ड से यही उम्मीद थी। तो क्या हुआ, तो क्या हुआ, तो क्या हुआ?

ब्रूनो को लगा कि गाय घबराया हुआ है, लेकिन उसकी घबराहट और जल्दबाजी का सामान्य भाव इसे छुपा रहा था। उसने जेरार्ड से बात की और ब्रूनो को सिर हिलाकर अभिवादन किया।

जेरार्ड ने उसे अपनी बची हुई एक सीधी कुर्सी दी। “मिस्टर हेन्स, आपको यहाँ बुलाने का मेरा पूरा मकसद आपसे एक बहुत ही सरल सवाल पूछना है। चार्ल्स आपसे ज़्यादातर समय किस बारे में बात करता है?” ब्रूनो को लगा कि जेरार्ड ने गाय को सिगरेट का एक पैकेट दिया जो शायद कई साल पुराना होगा, और गाय ने उसे ले लिया।

ब्रूनो ने देखा कि गाइ की भौंहें झुंझलाहट से सिकुड़ गईं, जो बिल्कुल उचित थी। "वह मुझसे कभी-कभार पल्मायरा क्लब के बारे में बात करता है," गाइ ने जवाब दिया।

"और क्या?"

गाय ने ब्रूनो की ओर देखा। ब्रूनो बड़ी सहजता से उस हाथ के नाखून को कुतर रहा था जिससे उसने अपना गाल टिका रखा था। "सच में कुछ कह नहीं सकता," गाय ने उत्तर दिया।

"क्या मैंने आपसे आपकी पत्नी की हत्या के बारे में बात की थी?"

"हाँ।"

“वह आपसे हत्या के बारे में कैसे बात करता है?” जेरार्ड ने विनम्रता से पूछा। “मेरा मतलब है आपकी पत्नी की हत्या के बारे में।”

गाय का चेहरा लाल हो गया। उसने ब्रूनो की तरफ फिर से देखा, जैसा कि कोई भी करता, उसने सोचा, जैसे कोई भी उस व्यक्ति की मौजूदगी में करता है जिसकी चर्चा हो रही हो और जिसे नजरअंदाज किया जा रहा हो। "वह अक्सर मुझसे पूछता था कि क्या मुझे पता है कि यह किसने किया होगा।"

"और क्या आप?"

"नहीं।"

“क्या तुम्हें चार्ल्स पसंद है?” जेरार्ड की मोटी उंगलियां अजीब तरह से थोड़ी कांप उठीं। वे अपनी डेस्क पर रखे ब्लॉटर पर माचिस की तीली के ढक्कन से खेलने लगीं।

गाय को ट्रेन में ब्रूनो की उंगलियां याद आईं, जो माचिस की तीली के ढक्कन से खेल रही थीं और उसे स्टेक पर गिरा रही थीं। "हां, मुझे वो पसंद है," गाय ने हैरानी से जवाब दिया।

“क्या उसने तुम्हें परेशान नहीं किया? क्या उसने कई बार तुम पर अपना दबाव नहीं डाला?”

“मुझे ऐसा नहीं लगता,” गाय ने कहा।

"जब वह आपकी शादी में आया तो क्या आपको गुस्सा आया था?"

"नहीं।"

"क्या चार्ल्स ने कभी आपको बताया था कि वह अपने पिता से नफरत करता था?"

"हाँ वह था।"

"क्या उसने कभी तुमसे कहा था कि वह उसे मारना चाहता है?"

“नहीं,” उसने उसी सहज लहजे में जवाब दिया।

जेरार्ड ने अपनी डेस्क की दराज से भूरे कागज में लिपटी किताब निकाली। “ये रही वो किताब जो चार्ल्स तुम्हें भेजना चाहता था। माफ करना, मैं अभी तुम्हें ये नहीं दे सकता, क्योंकि मुझे इसकी जरूरत पड़ सकती है। चार्ल्स के पास तुम्हारी किताब कैसे आई?”

“उसने मुझे बताया कि उसे यह ट्रेन में मिला था।” गाय ने जेरार्ड की नींद भरी, रहस्यमयी मुस्कान को गौर से देखा। जेरार्ड के घर आने वाली रात को उसने उसकी मुस्कान की एक झलक देखी थी, लेकिन इस तरह नहीं। यह मुस्कान घृणा पैदा करने के लिए सोची-समझी थी। यह मुस्कान एक पेशेवर हथियार थी। गाय ने सोचा, रोज़ाना उस मुस्कान का सामना करते हुए, यह क्या ही बात होगी! अनजाने में ही उसने ब्रूनो की ओर देखा।

“और ट्रेन में तुम दोनों एक-दूसरे से नहीं मिले?” जेरार्ड ने गाय से ब्रूनो की ओर देखा।

“नहीं,” गाय ने कहा।

"मैंने उस वेटर से बात की जिसने चार्ल्स के डिब्बे में आप दोनों को खाना परोसा था।"

गाय की निगाहें जेरार्ड पर टिकी हुई थीं। उसने सोचा, यह नग्न शर्मिंदगी अपराधबोध से कहीं अधिक विनाशकारी थी। जेरार्ड को सीधे देखते हुए भी, वह इसी विनाश की अनुभूति कर रहा था।

“तो क्या हुआ?” ब्रूनो ने तीखी आवाज में कहा।

“तो मुझे यह जानने में दिलचस्पी है कि तुम दोनों इतनी मेहनत क्यों करते हो यह कहने के लिए कि तुम्हारी मुलाकात महीनों बाद हुई,” जेरार्ड ने मुस्कुराते हुए सिर हिलाया। “तुम मुझे जवाब नहीं बताओगे। खैर, जवाब तो स्पष्ट है। मतलब, एक अनुमान के तौर पर।”

गाइ को लगा कि वे तीनों ही जवाब के बारे में सोच रहे थे। अब वह जवाब हवा में दिखाई दे रहा था, जो उसे और ब्रूनो को, ब्रूनो को और जेरार्ड को, और जेरार्ड को उससे जोड़ रहा था। वही जवाब जिसे ब्रूनो ने सोच से परे बताया था, वह शाश्वत रूप से अनुपलब्ध तत्व।

"क्या तुम मुझे बताओगे, चार्ल्स, तुम जो इतनी सारी जासूसी कहानियाँ पढ़ते हो?"

मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप क्या कहना चाह रहे हैं।

“कुछ ही दिनों के भीतर, आपकी पत्नी की हत्या कर दी गई, श्री हेन्स। कुछ ही महीनों के भीतर, चार्ल्स के पिता की। मेरा पहला और स्पष्ट अनुमान यही है कि आप दोनों को पता था कि ये हत्याएं होने वाली हैं—”

“ओह, बकवास!” ब्रूनो ने कहा।

“—और हमने उन पर चर्चा की। बेशक, यह कोरी अटकलें हैं। यह मानते हुए कि आप ट्रेन में मिले थे। आप कहाँ मिले थे?” जेरार्ड मुस्कुराया। “मिस्टर हेन्स?”

“हां,” गाय ने कहा, “हम ट्रेन में मिले थे।”

"और तुम इसे स्वीकार करने से इतना क्यों डरते रहे हो?" जेरार्ड ने अपनी एक झाईदार उंगली से उसकी ओर इशारा किया, और गाय को एक बार फिर जेरार्ड की सादगी में डराने की उसकी शक्ति का एहसास हुआ।

“मुझे नहीं पता,” गाय ने कहा।

“क्या ऐसा इसलिए नहीं था क्योंकि चार्ल्स ने आपको बताया था कि वह अपने पिता की हत्या करवाना चाहता है? और तब आप बेचैन हो गए थे, मिस्टर हेन्स,

क्योंकि आप यह जानते थे?”

क्या यही जेरार्ड का तुरुप का पत्ता था? गाय ने धीरे से कहा, "चार्ल्स ने अपने पिता की हत्या के बारे में कुछ नहीं कहा।"

जेरार्ड की नज़र ब्रूनो की संतुष्टि भरी मुस्कान पर पड़ी। "बिल्कुल अटकलबाजी है," जेरार्ड ने कहा।

गाय और ब्रूनो एक साथ इमारत से बाहर निकले। जेरार्ड ने उन्हें एक साथ छुट्टी दी थी, और वे लंबी सड़क पर साथ-साथ चलते हुए उस छोटे से पार्क की ओर बढ़े जहाँ सबवे और टैक्सियाँ थीं। ब्रूनो ने पीछे मुड़कर उस ऊँची और संकरी इमारत को देखा जिसे वे पीछे छोड़ आए थे।

“ठीक है, उसके पास अभी भी कुछ नहीं है,” ब्रूनो ने कहा। “आप इसे किसी भी तरह से देखें, उसके पास कुछ भी नहीं है।”

ब्रूनो उदास था, लेकिन शांत था। अचानक गाय को एहसास हुआ कि जेरार्ड के हमले के दौरान ब्रूनो कितना शांत रहा था। गाय लगातार ब्रूनो को दबाव में बेकाबू होते हुए सोच रहा था। उसने अपने बगल में बैठे ब्रूनो की लंबी, झुकी हुई आकृति पर एक नज़र डाली, और रेस्तरां में बिताए उस बेफिक्र और बेपरवाह दोस्ती के एहसास को महसूस किया। लेकिन उसके पास कहने को कुछ नहीं था। उसने सोचा, ब्रूनो को ज़रूर पता होगा कि जेरार्ड उन्हें अपनी सारी खोजों के बारे में नहीं बताने वाला था।

ब्रूनो ने आगे कहा, "मजेदार बात यह है कि जेरार्ड हमें नहीं ढूंढ रहा है, वह दूसरे लोगों को ढूंढ रहा है।"

बयालीस

जेरार्ड ने पिंजरे की सलाखों के बीच उंगली डाली और उसे उस नन्ही चिड़िया की ओर हिलाया जो पिंजरे के दूसरी तरफ डर से फड़फड़ा रही थी। जेरार्ड ने एक मधुर सीटी बजाई।

कमरे के बीचोंबीच खड़ी ऐनी उसे बेचैनी से देख रही थी। उसे यह बात पसंद नहीं आई कि उसने अभी-अभी उसे बताया था कि गाय झूठ बोल रहा था, और फिर वह कैनरी को डराने के लिए चला गया। पिछले पंद्रह मिनट से उसे जेरार्ड बिल्कुल

पसंद नहीं आ रहा था, और क्योंकि उसने सोचा था कि पहली मुलाकात में वह उसे पसंद करती थी, इसलिए उसकी यह गलतफहमी उसे खटक रही थी।

“उसका नाम क्या है?” जेरार्ड ने पूछा।

“स्वीटी,” ऐनी ने जवाब दिया। उसने थोड़ा शर्मिंदा होकर अपना सिर झुकाया और आधा घूम गई। उसके नए मगरमच्छ के चमड़े के हील्स ने उसे लंबा और आकर्षक महसूस कराया था, और उसने दोपहर में जब उन्हें खरीदा था, तब सोचा था कि गाय को ये पसंद आएंगे, कि रात के खाने से पहले कॉकटेल पीते समय वे उसके चेहरे पर मुस्कान ला देंगे। लेकिन जेरार्ड के आने से सब कुछ गड़बड़ हो गया था।

"क्या आपको कुछ पता है कि आपके पति पिछले साल से पहले चार्ल्स जून से मिलने की बात क्यों नहीं बताना चाहते थे?"

जिस महीने मिरियम की हत्या हुई थी, ऐनी ने फिर से सोचा। पिछले जून से पहले का महीना उसके लिए कुछ और मायने नहीं रखता था। "वह महीना उसके लिए बहुत मुश्किल था," उसने कहा। "उस महीने उसकी पत्नी की मृत्यु हुई थी। उस महीने जो कुछ भी हुआ होगा, वह शायद सब कुछ भूल गया होगा।" उसने माथे पर शिकन डाली, उसे लगा कि जेरार्ड अपनी छोटी सी खोज को कुछ ज़्यादा ही बढ़ा-चढ़ाकर बता रहा है, क्योंकि गाय ने उसके बाद के छह महीनों में चार्ल्स को देखा तक नहीं था।

“इस मामले में नहीं,” जेरार्ड ने लापरवाही से कहा और अपनी सीट पर वापस बैठ गया। “नहीं, मुझे लगता है कि चार्ल्स ने ट्रेन में आपके पति से अपने पिता के बारे में बात की, उनसे कहा कि वह उन्हें मरा हुआ देखना चाहता है, शायद यह भी बताया कि वह उन्हें कैसे मारने का इरादा रखता है—”

"मैं कल्पना भी नहीं कर सकती कि गाय यह सब सुन रहा होगा," ऐनी ने उसे बीच में ही रोकते हुए कहा।

“मुझे नहीं पता,” जेरार्ड ने बेपरवाही से कहा, “मुझे नहीं पता, लेकिन मुझे पूरा शक है कि चार्ल्स को अपने पिता की हत्या के बारे में पता था और हो सकता है कि उसने उस रात ट्रेन में आपके पति को इस बारे में बताया हो। चार्ल्स इसी तरह का नौजवान है। और मुझे लगता है कि आपके पति जैसे इंसान हैं, वे इस बारे में चुप

रहते, उसके बाद से चार्ल्स से बचने की कोशिश करते। क्या आपको ऐसा नहीं लगता?"

इससे बहुत कुछ स्पष्ट हो जाएगा, ऐनी ने सोचा। लेकिन इससे गाय भी एक तरह से सह-अपराधी बन जाएगा। जेरार्ड गाय को सह-अपराधी बनाना चाहता था। "मुझे यकीन है कि अगर चार्ल्स ने मेरे पति को ऐसी कोई बात बताई होती, तो वह चार्ल्स को इस हद तक भी बर्दाश्त नहीं करते," उसने दृढ़ता से कहा।

"बहुत अच्छा मुद्दा है। हालाँकि—" जेरार्ड अचानक रुक गया, मानो अपने ही विचारों में खो गया हो।

ऐनी को उसके गंजे, झाइयों वाले सिर के ऊपरी हिस्से को देखना अच्छा नहीं लगा, इसलिए उसने कॉफी टेबल पर रखी टाइल की सिगरेट की डिब्बी को घूरकर देखा और अंत में एक सिगरेट निकाल ली।

"क्या आपको लगता है कि आपके पति को इस बात का कोई संदेह है कि उनकी पत्नी, श्रीमती हेन्स की हत्या किसने की?"

ऐनी ने चुनौती भरे अंदाज़ में सिगरेट का धुआँ बाहर निकाला। "मैं बिल्कुल नहीं करती।"

"देखिए, अगर उस रात ट्रेन में चार्ल्स ने हत्या के विषय पर चर्चा की, तो उसने इस पर विस्तार से बात की। और अगर आपके पति को अपनी पत्नी की जान को खतरे में होने का कोई कारण लगा हो, और अगर उन्होंने चार्ल्स से इस बारे में बात की हो—तो फिर उनके बीच एक तरह का साझा रहस्य, एक साझा खतरा भी है। यह सिर्फ एक अनुमान है," उन्होंने जल्दी से जोड़ा, "लेकिन जांचकर्ताओं को हमेशा अनुमान लगाना पड़ता है।"

"मुझे पता है कि मेरे पति अपनी पत्नी के खतरे में होने के बारे में कुछ नहीं कह सकते थे। जब खबर आई तब मैं उनके साथ मैक्सिको सिटी में थी, और उससे कुछ दिन पहले न्यूयॉर्क में भी उनके साथ थी।"

"इस साल मार्च कैसा रहेगा?" जेरार्ड ने उसी शांत स्वर में पूछा। उसने अपना खाली हाईबॉल ग्लास उठाया और ऐनी को उसे फिर से भरने के लिए देने को तैयार हो गया।

ऐनी बार में जेरार्ड की ओर पीठ करके खड़ी थी, मार्च के महीने को याद करते हुए, जिस महीने चार्ल्स के पिता की हत्या हुई थी, और उस समय गाय की घबराहट को याद करते हुए। क्या वह लड़ाई फरवरी में हुई थी या मार्च में? और क्या उसने चार्ल्स ब्रूनो से लड़ाई नहीं की थी?

"क्या आपको लगता है कि आपके पति मार्च के महीने के आसपास आपकी जानकारी के बिना कभी-कभार चार्ल्स से मिल रहे होंगे?"

उसने सोचा, शायद यही वजह हो सकती है: कि गाय को पता था कि चार्ल्स अपने पिता को मारना चाहता है, और उसने उसे रोकने की कोशिश की थी, एक बार में उससे झगड़ा भी किया था। "हो सकता है उसने किया हो," उसने अनिश्चितता से कहा। "मुझे नहीं पता।"

"श्रीमती हेन्स, अगर आपको याद हो तो मार्च के महीने के आसपास आपके पति कैसे दिखते थे?"

“वह घबराया हुआ था। मुझे लगता है कि मैं जानता हूँ कि वह किन बातों को लेकर घबराया हुआ था।”

"क्या चीजें?"

“उसका काम—” किसी तरह वह गाय के बारे में इससे ज़्यादा कुछ नहीं कह पाई। उसे लगा कि वह जो कुछ भी कहेगी, जेरार्ड उसे उस धुंधली तस्वीर में समाहित कर लेगा जिसे वह रच रहा था, जिसमें वह गाय को देखने की कोशिश कर रहा था। वह इंतज़ार करती रही, और जेरार्ड भी इंतज़ार करता रहा, मानो वह उससे होड़ कर रहा हो कि पहले चुप्पी कौन तोड़े।

अंत में, उन्होंने अपनी सिगार बुझाई और कहा, "अगर चार्ल्स के बारे में उस समय आपको कुछ भी याद आए, तो मुझे ज़रूर बताइएगा? दिन हो या रात, कभी भी मुझे फ़ोन कर लेना। संदेश लेने के लिए कोई न कोई वहाँ मौजूद होगा।" उन्होंने अपने बिज़नेस कार्ड पर एक और नाम लिखा और उसे ऐनी को दे दिया।

ऐन दरवाजे से मुड़ी और सीधे कॉफी टेबल पर जाकर उसका गिलास उठाया। सामने की खिड़की से उसने उसे अपनी कार में सिर झुकाए, सोए हुए आदमी की तरह बैठे देखा, और शायद वह अपने नोट्स बना रहा था। तभी उसे अचानक याद आया कि उसने लिखा था कि गाय ने मार्च में चार्ल्स को देखा होगा और उसे इसकी

जानकारी नहीं थी। उसने ऐसा क्यों कहा? उसे तो पता था। गाय ने कहा था कि उसने दिसंबर और शादी के बीच चार्ल्स को नहीं देखा था।

जब गाय लगभग एक घंटे बाद आया, तो ऐनी रसोई में थी और ओवन में लगभग पक चुकी कैसरोल की देखभाल कर रही थी। उसने देखा कि गाय ने अपना सिर ऊपर उठाया और हवा को सूंघा।

“झींगा कैसरोल,” ऐनी ने उससे कहा। “मुझे लगता है कि मुझे एक वेंट खोलना चाहिए।”

"क्या जेरार्ड यहाँ था?"

“हां। आपको पता था कि वह आ रहा है?”

“सिगार,” उसने संक्षिप्त स्वर में कहा। ज़ाहिर है, जेरार्ड ने उसे ट्रेन में हुई मुलाकात के बारे में बताया था। “इस बार उसे क्या चाहिए था?” उसने पूछा।

“वह चार्ल्स ब्रूनो के बारे में और जानना चाहता था।” ऐनी ने सामने वाली खिड़की से उसकी तरफ जल्दी से देखा। “अगर तुमने मुझे उसके बारे में कुछ भी शक करने की बात कही होती। और वह मार्च के बारे में जानना चाहता था।”

“मार्च के आसपास?” वह फर्श के उस ऊंचे हिस्से पर चढ़ गया जहां ऐनी खड़ी थी।

वह उसके सामने रुक गया, और ऐन ने देखा कि उसकी आँखों की पुतलियाँ अचानक सिकुड़ गईं। मार्च या फरवरी की उस रात से उसके गाल की हड्डी पर बने कुछ बारीक निशान उसे दिखाई दे रहे थे। “मैं जानना चाहता था कि क्या तुम्हें शक था कि चार्ल्स उसी महीने अपने पिता की हत्या करवाने वाला था?” लेकिन गाय ने बिना किसी घबराहट या अपराधबोध के, हमेशा की तरह सीधे मुँह करके उसे घूरता रहा। वह एक तरफ हट गई और बैठक में चली गई। “यह भयानक है, है ना?” उसने कहा, “हत्या?”

गाय ने अपनी घड़ी के डायल पर एक नई सिगरेट सुलगाई। उसे "हत्या" शब्द सुनना बहुत तकलीफ दे रहा था। वह चाहता था कि ब्रूनो की हर याद उसके दिमाग से मिटा दे।

"तुम्हें पता नहीं था ना, गाइ—मार्च में?"

“नहीं, ऐनी। तुमने जेरार्ड को क्या बताया?”

"क्या आपको लगता है कि चार्ल्स ने अपने पिता की हत्या करवाई थी?"

“मुझे नहीं पता। मुझे लगता है कि यह संभव है। लेकिन इससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है।” और उन्हें एक पल के लिए भी एहसास नहीं हुआ कि यह झूठ था।

“हाँ, सही है। इससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है।” उसने फिर उसकी तरफ देखा। “जेरार्ड ने यह भी कहा कि पिछली बार से पहले वाली ट्रेन में आपकी मुलाकात चार्ल्स जून से हुई थी।”

"हाँ मैंने किया।"

"अच्छा—इससे क्या फर्क पड़ता है?"

"मुझें नहीं पता।"

"क्या यह ट्रेन में चार्ल्स द्वारा कही गई किसी बात की वजह से था? क्या इसी वजह से आप उसे नापसंद करते हैं?"

गाय ने अपने हाथ जैकेट की जेबों में और गहरे डाल लिए। उसे अचानक ब्रांडी पीने की इच्छा हुई। वह जानता था कि उसने अपने मन की बात ज़ाहिर कर दी है, और अब वह इसे ऐनी से छुपा नहीं सकता। "सुनो, ऐनी," उसने जल्दी से कहा। "ब्रूनो ने ट्रेन में मुझसे कहा कि वह चाहता है कि उसके पिता मर जाएं। उसने किसी योजना का ज़िक्र नहीं किया, किसी का नाम नहीं लिया। मुझे उसका कहने का तरीका पसंद नहीं आया, और उसके बाद से मैं उसे नापसंद करने लगा। मैं जेरार्ड को यह सब बताने से इनकार करता हूँ, क्योंकि मुझे नहीं पता कि ब्रूनो ने अपने पिता की हत्या करवाई है या नहीं। यह पुलिस को पता लगाना है। निर्दोष लोगों को फाँसी पर लटका दिया गया है क्योंकि लोगों ने उनके ऐसा कहने की सूचना दे दी थी।"

लेकिन चाहे वो उस पर विश्वास करे या न करे, उसने सोचा, उसका तो काम तमाम हो चुका था। उसे लगा कि ये अब तक का सबसे घिनौना झूठ था, सबसे घिनौना काम था जो उसने कभी किया था—अपने गुनाह का बोझ दूसरे पर डालना। ब्रूनो भी ऐसा झूठ नहीं बोलता, उसके खिलाफ ऐसा झूठ नहीं बोलता। उसे लगा कि वो पूरी तरह से झूठा है, पूरी तरह से मनहूस। उसने अपनी सिगरेट अंगीठी में फेंक दी और अपने चेहरे पर हाथ रख लिए।

"गाइ, मुझे पूरा विश्वास है कि तुम वही कर रहे हो जो तुम्हें करना चाहिए," ऐनी की आवाज़ ने कोमल स्वर में कहा।

उसका चेहरा झूठ था, उसकी स्थिर आँखें, दृढ़ होंठ, उसके संवेदनशील हाथ। उसने झट से अपने हाथ नीचे किए और जेब में डाल लिए। "मुझे थोड़ी ब्रांडी चाहिए।"

"क्या मार्च में तुम्हारी लड़ाई चार्ल्स से ही हुई थी?" उसने बार में खड़े होकर पूछा।

इस बारे में भी झूठ बोलने का कोई कारण नहीं था, लेकिन वह ऐसा नहीं कर सका। "नहीं, ऐनी।" उसने ऐनी की तिरछी नज़र से ही समझ लिया कि उसे उस पर विश्वास नहीं है। शायद उसे लगा होगा कि उसने ब्रूनो को रोकने के लिए उससे लड़ाई की थी। शायद उसे उस पर गर्व भी था! क्या हमेशा यह सुरक्षा ज़रूरी है, जो वह चाहता भी नहीं? क्या उसके लिए सब कुछ हमेशा इतना आसान होना ज़रूरी है? लेकिन ऐनी इससे संतुष्ट नहीं होगी। वह बार-बार इस बारे में सोचती रहेगी जब तक वह उसे सच नहीं बता देता, वह जानता था।

उस शाम, गाय ने साल की पहली आग जलाई, उनके नए घर में पहली आग। ऐनी लंबे चूल्हे पर लेटी थी, उसका सिर सोफे के तकिए पर था। पतझड़ की हल्की सी उदासी भरी ठंडक हवा में फैली हुई थी, जो गाय को उदासी और बेचैन ऊर्जा से भर रही थी। यह ऊर्जा वैसी उमंग भरी नहीं थी जैसी उसकी जवानी में पतझड़ की होती थी, बल्कि उन्माद और निराशा से भरी हुई थी, मानो उसका जीवन ढल रहा हो और शायद यही उसकी आखिरी साँस हो। उसे इस बात का और क्या सबूत चाहिए था कि उसका जीवन ढल रहा है, सिवाय इसके कि उसे आगे आने वाली किसी बात का डर नहीं था? क्या जेरार्ड अब इसका अंदाज़ा नहीं लगा सकता था, यह जानते हुए कि वह और ब्रूनो ट्रेन में मिले थे? क्या एक दिन, एक रात, एक पल में उसे यह एहसास नहीं हो जाएगा, जब उसकी मोटी उंगलियाँ सिगार को उसके मुँह तक ले जाएँगी? जेरार्ड और पुलिस किस बात का इंतज़ार कर रहे थे? उसे कभी-कभी ऐसा लगता था कि जेरार्ड उन दोनों के खिलाफ हर छोटी से छोटी बात, हर एक ग्राम सबूत इकट्ठा करना चाहता है, फिर अचानक उन पर बरसाकर उन्हें तबाह कर देना चाहता है। लेकिन गाय ने सोचा, चाहे वे उसे कितना भी ध्वस्त कर

दें, वे उसकी इमारतों को ध्वस्त नहीं कर पाएंगे। और उसने एक बार फिर अपनी आत्मा का अपने शरीर से, यहाँ तक कि अपने मन से भी, अजीब और अकेला अलगाव महसूस किया।

लेकिन मान लीजिए कि ब्रूनो के साथ उसका राज़ कभी उजागर न हुआ होता? तब भी उसे अपने किए पर घोर भय और घोर निराशा के मिले-जुले पल आते, जब उसे लगता कि उस राज़ में एक जादुई अभेद्यता है। शायद, उसने सोचा, यही कारण था कि वह जेरार्ड या पुलिस से नहीं डरता था, क्योंकि उसे अब भी उस राज़ की अभेद्यता पर विश्वास था। अगर अब तक किसी ने भी, उनकी सारी लापरवाही के बावजूद, ब्रूनो के सारे इशारों के बावजूद, इसका अंदाज़ा नहीं लगाया था, तो क्या कोई ऐसी बात नहीं थी जो इसे अभेद्य बना रही थी?

ऐनी सो गई थी। वह आग की रोशनी में चांदी की तरह चमकते उसके माथे की चिकनी गोलाई को निहार रहा था। फिर उसने अपने होंठ उसके माथे पर रखे और उसे इतनी कोमलता से चूमा कि वह जाग न जाए। उसके भीतर का दर्द शब्दों में प्रकट हुआ: "मैं तुम्हें माफ करता हूँ।" वह चाहता था कि ऐनी ही ये शब्द कहे, ऐनी के अलावा कोई और नहीं।

उसके मन में, तराजू का वह पलड़ा जिस पर उसका अपराध बोध था, बुरी तरह झुका हुआ था, तराजू की क्षमता से परे, फिर भी वह लगातार दूसरे पलड़े पर आत्मरक्षा का उतना ही निराशाजनक हल्का सा भार डालता रहता था। उसने तर्क दिया कि उसने अपराध आत्मरक्षा में किया था। लेकिन वह इस बात पर पूरी तरह विश्वास करने में हिचकिचाता था। यदि वह अपने भीतर मौजूद बुराई की पूर्ण मात्रा में विश्वास करता था, तो उसे इसे व्यक्त करने की स्वाभाविक विवशता में भी विश्वास करना होगा। इसलिए, वह समय-समय पर सोचता रहता था कि क्या उसने किसी तरह अपने अपराध का आनंद लिया होगा, क्या उसे इससे कोई आदिम संतुष्टि मिली होगी—मानव जाति में युद्धों के प्रति निरंतर सहनशीलता, युद्ध होने पर उनके प्रति शाश्वत उत्साह को, हत्या में किसी आदिम आनंद के बिना, वास्तव में कैसे समझाया जा सकता है?—और क्योंकि यह सोचने की क्षमता अक्सर उत्पन्न होती थी, उसने इसे सच मान लिया कि उसने ऐसा किया था।

तैंतालीस

जिला अटॉर्नी फिल हाउलैंड, जो बिल्कुल साफ-सुथरे और दुबले-पतले थे, जेरार्ड की धुंधली आकृति की तरह ही स्पष्ट और सजीव, सिगरेट के धुएं के बीच मुस्कुराते हुए बोले, “आप उस लड़के को अकेला क्यों नहीं छोड़ देते? मैं मानता हूँ कि पहले तो मामला संदिग्ध लग रहा था। हमने उसके दोस्तों से भी पूछताछ की। जेरार्ड, कुछ नहीं मिला। और आप किसी व्यक्ति को उसके व्यक्तित्व के आधार पर गिरफ्तार नहीं कर सकते।”

जेरार्ड ने अपने पैर फिर से क्रॉस कर लिए और एक संतुष्ट मुस्कान बिखेरी। यही उसका पल था। उसकी संतुष्टि इस बात से और भी बढ़ गई थी कि वह पहले भी कम महत्वपूर्ण साक्षात्कारों के दौरान इसी तरह मुस्कुराता रहा था।

होलैंड ने टाइप किए हुए पन्ने को अपनी उंगलियों से डेस्क के किनारे तक सरकाया। "अगर आप रुचि रखते हैं तो यहाँ बारह नए नाम हैं। स्वर्गीय श्री सैमुअल के मित्र, जिनके नाम हमें बीमा कंपनियों द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं," होलैंड ने अपनी शांत, उबाऊ आवाज़ में कहा, और जेरार्ड जानता था कि वह अब विशेष रूप से उबाऊ होने का नाटक कर रहा है, क्योंकि जिला अटॉर्नी के रूप में उसके पास सैकड़ों लोग थे, वह कहीं अधिक कुशल जाल बिछा सकता था और कहीं अधिक दूर तक काम कर सकता था।

"आप इन्हें फाड़ सकते हैं," जेरार्ड ने कहा।

होलैंड ने अपनी हैरानी को मुस्कान से छुपा लिया, लेकिन अपनी गहरी, चौड़ी आँखों में अचानक उभरी जिज्ञासा को वह छिपा नहीं सका। "मुझे लगता है कि आपको अपना आदमी मिल गया है। चार्ल्स ब्रूनो, बिल्कुल।"

“बिल्कुल,” जेरार्ड हँसते हुए बोला। “बस फर्क इतना है कि मैंने उसे एक और हत्या के मामले में पकड़ रखा है।”

“सिर्फ एक? तुम तो हमेशा कहते थे कि वो चार-पांच बच्चों को संभाल सकता है।”

“मैंने ऐसा कभी नहीं कहा,” जेरार्ड ने धीमी आवाज़ में इनकार किया। वह अपने घुटनों पर रखे कई कागज़ों को सीधा कर रहा था, जिन्हें चिट्ठियों की तरह तीन हिस्सों में मोड़ा गया था।

"कौन?"

“जिज्ञासु? तुम्हें पता नहीं?” जेरार्ड ने दांतों के बीच सिगार दबाए मुस्कुराते हुए कहा। उसने एक सीधी कुर्सी खींची और उस पर अपने कागज़ फैला दिए। चाहे उसके पास कितने भी कागज़ हों, वह हॉवलैंड की मेज का इस्तेमाल कभी नहीं करता था, और हॉवलैंड अब समझ गया था कि उसे मेज देने की ज़रूरत नहीं है। जेरार्ड जानता था कि हॉवलैंड उसे व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों ही तरह से नापसंद करता था। हॉवलैंड उस पर पुलिस के साथ सहयोग न करने का आरोप लगाता था। पुलिस ने कभी उसके साथ ज़रा भी सहयोग नहीं किया था, लेकिन उनकी तमाम बाधाओं के बावजूद, जेरार्ड ने पिछले दस सालों में कई ऐसे मामले सुलझाए थे जिन पर पुलिस ने ज़रा भी ध्यान नहीं दिया था।

होलैंड उठा और अपने लंबे पतले पैरों से धीरे-धीरे जेरार्ड की ओर बढ़ा, फिर रुककर अपनी डेस्क के सामने वाले हिस्से से टिक गया। "लेकिन क्या इन सब बातों से मामले पर कोई रोशनी पड़ती है?"

“पुलिस बल की समस्या यह है कि उसकी सोच एकतरफा है,” जेरार्ड ने घोषणा की। “इस मामले में, अन्य कई मामलों की तरह, दोहरी सोच की आवश्यकता पड़ी। दोहरी सोच के बिना इसे सुलझाना संभव ही नहीं था।”

“कौन और कब?” हॉवलैंड ने आह भरी।

"क्या आपने गाइ हेन्स के बारे में कभी सुना है?"

“बिल्कुल। हमने पिछले हफ्ते उनसे पूछताछ की थी।”

“उनकी पत्नी। पिछले साल 11 जून को मेटकाफ, टेक्सास में। गला घोंटकर हत्या की थी, याद है? पुलिस इस मामले को कभी सुलझा नहीं पाई।”

“चार्ल्स ब्रूनो?” हॉवलैंड ने भौंहें चढ़ा लीं।

“क्या आपको पता था कि चार्ल्स ब्रूनो और गाय हेन्स 1 जून को दक्षिण की ओर जाने वाली एक ही ट्रेन में थे? हेन्स की पत्नी की हत्या से दस दिन पहले। अब, आप इससे क्या निष्कर्ष निकालते हैं?”

"आपका मतलब है कि वे पिछले जून से पहले एक दूसरे को जानते थे?"

नहीं, मेरा मतलब है कि वे दोनों उस ट्रेन में मिले थे। क्या आप बाकी की कहानी समझ सकते हैं? मैं आपको अधूरी कड़ी बता रहा हूँ।

जिला अटॉर्नी ने हल्की सी मुस्कान के साथ कहा, "आप कह रहे हैं कि चार्ल्स ब्रूनो ने गाय हेन्स की पत्नी की हत्या की?"

“हाँ, बिल्कुल।” जेरार्ड ने अपने कागज़ों से नज़रें उठाकर कहा, “अगला सवाल यह है कि मेरा सबूत क्या है? ये रहा। आपको जो चाहिए, सब कुछ।” उसने कागज़ों की ओर इशारा किया जो एक लंबी कतार में एक-दूसरे के ऊपर रखे थे, जैसे सॉलिटेयर के खेल में ताश के पत्ते। “नीचे से ऊपर की ओर पढ़ो।”

जब हाउलैंड पढ़ रहा था, जेरार्ड ने कोने में रखे टैंक से एक गिलास पानी निकाला और अपनी सिगार में से एक और सिगार जलाई। चार्ल्स के मेटकाफ स्थित टैक्सी ड्राइवर का आखिरी बयान आज सुबह आया था। उसने अभी तक एक घूंट भी नहीं पिया था, लेकिन हाउलैंड से विदा होते ही, आयोवा जाने वाली ट्रेन के लाउंज में, वह तीन-चार घूंट पीने वाला था।

इन दस्तावेजों में होटल ला फोंडा के बेलहॉप (घोड़ों की देखभाल करने वाले कर्मचारी), एडवर्ड विल्सन (जिन्होंने मिरियम हेन्स की हत्या वाले दिन चार्ल्स को सांता फे स्टेशन से पूर्व की ओर जाने वाली ट्रेन में जाते देखा था), मेटकाफ के टैक्सी ड्राइवर (जिन्होंने चार्ल्स को लेक मेटकाफ स्थित किंगडम ऑफ फन एम्यूजमेंट पार्क तक पहुंचाया था), उस रोडहाउस के बारमैन (जहां चार्ल्स ने शराब लेने की कोशिश की थी) और मेटकाफ को किए गए लंबी दूरी के फोन बिलों के हस्ताक्षरित बयान शामिल थे।

"लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि आप यह पहले से ही जानते होंगे," जेरार्ड ने टिप्पणी की।

"जहाँ, अधिकतर," हॉवलैंड ने शांत भाव से उत्तर दिया, और अभी भी पढ़ रहा था।

“तुम्हें पता था ना कि उसने उस दिन मेटकाफ तक चौबीस घंटे का सफर किया था?” जेरार्ड ने पूछा, लेकिन वो इतने खुश थे कि व्यंग्य कर ही नहीं पाए। “उस टैक्सी ड्राइवर को ढूंढना वाकई मुश्किल था। हमें उसका पीछा करते हुए सिएटल तक जाना पड़ा, लेकिन जब वो मिल गया, तो उसे याद करने में ज़रा भी मशक्कत नहीं करनी पड़ी। चार्ल्स ब्रूनो जैसे नौजवान को लोग भूलते नहीं।”

"तो आप कह रहे हैं कि चार्ल्स ब्रूनो को हत्या का इतना शौक है," होवलैंड ने मज़ाकिया अंदाज़ में कहा, "कि वह एक ऐसे आदमी की पत्नी की हत्या कर देता है जिससे वह एक हफ्ते पहले ट्रेन में मिला था? एक ऐसी महिला जिसे उसने कभी देखा भी नहीं था? या क्या उसने उसे देखा था?"

जेरार्ड फिर हँस पड़ा। “बेशक उसने ऐसा नहीं किया होगा। मेरे चार्ल्स के पास एक योजना थी।” “मेरा” शब्द गलती से निकल गया, लेकिन जेरार्ड को कोई फर्क नहीं पड़ा। “क्या तुम्हें यह दिखाई नहीं दे रहा? बिलकुल साफ है? और यह तो बस आधी बात है।”

"बैठ जाओ, जेरार्ड, तुम खुद को इतना थका लोगे कि तुम्हें दिल का दौरा पड़ जाएगा।"

“तुम इसे देख नहीं सकते। क्योंकि तुम चार्ल्स के व्यक्तित्व को नहीं जानते थे और न ही जानते हो। तुम्हें इस बात में कोई दिलचस्पी नहीं थी कि वह अपना अधिकांश समय तरह-तरह के सुनियोजित अपराधों की योजना बनाने में बिताता है।”

"ठीक है, आपकी बाकी थ्योरी क्या है?"

“गाइ हेन्स ने सैमुअल ब्रूनो की हत्या की।”

“आह!” हॉवलैंड कराह उठा।

हाउलैंड ने जब से सालों पहले एक मामले में गलती की थी, तब से जेरार्ड को जो मुस्कान दी थी, उसे देखकर जेरार्ड ने भी मुस्कुरा दिया। "मैंने अभी तक गाइ हेन्स की जाँच पूरी नहीं की है," जेरार्ड ने जानबूझकर भोलेपन से कहा और सिगार का कश लेता रहा। "मैं आराम से काम करना चाहता हूँ, और मैं यहाँ इसीलिए आया हूँ ताकि आप भी मेरे साथ आराम से रहें। मुझे नहीं पता था कि आप चार्ल्स को पकड़ लेंगे, क्योंकि आपके पास उसके खिलाफ सारी जानकारी है।"

होलैंड ने अपनी काली मूंछों को संवारा। "आप जो कुछ भी कह रहे हैं, उससे मेरा यह विश्वास पुष्ट होता है कि आपको लगभग पंद्रह साल पहले ही सेवानिवृत्त हो जाना चाहिए था।"

"ओह, मैंने पिछले पंद्रह वर्षों में कुछ मामले सुलझाए हैं।"

“गाय हेन्स जैसा आदमी?” हॉवलैंड फिर हँस पड़ा।

“चार्ल्स जैसे आदमी के खिलाफ? ध्यान रहे, मैं यह नहीं कह रहा कि गाय हेन्स ने यह अपनी मर्जी से किया। चार्ल्स ने बिना मांगे उसे उसकी पत्नी से छुटकारा दिलाने का एहसान किया था, जिसके लिए उसे मजबूर किया गया था। चार्ल्स को औरतों से नफरत है,” उसने बीच में कहा। “यह चार्ल्स की योजना थी। अदला-बदली। कोई सुराग नहीं, आप देख रहे हैं। कोई मकसद नहीं। ओह, मैं उसे सुन सकता हूँ! लेकिन चार्ल्स भी इंसान है। वह गाय हेन्स में इतना दिलचस्पी ले रहा था कि बाद में उसे अकेला नहीं छोड़ सका। और गाय हेन्स इतना डरा हुआ था कि कुछ कर नहीं सका। हाँ—” जेरार्ड ने जोर देने के लिए अपना सिर झटका और उसके गाल हिल गए—“हेन्स को मजबूर किया गया था। शायद यह बात कोई कभी नहीं जान पाएगा।”

जेरार्ड की गंभीरता देखकर हाउलैंड की मुस्कान क्षण भर के लिए गायब हो गई। कहानी में संभावना बहुत कम थी, लेकिन फिर भी संभावना तो थी ही। "हम्म-म।"

"जब तक वह हमें नहीं बताता," जेरार्ड ने आगे कहा।

और आप उससे सच उगलवाने के लिए क्या करने का इरादा रखते हैं?

“ओह, हो सकता है वो कबूल कर ले। ये बात उसे परेशान कर रही है। लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ, तो उसे तथ्यों से रूबरू कराओ। मेरे आदमी इन्हें इकट्ठा करने में लगे हैं। एक बात, हाउलैंड—” जेरार्ड ने कुर्सी पर रखे अपने कागजों की ओर उंगली से इशारा किया। “जब तुम और तुम्हारी—तुम्हारी गुंडों की फौज इन बयानों की जांच करने जाओ, तो गाइ हेन्स की मां से पूछताछ मत करना। मैं नहीं चाहता कि हेन्स को पहले से पता चल जाए।”

“ओह। मिस्टर हेन्स के लिए चूहे-बिल्ली का खेल,” हाउलैंड मुस्कुराया। वह एक मामूली मामले पर फ़ोन करने के लिए मुड़ा, और जेरार्ड इंतज़ार करता रहा, उसे इस बात का बुरा लग रहा था कि उसे अपनी जानकारी हाउलैंड को देनी पड़ रही है, कि उसे चार्ल्स-गाय हेन्स का तमाशा छोड़कर जाना पड़ रहा है। “अच्छा—” हाउलैंड ने एक लंबी साँस छोड़ी—“आप मुझसे क्या चाहते हैं, क्या मैं आपके छोटे लड़के को इन सब बातों से बहलाऊँ? क्या आपको लगता है कि वह टूट जाएगा और अपने उस शानदार प्लान के बारे में सब कुछ बता देगा जो उसने गाय हेन्स, यानी उस योजना के सूत्रधार के साथ मिलकर बनाया था?”

“नहीं, मैं नहीं चाहता कि उसे परेशान किया जाए। मुझे साफ़-सुथरे काम पसंद हैं। मुझे हेन्स की जाँच पूरी करने के लिए कुछ और दिन या शायद कुछ हफ़्ते चाहिए, फिर मैं उन दोनों का सामना करूँगा। मैं आपको चार्ल्स के बारे में यह जानकारी इसलिए दे रहा हूँ, क्योंकि जहाँ तक उन्हें पता है, मैं अब इस मामले से व्यक्तिगत रूप से अलग हूँ। मैं छुट्टियों के लिए आयोवा जा रहा हूँ, सचमुच, और मैं चार्ल्स को यह बता दूँगा।” जेरार्ड के चेहरे पर एक बड़ी मुस्कान खिल उठी।

"लड़कों को रोकना मुश्किल होगा," होलैंड ने अफसोस जताते हुए कहा, "खासकर गाय हेन्स के खिलाफ सबूत जुटाने में लगने वाले पूरे समय को देखते हुए।"

“वैसे—” जेरार्ड ने अपनी टोपी उठाई और उसे हॉवलैंड की ओर हिलाया। “तुम इससे चार्ल्स को नहीं हरा सकते, लेकिन मैं इस समय जो मेरे पास है उससे गाइ हेन्स को हरा सकता हूँ।”

"ओह, आपका मतलब है कि हम गाइ हेन्स को नहीं पकड़ पाए?"

जेरार्ड ने उसे बड़े ही तिरस्कार भरे लहजे में देखा। "लेकिन तुम उसे हराने में दिलचस्पी नहीं रखते, है ना? तुम्हें नहीं लगता कि वह सही आदमी है।"

"जेरार्ड, छुट्टी का आनंद लो!"

जेरार्ड ने व्यवस्थित ढंग से अपने कागजात समेटे और उन्हें जेब में रखने लगा।

मुझे लगा था कि तुम इन्हें छोड़ दोगे।

“ओह, अगर आपको लगता है कि आपको इनकी ज़रूरत पड़ेगी तो ठीक है।” जेरार्ड ने विनम्रतापूर्वक कागजात पेश किए और दरवाजे की ओर मुड़ गया।

"क्या आप मुझे बता सकते हैं कि आपके पास ऐसा क्या है जिससे गाइ हेन्स का दिल टूट जाएगा?"

जेरार्ड ने अपने गले से तिरस्कार भरी आवाज निकाली। "वह आदमी अपराधबोध से व्याकुल है," उसने कहा और बाहर चला गया।

चौवालीस

“तुम्हें पता है, पूरी दुनिया में,” ब्रूनो ने कहा, और उसकी आँखों में आँसू आ गए, इसलिए उसे अपने पैरों के नीचे रखे लंबे चूल्हे के पत्थर की ओर देखना पड़ा, “आज

रात मैं यहाँ के अलावा कहीं और नहीं रहना चाहता, ऐनी।" उसने अपनी कोहनी को बड़े ही चंचल अंदाज़ में ऊँचे मेंटलपीस पर टिका दिया।

"आपका यह कहना बहुत अच्छा लगा," ऐनी मुस्कुराई और पिघले हुए पनीर और एंकोवी से बने कैनपेस की प्लेट को सौ डॉलर वाली मेज पर रख दिया। "गरमागरम ही इनका स्वाद लीजिए।"

ब्रूनो ने एक गिलास उठाया, हालाँकि वह जानता था कि वह उसे निगल नहीं पाएगा। मेज सुंदर लग रही थी, दो लोगों के लिए सजी हुई थी, जिसमें ग्रे रंग का लिनेन और बड़ी-बड़ी ग्रे प्लेटें थीं। जेरार्ड छुट्टी पर गया हुआ था। उसे और गाय को बुरी तरह हरा दिया गया था, और उसका दिमाग पूरी तरह से खराब हो गया था! उसने सोचा, अगर ऐनी गाय की न होती, तो शायद वह उसे चूमने की कोशिश करता। ब्रूनो थोड़ा सीधा खड़ा हुआ और अपनी कलाई की कफ़ ठीक की। ऐनी के साथ एक आदर्श सज्जन होने पर उसे बहुत गर्व था। "तो गाय को लगता है कि उसे वहाँ मज़ा आएगा?" ब्रूनो ने पूछा। गाय अब कनाडा में था, अल्बर्टा के बड़े बांध पर काम कर रहा था। "मुझे खुशी है कि ये सारे बेवकूफी भरे सवाल-जवाब खत्म हो गए, इसलिए काम करते समय उसे इसकी चिंता नहीं करनी पड़ेगी। आप समझ सकते हैं कि मुझे कैसा लग रहा है। जैसे जश्न मना रहा हूँ!" वह हँसा, मुख्य रूप से अपनी बात को हल्के में कहने पर।

ऐनी, मेंटलपीस के पास खड़े उस लंबे, बेचैन कद-काठी वाले व्यक्ति को घूरती रही और सोचने लगी कि क्या गाय, अपनी नफ़रत के बावजूद, उसके प्रति वही आकर्षण महसूस करता है जो वह करती है। हालाँकि, उसे अब भी यह नहीं पता था कि चार्ल्स ब्रूनो अपने पिता की हत्या करवाने में सक्षम था या नहीं, और उसने अपना मन बनाने के लिए पूरा दिन उसके साथ बिताया था। कुछ सवालों के जवाब वह मज़ाकिया अंदाज़ में टाल देता था, जबकि कुछ के जवाब वह गंभीरता और सावधानी से देता था। वह मिरियम से इतनी नफ़रत करता था मानो उसे जानता हो। ऐनी को यह जानकर हैरानी हुई कि गाय ने उसे मिरियम के बारे में इतनी सारी बातें बताई थीं।

"तुमने किसी को यह क्यों नहीं बताया कि तुम्हारी मुलाकात ट्रेन में गाय से हुई थी?" ऐनी ने पूछा।

“मुझे कोई आपत्ति नहीं थी। मैंने बस पहले मज़ाक में ये गलती कर दी कि कहा कि हम स्कूल में मिले थे। फिर सारे सवाल उठने लगे और जेरार्ड ने इसे बहुत बड़ा मुद्दा बना दिया। शायद इसलिए क्योंकि ये बात अच्छी नहीं लग रही थी। मिरियम की हत्या उसके तुरंत बाद ही हो गई थी, आप जानते ही हैं। मुझे लगता है कि मिरियम की मौत की जांच में गाय ने जिस तरह से किसी ऐसे व्यक्ति को घसीटा जिसे वो बस यूं ही मिला था, ये बहुत अच्छी बात थी।” वो ज़ोर से हँसा और कुर्सी पर बैठ गया। “ऐसा नहीं है कि मैं कोई संदिग्ध व्यक्ति हूँ!”

लेकिन इसका आपके पिता की मृत्यु के बारे में पूछताछ से कोई लेना-देना नहीं था।

“बिल्कुल नहीं। लेकिन जेरार्ड तर्क पर बिल्कुल ध्यान नहीं देता। उसे तो आविष्कारक बनना चाहिए था!”

ऐनी ने माथे पर शिकन डाली। उसे यकीन नहीं हो रहा था कि गाय चार्ल्स की कहानी पर सिर्फ इसलिए यकीन कर लेगा क्योंकि सच बोलना बुरा लगता, या फिर इसलिए कि चार्ल्स ने ट्रेन में उससे कहा था कि वह अपने पिता से नफरत करता है। उसे गाय से दोबारा पूछना होगा। उससे बहुत कुछ पूछना बाकी था। उदाहरण के लिए, चार्ल्स की मिरियम के प्रति दुश्मनी के बारे में, जबकि उसने उसे कभी देखा भी नहीं था। ऐनी रसोई में चली गई।

ब्रूनो अपना पेय लेकर सामने वाली खिड़की तक टहलते हुए गया और काले आसमान में लाल और हरी बत्तियाँ जलाते हुए एक विमान को देखने लगा। उसे लगा जैसे कोई व्यायाम कर रहा हो, उंगलियाँ कंधों पर रखकर बाहें फैला रहा हो। उसने सोचा, काश गाय भी उसी विमान में घर आ रहा होता। उसने अपनी नई घड़ी के हल्के गुलाबी डायल को देखा और समय देखने से पहले फिर सोचा कि गाय को शायद ऐसी घड़ी पसंद आएगी, क्योंकि इसका डिज़ाइन आधुनिक है। बस तीन घंटे और, और उसे ऐनी के साथ चौबीस घंटे, यानी पूरा एक दिन हो जाएगा। पिछली शाम उसने फ़ोन करने के बजाय गाड़ी से ही वहाँ जाने का फैसला किया था, और इतनी देर हो गई थी कि ऐनी ने उसे रात वहीं बिताने के लिए बुला लिया था। वह उस गेस्ट रूम में सोया था जहाँ उसे पार्टी वाली रात ठहराया गया था, और सोने से पहले ऐनी उसके लिए गरमा गरम सूप लाई थी। ऐनी उसके साथ बहुत प्यार से पेश

आती थी, और वह उससे बहुत प्यार करता था! वह अपनी एड़ी पर घूमा और देखा कि ऐनी रसोई से प्लेटें लेकर आ रही है।

"गाइ तुम्हें बहुत पसंद करता है, तुम्हें पता है ना," ऐनी ने रात के खाने के दौरान कहा।

ब्रूनो ने उसकी ओर देखा, मानो वह भूल चुका था कि वे किस बारे में बात कर रहे थे। “उसके लिए मैं कुछ भी कर सकता हूँ! मुझे उससे एक गहरा जुड़ाव महसूस होता है, जैसे एक भाई से। शायद इसलिए क्योंकि ट्रेन में हमारी मुलाकात के ठीक बाद ही उसके साथ सब कुछ घटने लगा।” और हालाँकि उसने शुरुआत में मज़ाकिया और थोड़ा समलैंगिक जैसा व्यवहार किया था, लेकिन गाय के लिए उसकी सच्ची भावनाओं की गंभीरता उस पर हावी हो गई। उसने पास ही रखी एक छोटी मेज़ पर गाय के पाइपों के रैक को छुआ। उसका दिल ज़ोर से धड़क रहा था। भरवां आलू स्वादिष्ट था, लेकिन उसने एक और निवाला खाने की हिम्मत नहीं की। न ही रेड वाइन। उसे फिर से रात वहीं बिताने की इच्छा हुई। अगर उसकी तबीयत ठीक नहीं होती, तो क्या वह आज रात फिर से नहीं रुक सकता था? दूसरी ओर, नया घर ऐनी के अनुमान से कहीं ज़्यादा पास था। शनिवार को वह एक बड़ी पार्टी दे रहा था। “तुम्हें यकीन है कि गाय इस सप्ताहांत वापस आ जाएगा?” उसने पूछा।

“उन्होंने ऐसा कहा।” ऐनी सोच-विचार करते हुए अपना हरा सलाद खा रही थी। “मुझे नहीं पता कि उन्हें पार्टी में जाने का मन होगा या नहीं। जब वे काम कर रहे होते हैं, तो आमतौर पर उन्हें नाव की सवारी से ज्यादा ध्यान भटकाने वाली कोई भी चीज पसंद नहीं आती।”

मुझे नाव में सैर करना अच्छा लगेगा। अगर आपको साथ चलने में कोई आपत्ति न हो तो।

“चलिए।” तभी उसे याद आया, चार्ल्स पहले ही इंडिया जहाज पर जा चुका था, गाय के साथ खुद ही चला गया था, तोप के वाइल को नुकसान पहुँचाया था, और अचानक वह उलझन में पड़ गई, जैसे उसे धोखा दिया गया हो, मानो किसी चीज़ ने उसे अब तक याद आने से रोक रखा हो। और वह सोचने लगी, चार्ल्स शायद कुछ भी कर सकता है, भयानक काम, और उसी मासूमियत भरी अदा और उसी शर्मीली मुस्कान से सबको बेवकूफ बना सकता है। सिवाय जेरार्ड के। हाँ, उसने

अपने पिता की हत्या करवाई हो सकती है। अगर मुमकिन न होता तो जेरार्ड इस बारे में सोचता भी नहीं। वह शायद एक हत्यारे के सामने बैठी है। जैसे ही वह उठी, उसे थोड़ा डर लगा, वह कुछ ज़्यादा ही अचानक उठी जैसे भाग रही हो, और खाने की प्लेटें हटा दीं। और मिरियम के प्रति अपनी नफरत के बारे में बात करते हुए उसका क्रूर, निर्दयी आनंद। ऐनी ने सोचा, उसे उसे मारने में मज़ा आया होगा। एक नाजुक सा शक कि उसने उसे मार डाला होगा, हवा में उड़ते सूखे पत्ते की तरह उसके मन में कौंधा।

"तो गाय से मिलने के बाद तुम सांता फ़े चली गईं?" उसने रसोई से लगभग हकलाते हुए पूछा।

“हम्म।” ब्रूनो एक बार फिर उस बड़ी हरी कुर्सी पर गहरी नींद में बैठा था।

ऐनी से एक छोटी चम्मच गिर गई और फर्श पर ज़ोरदार आवाज़ हुई। उसे अजीब लगा कि चार्ल्स से कुछ भी कहा जाए या उससे कुछ भी पूछा जाए, उसे कोई फर्क नहीं पड़ता था। कोई भी बात उसे चौंका नहीं सकती थी। लेकिन उससे बात करना आसान होने के बजाय, यही बात उसे परेशान कर रही थी और उसका ध्यान भटका रही थी।

"क्या आप कभी मेटकाफ गए हैं?" उसने अपनी ही आवाज को दीवार के दूसरी तरफ से आते हुए सुना।

“नहीं,” ब्रूनो ने जवाब दिया। “नहीं, मैं हमेशा से ऐसा करना चाहता था। क्या तुम चाहते थे?”

ब्रूनो शेल्फ पर बैठकर अपनी कॉफी की चुस्की ले रहा था। ऐनी सोफे पर बैठी थी, उसका सिर पीछे की ओर झुका हुआ था, जिससे उसकी पोशाक के छोटे से झालरदार कॉलर के ऊपर उसके गले का घुमाव ही उसके शरीर का सबसे हल्का हिस्सा लग रहा था। ब्रूनो को याद आया कि गाय ने एक बार कहा था, "ऐनी मेरे लिए प्रकाश के समान है। अगर वह ऐनी का भी गला घोंट सकता, तो गाय और वह सचमुच एक साथ हो सकते थे।" ब्रूनो ने खुद पर भौंहें चढ़ाईं, फिर हँसा और अपने पैरों पर थोड़ा हिल गया।

"इसमें हंसने की क्या बात है?"

“बस सोच रहा था,” वह मुस्कुराया। “मैं गाइ की उस बात के बारे में सोच रहा था जो वह हमेशा कहता है, हर चीज़ के दोहरेपन के बारे में। मतलब, सकारात्मक और नकारात्मक, साथ-साथ। हर निर्णय के विरुद्ध कोई न कोई कारण होता है।” अचानक उसने महसूस किया कि उसकी साँसें तेज़ हो रही हैं।

"आपका मतलब है कि हर बात के दो पहलू होते हैं?"

“अरे नहीं, ये तो बहुत आसान है!” औरतें कभी-कभी सचमुच बहुत अशिष्ट होती हैं! “लोग, भावनाएँ, सब कुछ! दोहरा! हर इंसान में दो लोग होते हैं। तुम्हारे ठीक विपरीत भी एक इंसान होता है, जैसे तुम्हारा अनदेखा हिस्सा, दुनिया में कहीं, और वो घात लगाकर बैठा रहता है।” गाय के शब्दों को दोहराना उसे रोमांचित कर रहा था, हालाँकि उसे ये शब्द सुनना पसंद नहीं था, उसे याद आया, क्योंकि गाय ने कहा था कि वे दोनों लोग एक-दूसरे के जानी दुश्मन हैं, और गाय का मतलब उससे और खुद से था।

ऐन ने सोफे के पीछे से धीरे से अपना सिर उठाया। यह आवाज़ गाइ की आवाज़ जैसी लग रही थी, जबकि गाइ ने उससे कभी ऐसा नहीं कहा था। ऐन को पिछली बसंत ऋतु में लिखे उस बिना हस्ताक्षर वाले पत्र की याद आई। चार्ल्स ने ही लिखा होगा। गाइ ने घात लगाकर हमला करने की बात करते समय चार्ल्स का ही ज़िक्र किया होगा। चार्ल्स के अलावा कोई और ऐसा नहीं था जिसके प्रति गाइ ने इतनी हिंसक प्रतिक्रिया दी हो। निश्चित रूप से चार्ल्स ही वह व्यक्ति था जो कभी घृणा तो कभी भक्ति भाव रखता था।

“यह सब अच्छाई और बुराई का मामला नहीं है, लेकिन इसका सबसे अच्छा रूप कर्मों में ही दिखता है,” ब्रूनो ने खुशी-खुशी आगे कहा। “वैसे, मुझे गाय को भिखारी को हज़ार डॉलर देने के बारे में बताना नहीं भूलना चाहिए। मैंने हमेशा कहा था कि जब मेरे पास अपना पैसा होगा, तो मैं एक भिखारी को हज़ार डॉलर दूंगा। खैर, मैंने दिया भी, लेकिन आपको लगता है कि उसने मुझे धन्यवाद दिया? मुझे उसे यह साबित करने में बीस मिनट लग गए कि पैसा असली है! मुझे बैंक से सौ डॉलर निकालकर उसके लिए तुड़वाने पड़े! फिर उसने ऐसा व्यवहार किया जैसे वह मुझे पागल समझ रहा हो!” ब्रूनो ने नीचे देखा और अपना सिर हिलाया। उसने सोचा था कि यह एक यादगार अनुभव होगा, और फिर अगली बार जब वह उसे

देखेगा तो वह कमीना उस पर बुरी तरह से नाराज़ दिखेगा—वह अभी भी उसी गली के कोने पर भीख मांग रहा होगा—क्योंकि उसने उसे एक और हज़ार डॉलर नहीं दिए थे! “वैसे भी मैं यही कह रहा था—”

“अच्छाई और बुराई के बारे में,” ऐनी ने कहा। वह उससे घृणा करती थी। वह जानती थी कि गाय अब उसके बारे में क्या सोचता है। लेकिन उसे अभी तक यह नहीं पता था कि गाय उसे क्यों बर्दाश्त करता है।

“ओह। अच्छा, ये सब बातें कर्मों में सामने आ जाती हैं। लेकिन उदाहरण के लिए, हत्यारे। गाय कहता है, उन्हें अदालतों में सजा देने से वे सुधर नहीं जाएँगे। हर इंसान खुद अपनी अदालत है और खुद को ही काफी सजा देता है। असल में, गाय के लिए हर इंसान ही सब कुछ है!” वह हँसा। वह इतना तनाव में था कि अब उसका चेहरा ठीक से देख भी नहीं पा रहा था, लेकिन वह उसे वो सब कुछ बताना चाहता था जो उसने और गाय ने कभी बात की थी, यहाँ तक कि वो आखिरी छोटा सा राज़ भी जो वह उसे नहीं बता पाया था।

“जिन लोगों में अंतरात्मा नहीं होती, वे खुद को दंडित नहीं करते, है ना?” ऐनी ने पूछा।

ब्रूनो ने छत की ओर देखा। “यह सच है। कुछ लोग इतने मूर्ख होते हैं कि उनमें ज़मीर नहीं होता, कुछ इतने दुष्ट। आम तौर पर मूर्ख ही पकड़े जाते हैं। लेकिन गाय की पत्नी और मेरे पिता के दो हत्यारों को ही ले लो।” ब्रूनो ने गंभीर दिखने की कोशिश की। “वे दोनों ही काफी बुद्धिमान लोग रहे होंगे, क्या आपको ऐसा नहीं लगता?”

"तो क्या उनमें अंतरात्मा है और वे पकड़े जाने के लायक नहीं हैं?"

“अरे, मैं ऐसा नहीं कहता। बिलकुल नहीं! लेकिन ये मत सोचो कि उन्हें थोड़ी तकलीफ नहीं हो रही है। उनके अपने अंदाज़ में!” वो फिर हँस पड़ा, क्योंकि वो इतना परेशान था कि उसे समझ ही नहीं आ रहा था कि वो क्या कहना चाह रहा है। “वो सिर्फ़ पागल नहीं थे, जैसा कि गाइ की पत्नी के हत्यारे के बारे में कहा जा रहा था। इससे पता चलता है कि अधिकारियों को असली अपराध विज्ञान की कितनी कम जानकारी है। ऐसे अपराध के लिए योजना बनानी पड़ती है।” अचानक उसे याद आया कि उसने उस अपराध की योजना तो बिल्कुल नहीं बनाई थी, लेकिन

उसने अपने पिता की हत्या की योजना ज़रूर बनाई थी, जिससे उसकी बात अच्छी तरह से साबित हो जाती है। “क्या बात है?”

ऐनी ने अपनी ठंडी उंगलियों को अपने माथे पर रखा। "कुछ नहीं।"

ब्रूनो ने गाय द्वारा चिमनी के किनारे बनाए गए बार में उसके लिए एक हाईबॉल बनाई। ब्रूनो अपने घर के लिए भी बिल्कुल वैसा ही बार चाहता था।

"पिछले मार्च में गाय के चेहरे पर वो खरोंचें कहाँ से आईं?"

“कौन से खरोंच?” ब्रूनो उसकी ओर मुड़ा। गाय ने उसे बताया था कि उसे खरोंचों के बारे में पता नहीं था।

"सिर्फ खरोंचें ही नहीं थीं। गहरे घाव थे। और उसके सिर पर चोट का निशान भी था।"

मैंने उन्हें नहीं देखा।

“उसने तुमसे लड़ाई की थी, है ना?” चार्ल्स ने अपनी आँखों में एक अजीब सी गुलाबी चमक लिए उसे घूरा। वह अब मुस्कुराने की हिम्मत नहीं कर पा रही थी। उसे यकीन था। उसे लगा कि चार्ल्स कमरे के उस पार दौड़कर उस पर हमला करने वाला है, लेकिन उसने अपनी नज़रें चार्ल्स पर ही टिकाए रखीं। उसने सोचा, अगर उसने जेरार्ड को बताया, तो लड़ाई चार्ल्स के हत्या की जानकारी होने का सबूत बन जाएगी। तभी उसने देखा कि चार्ल्स की मुस्कान फीकी पड़ गई।

“नहीं!” वह हँसा। वह बैठ गया। “उसने कहाँ कहा कि उसे खरोंचें लगीं? वैसे भी मैंने उसे मार्च में नहीं देखा था। मैं तब शहर से बाहर था।” वह खड़ा हो गया। अचानक उसके पेट में अजीब सी बेचैनी होने लगी, और यह सवालों की वजह से नहीं, बल्कि उसके पेट की वजह से था। लगता है अब उसे फिर से दौरा पड़ सकता है। या कल सुबह। उसे बेहोश नहीं होना चाहिए, सुबह ऐनी को यह नहीं दिखाना चाहिए! “मुझे जल्दी जाना चाहिए,” उसने धीरे से कहा।

“क्या बात है? क्या आपकी तबीयत ठीक नहीं है? आपका चेहरा थोड़ा पीला पड़ गया है।”

वह सहानुभूति नहीं दिखा रही थी। वह उसकी आवाज़ से समझ गया। उसकी माँ के अलावा, भला कौन सी औरत सहानुभूति दिखाती है? "बहुत-बहुत धन्यवाद, ऐनी, पूरे दिन के लिए।"

उसने उसे उसका कोट पकड़ा दिया, और वह लड़खड़ाते हुए दरवाजे से बाहर निकला, दांत पीसते हुए फुटपाथ पर खड़ी अपनी कार की ओर लंबी पैदल यात्रा शुरू की।

कुछ घंटों बाद जब गाय घर लौटा तो घर में अंधेरा था। उसने बैठक में इधर-उधर देखा, दिल के आकार के तकिये पर सिगरेट का टुकड़ा घिसा हुआ था, साइड टेबल पर पाइप रखने का रैक टेढ़ा पड़ा था, और सोफे पर रखे छोटे तकिये में गड्ढा था। वहाँ एक अजीब सी अव्यवस्था थी जो न तो ऐनी और टेडी ने पैदा की थी, न क्रिस ने, न ही हेलेन हेबर्न ने। क्या उसे यह सब पता नहीं था?

वह दौड़कर मेहमान कमरे में गया। ब्रूनो वहाँ नहीं था, लेकिन उसने बिस्तर की मेज़ पर अख़बारों का एक मुड़ा हुआ बंडल और उसके बगल में दस सेंट और दो सेंट के सिक्के देखे। खिड़की पर भोर की रोशनी आ रही थी, मानो कोई भोर हो रही हो। उसने खिड़की से मुंह फेर लिया और उसकी रुकी हुई साँस सिसकी बनकर निकल गई। ऐनी ने उसके साथ ऐसा करके क्या मतलब निकाला? अब, जब यह असहनीय था—जब उसका आधा हिस्सा कनाडा में था और आधा यहाँ, ब्रूनो की जकड़ में फँसा हुआ, और पुलिस उसका पीछा नहीं कर रही थी। पुलिस ने उसे थोड़ी राहत तो दी थी! लेकिन अब हद हो चुकी थी। अब और बर्दाश्त करना मुश्किल था।

वह शयनकक्ष में गया और ऐनी के बगल में घुटनों के बल बैठ गया और उसे जगाने के लिए धीरे-धीरे, कठोरता से चूमने लगा, जब तक कि उसने महसूस नहीं किया कि ऐनी की बाहें उसके चारों ओर कस गई हैं। उसने अपना चेहरा ऐनी के सीने पर बिछी चादरों की मुलायम तहों में छिपा लिया। ऐसा लग रहा था मानो उसके चारों ओर, उन दोनों के चारों ओर, एक भयानक तूफान चल रहा हो, और ऐनी ही एकमात्र स्थिर बिंदु थी, उसके केंद्र में, और उसकी साँसों की लय ही एक स्वस्थ दुनिया में सामान्य धड़कन का एकमात्र संकेत थी। उसने आँखें बंद करके अपने कपड़े उतार दिए।

"मुझे तुम्हारी बहुत याद आई," ये शब्द ऐनी ने सबसे पहले कहे।

गाय अपने बाथरोब की जेबों में मुट्ठी डाले बिस्तर के पास खड़ा था। तनाव अभी भी उसके भीतर था, और ऐसा लग रहा था मानो सारा तूफान उसके अंदर ही

सिमट गया हो। "मैं यहाँ तीन दिन रहूँगा। क्या तुम्हें मेरी याद आई?"

ऐनी बिस्तर पर कुछ इंच ऊपर सरक गई। "तुम मुझे ऐसे क्यों देख रहे हो?"

उस व्यक्ति ने कोई जवाब नहीं दिया।

"मैंने उसे सिर्फ एक बार देखा है, गाइ।"

"तुमने उससे मिलने की ज़रूरत ही क्यों समझी?"

“क्योंकि—” गाय ने देखा कि उसके गाल उसके कंधे पर लगे निशान की तरह गुलाबी हो गए थे। उसकी दाढ़ी उसके कंधे पर लग गई थी। उसने उससे पहले कभी इस तरह बात नहीं की थी। और जिस तरह से वह उसे तर्कसंगत जवाब देने वाली थी, उससे उसका गुस्सा और बढ़ गया। “क्योंकि वह आया था—”

“वह हमेशा आता है। वह हमेशा फोन करता है।”

"क्यों?"

“वह यहीं सोया था!” गाय अचानक बोल पड़ा, फिर उसने ऐनी के सिर के हल्के से उठने और पलकों के फड़कने से उसके चेहरे पर आई झिलमिलाहट देखी।

“हाँ। परसों रात,” उसकी स्थिर आवाज़ ने उसे चुनौती देते हुए कहा। “वह देर से आया था, और मैंने उसे रात रुकने के लिए कहा था।”

कनाडा में उसके मन में यह ख्याल आया था कि ब्रूनो शायद ऐनी के करीब आने की कोशिश करे, सिर्फ इसलिए कि वह उसकी थी, और ऐनी शायद उसे बढ़ावा दे, सिर्फ इसलिए कि वह वह सब जानना चाहती थी जो उसने उसे नहीं बताया था। ऐसा नहीं था कि ब्रूनो बहुत आगे बढ़ जाता, लेकिन ऐनी के हाथ पर उसके हाथ का स्पर्श, ऐनी की सहमति का ख्याल, और जिस वजह से वह सहमति देती, ये सब बातें उसे परेशान कर रही थीं। "और वह कल शाम यहाँ था?"

“इससे आपको इतनी परेशानी क्यों होती है?”

क्योंकि वह खतरनाक है। वह आधा पागल है।

“मुझे नहीं लगता कि यही वजह है कि वो तुम्हें परेशान करता है,” ऐनी ने उसी धीमी और स्थिर आवाज़ में कहा। “मुझे समझ नहीं आता कि तुम उसका बचाव क्यों करते हो, गाय। मुझे समझ नहीं आता कि तुम ये क्यों नहीं मानते कि उसी ने मुझे वो चिट्ठी लिखी थी और उसी ने मार्च में तुम्हें लगभग पागल कर दिया था।”

गाइ अपराधबोध से अकड़ गया। ब्रूनो का बचाव, उसने सोचा, हमेशा ब्रूनो का बचाव! वह जानता था कि ब्रूनो ने ऐनी को पत्र भेजने की बात स्वीकार नहीं की थी। बात बस इतनी थी कि ऐनी, जेरार्ड की तरह, अलग-अलग तथ्यों के साथ, टुकड़ों को जोड़ रही थी। जेरार्ड ने हार मान ली थी, लेकिन ऐनी कभी हार नहीं मानेगी। ऐनी अमूर्त टुकड़ों के साथ काम करती थी, और यही अमूर्त टुकड़े पूरी तस्वीर बनाते थे। लेकिन उसके पास अभी तक पूरी तस्वीर नहीं थी। इसमें समय लगेगा, थोड़ा और समय, और उसे तड़पाने के लिए थोड़ा और समय! वह थकी हुई, भारी-भारी मुद्रा में खिड़की की ओर मुड़ा, इतना बेजान कि अपना चेहरा ढकने या सिर झुकाने की भी हिम्मत नहीं हुई। उसे ऐनी से यह पूछने की परवाह नहीं थी कि कल उसने और ब्रूनो ने क्या बात की थी। किसी तरह वह ठीक-ठीक महसूस कर सकता था कि उन्होंने क्या कहा था, ऐनी ने कितना कुछ और जान लिया था। इस टालमटोल की पीड़ा में, उसे अचानक लगा कि एक निश्चित समय सीमा है। यह सभी तार्किक अपेक्षाओं से परे चला गया था, जैसे जीवन कभी-कभी किसी घातक बीमारी के खिलाफ हो जाता है, बस इतना ही।

“बताओ, गाइ,” ऐनी ने धीमी आवाज़ में कहा, अब वह उससे विनती नहीं कर रही थी, उसकी आवाज़ मानो किसी बीते समय की घंटी की तरह थी। “बताओगे क्या?”

“मैं तुम्हें बताऊंगा,” उसने खिड़की की ओर देखते हुए उत्तर दिया, लेकिन अब खुद को यह कहते हुए सुनकर, खुद पर विश्वास करते हुए, उसके अंदर एक ऐसी हल्कापन भर गया था, उसे यकीन था कि ऐनी ने इसे उसके आधे चेहरे पर, उसके पूरे अस्तित्व में देख लिया होगा, और उसका पहला विचार था कि वह इसे उसके साथ साझा करे, हालांकि एक पल के लिए वह खिड़की की चौखट पर पड़ रही धूप से अपनी नज़रें नहीं हटा सका। हल्कापन, उसने सोचा, अंधकार और भार दोनों का हटना, भारहीनता। वह ऐनी को बताएगा।

“गाइ, इधर आओ।” उसने अपनी बाहें उसके लिए ऊपर उठाईं, और वह उसके बगल में बैठ गया, अपनी बाहों में उसे कसकर पकड़ लिया और गले लगा लिया। “एक बच्चा आने वाला है,” उसने कहा। “चलो खुश रहें। क्या तुम खुश रहोगे, गाइ?”

उसने उसकी ओर देखा और अचानक खुशी, आश्चर्य और उसकी शर्म के कारण हंसने लगा। "एक बच्चा!" उसने फुसफुसाते हुए कहा।

"जब तक तुम यहां हो, हम इन दिनों क्या करेंगे?"

“कब, ऐनी?”

“नहीं—काफी समय तक नहीं। शायद मई में। कल हम क्या करेंगे?”

“हम नाव पर ज़रूर जाएंगे। अगर मौसम ज़्यादा खराब नहीं रहा तो।” और उसकी आवाज़ में छिपी मूर्खतापूर्ण, शरारती सी बात सुनकर वह ज़ोर से हंस पड़ा।

“ओह, गाइ!”

रो रही हो?

आपको हंसते हुए सुनकर बहुत अच्छा लगा!

पैंतालीस

शनिवार सुबह ब्रूनो ने गाय को अल्बर्टा कमेटी में नियुक्ति की बधाई देने के लिए फोन किया और पूछा कि क्या वह और ऐनी उस शाम उनकी पार्टी में आ सकते हैं। ब्रूनो की बेताब, लेकिन उत्साहित आवाज़ में उन्हें जश्न मनाने के लिए उकसाया गया। “गाइ, मैं अपने निजी तार से बात कर रहा हूँ। जेरार्ड आयोवा वापस चला गया है। चलो, मैं चाहता हूँ कि तुम मेरा नया घर देखो।” फिर, “मुझे ऐनी से बात करने दो।”

“ऐनी इस समय बाहर है।”

गाय को पता था कि जांच पूरी हो चुकी है। पुलिस ने उसे सूचित कर दिया था और जेरार्ड ने भी धन्यवाद के साथ सूचना दे दी थी।

गाय वापस बैठक में गया जहाँ वह और बॉब ट्रेचर अपना नाश्ता खत्म कर रहे थे। बॉब उससे एक दिन पहले न्यूयॉर्क आ गया था, और गाय ने उसे सप्ताहांत के लिए आमंत्रित किया था। वे अल्बर्टा और कमेटी में अपने साथियों, वहाँ के भूभाग, ट्राउट मछली पकड़ने और जो भी उनके मन में आता, उन सब बातों पर चर्चा कर रहे थे। बॉब ने फ्रेंच-कनाडाई लहजे में एक चुटकुला सुनाया, जिस पर गाय हँस पड़ा। नवंबर की सुबह ताज़ी और धूप से भरी थी, और जब ऐनी अपनी खरीदारी करके वापस आएगी, तो वे कार से लॉन्ग आइलैंड जाएंगे और नाव में सैर करेंगे। बॉब के साथ होने से गाय को एक बचकाना, छुट्टी जैसा आनंद आ रहा था। बॉब

कनाडा और वहाँ के काम का प्रतीक था, वह परियोजना जिसमें गाय को लग रहा था कि वह अपने भीतर के एक विशाल कक्ष में प्रवेश कर चुका है जहाँ ब्रूनो उसका पीछा नहीं कर सकता। और आने वाले बच्चे के रहस्य ने उसे निष्पक्ष परोपकार और जादुई लाभ का एहसास दिलाया।

जैसे ही ऐनी दरवाजे से अंदर आई, टेलीफोन की घंटी फिर बजी। गाय खड़ा हो गया, लेकिन ऐनी ने फोन उठाया। उसे हल्का सा ख्याल आया, ब्रूनो को हमेशा ठीक-ठीक पता होता है कि कब फोन करना है। फिर उसने अविश्वास से उस बातचीत को सुना जो उस दोपहर पाल की ओर बढ़ रही थी।

"तो चलिए," ऐनी ने कहा। "ओह, अगर आपको कुछ लाना ही है तो थोड़ी बीयर भी अच्छी रहेगी।"

गाय ने देखा कि बॉब उसे हैरानी भरी नजरों से घूर रहा है।

"क्या हालचाल है?" बॉब ने पूछा।

"कुछ नहीं।" गाय फिर से बैठ गया।

"वो चार्ल्स था। अगर वो आ जाए तो तुम्हें ज़्यादा बुरा तो नहीं लगेगा ना, गाइ?" ऐन किराने का सामान लिए तेज़ी से कमरे में आई। "उसने गुरुवार को कहा था कि अगर हम जाएँगे तो वो भी नाव में आना चाहेगा, और मैंने लगभग उसे न्योता ही दे दिया।"

"मुझे कोई आपत्ति नहीं," गाय ने उसकी ओर देखते हुए कहा। आज सुबह वह बेहद खुश और उत्साहित थी, ऐसी स्थिति में किसी को भी मना करना उसके लिए नामुमकिन था, लेकिन गाय जानता था कि ब्रूनो को बुलाने के पीछे सिर्फ़ यही नहीं, बल्कि कुछ और भी था। वह उन दोनों को फिर से साथ देखना चाहती थी। आज भी वह बेताब थी। गाय के मन में गुस्सा उमड़ आया और उसने जल्दी से खुद से कहा, उसे समझ नहीं आ रहा, वह समझ ही नहीं सकती, और वैसे भी इस सारी गड़बड़ के लिए तुम खुद ही ज़िम्मेदार हो। इसलिए उसने अपने गुस्से को दबा लिया, और उस दोपहर ब्रूनो के आने से पैदा होने वाली नफ़रत को मानने से भी इनकार कर दिया। उसने ठान लिया कि वह पूरे दिन खुद पर इतना ही नियंत्रण रखेगा।

"बुज़ुर्ग, थोड़ा संयम बरतो बेहतर होगा," बॉब ने उससे कहा। उसने अपना कॉफी का कप उठाया और संतुष्टि से उसे पी गया। "अच्छा, कम से कम अब तुम

पहले की तरह कॉफी के दीवाने नहीं हो। क्या कहते थे, दिन में दस कप?"

"कुछ ऐसा ही।" नहीं, उसने सोने की कोशिश में कॉफी पीना पूरी तरह से बंद कर दिया था, और अब उसे इससे नफरत हो गई थी।

वे मैनहट्टन में हेलेन हेबर्न के लिए रुके, फिर ट्राइबोरो पुल पार करके लॉन्ग आइलैंड चले गए। सर्दियों की धूप किनारे पर जमी हुई सी चमक बिखेर रही थी, पीली रेत पर हल्की पड़ रही थी और लहरों वाले पानी पर झिलमिला रही थी। गाय ने सोचा, इंडिया जहाज लंगर डाले हिमखंड की तरह लग रहा था, उसे याद आया कि कभी इसकी सफेदी गर्मियों का सार हुआ करती थी। पार्किंग स्थल के कोने से मुड़ते ही उसकी नज़र अनायास ही ब्रूनो की लंबी, चमकीली नीली कन्वर्टिबल कार पर पड़ी। गाय को याद आया कि ब्रूनो ने कहा था कि जिस मेरी-गो-राउंड के घोड़े पर ब्रूनो सवार था, वह शाही नीले रंग का था, और इसीलिए उसने वह कार खरीदी थी। उसने ब्रूनो को डॉकहाउस के शेड के नीचे खड़े देखा, उसके सिर को छोड़कर उसका सब कुछ देखा - लंबा काला ओवरकोट और छोटे जूते, जेब में हाथ डाले बाजू, और उसके प्रतीक्षा करते हुए चेहरे की जानी-पहचानी बेचैनी।

ब्रूनो ने बीयर का थैला उठाया और शरमाते हुए मुस्कुराते हुए कार की ओर चल पड़ा, लेकिन दूर से ही गाय उसकी दबी हुई खुशी को देख सकता था, जो फूटने को बेताब थी। उसने गहरे नीले रंग का साइलेंसर पहना हुआ था, जो उसकी कार के रंग जैसा ही था। "हेलो। हेलो, गाय। सोचा कि जब मौका मिले तो तुमसे मिल लूँ।" उसने मदद के लिए ऐन की ओर देखा।

"आपको देखकर अच्छा लगा!" ऐनी ने कहा। "ये हैं मिस्टर ट्रेचर। मिस्टर ब्रूनो।"

ब्रूनो ने उसका अभिवादन किया। "क्या तुम आज रात पार्टी में आ पाओगे, गाइ? पार्टी काफी बड़ी है। क्या तुम सब लोग आ पाओगे?" उसकी आशा भरी मुस्कान में हेलेन और बॉब भी शामिल थे।

हेलेन ने कहा कि वह व्यस्त है, वरना उसे खुशी होती। कार लॉक करते समय गाय ने उस पर एक नज़र डाली और देखा कि वह ब्रूनो की बांह पर झुककर अपने मोकासिन पहन रही थी। ब्रूनो ने जाने के अंदाज़ में ऐन को बीयर का थैला थमा दिया।

हेलेन की सुनहरी भौहें चिंता से तन गईं। "तुम हमारे साथ आ रहे हो ना?"

"ठीक से कपड़े नहीं पहने हैं," ब्रूनो ने कमजोर आवाज में विरोध किया।

"ओह, जहाज पर बहुत सारे चालाक लोग सवार हैं," ऐनी ने कहा।

उन्हें घाट से एक छोटी नाव लेनी पड़ी। गाय और ब्रूनो इस बात पर विनम्रतापूर्वक लेकिन हठपूर्वक बहस कर रहे थे कि कौन नाव चलाएगा, तभी हेलेन ने सुझाव दिया कि दोनों ही नाव चलाएँ। गाय लंबे और गहरे चप्पू चला रहा था, और उसके बगल में बीच वाली सीट पर बैठा ब्रूनो भी सावधानी से उसका साथ दे रहा था। जैसे-जैसे वे इंडिया जहाज के पास पहुँच रहे थे, गाय ब्रूनो की बढ़ती हुई उत्तेजना को महसूस कर सकता था। ब्रूनो की टोपी दो बार उड़ गई, और अंत में वह खड़ा हुआ और उसे शानदार ढंग से घुमाते हुए समुद्र में फेंक दिया।

“मुझे तो वैसे भी टोपी पहनना पसंद नहीं!” उसने गाय की तरफ देखते हुए कहा।

ब्रूनो ने रेनकोट पहनने से इनकार कर दिया, हालाँकि पानी की बौछारें बीच-बीच में कॉकपिट पर पड़ रही थीं। हवा इतनी तेज़ थी कि पाल उठाना संभव नहीं था। बॉब के संचालन में इंजन की शक्ति से इंडिया जलडमरूमध्य में प्रवेश कर गई।

“गाइ के लिए!” ब्रूनो चिल्लाया, लेकिन उसकी आवाज़ में वही अजीब सी झिझक और अस्पष्टता थी जो गाइ ने सुबह से ही महसूस की थी। “बधाई हो, नमस्कार!” उसने फलों से सजी खूबसूरत चांदी की बोतल अचानक नीचे रखी और ऐनी को दे दी। वह किसी अनाड़ी, शक्तिशाली मशीन की तरह था जो सही ताल पकड़कर शुरू नहीं हो पा रही थी। “नेपोलियन ब्रांडी। फाइव स्टार।”

ऐनी ने मना कर दिया, लेकिन हेलेन, जिसे पहले से ही ठंड लग रही थी, ने थोड़ा पानी पिया, और बॉब ने भी। तिरपाल के नीचे, गाय ने ऐनी का दस्ताने पहना हुआ हाथ थाम रखा और किसी भी चीज़ के बारे में न सोचने की कोशिश की, न ब्रूनो के बारे में, न अल्बर्टा के बारे में, न समुद्र के बारे में। वह हेलेन को नहीं देख पा रहा था, जो ब्रूनो को प्रोत्साहित कर रही थी, और न ही बॉब की विनम्र, थोड़ी शर्मिंदगी भरी मुस्कान को, जो गाड़ी चलाते हुए सामने की ओर देख रहा था।

“क्या किसी को ‘फोगी, फोगी ड्यू’ पता है?” ब्रूनो ने अपनी आस्तीन से स्प्रे झाड़ते हुए पूछा। चांदी की बोतल से एक घूंट पीने से वह नशे की हालत में पहुँच गया था।

ब्रूनो हैरान था क्योंकि कोई भी उसकी खास चुनी हुई शराब नहीं पीना चाहता था, और कोई गाना भी नहीं गाना चाहता था। उसे इस बात से भी बहुत दुख हुआ

कि हेलेन ने कहा कि "फोगी, फोगी ड्यू" उदास करने वाला गाना है। उसे "फोगी, फोगी ड्यू" बहुत पसंद था। वह गाना चाहता था, चिल्लाना चाहता था या कुछ भी करना चाहता था। भला फिर कब वे सब इस तरह एक साथ होंगे? वह और गाय। ऐनी। हेलेन। और गाय का दोस्त। वह अपनी कोने वाली सीट पर सिकुड़कर बैठ गया और चारों ओर देखने लगा, क्षितिज की पतली रेखा को जो समुद्र की लहरों के पीछे दिखती और गायब हो जाती थी, और उनके पीछे घटती हुई ज़मीन को। उसने मस्तूल के ऊपर लगे झंडे को देखने की कोशिश की, लेकिन मस्तूल के हिलने से उसे चक्कर आने लगा।

“एक दिन मैं और गाय दुनिया का चक्कर एक कांच की गेंद की तरह लगाएंगे और उसे एक रिबन से बांध देंगे!” उसने घोषणा की, लेकिन किसी ने भी उस पर ध्यान नहीं दिया।

हेलेन ऐनी से बात कर रही थी और अपने हाथों से गेंद जैसा इशारा कर रही थी, वहीं गाय बॉब को मोटर के बारे में कुछ समझा रहा था। ब्रूनो ने देखा कि जब गाय झुका तो उसके माथे की झुर्रियाँ और गहरी लग रही थीं, और उसकी आँखें हमेशा की तरह उदास थीं।

“क्या तुम्हें कुछ भी समझ नहीं आता!” ब्रूनो ने गाय का हाथ झटकते हुए कहा। “क्या आज तुम्हें इतना गंभीर होना जरूरी है?”

हेलेन ने गाइ के हमेशा गंभीर रहने के बारे में कुछ कहना शुरू किया, लेकिन ब्रूनो ने उसे चुप करा दिया, क्योंकि उसे गाइ के गंभीर होने के तरीके या कारण के बारे में कुछ भी पता नहीं था। ब्रूनो ने ऐनी की मुस्कान का कृतज्ञतापूर्वक जवाब दिया और फिर से फ्लास्क निकाल लिया।

लेकिन फिर भी ऐनी को कुछ नहीं चाहिए था, और न ही गाय को।

“गाइ, मैं इसे खास तुम्हारे लिए लाया हूँ। मुझे लगा तुम्हें यह पसंद आएगा,” ब्रूनो ने दुखी होकर कहा।

“गाइ, थोड़ा खा लो,” ऐनी ने कहा।

उस आदमी ने उसे लिया और थोड़ा सा पी लिया।

“गाइ के लिए! प्रतिभाशाली, दोस्त और साथी!” ब्रूनो ने कहा और उसके पीछे-पीछे पी लिया। “गाइ एक प्रतिभाशाली व्यक्ति है। क्या आप सभी को यह एहसास

है?” उसने चारों ओर देखा, अचानक उसका मन हुआ कि वह उन सभी को मूर्ख कह दे।

“बिल्कुल,” बॉब ने सहमति जताते हुए कहा।

“चूंकि आप गाइ के पुराने दोस्त हैं,” ब्रूनो ने अपनी बोतल उठाते हुए कहा, “मैं भी आपको सलाम करता हूँ!”

“धन्यवाद। बहुत पुराने दोस्त। सबसे पुराने दोस्तों में से एक।”

“कितनी उम्र है?” ब्रूनो ने चुनौती देते हुए पूछा।

बॉब ने गाय की ओर देखा और मुस्कुराया। "लगभग दस साल।"

ब्रूनो ने भौंहें चढ़ाईं। "मैं गाय को उसके पूरे जीवन से जानता हूँ," उसने धीमी, धमकी भरी आवाज़ में कहा। "उससे पूछो।"

गाय को महसूस हुआ कि ऐन ने अपना हाथ उसकी मज़बूत पकड़ से छुड़ा लिया है। उसने बॉब को हँसते हुए देखा, उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या कर रहा है। पसीने से उसका माथा ठंडा पड़ गया था। उसका सारा धैर्य हमेशा की तरह गायब हो गया था। वह हमेशा क्यों सोचता था कि अगर उसे एक और मौका मिले तो वह ब्रूनो को सहन कर सकता है?

"जाओ और उसे बता दो कि मैं तुम्हारा सबसे करीबी दोस्त हूँ, गाइ।"

“हाँ,” गाय ने कहा। उसे ऐनी की हल्की सी तनाव भरी मुस्कान और उसकी चुप्पी का एहसास था। क्या अब उसे सब कुछ पता नहीं था? क्या वह बस यही इंतज़ार नहीं कर रही थी कि वह और ब्रूनो अगले ही पल सब कुछ कह दें? और अचानक उसे कॉफी शॉप वाला वो पल याद आ गया, शुक्रवार की दोपहर, जब उसे लगा था कि उसने ऐनी को सब कुछ बता दिया है जो वह करने वाला था। उसे याद आया कि वह उसे बताने वाला था। लेकिन उसने अभी तक उसे बताया नहीं था, ब्रूनो एक बार फिर उसके आसपास नाच रहा था, ये सब उसकी देरी के लिए उसे आखिरी फटकार जैसा लग रहा था।

“हाँ, मैं पागल हूँ!” ब्रूनो ने हेलेन पर चिल्लाते हुए कहा, जो सीट पर उससे थोड़ा दूर खिसक रही थी। “इतना पागल कि पूरी दुनिया से लड़कर उसे हरा दूँ! अगर किसी को लगता है कि मैंने उसे नहीं हराया, तो मैं उससे अकेले में बात करूँगा!” वह हँसा, और उसने देखा कि उसकी हँसी ने उसके आस-पास के धुंधले, बेवकूफ

चेहरों को और भी हैरान कर दिया, मानो वे भी उसके साथ हँस रहे हों। “बंदर!” उसने खुशी से उन पर चिल्लाया।

“वह कौन है?” बॉब ने गाय से फुसफुसाते हुए पूछा।

“गाइ और मैं सुपरमैन हैं!” ब्रूनो ने कहा।

"तुम तो सुपरमैन की तरह शराब पीते हो," हेलेन ने टिप्पणी की।

“यह सच नहीं है!” ब्रूनो एक घुटने पर बैठने के लिए संघर्ष करता हुआ बोला।

“चार्ल्स, शांत हो जाओ!” ऐनी ने उससे कहा, लेकिन वह खुद भी मुस्कुराई, और ब्रूनो ने भी बस मुस्कुराकर जवाब दिया।

"मैं शराब पीने के बारे में उसके कहे को गलत साबित करता हूँ!"

“ये क्या कह रहा है?” हेलेन ने पूछा। “क्या तुम दोनों ने शेयर बाजार में खूब मुनाफा कमाया है?”

“शेयर बाजार, धत् तेरे की!” ब्रूनो अपने पिता के बारे में सोचते हुए रुक गया। “ये-हू-ऊ! मैं टेक्सास का रहने वाला हूँ! क्या तुमने कभी मेटकाफ में मेरी-गो-राउंड की सवारी की है, गाइ?”

गाइ के पैर झटके से नीचे गिरे, लेकिन वह उठा नहीं और उसने ब्रूनो की तरफ नहीं देखा।

“ठीक है, मैं बैठ जाता हूँ,” ब्रूनो ने उससे कहा। “लेकिन तुमने मुझे निराश किया। तुमने मुझे बुरी तरह निराश किया!” ब्रूनो ने अपनी खाली बोतल को हिलाया और फिर उसे पानी में फेंक दिया।

“वह रो रहा है,” हेलेन ने कहा।

ब्रूनो खड़ा हुआ और कॉकपिट से निकलकर डेक पर आ गया। वह उन सभी से, यहाँ तक कि गाय से भी दूर, लंबी सैर पर जाना चाहता था।

“वह कहाँ जा रहा है?” ऐनी ने पूछा।

"उसे जाने दो," गाय ने सिगरेट जलाने की कोशिश करते हुए धीरे से कहा।

फिर एक जोरदार छपछपाहट हुई, और गाय समझ गया कि ब्रूनो पानी में गिर गया है। उनमें से किसी के कुछ बोलने से पहले ही गाय कॉकपिट से बाहर निकल आया।

गाइ अपना ओवरकोट उतारने की कोशिश करते हुए जहाज के पिछले हिस्से की ओर भागा। उसने महसूस किया कि उसके हाथ पीछे की ओर जकड़े हुए हैं, और मुड़कर उसने बॉब के चेहरे पर मुक्का मारा और खुद को डेक से नीचे फेंक दिया। फिर आवाजें और जहाज का हिलना-डुलना बंद हो गया, और एक पल के लिए असहनीय सन्नाटा छा गया, इससे पहले कि उसका शरीर पानी से ऊपर उठने लगा। उसने धीरे-धीरे ओवरकोट उतारा, मानो इतना ठंडा पानी, जो केवल एक दर्द मात्र था, उसे पहले ही जमा चुका था। वह ऊँचा कूदा, और उसने ब्रूनो का सिर बहुत दूर देखा, मानो कोई काई से ढका, आधा डूबा हुआ पत्थर हो।

“तुम उससे संपर्क नहीं कर सकते!” बॉब की आवाज गूंजी, लेकिन उसके कान पर पानी की तेज बौछार से उसकी आवाज दब गई।

“गाइ!” ब्रूनो ने समुद्र से पुकारा, मरणासन्न व्यक्ति की कराह के साथ।

गाइ ने गुस्से में गाली दी। वह उस तक पहुँच सकता था। दसवें प्रहार पर वह फिर उछल पड़ा। "ब्रूनो!" लेकिन अब वह उसे देख नहीं पा रहा था।

"वहाँ, गाइ!" ऐन ने इंडिया जहाज के पिछले हिस्से से इशारा किया।

गाइ उसे देख नहीं पा रहा था, लेकिन वह अपने दिमाग में बसी यादों की ओर बढ़ा और उस जगह पर झुक गया, बाहें फैलाकर टटोलने लगा, उंगलियों के सबसे दूर के सिरे उसे खोज रहे थे। पानी ने उसकी गति धीमी कर दी। मानो वह किसी बुरे सपने में चल रहा हो, उसने सोचा। जैसे लॉन पर। वह एक लहर के नीचे आया और पानी की एक गहरी सांस ली। इंडिया जहाज एक अलग जगह पर था और घूम रहा था। उन्होंने उसे रास्ता क्यों नहीं बताया? उन्हें तो कोई परवाह ही नहीं थी, उन दूसरों को!

“ब्रूनो!”

शायद किसी विशाल पर्वत के पीछे। वह आगे बढ़ता रहा, फिर उसे एहसास हुआ कि वह दिशाहीन हो गया है। एक लहर उसके सिर से टकराई। उसने विशाल, बदसूरत समुद्र को कोसना शुरू कर दिया। उसका दोस्त, उसका भाई कहाँ था?

वह फिर से नीचे उतरा, जितना गहरा वह जा सकता था, अपनी बेतुकी लंबाई को जितना हो सके फैलाते हुए। लेकिन अब चारों ओर एक खामोश, धूसर खालीपन ही दिखाई दे रहा था, जिसमें वह चेतना का एक छोटा सा बिंदु मात्र था।

तीव्र, असहनीय अकेलापन उसे और करीब खींच रहा था, मानो उसकी जान ही निगलने को तैयार हो। उसने अपनी आँखें हताशा से फैलाईं। धूसरपन एक भूरे, धारीदार फर्श में बदल गया।

"क्या तुम्हें वो मिला?" वो उठते हुए अचानक बोला। "कितने बजे हैं?"

"शांत लेटे रहो, गाइ," बॉब की आवाज सुनाई दी।

"गाइ, वो नीचे गिर गया," ऐनी ने कहा। "हमने उसे देखा।"

गाय ने अपनी आंखें बंद कर लीं और रोने लगा।

उसे इस बात का एहसास था कि वे सभी एक-एक करके बंकर से बाहर चले गए और उसे अकेला छोड़ दिया, यहां तक कि ऐनी भी।

छियालीस

ऐन को जगाए बिना, गाय सावधानी से बिस्तर से उठा और नीचे बैठक में चला गया। उसने पर्दे समेटे और बत्ती जला दी, हालाँकि वह जानता था कि अब उस भोर को रोकना असंभव था जो वेनेशियन ब्लाइंड्स के नीचे, हरे पर्दों के बीच, चाँदी-बैंगनी रंग की एक आकारहीन मछली की तरह रेंग रही थी। वह ऊपर अंधेरे में उसका इंतज़ार कर रहा था, यह जानते हुए कि वह अंततः बिस्तर के नीचे से उस तक पहुँचेगी, और उस तंत्र की पकड़ से पहले से कहीं ज़्यादा डर रहा था जिसे वह गति में ला रहा था, क्योंकि अब वह जानता था कि ब्रूनो ने उसके आधे अपराध का बोझ उठाया था। अगर पहले यह लगभग असहनीय था, तो अब वह इसे अकेले कैसे सहन करेगा? वह जानता था कि वह नहीं कर सकता।

उसे ब्रूनो से ईर्ष्या हो रही थी कि उसकी मृत्यु इतनी अचानक, इतनी खामोशी से, इतनी हिंसक तरीके से और इतनी कम उम्र में हुई थी। और इतनी आसानी से, जैसे ब्रूनो हमेशा हर काम करता था। उसके शरीर में एक सिहरन दौड़ गई। वह आरामकुर्सी पर अकड़कर बैठ गया, पतले पजामे के नीचे उसका शरीर सुबह की पहली किरण की तरह सख्त और तनावग्रस्त था। फिर उसी झटके से, जो हमेशा उसके तनाव को तोड़ देता था, वह उठा और स्टूडियो में ऊपर चला गया, इससे पहले कि उसे पता चले कि वह क्या करने वाला है। उसने अपनी काम करने की मेज पर रखे बड़े-बड़े चिकने कागज़ों को देखा, चार-पाँच कागज़ वैसे ही पड़े थे जैसे उसने बॉब के लिए कुछ स्केच बनाने के बाद छोड़े थे। फिर वह बैठ गया और

ऊपर बाएँ कोने से लिखना शुरू किया, पहले धीरे-धीरे, फिर तेज़ी से। उसने मिरियम के बारे में, ट्रेन के बारे में, टेलीफोन कॉल्स के बारे में, मेटकाफ में ब्रूनो के बारे में, चिट्ठियों के बारे में, बंदूक के बारे में, उसके विघटन के बारे में और शुक्रवार की रात के बारे में लिखा। मानो ब्रूनो अभी भी जीवित हो, उसने हर उस विवरण को लिखा जो उसे पता था और जो उसे समझने में मदद कर सकता था। उसकी लिखावट से तीन बड़े कागज़ काले हो गए। उसने पन्नों को मोड़कर एक बड़े लिफाफे में डाला और उसे सील कर दिया। काफी देर तक वह लिफाफे को देखता रहा, उसके अंदर छिपी राहत को महसूस करता रहा, और अब उससे अलग हो चुके उस लिफाफे पर आश्चर्य करता रहा। इससे पहले भी कई बार उसने भावुक होकर अपने दिल की बातें लिखी थीं, लेकिन यह जानते हुए कि उन्हें कोई नहीं देखेगा, वे बातें कभी उससे अलग नहीं हुईं। यह लिफाफा ऐनी के लिए था। ऐनी इस लिफाफे को छुएगी। उसके हाथ कागज़ों को थामेंगे और उसकी आँखें हर शब्द को पढ़ेंगी।

गाय ने अपनी गर्म, दर्द करती आँखों पर हथेलियाँ रख लीं। घंटों लिखने से वह लगभग नींद के मारे थक गया था। उसके विचार कहीं टिक नहीं रहे थे, और जिन लोगों के बारे में वह लिख रहा था—ब्रूनो, मिरियम, ओवेन मार्कमान, सैमुअल ब्रूनो, आर्थर जेरार्ड, श्रीमती मैककॉसलैंड, ऐनी—वे लोग और उनके नाम उसके दिमाग में घूम रहे थे। मिरियम। अजीब बात है, अब वह उसके लिए पहले से कहीं ज़्यादा एक इंसान बन गई थी। उसने ऐनी को उसके बारे में बताने की कोशिश की थी, उसका मूल्यांकन करने की कोशिश की थी। इसने उसे खुद का मूल्यांकन करने के लिए मजबूर कर दिया था। उसने सोचा, ऐनी के मानकों के अनुसार या किसी और के मानकों के अनुसार भी, एक इंसान के तौर पर उसकी कोई खास अहमियत नहीं थी। लेकिन वह एक इंसान तो थी। सैमुअल ब्रूनो भी कोई खास अहमियत नहीं रखता था—एक क्रूर, लालची पैसा बनाने वाला, अपने बेटे से नफरत करने वाला, अपनी पत्नी से प्यार न पाने वाला। उसे सच में किसने प्यार किया था? मिरियम या सैमुअल ब्रूनो की मौत से सच में किसे दुख पहुँचा था? अगर किसी को चोट पहुँची होती—शायद मिरियम का परिवार? गाय को पूछताछ के दौरान गवाह के कटघरे में खड़ा उसका भाई याद आया, उसकी छोटी-छोटी आँखें जिनमें दुख नहीं, बल्कि

सिर्फ़ द्वेषपूर्ण, क्रूर नफ़रत थी। और उसकी माँ, प्रतिशोधी, पहले की तरह ही क्रूर, उसे इस बात की परवाह नहीं थी कि दोष किस पर पड़ता है, बस इतना कि वह किसी ऐसे व्यक्ति पर पड़े जो दुखी न हो, न ही उसके दिल पर। क्या उनके पास जाने और उन्हें अपनी नफ़रत का निशाना बनाने का कोई मकसद था, भले ही वह चाहता हो? क्या इससे उन्हें या उसे कोई बेहतर महसूस होगा? उसे नहीं लगता था कि ऐसा होगा। अगर किसी ने सच में मिरियम से प्यार किया होता—तो वह ओवेन मार्कमान होता।

गाइ ने अपनी आँखों से हाथ हटाए। वह नाम अनायास ही उसके मन में आ गया था। चिट्ठी लिखने से पहले उसने ओवेन के बारे में ज़रा भी नहीं सोचा था। ओवेन उसके लिए एक धुंधली सी शख्सियत था, पृष्ठभूमि में। गाइ उसे मिरियम से कम महत्व देता था। लेकिन ओवेन उससे प्यार करता होगा। वह उससे शादी करने वाला था। वह उसके बच्चे की माँ बनने वाली थी। मान लीजिए कि ओवेन ने अपनी सारी खुशियाँ मिरियम पर टिका दी थीं। मान लीजिए कि मिरियम की शिकागो में मृत्यु के बाद के महीनों में उसे भी वही दुख सहना पड़ा होगा जो गाइ को सहना पड़ा था। गाइ ने पूछताछ के दौरान ओवेन मार्कमान की हर बात याद करने की कोशिश की। उसे उसका उदास चेहरा, ईर्ष्या के आरोप से पहले उसके शांत और सीधे-सादे जवाब याद आए। यह कहना नामुमकिन था कि उसके दिमाग में असल में क्या चल रहा था।

“ओवेन,” गाय ने कहा।

धीरे-धीरे वह खड़ा हुआ। उसके मन में एक विचार आकार ले रहा था, जब वह ओवेन मार्कमान के लंबे, काले चेहरे और ऊंचे, झुके हुए कद की यादों को तौलने की कोशिश कर रहा था। वह मार्कमान से मिलने जाएगा, उससे बात करेगा, उसे सब कुछ बताएगा। अगर किसी के प्रति उसका कोई फर्ज़ था, तो वह मार्कमान के प्रति था। मार्कमान चाहे उसे मार डाले, पुलिस को बुला ले, कुछ भी करे। लेकिन वह उसे ईमानदारी से, आमने-सामने सब कुछ बताएगा। अचानक यह एक अत्यावश्यक आवश्यकता बन गई। बिल्कुल। यही एकमात्र कदम था और अगला कदम भी। उसके बाद, अपने व्यक्तिगत कर्ज के बाद, कानून जो भी उस पर लगाएगा, वह उसे सह लेगा। तब वह तैयार होगा। ब्रूनो के बारे में पूछे जाने वाले

सवालों के बाद वह आज ही ट्रेन पकड़ सकता है। पुलिस ने उसे आज सुबह ऐनी के साथ स्टेशन पर रहने को कहा था। अगर किस्मत अच्छी रही तो वह आज दोपहर को विमान भी पकड़ सकता है। वह कहाँ है? ह्यूस्टन। अगर ओवेन अभी भी वहाँ है। उसे ऐनी को अपने साथ हवाई अड्डे नहीं जाने देना चाहिए। उसे यह सोचना चाहिए कि वह कनाडा जा रहा है जैसा उसने योजना बनाई थी। वह नहीं चाहता था कि ऐन को अभी पता चले। ओवेन से मुलाकात ज़्यादा ज़रूरी थी। ऐसा लग रहा था जैसे उस मुलाकात ने उसे बदल दिया हो। या शायद यह किसी पुराने और घिसे-पिटे कोट को उतारने जैसा था। अब वह खुद को नंगा महसूस कर रहा था, लेकिन अब उसे डर नहीं लग रहा था।

सैंतालीस

गाय ह्यूस्टन जाने वाले विमान के गलियारे में एक अतिरिक्त सीट पर बैठा था। वह दुखी और घबराया हुआ महसूस कर रहा था, मानो वह उस सीट के छोटे से उभार की तरह ही बेमेल और गलत जगह पर बैठा हो, जो गलियारे को अवरुद्ध कर रही थी और विमान के आंतरिक भाग की समरूपता को बिगाड़ रही थी। गलत, अनावश्यक, फिर भी उसे यकीन था कि वह जो कर रहा है वह आवश्यक है। यहाँ तक पहुँचने में उसने जिन कठिनाइयों का सामना किया था, उन्होंने उसे दृढ़ निश्चय से भर दिया था।

ब्रूनो की मौत के मामले में पूछताछ सुनने के लिए जेरार्ड पुलिस स्टेशन में मौजूद था। उसने बताया कि वह आयोवा से आया था। चार्ल्स का अंत दुखद था, लेकिन चार्ल्स कभी किसी बात को लेकर सावधान नहीं रहता था। यह बहुत बुरा हुआ कि यह सब गाय की नाव पर हुआ। गाय ने बिना किसी भावना के सवालों के जवाब दिए। उसके शरीर के गायब होने की घटनाएँ उसे बहुत मामूली लग रही थीं। गाय जेरार्ड की मौजूदगी से ज़्यादा परेशान था। वह नहीं चाहता था कि जेरार्ड उसका पीछा करते हुए टेक्सास तक आए। पूरी तरह सुरक्षित रहने के लिए उसने दोपहर में कनाडा जाने वाली अपनी फ्लाइट का टिकट भी रद्द नहीं कराया था। फिर उसने उस फ्लाइट के लिए हवाई अड्डे पर करीब चार घंटे इंतज़ार किया। लेकिन वह सुरक्षित था। जेरार्ड ने कहा था कि वह आज दोपहर ट्रेन से आयोवा वापस जा रहा है।

फिर भी, गाय ने अपने चारों ओर बैठे यात्रियों पर एक और नजर डाली, इस बार उसने पहली बार की तुलना में धीमी और अधिक सावधानीपूर्वक नजर डाली। वहाँ एक भी ऐसा व्यक्ति नहीं था जो उसमें जरा भी दिलचस्पी रखता हो।

जब वह अपनी गोद में रखे कागजों पर झुका, तो उसकी अंदरूनी जेब में रखा मोटा पत्र खड़खड़ाया। ये कागज़ अल्बर्टा में किए गए कार्य की खंडीय रिपोर्टें थीं, जो बॉब ने उसे दी थीं। गाय पत्रिका नहीं पढ़ सकता था, क्योंकि वह खिड़की से बाहर नहीं देखना चाहता था, लेकिन वह जानता था कि वह रिपोर्ट में लिखी ज़रूरी बातों को यंत्रवत और कुशलता से याद कर सकता है। उसने माइमोग्राफ की गई शीटों के बीच एक अंग्रेजी वास्तुकला पत्रिका का फटा हुआ पृष्ठ पाया। बॉब ने लाल पेंसिल से एक पैराग्राफ पर गोला बनाया था।

गाय डेनियल हेन्स अमेरिकी दक्षिण से उभरने वाले अब तक के सबसे महत्वपूर्ण वास्तुकार हैं। सत्ताईस वर्ष की आयु में अपने पहले स्वतंत्र कार्य, एक साधारण, दो मंजिला इमारत, जो "द पिट्सबर्ग स्टोर" के नाम से प्रसिद्ध हुई, के साथ ही हेन्स ने सुंदरता और उपयोगिता के उन सिद्धांतों को स्थापित किया, जिनका उन्होंने दृढ़ता से पालन किया और जिनके माध्यम से उनकी कला ने वर्तमान मुकाम हासिल किया है। यदि हम हेन्स की विलक्षण प्रतिभा को परिभाषित करना चाहें, तो हमें मुख्य रूप से उस मायावी और अस्पष्ट शब्द, "सुंदरता" पर निर्भर रहना होगा, जिसने हेन्स से पहले आधुनिक वास्तुकला को कभी अलग नहीं किया था। हेन्स की उपलब्धि यह है कि उन्होंने हमारे युग में सुंदरता की अपनी अवधारणा को क्लासिक बना दिया। फ्लोरिडा के पाम बीच में स्थित उनके प्रसिद्ध पल्मायरा समूह की मुख्य इमारत को "द अमेरिकन पार्थेनन" कहा जाता है।

पृष्ठ के निचले भाग में तारांकित पैराग्राफ में लिखा था:

इस लेख के लिखे जाने के बाद, श्री हेन्स को कनाडा में अल्बर्टा बांध परियोजना की सलाहकार समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। उनका कहना है कि पुलों में उनकी हमेशा से रुचि रही है। उनका अनुमान है कि यह काम अगले तीन वर्षों तक उन्हें खुशी-खुशी व्यस्त रखेगा।

“खुशी से,” उसने कहा। उन्होंने ऐसा शब्द कैसे इस्तेमाल कर लिया?

ह्यूस्टन की मुख्य सड़क पार करते समय गाय की टैक्सी में 9 बज रहे थे। गाय ने हवाई अड्डे पर टेलीफोन बुक में ओवेन मार्कमान का नाम ढूंढा, अपना सामान चेक करवाया और टैक्सी में बैठ गया। उसने सोचा, यह इतना आसान नहीं होगा। शाम को 9 बजे पहुंचकर उसे घर पर अकेला, कुर्सी पर बैठकर किसी अजनबी की बात सुनने के लिए तैयार नहीं पाया जा सकता। वह घर पर नहीं होगा, या वह अब वहां नहीं रहता होगा, या वह अब ह्यूस्टन में भी नहीं होगा। इसमें कई दिन लग सकते हैं।

"इस होटल के सामने गाड़ी रोकिए," गाय ने कहा।

गाइ बाहर निकला और एक कमरा बुक करा लिया। इस मामूली, दयालुतापूर्ण कार्य से उसे अच्छा महसूस हुआ।

ओवेन मार्कमान क्लेबर्न स्ट्रीट के उस पते पर नहीं रह रहा था। वह एक छोटी सी अपार्टमेंट इमारत थी। नीचे के हॉल में मौजूद लोग, जिनमें अधीक्षक भी शामिल था, उसे बड़ी शंका से देख रहे थे और उसे यथासंभव कम से कम जानकारी दे रहे थे। किसी को नहीं पता था कि ओवेन मार्कमान कहाँ है।

अंत में अधीक्षक ने पूछा, "आप पुलिस तो नहीं हैं?"

खुद पर काबू न रखते हुए भी वह मुस्कुराया। "नहीं।"

गाइ बाहर जा रहा था तभी एक आदमी ने उसे सीढ़ियों पर रोक लिया और उसी सतर्क अनिच्छा के भाव से उसे बताया कि वह मार्कमान को शहर के केंद्र में स्थित एक विशेष कैफे में पा सकता है।

अंततः, गाय ने उसे एक दवा की दुकान में पाया, जहाँ वह दो महिलाओं के साथ काउंटर पर बैठा था, जिनसे उसने परिचय नहीं कराया था। ओवेन मार्कमान बस अपनी कुर्सी से उठा और सीधा खड़ा हो गया, उसकी भूरी आँखें थोड़ी चौड़ी हो गईं। उसका लंबा चेहरा गाय की यादों से ज़्यादा भारी और कम आकर्षक लग रहा था। उसने अपने बड़े हाथों को सावधानी से अपनी छोटी चमड़े की जैकेट की जेबों में डाला।

“तुम्हें मैं याद हूँ,” गाय ने कहा।

"मुझे लगता है मैं करूं।"

“क्या आपको बुरा लगेगा अगर मैं आपसे थोड़ी देर बात कर लूँ? बस थोड़ी देर के लिए।” गाय ने चारों ओर देखा। उसने सोचा कि सबसे अच्छा यही होगा कि उसे अपने होटल के कमरे में बुला लिया जाए। “मेरे पास राइस होटल में एक कमरा है।”

मार्कमान ने एक बार फिर गाय को धीरे-धीरे ऊपर से नीचे तक देखा और लंबी चुप्पी के बाद कहा, "ठीक है।"

कैशियर के काउंटर से गुज़रते हुए गाय ने शराब की बोतलों से भरी अलमारियाँ देखीं। मार्कमान को एक ड्रिंक देना शायद मेहमाननवाज़ी का अच्छा उदाहरण होगा। "क्या आपको स्कॉच पसंद है?"

जब गाय ने इसे खरीदा तो मार्कमान थोड़ा सहज हो गया। "कोक ठीक है, लेकिन इसमें कुछ मिलाने से इसका स्वाद और भी बेहतर हो जाता है।"

उस व्यक्ति ने कोका-कोला की कुछ बोतलें भी खरीदीं।

वे चुपचाप होटल तक गए, लिफ्ट में ऊपर चढ़े और चुपचाप कमरे में दाखिल हुए। गाय सोच रहा था कि वह शुरुआत कैसे करेगा? शुरुआत के कई तरीके थे। गाय ने उन सभी को नकार दिया।

ओवेन आरामकुर्सी पर बैठ गया, और अपना समय गाय को बेपरवाह संदेह भरी निगाहों से देखने और स्कॉच और कोका-कोला के लंबे गिलास का आनंद लेने के बीच बांटने लगा।

गाय हकलाते हुए बोला, "क्या—"

“क्या?” ओवेन ने पूछा।

"अगर आपको पता चल जाए कि मरियम का कत्ल किसने किया, तो आप क्या करेंगे?"

मार्कमान का पैर ज़मीन पर ज़ोर से पड़ा और वह उठ बैठा। उसकी भौंहें तनकर आँखों के ऊपर एक गहरी काली रेखा बना रही थीं। "क्या तुमने?"

नहीं, लेकिन मैं उस आदमी को जानता हूँ जिसने ऐसा किया।

"कौन?"

गाइ सोच रहा था कि जब वह वहाँ भौंहें चढ़ाकर बैठा था, तो उसके मन में क्या चल रहा था? नफ़रत? आक्रोश? गुस्सा? "मुझे पता है, और पुलिस को भी बहुत

जल्द पता चल जाएगा।" गाइ हिचकिचाया। "वह न्यूयॉर्क का एक आदमी था, जिसका नाम चार्ल्स ब्रूनो था। उसकी कल मौत हो गई। वह डूब गया था।"

ओवेन थोड़ा पीछे हट गया। उसने अपने पेय का एक घूंट लिया। "तुम्हें कैसे पता? कबूल कर लिया?"

“मुझे पता है। मुझे काफी समय से पता है। इसीलिए मुझे लगता है कि यह मेरी गलती थी। उसे धोखा न देने की।” उसने अपने होंठ गीले किए। हर शब्द बोलना उसके लिए मुश्किल था। और वह खुद को इतनी सावधानी से, धीरे-धीरे क्यों खोल रहा था? उसकी सारी कल्पनाएँ कहाँ गईं, सब कुछ एक साथ बोल देने का काल्पनिक सुख और राहत कहाँ गई? “इसीलिए मैं खुद को दोषी मानता हूँ। मैं—” ओवेन के कंधे उचकाने ने उसे रोक दिया। उसने ओवेन को अपना गिलास खत्म करते देखा, फिर अपने आप ही गाय उसके लिए दूसरा गिलास बनाने चला गया। “इसीलिए मैं खुद को दोषी मानता हूँ,” उसने दोहराया। “मुझे तुम्हें सारी परिस्थितियाँ बतानी होंगी। यह बहुत जटिल था। देखो, मैं चार्ल्स ब्रूनो से मेटकाफ आते समय एक ट्रेन में मिला था। जून की ट्रेन में, उसकी हत्या से ठीक पहले। मैं तलाक लेने आ रहा था।” उसने निगल लिया। ये वही शब्द थे जो उसने पहले कभी किसी से नहीं कहे थे, अपनी मर्जी से कहे थे, और अब ये बहुत सामान्य, यहाँ तक कि अपमानजनक भी लग रहे थे। उसके गले में एक भारीपन था जिसे वह दूर नहीं कर पा रहा था। गाय ने ओवेन के लंबे, गहरे, ध्यानमग्न चेहरे को गौर से देखा। अब उसके चेहरे पर शिकन कम थी। ओवेन ने फिर से पैर क्रॉस कर रखे थे, और गाय को अचानक वे भूरे रंग के बकस्किन के काम करने वाले जूते याद आ गए जो ओवेन ने पूछताछ के दौरान पहने थे। ये इलास्टिक साइडपीस वाले सादे भूरे जूते थे। "और—"

“हां,” ओवेन ने पूछा।

“मैंने उसे मरियम का नाम बताया। मैंने उसे बताया कि मैं उससे नफरत करती हूँ। ब्रूनो के मन में एक हत्या की योजना बनी। दोहरी हत्या की।”

“हे भगवान!” ओवेन ने फुसफुसाते हुए कहा।

“जीसस” शब्द ने उसे ब्रूनो की याद दिला दी, और गाय के मन में अचानक एक भयानक, बेहद भयानक विचार आया कि कहीं वह ओवेन को उसी जाल में न फंसा ले जिसमें ब्रूनो ने उसे फंसाया था, कि ओवेन बदले में किसी और अजनबी को

पकड़ लेगा, जो फिर किसी और को पकड़ लेगा, और इसी तरह फँसे और शिकार किए जाने वालों का यह सिलसिला अनंत तक चलता रहेगा। गाय कांप उठा और उसने अपनी मुट्ठियाँ भींच लीं। “मेरी गलती उससे बात करना थी। मेरी गलती एक अजनबी को अपने निजी मामले बताना थी।”

"क्या उसने तुम्हें बताया था कि वह उसे मार डालेगा?"

“नहीं, बिलकुल नहीं। ये उसका अपना विचार था। वो पागल था। वो मनोरोगी था। मैंने उसे चुप रहने और नरक में जाने को कहा। मैंने उससे छुटकारा पा लिया!” वो वापस डिब्बे में आ गया था। वो प्लेटफार्म पर जाने के लिए डिब्बे से बाहर निकल रहा था। तभी उसे ट्रेन के भारी दरवाजे के खुलने की आवाज़ सुनाई दी। उससे छुटकारा पा लिया, उसने सोचा!

"आपने उसे ऐसा करने के लिए नहीं कहा था।"

नहीं। उसने ऐसा करने की बात नहीं कही थी।

“सीधी बात क्यों नहीं करते? बैठ क्यों नहीं जाते?” ओवेन की धीमी, कर्कश आवाज़ ने कमरे को फिर से शांत कर दिया। उसकी आवाज़ सूखी ज़मीन में गड़ी एक बदसूरत चट्टान की तरह थी।

वह बैठना नहीं चाहता था, और पीना भी नहीं चाहता था। उसने ब्रूनो के डिब्बे में इसी तरह स्कॉच पी थी। यह अंत था और वह नहीं चाहता था कि यह शुरुआत जैसा हो। उसने शिष्टाचारवश अपने लिए तैयार किए स्कॉच और पानी के गिलास को छुआ। जब वह मुड़ा, तो ओवेन अपने गिलास में और शराब डाल रहा था, डालता ही जा रहा था, मानो गाय को यह दिखाना चाहता हो कि वह उसकी पीठ पीछे ऐसा करने की कोशिश नहीं कर रहा था।

“खैर,” ओवेन ने धीमी आवाज़ में कहा, “अगर वह आदमी वाकई पागल था जैसा कि तुम कह रहे हो—अंततः अदालत की भी यही राय थी, है ना, कि वह एक पागल ही रहा होगा?”

"हाँ।"

"मेरा मतलब है, मैं समझ सकता हूँ कि आपको बाद में कैसा महसूस हुआ, लेकिन अगर यह सिर्फ एक बातचीत थी जैसा कि आप कह रहे हैं, तो मुझे नहीं लगता कि आपको खुद को इतना दोष देना चाहिए।"

गाइ अविश्वास भरी निगाहों से उसे घूर रहा था। क्या ओवेन के लिए इससे ज़्यादा ज़रूरी कुछ और नहीं था? शायद वह पूरी तरह समझ नहीं पाया था। "लेकिन देखो —"

“तुम्हें इसके बारे में कब पता चला?” ओवेन की भूरी आँखें धुंधली सी लग रही थीं।

“घटना के लगभग तीन महीने बाद। लेकिन देखो, अगर मैं न होता तो मिरियम आज ज़िंदा होती।” गाय ने देखा कि ओवेन फिर से गिलास के पास जा रहा है। उसे कोका-कोला और स्कॉच का घिनौना मिश्रण ओवेन के चौड़े मुँह में उतरता हुआ महसूस हो रहा था। ओवेन क्या करने वाला था? अचानक उठकर गिलास नीचे फेंक देगा, या ब्रूनो की तरह मिरियम का गला घोंट देगा? वह कल्पना भी नहीं कर सकता था कि ओवेन वहीं बैठा रहेगा, लेकिन सेकंड बीतते गए और ओवेन हिला तक नहीं। “देखो, मुझे तुम्हें बताना ही था,” गाय ने ज़ोर देकर कहा। “मैंने तुम्हें वह अकेला इंसान माना जिसे मैंने शायद चोट पहुँचाई थी, वह अकेला इंसान जिसने दुख झेला था। उसका बच्चा तुम्हारा था। तुम उससे शादी करने वाले थे। तुम उससे प्यार करते थे। यह तुम ही थे—”

“अरे, मैंने उससे प्यार नहीं किया।” ओवेन ने बिना किसी भाव परिवर्तन के गाय की ओर देखा।

गाय ने उसे घूरकर देखा। उससे प्यार नहीं करता था, उससे प्यार नहीं करता था, गाय ने सोचा। उसका दिमाग लड़खड़ा गया, बीते समय के उन सभी समीकरणों को फिर से जोड़ने की कोशिश कर रहा था जो अब संतुलित नहीं थे। "उससे प्यार नहीं करता था?" उसने कहा।

“नहीं। मतलब, जैसा आप सोच रहे हैं वैसा नहीं। मैं बिल्कुल नहीं चाहता था कि उसकी मौत हो—और समझिए, मैं इसे रोकने के लिए कुछ भी कर सकता था, लेकिन मुझे इस बात की खुशी थी कि मुझे उससे शादी नहीं करनी पड़ी। शादी करना उसका विचार था। इसीलिए उसने बच्चा पैदा किया। इसमें किसी पुरुष की गलती नहीं है, मैं ऐसा नहीं कहूंगा। क्या आप कहेंगे?” ओवेन नशे में चूर गंभीरता से उसकी ओर देख रहा था, इंतज़ार कर रहा था, उसका चौड़ा मुंह उसी दृढ़,

अनियमित रेखा में था जैसा गवाह के कटघरे में था, गाय के कुछ कहने का, मिरियम के साथ उसके व्यवहार पर फैसला सुनाने का इंतज़ार कर रहा था।

गाय ने कुछ अधीरता भरे इशारे से मुंह फेर लिया। वह समीकरणों को संतुलित नहीं कर पा रहा था। उसे इसमें कोई अर्थ समझ नहीं आ रहा था, सिवाय एक व्यंग्यात्मक अर्थ के। उसके यहाँ होने का कोई कारण नहीं था, सिवाय एक व्यंग्यात्मक कारण के। एक ऐसे अजनबी के लिए, जिसे कोई परवाह नहीं थी, होटल के कमरे में पसीना बहाते हुए, दर्दनाक आत्म-यातना करने का कोई कारण नहीं था, सिवाय एक व्यंग्यात्मक कारण के।

"क्या आपको ऐसा लगता है?" ओवेन ने अपनी बात जारी रखते हुए बगल की मेज पर रखी बोतल की ओर हाथ बढ़ाया।

गाइ एक शब्द भी नहीं बोल सका। उसके अंदर तीव्र, अनकहा गुस्सा उमड़ रहा था। उसने अपनी टाई नीचे सरकाई और कमीज़ का कॉलर खोला, और खुली खिड़कियों में एयर कंडीशनिंग की तलाश में इधर-उधर देखा।

ओवेन ने कंधे उचका दिए। खुली कॉलर वाली कमीज़ और बिना ज़िप वाली चमड़े की जैकेट में वह काफी सहज लग रहा था। गाय के मन में ओवेन के गले में कुछ ठूंसने, उसे पीटने और कुचलने की, और सबसे बढ़कर उसे कुर्सी पर उसके आरामदेह बैठने की जगह से बाहर निकालने की एक कतई बेतुकी इच्छा थी।

"सुनो," गाय ने धीरे से कहना शुरू किया, "मैं एक—"

लेकिन उसी क्षण ओवेन ने बोलना शुरू किया और वह लगातार बड़बड़ाता रहा, गाय की ओर देखे बिना, जो फर्श के बीचोंबीच मुँह खोले खड़ा था। "...दूसरी बार। तलाक के दो महीने बाद शादी की, और तुरंत ही परेशानी शुरू हो गई। मिरियम कुछ अलग होती या नहीं, मुझे नहीं पता, लेकिन मुझे लगता है कि वह और भी बुरी होती। लुइसा दो महीने पहले घर में आग लगाने की कोशिश करने के बाद चली गई, एक बड़ा अपार्टमेंट।" वह बड़बड़ाता रहा और अपनी कोहनी के पास रखी बोतल से अपने गिलास में और स्कॉच डालता रहा, और गाय को ओवेन के इस तरह से खुद को परोक्ष और अपमानित महसूस हुआ। गाय को पूछताछ के दौरान अपना व्यवहार याद आया, पीड़ित के पति के तौर पर उसका व्यवहार बिल्कुल भी अच्छा नहीं था। ओवेन को उसके लिए सम्मान क्यों होना चाहिए? "सबसे बुरी बात

तो यह है कि इसका सबसे बुरा असर पुरुषों पर पड़ता है, क्योंकि महिलाएं ज्यादा बोलती हैं। लुइसा को ही ले लीजिए, वह उस अपार्टमेंट में वापस जा सकती है और उसका स्वागत किया जाएगा, लेकिन मुझे तो बस इतना ही कहना है—"

"सुनो!" गाय ने कहा, अब और बर्दाश्त न कर पाने के कारण। "मैंने भी किसी को मारा है! मैं भी हत्यारा हूँ!"

ओवेन के पैर फिर से ज़मीन पर आ गए, वह फिर से बैठ गया, उसने गाय से खिड़की की ओर और फिर वापस गाय की ओर देखा, मानो वह भागने या खुद का बचाव करने के बारे में सोच रहा हो, लेकिन उसके चेहरे पर घबराहट और चिंता का भाव इतना कमज़ोर और बेमन का था कि वह खुद एक मज़ाक लग रहा था, मानो गाय की गंभीरता का मज़ाक उड़ा रहा हो। ओवेन ने अपना गिलास मेज पर रखने की कोशिश की और फिर रोक दिया। "कैसा लगा?" उसने पूछा।

"सुनो!" गाय फिर चिल्लाया। "सुनो, मैं मरा हुआ हूँ। मैं अभी मर चुका हूँ, क्योंकि मैं खुद को पुलिस के हवाले करने जा रहा हूँ। तुरंत! क्योंकि मैंने एक आदमी को मारा है, समझे? इतना बेपरवाह मत दिखो, और उस कुर्सी पर फिर से पीछे मत झुको!"

"मैं इस कुर्सी पर आराम से क्यों न बैठ जाऊं?" ओवेन के दोनों हाथ अब उसके गिलास पर थे, जिसे उसने अभी-अभी कोका-कोला और स्कॉच से फिर से भरा था।

"क्या आपके लिए इसका कोई मतलब नहीं है कि मैं एक हत्यारा हूँ, और मैंने एक आदमी की जान ली है, ऐसा कुछ भी करने का किसी भी इंसान को अधिकार नहीं है?"

ओवेन ने शायद सिर हिलाया हो, या शायद नहीं भी। खैर, उसने धीरे-धीरे फिर से पानी पिया।

गाइ उसे घूर रहा था। शब्द, हज़ारों-हज़ारों शब्दों का अनकहा उलझाव, मानो उसके खून को भी जमा रहे थे, मानो उसकी मुट्ठी बंद हाथों से उसकी बाहों में गर्मी की लहरें दौड़ा रहे हों। वे शब्द ओवेन के लिए गालियाँ थे, उस कबूलनामे के वाक्य और पैराग्राफ जो उसने उस सुबह लिखा था, जो अब उलझते जा रहे थे क्योंकि कुर्सी पर बैठा वह शराबी बेवकूफ उन्हें सुनना नहीं चाहता था। वह शराबी बेवकूफ उदासीन दिखने पर तुला हुआ था। उसने सोचा कि वह अपने साफ सफेद कमीज़

की आस्तीन, रेशमी टाई और गहरे नीले पतलून में किसी हत्यारे जैसा नहीं दिखता, और शायद उसका तनावग्रस्त चेहरा भी किसी और को हत्यारे जैसा नहीं लगता। "यही तो गलती है," गाइ ने ज़ोर से कहा, "कि कोई नहीं जानता कि हत्यारा कैसा दिखता है। हत्यारा तो किसी भी इंसान जैसा दिखता है!" उसने अपनी मुट्ठी का पिछला हिस्सा अपने माथे पर रखा और फिर नीचे कर लिया, क्योंकि वह जानता था कि आखिरी शब्द आने वाले हैं, और उन्हें रोक नहीं पाया था। यह बिल्कुल ब्रूनो जैसा था।

अचानक गाय गया और अपने लिए एक ड्रिंक ले आया, एक सीधा तीन उंगली वाला शॉट, और उसे पी गया।

“अच्छा लगा कि मुझे पीने का साथी मिल गया,” ओवेन बुदबुदाया। गाय, ओवेन के सामने साफ-सुथरे, हरे रंग के बिस्तर पर बैठ गया। अचानक ही उसे थकान महसूस होने लगी। “इसका कोई मतलब नहीं है,” उसने फिर से कहना शुरू किया, “इसका तुम्हारे लिए कोई मतलब नहीं है, है ना?”

“तुम पहले ऐसे आदमी नहीं हो जिसे मैंने किसी दूसरे आदमी या औरत को मारते देखा हो।” वह हँसा। “मुझे तो लगता है कि ज़्यादातर औरतें आज़ाद घूम रही हैं।”

“मैं आज़ाद नहीं हो रहा। मैं आज़ाद नहीं हूँ। मैंने ये सब ठंडे दिमाग से किया है। मेरे पास कोई वजह नहीं थी। क्या तुम्हें नहीं लगता कि ये और भी बुरा हो सकता है? मैंने ये इसलिए किया—” वो कहना चाहता था कि उसने ये इसलिए किया क्योंकि उसके अंदर इतनी विकृति थी कि वो ऐसा करने को मजबूर हो गया, कि उसने ये लकड़ी में कीड़े की वजह से किया, लेकिन वो जानता था कि ओवेन को ये बात समझ नहीं आएगी, क्योंकि ओवेन एक व्यावहारिक आदमी था। ओवेन इतना व्यावहारिक था कि वो उसे मारने, उससे भागने या पुलिस को बुलाने की ज़हमत भी नहीं उठाएगा, क्योंकि कुर्सी पर बैठे रहना ज़्यादा आरामदायक था।

ओवेन ने अपना सिर ऐसे हिलाया मानो वह सचमुच गाय की बात पर विचार कर रहा हो। उसकी पलकें आधी झुकी हुई थीं। वह मुड़ा और अपनी कमर की जेब में कुछ ढूंढने लगा, शायद तंबाकू का एक पैकेट। उसने अपनी कमीज़ की जेब से सिगरेट के कागज़ निकाले।

गाइ घंटों तक उसके काम को देखता रहा। "लो," गाइ ने कहा और उसे अपनी सिगरेट दे दी।

ओवेन ने उन्हें संदेह भरी नजरों से देखा। "ये किस तरह के हैं?"

“कनाडाई। ये काफी अच्छे हैं। एक बार जरूर चखें।”

“धन्यवाद, मैं—” ओवेन ने अपने दांतों से थैला बंद किया—“अपनी खुद की बनाई हुई सिगरेट पसंद करता हूँ।” उसने सिगरेट बनाने में कम से कम तीन मिनट लगाए।

“यह ठीक वैसा ही था जैसे मैंने किसी सार्वजनिक पार्क में किसी पर बंदूक तानकर उसे गोली मार दी हो,” गाय लगातार बोलता रहा, मानो वह कुर्सी पर रखे किसी निर्जीव वस्तु, जैसे डिक्टाफोन से बात कर रहा हो, बस फर्क इतना था कि उसके शब्दों का उस पर कोई असर नहीं हो रहा था। क्या ओवेन को यह एहसास नहीं हो रहा था कि वह इस होटल के कमरे में भी उस पर बंदूक तान सकता है? गाय ने कहा, “मुझे ऐसा करने पर मजबूर होना पड़ा। मैं पुलिस को यही बताऊंगा, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि असल बात तो यह है कि मैंने ही यह किया है। देखो, मुझे तुम्हें ब्रूनो का विचार बताना है।” कम से कम ओवेन अब उसकी तरफ देख रहा था, लेकिन उसका चेहरा, मंत्रमुग्ध होने के बजाय, एक सुखद, विनम्र, नशे में धुत्त ध्यान का भाव लिए हुए लग रहा था। गाय ने इसे अपने रास्ते में रुकावट नहीं बनने दिया। “ब्रूनो का विचार था कि हम एक-दूसरे के लिए हत्या करें, वह मिरियम को मारे और मैं उसके पिता को। फिर वह टेक्सास आया और मेरी पीठ पीछे मिरियम को मार डाला। मेरी जानकारी या सहमति के बिना, समझे?” उसके शब्दों का चुनाव घिनौना था, लेकिन कम से कम ओवेन सुन तो रहा था। कम से कम शब्द तो निकल रहे थे। “मुझे इसके बारे में पता नहीं था, और मुझे ज़रा भी शक नहीं था—सच में। कई महीनों बाद तक। और फिर वह मुझे सताने लगा। वह मुझसे कहने लगा कि अगर मैंने उसकी बाकी की घिनौनी योजना पूरी नहीं की, तो वह मरियम की मौत का इल्ज़ाम मुझ पर लगा देगा, समझे? जो थी उसके पिता को मारना। पूरी योजना इस बात पर टिकी थी कि हत्याओं का कोई कारण नहीं था। कोई निजी मकसद नहीं था। इसलिए हमें अलग-अलग ट्रैक नहीं किया जा सकता था। बशर्ते हम एक-दूसरे से न मिलें। लेकिन यह एक अलग बात

है। असली बात यह है कि मैंने उसे मार डाला। मैं टूट चुका था। ब्रूनो ने मुझे चिट्ठियों, ब्लैकमेल और नींद न आने देकर तोड़ दिया। उसने मुझे पागल भी कर दिया। और सुनो, मेरा मानना है कि किसी भी इंसान को तोड़ा जा सकता है। मैं तुम्हें तोड़ सकता हूँ। अगर हालात एक जैसे हों, तो मैं तुम्हें तोड़कर किसी को मरवा सकता हूँ। हो सकता है कि इसके लिए ब्रूनो द्वारा मुझ पर इस्तेमाल किए गए तरीकों से अलग तरीके अपनाने पड़ें, लेकिन ऐसा किया जा सकता है। तुम्हें क्या लगता है कि तानाशाही राज्यों को और क्या चीज़ चलाती है? या क्या तुम कभी इन चीज़ों के बारे में सोचते हो, ओवेन?" खैर, मैं पुलिस को यही बताऊंगा, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि वे कहेंगे कि मुझे गाड़ी खराब नहीं करनी चाहिए थी।

इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि वे कहेंगे कि मैं कमजोर था। लेकिन अब मुझे परवाह नहीं है, समझे? अब मैं किसी का भी सामना कर सकता हूँ, समझे?" वह ओवेन के चेहरे की ओर देखने के लिए झुका, लेकिन ओवेन ने मानो उसे देखा ही नहीं। ओवेन का सिर एक तरफ झुका हुआ था, उसके हाथ पर टिका हुआ था। गाय सीधा खड़ा हो गया। वह ओवेन को समझा नहीं सका, उसे महसूस हो रहा था कि ओवेन मुख्य बात को बिल्कुल नहीं समझ रहा है, लेकिन इससे भी कोई फर्क नहीं पड़ता। "वे मेरे साथ जो भी करना चाहें, मैं स्वीकार करूँगा। कल पुलिस को भी मैं यही बात कहूँगा।"

"क्या आप इसे साबित कर सकते हैं?" ओवेन ने पूछा।

"क्या साबित करना है? मेरे द्वारा एक आदमी की हत्या करने के बारे में क्या साबित करना है?"

ओवेन की उंगलियों से बोतल फिसलकर फर्श पर गिर गई, लेकिन उसमें अब इतनी कम मात्रा थी कि लगभग कुछ भी नहीं गिरा। "आप एक वास्तुकार हैं, है ना?" ओवेन ने पूछा। "मुझे अब याद आया।" उसने बोतल को बड़ी मुश्किल से सीधा किया और उसे फर्श पर ही छोड़ दिया।

इससे क्या फर्क पड़ता है?

"मैं सोच रहा था।"

"क्या जानना चाहते हो?" गाय ने बेसब्री से पूछा।

“क्योंकि तुम थोड़े सनकी लग रहे हो—अगर मेरी सच्ची राय जानना चाहते हो तो। वैसे मैं यह नहीं कह रहा कि तुम सनकी हो।” और ओवेन के धुंधले चेहरे के पीछे अब एक साधारण सी चिंता थी कि कहीं गाय आकर उसकी इस टिप्पणी पर उसे मार न दे। जब उसने देखा कि गाय हिला तक नहीं, तो वह अपनी कुर्सी पर वापस बैठ गया और पहले से भी ज़्यादा झुक गया।

गाय ओवेन के सामने पेश करने के लिए एक ठोस विचार खोजने की कोशिश कर रहा था। वह नहीं चाहता था कि उसके श्रोता उदासीन होकर चले जाएं। "सुनो, तुम उन लोगों के बारे में क्या सोचते हो जिन्हें तुम जानते हो जिन्होंने किसी की हत्या की है? तुम उनके साथ कैसा व्यवहार करते हो? तुम उनके साथ कैसा बर्ताव करते हो? क्या तुम उनके साथ भी वैसे ही समय बिताते हो जैसे किसी और के साथ बिताते हो?"

गाइ की कड़ी निगरानी में, ओवेन ने सोचने की कोशिश की। अंत में उसने मुस्कुराते हुए, पलकें झपकाते हुए कहा, "जीओ और जीने दो।"

उसे फिर से गुस्सा आ गया। एक पल के लिए, ऐसा लगा जैसे कोई गर्म शिकंजे में जकड़ा हो, उसके शरीर और दिमाग को जकड़ रहा हो। उसके मन में जो भावनाएं थीं, उन्हें व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं थे। या शायद इतने सारे शब्द थे कि शुरुआत ही मुश्किल थी। एक शब्द अपने आप बना और उसके दांतों के बीच से निकल गया: "बेवकूफ!"

ओवेन अपनी कुर्सी पर थोड़ा सा हिला, लेकिन उसका शांत स्वभाव बरकरार रहा। वह तय नहीं कर पा रहा था कि मुस्कुराए या भौंहें चढ़ाए। "इससे मेरा क्या लेना-देना?" उसने दृढ़ता से पूछा।

“क्या काम? क्योंकि आप—आप समाज का हिस्सा हैं!”

“अच्छा, तो फिर ये समाज का मामला है,” ओवेन ने लापरवाही से हाथ हिलाते हुए जवाब दिया। वह स्कॉच की बोतल को देख रहा था, जिसमें सिर्फ आधा इंच ही बची थी।

गाइ ने सोचा, ये क्या बात है? क्या ये उसका असली रवैया था, या वो नशे में था? ये ज़रूर ओवेन का रवैया होगा। अब उसके झूठ बोलने का कोई कारण नहीं था। फिर उसे याद आया कि ब्रूनो पर शक होने पर उसका भी यही रवैया था, ब्रूनो के

उसका पीछा करने से पहले। क्या ज़्यादातर लोगों का यही रवैया होता है? अगर ऐसा है, तो समाज आखिर है क्या?

गाय ने ओवेन से मुंह मोड़ लिया। वह समाज को भली-भांति जानता था। लेकिन जिस समाज के बारे में वह अपने संदर्भ में सोच रहा था, उसे एहसास हुआ कि वह कानून था, अटल नियम थे। समाज में ओवेन जैसे लोग थे, उसके जैसे लोग थे, और पाम बीच में ब्रिलहार्ट जैसे लोग थे। क्या ब्रिलहार्ट उसकी शिकायत करता? नहीं। वह कल्पना भी नहीं कर सकता था कि ब्रिलहार्ट उसकी शिकायत करेगा। हर कोई इसे किसी और के लिए छोड़ देगा, जो इसे किसी और के लिए छोड़ देगा, और कोई भी ऐसा नहीं करेगा। क्या उसे नियमों की परवाह थी? क्या यह एक नियम ही नहीं था जिसने उसे मिरियम से बांधे रखा था? क्या वह एक व्यक्ति नहीं था जिसकी हत्या हुई थी, और इसलिए वह व्यक्ति महत्वपूर्ण था? अगर ओवेन से लेकर ब्रिलहार्ट तक के लोगों ने उसे धोखा देने की परवाह नहीं की, तो क्या उसे और परवाह करनी चाहिए? आज सुबह उसने क्यों सोचा कि वह पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करना चाहता था? यह कैसा आत्म-पीड़ावाद था? वह आत्मसमर्पण नहीं करेगा। अब उसके अंतरात्मा पर वास्तव में क्या बोझ था? कौन सा इंसान उसके बारे में जानकारी देगा?

“मुखबिर को छोड़कर,” गाय ने कहा। “मुझे लगता है कि मुखबिर जानकारी दे देगा।”

“बिल्कुल सही,” ओवेन ने सहमति जताते हुए कहा। “एक गंदा, बदबूदार मुखबिर।” उसने राहत भरी हंसी हंसते हुए कहा।

गाय आसमान की ओर घूर रहा था, माथे पर शिकन थी। वह कोई ठोस आधार खोजने की कोशिश कर रहा था जो उसे उस चीज़ तक ले जाए जिसे उसने अभी-अभी एक पल में देखा था, जो उसके बहुत आगे थी। उसने कहा, "कानून समाज नहीं है। समाज तो उसके, ओवेन और ब्रिलहार्ट जैसे लोग हैं, जिन्हें समाज के किसी सदस्य की जान लेने का अधिकार नहीं है। फिर भी कानून को यह अधिकार है।" "और फिर भी कानून को कम से कम समाज की इच्छा तो होनी चाहिए। यह वह भी नहीं है। या शायद यह सामूहिक रूप से है," उसने आगे कहा, यह जानते हुए कि हमेशा की तरह वह अपनी बात पर अड़ रहा था, किसी निष्कर्ष पर पहुँचने से पहले

ही, चीजों को और भी जटिल बना रहा था, उन्हें निश्चित साबित करने की कोशिश में।

“हम्म?” ओवेन ने धीमी आवाज़ में कहा। उसका सिर कुर्सी पर पीछे की ओर टिका हुआ था, उसके काले बाल माथे पर बिखरे हुए थे और उसकी आँखें लगभग बंद थीं।

"नहीं, लोग सामूहिक रूप से किसी हत्यारे को पीट-पीटकर मार सकते हैं, लेकिन कानून का उद्देश्य ठीक यही रोकना है।"

“लिंचिंग का कभी समर्थन मत करो,” ओवेन ने कहा। “यह सच नहीं है! इससे पूरे दक्षिण की छवि बेवजह खराब होती है।”

“मेरा मतलब यह है कि अगर समाज को किसी दूसरे व्यक्ति की जान लेने का अधिकार नहीं है, तो कानून को भी नहीं है। मेरा मतलब है, कानून नियमों का एक ऐसा समूह है जो पीढ़ी दर पीढ़ी चला आ रहा है और जिसमें कोई दखल नहीं दे सकता, कोई इंसान उसे छू नहीं सकता। लेकिन आखिर कानून इंसानों से ही तो निपटता है। मैं आप और मेरे जैसे लोगों की बात कर रहा हूँ। खासकर मेरे मामले की। अभी तो मैं सिर्फ अपने मामले की बात कर रहा हूँ। लेकिन यह तो सिर्फ तर्क है। ओवेन, क्या तुम जानते हो? इंसानों के मामले में तर्क हमेशा सही नहीं बैठता। इमारत बनाते समय तो यह ठीक है, क्योंकि तब सामग्री अपने हिसाब से व्यवहार करती है, लेकिन—” उसकी दलील हवा में उड़ गई। एक दीवार ने उसे एक और शब्द बोलने से रोक दिया, क्योंकि वह आगे सोच ही नहीं पा रहा था। उसने ज़ोर से और साफ़-साफ़ बोला था, लेकिन वह जानता था कि ओवेन सुन नहीं रहा था, चाहे वह सुनने की कोशिश ही क्यों न कर रहा हो। और फिर भी, पाँच मिनट पहले तक ओवेन उसके गुनाह के सवाल पर बेपरवाह था। "मुझे आश्चर्य है कि जूरी का क्या होगा?" गाय ने कहा।

“कौन सी जूरी?”

“क्या जूरी बारह इंसानों की होती है या कानूनों का एक समूह? यह एक दिलचस्प मुद्दा है। मुझे लगता है कि यह हमेशा ही दिलचस्प मुद्दा रहता है।” उसने बोतल का बचा हुआ हिस्सा अपने गिलास में डाला और पी गया। “लेकिन मुझे नहीं

लगता कि यह तुम्हारे लिए दिलचस्प है, है ना, ओवेन? तुम्हारे लिए दिलचस्प क्या है?"

ओवेन चुप और गतिहीन था।

"तुम्हें कुछ भी दिलचस्प नहीं लगता, है ना?" गाय ने ओवेन के बड़े, घिसे-पिटे भूरे जूतों को देखा जो कालीन पर बेजान पड़े थे, उनकी उंगलियां एक-दूसरे की ओर मुड़ी हुई थीं, क्योंकि वे एड़ियों पर टिके थे। अचानक, उनकी यह ढीली, बेशर्म, भारी मूर्खता उसे सारी मानवीय मूर्खता का सार लगी। यह तुरंत उसके पुराने गुस्से में बदल गई, जो उन लोगों की निष्क्रिय मूर्खता के प्रति था जो उसके काम में बाधा डाल रहे थे, और इससे पहले कि उसे पता चले कि कैसे या क्यों, उसने ओवेन के जूते के किनारे पर ज़ोर से लात मार दी। फिर भी, ओवेन हिला तक नहीं। उसका काम, गाय ने सोचा। हाँ, उसे अपने काम पर वापस जाना था। बाद में सोचेंगे, बाद में सब ठीक से समझ लेंगे, लेकिन उसे काम करना था।

उसने अपनी घड़ी देखी। बारह बजकर दस मिनट हो चुके थे। वह यहाँ सोना नहीं चाहता था। उसने सोचा कि क्या आज रात कोई हवाई जहाज़ है? कुछ न कुछ तो होगा ही। या फिर कोई ट्रेन।

उसने ओवेन को हिलाया। "ओवेन, उठो। ओवेन!"

ओवेन ने धीरे से एक सवाल पूछा।

मुझे लगता है कि आपको घर पर बेहतर नींद आएगी।

ओवेन उठकर बैठ गया और स्पष्ट रूप से बोला, "मुझे इस पर संदेह है।"

गाय ने बिस्तर से अपना कोट उठाया। उसने चारों ओर देखा, लेकिन उसे कुछ भी छूटा हुआ नहीं मिला क्योंकि वह कुछ लाया ही नहीं था। उसने सोचा, अब एयरपोर्ट को फोन करना बेहतर रहेगा।

"शौचालय कहाँ है?" ओवेन खड़ा हो गया। "मुझे अच्छा नहीं लग रहा है।"

गाय को टेलीफोन नहीं मिला। हालांकि, बेड टेबल के पास एक तार था। उसने तार का पीछा करते हुए बेड के नीचे तक गया। टेलीफोन का रिसीवर नीचे ज़मीन पर पड़ा था, और वह तुरंत समझ गया कि यह गिरा नहीं था, क्योंकि इसके दोनों हिस्से बेड के निचले हिस्से के पास घिसट कर रखे गए थे, और इसका हैंडल उस

कुर्सी पर टिका हुआ था जहाँ ओवेन बैठा था। गाय ने धीरे-धीरे टेलीफोन को अपनी ओर खींचा।

"अरे, यहाँ कहीं कोई शौचालय नहीं है क्या?" ओवेन एक अलमारी का दरवाजा खोल रहा था।

“शायद हॉल के दूसरी तरफ होगा।” उसकी आवाज़ कांप रही थी। उसने फ़ोन को बोलने की मुद्रा में पकड़ रखा था, और अब उसे अपने कान के पास लाया। उसे एक जीवित तार की खामोशी सुनाई दी। “हेलो?” उसने कहा।

"हैलो, मिस्टर हेन्स।" आवाज़ मधुर, विनम्र और बिल्कुल भी रूखी नहीं थी।

गाइ ने व्यर्थ ही टेलीफोन को कुचलने की कोशिश की, और फिर बिना कुछ कहे हार मान ली। यह उसके लिए किसी किले के गिरने जैसा था, किसी विशाल इमारत के ढहने जैसा था, लेकिन वह बारूद की तरह बिखर गई और चुपचाप गिर पड़ी।

“मेरे पास डिक्टाफोन इस्तेमाल करने का समय नहीं था। लेकिन मैंने आपके दरवाजे के ठीक बाहर से ही लगभग सब कुछ सुन लिया। क्या मैं अंदर आ सकता हूँ?”

गाय ने सोचा, जेरार्ड के जासूस न्यूयॉर्क हवाई अड्डे पर ज़रूर रहे होंगे, ज़रूर किसी चार्टर्ड प्लेन से उसका पीछा किया होगा। मुमकिन था। और ये रहा वो। और वो इतना बेवकूफ था कि रजिस्टर पर अपने नाम से हस्ताक्षर कर दिए। "अंदर आओ," गाय की आवाज़ गूंजी। उसने फ़ोन का रिसीवर रखा और अकड़कर खड़ा हो गया, दरवाज़े की तरफ़ देखता रहा। उसका दिल इतनी तेज़ी से धड़क रहा था जितना पहले कभी नहीं धड़का था, इतना तेज़ और ज़ोर से कि उसे लगा जैसे उसकी मौत होने वाली है। भागो, उसने सोचा। छलांग लगाओ, अंदर आते ही हमला करो। यही तुम्हारा आख़िरी मौका है। लेकिन वो हिला तक नहीं। उसे हल्का-फुल्का एहसास हुआ कि उसके पीछे कोने में रखे बेसिन में ओवेन उल्टी कर रहा है। तभी दरवाज़े पर दस्तक हुई, और वो उसकी तरफ़ बढ़ा, सोचते हुए कि आख़िरकार ऐसा ही होना था, अचानक, किसी अजनबी के साथ, जो कुछ नहीं समझता, कमरे के कोने में रखे बेसिन में उल्टी करते हुए, बिना किसी व्यवस्थित सोच के, और उससे भी बुरा, आधी बातें तो वो पहले ही उलझन में बोल चुका हो। गाय ने दरवाज़ा खोला।

"हैलो," जेरार्ड ने कहा और वह अपनी टोपी पहने और हाथ लटकाए हुए अंदर आया, ठीक वैसे ही जैसे वह हमेशा दिखता था।

“यह कौन है?” ओवेन ने पूछा।

“मिस्टर हेन्स के दोस्त,” जेरार्ड ने सहजता से कहा और पहले की तरह गंभीर गोल चेहरे वाले गाय की ओर देखते हुए उसे आँख मारी। “मुझे लगता है कि आप आज रात न्यूयॉर्क जाना चाहते हैं, है ना?”

गाय जेरार्ड के जाने-पहचाने चेहरे को, उसके गाल पर मौजूद बड़े तिल को, और उस चमकीली, जीवंत आँख को घूर रहा था जिसने उसे आँख मारी थी, निस्संदेह आँख मारी थी। जेरार्ड ही कानून था। जेरार्ड उसके पक्ष में था, जहाँ तक कोई भी व्यक्ति हो सकता था, क्योंकि जेरार्ड ब्रूनो को जानता था। गाय को अब यह बात पता चल गई थी, मानो वह इसे हमेशा से जानता हो, फिर भी यह बात उसे पहले कभी सूझी नहीं थी। वह यह भी जानता था कि उसे जेरार्ड का सामना करना ही होगा। यह सब कुछ का हिस्सा था, और हमेशा से रहा है। यह अपरिहार्य और नियति थी, जैसे पृथ्वी का घूमना, और कोई भी तर्क-वितर्क उसे इससे मुक्त नहीं कर सकता था।

“एह?” जेरार्ड ने कहा।

गाय ने बोलने की कोशिश की, और जो वह कहना चाहता था उससे बिल्कुल अलग बात कह दी। "मुझे ले चलो।"

******* समाप्त *******

sjeet

लेखक के बारे में

पेट्रीसिया हाईस्मिथ का जन्म 1921 में फोर्ट वर्थ, टेक्सास में हुआ था और उन्होंने अपने वयस्क जीवन का अधिकांश समय स्विट्जरलैंड और फ्रांस में बिताया।

उन्होंने बर्नार्ड कॉलेज में शिक्षा प्राप्त की, जहाँ उन्होंने अंग्रेजी, लैटिन और ग्रीक का अध्ययन किया। उनका पहला उपन्यास, 'स्ट्रेंजर्स ऑन अ ट्रेन', जो पहली बार 1950 में प्रकाशित हुआ था, व्यावसायिक रूप से बहुत सफल रहा और अल्फ्रेड हिचकॉक द्वारा इस पर फिल्म बनाई गई। इस शुरुआती पहचान के बावजूद, हाईस्मिथ को अपने पूरे करियर के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका में सराहना नहीं मिली।

क्लेयर मॉर्गन के छद्म नाम से लिखते हुए, उन्होंने 1952 में 'द प्राइस ऑफ साल्ट' प्रकाशित की, जिसे उनके पिछले अमेरिकी प्रकाशक ने समलैंगिक विषयों के स्पष्ट चित्रण के कारण अस्वीकार कर दिया था। उनकी सबसे लोकप्रिय साहित्यिक रचना टॉम रिप्ले थी, जो एक आकर्षक और समाजविरोधी चरित्र था, जिसने पहली बार उनके 1955 के उपन्यास 'द टैलेंटेड मिस्टर रिप्ले' में अपनी शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने रिप्ले पर आधारित चार और उपन्यास लिखे। मरणोपरांत 'द टैलेंटेड मिस्टर रिप्ले' पर बनी इस फिल्म ने संयुक्त राज्य अमेरिका में हाईस्मिथ के कार्यों के प्रति एक बार फिर से सराहना जगाने में मदद की है।

बीस से अधिक पुस्तकों की लेखिका हाईस्मिथ को ओ. हेनरी मेमोरियल अवार्ड, एडगर एलन पो अवार्ड, ले ग्रैंड प्रिक्स डी लिटरेचर पोलिसिएर और ग्रेट ब्रिटेन के क्राइम राइटर्स एसोसिएशन का पुरस्कार प्राप्त हुआ था। उनका निधन 4 फरवरी, 1995 को स्विट्जरलैंड में हुआ और उनके साहित्यिक संग्रह बेसल में संरक्षित हैं।

पेट्रीसिया हाईस्मिथ की प्रशंसा:

"पैट्रीशिया हाईस्मिथ के उपन्यास बेजोड़ रूप से विचलित करने वाले हैं... बुरे सपने जो हमें पूरी रात बेचैन रखते हैं।"

-न्यू यॉर्क वाला

"भयानक, विचलित करने वाली और आकस्मिक न होने वाली घटनाओं का एक सीमावर्ती क्षेत्र... हाईस्मिथ अलौकिक तंत्र का सहारा लिए बिना ही रहस्यमय प्रभाव पैदा कर देते हैं।"

— न्यूयॉर्क टाइम्स बुक रिव्यू

“हालाँकि हाईस्मिथ निस्संदेह जोनाथन स्विफ्ट या एवलिन वॉ के साथ किसी भी प्रकार के संबंध से इनकार करेंगी, लेकिन उनकी सर्वश्रेष्ठ रचनाएँ उसी परंपरा में हैं। ... हाईस्मिथ का गहरा और कभी-कभी क्रूर हास्य, और उनकी सटीक और तीखी गद्य शैली में निहित बुद्धिमत्ता ही उन लेखकों की याद दिलाती है।”

—न्यूज़डे

पेट्रीशिया हाईस्मिथ की रचनाओं में, हत्या को लगभग उतनी ही सहजता से घटित दिखाया गया है जितनी किसी गाड़ी के टायर में हल्की सी टक्कर लगना या फूड पॉइज़निंग होना। नाटकीयता को इस तरह कम करके दिखाने की उनकी शैली की बहुत प्रशंसा हुई है, साथ ही उनके मनोरोगी पात्रों के दैनिक जीवन और मानसिक प्रक्रियाओं को दर्शाने वाले सरल विवरणों की भी। ये दोनों बातें निस्संदेह उनकी कहानियों में अपराध को सरल बनाने में योगदान देती हैं, जिससे पाठक उस घिनौनी कल्पना में और भी गहराई से डूब जाता है जिसे बुन रही हैं।

—रॉबर्ट टावर्स, न्यूयॉर्क रिव्यू ऑफ बुक्स

"परिचित परिवेश में छिपे खतरे को उजागर करने के लिए पेट्रीसिया हाईस्मिथ जैसा कोई नहीं है।"

-समय

"हाईस्मिथ के अधिकांश उपन्यासों में अंतर्निहित खतरे की भावना, समाज की तर्कसंगत रोजमर्रा की व्यवस्था से परे विचारों और दृष्टिकोणों का संकेत, कई पाठकों को बेचैन कर देता है। उनकी अधिकांश पुस्तकें पढ़ने के बाद पाठक को यह एहसास होता है कि दुनिया कल्पना से कहीं अधिक खतरनाक है।"

—जूलियन सिमंस, न्यूयॉर्क टाइम्स बुक रिव्यू

"मंत्रमुग्ध कर देने वाला... कमजोर दिमाग और आसानी से प्रभावित होने वाले लोगों के लिए अनुशंसित नहीं है।"

—वाशिंगटन पोस्ट बुक वर्ल्ड

“एक ऐसी लेखिका जिसने अपनी ही एक दुनिया बनाई है—एक घुटन भरी और अतार्किक दुनिया जिसमें हम हर बार व्यक्तिगत खतरे की अनुभूति के साथ प्रवेश करते हैं... पेट्रीसिया हाईस्मिथ आशंका की कवयित्री हैं।”

—ग्राहम ग्रीन

"पैट्रीशिया हाईस्मिथ को अक्सर रहस्य या अपराध कथा लेखिका कहा जाता है, जो कुछ हद तक पिकासो को चित्रकार कहने जैसा है।"

—क्लीवलैंड प्लेन डीलर

"पैट्रीशिया हाईस्मिथ की रचनाओं के हर पृष्ठ पर एक अज्ञात भय और अवर्णनीय आशंका का माहौल व्याप्त है, और इसके जैसा कुछ और नहीं है।"

— बोस्टन ग्लोब

"[हाईस्मिथ] में आतंक की लय को समझने की अद्भुत क्षमता है।"

—टाइम्स लिटरेरी सप्लीमेंट

"पैट्रीशिया हाईस्मिथ को थ्रिलर लेखिका कहना सही है, लेकिन पूरी तरह सच नहीं है: उनकी किताबों में शैलीगत बनावट, मनोवैज्ञानिक गहराई और सम्मोहक पठनीयता है।"

—द संडे टाइम्स (लंदन)

"हाईस्मिथ सहज रूप से कपटी व्यक्तित्व को अत्यंत व्यंग्यात्मक ढंग से चित्रित करने वाले चित्रकार हैं।"

—न्यूज़डे

"हाईस्मिथ के उपन्यास साहित्यिक न्याय की आपकी समझ को झकझोर देते हैं, सही और गलत के आपके आंतरिक तराजू को झुका देते हैं। वास्तविक दुनिया में नैतिक व्यवस्था कम स्थिर प्रतीत होती है क्योंकि वह अपने पाठकों की नैतिक भावना को कुशलतापूर्वक विकृत कर देती हैं।"

—क्लीवलैंड प्लेन डीलर

“हाईस्मिथ... व्यक्तिगत, मनोवैज्ञानिक और राजनीतिक बुराई के अस्तित्व में एक दृढ़, अटूट विश्वास व्यक्त करती हैं... हाईस्मिथ के लेखन की प्रतिभा यह है कि यह एक ही समय में बेहद परेशान करने वाला और रोमांचक है।”

—बोस्टन फीनिक्स

पैट्रीशिया हाईस्मिथ द्वारा 1950 में कॉपीराइट किया गया
पहली बार 2001 में नॉर्टन पेपरबैक के रूप में प्रकाशित हुआ।
मूलतः 1950 में हार्पर एंड ब्रदर्स, न्यूयॉर्क और क्रेसेट प्रेस, लंदन द्वारा प्रकाशित।

सर्वाधिकार सुरक्षित

इस पुस्तक से चुने गए अंशों के पुनरुत्पादन की अनुमति के बारे में जानकारी के लिए, W. W. Norton & Company, Inc., 500 Fifth Avenue, New York, NY 10110 पर परमिशन विभाग को लिखें।

इस पुस्तक का पाठ बेम्बो भाषा में लिखा गया है।
रचना और डिजाइन: अमांडा मॉरिसन

लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस कैटलॉगिंग-इन-पब्लिकेशन डेटा

हाईस्मिथ, पेट्रीसिया, 1921–
ट्रेन में अजनबी / पेट्रीसिया हाईस्मिथ द्वारा।
पी. सेमी.
ISBN 0-393-32198-3 (पेपरबैक)
1. रेल यात्रा—काल्पनिक। 2. हत्यारे—काल्पनिक। I. शीर्षक।

पीएस3558.आई366 एस77 2001
813’.54—dc21 2001030821

ISBN: 978-0-393-34469-1 (ई-पुस्तक)

डब्ल्यू. डब्ल्यू. नॉर्टन एंड कंपनी, इंक.
500 फिफ्थ एवेन्यू, न्यूयॉर्क, एन.वाई. 10110
www.wwnorton.com

डब्ल्यू. डब्ल्यू. नॉर्टन एंड कंपनी लिमिटेड
कैसल हाउस, 75/76 वेल्स स्ट्रीट, लंदन W1T 3QT